हिन्दुस्तानी कोष

[हिन्दुस्तानी या उर्दू शब्दों के हिन्दी अर्थ]

सम्पादक
हरिशङ्कर शर्मा

प्रकाशक
गयाप्रसाद एण्ड सन्स
शफाखाना रोड, आगरा

नम्र निवेदन

यद्यपि भारत सरकार द्वारा हिन्दी राष्ट्र-भाषा के रूप में स्वीकार कर ली गयी है, तथापि हिन्दुस्तानी या उर्दू का प्रचार भी बराबर बना हुआ है, और अभी बहुत दिनों तक बना रहेगा। क्योंकि सैकड़ों वर्षों के सम्पर्क और सम्बन्ध के कारण हिन्दुस्तानी (उर्दू) हमारे जीवन में घुल मिल सी गयी है। साथ ही उर्दू में काव्य-साहित्य भी उच्च कोटि का है, उसके सुनने समझने की जिज्ञासा का बना रहना भी स्वाभाविक है। इस 'हिन्दुस्तानी कोष' की रचना इसीलिये की गयी है, कि जो लोग उर्दू (फ़ारसी) लिपि नहीं जानते वे नागरी लिपि की सहायता से ही उर्दू साहित्य का अनुशीलन या अध्ययन कर सकें, उसे समझ तथा सराह सकें।

किसी शब्द-कोष की रचना में मौलिकता का स्थान कठिनता से ही हो सकता है। इस कोष के सम्बन्ध में भी यही बात है। इसमें ऐसी कोई बात नहीं है, जिसे मैं अपनी 'उपज' या 'सूझ' कह सकूँ। फ़ारसी, अरबी शब्द-समूहों और मुहावरों को एकत्र कर देना ही मेरा काम कहा जा सकता है। यह शब्द-समूह भी, जैसा कि स्वाभाविक है, पूर्व प्रकाशित उर्दू, फ़ारसी तथा हिन्दुस्तानी कोषों से लिया गया है। अर्थ भी प्राय सर्व सम्मत ही दिए गए हैं। हाँ, शब्दों के चुनाव में यदि कुछ विशेषता है तो वही मेरी वस्तु कही जा सकती है। अस्तु,

यह 'हिन्दुस्तानी कोप' आपके सामने है। इसे अपनाइए और उर्दू (हिन्दुस्तानी) फ़ारसी साहित्य के समझने में सहायता लीजिए। इस कोप का उपयोग करते हुए, आशा है आपको निराश न होना पड़ेगा और इसमें प्राय वे सब शब्द मिल जायँगे, जिनके लिए प्राय कोप देखा जाता है।

अन्त में मैं उन सभी विद्वान् कोषकारों को धन्यवाद देता हूँ जिनके कोपों से, इस 'हिन्दुस्तानी कोप' के तैयार करने में मैंने कुछ भी सहायता ली है। मैं उनका ऋणी, कृतज्ञ और उपकृत हूँ।

शकर सदन, आगरा।
विजयादशमी २००६

हरिशङ्कर शर्मा

हिंदुस्तानी कोष

अ

अंगज—(फ) अंकुश जिससे हाथी हाँकते हैं।

अंगबीं—(फ) मधु, शहद।

अंगशत—(फ) हाथी हाँकने का अंकुश।

अंगारा—(फ) तसवीर का खाका, कहानी, हिसाब के कागज़।

अंगुश्त—(फ) उँगली।

अंगुश्तनुमा—(फ) (विशेष कर किसी बुरी बात के लिए) जिसकी ओर उँगली उठे। सुस्त, निन्दित।

अंगुश्तनुमाई—(फ) अंगुली निर्देश, किसी की ओर उँगलियाँ उठना।

अंगुश्तरी—(फ) अँगूठी, मुँदरी।

अंगुश्ताना—(फ) उँगली में पहनने की लोहे या पीतल की टोपी।जो दर्जियों के काम आती है।

अंगूर—(फ) इस नाम की प्रसिद्ध मेवा, द्राक्षा, दाख। घाव भरते समय उसमें दीखने वाली लालिमा, एक प्रकार की आतिश बाज़ी।

अंगूरी—(फ) अंगूर से बना हुआ, अंगूर के रंग का।

अंगेख्तन—(फ) उभाड़ना, उकसाना, उत्तेजित करना।

अंगेज़—(फ) उभाड़ने वाला, उत्तेजित करने वाला, उकसाने वाला, जैसे—इश्तआल अंगेज़। अंगेज़ प्राय' शब्द के अन्त में आता है।

अंगोज़ा—(फ) हींग।

अंजाम—(फ) अन्त, परिणाम, नतीजा, फल।

अंजामकार—अन्त में, फलत'।

अंजाम देना—पूरा करना।

अंजीर—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध फल।

अंजुम—(अ) "नज्म" का बहुवचन, ग्रह, नक्षत्र, सितारे।

अंजुमन—(फ) सभा, समिति, मजलिस, महफ़िल।

अंजुमन इमदाद बाहमी—(फ) सहकारी-समिति।

अंजुमशनास—(फ) रक्षक, चौकीदार, ज्योतिषी।
अन्दरूनी—(फ) आन्तरिक।
अइज्ज—(अ) मित्र, प्रिय।
अइज्जा—(अ) कुटुम्बी, मित्र लोग।
अक़तार—(अ) "कतरा" का बहुवचन, बूँदें, बहुत से किनारे। अगरा की बत्तियां।
अक़द—(अ) ग्रंथि, गिरह, गाँठ, प्रतिज्ञा। निकाह करना, बेचना।
अक़दम—(अ) सर्वप्रथम, सब से आगे सर्वश्रेष्ठ।
अक़दस—(अ) परम पवित्र, अति श्रेष्ठ।
अक़ब—(अ) पिछला हिस्सा, अंतिम भाग, पीछे, अन्त में।
अकबर—(फ) महान्, बहुत बड़ा, एक बादशाह का नाम।
अकबरी—(फ) अकबर सम्बन्धी। एक प्रकार की मिठाई।
अक़रब—(अ) अति समीप, बहुत पास। मनहूस, अशुभ। बिच्छू। वृश्चिक राशि।
अक़रबी—(अ) लाल (रत्न) की एक जाति।
अकरम—(अ) भेंट करने वाला, उपहार देने वाला, दाता।
अक़लन—(अ) समझ से, बुद्धि से।
अक़लियत—(अ) कमपक्ष, अल्पमत।
अक़ालीम—(अ) देश, भूखण्ड, पृथ्वी के सात भागों म से एक।
अक़ल्ल—(अ) न्यून, थोड़ा, कम, अल्प।
अक़ल्लियत—(अ) अल्पसंख्यक समुदाय या समाज, अल्पमत।
अक़्वाम—(अ) "कौम" का बहुवचन, जातियाँ, वर्ग बिरादरी।
अक्सर—(अ) बहुधा, अधिकतर, प्राय, बहुत करके।
अकसरियत—(अ) बहुपक्ष, बहुमत।
अक़साम—(अ) "क़िस्म" का बहुवचन, प्रकार, जाति। "कसम" का बहुवचन भी अकसाम होता है, शपथें, सौगन्दें।
अकसीर—(अ) रसायन, कीमिया, वह सिद्ध औषधि जो ताँबे या राँगे को सोना या चाँदी बना दे। अनेक रोगों को नष्ट करने वाली औषधि, बहुत गुणकारी, अमोघ औषध।
अकाबिर—(अ) "अकबर" का बहुवचन, बड़े, बहुत बड़े।
अकामत—(अ) कायम होना, स्थित होना, बसना।
अक़ामतगाह—(फ) छात्रालय, बोर्डिंग हाउस, निवासस्थान।

अक़ायद—(अ) "अक़ीदा" का बहु वचन, दृढ विश्वास।

अक़ारिब—(अ) "क़रीब" का बहु वचन, नातेदार, सगे-सम्बन्धी, मित्र मिलापी।

अकालीम—(अ) 'अक़लीम" का बहु वचन, अनेक देश या प्रान्त।

अक़्रिबा—(अ) नातेदार, सम्बन्धी।

अ.क़श—(अ) प्यास, पिपासा।

अक़ीक़—(अ) एक प्रकार का लाल पत्थर जिससे ओठों की उपमा दी जाती है। यह दवाओं के काम भी आता है। शराब।

अक़ीक़ा—(अ) नामकरण संस्कार की दावत, बालक का मुण्डन संस्कार। प्रसव के प्रथम सप्ताह में की जाने वाली क़ुर्बानी (मुसलमानों के यहाँ)।

अक़ीदत—(अ) किसी मत के मूल सिद्धान्त, धर्म विश्वास।

अक़ीदा—(अ) दृढ विश्वास, निश्चय। धर्म, मत, मज़हब।

अक़ीब—(अ) अनुगामी, पीछे चलने वाला।

अक़ीम—(अ) निस्सन्तान, बाँझ।

अक़ीर—(अ) बाँझ, निराश।

अकील—(अ) साथ-साथ खाने वाला।

अक़ील—(अ) बुद्धिमान, समझदार, अक्लमन्द।

अकीला—(अ) मनुष्य के ध्यान की चीज।

अक़ीला—(अ) बुद्धिमती।

अक़ूबत—(अ) दण्ड, सजा।

अक्काल—(अ) बहुत खाने वाला।

अक्काला—(अ) बहुत खाने वाली।

अक्द—(अ) नाता जोड़ना, सम्बन्ध स्थापित करना, विवाह शादी आदि करना। वेचना। प्रतिज्ञा।

अक़्दनामा—(मि०) विवाह-सम्बन्धी प्रतिज्ञा-पत्र।

अक्दबन्दी—(मि०) विवाह सम्बन्ध जोड़ना। वादा करना, निश्चय करना।

अक्ल—(अ) भोजन, खाना।

अक्लवशुब—खाना-पीना।

अक़्ल—(अ) बुद्धि, मेधा, प्रज्ञा। फरिश्ता, देवदूत।

अक़्लमन्द—(मि०) समझदार, मेधावी, बुद्धिमान।

अक़्लमन्दी—(मि) बुद्धिमानी, समझदारी।

अक़्ली—(अ) काल्पनिक, बुद्धि सगत, बुद्धि सम्बन्धी, तर्क सिद्ध, उचित।

अक्स—(अ) छाया, प्रतिबिम्ब, चित्र।

अक्सर—(अ) बहुधा, अधिकतर, प्राय, बहुत करके।

अक्सरियत—(अ) बहुसंख्यक समुदाय, बहुमत।

अक्सी—छाया सम्बन्धी, छायाचित्र, फोटो।

अक्सार—(अ) देखो 'अक्सीर'।

अख़—(अ) भाई-बंधु।

अख़गर—(फ) आग की चिनगारी।

अख़्ज़—(अ) लेना, पकड़ना, उद्धृत करना, ग्रहण करना।

अख़ज़र—(अ) हरा।

अख़नी—(फ) पकाए हुए मांस का रसा, शोरुआ।

अख़फ़ा—(अ) गुप्त, छिपा हुआ।

अख़बार—(अ) 'ख़बर' का बहुवचन, सूचनाएँ ख़बरें, सन्देश। समाचारपत्र।

अख़बार नवीस—(मि) ख़बरें लिखने वाला, सम्पादक पत्रकार।

अख़मस—(अ) वीर, बहादुर, साहसी।

अख़लाक़—(अ) "ख़ुल्क" का बहु वचन, नैतिकता शिष्टाचार, व्यव हार विधि, आचार, ढंग, शील गरौद।

अख़लाक़ी—(अ) नैतिक शील सम्बन्धी।

अख़वान—(अ) "अख़" का बहुवचन, भाईबंधु, सगे भाई।

अख़िल्ला—(अ) "ख़लील" का बहु-वचन, मित्रमण्डली, सच्चे दोस्त।

अख़ीर—(अ) अन्तिम, पीछे का, अन्त का। अन्त, समाप्ति, परि-णाम, नतीजा फल।

अख़ूर—(फ) घुड़साल, अस्तबल।

अख़ूवत—(फ) प्रेम, भाई-चारा।

अख़्तर—(अ) नक्षत्र, तारा।

अख़्तर शिनास—(फ) ज्योतिर्विद्, दैवज्ञ, खगोल विद्या जाननेवाला।

अख़्ता—(फ) खींची हुई तलवार, बधिया किया हुआ।

अख़्ता ख़ाना—(फ) अस्तबल, घुड़ साल।

अख़्तियार—(अ) चुनना, पसन्द करना। अधिकार, वश।

अगर—(फ) यदि, जो।

अगरचे—(फ) यद्यपि।

अगराज़—(अ) "ग़रज़" का बहु-वचन, उद्देश्य, स्वार्थ, मतलब, अभिप्राय। चाहना। आवश्यक-ताएँ।

अग़लात—(अ) बहुत-सी गलतियाँ।

अग़लफ़—(अ) वह व्यक्ति, जिसका ख़तना (सुन्नत) न हुआ हो।

अग़लब—(अ) प्राय: बहुत करके, लगभग निश्चित रूप से।
अग़ल-बग़ल—(अ) आस पास, इधर उधर, इतस्तत:।
अग़वा—(अ) किसी स्त्री या बालक को बहका फुसला कर ले जाना, बहकाना, फुसलाना।
अग़ान'—(अ) वह बाजा जो हाथ से बजाया जाय यथा-ढोलक चंग, तबला आदि (मुँह से बजने वाले बाँसुरी आदि बाजों को मिज़मार' कहते हैं)।
अग़यार— अ) "ग़ैर" का बहुवचन, अन्य, दूसरे, पराये, शत्रु।
अचार— फ अचार।
अज़—(फ) से।
अज़कार—(अ) "ज़िक्र" का बहु वचन, ईश्वरोपासना, ईश्वर स्तुति।
अज़ख़ुद—(फ) आप से आप स्वय।
अज़ग़ैबा (फ) गुप्त, छिपा हुआ, रहस्यपूर्ण।
अजज़ा—(अ) 'जुज़" का बहुवचन, टुकड़े भाग, हिस्से, अंश खण्ड।
अज़जानिब—(फ, तरफ़ से।
अजदब—(अ) नकटा बूचा।
अज़दहा—,फ) बहुत बड़ा साँप, अजगर। किसी किसी ने तलवार या मौत के अर्थ में भी इसका प्रयोग किया है।
अज़दहाम— अ) मनुष्यों की भीड़, आदमियों का झुंड।
अजदाद—(अ, बाप दादे आदि, पूर्व पुरुष, पूर्वज पुरखा।
अजदाम—(अ "जदस" (क़ब्र) का बहुवचन बहुत सी क़ब्रें।
अजनब | (अ) विदेशी परदेशी,
अजनबी | दूसरे देश या शहर से आया हुआ अनजान, अपरिचित।
अजनास—(अ) जिन्स का बहुवचन, भाँति भाँति की चीजें, अनेक प्रकार की वस्तुएँ, घर का माल-असबाब।
अजफ़—(अ) निर्बलता, कमजोरी।
अजफ़ान— अ) पलकों के बाल, बिरूनी, बिरूनियाँ।
अजब—(अ) अनोखा, अद्भुत, आश्चर्यजनक विलक्षण, विचित्र।
अज़बर—(फ) कण्ठाग्र, जबानी, केवल स्मृति के आधार पर।
अज़बस—(फ) अधिक, बहुत।
अजम—(अ) अरब के समीपवर्ती देश।
अज़म म—(अ) समस्त, सब।
अज़मत—(अ) महत्ता, बड़प्पन, महानुभावता।

अज़मतेमाज़ी—(अ) गत गौरव।

अजमल—(अ) अत्यन्त सुन्दर।

अजमी—(अ) अजम देश का, ईरानी।

अजर—(अ) मेहनताना, पारिश्रमिक, पुरस्कार मजदूरी काम के बदले में दिया जाने वाला धन। व्यय लागत खर्च।

अज़रक़—(अ) नील रंग का, नीला।

अज़रा—(अ) कुमारी कन्या अक्षत योनि अनबिधा मोती।

अजराम—(अ) 'जिर्म' का बहुवचन, देह शरीर, पिंड।

अजरामे फ़लकी—(फ़) आकाश में घूमने वाले नक्षत्र।

अज़रूए—(फ़) अनुसार।

अजल—(अ) मृत्यु मौत, अदृष्ट दुर्भाग्य।

अज़ल—(अ) अनादि, उत्पत्ति, उद्गम।

अज़ला—(अ) "ज़िले" का बहुवचन, बहुत से प्रान्त, पसलियाँ।

अजलालत—(फ़) ठाट बाट, बड़प्पन।

अज़ली—(अ) सदा, शाश्वत, अनादि, अनन्त।

अज़ल्ल—(अ) अत्यन्त निकृष्ट, बहुत हीन, घृणित।

अजल्ला—(अ) "जलील" का बहुवचन, वयोवृद्ध, प्रतिष्ठित या बड़े लोग।

अज़वा—(अ) शरीर का भाग, शरीर के अवयव।

अज़ सरे नौ—(अ) प्रारम्भ से, नये सिरे से।

अजसाम—(अ) जिस्म का बहुवचन, अनेक शरीर।

अज़हद—(अ) अत्यधिक, हद से ज्यादा।

अज़हर—(अ) प्रकट, जाहिर।

अज़ा—(अ) मातम, शोक।

अज़ाँ—(फ़) इसलिए, इस कारण।

अज़ाअत—(अ) प्रकट करना।

अज़ाज़ील—(अ) दुरात्मा, दुष्ट, शैतान।

अज़ान—(अ) बाँग, वह लम्बी आवाज़ जो नमाज़ के वक्त मस्जिद में दी जाती है।

अज़ाब—(अ) मुसीबत, संकट, दुःख, विपत्ति, पाप, कुकर्म, सन्ताप।

अजायब—(अ) अजीब का बहुवचन, आश्चर्यजनक बातें या वस्तुएँ।

अजायबख़ाना—(मि) अद्भुतालय, वह स्थान जहाँ आश्चर्यजनक वस्तुएँ संग्रह करके रक्खी गई हों, अजायबघर।

अज़ी—(अ) कष्ट, दुःख, तकलीफ़।

अज़ीज़—(अ) प्यारा, प्रिय, प्रतिष्ठित, आदरणीय, मिस्र के राजा की उपाधि।

अज़ीज़-उल्-क़द्र—सम्बन्धी, रिश्तेदार, प्यारा।

अज़ीज़दारी—(अ) रिश्तेदारी, नातेदारी, सम्बन्ध।

अजीब—(अ) अनोखा, अद्भुत, विलक्षण, विचित्र।

अज़ीब व ग़रीब—अत्यन्त विलक्षण, बहुत ही विचित्र।

अज़ीम—(अ) महान्, बड़ा, बयावृद्ध, प्रबल शत्रु, भयंकर वैरी।

अज़ीमुश्शान—महान्, बहुत बड़ा, बड़ी शान का।

अज़ीयत (अज़ीयत)—(अ) अत्याचार, किसी को दिया गया कष्ट, दुःख।

अजाल—(अ) फुर्तीला, जल्दबाज़।

अजूका—(अ) खाने-पीने का सामान, भोजन सामग्री, थोड़ा वेतन, निर्वाह मात्र के लिये कुछ लेना।

अजूफ़—(अ) खोखला, थोथा, निस्सार।

अजूबा—(अ) विचित्र, अद्भुत, अनोखा, करामात।

अज्ज़ा—(अ) हिस्सा, भाग, अंग।

अज्ज़—(अ) निम्रता, आजिज़ी, विवशता, लाचारी।

अज्म—(अ) ईरान, तूरान आदि देश।

अज़्म—(अ) इरादा, पक्का इरादा, दृढ संकल्प, अटल निश्चय।

अज़्मत—देखो 'अज़मत'

अज्र—(अ) मेहनताना, पारिश्रमिक, पुरस्कार, मज़दूरी, व्यय, खर्च।

अज्ज़—(अ) अंग, हिस्सा।

अतका—(तु) दाई या धाय का पति।

अतफ़ाल—(अ) 'तिफ़्ल' का बहुवचन, बाल बच्चे, लड़की-लड़के, सन्तान।

अतफ़ाले बाग़—(अ) नये पौदे।

अतराफ़—(अ) 'तरफ़' का बहुवचन, ओर, हकीमों की भाषा में मनुष्य के हाथ पैर।

अतलस—(अ) रेशमी सादा कपड़ा, जिसमें बेल-बूटे न बने हों, नर्म आसमान।

अतलाक़—(क) नाश।

अतवार—(अ) "तौर" का बहुवचन, ढंग प्रकार, चाल-चलन, रंग ढंग, रहन-सहन।

अता—(अ) प्रदान करना, देना, बख्शना।

अनादिल—(अ) "अन्दलीब" का बहुवचन, बुलबुलें।

अनार—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक फल, दाड़िम्।

अनासर—(अ) 'अन्सर" का बहुवचन, पृथिवी, जल, तेज, वायु और आकाश।

अनीक़—(अ) आलिङ्गन करनेवाला, गले मिलने वाला।

अनीफ़—(अ) क्रूर स्वभाव, झगड़ालु मनुष्य।

अनीस—(अ) मित्र, प्रेमी, दोस्त।

अनक़रीब—(अ) लगभग, प्राय, समीप, शीघ्र ही।

अन्दर—(फ) अन्तर, मध्य भीतर, बीच, दर्म्यान, घर के भीतरी कमरे।

अन्दरूना—(फ) भीतर का, अन्दर का।

अन्दलीब—(अ) बुलबुल।

अन्दाख़ता—(फ) फेंका हुआ, फेंका हुआ, छिटकाया हुआ, त्यक्त, छोड़ा हुआ।

अन्दाज़—(फ) अनुमान, अटकल, मात्रा, कूत, नापजोख, अदा, ढंग, ढङ्ग, भाव, चेष्टा, फेंकने वाला।

अन्दाज़न—(फ) अनुमान से, अटकल से।

अन्दाज़ा—(फ) अनुमान, अटकल, शक्ति साहस, चिन्ह, तख़मीना।

अन्दाज़े तलब—(फ) माँगने का ढङ्ग।

अन्दाम—(अ) शरीर, देह, जिस्म, बदन।

अन्देश—(फ) सोचने वाला, ध्यान रखने वाला, चिन्ता करने वाला।

अन्देशा—(फ) सोच, फ़िक्र चिन्ता, भय आशंका, शक, सन्देह।

अन्गेज़—(फ) उठाने या सहने वाला।

अन्दोह—(फ) शोक, दुःख, रंज।

अन्दोहगीं—(फ) दुखी, रंजीदा, शोक में पड़ा हुआ।

अन्दोहनाक—देखो "अन्दोहगीं"।

अन्ना—(तु) माता, माँ।

अन्वान—(अ) सरनामा, शीर्षक, प्राक्कथन, भूमिका, प्रारम्भिक पंक्तियाँ।

अन्सब—(अ) अत्यन्त उचित, बहुत वाजिब।

अन्सर—(अ) पृथिवी, जल तेज, वायु आकाश आदि मूलतत्व।

अन्सरी—(अ) अन्सर सम्बन्धी,

पृथिव्यादि पञ्चतत्वों से सम्बन्ध रखने वाला ।

अन्सार—(अ) सहायक लोग, "नासिर" का बहुवचन ।

अफ़आल—(अ) फ़ेल का बहुवचन, क्रियाएँ काम, गति, कार्य-समूह, कार्रवाइयाँ ।

अफ़ई—(अ) विषधर, नाग, काला साँप । कहते हैं कि पन्ना (रत्न विशेष) के देखने से यह अंधा हो जाता है ।

अफ़कार—(अ) फ़िक्र का बहुवचन, चिन्ताएँ ।

अफ़गन—(फ) गिराने वाला ।

अफ़गान—(फ) अफगानिस्तान का रहने वाला काबुली ।

अफ़गाना—(फ) सतमासा बालक ।

अफ़गार—(फ) आहत, घायल, चुटैल जख्मी ।

अफ़ज़ल—(अ) सर्वोत्तम, परमश्रेष्ठ, सबसे बढ़िया ।

अफ़ज़ा—(फ) बढ़ाने वाला, वृद्धि करने वाला, ज्यादह ।

अफ़ज़ाइश—(फ) बढ़ोतरी, वृद्धि ।

अफ़ज़ूँ—(फ) बढ़ने वाला, बढ़ा हुआ ।

अफ़ज़ूनी—(फ) बढ़ना, वृद्धि ।

अफ़यून—(अ) अफीम नाम से प्रसिद्ध एक नशीली चीज़ ।

अफ़राज़—(फ) शोभा बढ़ाने वाला ।

अफ़राज़ी—(फ) बढ़ाना ।

अफ़राद—(अ) "फ़र्द" (व्यक्ति) का बहुवचन, बहुत से व्यक्ति ।

अफ़रास—(अ) "फ़रस" का बहुवचन, घोड़े ।

अफ़रोख़्ता—(फ) क्रोध में भरा हुआ, उग्र रूप धारण किये हुए, भड़का हुआ, आगबबूला होकर, प्रज्वलित ।

अफ़रोज़—(फ) शोभा बढ़ाने वाला ।

अफ़लाक—(अ) फलक का बहुवचन, आकाश, आसमान ।

अफ़लातून—(अ) यूनान का सुप्रसिद्ध दार्शनिक । अरस्तू का उस्ताद । अत्यधिक अभिमानी ।

अफ़वाज—(अ) "फौज" का बहुवचन, बहुत-सी सेनाएँ ।

अफ़वाह—(अ) "फ़ूह" (मुँह) का बहुवचन, बहुत से मुँह या बहुत से मुखों से सुनी हुई खबर । उड़ती हुई खबर, किंवदन्ती ।

अफ़शाँ—(फ) पानी की छोटी-छोटी बूँदें जल कण छिड़की हुई कोई चीज़ ।

अफ़शा—(फ) प्रकट ज़ाहिर ।

अफ़शानी—(फ) छिड़कना ।

अफसर—(फ़) अधिकारी, शासक, हाकिम। टोपी, कुलाह।

अफ़्सा—(फ) जादूगर।

अफ़सार—(फ) "फ़िसाद" का बहु वचन, झगड़े टंटे

अफ़सान—(फ) वह पत्थर जिस पर छुरी और तलवार तेज़ की जाती है।

अफ़साना—(फ) कथा, कहानी, क़िस्सा।

अफ़सुरदा—(फ) मलिन, मुरझाया हुआ, कुम्हलाया हुआ, खिन्न, उदास।

अफ़सुरदाहाल—(फ दुर्दशाग्रस्त।

अफ़सूँ—(फ) जादू टोना, जन्त्र मन्त्र, इन्द्रजाल।

अफ़सोस—(फ़) खेद, दुःख, शोक, रंज, पछतावा, पश्चात्ताप।

अफ़ाक़ा—(फ) बीमारी में कमी होना।

अफ़ीफ़—(अ) बुरे कामों से बचने वाला सदाचारी।

अफ़ीफ़ा—(अ) अफ़ीफ़ का स्त्री लिंग, सदाचारिणी, सती।

अफ़ू—(अ) क्षमा करना।

अफ़ूनत—(अ) दुर्गंध, बदबू, सड़ायँद।

अब—(अ) बाप, पिता।

अबख़रा—(अ) भाप के रूप में उड़ने वाले कण।

अबख़िरात—(अ) अबख़रा का बहु-वचन।

अबजद—(अ) वर्णमाला, अरबी में वर्णों द्वारा अंक सूचित करने की रीति।

अबतर—(अ) बिगड़ी हालत वाला, दुर्दशाग्रस्त, बुरा, डाँवाडोल।

अबतरी—(अ) अव्यवस्था, खराबी, दुर्दशा।

अबद—(अ) अनन्त, शाश्वत, अनन्तता, असीमता।

अबदन्—(अ) सदैव, नित्य, हमेशा।

अबदी—(अ) सदा रहने वाला, अक्षर, अविनाशी।

अबयात—(अ बैत छन्द) का बहु वचन, शेरों या कविताओं का संग्रह।

अबर—(फ) बादल, मेघ।

अबरस—(फ) चितकबरा, कोढ़ी, गिरगिट।

अबरा—(फ मिले हुए दोहरे कपड़े में ऊपर वाला कपड़ा।

अबराक़—(अ) बिजली गिरना, वज्रपात।

अबराज़—(अ) प्रकट करना, भेद खोलना।

अबरार—(अ) भले आदमी, सज्जन।

अबराह—(फ) मोरी।

अबरी—(फ) एक प्रकार का रंगीन और चिकना कागज़ जो किताबों की जिल्दों पर लगाया जाता है।

अबरशम—(फ) रेशम का कोया, कच्चा रेशम।

अबलक़—(अ) चितकबरा, चितकबरा घोड़ा।

अबवाब—(अ) बाब का बहुवचन, अध्याय, परिच्छेद, मुसलमानों के शासन में जनता पर लगाये जाने वाले कर। दरवाज़े

अबस—(अ) निरर्थक, निष्फल व्यर्थ।

अबहार—(अ) बहर का बहुवचन, समुद्र, नदियाँ।

अबा—(अ) एक प्रकार का बड़ा चोग़ा।

अबाबील—(अ) एक चिड़िया का नाम।

अबिक़—(अ) सुगन्धित द्रव्य।

अबियात—(फ) "बैत" का बहुवचन।

अबाद—(अ) अब्द (दास, भक्त) का बहुवचन।

अबीर—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध भुरभुरा का चूरा, जिसे लोग होली में एक दूसरे पर डालते हैं। एक सुगन्धित रंगीन चूर्ण, जो अरब में कपड़ों पर छिड़कने के काम में लाया जाता है।

अबुलफ़ज़ल—(अ) सम्राट् अकबर के मन्त्री का नाम।

अबू—(अ) पिता, महाशय।

अबूर—(अ) नदी या पुल को पार करना।

अबोजद—(अ) बाप-दादा।

अब्जद—(अ) देखो अबजद।

अब्द—(अ) दास, ग़ुलाम, भक्त, सेवक।

अब्दाल—(अ) "बदील" का बहुवचन, मुसलमानों में एक प्रकार के महात्मा, धार्मिक व्यक्ति, मुहम्मद साहब के उत्तराधिकारी।

अब्बा—(फ) पिता, बाप।

अब्बास—(अ) सिंह, शेर, मुहम्मद साहब के चचा का नाम।

अब्बासी—(अ) एक प्रकार का लाल रंग।

अब्र—(फ) बादल, मेघ।

अब्र काफ़ूर—(फ) सफ़ेद बाल।

अब्रू—(फ) भौंहें, आँख के ऊपर के बाल।

अब्रे मुरदा—(फ) मरे हुये बादल, म्लेच्छ।
अम—(अ) पिता का भाइ, चाचा, ताऊ।
अमआ—(अ) पट की आँतें।
अमक़—(अ) गहरापन।
अमजद—(अ) प्रतिष्ठित पूज्य, बड़े बूढ़े, पवित्र।
अमदन—(अ) जानबूझ कर, इरादे से, इच्छापूर्वक।
अमन—(अ) सुख-चैन, आराम रक्षा, बचाव, शान्ति।
अमनियत—(फ) शान्ति सुख, आराम।
अमर—(अ) काम, घटना, विधि, आशा, समस्या, विषय, काण्ड।
अमर (अम्र) खिलाफ़ पेशा—व्यवसाय विरुद्ध व्यवहार।
अमर (अम्र) बाइस तकलीफ़—कष्ट-दायक बातें।
अमर वाक़ई—स्वयम् सिद्ध।
अमर (अम्र) मफ़रूज़ा—काल्पनिक विषय।
अमराज—(अ) 'मर्ज़' का बहुवचन बीमारियाँ, रोग समूह।
अमरानियात—(अ समाज व शास्त्र।
अमरूद—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध एक फल, सफरी, अमरूत। प्यारा।
अमल—(अ) काम, अनुष्ठान, समय, व्यवहार, आचरण अधिकार, शासन, बान, टेव, असर, प्रभाव, नशा।
अमलगेसू –(अ) राग धनाश्री
अमलदरामद - व्यवहार।
अमल सरकार—शासन-व्यवस्था, राज्य प्रबन्ध।
अमलदारी—शासन।
अमला—(अ) "आमिल" का बहुवचन। काम करने वाले, कर्मचारी वर्ग। कचहरी।
अमलाक—(अ) सम्पत्ति, जायदाद।
अमली—(अ) क्रियात्मक, व्यावहारिक, सक्रिय, नशा करनेवाला, नशेबाज।
अमवाज—(अ) "मौज" का बहुवचन, लहरें।
अमवात—(अ) "मौत" का बहुवचन, बहुतसी मौतें।
अमान—(अ) कष्ट मोचन, शरण, शान्ति।
अमानत—(अ) धरोहर, थाती न्यास निक्षेप।
अमानत कुनिन्दा—न्यास निमाता, निक्षेपी।

अमानतदार—निक्षेप ग्रहीता, न्यास धारी।

अमानत नामा—(मि) वह कागज जिसमें धरोहर के सम्बन्ध म लिखा पढ़ी की गई हो।

अमानी—(अ काम कराने का वह तरीका जिसम ठेका न दिया गया हो, बल्कि जो मजदूरों को रोजाना के हिसाब से मजदूरी देकर कराया जाता हो। वह भूमि जिसकी जमींदार सरकार हो। वह लगान जिसमें फसल म कम पैदा होने के कारण कमी कर दी गई हो।

अमामा—(अ) पगड़ी साफा।

अमारा—(अ) ऊँट या हाथी का हौदा।

अमी—(अ) बेपढे लिखे लोग।

अमाक़—(अ) गम्भीर, गहन, गहरा।

अमीद—(अ) नेता।

अमीन—(अ) वह सरकारी कर्मचारी जो भूमि की नाप कूत करता हो, या कुर्की करता हो, जिसके पास अमानत रक्खी जाय।

अमीना—(अ) अमीन का काम।

अमाम—(अ) सामान्य, सबको घेर लेने वाला, व्यापक।

अमीर—(अ) धनी, मुखिया, सरदार, उदार।

अमीर उल उमरा—(अ) अमीरों का मुखिया।

अमीर उल् वह्र—(अ) जल सेना का अध्यक्ष।

अमीरज़ादा—(मि) अमीर का लड़का।

अमीराना—(मि) अमीरों का-सा।

अमीरी—(अ) दौलतमन्दी, धनाढ्यता, उदारता।

अमूद—(अ) सीधी और खड़ी रेखा।

अमूम—(अ) सर्वसाधारण, आम।

अमूमन—(अ) सामान्यतया, आम तौर पर, साधारणत।

अमूर—(अ "अमर" का बहुवचन विषय, बातें काम।

अमूरात (अ) "अम्र" का बहुवचन।

अम्द—(अ अपने अधिकार से काम करना। विचार, इरादा।

अम्दन—(अ) इरादे से, जानबूझ कर।

अम्न—(अ) देखो 'अमन'।

अम्बरा—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध एक सुगन्धित द्रव्य।

अम्वा—(अ) सन्देश देना, सचेष्ट

करना। किसी को अपने से दूर करना।

अम्बार—(फ) राशि, ढेर, समूह।

अम्बार खाना—(फ) भंडार, कोश, खज़ाना।

अम्बारी—(अ) ऊँट या हाथी की पीठ पर कसा जाने वाला लकड़ी का हौदा।

अम्बिया—(अ) "नबी" का बहु वचन, संदेशवाहक, देवदूत पैगम्बर।

अम्बोह—(फ) आदमियों की भीड़ जन-समूह।

अम्म—(अ) चाचा, ताऊ, पिता का भाई।

अम्मज़ादा—(मि) चचेरा या तएरा भाई।

अम्मामा—(अ) देखो 'अमामा'।

अम्मारा—(अ) विषय, विलास कुत्सित भावना।

अम्मारी—(अ) हाथी या ऊँट का हौदा। अम्बारी

अम्मू—(अ) देखो "अम्म"।

अम्र—(अ) देखो "अमर"।

अम्र वनिही—(अ) क्या काम करना क्या न करना इस विषय की आज्ञाएँ, विधि और निषेध।

अम्साल—(अ) "मिसाल" का बहु वचन।

अयाँ—(अ) प्रकट, प्रत्यक्ष, स्पष्ट, ज़ाहिर।

अया—(फ) कि, क्या।

अयाज़—(फ) शरण, शरण लेना।

अयादत—(अ) बीमार की मिज़ाज पुर्सी के लिये जाना, बीमार की तबिअत का हाल जानने के लिये उससे मिलना।

अयानत—प्रोत्साहन।

अयाल—(अ) आश्रित, सगे-सम्बन्धी, कुटुम्बी, बाल बच्चे, परिवार के लोग। घोड़ा और शेर की गर्दन पर के बाल।

अयालदार—(मि) बाल-बच्चोंवाला।

अयालदारी—(मि) घर-गृहस्थी।

अयूब—(अ) "ऐब" का बहुवचन। दोष समूह।

अयून—(अ) आँखें, पानी के सोते, "एन" का बहुवचन।

अयूल (अ) फ़कीरी।

अय्याम—(अ) "योम" (दिन) का बहुवचन, दिन, दिवस, काल। स्त्रियों का रजोदर्शन।

अय्यार—(अ) धूर्त, चालबाज़, मक्कार, चालाक।

अय्यारी—(अ) धूर्तता, मक्कारी, चालाकी ।
अय्याश—(अ) विषयी, विलासी ।
अय्यूक़—(अ) एक नक्षत्र का नाम जो चमकदार और लाल रंग का है ।
अय्यूब—(अ) एक पैगम्बर का नाम।
अरअर—(अ) चीड़ का वृक्ष ।
अरक़गीर—(मि) घोड़े की पीठ पर ज़ीन के नीचे रक्खी जाने वाली गद्दी, नारजामा, एक प्रकार की टोपी ।
अरक़रेज़—(मि) सेवक, कष्ट सहिष्णु, लज्जित ।
अरक़रेज़ी—(मि) ऐसी महनत करना जिसमें पसीना आ जाय, घोर परिश्रम, कड़ी महनत ।
अरकान—(अ) 'रुक्न' का बहुवचन, खम्भे, स्तम्भ । तत्व । मंत्रि । धनी ।
अरकाने दौलत—राज्य के प्रमुख व्यक्ति ।
अरक़ाम—(अ) "रक़म" का बहुवचन, अंक, संख्या, लेखन ।
अरगजा—(फ) एक प्रकार का सुगंधित द्रव्य जो शरीर पर मलने के काम आता है ।
अरग़नून—(फ) एक प्रकार का बाजा । इसे अरग़न और अरग़नू भी कहते हैं ।
अरग़वान—(फ) एक प्रकार का पौधा जिसके फूल लाल और बैंजनी होते हैं । लाल और नारंगी रंग ।
अरग़वानी—(फ) बैंगनी रंग का लाल और नारंगी रंग का ।
अरग़ून—देखो 'अरग़नून' ।
अरज़—(अ) आदर, सम्मान, पद, ओहदा, मूल्य ।
अरज़—(अ) चौड़ाई, भूमि, ज़मीन ।
अरज़गाह—(फ) मैदान, सेना की गिनती ।
अरज़बेगी—(फ) वह व्यक्ति जो लोगों के अभाव अभियोगों को बादशाह से निवेदन करे ।
अरजल—(अ) वह घोड़ा जिसके एक पैर का नीचे का भाग सफेद हो ।
अरज़ल—(अ) नीच, कमीना, ज़लील महानीच ।
अरज़हयात—(अ) जीवनकाल को प्रसन्नतापूर्वक बिताना ।
अरज़ाँ—(फ) सस्ता, कम कीमत का
अरज़ानी—(फ) सस्तापन ।
अरज़ाल—(अ) "रज़ील" का बहु

वचन, नीच व्यक्ति, छोटे दर्जे के आदमी, ग़रीब लोग।
अर्जमन्दी—(फ) महत्ता, बड़प्पन।
अर्जल—(अ) देखो अरज़ल।
अर्ज़ाँ—(फ) देखो अरज़ाँ
अर्ज़ानी—(फ) सस्तापन।
अर्ज़ियात—(अ) भूगर्भशास्त्र।
अर्ज़ी—(अ) प्रार्थनापत्र, निवेदन पत्र भूमि से सम्बन्ध रखने वाला, लौकिक।
अर्ज़ीदावा—वादपत्र, वादी का प्रार्थनापत्र।
अर्ज़ीनवीस—(मि०) प्रार्थनापत्र लिखने वाला। वह व्यक्ति जो दूसरों की अर्ज़ियाँ लिखता हो।
अर्रा—(फ) लकड़ी चीरने का आरा, दाँतों की जड़।
अर्श—(अ) तख़्त, छत, मुसलमानों के मतानुसार सब से ऊपर वाला स्वर्ग जहाँ खुदा, रहता है।
अर्शपोस—(अ) गगनचुम्बी, अभ्रकष।
अर्शियान—(फ) फरिश्ते, देवदूत।
अर्श मुअल्ला—(अ) सब से ऊँचा, आठवाँ स्वर्ग, अर्श।
अल—(अ) एक प्रत्यय जो शब्दों से पहले लगाया जाता है। इसका अर्थ उस शब्द पर ज़ोर देता है।
अल उल् ख़सूस—(अ) विशेष कर, ख़ास कर के।
अल उस्सुबह—(अ) भोर, तड़का, प्रातःकाल।
अलक़—(अ) जोंक जमा हुआ ख़ून।
अलक़ाब—(अ) प्रशस्ति, ख़िताब उपाधि।
अलक़िस्सा—(अ) निदान, फलतः अभिप्राय यह कि।
अलग—पृथक्।
अल ग़रज़—(अ) तात्पर्य यह कि निदान, फलतः।
अल ग़यास—(अ) दुहाई देना, फरियाद करना।
अलग़ोज़ा—(अ) एक प्रकार की बाँसुरी।
अलफ़—(अ) चौपायों का चारा, घोड़ों के खाने की घास।
अलफ़ाज़—(अ) लफ़्ज़ का बहुवचन, बहुत-से शब्द, शब्दों का समूह, पारिभाषिक शब्द।
अलबत्ता—(अ) निश्चय ही, निस्सन्देह, बेशक, हाँ, लेकिन, परन्तु, बहुत ठीक।
अलवान—(अ) "लौन" का बहुवचन, रंग।
अलम—(अ) निशान, झण्डा, सेना

के आगे रहने वाला झरडा, पहाड़, पवत, शोक, रंज, दु ख।

अलमास—(फ) हीरा।

अलल खसूस—(अ) ख़ास कर के, विशेष रूप से।

अलल तरतीब—यथा क्रम।

अलल हिसाब—(अ) बिना हिसाब किये, यों ही।

अलविदा—(अ) मुसलमानों के रमज़ान। महीने का आखिरी शुक्रवार।

अलवी—(अ) वे सैयद मुसलमान जो अली के वंश में हों।

अलस्सबाह—(अ) बहुत सवेरे, बड़े तड़के, मुँह अँधेरे।

अलहदगी—पृथकत्व।

अलहदा—(अ) अलग, पृथक्, जुदा।

अलहम्द अल्लिल्लाह—(ह) परमात्मा की प्रार्थना हो।

अलहाल—(अ) अभी, इसी समय, तुरन्त।

अलानिया—(अ) खुल्लम खुल्ला, डंके की चोट, स्पष्ट रूप में, खुले आम।

अलामत—(अ) चिह्न, लक्षण, पहचान, निशानी, पता।

अलामत औक़ाफ़—(अ) विराम चिह्न।

अलामात—(अ) "अलामत" का बहुवचन।

अलालत—(अ) बीमारी, रोग, व्याधि।

अलावा—(अ) अतिरिक्त, सिवा, बोझ पर बोझ।

अला सबील ल बदल—वैकल्पिक-

अलिफ़—(अ) उर्दू वर्णमाला का पहला वर्ण, हजार, सहस्र।

अलीफ़—(अ) मित्र, दोस्त।

अलीम—(अ) ज्ञाता, जानने वाला, विद्वान्, कष्ट, कष्टदायक रोग।

अलील—(अ) रोगी, बीमार, रुग्ण।

अल् अब्द—(अ) भगवान् का भक्त, ईश्वर का सेवक।

अल् अमान—(अ) ईश्वर हमारी रक्षा करे। शक्ति के लिए पुकार। आर्त्त नाद।

अल कत—(अ) समाप्त किया हुआ। रद्दी किया हुआ। विच्छेद किया, काटा हुआ।

अल्क़ाब—(अ) "लक़ब" का बहुवचन, विशेषण, उपाधियाँ।

अल्क़िस्सा—(अ) सक्षेप में यह कि, तात्पर्य यह है कि, साराश यह कि।

अल् गरज़—(अ) तात्पर्य यह है कि, मतलब यह है कि।
अल् गरज़ी—(अ) स्वार्थी, अपने काम से मतलब रखने वाला।
अलगर्ज़—(अ) देखो "अल् गरज़"।
अलतमिरा—(तु) सेना का सरदार, सेना नायक, फौज का अफसर, ६ का अंक। इरायल, बादशाह शम्सुद्दीन गोरी की उपाधि।
अल्ताफ—(अ) 'लुत्फ' का बहु वचन, कृपा, दयालुता, अनुग्रह, कोमलता, विशेषता, मृदुता, सूक्ष्मता, उत्तमता।
अल्मस्त—(फ) नशे में धुत्त, मस्त, मत्त।
अल्लाम } अल्लामा } —(अ) बहुत बड़ा विद्वान्, प्रकाण्ड पण्डित, बहुत बुद्धिमान्।
अल्लाह—(अ) परमात्मा, ईश्वर।
अल्लाह ताला—सर्व शिरोमणि प्रभु, सर्वश्रेष्ठ परमात्मा।
अल्लाह बेली—(अ) ईश्वर सहायक है।
अल्ला हो अकबर—(अ) ईश्वर महान् है।
अल्‌विदा—(अ) रमज़ान महीने का अन्तिम जुमा।
अल्‌हक़—(अ) सचमुच, वास्तव में।
अलहम्दु—(अ) कुरान का सबसे पहला पद।
अलहम्दु लिल्लाह—(अ) परमात्मा को धन्यवाद है, ईश्वर धन्य है।
अल्‌हान—(अ) गीत, संगीत, गाना, मधुर ध्वनि।
अल्‌हाल—(अ) अभी, इसी समय।
अल्‌हासिल—(अ) बात का तत्व, निचोड़।
अवतर—(अ) पुश्चकूट, अवायघान, दुश्चरित्र, निकृष्ट, ख़राब।
अवाखिर—(अ) 'आख़िर' का बहु वचन, अन्त का, अन्तिम।
अवाम—(अ) सर्वसाधारण, आम लोग।
अवाम उन्नास—देखो "अवाम"।
अवायल—(अ) "अव्वल" का बहु वचन, प्रारम्भिक, प्राथमिक, पहले का।
अवायल उम्र—(अ) प्रारम्भिक अव स्था, अल्पायु, थोड़ी उम्र का।
अवारजा—(फ) नित्य की बातें, लिखने का डायरा, नित्य का आय व्यय लिखने की बही, रोज़ नामचा।
अवालिम—(अ) "आलम" (विश्व) का बहुवचन।

अव्वल—(अ) पहला, प्रथम, सर्व श्रेष्ठ, सर्वोत्तम, प्रधान, मुख्य।
अव्वलन्—(अ) पहले, प्रारम्भ में।
अव्वलीन—(अ) पूर्व पुरुष, आदिम लोग, प्राचीन।
अश अश—(फ) प्रसन्नता या आश्चर्य सूचक शब्द।
अशआर—(अ) 'शेर" (कविता) का बहुवचन, कविताएँ, शिर और सारे शरीर के बाल।
अशकाल—(अ) "शक्ल" का बहु वचन।
अशखास—(अ) "शख्स" का बहु वचन। बहुत से मनुष्य।
अशगाल—(अ) "शगल" का बहु वचन, काम, उद्यम।
अशजार—(अ) "शजर" का बहु वचन, बहुत-से वृक्ष।
अशद—(अ) अत्यधिक, अत्यन्त, उग्र, तेज़।
अशफ़ाक़—(अ) "शफक्त" का बहुवचन, करुणा, दया।
अशर—(अ) किसी चीज का दशवा हिस्सा।
अशरफ़—(फ) महानुभाव, महा पुरुष, अत्यन्त सज्जन।
अशरफी—(फ) एक सोने का सिक्का जिसे पहले पहल अश रफ़ नाम के बादशाह ने चलाया था, मोहर, गिन्नी, स्वर्ण-मुद्रा।
अशरा—(अ) दश दिन, दस स्त्रियाँ।
अशरा कामिला—(अ) पूरी दस वस्तुएँ, दश रोज़े जिन्हें हाजी लोग रखते हैं।
अशरफ—(अ) "शरीफ" का बहु वचन, सज्जन, भले लोग, नेक आदमी।
अशराफ़त—(अ) सज्जनता, भल मनसाहत।
अशरे अशीर—(अ) शतांश सौवाँ भाग, बहुत थोड़ा।
अशा—(अ) ब्यालू, रात्रि का भोजन।
अशिया—(अ) "शे" का बहुवचन, बहुत सी चीजें, वस्तुएँ।
अशीर—(अ) कुटुम्बी, पड़ोसी, किसी वस्तु का दशवाँ भाग।
अश्क—(फ) अश्रु, आँसू।
अश्क पुर खू—(फ) खून से आँसू।
अशग़ाल—(अ) "शगल" का बहु वचन, काम धंधे, व्यापार, मन बहलाव।
अशहर—(अ) अति प्रसिद्ध, बहुत मशहूर।
असग़र—(अ) बहुत छोटा।
असद—(अ) शेर, सिंह सिंह-राशि।

असनाद—(अ) "सनद" का बहुवचन, प्रमाणपत्र, सार्टिफिकेट।
असनादमिल्कियत —स्वत्वाधिकार पत्र।
असनाफ—(अ) "सनफ" का बहुवचन, प्रकार, भेद, किस्में।
असनाम—(अ) "सनम" (बुतों) का बहुवचन।
अस्फिया—(अ) "सफी" का बहुवचन, पवित्र लोग, प्रतिष्ठित।
असब—(अ) शरीर के पट्ठे, पेशियां, स्नायु, देह का सामने का भाग।
असबक़—(अ) सर्व श्रेष्ठ, सर्व प्रथम
असबा—अवशिष्ट, भोक्ता।
असबाब—(अ) "सबब" का बहुवचन, बहुत से कारण, साधन, —सी, न वन।
असम—(अ) पाप, अपराध, दोष,
असमत—शील मर्यादा।
असमार—(अ) समर का बहुवचन, फल, लाभ, सन्तान,
असर—(अ) प्रभाव, चिन्ह, खँडहर, समय, काल, युग, दिन की समाप्ति। एक नमाज का नाम जो दिन के चौथे पहर में पढ़ी जाती है। रोजगार, अंगूर का निचोड़ना
असराफील—(अ) मुसलमानों के एक फरिश्ते का नाम जो कयामत के दिन नरसिंगा फूँकेगा।
असरार—(अ) "सिर" का बहुवचन, रहस्य, भेद, गुप्त बात।
असल—(अ) जड़, मूल, आधार, मूल धन, सच्चा, खरा, बिना मिलावट का।
असलम—(अ) बहुत, बचा हुआ, पूर्ण, अलगद, साँप का काटा हुआ।
असलह—(अ) "सलाह" का बहुवचन, हथियार, औजार, शस्त्रास्त्र।
असलहखाना—(फ) शस्त्रागार।
असलह हमला—(फ) आक्रमण के हथियार।
असला—(अ) कुछ भी, थोड़ा भी, बिलकुल, कभी, कदापि, हरगिज।
असलाफ़—(अ) पुरखे। पूर्वज लोग, "सलफ" का बहुवचन।
असलियत—(अ) सचाई, वास्तविकता।
असली—(अ) अकृत्रिम, जो बना वटी या मिलावटी न हो, खरा, सच्चा मूल, प्रधान, वास्तविक।
असली शाहज़ादा—प्रधान शाहज़ादा।
असलूबी—सुविधा, सरलता।
असवाब—(फ) घराने के कारोबार, सामान सामग्री।

असबी—(अ) स्नायु सम्बन्धी-स्नायविक।
असवद—(फ) कालारग, कालासाँप।
असवदी—(फ) काली।
असहाब—(अ) "साहब" का बहुवचन, मित्र, दोस्त, यार, प्रेमी, भले लोग।
असा—(अ) लाठी, सोटा, डडा, सोने या चाँदी से मढी हुई लाठी।
असाकिर—(अ) अस्कर (सेना) का बहुवचन।
असामी—(अ) अपराधी, कर्ज लेने वाला। जो जमींदार से लगान पर खेत लेकर जोतता बोता हो। मुद्दालेह, व्यक्ति, प्राणी, रैयत।
असार—(अ) सिर के बल गिरना। फकीरी, दरिद्रता, कगाली।
असालत—(अ) असलियत, वास्तविकता।
असालतन—(अ) स्वय, आप, खुद।
असालीब—(अ) 'सलूब" का बहुवचन, शैलियाँ, ढग, प्रकार।
असास—(अ) सामान, चीजवस्तु, माल असबाब।
असास ुल बैत—(अ) घर-गृहस्थी का समान।
असियाँ—(अ) अपराध, क्रूर हृदय।
असीम—(अ) अपराधी, पापी।
असीर—(फ) कैदी, बन्दी।
असीरी—(फ) बधन, कैद, बन्दी होने की अवस्था।
असील—(अ) अच्छे नस्ल का, उच्च वश का, प्रतिष्ठित परिवार का, शान्त प्रकृति, सुशील।
असूफ—(अ) आधी।
असूम—(अ) बहुत खाने वाला।
असूल—(अ) सिद्धान्त।
अस्कर—(अ) बहुतायत अधिकता, सेना, लश्कर, रात का अँधेरा, एक स्थान विशेष का नाम।
अस्करीयत—(अ) सैनिकता, फौजीपन।
अस्तगफिर उल्लाह—(अ) ईश्वर मुझे क्षमा करे। मैं ईश्वर से क्षमा मागता हूँ।
अस्तबल—(अ) घुड़साल, घोड़ों को बाधने की जगह।
अस्तर—(फ) पहनने या ओढने के दोहरे कपड़े का नीचे वाला कपड़ा, भितल्ला, वह रग जो किसी चीज पर मुख्य रग चढाने से पहले चढ़ाया जाता है जमीन, चन्दन का तेल जिसके आधार पर दूसरे इत्र बनाये जाते हैं।
अस्तरकारी—(फ) कपड़े में अस्तर

लगाना, दीवार पर पलस्तर चढ़ाना।
अस्तुरा—(फ) बाल मूँड़ने का छुरा, उस्तुरा।
अस्नाय—(अ) दो घटनाओं, कामों या बातों के बीच का समय, मध्य का काल।
अस्प—(फ) घोड़ा, अश्व।
अस्फञ्ज—(भू) मुरदा, बादल, स्पञ्ज।
अस्म—(अ) बहरा, जो सुने नहीं।
अस्मत—(अ) निष्पाप या निर्दोष होना, पापों से अपने को बचाना, स्त्रियों का सतीत्व।
अस्माअ—(अ) "इस्म" का बहुवचन, नाम, संज्ञाएँ।
अस्र—(अ) देखो "असर" काल, समय, युग, दिन का चौथा पहर।
अस्ल—देखो "असल"
अस्लम—(अ) देखो "असलम"
अस्लूब—(फ) शैली।
अस्साला—(अ) शहद की मक्खी, शहद का छत्ता।
अहक़र—(अ) बहुत छोटा, अति तुच्छ।
अहकाम—(अ) "हुक्म" का बहुवचन, आज्ञाएँ, आदेश।
अहतज़ाज़—(अ) विरोध।
अहतमाम—(अ) प्रबन्ध, व्यवस्था, इन्तज़ाम, प्रयत्न।
अहतमाल—शंका, सम्भावना।
अहरार—(अ) "हुर्र" का बहुवचन, स्वतन्त्र, स्वधीन।
अहतरास—(अ) देखभाल करना, रखवाली करना।
अहद—(अ) युग, समय, शासन काल, दृढ़मत, प्रतिज्ञा, पक्का निश्चय, रोजगार, एक वस्तु, इकाई, संख्या, अहद, ईश्वर को एक जानना।
अहदनामा—(मि०) प्रतिज्ञापत्र।
अहद पैमान—(अ) दृढ़ निश्चय, शर्तें तय करना।
अहद शिकन—(मि०) प्रतिज्ञा भंग करने वाला।
अहदशिकनी—(मि०) प्रतिज्ञा तोड़ना।
अहदियत—(अ) एकता, एक होना, इकाई।
अहदी—(अ) अत्यन्त आलसी।
अहदेबातिल—(मि०) झूठा प्रतिज्ञा।
अहबाब—(अ) "हबीब" का बहुवचन, मित्र मण्डली, दोस्त, यार लोग।
अहदो पैमान (अ) देखो अहद पैमान

अहबार—(अ) बुद्धिमान लोग।
अहम—(अ) अत्यन्त आवश्यक, महत्त्वपूर्ण।
अहमक़—(अ) अत्यन्त मूर्ख, महा मूढ, बेवकूफ।
अहमद—(अ) अत्यन्त आदरणीय, मुहम्मद साहब का नाम।
अहमदी—(अ) अहमद या मुहम्मद साहब के अनुयायी, मुसलमान।
अहमियत—(अ) महत्ता, महत्त्व।
अहरन—(फ) लोहे का वह औजार जिस पर रखकर लुहार या सुनार। कोई चीज गढते हैं, निहाई।
अहरमन—(अ) शैतान।
अहराम—(अ) प्राचीन भवन, पुराने महल, पिरामिड।
अहरार—(अ) हुर का बहुवचन, उदार, दानी, स्वतन्त्रतावादी, उदार विचारों वाले, आजकल मुसलमानों का एक राजनैतिक दल।
अहल—(अ) लोग, व्यक्ति, आदमी, लायक, महाशय, मालिक, स्वामी मुख्य।
अहल अल्लाह—(अ) धर्मपरायण, ईश्वरभक्त।
अहलकार—(मि०) कामकाज करने वाले, कर्मचारी, विशेष कर अदालती कर्मचारी।
अहलमद—(अ) अदालत के किसी विभाग का मुख्य मुंशी या कर्मचारी।
अहलाल—(अ) नया चाँद देखना, दौज के चन्द्रमा का दर्शन करना, पशुवध के समय खुदा का नाम लेना।
अहलियत—(अ) योग्यता।
अहलिया—(अ) पत्नी, स्त्री।
अहलेइरफ़ाँ—(अ) ज्ञानी, ब्रह्मवेत्ता, विज्ञानवेत्ता।
अहले इस्लाम—(मि०) मुसलमानी धर्म के मानने वाले लोग।
अहले कलम—(मि०) लिखने पढने वाले लोग, साहित्यिक लोग।
अहले किताब—(मि०) किसी पुस्तक में लिखे धर्म को मानने वाले लोग।
अहलेख़ाना—(मि०) घर के लोग, बाल बच्चे, गृहस्वामिनी, घर की मालकिन।
अहले जुनूँ—(मि०) पागल लोग।
अहले ज़ुबान—(मि०) भाषा विषय के पण्डित, भाषा शास्त्री।
अहले जिम्मा—(मि०) वे लोग जो मुसलमान न हों और मुसलमानी राज्य में अपने धार्मिक कार्य

लुक छिप कर करते हों।

अहल दिल—(मि०) सहृदय।

अहलेफन—(मि०) कलाकार, कारीगर।

अहलेमजलिस—(मि०) महफिल के लोग।

अहले मस्जिद—मि०) मस्जिद के लोग, नमाज पढ़ने वाले।

अहले मुक़द्दमा—मुक़द्दमा लड़ने वाला, पक्षकार।

अहले रोजगार—(मि०) कारबारी लोग, व्यवसायी, रोजगारी किसी धन्धे में लगा हुआ।

अहले वतन—(मि०) अपने देश प्रान्त या नगर के लोग।

अहवाल—(अ) "हालत" बहुवचन, वृत्तान्त, विवरण, संयोग, अवस्था, परिस्थिति। 'हौल' का बहुवचन, भय, दहशतें।

अहराम—(अ) 'हरम' का बहुवचन, नाक़ा नाक़र।

अहले शिकन—( ) प्रतिज्ञाभ्रष्ट, वादा खिलाफ, वचन पूरा न करने वाला।

अहसन—(अ) बहुत श्रेष्ठ, सज्जन, नेक, अच्छा, भला।

अहसनत—(अ) खूब किया, बहुत अच्छा किया। शाबाश या शाबाशी के अर्थ में।

अहसान—(अ) नेकी, उपकार, भलाई, कृतज्ञता, निहोरा।

अहसानमन्द—(फ) दूसरे के किये उपकार को मानने वाला, कृतज्ञ, अनुग्रहीत।

अहसास—(अ) स्पर्श करना, अनुभूति, प्रतीति, मालूम करना, ज्ञान होना।

अहाता—(अ) चारों ओर दीवार से घेरा हुआ मैदान, हाता, बाड़ा, हलका, प्रान्त, मण्डल।

अहाली—(अ) "अहल" का बहुवचन, परिवार के लोग, बाल बच्चे, बन्धु बान्धव।

अहिब्बा—(अ) मित्र लोग।

आँ—(फ) वह।

आँ कि—(फ) वह जो।

आँजनाब—(अ) श्रीमानजी, सम्मानित व्यक्ति।

आँजहानी—(फ) स्वर्गीय।

आँब—(फ) आम, आम नाम का फल या उसका वृक्ष।

आइन्दा—(फ) आगामी, आने वाला, आगन्तुक, आगे, भविष्य में, भविष्यकाल।

आइब—(अ) दोष या अपराध करने वाला।

आईन—(अ) विधान, नियम, कायदा कानून, प्रथा, दस्तूर, सजावट, शृंगार।

आईनबन्दी—(मि०) किसी के स्वागत के लिए की गई सजावट।

आइना—(फ) दर्पण, मुँह देखने का शीशा।

आईनाचीना—(फ) सूर्य।

आईनादार—(फ) गुणदोष दर्शक, नाइ।

आईनासाज़—(फ) आइना बनाने वाला शीशे का काम करने वाला।

आईना साज़ी—(फ) आइना बनाने का काम।

आईमा—(अ) दान में मिली हुई भूमि जिसका कर न देना पड़े।

आईमादार—(मि०) जिसे दान या माफी की जमीन मिली हुई हो।

आक़—(अ) माँ-बाप का विरोधी पुत्र।

आक करना—पुत्र को उत्तराधिकार से वंचित करना।

आक़नामा—(मि०) वह कागज़ या लेख जो किसी ने अपने अयोग्य पुत्र को उत्तराधिकार से वंचित करने के लिए लिखा हो।

आक़िबत—(अ) परिणाम, अन्त, मरने के पश्चात्, परलोक।

आक़िबत अन्देश—(मि०) परिणाम दर्शी, परिणाम का ध्यान रखने वाला, दूरदर्शी।

आक़िबत अन्देशी—(मि०) दूर दर्शिता, परिणाम का ध्यान रखना।

आक़र क़रहा—(अ) एक पौधा जिसकी जड़ दवा के काम आती है, अकरकरा।

आक़ा—(अ) स्वामी, अधिपति, मालिक, ईश्वर, साहब।

आकिद—(अ) प्रतिज्ञा करने वाला, वचनबद्ध बनी, गाँठ बाँधने वाला।

आकिफ़—(अ) विरक्त, एकान्त में बैठ कर ईश्वर भक्ति करने वाला।

आकिब—(अ) सहायक पीछे आने वाला, अनुचर जो किसी का नायब हो।

आकिर—(अ) बन्ध्या, बाँझ।

आक़िल—(अ) बुद्धिमान, अक्ल मन्द, समझदार।

आक़िला—(अ) समझदार स्त्री, बुद्धिमती।

आक़िलाना—(अ) अक्लमन्दी का, बुद्धिमत्ता पूर्ण।

आखिज़—(अ) ग्रहण करने वाला, उद्धृत करने वाला, लेने वाला, पकड़ने वाला।

आखिर—(अ) पिछला, अन्तिम, अन्त में, अन्त को, परिणाम, फल, समाप्ति, अन्त।

आखिरकार—(मि०) अन्ततोगत्वा, अन्त में।

आखिरका—(अ) अन्ततोगत्वा, आखिर में।

आखिरत—(अ) परिणाम, परलोक, कयामत, प्रलय, अंत का दिन, मात का दिन।

आखिरी—(अ) अन्तिम, पीछे का, अंत का।

आखिरी तहवील—(फ) कयामत का दिन।

आखिरुल अमर—(अ) अन्ततोगत्वा, अन्त में, पिछला, अन्तिम।

आखिरुल जमाँ—(अ) समय का अंत। युगांत।

आखूत—(फ) शिक्षक, उस्ताद।

आखोर—(फ) घोड़ों के रहने का स्थान, अस्तबल, कूड़ाकरकट।

आख्ता—(फ) बधिया किया हुआ। खिंची हुई तलवार।

आगा—(तु) स्वामी, साहब, अधिपति, महाशय, ईश्वर, बड़ा भाई, काबुली मुसलमानों की एक उपाधि।

आगाज़—(फ) प्रारम्भ, शुरू।

आगाह—(फ) सावधान, सचेत, जानकार, वाकिफ।

आगाही—(फ) सावधानी, जानकारी, पहले से मिलने वाली सूचना।

आगोश—(फ) गोद, क्रोड़, उत्सग।

आगोशी—(फ) गले लगाना, गोद में लेना।

आचार—(फ) अचार, आम, नीबू, मिरच आदि का।

आर्गी—(फ) भरी हुई।

आज—(अ) हाथी का दाँत।

आज़—(फ) लालच, लोभ, लिप्सा। एक शहर का नाम।

आजग—(फ) झुर्रियाँ जो बुढ़ापे में पड़ जाती हैं।

आज़म—(अ) बहुत बड़ा, महान्।

आज़मन्द—(फ) लालची, लोभी।

आजमा—(फ) आजमाने वाला, परीक्षक, जाँच करने वाला।

आजमाइश—(फ) परखना, आजमाना, जाँच करना, परीक्षा करना।

आजमाना—(फ) परीक्षा करना, परखना।

आजमूदा—(फ) परीक्षित, जाँचा हुआ, परखा हुआ, अनुभूत।
आजमूदाकार—(फ) अनुभवी, चालाक, चतुर।
आजर—(फ) एक प्रसिद्ध मूर्तिकार का नाम।
आजवर—(फ) लालची, लोभी।
आजा—(अ) अज़ु या अज़ो का बहुवचन, शरीर के अंग प्रत्यंग, देह के जोड़।
आजाएतनासुल—(अ) पुरुष की मूत्रेंद्रिय, लिंग।
आजाए रईसा—(अ) शरीर के मर्म स्थान, हृदय, मस्तिष्क आदि
आजाद—(फ) छूटा हुआ, मुक्त, स्वतंत्र, निश्चिन्त, लापरवा, निर्भय। बकायन का पेड़। निर्दोष।
आजादगान—(फ) एलची।
आजादगी—(फ) स्वाधीनता, निर्दोषिता, मुक्ति, छुटकारा।
आजादी—(फ) देखो आज़ादगी।
आजार—(फ) कष्ट दुःख, बीमारी, रोग।
आजार ख्वाह—(फ) कष्ट चाहने वाला।
आजारी—(फ) रोगी, बीमार, दुखी।
आजिज—(अ) असमर्थ, लाचार, परेशान, तंग।
आजिज़ी—(अ) विनती, नम्रता, दीनता।
आज़िम—(अ) इरादा करने वाला।
आजिर—(अ) क्षमा माँगने वाला, उज्र करने वाला।
आजिल—(अ) शीघ्रता करने वाला, जल्दबाज़।
आजुर—(अ) पक्की ईंट।
आज़ुर—(फ) फारसी वर्ष का नवाँ महीना।
आजुर्दगी—(फ) अप्रसन्नता, दुःख, मनोव्यथा, आधि, क्रोध।
आजुर्दह—(फ) सताया हुआ, त्रस्त, दुखी, चिन्तित।
आजुर्दह पुश्त—(फ) कुबड़ा।
आत—(तु) घोड़ा।
आतिफ़—(अ) दया करने वाला, अनुग्रह करने वाला।
आतिफ़त—(अ) दया, कृपा, मेहरबानी।
आतिर—(अ) सुगन्धित, खुशबूदार
आतिल—(अ) नंगा, नग्न।
आतिश—(फ) अग्नि, प्रभा, क्रोध, प्रथा, शैतान, नरक, दैवीकोप।
आतिश का परकाला—चलता पुर्जा आदमी।
आतिश अंगेज़—(फ) आग लगाने

वाला, सेनापति।
आतिश अफगन—(फ) आग बरसाने वाला।
आतिश अफ़शाँ—(फ) प्रलयङ्कर, आग बरसाने वाला।
आतिशकदा—(फ) अग्निशाला, अग्नि मन्दिर।
आतिशकार (फ) बावर्ची, रसोइया, आतिशबाज़।
आतिश खाना—(फ) पूजा की अग्नि स्थापित करने की जगह।
आतिशख्वार—(फ) पक्षी विशेष, चकोर। क्रूर तथा अत्याचारी व्यक्ति।
आतिश गीर—(फ) चिमटा जिससे आग पकड़ते हैं। ज्वलनशील, आग पकड़ने वाला।
आतिश जदगी—(फ) अग्नि काण्ड।
आतिशज़न—(फ) चकमक नाम का पत्थर जिसे लोहे से रगड़ कर आग पैदा की जाती है। कुक्नुस नाम का एक कल्पित पक्षी।
आतिशज़बान—(फ) कड़वाभाषी, कटु वचन।
आतिशतर—(फ) अग्नि।
आतिशदस्ती—(फ) प्रताप।
चालाकी, शीघ्रता।
आतिशदान—(फ) अँगीठी।
आतिश परस्त—(फ) अग्नि की पूजा करने वाले।
आतिश परस्ती—(फ) अग्नि की पूजा।
आतिशपा—(फ) अधीर, तेज चलने वाला। द्रुतगामी।
आतिश पैकर—(फ) सूर्य, भूत, जिन।
आतिशबाज़—(फ) अग्नि क्रीडा करने वाला, आतिशबाज़ी बनाने वाला।
आतिश बाज़ी—(फ) आग में खेलना, बारूद के खिलौने जिनमें आग लगा कर खेलते हैं।
आतिशबार—(फ) आग बरसाने वाला।
आतिश मिज़ाज—(फ) क्रोधी, कड़वे स्वभाव का।
आतिशलबाज़—(मि०) उग्र स्वभाव का, गरम मिज़ाज का, क्रोधी।
आतिशी—(फ) आग से सम्बन्ध रखने वाला, आग का।
आतिशी शीशा—(फ) वह शीशा जिसे सूर्य के सामने करके उसमें होकर पार जाने वाली किरणें

किसी कपड़े आदि पर डालने से आग पैदा हो जाती है। सूर्य कात या सूरामुखी शीशा।
आतिशे ख़ामोशर—(फ) बुझी हुई आग।
आतूः—(फ) अध्यापिका, शिक्षिका। वह स्त्री जो लड़कियों को पढ़ावे और सूर शल्प सिखावे।
आतून—(फ) देखो "आतू"।
आदत—(अ) स्वभाव, प्रकृति, बान, टेव, अभ्यास।
आदतन—(अ) स्वभाववश, अभ्यास के कारण।
आदम—(अ) मुसलमानों के सबसे पहले पैगम्बर जिनसे आदमियों की उत्पत्ति मानी जाती है। आदमी मनुष्य।
आदमख़ोर—(मि०) मनुष्यों को खाने वाला, नरभक्षक।
आदमज़ाद—(मि०) आदम से पैदा होने वाला, मनुष्य जाति।
आदमी—(अ) आदम से उत्पन्न होने वाले, आदम की संतान, मनुष्य, मानव, नौकर, सेवक।
आदमीयत—(फ) मनुष्यता, भलमनसाहत।
आदमे आबी—(फ) जल मानुस।
आदा—(अ) उदू का बहुवचन, वैरी, शत्रु, दुश्मन।
आदात—(अ) आदत" का बहुवचन।
आदाद—(अ) अदद का बहुवचन।
आदाब—(अ) 'अदब' का बहुवचन, शिष्टाचार, अभिवादन, प्रणाम।
आदाब व अलक़ाब—पद या मर्यादा के सूचक शब्द, प्रशस्ति।
आदिल—(अ) न्यायाधीश, मुंसिफ, न्याय करने वाला।
आदी—(अ) अभ्यस्त जिसे किसी बात की आदत पड़ गई हो।
आन—(अ) क्षण, पल मुहूर्त, अदा, ऐंठ, अकड़, भाव भंगी, नाज, अदा, ढंग, तर्ज।
आनबान—शोभा, अदा ठसक।
आननफ़ानन—(अ) तुरंत तत्काल, बड़ी जल्दी, बहुत थोड़े समय में।
आना—(फ) एक प्रत्यय जो फारसी शब्दों के पीछे लगाने से का' अर्थ देता है, जैसे—माहाना, रोजाना आदि।
आनिस—(अ) प्रेम करने वाला।
आफ़—(फ) सूर्य सूरज।
आफत—(अ) विपत्ति, मुसीबत दुःख, कष्ट, आपत्ति, हलचल ऊधम।

आफ़ताब— (फ़) सूर्य, धूप, मदिरा। क्रान के अर्थ में भी आता है।
आफ़ताब परस्त—(फ़) सूर्य की पूजा करने वाला। कमल, सूर्य मुखी नाम का पौधा। गिरगिट।
आफ़ताबा—(फ़) पानी भरने का टोंटीदार लोटा।
आफ़ताबी—(फ़) सूर्यमुखी, वह वस्तु जो धूप में सुखाई गई हो जाड़े की कचड़ी। एक प्रकार की आतिशबाजी जिसके जलाने से धूप के सा प्रकाश हो जाता है।
आफ़त नज़र—(मि०) बहुत सुन्दर, निगाह के लिए आफ़त।
आफ़त नागहानी—दैवी कोप, दैवसंयोग कष्ट।
आफ़रीदगान—(फ़) उत्पन्न किये हुए संसार के लोग।
आफ़रीदगार—(फ़) सृष्टि का उत्पन्न करने वाला ईश्वर।
आफ़रीदा—(फ़) पैदा हुआ।
आफ़री
आफ़रीन | (फ़) साधुवाद, धन्य, धन्य, वाह, वाह शाबाश।
आफ़रीनश—(फ़) उत्पन्न करना, पैदा करना, बनाना।
आफ़ाक़—(अ) "उफ़ुक़" का बहु वचन, सिरा, किनारा, दुनिया, आसमान के किनारे, दिग्दिगन्त, क्षितिज।
आफ़ात—(अ) "आफ़त" का बहु वचन संकट, दुःख, विपत्तियाँ, मुसीबतें।
आफ़ियत—(अ) आराम, आनन्द, कुशल मङ्गल, सुख स्वास्थ्य।
आफ़ी—(अ) अपराध क्षमा करने वाले।
आब—(फ़) पानी, जल। प्रतिष्ठा, आबरू, शोभा, चमक, कान्ति, छवि तड़क भड़क, धन, तलवार की धार की तेजी व चमक।
आबकार—(फ़) शराब बनाने व बेचनेवाला, कलार, कलवार।
आबकारी—(फ़) वह स्थान जहाँ शराब बनाई या बेची जाती है, मादक वस्तुओं की व्यवस्था करने वाला राजकीय विभाग, शराब खाना, कलारी।
आबख़ाना—(फ़) मल विसर्जन करने का स्थान, शौचालय, पाख़ाना।
आबख़ुर्द—(फ़) अन्नजल, दाना पानी।
आबख़ोर—(फ़) किनारा, तट, घाट।

आबखोरद—(फ) खाने-पीने की चीजें अन्न जल।

आबखोरा—(फ) गिलास, कटोरा आदि।

आबगीना—(फ) शीशा, दर्पण, बिल्लौर, हीरा, अंगूर की शराब, प्रेमी का हृदय आँसू, पानी पीने का गिलास या कटोरा।

आबगीर—(फ) तालाब, पोखर, पानी का गड्ढा।

आबजाविदाँ—(फ) अमृत।

आबजोश—(फ) मास आदि का रसा, शोरबा, एक किस्म का मुनक्का।

आबताब—(फ) शोभा, रौनक, तड़क भड़क, चमक दमक।

आबदस्त—(फ) हाथ पानी लेना, मल शुद्धि करना।

आबदस्तान—(फ) वजू करने का लोटा।

आबदान—(फ) जलपात्र पानी रखने का बर्तन, तालाब।

आबदार—(फ) चमकीला, पानीदार, धनवान्, पानी रखने वाला नौकर।

आबदारी—(फ) चमक दमक, शोभा, पानी रखने का काम।

आबदीदा—(फ) साश्रु नयन, आँसू भरी हुई आँखें।

आबनाए—(फ) जल डमरू मध्य।

आबनूस—(फ) एक प्रसिद्ध वृक्ष जिसकी लकड़ी काले रंग की, निहायत मजबूत और भारी होती है।

आब पाशी—(फ) खेती सींचना, छिड़काव करना, खेती की सिंचाई के निमित्त लिए गए पानी का टैक्स।

आब बाज—(फ) पानी में तैरने वाला।

आबरवाँ—(फ) बहता हुआ पानी। एक प्रकार का बहुत बारीक और बढिया कपड़ा,

आबरू—(फ) प्रतिष्ठा, पद, कीर्ति, बड़प्पन, मान, इज्जत, ताजगी।

आ(अ)ब रेशम—(फ) रेशम।

आबला—(फ) छाला, फलक, फफोला।

आबशार—(फ) पानी का झरना, जल-प्रपात, सोता।

आब सुर्ख—(फ) लाल रंग की शराब।

आबस्याह—(फ) गहरा पानी, भयंकर भँवर युक्त जल-राशि, दवात की स्याही, शराब।

आब हवा—(फ) जलवायु, सर्दी

आर—(अ) लज्जा, संकोच, शर्म, दाग, अप्रतिष्ठा, बदनामी।
आरज़ा—(अ) बीमारी, रोग।
आरज़ी—(अ) कृत्रिम, बनावटी, अस्थायी, आकस्मिक।
आरज़ी सुलह—अस्थायी सन्धि।
आरज़ू—(फ) आशा, विनय, विनती, इच्छा, वाञ्छा।
आरज़ूमन्द—(फ) आशावान्, आशान्वित, इच्छुक, विनीत।
आरद—(फ) आटा
आरा—(फ) शोभा बढाने वाला, सजाने वाला।
आराइश—(फ) सजावट, साज सज्जा, शोभा।
आराई—(फ) सजाना।
आराज़ी—(अ) अर्ज़ का बहु वचन, ज़मीन, भूमि जिस पर मकान न बने हों, खेती होती हो।
आराबा—(फ) बैलगाड़ी, छकड़ा।
आराम—(फ) सुख, चैन, विश्राम, सेहत।
आरामगाह—(फ) विश्राम करने का स्थान, आराम करने की जगह, सोने का स्थान।
आरामतलब—(फ) आराम चाहने वाला, सुस्त, निकम्मा, विलासी।
आरामतलबी—(फ) विलास प्रियता, आराम चाहना।
आरामी—आराम तलब।
आराय—(फ) सजाना, सुसज्जित करना।
आरास्तगी—(फ) सजावट।
आरास्ता—(फ) सुसज्जित, सजा हुआ।
आरिज़—(अ) फौज का वेतन बाँटने वाला, गाल, काली घटा, कृत्रिम, जो असली न हो।
आरिज़—(अ) गाल, बाधक, रोकने वाला, होने वाला।
आरिज़े गुलफ़ाम—(मि०) गुलाबी गाल।
आरिन्दा—(फ) किसी वस्तु का लाने वाला, मजदूर, बोझा ढोने वाला।
आरिफ़—(अ) सन्तोषी, ईश्वर भक्त, जानने या पहचानने वाला।
आरिफ़ा—(अ) "आरिफ़" का स्त्री लिंग।
आरियत—(अ) कुछ दिनों के लिए कोई चीज़ मंगनी माँगना।
आरियतन—(अ) मँगनी के तौर पर।
आरियती—(अ) मँगनी में [illegible] हुआ।
आरी—(अ) नंगा, वस्त्रहीन, दिगम्बर, शान्त, थका [illegible]

परेशान, दीन, असहाय, अनु प्रास हीन, गद्य।

आरेबले—(फ) टालमटूल, कहते रहना पर करना नहीं।

आरोग—(तु०) डकार।

आल—(अ) सन्तान, विशेष कर लड़की की सन्तान, वशज, घर के लोग।

आल—(फ) एक प्रकार का लाल रग। एक तरह की शराब, डेरा, खेमा। बादशाह की मोहर।

आल औलाद—सन्तति, सन्तान।

आलत—(अ) औजार, उपकरण, यन्त्र, पुरुष की इन्द्रिय।

आलम—(अ) विश्व, ससार, दुनिया, मनुष्यों की भीड़, अवस्था, दशा।

आलमगीर—(मि०) जगद्विजयी, विश्वव्यापी, औरगजेब बादशाह की उपाधि।

आलमी—(अ) सासारिक, दुनिया में रहने वाला।

आलमे असवाब—(अ) ससार, दुनिया।

आलमे आब—(फ) शराब का नशा।

आलमे ख्वाब—(मि०) निद्रित अवस्था, सोने की हालत।

आलमे गैब—(अ) परलोक, अज्ञात अवस्था।

आलमे फ़ानी—(अ) नाशवान जगत, मर्त्यलोक।

आलमे वाला—(अ) उत्तम लोक, स्वर्ग, बहिश्त।

आलमे बेदारी—(मि०) चेतन अवस्था, जागने की हालत, जाग्रत् अवस्था।

आलमे सिफ़्ली—(अ) भूमण्डल, ससार।

आला—(अ) ऊँचा, श्रेष्ठ, बढिया, औजार, काम करने के उपकरण।

आलाइश—(फ) दोष, अपराध, दूषित पदार्थ।

आलात—(अ) "आलत" का बहु-वचन, औजार, हथियार।

आलातदीन—सर्वोच्च।

आलाम—(अ) देखो "अलम", दुःख, कष्ट।

आलिम—(अ) विद्वान्, जानकार, पण्डित।

आली—(अ) उच्च, ऊँचा, बड़ा, श्रेष्ठ, उत्तम।

आलीजनाब—(अ) ऊँची चौखट वाले, बहुत श्रेष्ठ, प्रतिष्ठित, उच्च पद पर आसीन।

आली जरफ़—(अ) महानुभाव, महाशय।

आली हज़रत—(अ) देखो 'आली जनाब' परम श्रेष्ठ।

आलुफ़्ता—(फ) गैर, पराया, स्वतन्त्र प्रकृति का।

आलूदगी—(फ) गंदगी, अपवित्रता, मलिनता, लिथड़ना सनना।

आलूदा—(फ) गन्दा, लिथड़ा हुआ, सना हुआ, लथपथ।

आवरद—(फ) लड़ाई, मारपीट, छीन झपट।

आवाज़—(फ) स्वर, शब्द, नाद, बोल, ध्वनि, वाणी।

आवाज़ा—(फ) ख्याति, प्रसिद्धि, नामवरी, गूँज।

आवारगी—(फ) बेढंगापन, आवारा पन।

आवारा—(फ) जिसका कुछ ठीक ठिकाना न हो, व्यर्थ इधर उधर घूमने वाला, लुच्चा, बदमाश, निकम्मा।

आवुर्द—(फ) जो प्राकृतिक रूप से नहीं बल्कि यों ही किसी तरह लाया अथवा लाया गया हो। बनावटी कृत्रिम, आया हुआ, आगन्तुक।

आवुर्दा—(फ) [illegible], [illegible], लाया हुआ।

आवेज़—(फ) लटकता हुआ, प्रेम।

आवेज़ाँ—(फ) झूलता या लटकता हुआ।

आवेज़िश—(फ) लटकाव, लटक।

आश—(फ) मांस का रस, शोरबा।

आशकार—(फ) प्रकट, खुला हुआ, स्पष्ट, प्रत्यक्ष, प्रकाशित।

आशना—(फ) मित्र, प्रेमी, परिचित, यार, जार प्रेमिका, तैराक।

आशनाई—(फ) प्रेम, परिचय, मित्रता, दोस्ती जान पहचान।

आशना फ़रोशी—(फ) मित्र की खुशामद करना, चाटुकारी।

आशमाली—(फ) चाटुकारिता, खुशामद, साहसहीनता।

आशारिया—(फ) गणित में दशम लव।

आशिक़—(अ) प्रेमी चाहने वाला, अनुरक्त, प्रेम करने वाला।

आशिक़ मिज़ाज—(अ) जिसका प्रेम करने का स्वभाव हो, [illegible]।

आशिक़ाना—(फ) आशिक़ों का सा, प्रेमपूर्ण।

आशिक़ी—(अ) प्रेम अनुरक्ति, आसक्ति।

आशिक़े दिलगीर—(मि०) निराश प्रेमी।

आशियाँ } (फ) पक्षियों का
आशियाना } घोंसला, घर। मनुष्यों के घरों की छत।
आशिर—(अ) दशमाश, दसवाँ हिस्सा।
आशुफ्तगी—(फ) व्यथित अवस्था, निष्फलता, घबराहट, दुःखपूर्ण परिस्थिति, बेचैनी।
आशुफ्ता—(फ) व्यथित, निकल, घबराया हुआ, दुखी, दुर्दशा ग्रस्त।
आशुफ्ता हाल—(फ) देखो "आशुफ्ता"।
आशोर—(फ) व्याकुलता, घबराहट, दुःख, सूजन।
आश्कारा—(फ) प्रकट रूप से, खुले आम, सबके सामने।
आस—(फ) आटा पीसने की चक्की।
आसमान—(फ) आकाश, स्वर्ग।
आसमाना—(फ) मकान की छत।
आसमानी—(फ) नीला रंग, आसमान के रंग का, आसमान से सम्बंध रखने वाला, हवाई नाम का आतिशबाज़ी, आकस्मिक।
आसाइश—(फ) आराम, सुख, आनन्द।
आसातिज़ह्—(अ) उस्ताद का बहुवचन, गुरुजन, अध्यापक लोग।
आसान—(फ) सरल, सहज, सुखसाध्य।
आसानियत—(फ) सरलता, सुगमता, सुखसाध्यता।
आसानी—(फ) देखो "आसानियत"
आसाम—(अ) असम का बहु वचन, अनेक अपराध, बहुत-से पाप।
आसामी—(अ) इस्म का बहुवचन, देखो "असामी"
आसार—(अ) चिन्ह, लक्षण, दीवार की चौड़ाई, इमारत की नींव, 'असर' का बहु वचन।
आसिफ़—(फ) हज़रत सुलेमान, राजमन्त्री।
आसिम—(अ) सुशील, सदाचारी, सद्गुणी।
आसिल—(अ) शहद निकालने वाला।
आसिया } (फ) आटा पीसने
आसियाव } की चक्की।
आसी—(अ) अत्यन्त वृद्ध, बहुत बूढ़ा, पापी, दोषी, अपराधी, व्यथित हृदय।
आसीमा—(फ) विस्मित, चकित, भौचक्का।
आसूदगी—(फ) सुख शांति, निश्चि

न्तता, सम्पन्नता, तुष्टि ।
आसूदा—(फ) सुखी, निश्चिन्त, सम्पन्न ।
आसेब—(फ) कष्ट, दुःख, धक्का, भय, हानि, क्षति, विपत्ति, भूत प्रेत ।
आस्तर—(फ) देखो "अस्तर"
आस्ताँ, आस्ताना—(फ) देहली, दहलीज़, ड्योढी, घर का प्रवेश द्वार ।
आस्तीन—(फ) कुर्ता, अँगरखा, कोट आदि की बाँह ।
आस्तीन का साँप—विश्वासघाती, मित्रद्रोही ।
आस्मान—(फ) देखो "आसमान"
आस्मानी—(फ) देखो "आसमानी"
आहंग—(फ) एक बाजे और एक राग का नाम, समय, अनुमान, विचार, इरादा ।
आह—(अ) कष्ट-सूचक गहरी साँस, हा, खेद, अफसोस आदि का सूचक शब्द ।
आहन—(फ) लोहा ।
आहनगर—(फ) लुहार, लोहे का काम करने वाला ।
आहनजान—(फ) महाप्राण, घोर परिश्रमी ।
आहनरुबा—(फ) मिक़्नातीस, चुम्बक पत्थर ।
आहनी—(फ) लोहे का ।
आहर—(अ) व्यभिचारी ।
आहा—(फ) प्रसन्नता सूचक शब्द ।
आहात—(अ) संकट, आपत्ति, कठिनाइयाँ ।
आहिस्तगी—(फ) धीमापन, मुलायमियत, कोमलता ।
आहिस्ता—(फ) धीरे धीरे, शनैः शनैः, कोमलता से ।
आहू—(फ) हिरन । अवगुण । माशूक की आँखें ।
आहूबरा—(फ) हिरन का बच्चा ।

इ

इंजील—(यू०) ईसाइयों की धर्म पुस्तक ।
इआदत—(अ) किसी काम को बार बार करना बात को बार बार कहना, दुहराना, लौटाना ।
इआनत—(अ) सहायता, मदद, दया अनुग्रह, कृपा ।
इआरत—(अ) कोई वस्तु उधार या मँगनी देना ।
इकजा—एक जगह ।
इक़तदा—(अ) पैरवी करना ।
इकतरफ़ा—एक पक्षीय ।
इक़दाम—चेष्टा, प्रयत्न ।

इकतिसाम—(अ) आपस में बाँट लेना।
इक़तिसार—(अ) किसी से बलपूर्वक काम लेना। इच्छा के विरुद्ध काम कराना। एक बात पर ठहरना।
इक़तदार—(अ) सामर्थ्य, शक्ति, बल बूता, अधिकार, इख्तियार।
इक्तुबास—(अ) प्रज्वलित करना, जलाना, प्रकाशित करना, किसी से जानकारी प्राप्तकरना, लाभ उठाना, किसी के लेख या वचन को उद्धृत करना। अवतरण, उल्लेख, जिक्र।
इक़तिराज़—(अ) कर्ज़ लेना, ऋण लेना।
इकबारगी—(फ) एकदम, अचानक, एक साथ, सहसा।
इकबाल—(अ) वैभव, प्रताप, प्रभाव, भाग्य, धन सम्पत्ति। मान लेना, स्वीकार कर लेना।
इकबाल जुर्म—अपराध स्वीकृति।
इक़बालमन्द—(मि०) वैभवशाली, प्रतापी, प्रभावशाली, धनसम्पन्न।
इकराम—(अ) पुरस्कार, पारितोषिक, इनाम, बख्शिश, उपहार, भेंट।
इक़रार—(अ) स्वीकृति, मानना, प्रतिज्ञा, वादा।
इक़रार ज़बानी—मौखिक स्वीकृति।
इकरारनामा—(मि०) प्रतिज्ञापत्र।
इकरार स्वालह—धर्माधीन कथन।
इकरारी—(अ) प्रतिज्ञा करने वाला, अपना अपराध स्वीकार कर लेने वाला। इकरार सम्बन्धी।
इकसाम—(अ) देखो "अकसाम"।
इकाब—(अ) दुःख, कष्ट, आपत्ति।
इकामत—(अ) स्थिर होना, कायम।
इक़तज़ाएदाय—विवेक।
इक्तजार—(अ) तिजारत करना, व्यापार करना।
इक्तफ़ा—(अ) बस करना, संतुष्ट होना, पर्याप्त समझना, समाप्त करना।
इक्तसादियात—(अ) अर्थ शास्त्र, वह शास्त्र जिसमें सम्पत्ति के उत्पादन व विभाजन का विवेचन हो।
इक्तसादी इल्म—(अ) अर्जित ज्ञान, ऐसा ज्ञान जो स्वाभाविक न हो।
इक्तिज़ा—(अ) इच्छा, अभिलाषा।
इख़्तताम—(अ) समाप्ति, अन्त, पूरा करना, ख़ातमा।
इख़फ़ा—(अ) छिपाना।
इख़राज—(अ) निकालना, बाहर करना, वर्जन, निरसन।

इख़राजात—(अ) "ख़रज" (ख़र्च) का बहु वचन ख़र्च, व्यय, निकालना।

इख़लाक़—(अ) पुराना होना, पुराना करना, नीति-व्यवहार, प्रचार, ढंग, आदत, शील, मुरौव्वत, शिष्टाचार।

इख़लास—(अ) मित्रता, विशुद्ध प्रेम, सच्ची दोस्ती।

इख़लासमन्द—(वि०) मित्र, शुभ चिन्तक, प्रेम करने वाला, शुद्ध हृदय, मिलनसार।

इख़तनाम—समाप्ति।

इख़तराअ—(अ) आविष्कार करना, कोई नई बात या नई चीज़ पैदा करना, ईजाद करना, निकालना।

इख़तराक़—(अ) फाड़ना, फटना, विदीर्ण होना।

इख़तलाज—(अ) अंगों का फड़कना, अंगस्फुरण।

इख़तलात—(अ) मेल जोल, प्रेम प्रीति, अनुराग, घनिष्ठता।

इख़तलाफ़—(अ) अन्तर, भेद, मत भेद, विरोध।

इख़तलाफ़ राय—असहमति, मतभेद।

इख़तमार—(अ) खमीर, सुनाया।

इख़तसास—(अ) विशेषकर मुख्यतः।

इख़्तियार—(अ) अधिकार, अधिकारक्षेत्र।

इख़्तियार इस्तयाज़ी—विवेकाधीन, चुनने का हक़।

इख़्तियार करना—ग्रहण करना।

इख़्तियार ख़ास—विशेष अधिकार।

इख़्तियार समाअत—विचाराधिकार।

इख़्फ़ा—(अ) छिपाना, गोपन करना।

इख़्तियारी—(अ) जो अपने अधिकार में हो, ऐच्छिक।

इख़्तिलात—(अ) मिलाना, प्रेम या मित्रता करना।

इख़फ़ा—छिपाव।

इख़्तिलाल—(अ) खलल डालना, विघ्न करना।

इग़माज़—(अ) आँख चुराना। उपेक्षा करना।

इग़तिफ़ार—(अ) परमात्मा से क्षमा चाहना।

इग़माज़—(अ) उपेक्षा, लापरवाई, ध्यान न देना।

इग़मा—(अ) बेहोश करना।

इग़लाम—(अ) गुदा मैथुन, अप्राकृतिक व्यभिचार।

इग़लामी—(अ) इग़लाम करने वाला।

इग़वा—(अ) बहकाना, फुसलाना।

इगारत—(अ) ग़ारत करना, नष्ट करना, दौड़ना।

इजकार—(अ) ज़िक्र करना, याद दिलाना।

इजजाल - (अ) बहुत दान देना, बहुत इनाम देना।

इजतनाव—(अ) बचना, दूर करना, संयम, परहेज।

इजतमाअ—(अ) जमा, एकत्र, इकट्ठा संचय।

इजतराब—(अ) व्याकुलता, अधीरता घबराहट, बेचैनी।

इजतहाद—(अ) जहद का बहुवचन, यत्न करना, सोचना, कोई नई बात निकालना।

इजतिनाब—विरति, औदासीन्य।

इजदहाम—(अ) मनुष्यों की भीड़, जन समूह।

इजदिवाज—(अ) विवाह, शादी।

इजमाअ—(अ) एक हो जाना, इकट्ठा होना, सहमत होना।

इजमाल—(अ) फैली हुई चीजों को इकट्ठा करना, संक्षेप करना, खुल कर न कहना, संक्षिप्त रूप, सावधानी से काम करना।

इजमाली—(अ) बहुत से लोगों का मिला हुआ, सम्मिलित।

इजरा—(अ) जारी करना, कार्य रूप में परिणत करना, प्रचलित करना।

इजरार—(अ) हानि पहुँचाना, अत्याचार करना, दौड़ना, एक स्त्री होते दूसरी करना।

इजलाय—(अ) घर से बाहर निकाल देना।

इजराईल—(अ) प्राण लेने वाले फरिश्ते, यमदूत।

इजराम—(अ) अपराध करना।

इजलाल—(अ) बड़प्पन, बुजुर्गी, प्रतिष्ठा, ठाट बाट, शान शौकत।

इजलाल—(अ) अपमानित करना।

इजलास—(अ) अधिवेशन, बैठक, कचहरी, न्यायालय।

इजहाक—(अ) नष्ट करना, मारना।

इजहार—(अ) प्रकट करना, खोलना जाहिर करना, वर्णन करना। बयान, वक्तव्य।

इजाजत—(अ) आज्ञा, अनुमति, हुक्म, परवानगी।

इजाद—(अ) कंगन, एक आभूषण।

इजादत—(अ) अच्छा कहना, अच्छा करना।

इजाफत—(अ) लगाव लगाना, एक चीज का दूसरी 'चीज से सम्बन्ध स्थापित करना, महमानी करना, अपना काम ईश्वर के

भरोसे छोड़ना, शरण देना। बढ़ाया हुआ अंश, वृद्धि।
इज़ाफ़ा—(अ) वृद्धि, बढ़ोतरी, अधिकता।
इज़ाफ़ी—(अ) पीछे से बढ़ाया हुआ।
इजाज़त—(अ) स्वीकृति, मंजूरी। मलत्याग करना।
इज़ार—(फ़) पायजामा।
इज़ारत—(अ) शरण देना, मुक्ति करना।
इज़ारबन्द—(फ) नाड़ा, कमरबन्द।
इजारा—(अ) ठेका, अधिकार, स्वत्व, किसी चीज़ को ठेके पर उठाना या किराये पर देना।
इजारादार—(मि०) ठेकेदार, किराये दार।
इजारानामा—(मि०) वह कागज जिसपर किराये या ठेके की शर्तें लिखी हों।
इज़ालत—(अ) दूर करना, नष्ट करना।
इज़ाला—(अ) नष्ट करना, दूर करना, न रहने देना।
इज़ाला हैसियत उर्फ़ी—मानहानि।
इज़्ज़—(अ) नम्रता, दीनता, प्रतिष्ठा, वैभव।
इज़्ज़त—(अ) प्रतिष्ठा, गौरव, मान, मर्यादा, आदर।
इज्जाना—(अ) मिट्टी का मर्तबान।
इज्तबा—(अ) पसन्द करना, चुनना, छाँटना।
इज्तराब—(अ) बेचैनी, घबराहट। बेकरारी, तलवार मारना।
इज्तराय—(अ) साहसी, वीर।
इज़्न—(अ) आज्ञा, हुक्म, मालिक द्वारा अपने नौकर को कोई व्यापार करने की स्वीकृति देना। विवाह के लिये वर और कन्या की स्वीकृति।
इज़्नआम—(अ) मृतक की नमाज़ पढ़ने के बाद लोगों को अपने अपने घर जाने की छुट्टी देना।
इज़्ननामा—(मि०) वसीअतनामा।
इज्बिअत—(अ) वाणी की चपलता।
इतआम—(अ) खाना खिलाना, भोजन कराना।
इतमीनान—(अ) सन्तोष, तसल्ली, दिलासा, दिलजमई।
इतरत—(अ) सन्तान, सगे सम्बन्धी, प्रियजन।
इतराब—(अ) मिट्टी में मिलाना।
इतरास—(अ) दृढ़ करना, मजबूत करना बराबर करना।
इतलाद—(अ) पुराने माल का

मालिक होना।

इतलाक—(अ) मुक्त करना, छोड़ना, तलाक देना। प्रयुक्त करना, लागू करना, सम्बन्ध। दस्तों का आना।

इतलाफ—(अ) तलफ करना, नष्ट करना, अस्तित्वहीन करना।

इतसाक—(अ) व्यवस्थित करना, सम्पूर्ण करना, संशोधन करना।

इताअत—(अ) आज्ञामानना, हुक्म की पाबन्दी, वृक्ष पर मेवा का पकना।

इताक़—(अ) दासत्व से मुक्ति मिलना।

इतात्र—(अ) डाट फटकार, कोप, क्रोध।

इत्तका—(अ) पाप से बचना, परहेज करना।

इत्तजाह—(अ) प्रकट होना, प्रकाशित होना।

इत्तफ़ाक़—(अ) पारस्परिक प्रेम, आपस का मेलजोल, एकता। संयोग। अचानक, सहसा।

इत्तफ़ाक़न—(अ) दैव योग से, संयोग से।

इत्तफ़ाकराय—मतैक्य, एक राय होना।

इत्तफ़ाकिया—(फ) संयोग से। अचानक, सहसा, आकस्मिक।

इत्तफ़ाक़ी—(अ) संयोगवश होने वाला, दैव योग से।

इत्तला—(अ) सूचना, विज्ञप्ति, खबर।

इत्तलाअन्—(अ) सूचनार्थ, जानकारी के लिये।

इत्तलानामा—(मि०) सूचनापत्र।

इत्तसाल—(अ) मिलना, पहुँचना, किसी कार्य का निरन्तर होना।

इत्तहाद—(अ) प्रेम, एकता, मित्रता, दोस्ती।

इत्तहाद कौमी—जातीय एकता, राष्ट्रिय ऐक्य।

इत्तहाफ़—(अ) तोहफा देना, सौगात देना।

इत्तहाब—(अ) भेट या दान स्वीकार करना, हिबे करना।

इत्तहाम—(अ) दोष लगाना, बदनाम करना, तोहमत लगाना, भ्रम में डालना, आरोप।

इत्तिकाल—(अ) भरोसा करना, विश्वास करना।

इत्र—(अ) सुगन्ध, फूलों की सुगन्ध का सार।

इत्रयात—(अ) इत्र का बहुवचन सुगन्धित वस्तुएँ खुशबूदार चीजें, सुगन्धियाँ।

इन्दमाल—(अ) सुधार, अच्छा होना, घाव का भरना।
इन्दराज—(अ) प्रविष्ट करना, लिखना, दाखिल करना, दर्ज करना। लेखा।
इन्दिया—(अ) विचार, आशय, अभिप्राय, प्रयोजन।
इन्दुल तलब—मांगने पर।
इन्दुल मुलाहिज़ा—दर्शनी।
इन्दुलहुसूल—प्राप्त होने पर।
इन्दोख्ता—(अ) जो मिला हो, प्राप्त, उपलब्ध, प्राप्ति, लाभ।
इन्फ़राद—(अ) अकेले, अलग अलग, व्यक्तिगत।
इन्फाज़—(अ) प्रचलित करना, जारी करना, भेजना, रवाना करना।
इन्फ़िकाक—मोचन।
इन्फ़िसाक—विच्छेद।
इन्फ़िसाल—(अ) झगड़े का फैसला, किसी बात का निर्णय।
इन्शा—(अ) मौलिक रचना, मन से कोई बात पैदा करना, निबंध लिखना, लेख लिखना, लेखन शैली।
इन्शा अल्लाह—(अ) ईश्वर ने चाहा तो।
इन्शाद—(अ) कविता पाठ।
इन्शा परदाज़—(मि०) लेखक, साहित्यकार।
इन्शा परदाज़ी—(मि०) लेखनकला साहित्य-रचना। लेख आदि लिखने की क्रिया।
इन्स—(अ) इनसान, आदमी।
इन्सदाद—(अ) रोकना, बन्द करना मिटाना।
इन्सराफ़—(अ) वापस आना लौटना।
इन्सराम—(अ) व्यवस्था, प्रबन्ध अलग होना, कटना, समाप्ति पहुँचना।
इन्सान—(अ) मनुष्य, मानव आदमी। आँख की पुतली।
इन्सानियत—(अ) मनुष्यता, म मनसाहत।
इन्सानी—(अ) मनुष्य का, मनुष्य सम्बन्धी।
इन्साफ़—(अ) न्याय, निर्णय, फैसला।
इफ़तताह—(अ) प्रारम्भ करना, जारी करना, खोलना। उद्घाटन करना।
इफ़रात—(अ) अधिकता, प्रचुरता बाहुल्य।
इफ़्लाक—(अ) "फलक" का बहु वचन।

इफ़लाज—(अ) फालिज मारना, पक्षाघात होना।
इफ़लास—(अ) दरिद्रता, कंगाली, गरीबी।
इफ़लाह—(अ) भलाई, उपकार।
इफ़शा—(फ) जाहिर, प्रकट।
इफ़ाक़त—(अ) रोग में कमी होना। किसी काम से निवृत्त होना। सावधान होना।
इफ़ाका—(अ) रोग में कमी होना।
इफ्तकाक—(अ) पृथक होना जुदा होना।
इफ्तख़ार—(अ) घमंड या गरूर करना।
इफ्तताश—(अ) पता लगाना, खोजना, ढूँढना। अनुसंधान करना।
इफ्तताह—(अ) प्रारम्भ करना। खोलना। उद्‌घाटन करना।
इफ्तरा—(अ) मिथ्या दोष, कलंक, तोहमत।
इफ्तराक—(अ) अलग होना, पृथक् होना।
इफ्तार—(अ) उपवास समाप्ति के समय जलपान करना, पारण करना, रोज़ा खोलना।
इफ्तारी—(अ) उपवास-समाप्ति के समय खाई जाने वाली वस्तुएँ।

इफ़्फ़त—(अ) बुरे कामों से बचना, दुराचार से बचना।
इबरत—(अ) भय, डर, शिक्षा, उपदेश, नसीहत।
इबरत अ गेज़—(मि०) जिससे कुछ शिक्षा प्राप्त हो। उपदेशजनक, भयानक, डरावना।
इबरा—(अ) छोड़ना, मुक्त करना। सुई। बिच्छू का डंक।
इबराज़—(अ) बाहर आना, प्रकट होना।
इबरानामा—(मि०) वह पत्र जिसके अनुसार कोई मुक्त किया जाय।
इबरेज़ – (अ) शुद्ध सोना या चाँदी
इबलाग—(अ) भेजना, पहुँचाना।
इबलास—(अ) निराश, दुखी।
इबलीस—(अ) शैतान।
इबा—(अ) कम्बल, कमली, फ़कीर की झगली।
इबाजाल—(अ) अपव्यय, अधमता।
इबादत—(अ) उपासना, पूजा, भक्ति।
इबादत खाना—(मि०) उपासना-मन्दिर, पूजा करने का मकान।
इबादतगाह—(मि०) इबादत करने की जगह, पूजा करने का स्थान।
इवाजाल—(अ) अपव्यय, अधमता।

इबादा—(अ) प्रारम्भ, शुरू, उद्गम।
इबारत—(अ) वर्णन, लेख, लिखा वट, मजमून।
इबारत आराई—(अ) मजमून बनाना, लेख लिखना।
इबारत जुहरी—टिप्पनी, पृष्ट लेख।
इबारत तुहयत आमेज—निन्दात्मक लेख।
इब्तदाई—(फ) प्रारम्भिक, शुरू का।
इब्तसाम—(अ) मुस्कराना, फूल का खिलना।
इब्तिहाज—(अ) प्रसन्नता, खिलना, हर्षित होना।
इब्दाअ—(अ) नई चीज पैदा करना, आविष्कार।
इब्न—(अ) बेटा, पुत्र।
इब्नत—(अ) पुत्री, बेटी, कन्या।
इब्न सुबह—(फ) सूय।
इमकान—(अ) सामर्थ्य, शक्ति, सम्भावना।
इमदाद—(अ) सहायता, मदद।
इमरोज—(फ) आज, आज का दिन।
इमला—(अ) किसी के बोले हुए को शुद्ध लिखना, श्रुताङ्कन, लेखन पूरा करना, स्मरण शक्ति से कोई चीज लिखना।
इमलाक—(अ) सम्पत्ति, या जायदाद का स्वामी होना।
इमलाक़—(अ) गरीबी, निर्धनता।
इमशब—(अ) आज की रात।
इमसाक—(अ) रोकना, बन्द करना, स्तम्भन। वीर्य को स्खलित न होने देना।
इमसाल—(अ) अब की साल, इस वर्ष।
इमसास—(अ) छूना, स्पर्श करना।
इमाद—(अ) स्तम्भ, खम्भा। ऊँची इमारत।
इमाम—(अ) अगुआ, नेता, सरदार, उपदेशक, बादशाह, राजों की डोरी।
इमामत—(अ) अगुआपन।
इमामबाड़ा—(मि०) वह स्थान जहाँ पर मुसलमान मुहर्रम के मरसिये आदि पढ़ते तथा उसे मनाते हैं।
इमामा—(अ) साफा, पगड़ी, मुड़ासा।
इमारत—(अ) भवन, शासन, अमीरी।
इम्तदाद—(अ) लम्बा होना।
इम्तदादे वक्त—(फ) कालचक्र, समय की गति।
इम्तना—(अ) निषेध करना, मना करना, रोकना।

इम्तनाई—(अ) रोक या निषेध सम्बन्धी। निषेधात्मक।
इम्तयाज़—विवेक।
इम्तहान—(अ) परीक्षा, जाँच।
इम्तहानन—प्रयोगात्मक, परीक्षा के रूप में।
इम्तियाज़—(अ) अच्छे बुरे की पहचान। दोष-निरूपण, अन्तर, भेद।
इम्तिसाल—(अ) आज्ञा मानना, कहानी कहना, अपराध करना, प्रतिशोध, किसी से समता करना या उदाहरण देना।
इम्दाद—(अ) सहायता, मदद।
इम्दादी—सहायक, सहायता प्राप्त।
इम्बिसात—(अ) प्रसन्नता, फूल का खिलना, फैलना।
इरतआश—(अ) कम्पन, थरथराहट।
इरकाम—(अ) लिखना, अंक, संख्या।
इरतक़ा—(अ) क्रमोन्नति, विकास, चढ़ना, बढ़ना।
इरतजा—(अ) आशा करना।
इरतजाल—(अ) बिना सोचे विचारे बोलना। तुरन्त काम करना।
इरफ़ान—(अ) ईश्वर सम्बन्धी ज्ञान, बुद्धि, ज्ञान विज्ञान। लाज, शर्म।
इरम—(अ) बहिश्त, जिसे शद्दादने इसी लोक में बनाया था।
इरशाद—(अ) उपदेश प्राप्त व्यक्ति, दीक्षित।
इरशाद—(अ) शिक्षा देना। उपदेश करना, सन्मार्ग दिखाना, हिदायत करना, आज्ञा देना।
इरस } पैतृक सम्पत्ति।
इर्स }
इरसाल—(अ) भेजना, रवाना करना, प्रेषण।
इराक़—(अ) अरब के एक प्रदेश का नाम।
इरादत—(अ) इरादा करना, शिष्य (मुरीद) बनना।
इरादतन—(अ) जान बूझकर, इरादे से।
इरादा—(अ) संकल्प, विचार।
इरादा मुश्तरक—संयुक्त अभिप्राय। मिला जुला मतलब।
इरादी—(अ) इच्छानुकूल, ऐच्छिक।
इर्तकाज़—(अ) छाँट कर लेना, पसन्द करके ग्रहण करना, करना।
इर्तदाद—(अ) धर्म विमुख होना। मज़हब से फिर जाना।
इर्तबात—(अ) दोस्ती, मेल जोल, रब्त-ज़ब्त।

इर्क़—(अ) शरीर की नस, रग, वृक्ष की बारीक जड़े।

इर्क़ुन्निसाँ—(अ) शरीर की एक रग जो चूतड़ से पिंडली तक गई है। इस रग का दर्द, गृध्रसी।

इर्तिआश—(अ) काँपना।

इर्तिज़ा—(अ) परस्पर प्रेम करना, आपस में राज़ी होना।

इर्तिशा—(अ) रिशवत लेना, घूस खाना।

इर्तिहान—(अ) गिरवी रखना, रहन करना।

इर्द गिर्द—(अ) चारों ओर, आस पास, इधर-उधर।

इलज़ाम—(अ) दोषारोपण, लाञ्छन अपराध, अभियोग किसी बात का अपने या दूसरे के ऊपर आक्षेप।

इलतजा—(अ) विनय, प्रार्थना, निवेदन।

इलतफ़ात—(अ) अनुराग, दया, कृपा, प्रवृत्ति।

इलफ़ाफ़—(अ) आपस में लपेटना।

इलबास—(अ) कपड़े पहनना।

इलमास—(फ) हीरा, हीरक।

इलहाक़—(अ) एक दूसरे को सम्बद्ध करना, सम्मिलित करना, मिलाना, एकीकरण, संयोजन।

इलहान—(अ) "लहन" का बहु वचन, संगीत, गाना, उत्तम स्वर।

इलहाम—(अ) ईश्वरीय ज्ञान। मनुष्य के हृदय में ईश्वर की ओर से कुछ बात प्रकट होना।

इलहियात—(अ) आध्यात्मिक बातें, ईश्वर सम्बन्धी बातें।

इलाक़ा—(अ) सम्बन्ध, नाता, लगाव। जमींदारी, क्षेत्र।

इलाक़ा दस्तार—(अ) पगड़ी का तुर्रा।

इलाज—(अ) चिकित्सा, उपाय, औषधोपचार।

इलावा—(अ) अतिरिक्त, सिवा।

इलाह—(अ) ईश्वर।

इलाही—(अ) परमेश्वर।

इलाही सन्—(अ) बादशाह अकबर का चलाया हुआ एक संवत्।

इलियास—(अ) एक पैगम्बर का नाम।

इल्तक़ा—(अ) परस्पर परिचय प्राप्त करना।

इल्तक़ात—(अ) चुनना, चीज़ों को इकट्ठा करना।

इल्तजा—(अ) विनती, विनय,

प्रार्थना, इच्छा, चाहना, अभिलाषा।

इल्तफ़ात—(अ) कृपा करना, ध्यान देना।

इल्तबास—(अ) श्लेष, श्लिष्टपद, जटिलता, पेचीदापन।

इल्तमास—(अ) प्रार्थना, निवेदन, विनय।

इल्तवाय—(अ) स्थगन, स्थगित होना, मुल्तवी होना, लपेटना, संक्षिप्त करना।

इल्तशाम—(अ) चूमना, बोसा लेना।

इल्तहाब—(अ) आग का भड़काना।

इल्म—(अ) ज्ञान, विद्या, जानकारी, विज्ञान।

इल्म उलूयक़ीं—(अ) किसी बात को विश्वास पूवक जानना।

इल्म तबकात-उल अर्ज़—(अ) भूगर्भ शास्त्र।

इल्मदाँ—(मि०) विद्वान्, जानकार, विज्ञान वेत्ता।

इल्मियत—(अ) विद्वत्ता, पाण्डित्य, बोध, ज्ञान।

इल्मी - (अ) ज्ञान सम्बन्धी, विद्या विषयक।

इल्मे अख़लाक़—(अ) नीति शास्त्र, सभ्यता विज्ञान।

इल्मे अदब—(अ) साहित्य।

इल्मे इलाही – (अ) अध्यात्म विद्या, ब्रह्मज्ञान, वेदान्त।

इल्मे उरूज़—(अ) छन्द शास्त्र।

इल्मे उसूल कानून—राजनियम-विज्ञान।

इल्मे कयाफ़ा—(अ) हस्तरेखा विज्ञान, सामुद्रिक शास्त्र।

इल्मे कीमिया—रसायन शास्त्र।

इल्मे गैब—(अ) परोक्ष सम्बन्धी ज्ञान, ज्योतिष शास्त्र।

इल्मे जमादात – खनिज विज्ञान, धातु विज्ञान।

इल्मे तबई—(अ) पदार्थ विज्ञान।

इल्मे तवारीख़—(अ) इतिहास-शास्त्र।

इल्मेदीन—(अ) धर्म शास्त्र।

इल्मे नबातात—(अ) वनस्पति विज्ञान।

इल्मे नुजूम—(अ) ज्योतिष शास्त्र, खगोल विद्या।

इल्मे फिक़्ह—(अ) मुसलमानों का धर्म्म शास्त्र।

इल्मे बहस—(अ) तर्क शास्त्र।

इल्मे मजलिस—(अ) समाज शास्त्र,

समाज में व्यवहार करने का निशान।
इल्मे मन्तक़—(अ) न्यायशास्त्र।
इल्म मादनियात—(अ) खनिज विद्या।
इल्मे मूसीक़ी—(अ) संगीत शास्त्र।
इल्मे सियासत—राजनीति।
इल्मे हिन्दसा—(अ) गणित शास्त्र।
इल्मे हैयत—(अ) खगोल विद्या।
इल्लत—(अ) रोग, दोष, निकम्मी और बेढंगी चीज़, कारण, वजह, झगड़ा, झंझट।
इल्लती—(अ) जिसे कोई बुरी टेव पड़ गई हो।
इल्लत माद्दी—(अ) उपादान कारण।
इल्ला—(अ) नहीं तो, लेकिन, परन्तु, सिवा, अतिरिक्त।
इल्लिलाह—(अ) प्रभो सहायता करो, हे भगवान् कृपा करो।
इवान—(फ) राज प्रासाद।
इश-आल—(अ) आग भड़काना।
इशरत—(अ) आमोद - प्रमोद, हास विलास, सुख-भोग, आनन्द-मंगल।
इशवा—(फ) चोचले, अदा, नाज़ नखरे।
इशा—(अ) रात का अँधेरा, रात की नमाज़ का वक़्त या रात की नमाज़।
इशाअत—(अ) प्रसिद्ध करना, प्रकाशित करना, फैलाना।
इशारत—(अ) संकेत करना, आँखें मारना।
इशारतन—(अ) संकेत से, इशारे से।
इशारा—(अ) संकेत सैन, किसी बात को अति संक्षेप में कहना।
इश्क़—(अ) प्रेम, चाह।
इश्क़ पेचाँ—(अ) एक बेल जिसमें लाल फूल लगते हैं।
इश्क़बाज़—(मि०) प्रेमी इश्क़ करने वाला, आशिक़।
इश्क़बाज़ी—(मि०) प्रेम करना।
इश्क़ मजाज़ी—(मि०) सांसारिक प्रेम-पात्र से प्रेम।
इश्क़ हक़ीक़ी—(मि०) परमात्मा से प्रेम।
इस्तमाल फ़रीक़ैन—दोनों पक्षों का समावेश।
इस्तबाह—(अ) सन्देह, शक़।
इस्तबाही—(अ) जिस पर शक हो, सन्दिग्ध।
इस्तराक—(अ) साझा, हिस्सा, संग-साथ।
इस्तहा—(अ) क्षुधा, भूख, चाह।

इश्तहार—(अ) प्रसिद्ध करना, विज्ञापन ।
इश्तहारी—विज्ञापित, घोषित ।
इश्तिआल—(अ) भड़कना, प्रज्व लित होना, लपट मारना, उग्ररूप धारण करना, उत्तेजित होना, प्रकाशित होना ।
इश्तिआल तबा—क्रोधावेश ।
इश्तिग़ाल—(अ) सलग्न, दत्त चित्त, व्यग्र ।
इश्तियाक़—(अ) रुचि, शौक़, उत्साह, अनुराग, विशेष चाह ।
इश्तिरा—(अ) खरीदना, मोल लेना ।
इश्तिरात—(अ) शर्त करना ।
इसक़ात—(अ) गिराना, डाल देना, पतन कराना ।
इसक़ात हमल—गर्भपात ।
इसदाक़—(अ) स्त्री का महर मुकर्रर करना । किसी की बात सच्ची करना ।
इसबात—(अ) सिद्ध करना, साबित करना ।
इसराईल—(अ) याकूब पैगम्बर का एकनाम ।
इसराफ़—(अ) अपव्यय, फिजूल-खर्ची ।
इसराफ़ील—(अ) देखो असराफील ।
इसराम—(अ) विरक्त, एक फरिश्ता जो कयामत के दिन नरसिंगा बजावेगा, फकीर होना ।
इसरार—(अ) आग्रह, हठ ।
इसलाख़—(अ) खाल खींचना ।
इसलाह—(अ) किसी कविता अथवा लेख में किया गया संशोधन, हजामत ।
इसहाक़—(अ) इब्राहीम का बेटा ।
इसहाल—(अ) पेट चलना, दस्त आना ।
इसियाँ—(अ) अपराध, पाप, गुनाह ।
इस्तअमार—(अ) एक राष्ट्र का दूसरे पर अधिकार कर अपनी शिक्षा-सभ्यता का प्रकाशन ।
इस्तआनत—(अ) मदद, सहायता, साहाय्य ।
इस्तआरा—(अ) साहित्य में रूपक नाम का अर्थालङ्कार ।
इस्तक़दाम्—(अ) स्वागत करना ।
इस्तक़बाल—(अ) स्वागत, अगवानी, पेशवाई ।
इस्तक़रार—(अ) पक्का करना, निश्चित करना, शान्तिपूर्वक रहना ठहरना, आराम करना ।
इस्तक़लाल—(अ) स्थिरता, धैर्य,

सन्तोप, दृढ़ता, अध्यवसाय, दृढ निश्चय।

इस्तकसार—(अ) कम करना।

इस्तक़ामत—(अ) स्थिरता, दृढता, मजबूती, स्थायित्व, ठहराव।

इस्तख़ारा—(अ) ईश्वर से शुभ कामना, पथ-प्रदर्शन चाहना।

इस्तगफ़ार—(अ) पापों से छूटने के लिये भगवान् से प्रार्थना करना। पापों की क्षमा चाहना, त्राण चाहना।

इस्तगराक़—(अ) लीन हो जाना, तन्मय हो जाना, निमग्न हो जाना।

इस्तग़ासा—(अ) न्याय चाहना, फरियाद करना, दुहाई देना, अभियोग, दावा, अभियोग-पत्र।

इस्तदलाल—(अ) तर्क चाहना, दलील माँगना।

इस्तदुआ—(अ) प्रार्थना, विनती, निवेदन।

इस्तफ़हाम—(अ) पूछना, समझना, चाहना।

इस्तफ़हामिया—(अ) प्रश्न सूचक चिह्न (?)।

इस्तबिरा—(अ) निर्दोष या निष्पाप होने की इच्छा।

इस्तमरार—(अ) सब कालीन अधिकार, सदा रहने वाला अधिकार, स्थायी अधिकार, स्थायी होना, निरन्तरता। वह जिस लगान में घटत बढ़त न हो सके।

इस्तमरारी—(अ) स्थायी। जिसमें न्यूनाधिकता न हो।

इस्तराहत—(अ) सुख, चैन, आराम।

इस्तवा—(अ) बराबरी, हमवारी, एकसापन, समतल।

इस्तस्ना—(अ) अपवाद, अस्वीकार, न मानना।

इस्तसवाब—व्यवस्था हेतु प्रार्थना।

इस्तहक़ाक़—(अ) स्वत्व, अधिकार, चाहना, हक़ माँगना।

इस्तहक़ाक़ आम—सार्वजनिक स्वत्व।

इस्तहकाम—(अ) दृढ़ता, मज़बूती, समर्थन।

इस्तहसाल बिल जब्र—बलात् ग्रहण करना।

इस्तादगी—(अ) खड़ा होना।

इस्तादा—(अ) खड़ी (फसल)।

इस्तिंजा—(अ) मूत्रत्यागने के बाद मूत्रेन्द्रिय को पानी से धोना या ढेले से पोंछना। पानी से धाकर

पवित्र करना। मलिनता दूर करना।

इस्तिफ़राग—(अ) निवृत्ति की इच्छा, शौचादि क्रिया से निव्रटना, कै करना।

इस्तिफसार—(अ) पूछना, प्रश्न करना, बयान लेना।

इस्तिब्दाद—(अ) कठोरता, क्रूरता।

इस्तिराक़—(अ) छिपकर चोरी से किसी की बात सुनना, कनसुआ लेना।

इस्तिलाम—(अ) जड़ से उखाड़ना।

इस्तिलाह—(अ) परस्पर सुलह करना, सहमत होना, किसी शब्द का साधारण अर्थ से भिन्न किसी विशेष अर्थ में प्रयुक्त होना, परिभाषा। रूढ़ि शब्द।

इस्तिलाही—(अ) पारिभाषिक, परिभाषा सम्बन्धी।

इस्तिसलाह—(अ) परामर्श करना, सम्मति लेना।

इस्तिहलाल—(अ) नया चाँद देखना, प्रकट होना, लड़के का पैदा होते समय रोना।

इस्तीफ़ा—(अ) किसी कार्य से अलग होने की दरख्वास्त, त्यागपत्र।

इस्तीसाल—(अ) नष्ट करना, मूलोच्छेदन।

इस्तेलाफ़—(अ) कृपा चाहना, अनुग्रह की इच्छा करना।

इस्तेदाद—(अ) विद्या सम्बन्धी योग्यता, निपुणता, दक्षता, सामर्थ्य, शक्ति, घर का माल-असबाब।

इस्तेमाल—(अ) काम में लाना, बर्तना, उपयोग करना।

इस्तेमाल बेजा—दुरुपयोग। अनुचित प्रयोग।

इस्तेमाली—(अ) काम में लाया हुआ, बर्ता हुआ, इस्तेमाल किया हुआ, प्रचलित।

इस्तेहसाल बेजा—अनधिकार पूर्ण-लाभ।

इस्म—(अ) नाम, संज्ञा।

इस्मत—(अ) स्त्रियों का सतीत्व, अपने को पापों से बचाना, निष्पाप होना।

इस्मा—(अ) इस्म का बहुवचन।

इस्मे अदद—(अ) संख्या वाचक विशेषण।

इस्मे आजमा—(अ) परमात्मा का नाम, बड़ानाम।

इस्मेजमीर—(अ) सर्वनाम।

इस्मेजलाली—(अ) परमात्मा का नाम।

इस्मे फ़रज़ी—(अ) कल्पित नाम।

उजाल—(अ) कठिन कार्य । कष्ट साध्य रोग ।
उजुनकार—(फ) अनोखा, अद्भुत ।
उजुल—(अ) निहत्था, निरस्त्र ।
उज्म—(अ) बुजुर्गी, बड़प्पन ।
उज्मा—(अ) "अज़ीम" का बहु वचन । बड़े बूढ़े, बुजुर्ग लोग ।
उज्र—(अ) बहाना, प्रतिवाद विरोध करना, आपत्ति ।
उज्रदार—(मि०) उज्र करने वाला
उज्रदारी—आपत्ति । आपत्तिपत्र ।
उज्रगेगी—(अ) बड़े अफसरों का पेशकार ।
उताम—(अ) मूत्रावरोध, पेशाब बन्द होना ।
उतारिद—(अ) बुध नाम का ग्रह ।
उतूफ़—(अ) कृपालु, दयालु ।
उतूफ़त—(अ) अनुग्रह, कृपा ।
उदवी—(अ) सीमोल्लंघन, अत्याचार करना ।
उदू—(अ) प्रतिस्पर्द्धी, शत्रु, बैरी, दुश्मन ।
उदूल—(अ) पथ भ्रष्ट या विमुख होना, किसी बात को न मानना ।
उदूल हुक्मी—आज्ञा को न मानना । अवज्ञा ।
उनक़—(अ) गर्दन ।
उनफ़वान—(अ) प्रत्येक वस्तु की प्राथमिक अवस्था, यौवन का प्रारम्भ ।
उन्क़ा—(अ) अप्राप्य, दुर्लभ, एक कल्पित पक्षी का नाम, लम्ब-ग्रीव स्त्री ।
उन्वान—(अ) देखो 'अनवान' प्राक्कथन, शीर्षक ।
उन्स—(अ) प्रीति, प्रेम, प्यार, मुहब्बत ।
उन्सर—(अ) मूल तत्व, पृथिवी, जल, तेज आदि ।
उफ़—(अ) शोक कष्ट या आश्चर्य सूचक अव्यय ।
उफ़क़ } (अ)
उफ़ुक़ } (अ) क्षितिज, आसमान का किनारा ।
उफ़ूनत—(अ) दुर्गन्ध, सड़ायँद ।
उफ़तादगी—(फ) विवशता, असमर्थता, लाचारी ।
उफ़्तादा—(अ) खाली पड़ा हुआ स्थान, बिना जाती बोई गई जमीन । गिरा पड़ा, नष्ट भ्रष्ट, मिश्र हुआ ।
उबूदियत—(अ) भक्ति, दासता ।
उबूर—(अ) नदी या समुद्र का पार करना । किसी मार्ग से होकर जाना, किसी विषय की अच्छी जानकारी, पारंगतता ।

उब्बाद—(अ) इबादत करने वाले।

उमक—(अ) गम्भीरता, गहराइ, (कुआँ नदी आदि की)।

उमरा—(अ) 'अमीर" का बहु वचन। धनी व्यक्ति।

उमूम—(अ) साधारण, सामान्य, सार्वत्रिक, सब जगह होना।

उमूमन—(अ) देखो "अमूमन्"।

उमूमियत—व्यापकता सामान्यता।

उमूर—(अ) "अम्र" का बहुवचन।

उमूरात—(अ) "अम्र" का बहु वचन।

उम्दगी—(अ) बढियापन, श्रेष्ठता, उत्तमता, उत्कृष्टता।

उम्दा—(अ) बढ़िया, उत्तम, उत्कृष्ट।

उम्म—(अ) माँ, माता।

उम्मत—(अ) पैगम्बरी धर्मों के अनुयायी लोग, मुसलमान, इसाई, यहूदी आदि। समुदाय।

उम्मती—(अ) किसी पैगम्बरी मत का मानने वाला, ईसाइ, मुसल मान आदि।

उम्मी—(अ) मुहम्मद साहब जिन का कोई गुरू न था, जिसका कोइ गुरु या शिक्षक न हो। वह बालक जिसका बाप उसे बहुत छोटा छोड़ कर मर गया हो तथा जिसका पालन माँ या दाई ने किया हो, बिना पढा लिखा, अशिक्षित, किसी उम्मत का अनुयायी।

उम्मेद—(फ) आशा, भरोसा, आसरा।

उम्मेदवार—(फ) आशावान, आसरा या भरोसा रखनेवाला पदाभिलाषी।

उम्र—(अ) अवस्था आयु।

उम्रतबई—(अ) मनुष्य की पूर्णायु जो अरब में १२० वर्ष मानी जाती है।

उरब—(अ) अरब देश के शहरों में रहने वाले।

उरतास—(अ) छींक, छींकों का रोग।

उरदा बेगनी—(तु) राजमहल में हथियार लेकर पहरा देने वाली स्त्री।

उरियाँ—(अ) नग्न, नगा निहंग, दिगम्बर।

उरयानी—(अ) नग्नता, नगापन।

उरूज—(अ) उन्नति, चढाव, वृद्धि, विकास।

उरूज्ञ—(अ) छन्द शास्त्र।

उरूस—(अ) दुलहिन, वधू। दूल्हा के अर्थ में भी आता है।

एतराफ़—(अ) जमा होना, एकत्र होना।

एतराज़—(अ) सन्देह, शंका, आपत्ति।

एतराफ़—(अ) सराहना, स्वीकार करना, मानना।

एतलाक—(अ) आशिक होना, प्रेमी बनना।

एतलाल—(अ) बहाना करना, रोगी होना।

एतसाफ़—(अ) अत्याचार करना, कुमार्गगामी होना।

एतियाज़—(अ) बदला चुकाना, एवज़ देना।

एमन—(अ) निडर, निर्भय।

एलची—(तु) राजदूत, पत्रवाहक, सन्देश ले जाने वाला।

एवज़—(अ) बदला, प्रतिकार।

एवज़ी—(अ) बदल में काम करने वाला, स्थानापन्न।

एहतमाम—(अ) प्रयत्न, प्रबन्ध, व्यवस्था, देख रेख।

एहतमाम तर्की—सम्पत्ति-व्यवस्था।

एहतमाल—(अ) सहना, बोझ उठाना, भय, आशंका।

एहतमाली आराज़ी—अस्थायी कृषियोग्य भूमि।

एहतराज़—(अ) बचना, परहेज़ करना।

एहतराम—(अ) आदर-सम्मान।

एहतशाम—(अ) वैभव, प्रतिष्ठा।

एहतसाब—(अ) हिसाब लगाना, प्रजा की रक्षा का इन्तज़ाम, परीक्षण, प्रबन्ध।

एहतिज़ाज़—परितोष।

एहतिजाब—(अ) छिप जाना, पर्दे में हो जाना।

एहतियाज—(अ) इच्छा, चाह, आवश्यकता।

एहतियात—(अ) सावधानी, बुरी बातों से बचना।

एहतियातन—(अ) सावधानी के विचार से।

एहतिलाम—(अ) स्वप्नदोष।

एहद—समय, कार्य काल, युग, जमाना।

एहमाल—(अ) उपेक्षा करना, ध्यान देना।

एहसान—(अ) अनुग्रह करना, आभारी बनाना, नेकी करना उपकार।

एहसानमन्द—(मि०) एहसान करने वाला।

एहसान फरामोश—(मि०) उपका

को न मानने वाला, कृतघ्न, गुनमग।

एहसान फ़रामोशी—(मि०) कृतघ्नता, उपकार न मानना।

एहसानमन्द—(मि०) कृतज्ञ, उपकार मानने वाला।

एहसास—(श्र) अनुभूति, स्पर्श, जानना।

ऐ

ऐ—(श्र) हे, अयि।

ऐज़न—(श्र) उपर्युक्त, उक्त, ऊपर जैसा, वही, भी।

ऐजाज—(श्र) नम्रता, विनय, महापुरुषों का चमत्कार।

ऐज़ाज़—(श्र) प्रतिष्ठा, आदर, सम्मान।

ऐज़ाज़ी—(श्र) अवैतनिक, प्रतिष्ठित।

ऐज़्ज़ा—(श्र) "अज़ीज़" (प्यारा) बहुवचन।

ऐदाद—(श्र) "अदद" का बहुवचन, अंक, संख्याएँ।

ऐन—(श्र) आँख, नेत्र, पानी का स्रोत, अशर्फी, उपयुक्त, ठीक।

ऐन उल माल—(श्र) लाभ, बचत, मूलधन, पूँजी।

ऐन उल-यक़ीन—(श्र) आँख से देख कर विश्वास करना।

ऐनक—(श्र) चश्मा, उपनेत्र।

ऐनैन—(श्र) दोनों आँखें, नेत्रद्वय।

ऐब—(श्र) अवगुण, दोष, बुराई, खराबी।

ऐबा—(श्र) चमड़े का सन्दूक, हथियार रखने का बक्स, सूटकेस।

ऐबक—(श्र) प्यारा, प्रिय, दूत, हरकारा, नौकर, सेवक।

ऐबजो—(मि०) निन्दक, बुराई करने वाला।

ऐब गोई—(मि०) दोष दिखाना, निन्दा करना।

ऐबजो—(मि०) छिद्रान्वेषी, दोषदर्शक।

ऐबजोई—(मि०) दूसरों के दोष खोजना, छिद्रान्वेषण।

ऐबदार—(श्र) ऐबी, दोषी।

ऐबपोश—(मि०) पराए दोषों को ढकने वाला।

ऐबपोशी—(मि०) दोष ढकना, ऐब छिपाना।

ऐबी—(श्र) देखो "ऐबदार"।

ऐमाल—(श्र) अमल का बहुवचन, आचरण, चरित्र, कार्य-समूह, करतूतें, कृत्य।

ऐमालनामा—(मि०) वह रजिस्टर जिसमें लोगों के भले-बुरे कार्य लिखे जाते हैं।

ऐयाम—(अ) यौम का बहुवचन, दिन, मौसम, ऋतु, फसल।

ऐयार—(अ) धूर्त, चालाक, वेश बदल कर स्वार्थ साधने वाला।

ऐयारी—(अ) चालाकी, धूर्तता।

ऐयाश—(अ) लम्पट, कामुक, विलासी।

ऐयाशी—(अ) विलासिता, कामुकता, लम्पटता।

ऐराफ़—(अ) एक स्थान का नाम जो मुसलमानों के मतानुसार बहिश्त (स्वर्ग) और दोज़ख (नरक) के बीच में है। बालू के ऊँचे टीले, घोड़े के अयाल।

ऐलान—(अ) घोषणा, मुनादी, डंके की चोट कहना, किसी बात का ढोल बजाकर कहना।

ऐलाम—(अ) सूचना देना, सावधान करना।

ऐवान—(फ) राजप्रासाद, राज महल।

ऐश—(अ) सुख-चैन, भोग विलास, आराम।

ऐशे विसाल—(अ) मिलाप का आनन्द।

ऐशोइशरत—(अ) भोग-विलास।

ऐसाम—(अ) शरीर के रग पट्ठे।

ऐसार—(अ) धनी या सम्पन्न होना।

ओहदा—(अ) पद।

ओहदेदार—(मि०) अफ़सर, पदाधिकारी।

औक़ात—(अ) 'वक़्त' का बहुवचन, समय, वक़्त, धन या विद्या सम्बन्धी योग्यता।

औक़ात बसरी—(मि०) कालयापन, जीविका-चलाना, निर्वाह करना।

औक़ात—(अ) "वक़्फ़" का बहुवचन, दान, अर्पण, विराम चिह्न।

औज—(अ) सबसे ऊँचा स्थान। श्रेष्ठता, विशालता, उच्चता, ऊँचाई।

औज़ान—(अ) "वज़न" का बहुवचन, बोझ, बाट, तुक, अनुप्रास।

औज़ार—(अ) कारीगरों के काम करने के हथियार।

औतान—(अ) "वतन" का बहुवचन।

औबाश—(अ) लुच्चा, बदमाश, गुण्डा, छिछोरा, लफंगा।

औबाशी—(अ) लुच्चापन, बदमाशी, आवारगी, अधमता।

औरंग—(फ) राज सिंहासन, समझ, बुद्धि धूर्तता, दीमक।

औरंगज़ेब—(फ) राजसिंहासन की शोभा, एक बादशाह का नाम।
औरत—(अ) स्त्री, पत्नी, जोरू, महिला।
औराक़—(अवराक) (अ) "वर्क" का बहुवचन, पत्ते, पर्त।
औराद-(अ) "विर्द" का बहुवचन, नित्यकर्म।
औल—वृद्धि।
औल उल उज़्मी—(अ) साहसिकता, दु साहस।
औला—(अ) सब से बढिया, सर्व श्रेष्ठ।
औलाद—(अ) संतान, सन्तति, नस्ल।
औलिया—(अ) वली का बहु वचन, मित्र, निकट सम्बन्धी, स्वामी, साधु-सन्त, दरगाह का मालिक।
औरंग—(मु०) अलगनी।
औसत—(अ) सामान्य, साधारण, बीच की स्थिति, मध्यवर्ती, बराबर का पड़ता।
औसान—(अ) समझ, ज्ञान, विवेक, होश-हवास।
औसाफ़—(अ) "वस्फ़" का बहुवचन, विशेषता, गुण, खासियत।
औहाम—(अ) "वहम" का बहुवचन, भ्रम, शंका सन्देह, वहम।

क

कंगुरा—(फा) चोटी, शिखर, क़िले की दीवार म बने हुए ऊँचे-ऊँचे स्थान।
कअब—(अ) हड्डी का पाँसा जिससे जुआ खेलते हैं। टखना, अंकका तृतीयांश।
क़अब—(अ) नात की तह, विषय की गंभीरता, बड़ा प्याला।
क़अर—(अ) नदी या कुए की गहराई।
कजकोल—(फ़) भिक्षा-पात्र।
कज (फ़)—टेढापन, वक्रता।
कज— फ़) वक्र, टेढा, कच्चा रेशम, कम कीमत।
कजक—(फ़) हाथी हाँकने का अंकुश, नगाड़ा बजाने की चोब।
कजकोल—(फ) फकीरों का पत्र।
कज खुल्क—(फ़) बुरे स्वभाव का, कड़ुवे मिज़ाज वाला, कठोर हृदय।
कजदुम—(फ) बिच्छू।
कज निहाद—(फ) दुष्ट प्रकृति का कूट स्वभाव वाला।
कज़ब—(अ) झूठ बोलना।

कज फ़हम—(अ) प्रत्येक बात को उलटी समझने वाला।
कज बहस—(मि०) कुतर्की, निरर्थक बहस करने वाला, निरर्थक विवाद
कजबीं—(फ़) टेढ़ी निगाह से देखने वाला, बुरी भावना वाला।
कज रफ़्तार—(फ़) टेढ़ी चाल चलने वाला, वक्र गति वाला।
कज रफ़्तारी—(फ़) वक्र गति, टेढ़ी चाल।
कजरवी—(फ़) टेढ़ी चाल।
कजरौ—(फ़) टेढ़ी चाल।
कज करश्मा—(फ़) धूर्त, धोखेबाज।
कजम—(फ़) तालाब या नदी के किनारे की हरी घास।
कज मज ज़बान—(फ़) तोतला।
कज़ल—(अ) लँगड़ा।
क़ज़ल—(तु) लाल, सुर्ख़।
कज़लक—(फ़) छोटी छुरी, चाकू।
क़ज़ल बाश (तु) लाल सिर वाला, सैनिक योद्धा।
क़ज़ा—(अ) मृत्यु, मौत।
क़ज़ा—ईश्वरीय आदेश, आज्ञा करना पैदा करना, वर्णन करना, ईश्वर-प्रार्थना का समय चूक जाना, पालन करना, कोई कार्य सम्पन्न करना
क़ज़ाए इलाही—(अ) स्वाभाविक रूप में होने वाली मृत्यु।
क़ज़ाए नागहानी—(मि०) आकस्मिक मृत्यु, अकाल मृत्यु।
क़ज़ाए हाजत—(अ) मलमूत्र विसर्जन।
क़ज़ाकार—(मि०) संयोगवश, इत्तिफ़ाक से, सहसा, अचानक।
क़ज़ात—(अ) क़ाज़ी का बहुवचन।
क़ज़ाया—(अ) "क़ज़िया" का बहुवचन। झगड़े-टंटे। हुक्म वाक्य।
कज़ारा—(फ़) सहसा, संयोग से, अचानक, इत्तिफ़ाक से।
कज़ाव क़द्र—(अ) भाग्य, तक़दीर।
क़ज़िया—(अ) झगड़ा-टंटा, विवाद ग्रस्त बात।
कज़िया पाक होना—झगड़ा ख़तम होना, विवाद की समाप्ति होना।
कजी—(फ़) टेढ़ापन, वक्रता।
क़ज़ीब—(अ) तेज़ तलवार, कोड़ा, वृक्ष की शाखा, कमान, पुरुष का मूत्रेंद्रिय।
कज़ूब—(अ) महाझूठा।
कज़्ज़ा—(फ़) कपड़े की गेंद।
क़ज़्ज़ाक—(तु) लुटेरा, डाकू।
कज़्ज़ाकी—(अ) डाकूपन, लुटेरापन, लुटेरा का-सा
कज़्ज़ाब—(अ) बार मिथ्या भाषी,

महा झूठा।
क़त —(अ) किसी बड़ी चीज का काटना कलम की नोक का टेढ़ा काटना, कागज़ की मोड़, अन्न की मँहगाई। बस, पर्याप्त, अलम
क़तअ—(अ) भाग, खंड, काट-छाँट, कमसे कम दो शेर की कविता।
क़तअन—(अ) कदापि, हरगिज़।
क़तई—(अ) अन्तिम, आखिरी।
क़तई गज़—(मि०) दर्ज़ियों का गज़
कत खुदा—(फ़) घर का मालिक, गृहस्वामी, घरवाला, घरवाली, सुयोग्य, गुणी।
कत खुदाई—(फ) विवाह, शादी।
क़तगीर—(फ) वह चीज जिस पर रख के कलम पर क़त लगाते हैं।
क़तज़न—(मि) हड्डी या लकड़ी की बनी वह चीज जिस पर रख कर कलम पर कत लगाते हैं।
क़तन—(अ) रुई।
कतबा—(अ) स्मारक, शिलालेख।
क़तरा—(अ) बूँद, बिन्दु, खंड, टुकड़ा। दौड़ कर चलना।
क़तरात—(अ) "कतरा" का बहुवचन।
क़तला—(अ) टुकड़ा, फाँक, खंड, भाग।
क़ता—(अ) ढंग, शैली, बनावट, कटा हुआ, काटा हुआ, खंड, भाग।
क़ताअ—(अ) काटने वाला।
क़ता कलाम—(अ) बात काटना, बीच में बोल उठना।
कता ताल्लुक़—(अ) सम्बन्ध विच्छेद।
कतादार—(मि०) अच्छी बनावट का, सुन्दर ढंग का।
कतानज़र—(अ) अतिरिक्त, सिवा, अलावा।
कतान—(फ) अलसी जिससे तेल निकालते हैं, एक प्रकार का बहुत बढ़िया और बारीक रेशमी कपड़ा। कहते हैं कि चाँदनी में उसके टुकड़े-टुकड़े हो जाते हैं।
क़तार—(अ) पंक्ति, लाइन, श्रेणी।
कतारा—(फ) कटारी।
कतीअत—(अ) अलग, जुदाई, पृथकता।
क़तील—(अ) वध किया हुआ, कत्ल किया हुआ।
क़त्तामा—(अ) पुंश्चली, कुलटा, दुश्चरित्रा, अत्यन्त विलासिनी स्त्री।
क़त्ताल—(अ) बहुत-से आदमियों को मार डालने वाला, हत्यारा।
क़त्ल—(अ) वध, हत्या।

क़त्ल अमद—हत्या।
क़त्ल इन्सान—मुस्तलिज़म सज़ा—दण्डनीय नर हत्या।
क़त्ल की रात—(मि०) वह रात जिसके सबेरे हसन और हुसेन क़त्ल किये गए थे, मुहर्रम की नवीं तारीख की रात।
क़त्ल गाह—(मि०) वधस्थान, वह जगह जहाँ लोग क़त्ल किये जाते हों, फांसी घर।
क़त्ले आम—(अ) एक तरफ़ से सबका वध, सर्वसाधारण का क़त्ल, सर्वसंहार।
कद—(फ) घर, मकान, गाँव।
कद—(अ) आमद, परिश्रम, शत्रुता, बैर, दुश्मनी।
क़द—(अ) उँचाई, आकार, डील,
कद खुदा—(फ) देखो 'कत खुदा'
कद खुदाई—(फ) देखो 'कत खुदाई'
क़द्गन—(अ) निषेध, मुमानियत।
कद्बानू—(फ) गृहस्वामिनी, पत्नी।
क़दम—(अ) पैर, पाँव, डग।
क़दम ब क़दम चलना—अनुगमन करना, अनुकरण करना।
क़दम रंजा फ़रमाना—पधारना, पदार्पण करना, तशरीफ़ लाना।
क़दमचा—(मि०) पाखाने या पेशाब घर में बना हुआ पैर रखने का स्थान, खुड्डी।
क़दम बाज़—(मि०) बहुत अच्छी क़दम चाल चलने वाला घोड़ा।
क़दम बोस—(अ) अभिवादन शील, विद्वानों या वयोवृद्धों के पैर चूमने वाला।
क़दम बोसी—(अ) अभिवादन या प्रणाम करना, बड़ों के चरण चूमना, उनकी सेवामें उपस्थित होना।
क़दम सञी—(फ) रास्ता चलना।
क़दमा—(अ) प्राचीन, पुराना, पुराने लोग।
क़दर(क़द्र)—मान, प्रतिष्ठा, गौरव, अन्दाज़ा, मात्रा।
क़दर अन्दाज़—(फ) वह तीरंदाज़ जिसका वाण चूकता नहो।
क़दरदाँ—(मि०) गुणग्राहक, गुणज्ञ।
क़द्रदानी—(मि०) गुणग्राहकता।
क़द्र शनास—(अ) क़दर जानने वाला, गुणों का समझने वाला, गुण-ग्राहक।
क़दर शिनासी—(अ) गुण ग्राहकता, गुणज्ञता।
क़द्रे—(अ) थोड़ा-सा, ज़रा सा।

क़दरेक़लील—(अ) बहुत थोड़ा। नेक सा।
क़दह—(अ) भिक्षा-पात्र, बड़ा प्याला, तर्क, विवाद, खंडन, बिना नोक का तीर।
कदा—(फ) घर, मकान, गाँव।
कदाम—(अ) जाति का मुखिया, सरदार।
कदामत—(अ) सनातनता, प्राचीनता।
कदीम—(अ) पुराना, प्राचीन।
क़दीमी—(अ) पुराना।
कदीर—(अ) बलवान, ज़ोरदार।
कदू (कद्द)—(फ) घीया, लौकी।
कदूद—(फ) कुआँ।
कदूरत—(अ) गन्दगी, मलिनता, मनोमालिन्य।
कदेआदम—(अ) ऊँचाई में आदमी के बराबर। मुरसाभर।
कद्दावर—(अ) लम्बा तड़ंगा। बड़े डील डौल का।
कद्र—(अ) देखो "कदर"
कद्रदान—(फ) देखो "कदरदाँ"
कन—(फ) खोदने वाला, खोदना।
कनवात—(अ) कनात का बहुवचन, छोटी नहरें।
क़नाअत—(अ) सब्र, सन्तोष, धैर्य।
कनात—(तु) कपड़े का मोटा पर्दा जिसे आड़ करने के लिए खड़ा करते हैं। छोटी नहर।
कनाद—(अ) कन्द बनाने वाला, हलवाई।
कनादील—(अ) कदील का बहु वचन।
कनार—(अ) गोद, किनारा।
कनास } (अ) जल्लाद, वधक।
कन्नास } हत्यारा।
कनिश—(फ) द्वेष, वैर, कीना।
कनीज—(फ) दासी, बाँदी, टहलनी।
कनीजान—(फ) "कनीज़" का बहुवचन, दासियाँ, सेविकाएँ।
कनीसा—(अ) ईसाई और यहूदियों का प्रार्थना मन्दिर।
क़नूत—(अ) निराश।
कन्द—(अ) सफ़ेद शक्कर। जमाई हुई शक्कर। चीनी। खाँड।
क़न्द—(फ) देखो "कन्द"
कन्दन—(फ) किसी चीज पर कुछ खोदना।
कन्दा—(फ) खोदा हुआ। किसी चीज पर कुछ खुदा हुआ।
कन्दाकार—(फ) किसी चीज़ पर खुदाई का काम करने वाला।
कन्दाकारी—(फ) किसी चीज पर खुदाई का काम करना।

कन्नादख़ाना—(फ) सँहसाल, स्रॅाँड बनाने की जगह।
कन्दील—(अ) कागज़ की बनी लालटेन, जिसम दीपक रख कर ऊपर टाँगते हैं। कण्डील।
कन्देलब—(फ) मधुराधर, मीठे ओठ।
कफ़—(फ) हथेली, पैर का तलवा श्लेष्मा, झाग, थूक, कफ।
कफ़क—(फ) हथेली। दूध, पानी या साबुन के झाग।
कफ़गीर—(फ) डोई, चमचा, कलछी।
कफ़चा—(फ) चमचा, कलछी, डोइ, साँप का फन।
कफ़चनान—(फ) तालियाँ बजाता हुआ।
कफ़न—(अ) वह कपड़ा जो श्मशान ले जाते समय मृतक पर ढका जाता है।
कफ़नी—(फ) मुर्दों के गले में डाला जाने वाला कपड़ा। फकीरों या साधुओं के पहनने का बिना सिला वस्त्र है।
कफ़रा—(अ) काफ़िर का बहुवचन।
कफ़शा—(फ) जूतियाँ।
कफ़शादोज—(फ) मोची।
क़फ़स—(अ) पिंजड़ा, पक्षियों के रहने का।
कफ़ालत—(अ) ज़मानत। वह रकम या सम्पत्ति जो किसी कथित अपराधी को बन्धन से मुक्त कराने के बदले इस शर्त पर जमा की जाय कि आवश्यकता पड़ने पर वह व्यक्ति न्यायालय में उपस्थित हो जायगा। अपने उत्तरदायित्व पर कोइ काम ले लेना। ज़मानत देना, ज़ामिन बनना।
कफ़ीदा—(फ) फटाहुआ।
कफ़ील—(अ) ज़मानत देने वाला, ज़ामिन।
कफ़े पा—(फ) पैर का तलवा।
कफ़े-पाई—(फ) जूता, पादत्राण, उपानह,
कफ्फ़ारा—(अ) पापों का प्रायश्चित्त।
कफ्श—(फ) जूता, पादत्राण।
कफ्श दोज—(फ) मोची।
कफ्शाक—(फ) छोटी या तंग जूती।
कबक—(फ) चकोर नामक पक्षी।
कबर—(अ) बड़प्पन, बुजुर्गी।
क़बर—(अ) देखो "क़ब्र"
क़बरिस्तान—(फ) जहाँ बहुत-सी कब्रें हों।
क़बा—(अ) एक प्रकार का ढीला

ढाला पहनावा।

क़बादा—(अ) लेजम।

क़बान—(अ) बड़ी तराज़ू।

कबाब—(फ) कुटा हुआ और सीख पर भुना हुआ मांस।

क़बायल—(अ) "क़बीला" का बहुवचन, कुटुम्बी, परिवार के लोग।

कबार—(अ) बुज़ुर्ग लोग। वयोवृद्ध। बड़े आदमी।

क़बाला—(अ) सनद, दस्तावेज, जमानत नाम, किराया नामा आदि।

क़बाहत—(अ) झंझट, दिक्कत, बुराई।

कबीब—(अ) मुँह के बल गिरा हुआ।

कबीर—(अ) बड़ा, महान्, श्रेष्ठ।

कबीरा—(अ) महान् पातक, बड़ा पाप।

कबील—(अ) वर्ग, जाति।

कबीला—(अ) किसी एक पुरुष का कुटुम्ब, समुदाय। पत्नी, स्त्री

कबीसा—(अ) अधकूप, लौंद का महीना।

क़बीह—(अ) बुरा, खराब,

कबूतर—(फ) कपोत, पारावत।

कबूतरबाज़—(फ) कबूतर पालने वाला।

कबूद—(फ) नीला।

क़बूर—(अ) "क़ब्र" का बहुवचन।

क़बूल—(अ) स्वीकार, मजूर।

क़बूलना—(अ) स्वीकार करना, मान लेना।

कबूलसूरत—(अ) सुन्दर चेहरे वाला, अच्छी शक्ल वाला।

क़बूलियत—(अ) स्वीकृति, मंजूरी। मान लेना।

क़बूली—(अ) एक प्रकार की खिचड़ी जो चावलों और चने की दाल से बनाई जाती है।

कब्क—(फ) देखो "कबक"।

कब्करफ्तार—(फ) चकोर की भाँति मस्त चाल से चलने वाला।

कब्ज़—(अ) मलावरोध, बद्ध-कोष्ठता।

कब्ज़ उल वसूल—(अ) प्राप्ति-सूचक पत्र, रसीद।

कब्ज़ा—(अ) अधिकार, क़ाबू, दखल, पकड़, मूँठ, बेंटा, दस्ता, लोहे या पीतल के बने किवाड़ों की मुड़न पर या सन्दूकों के ढक्कनों में लगाने के वे उपकरण जिनसे किवाड़ या ढक्कन खुलते और बन्द होते हैं। मुट्ठी-भर।

देश।
क़ब्ज़ियत—(अ) कब्ज होना, मल का रुकना, कोष्ठबद्धता।
कब्बार—(अ) बहुत बड़ा बुजुर्ग।
कब्र—(अ) दफ़न करने की जगह। मुर्दा गाड़ने का गढ़ा।
कब्ल—(अ) पहले, पूर्व, पूर्वका, पहले का।
क़ब्ल अज़ वक़्त—समय से पूर्व। अपरिपक्व।
क़ब्ज़—(अ) उदर शूल, दर्द जिगर, हर्ष, बड़प्पन।
कम—(फ) थोड़ा, न्यून। अल्प।
कम अज़ कम—(फ) कम से कम। न्यूनातन्यून।
कमख़ाब—(फ) एक प्रकार का रेशमी कपड़ा जिसपर ज़री के बेल-बूटे बने होते हैं। सोने चाँदी के तारों व रेशम से बना कपड़ा।
कमख़्वाब—(फ) देखो "कमख़ाब"
कमगो—(फ) कम बोलने वाला, मित भाषी।
क़मची—(तु) किसी वृक्ष की शाखा की पतली छड़ी।
कमज़र्फ़—कमीना नीच, ओछा, तुच्छ, कृपात्र।
कमज़ात—(फ) देखो "कमअस्ल" नीच, अधम, कमीना।
कमज़ोर—(फ) दुर्बल, अल्प शक्ति, निर्बल।
कमतर—(फ) बहुत कम, अल्पतर, तुच्छतर, छोटा, नाचीज़।
कमतरीन—(फ) बहुत ही कम, अत्यन्त छोटा, तुच्छतम, सेवक।
कमनसीब—(फ) अभागा, मन्द भाग्य वाला,
कमन्द—(फ) (सुमन्द) एक प्रकार की गाँठदार या फन्देदार रस्सी जिसके सहारे मकान आदि पर चढ़ जाते हैं, एक फन्देदार रस्सी जिसे फेंक कर जंगली जानवरों को पकड़ते हैं।
कमफ़ह्म—(फ) अल्प बुद्धि, मन्द बुद्धि, कम समझ।
कमबख़्त—(फ) अभागा, भाग्यहीन, मन्द भाग्य।
कमबख़्ती—(फ) भाग्यहीनता, दौर्भाग्य,
कमबूदगी—(फ) न्यूनता, निर्धनता, कंगाली।
कमयाब—(फ) जो बहुत कम प्राप्त हो सके, दुर्लभ, दुष्प्राप्य।
कमर—(फ) शरीर का मध्य भाग, कटि प्रदेश।
कमर कसना—कोई काम करने

को उद्यत होना।

कमर खोलना—किसी काम के करने का विचार त्याग देना।

कमर टूटना—निराश हो जाना, हिम्मत हारना।

कमर—(फ) चन्द्रमा, चाँद, चाँदी।

कमर बन्द—(फ) नाड़ा, कमर बाँधने का कपड़ा, पटुका, फेंटा, पेटी।

कमर बस्ता—(फ) कोई काम करने के लिये तैयार, उद्यत, सन्नद्ध, बद्ध परिकर, मुस्तैद।

कमरा—(अ) जूआ घर,

कमरी—(अ) चन्द्रमा सम्बन्धी, चन्द्रमा का, चाँदी का।

कम सखुन—(फ) कम बोलने वाला, मित भाषी, अल्प भाषी।

कमसिन —अल्पायु, थोड़ी उम्र का।

कमहू— (अ) सत्तू, सतुआ। गेहूँ के भुने अनाज का आटा।

कमाच—(तु) एक प्रकार की मोटी रोटी।

कमात—(अ) कुकुरमुत्ता।

कमान (खमान)—(फ) धनुष, तोप, बन्दूक, मेहराब, इन्द्रधनुष, वे हथियार जिनसे तीर या गोली गोले फेंके जायँ।

कमानचा—(फ) सारंगी, इसराज आदि बजाने का गज जिसमें घोड़े की पूँछ के बाल बँधे होते हैं। एक प्रकार का बाजा। छोटी कमान, बड़े मकान के साथ का छोटा मकान या कमरा, मेहराबदार छत।

कमानगर—कमान बनाने वाला

कमानदार—(फ) कमान चलाने वाला, धनुर्धर।

कमान रुस्तम—(फ) इन्द्र धनुष।

कमान शैतान—(फ) ,, ,,

कमाना—(क) बरमा चलाने की बढ़ई की कमान।

कमानी—(फ) धातु का बना तार या पत्ती, जो दबाव पड़ने से लचक जाय और दबाव हट जाने पर फिर ज्यों का त्यों हो जाय। कमान के आकार की।

कमाल—(अ) पूर्ण, सम्पूर्ण, निपुणता, कारीगरी, कुशलता, पूरापन, परिपूर्णता, कोई अनोखा कार्य।

कमालात—(अ) "कमाल" का बहुवचन।

कमालियत—(अ) कमाल का भाव, पूर्णता, कुशलता, दक्षता,

कमाहक्कहू—(अ) उचित रूप में, जैसा कि वास्तव में है।

कमाहक्का—(अ) यथा, तथ्य जैसा होना चाहिये वैसा, यथोचित, बहुत ठीक, यथेष्ट, पूरा।
कमी—(फ) न्यूनता, अल्पता, हानि, घटती।
कमीन—(अ) शिकार या शत्रुकी ताक में छिपकर बैठना। किसी की घात में बैठना।
कमीनगाह—(मि०) वह स्थान जहाँ किसी घात या ताक में बैठा जाय।
कमीना—(फ) अधम, नीच, ओछा, क्षुद्र।
कमीनापन—(मि०)नीचता, क्षुद्रता, अधमता, ओछापन।
कमीबेशी—(फ) न्यूनता या अधिकता, घटती बढ़ती, कम या ज्यादा होना।
कम्मी—(अ) सशस्त्र सैनिक।
क़मीस—(अ) कमीज नामक पहनने का वस्त्र।
कमोफ़ास्त—न्यूनाधिक।
कमोबेश—(फ) थोड़ा बहुत, न्यूनाधिक, लगभग।
क़म्मा—(अ) ऊंचाई, नोक, कगरा।
कम्मून—(अ) जीरा।
क़यादत—(अ) नेतृत्व, नेतागीरी।
क़याफ़ा—(अ) सूरत, आकृति, सामुद्रिक शास्त्र, जिसमें मनुष्य का हाथ, चेहरा आदि देखकर उसे शुभाशुभ भाग्य बताने की विधि वर्णित है।
क़याफ़ाशिनास—(मि०) सामुद्रिकशास्त्री
क़ायम—(अ) ठहरना, स्थिर होना, निश्चय, स्थिरता, ठहरने का स्थान, विश्राम करने की जगह। स्थिति।
क़यामगाह—(मि) ठहरने का स्थान, विश्रांति-स्थल।
क़यामत—(अ) स्थित होना, कायम होना, खड़े होना, प्रलय, खलबली, हलचल, मुसलमानों के मतानुसार सृष्टि के अन्त का वह दिन जब अपने शुभाशुभ कर्मों का फल पाने के लिए कब्रों में से उठ कर सब मुर्दे खड़े हो जायगे।
क़यास—(अ) अनुमान, अन्दाज कल्पना, अटकल ध्यान, विचार।
क़यास इख्तियारी—अनुमान कर सकना।
क़यास लाजिमी—आवश्यक रूप से अनुमान करना।
क़यासी—(अ) ख्याली, आनुमानिक, काल्पनिक।
क़यूद—(अ) "क़ैद" का बहुवचन

बंधन, सीमा,

क़य्यूम—(अ) अविचल, स्थिर महान, अटल, निरीक्षक, अन्तर्यामी खुदा का एक नाम।

कय्याद—(अ) मक्कार, धूर्त।

कय्याल—(अ) नापनेवाला, तोलने वाला।

क़य्यूम—(अ) कायम रखने वाला निरीक्षक, खुदा का नाम।

करख्त—(फ) कठोर, कड़ा, शरीर का वह अंग जो सुन्न हो गया हो।

करगदन—(फा) गैंडा।

करगस—(फ) गिद्ध, पुख, बाण का पिछला भाग।

करगह—(फ) कपड़ा बुनने का यन्त्र-करघा, कपड़ा बुनने की जगह। यह "कारगाह" का संक्षिप्त रूप है।

करतास—(अ) कागज

करदा—(फ) कृत, किया हुआ, करने वाला।

करपास—(फ) रुई, सूती वस्त्र।

क़रनफल—(अ) लौंग,

करनबीक—(अ) अर्क खींचने का यन्त्र, भबका।

करबुत—(अ) दुख, शोक, संकट।

करबला—(अ) उस नगर का नाम जहाँ पर अली के लड़के इमाम हुसैन शहीद हुएथे। ताज़िए दफन करने की जगह।

करम—(अ) प्रेम, बड़प्पन, कृपा, दयालुता, उदारता।

करमकल्ला—(फ) पातगोभी, बन्दगोभी।

करमफरमा—(मि०) दयालु, कृपालु।

करह, कर्ह—(अ) जख्म, घाव, दूषित घाव (जिसमें पीव पड़ गया हो।)

क़राबत—(अ) समीपता, घनिष्ठता, नातेदारी, सम्बन्ध, रिश्तेदारी।

क़राबतदार—(मि) नातेदारी, रिश्तेदारी, सम्बन्ध।

क़राबा—(अ) काँच का बड़ा बर्तन जिसमें अर्क आदि रक्खा जाता है। सुराही शराब का शीशा।

करावीन—(तु) पुरानी चाल की बन्दूक जिसकी नाल छोटी तथा चौड़ी होती है, कड़ाबीन।

करामत—(अ) बड़प्पन, गौरव, महत्ता, बुजुर्गी, अद्भुतकार्य।

करामात—(अ) "करामत" का बहुवचन, चमत्कार, विचित्र व्यापार अनूठे कार्य।

करामाती—(अ) अद्भुत कार्य करने वाला, चमत्कार दिखाने वाला।

क़रायन—(अ) "करीना" का

क़माहक़्क़ा—(अ) यथा, तथ्य जैसा होना चाहिये वैसा, यथोचित, बहुत ठीक, यथेष्ट, पूरा।
कमी—(फ) न्यूनता, अल्पता, हानि, घटती।
कमीन—(अ) शिकार या शत्रु की ताक में छिपकर बैठना। किसी की घात में बैठना।
कमीनगाह—(मि०) वह स्थान जहाँ किसी घात या ताक में बैठा जाय।
कमीना—(फ) अधम, नीच, ओछा, क्षुद्र।
कमीनापन—(मि०)नीचता, क्षुद्रता, अधमता, ओछापन।
कमीबेशी—(फ) न्यूनता या अधिकता, घटती बढ़ती, कम या ज्यादा होना।
कम्मी—(अ) सशस्त्र सैनिक।
क़मीस—(अ) कमीज नामक पहनने का वस्त्र।
कमोकास्त—न्यूनाधिक।
कमोबेश—(फ) थोड़ा बहुत, न्यूनाधिक, लगभग।
क़म्मा—(अ) ऊचाई, नोक, कलश।
कम्मून—(अ) जीरा।
क़यादत—(अ) नेतृत्व, नेतागीरी।
क़याफ़ा—(अ) सूरत, आकृति, सामुद्रिक शास्त्र, जिसमें मनुष्य का हाथ, चेहरा आदि देखकर उसे शुभाशुभ भाग्य बताने की विधि वर्णित है।
क़याफ़ाशिनास—(मि०) सामुद्रिक-शास्त्री
क़ायम—(अ) ठहरना, स्थिर होना, निश्चय, स्थिरता, ठहरने का स्थान, विश्राम करने की जगह। स्थिति।
कयामगाह—(मि) ठहरने का स्थान, विश्रांति-स्थल।
क़यामत—(अ) स्थित होना, कायम होना, खड़े होना, प्रलय, खलबली, हलचल, मुसलमानों के मतानुसार सृष्टि के अन्त का वह दिन जब अपने शुभाशुभ कर्मों का फल पाने के लिए कब्रों में से उठ कर सब मुर्दे खड़े हो जायगे।
क़यास—(अ) अनुमान, अन्दाज कल्पना, अटकल ध्यान, विचार-
क़यास इख्तियारी—अनुमान कर सकना।
क़यास लाजिमी—आवश्यक रूप से अनुमान करना।
क़यासी—(अ) ख़याली, आनुमानिक, काल्पनिक।
क़यूद—(अ) "क़ैद" का बहुवचन

बंधन, सीमा,
क़यूम—(अ) अविचल, स्थिर महान, अटल, निरीक्षक, अन्तर्यामी खुदा का एक नाम।
कय्याद—(अ) मक्कार, धूर्त।
कय्याल—(अ) नापनेवाला, तोलने वाला।
क़य्यूम—(अ) कायम रखने वाला निरीक्षक, खुदा का नाम।
करख्त—(फ) कठोर, कड़ा, शरीर का वह अंग जो सुन्न हो गया हो।
करगदन—(का) गैंडा।
करगस—(फ) गिद्ध, पुरख, बाण का पिछला भाग।
करगह—(फ) कपड़ा बुनने का यन्त्र-करघा, कपड़ा बुनने की जगह। यह "कारगाह" का संक्षिप्त रूप है।
क़रतास—(अ) कागज
करदा—(फ) कृत, किया हुआ, करने वाला।
करपास—(फ) रुई, सूती वस्त्र।
क़रनफल—(अ) लौंग,
करनबीक—(अ) अर्क खींचने का यन्त्र, भभका।
करबुत—(अ) दुख, शोक, संकट।
करबला—(अ) उस नगर का नाम जहाँ पर अली के लड़के इमाम हुसैन शहीद हुए थे। ताजिए दफन करने की जगह।
करम—(अ) प्रेम, बड़प्पन, कृपा, दयालुता, उदारता।
करमकल्ला—(फ) पातगोभी, बन्दगोभी।
करमफरमा—(मि०) दयालु, कृपालु।
क़रह कर्ह—(अ) जख्म, घाव, दूषित घाव (जिसमें पीव पड़ गया हो।)
करावत—(अ) समीपता, घनिष्ठता, नातेदारी, सम्बन्ध, रिश्तेदारी।
क़राबतदार—(मि) नातेदारी, रिश्तेदारी, सम्बन्ध।
क़राबा—(अ) काँच का बड़ा बर्तन जिसमें अर्क आदि रक्खा जाता है। सुराही शराब का शीशा।
क़राबीन—(तु) पुरानी चाल की बन्दूक जिसकी नाल छोटी तथा चौड़ी होती है, कड़ाबीन।
करामत—(अ) बड़प्पन, गौरव, महत्ता, बुजुर्गी, अद्भुतकार्य।
करामात—(अ) "करामत" का बहुवचन, चमत्कार, विचित्र व्यापार अनूठे कार्य।
करामाती—(अ) अद्भुत कार्य करने वाला, चमत्कार दिखाने वाला।
क़रायन—(अ) "करीना" का

बहुवचन, उचित अनुपात, सुव्यवस्था।

क़रार—(अ) शान्ति, सन्तोष, धैर्य, तसल्ली, स्वीकृति, प्रतिज्ञा, वादा, ठहराव, स्थिरता, आराम, सुख, चैन।

करारदाद—(मि०) विवाह शादी के समय लैन दैन का ठहराव, निश्चय विवाद के पश्चात् जो बात निश्चय हो, स्वीकृति।

करारात—(अ) सिपाहियों का भोजन और वेतन।

क़रावत—(अ) सगोत्रता, समीपता।

क़रावल—(तु) पहरेदार, सन्तरी, सेना के आगे चलकर शत्रु के गुप्त समाचार जानने वाला सिपाही। बन्दूक से शिकार करने वाला। बहेलिया।

कराहत
कराहियत } (अ) कुरुचि पूर्ण, नापसन्द, घृणित, निन्दनीय अनुचित, अप्रसन्नता, अरुचि, नफ़रत, घृणा।

क़रिया—(अ) गाँव, छोटी बस्ती।

करिश्मा—(फ) अद्भुत कार्य, जादू टोना, जन्त्र मन्त्र, नाज़ नखरा, कटाक्ष, भ्रूसञ्चालन।

क़रीना—(अ) ढंग, व्यवस्था, चाल, तर्ज़, क्रम, सभ्यता।

क़रीने मस्लहत—(अ) उचित।

क़रीब—(अ) निकट, समीप, पास, लगभग।

करीम—(अ) उदार, दयालु, दाता, क्षमा करने वाला, बड़ा।

करीमा—(फ) करीम का सम्बोधन, हे करीम, हे दयालो।

करीह—(अ) भद्दा, कुरूप, घृणित, बीभत्स।

करौली—(तु) एक प्रकार की छोटी तलवार, कटार, शिकार का पीछा करना।

कर्ग—(फ) गैंडा नाम का जंगली जानवर।

क़र्ज़—(अ) ऋण, उधार।

क़र्ज़ख्वाह—(फ) ऋण दाता, क़र्ज़ देने वाला।

क़र्ज़दार—(म०) क़र्ज़ लेने वाला, उधार लेने वाला, ऋणी।

क़र्ज़ा—(अ) ऋण, क़र्ज़।

क़र्ज़ ग़ैर मुमकिन उल वसूल—बट्टे खाते की रकम, जो वसूल न हो सके।

कर्दा—(फ) किया हुआ, कृत, करने वाला।

क़र्न—(अ) सौ वर्ष की अवधि, युग। सींग। पशुओं के बाल।

स्थान विशेष का नाम।
कर्ना—(अ) बड़ी तुरही, भोंपू।
कर्र—(अ) शत्रुपर आक्रमण करना, दुश्मन का मुँह फेर देना। परास्त करना, वैभव, प्रताप, शान। वह रस्सी जिसे पकड़ कर वृक्ष पर चढ़ें।
कर्रार—(अ) शत्रुपर निरन्तर आक्रमण कर उसे हटा देने वाला। विजयी। मुहम्मद साहब की एक उपाधि।
कर्रोफर—(अ) ठाट-बाट, शान शौकत।
कर्स—(अ) गोबर, कण्डा, उपला।
क़ुल—(तु०) गुलाम।
क़लअ—(फ) एक खान जिसमें से राँगा निकलता है।
कलअदम—अव्यवहार्य, व्यर्थ।
कलई—(अ) राँगा, बरतनों पर चढ़ाया हुआ राँगे का रंग। किसी वस्तु पर उसे चमकाने के वास्ते लगाया गया लेप। बाहरी तड़क भड़क, ऊपरी चमक-दमक। राँगे की खान से सम्बन्ध रखने वाली। मकान की दीवारों पर की जाने वाली सफेदी।
खुलना—असली भेद खुल जाना। रहस्य प्रकट हो जाना।
क़लईगर—(मि०) कलई करने वाला।
क़लक—(अ) खेद, दुःख, वेदना, मनस्ताप, रंज, बेचैनी, घबराहट।
कलकल—(फ) बकवाद, व्यर्थ बातें।
कलगी—(तु) चिड़ियों (मुर्ग आदि) के सिर पर की चोटी। सोने अथवा मोतियों का बना आभूषण विशेष जो सिर पर पहना जाता है। खूबसूरत पर जिन्हें लोग पगड़ी या टोपी पर लगाते हैं। ख्याल बाजों का फिर्का।
कलन्द—(फ) फावड़ा। कस्सी।
कलन्दर—(फ) मुसलमान फकीर जो शरअ के पाबन्द न हों। अवधूत, फक्कड़। मदारी, रीछ और बन्दरों को नचाकर रोज़ी कमाने वाले।
क़लफ़—(अ) माँडी, कपड़ों को कड़ा करने के लिए उन पर लगाई जाने वाली लेई। चेहरे पर के काले दाग, झाँइयाँ। प्रेम, स्नेह।
कलब—(अ) कुत्ता।
कलम—(अ) लेखनी, काटना, तराशना, किसी पेड़ की वह पतली शाखा जो किसी दूसरे पेड़ में जोड़ी जाय, सिर के के

बाल जो काना और भौंहों के बीच में होते हैं। लोहे के वे बारीक औज़ार जो लकड़ी आदि पर बेल बूटा खोदने के काम आते हैं।

क़लम अन्दाज़—(मि०) जो लिखने में छूट जाय।

क़लमकार—(मि०) किसी चीज़ पर नक्काशी करने वाला।

क़लमकारी—(मि०) कलम से बेल बूटे बनाना।

क़लम चलाना—लिखना, लिखाई करना।

क़लमज़द—मिटाना।

क़लमज़न—(फ़) लेखक, मुहर्रिर, चित्रकार।

क़लम तराश—(मि०) कलम बनाने का चाकू।

क़लम तोड़ना—लिखने की हद कर देना, बहुत बढ़िया चीज़ लिखना, अनूठी बात कहना या लिखना।

क़लमदान—(मि०) कलम-दवात रखने की छोटीसी सन्दूकची।

क़लमबन्द—(मि०) लिखित, लिखा हुआ, लिपिबद्ध। कलम बनाने वाला।

क़लमरु—(फ़) राजधानी, राज्य।

क़लमरौ—(फ़) राज्य, सल्तनत, राजधानी।

क़लमा—(अ) सार्थक शब्दों का समूह, वाक्य, बात, मुसलमानों का मूलमन्त्र, कर्म या क्रिया।

कलमात—(अ) कलमा का बहुवचन

कलमी—(फ़) लिखी हुई कोई चीज़, कलम लगाया हुआ पौधा या वृक्ष। कलम लगे हुए वृक्ष के फल। वह कपड़ा जिस पर सीधी, लम्बी धारियाँ हों।

कलस—(अ) इमारत में काम आने वाला चूना।

कलाँ—(फ़) बड़ा, लम्बा।

कलाग़—(फ़) काक, कौआ, जंगली कौआ।

कलानी—(फ़) बड़ाई, लम्बाई।

कलावज़—(तु) पथप्रदर्शक, सेना के आगे चलने वाला।

कलाफ़ा—(फ़) सूत की कुकड़ी।

कलाबा—कलावा—(फ़) लाल-पीला रंगा हुआ, कच्चा सूत, अटिया, कुकड़ी।

कलाबाज़ी—ज़मीन पर सिर रख कर उलट जाना, कलामुण्डी खाना।

कलाम—(अ) वाक्य, कथन, बात-चीत, वार्तालाप, वचन, उज्र, प्रतिज्ञा, वादा।

कलाल—(अ) सुस्ती, शिथिलता।
कलिया—(अ) घी और मसाले के साथ पतीली में पकाया हुआ शोरवादार मांस।
क़लियान—(फ़) हुक्का।
क़लीच—(फ़) तलवार, खड्ग।
कलीद—(फ) कुंजी, ताली।
कलीदान—(फ) ताला।
कलीम—(अ) बात करने वाला, घायल, चुटियल, हजरत मूसाकी एक उपाधि।
कलीम उल्लाह—(अ) ईश्वर के साथ बातचीत करनेवाला, हज़रत मूसा।
क़लील—(अ) थोड़ा, अल्प।
कलील—(अ) तोतलापन, कुंठित तलवार।
कलीला—(फ) एक गीदड़ का नाम जिसकी कहानी पञ्चतन्त्र नामक संस्कृत की पुस्तक में है, करटक।
कलीसा—(फ) ईसाइयों और यहूदियों का प्रार्थना मन्दिर, गिरजा।
कलूख—(फ) मिट्टी का ढेला!
कलूख कूब—(फ) मोंगरा। ढेले को तोड़ने वाला।
क़लूब—(अ) कल्ब का बहुवचन, बहुत-से हृदय।
क़लैदस—(अ) 'उक़लैदस' का संक्षेप। रेखागणित, रेखागणित-निर्माता।
कल्ब—(अ) हृदय, किसी भी वस्तु का मध्य भाग, सेना का मध्य भाग, खोटा चाँदी सोना, बुद्धि, प्रज्ञा। उलटा। औंधा।
क़ल्ब साज़—मि०) जाली सिक्के बनाने वाला, सोने-चाँदी में मिलावट करने वाला।
क़ल्बी—(अ) हृदय सम्बधी, हार्दिक। बदला हुआ, उल्टा किया गया। कृत्रिम।
क़ल्लत—(अ) रोग से छुटकारा।
कल्ला—(फ) गला, स्वर, आवाज़, जबड़ा, गले के अन्दर का भाग, गर्दन, भेड़-बकरी आदि का शिर। हरीघास।
कल्ला कन्द—(फ) कलाकन्द नाम से प्रसिद्ध मिठाई, बरफी, कन्द का कूजा।
कल्लाँच—(तु) देखो "कल्लाश"
कल्ला तोड़—(मि०) कल्ला तोड़ने वाला, बलवान, जबरदस्त, धींग।
कल्ला दराज़—(फ) दुबत बोलने वाला, बहुत चिल्ला कर बोलने वाला, गला फाड़ कर चिल्लाने वाला, बहुत बढ़कर बातें बघारने

वाला।
कल्लाश—(तु) निर्धन, कगाल बदमाश, एकटकी।
कवाकिब—(श्र) कौकब (देदीप्यमान नक्षत्र) का बहुवचन।
क़वानीन—(श्र) कायदा का बहुवचन, व्याकरण, कायदे, नियम, व्यवस्था, सिपाहियों को लड़ने के नियमों का श्रभ्यास कराने की विधि।
कवाफ़िल—(श्र) काफिले का बहु वचन।
क़वायद—(श्र) कायदा का बहुवचन, व्याकरण, कायदे, नियम, व्यवस्था, सिपाहियों को लड़ने के नियमों का श्रभ्यास कराने की विधि।
क़वी—(श्र) बलिष्ठ, शक्तिशाली, बलवान।
क़वी पुश्त—(ग) वीर, बहादुर, साहसी।
क़व्वाल—(श्र) कव्वाली गाने वाला, गवैया, डोम, कलावन्त।
क़व्वाली—(श्र) एक प्रकार के ईश्वर प्रेम सम्बन्धी गाने, कव्वाली गाने वालों का पेशा।
कव्वास—(प) कमान बनाने वाला।
कश—(प) खींचने वाला, श्राकर्षक, खिंचाव, हुक्के या चिलम में दम लगाना।
कशक—(प) चौकीदारी।
कशकची—(प) चौकीदार।
क़शक़ा—(फा) तिलक, टीका जिसे हिन्दू माथे पर लगाते हैं।
कशकोल—(प) भीख मांगने का प्याला जो फ़क़ीरों के पास होता है।
कशनीज—(प) धनियाँ।
कशमकश—(प) खींचा-तानी, धकमधक्का, सोच विचार, दुविधा, उलझन, श्रसमंजस, श्रागा-पीछा।
कशलाक—(तु) गरम मकान जाड़ों में रहने योग्य।
क़शार—(श्र) ककड़ी।
कशाकश—(फा) छिपना, महान् दुःख, शोक।
कश्शाफ़—(श्र) माण्डा फोड़ने वाला, भेद खोलने वाला।
क़शिर—(श्र) खाल, छाल, छिलका
कशिश—(प) श्राकर्षण, खिंचाव, खोलना।
कशिशे दिल—(फि) हृदय का श्राकर्षण।
कशीदगी—(प) वैमनस्य, मन

मुटाव । खिंचाव ।

कशीदा—(फ) खींचना, काढना, आकृष्ट, खिंचा हुआ, कपड़े पर सुई और धागे से बनाए हुए बेल बूटे ।

क़श्क़ा—(फ) तिलक, बिन्दी, टिकुला ।

कश्त—(फ) खेती ।

कश्तकार—(फ) किसान, खेती करने वाला ।

कश्फ़—(फ) निराकरण करना, नगा करना, परदा हटाना-खोलना ।

कश्मीर—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक प्रदेश ।

कस—(फ) मनुष्य, व्यक्ति, साथी, सहायक, योग्य व्यक्ति ।

कसो नाकस—(फ) छोटे-बड़े ।

कसब—(अ) पेशा, व्यवसाय, कला, हुनर, पैदाकरना, उपार्जन करना, वेश्यावृत्ति ।

क़सब—(अ) एक प्रकार का वस्त्र जो कतान और रेशम मिलाकर बनाया जाता है । काला । नली नरकुल काटना ।

क़सबा—(अ) छोटा नगर, नरकुल ।

क़सम—(अ) शपथ, सौगन्द ।

कसमपुरसी— कोई पूछने वाला न था ।

कसर—(अ) कमी, घाटा, हानि, कोताही, न्यूनता, छीजन, विकार दोष, मनमुटाव, द्वेष, वैर । कपड़े का धोना, भवन, महल,

कसर—(अ) तोड़ना, टुकड़े करना, विभाग, भिन्न (गणित में)

कसरत—(अ) आधिक्य, बहुतायत, ज्यादती, शरीर को पुष्ट बनाने के लिए किया जाने वाला परिश्रम, दण्ड-बैठक, व्यायाम, मेहनत ।

कसरतराय—बहुमत, बहुपक्ष ।

कसरा—(अ) जेर, फ़ारसी लिपि में ह्रस्व इकार का चिह्न जो अक्षरों के नीचे लगाया जाता है ।

कसल— अ) शिथिलता, थकावट, आलस्य

कसलमन्द—(मि०) श्रान्त, शिथिल, थका हुआ ।

क़साइद (अ) "कसीदा" का बहु वचन ।

क़साई (अ) पशुओं का वध करने वाला, बधक, घातक, निर्दय, निठुर, बेरहम, बूचड़ ।

कसाफ़त—(अ) भद्दापन, स्थूलता, मोटापा, गन्दगी, कड़वापन, गाढ़ापन ।

कसाबा—(अ) स्त्रियों का सिर पर बाँधने का रूमाल ।

कसामत—(अ) सुन्दरता, खूबी,
क़सारत—(अ) कपड़े धोना।
कसालत—(अ) सुस्ती, शिथिलता,
कसीदा—(अ) वह कविता जिसमें किसी व्यक्ति या वस्तु की प्रशंसा अथवा निन्दा की गई हो तथा जिसम पन्द्रह चरण से कम न हों। उपदेशात्मक कविता।
कसीफ़ (अ) स्थूल, मोटा, भद्दा, गन्दा, मैला, बेढंगा। कटु,तिक्त। युक्त दुर्दशा ग्रस्त।
कसीब—(अ) बालू का ऊंचा टीला
कसीम—विभाजक, सम्मिलित, सुन्दर।
कसीमा—(अ) कस्तूरी का नाफा
कसीर—(अ) अधिक, बहुत।
कसीर—(अ) त्रुटि करने वाला, न्यूनता युक्त।
कसीरउल औलाद—(अ) बहुत से बाल-बच्चों वाला।
कसीर उल तादाद—बहुसंख्यक।
कसीर गो—(मि) बहुत बोलने वाला, बहुत कविता लिखने वाला।
कसूफ—(अ) दुर्दशा ग्रस्त, सूर्य ग्रहण
क़सूर—(अ) "कसर" का बहुवचन अपराध, त्रुटि, कमी, दोष।
कसूरमन्द—(मि०) कसूर वाला, दोषी, अपराधी,
कसूरवार—(मि०) कसूरमन्द, अपराध करने वाला
कसे—(फ) कोई व्यक्ति,
कसेनाशद—(फ) चाहे कोई व्यक्ति हो। कसो नाकस।
कस्द—(अ) इरादा, विचार,
क़स्दन—(अ) इरादे से, जानबूझकर इच्छापूर्वक।
क़स्न—(अ) काटना
क़स्बात—(अ) कस्बा का बहुवचन।
क़स्बाती—(अ) कस्बे का रहने वाला।
कस्बी—(अ) कसब कमाने वाली वेश्या, रंडी।
कस्मिया—(अ) शपथ पूर्वक, सौगन्द खाकर।
क़स्स—(अ) काटना, कतरना, सीने की हड्डी।
क़स्र—(अ) कमी, न्यूनता, महल, भवन, प्रासाद,
कस्साब—(अ) देखो "कसाई"।
क़स्साबगान—(फ) कस्साब का बहुवचन।
कस्साम—(अ) क़सम या शपथ खानेवाला। बाँटने वाला। विभाजक, तक़सीम करने वाला।
कस्साबी—(अ) कसाई पना, कसाई का काम या पेशा।
कस्सार—(अ) धोबी, रजक।

क़स्सास—(अ) क़िस्सा कहने वाला। कहानी सुनाने वाला।
कह—(फ) "काह" का संक्षिप्त रूप। सूखी घास।
क़हक़शा—(फ) आकाश गंगा।
क़हक़हा—(फ) अट्टहास, खिल-खिला कर हँसना, ठहाका मार कर हँसना, ज़ोर की हँसी।
क़हत—(अ) दुर्भिक्ष, अकाल, अनावृष्टि, सूखा।
क़हतज़दा—(मि०) दुर्भिक्ष पीड़ित, अकाल का मारा।
क़हतसाली—(अ) अकाल, दुकाल, दुर्भिक्ष का वर्ष।
कहफ—(अ) शरण, गढ़ा।
क़हब—(अ) बूढ़ा, बड़ा जिसको खाँसी अधिक आती हो।
क़हबा—(अ) पुंश्चली, कुलटा, दुराचारिणी। खाँसने वाली।
क़हर—(अ) विपत्ति, आफ़त, कोप, प्रलय।
क़हरन्—(अ) बल-पूर्वक, ज़ोरा-बरी।
क़हवा—(अ) एक पेड़ के बीजों का चूरा जिसे चाय की तरह पका कर पीते हैं।
कहरुबा—(फ) घास उठाने वाला। एक प्रकार का पीले रंग का चमकदार गोंद। यदि यह गोंद कपड़े या चमड़े पर रगड़ा जाय और फिर वह कपड़ा या चमड़ा छोटे तिनकों के पास ले जाया जाय तो वह उन्हें खींच लेगा। उसमें घास के तिनकों को खींच लेने की शक्ति उत्पन्न हो जाती है।
कहल—(अ) अधेड़ आयु का पुरुष
कहला—(फ) " " की स्त्री।
कहाब—(अ) खाँसी।
कहहार—(अ) कहर ढाने वाला। खुदा।
कहीफ—(अ) सिर के ऊपर की हड्डी, खोपड़ी।
कहालत—(फ) सुस्ती, काहिली।
कहीन / कहीना—(फ) बहुत छोटा।
कहूत—(अ) पानी का आसमान से न बरसना। अनावृष्टि।
कहूल—(अ) अधेड़, दाढ़ी में स्याह और सफेद बाल होना।
काआन—(तु०) बुद्धिमान्, दानी तथा प्रतापी सम्राट्।
काइफ—(अ) पद चिह्न पहचानने वाला। सामुद्रिक शास्त्री, शकुन शास्त्री।
काक—(फ) एक प्रकार की टिकिया की तरह की रोटी।
काफ—(फ) दुर्बल, सूखा, कमज़ोर

(आदमी)। भुनाया हुआ माव जिसे घी में तल कर खाते हैं। बहुत लम्बे कद का आदमी।
काकरेज़ी —(फ़) गहरे नीले रंग का, गहरा नीला रंग।
काकलतैन —(अ) छोटी बड़ी इलायची।
काकला —(अ) बड़ी इलायची।
काका —(फ़) बड़ा भाई, घर का बूढ़ा।
काकुल —(फ़) चेहरे के इधर उधर लटकते हुए सिर के लम्बे बाल, घोड़े के अयाल। अलकें, ज़ुल्फें, काकपक्ष, ज़ुल्फें।
काख़ —(फ़) भवन, इमारत।
काग—(फ़) पक्षी विशेष, फ़रियाद, जुगाली आग!
काग़ज़—(फ़) इस नाम से प्रसिद्ध पतले-पतले पतरे जो लिखने आदि के काम आते हैं।
कागज काला करना—व्यर्थ ही कुछ लिखना।
कागज की नाव—न टिकने वाली चीज़, नश्य भंगुर।
काग़ज़पर—(फ़) हुण्डी। नोट। तमस्सुक।
क़ाग़ज़बाद—(फ़) कनकौआ।
काग़ज़ी—(फ़) कागज का बना हुआ, कागज़ पर लिखा हुआ, जिसका छिलका बहुत पतला हो।
कागजी घोड़े दौड़ाना—किसी विषय में लिखा-पढ़ी या पत्र व्यवहार करना।
काचार—(फ़) घर का असबाब।
काज—(फ़) मिनगा,
काज (तु०) बत्तख की जाति का एक पक्षी,
काजगान—(तु०) ताँबे की देग, लोहे की कड़ाही।
काज़िब—(अ) झूठ बोलने वाला, मिथ्या भाषण करने वाला, झूठा।
काज़िम—(अ) क्रोध को पी जाने वाला, गुस्सा को रोक लेने वाला।
क़ाज़ी—(अ) झगड़ा चुकाने वाला, निर्णायक, शासक, अधिकारी, ऋण चुकाने वाला।
कातअ } (अ) काटने वाला,
कातिअ } टुकड़ा करने वाला।
कातिब—(अ) लिखने वाला, मुंशी, मुदर्रिर, लेखक।
कातिर—(तु०) खच्चर।
क़ातिल—(अ) वधक, हत्यारा, क़त्ल करने वाला, घातक।

काद—(फ) लोभ, लालच, लिप्सा।

क़ादिर—(अ) शक्तिशाली, सामर्थ्यवान, बलवान्। समर्थ, सशक्त।

क़ादिरअन्दाज—(फ) अचूक तीर चलाने वाला।

क़ादिरकलाम—(अ) वश्यवाक्।

क़ादिर मुतलक—(अ) सर्वशक्तिमान्, परमात्मा का एक विशेषण।

क़ादी } (अ) केवड़ा।
काज़ी }

कान—(फ) खान, जहाँ से धातु आदि निकलती हैं।

क़ान—(तु०) खून।

क़ानअ—(अ) सन्तोषी।

कानकन—(फ) खान खोदने वाला, खनक।

क़ानित—(अ) नमाज में दुआ माँगने वाला। ईश्वर भक्त, निराश।

कानी—(फ) खान सम्बन्धी, खान से निकला हुआ, खनिज पदार्थ।

क़ानून—(अ) नियम, धारा, कायदा, विधान।

क़ानूनन्—(अ) राज नियम के अनुसार, नियमानुकूल, विधान-सम्मत।

क़ानूनदाँ—(मि०) कानून जानने वाला। राज नियमज्ञ।

क़ानूनदानी—(मि०) राज-नियम सम्बन्धी ज्ञान, कानून जानना।

क़ानून पेशा—वकील आदि कानूनी व्यवसाय करने वाला।

क़ानून मुख्तसुलवक्त—सामयिक विधान।

क़ानून साज़ी—व्यवस्थापक, नियम-निर्माण, विधान निर्माण

क़ानूनी—(अ) कानून का, कानून सम्बन्धी।

कापू—(तु०) दरवाजा।

कापूची—(तु०) दरबान, द्वारपाल।

क़ाफ़—(अ) एक कल्पित पहाड़ जो चारों से ओर दुनिया को घेरे हुए हैं। कहते हैं, यह पहाड़ हरे पन्ने का है और इसी की झलक से आसमान नीला जान पड़ता है।

काफ़—(अ) बचाने, वाला। बाज़ रखने वाला।

काफ़ता काफ़—(फ) विश्व। समस्त संसार, दुनिया के एक सिरे से दूसरे तक।

काफ़्फ़ा—(पु) समस्त, सब।

क़ाफ़िया—(अ) पद के अन्त का

अनुप्रास, तुक।

क़ाफ़िया तङ्ग होना—किसी काम या बातचीत में निरुत्तर होजाना, असमर्थ हो जाना।

काफ़िर—(अ) मुसलमानों के मतानुसार नास्तिक, ईश्वर को न मानने वाला, एक देश विशेष, दुष्ट, बुरा, निष्ठुर, निर्दय, छिपाने वाला। अँधेरी रात। बड़ी नहर। घाटी।

काफ़िराना—(फ) काफ़िरों का जैसा।

क़ाफ़िरे नेमत—(अ) कृतघ्न, गुन मेटा, उपकार को न मानने वाला।

काफ़िल—(अ) जामिन।

क़ाफ़िला—(अ) साथ जानेवाले यात्रियों का समुदाय।

काफ़ी—(अ) पर्याप्त, आवश्यकतानुरूप, किफायत करने वाला, बुद्धिमान। हिन्दी में एक रागिनी का नाम।

काफ़ूर—(अ) कपूर, कर्पूर।

काफ़ूरी—(अ) कपूर सम्बन्धी, कपूर से बना हुआ, कपूर के रंग का।

क़ाब—(तु०) थाल बड़ी तश्तरी। बड़ी रकाबी।

क़ाब—(फ) चश्मा या दर्पण रखने का घर (केस या डिब्बा) जूआ खेलने का पाँसा। कुहनी तथा पाँव के टखने की हड्डी।

काबक—(फ) लकड़ी आदि का बना दरबा जिसमें पाले हुए कबूतर रक्खे जाते हैं।

क़ाब कौसीन—(अ) दो धनुष प्रमाण, दो धनुष की लम्बाई के बराबर।

क़ाब खाना—(फ) जूआघर, द्यूतशाला।

काब तैन—(अ) "कअब" का बहुवचन, एक प्रकार का जूआ जो दो पासों से खेला जाता है।

काबलीयत—(अ) योग्यता, पाण्डित्य, विद्वत्ता, विज्ञता।

काबा—(अ) महान्, उच्च, अरब के मक्का शहर का एक पवित्र स्थान, जिसकी ओर मुँह कर के नमाज पढ़ते हैं।

क़ाबिज़—(अ) गरिष्ठ, मलरोधक, कब्ज करने वाला, कब्जा रखने वाला, काबू या अधिकार रखने वाला अधिकारी।

क़ाबिल—(अ) सुयोग्य, विद्वान्, समर्थ, आगे आने वाला, आगामी वर्ष, दर्शनीय, पसन्द किया हुआ। कबूल (स्वीकार)

करने वाला।

काबिला—(अ) काबिल का स्त्री लिंग। दाई के अर्थ में भी आता है।

काबिश—(अ) परेशानी। प्रपञ्च।

काबीन—(फ) वह धन जो विवाह के समय पति पत्नी को देना स्वीकार करता है। अरबी में "मह्र" कहते हैं।

काबू—(तु) वश, बूता, शक्ति, सामर्थ्य। अवसर।

काबूस—(अ) वह स्वप्न जिसे देख कर आदमी भयभीत हो जाता है और सोते में चिल्लाता है, पर उसकी आवाज़ नहीं निकलती।

काम—(फ) अभिप्राय, , उद्देश्य कामना, इच्छा, तालू।

कामगर / **कामगार**—(फ) सफल मनोरथ, जिसकी इच्छा पूरी हो गई हो। भाग्यशाली।

कामत—(अ) मनुष्य का आकार, क़द।

कामदार—(मि०) प्रबन्धक, व्यवस्थापक, कार्यकर्ता, कर्मचारी वह वस्तु जिस पर कढाई-खुदाई आदि का काम हो रहा हो।

काम ना काम—(फ) विवश होकर, लाचारी हालत में, असमर्थ।

कामयाब—(फ) सफल, जिसका काम सिद्ध हो गया हो।

कामयाबी—(फ) सफलता, कार्य की सिद्धि, उद्देश्य की पूर्ति।

कामरान—(फ) सफल, जिसका उद्देश्य पूर्ण हो गया हो। खुश।

कामरानी—(फ) सफलता, उद्देश्य की सिद्धि।

कामिल—(अ) पूर्ण, पूरा, समूचा, कुल, योग्य, व्युत्पन्न, उर्दू के एक छन्द का नाम।

कामूस—(अ) समुद्र, सागर, विश्वकोश।

कायदा—(अ) नेता, मुखिया, सरदार।

क़ायदा—(अ) नियम, प्रथा, रिवाज, पैंदा।

क़ायदा दां—(मि०) रीति रिवाज का जानने वाला, नियम का जानकार।

कायन—(तु०) वर या वधू का भाई।

कायनात—(अ) विश्व, संसार।

कायम—(अ) स्थिर, ठहरा हुआ,

खड़ा होने वाला।
कायम मिजाज—(अ) शान्त प्रकृति वाला, स्थिर मना, ठहरी हुई तबिअत का।
कायम मुकाम—(अ) स्थानापन्न, वह व्यक्ति जो किसी दूसरे की जगह पर काम कर रहा हो।
कायमा—(अ) पूरा कोण।
कायल—(अ) अपनी भूल स्वीकार कर लेने वाला। कहने वाला। दोपहर को खाने वाला।
कार—(फ) काम, व्यवसाय, करने वाला।
क़ार—(तु०) बरफ।
कार आज़मूदा—(फ) अनुभवी, तजुर्बेकार, काम किये हुए।
कार आमद—(फ) उपयोगी, काम में आने वाला।
कारकरदा—(फ) जिसने अच्छी तरह काम किया हो, अनुभवी।
कारकुन—(फ) काम करने वाला, कारिन्दा, प्रबन्धकर्ता।
कारखाना—(फ) वह स्थान जहाँ पर कोई चीज़ व्यापार के लिए बनाई जाती हो, व्यवसाय, कारबार।
कारख़ास—(फ) विशेष कार्य, ख़ास काम।
कारख़ैर—(फ) भलाई का काम, शुभ कार्य। परोपकार।
कारगर—(फ) असर करने वाला, प्रभावशाली, अन्वर्थ। काम करने वाला।
कारगाह—(फ) कोई काम करने की जगह, मुख्यतया कपड़ा बुनने की जगह।
कारगुज़ार—(फ) काम करने वाला, प्रबन्धक, कारिन्दा। कार्य वाहक एक्टिंग।
कारगुज़ारी—(फ) कार्य-दक्षता, कार्य-पटुता, कर्तव्य-पालन।
कारचोब—(फ) कारचोबी का काम करने वाला। लकड़ी का वह चोखटा जिस पर कपड़ा तान कर उस पर कारचोबी का काम किया जाता है।
कारचोबी—(फ) ज़रदाज़ी यानी सोने-चाँदी के तारों और सितारों से कपड़े पर बेल-बूटे बनाना।
कारज़ार—(फ) समर, साम्मुख्य, लड़ाई।
कारतलब—(फ) वीर, बहादुर, साहसी।
कारद—(फ) चाकू, छुरी।
कारदा—(फ) किसी काम को

अच्छी तरह जानने वाला। कार्य-कुशल, कार्य दक्ष।
कारदार—(फ) कारिन्दा, मन्त्री, सचिव।
कारनामा—(फ) किसी के कार्यों का वर्णन, क्रिया-कलाप, चरित्र, करतूत।
कार परदाज—(फ) काम करने वाला, प्रबन्धकर्ता, कारिन्दा, कारकुन।
कार परदाजी—(फ) कार परदाज का काम या पद।
कार फरमा—(फ) काम बतलाने वाला।
कार फरमाई—(फ) बतलाए हुए काम को करना।
कारबरारी—(फ) काम का पूरा होना।
कारबन्द—(फ) आज्ञाकारी, काम करने वाला, किसी काम का पेशा करने वाला।
कारबार—(फ) व्यापार, व्यवसाय, पेशा, काम काज।
कारबारी—(फ) कामकाजी, व्यवसाई, व्यापारी।
कारमन्द—(फ) नौकर, सेवक।
काररवाई—कार्यवाही।
कारवा—(फ) यात्रियों का समूह, काफिला।
कारवा सराय—(फ) यात्रियों के ठहरने का स्थान।
कार शनास—(फ) काम को पहचानने वाला।
कारसाज—(फ) कार्य-सिद्ध करने वाला, काम बनाने वाला, काम सँवारने वाला, कार्यकर्ता। कर्मठ। धूर्त।
कारसाजी—(फ) काम सँवारना, गुप्त कार्यवाही, चालाकी, कारिस्तानी। धूर्तता।
कारिन्दा—(फ) गुमाश्ता, प्रतिनिधि, मुनीम। काम करने वाला।
कारिस्तानी—(फ) चालाकी, कार-साजी, कार्रवाई।
कारी—(फ) अपना पूरा असर करने वाला, प्रभावशाली, अव्यर्थ।
क़ारी—(अ) पढा-लिखा। पढने वाला, वाचक।
कारीगर—(फ) शिल्पी, दस्तकार।
कारीगरी—(फ) कला-कौशल, शिल्प-नैपुण्य, क्रिया-कुशलता। मनोहर रचना।
कारूँ—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक बहुत धनी व्यक्ति जो हज़रत मूसा का चचेरा भाई था।

किताबी—(अ) पुस्तक का, पुस्तक सम्बन्धी,
किताबे इलाही—(अ) मुसलमानों की धर्म पुस्तक। कुरान।
क़िताल—(अ) हत्याकाण्ड, मार काट, परस्पर युद्ध करना।
क़िद्वा—(अ) पेशवा, नेता, बुजुर्ग, सरदार।
किद्यूर—(फ) किसान, खेतीहर, माली। गाव का रईस।
किनाना—(अ) तरकश
किनायतन—(अ) सकेत द्वारा, इशारे से।
किनाया—सकेत, इशारा, रूढ़िसज्ञा।
किनार—(तु) किनारा, कोना, ओर, पार्श्व, बगल, गले लगाना।
किनायतन—(फ) संकेत से, अप्रत्यक्ष रीति से।
किनारा—(फ) तट, तीर, छोर, अन्त, हाशिया, गोट, संजाफ, पार्श्व, बगल।
किनारा कश—(फ) युद्ध सम्बन्ध न रखने वाला, दूर रहने वाला, अलग थलग, निरपेक्ष।
किनारी—(फ) कपड़ों के सिरे पर बनी हुई अथवा अलग से लगाई जाने वाली सादी या बेलबूटे दार पट्टी।
किफ़ायत—(अ) मितव्ययिता, कम खर्ची, थोड़े में काम चलाना, बचत, काफी (पर्याप्त) होने का भाव।
किफ़ायतशार—(अ) मितव्ययी, सावधानी से खर्च करने वाला,
किफायती—(अ) मितव्ययी, साव धानी से खर्च करने वाला, कम खर्च करने वाला।
किफ़ालत—(अ) देखो "कफ़ालत"
किबला—(अ) वह दिशा जिस ओर मुँह करके नमाज़ पढते हैं, काबा, पिता गुरु आदि पूज्य लोग।
किबला आलम—(अ) पूज्य और बड़ो के लिए सम्बोधन मुसल-मान बादशाहों के लिए सम्बो-धन का शब्द, मुखतारा।
किबलागाह—(मि०) पिता आदि पूज्यों के लिये सम्बोधन।
किबलानुमा—(मि०) काबा अर्थात् पश्चिम दिशा को बताने वाला यन्त्र।
किब्र—(अ) बड़प्पन, बुजुर्गी, महत्ता, बड़ाई, बुढ़ापा।
किब्ल—(अ), ओर, तरफ, प्रकार।
किब्रिया—(अ) बड़प्पन, महत्ता, बुज़ुर्गी, बुढ़ापा।

किमाम—(अ) मुछौका।
किब्रियायी—(अ) महत्ता, गुरुता, बडप्पन, बुजुर्गी, बुढापा।
क़िमार—(अ) वह खेल जो शर्त लगाकर खेला जाय। जिस खेल की हारजीत पर धन दिया जाय। जूआ, द्यूत।
किमार खाना—(मि) जूआ घर,
किमारबाजी—(मि०) जूआ खेलना, द्यूत क्रीडा।
किमार बाजी—(मि०) जूआ खेलने वाला, ज्वारी।
क़िमाश—(अ) प्रवृत्ति, स्वभाव, रुचि, घर का माल असबाब, रेशमी वस्त्र, प्रकार भाँति।
कियासत—(अ) (१) बुद्धिमानी, चतुराई।
किरतबूस—(अ) भयकर दुर्घटना, घोर विपत्ति।
क़िरअत—सुन्दरता से पढना, विशेषतया कुरान पढना।
क़िरतास—(अ) कागज
किरद—(फ) काम।
किरदगार—(फ) परमात्मा। सृष्टि-कर्त्ता, विधाता।
किरदार—(फ) कार्य, काम, ढग, तर्ज़, शैली।
किरबा—(अ) पानी से भरी हुई मशक।
किरबास—(मि०) देखो 'करपास'
किरम—(फ) कीडा।
किरमक—(फ) शबेताब—किरमक शबे अफरोज़-जुगनू, खद्योत,
किरम खुर्दा—(फ) कीड़े का खाया हुआ, कीड़े का चाटा हुआ।
किर्रमिज—(अ) एक प्रकार का लाल रग जिसमें कुछ 'कालापन' झलकता है।
किर्रमिज़ी—(अ) किरमिज के रग का, कुछ कलछौंहा लाल रग।
किरयात—(अ) "करया" का बहुवचन।
किरा—(फ) सीमा, किनारा, हद।
किरान—(अ) पढना।
किरान—(अ) शुभ मुहूर्त, सुन्दर सयोग, ग्रहों का एक राशि से दूसरी राशि सक्रमण। समीप होना, मिलना।
क़िराब—(अ) तलवार का म्यान, निकट होना, निकटता।
किराम—(अ) बडा दयालु, दाता, उदार।
किराम—(अ) हलका और बारीक परदा, चित्रित और रगीन परदा।
किराया—(अ) भाडा।
किरीन—(अ) मित्र, साथी सगी, निकटस्थ, मिला हुआ।

फर्दगार—देखो "किरदगार"
फिर्यान—(अ) नाव, तमेड, हवा भरी हुई मशक जो तैरने के काम आवे।
किलक—(प) एक प्रकार की नरसल जिसकी कलम बनाते हैं, एक तरह की सीधी, पतली, हल की और पोली लकड़ी।
किलत—(अ) काटने वाला, दीवाना।
किलम—(अ) कलमे का बहु वचन।
किलमाश—(तु) बेहूदा, बेढंगा।
किला—(अ) दुर्ग, गढ़। बादल का टुकड़ा।
क़िलेदार—(प) दुर्गाध्यक्ष, गढ़पति।
क़िल्लत—(अ) न्यूनता, कमी अभाव, दिक्कत, कठिनाई।
किल्ला—(अ) मसहरी। मच्छरदानी।
किवाम—(अ) अवलेह चटनी। मूल पदार्थ, वास्तविकता। संगठन, शोभा, स्थिति। अवशिष्ट, बाकी रहना।
किशमिश—(प) इस नाम से प्रसिद्ध मेवा, सुखाई हुई छोटी दाखें।
किशमिशी—(फ) किशमिश के रंग का, किशमिश सम्बन्धी, जिसमें किशमिश पड़ी हो।
किश्त—(अ) शतरंज के खेल में बादशाह का उस घर में होना जिसमें यदि दूसरा मुहरा हो तो पिट जाय। पकना, शह, खेती।
किश्तज़ार—(प) खेत,
किश्ती—(प) नौका, नाव, एक प्रकार की बड़ी थाली, प्याला शराब का।
किश्तीवान—(प) मल्लाह, केवट, नाव चलाने वाला।
किश्वर—(प) देश, मुल्क।
किश्वर सतानी—(फ) देश का जीतना।
किसरा—(अ) ईरान के बादशाहों की उपाधि।
किसबत—(अ) वह थैली जिसमें नाई अपने कैंची-उस्तरा आदि औज़ार रखता है। पहनने के कपड़े।
किसस—(अ) "क़िस्सा" का बहु वचन, कहानियाँ।
क़िस्म—(अ) भेद, प्रकार, तरह, भाँति, चाल, ढंग, तर्ज़, विधि।
क़िस्मत—(अ) भाग्य, प्रारब्ध, कमिश्नरी। विभाग।
क़िस्त—(अ) अ ...ला भाग, हिस्सा,

टुकड़ा, खंड । थोड़ा-थोड़ा। करके देना।

किस्तबन्दी--(फ) ऋण को कई भागो में चुकाना। टुकड़े टुकड़े कर के देना।

किसा—(अ) चादर, कमली।

किसावत—(अ) क्रूर हृदय, कठोर दिल का।

किस्मत आजमाई—(मि०) भाग्य परीक्षा।

किस्मतवर—(मि०) भाग्यवान्, सौभाग्यशाली।

किस्सा—(अ) कथा, कहानी, झगड़ा, तकरार, काण्ड।

किस्सा कोताह—(म०) सक्षेप में यह कि, भाव यह कि।

किस्सा ख्वाँ—(मि०) किस्से सुनाने वाला, कहानिया कहने वाला।

कीना—(फ) वैर, मन-मुटाव, मनोमालिन्य।

कीनाकश—(फ) वैरी, मनमें मैल रखने वाला।

कीनावर—(फ) कीना रखने वाला।

कीफ—(अ) टीन आदि की बनी वह चोंगी जिसके द्वारा किसी वोतल या छोटे मुँह के बरतन में तेल आदि भरते हैं, फूल।

कीमत—(अ) मूल्य, प्रतिष्ठा, गौरव।

कीमती—(अ) मूल्यवान, बहुमूल्य, अधिक दामों का।

कीमा —(अ) कूटा हु

कीमाक—(तु) दूध की मलाई।

कीमाज—(तु) सेविका, टहलनी।

कीमिया—(अ) रसायन,

कीमियागर—(मि०) रसायन बनाने वाला, रसायन शास्त्री। धूर्त, मक्कार।

कीमुख्त—(फ) घोड़े या गधे की खाल को रग कर बनाया गया एक प्रकार का खूबसूरत चमड़ा।

क़ीरात—(अ) चार जौ की तोल के बराबर का परिमाण।

क़ील—(अ) बातचीत, वार्ता।

क़ीलो क़ाल—(अ) बहस, ननुनच, बातचीत, विवाद,

कीसा—(अ) थैली, जेब, खीसा।

कुंज—(फ) कोना, किनारा।

कुंजद—(फ) तिल जिसका तेल निकालते हैं।

कुंजारा—(फ) तिल, सरसों का। अलसी आदि की खली।

कुंजिश्क—(फ) पक्षी विशेष।

कुज्ाफा—(अ) कगूरा।

कुजा—(फ) किस जगह, कहाँ।

क़ुज़ह—(अ) रंग-बिरंगा। पीली, लाल, हरी लकीरों वाला।
क़ुतका—(तु) मोटा और बड़ा डंडा।
क़ुतबा—(अ) लेख।
तयाक़अ—समाधि-लेख।
क़ुतल—(प) टीला।
क़ुतुब—(अ) बादशाह, सरदार नायक, लोहे की कीली जिस पर चक्की घूमती है, ध्रुवतारा। ध्रुव (उत्तरी दक्षिणी)
क़ुतुब—(अ) "किताब" का बहुवचन। पुस्तकें।
क़ुतुब ख़ाना—(मि०) पुस्तकालय।
क़ुतुब नुमा—(मि०) उत्तर दक्षिण दिशाएँ बताने वाला यन्त्र। दिग्दर्शक यन्त्र।
क़ुतुब फ़रोश—(मि०) पुस्तक विक्रेता, किताबें बेचने वाला।
क़ुतर—(अ) व्यास, वृत्त के केन्द्र पर होकर परिधि तक खींची गई सीधी रेखा। किसी चीज़ का किनारा।
क़ुत्न—(अ) रुई।
क़ुदमा—(अ) "क़दीम" का बहुवचन, अगले लोग, प्राचीन व्यक्ति या वस्तुएँ।
क़ुदरत—(अ) शक्ति, माया, प्रकृति, स्वभाव। ईश्वरीय शक्ति।
क़ुदरती—(अ) स्वाभाविक, अपने आप होने वाला, प्राकृतिक, दैवी, ईश्वरीय।
क़ुदस—(अ) पवित्र, पाक। अरब के एक पहाड़ का नाम।
क़ुदसियाँ—(प) फरिश्ते, पवित्र आत्मा, औलिया।
क़ुदसी—(अ) पवित्र, पाक, फरिश्ता, देवदूत।
क़ुद्सी—(अ) पवित्र, पाक, फरिश्ता, देवदूत।
क़ुदूम—(अ) "क़दम" का बहुवचन, वापस आना। आगमन।
क़ुदाम—(अ) पुराना, प्राचीन, बादशाह।
क़ुदूरत—(प) मन की मलिनता, गन्दापन।
क़ुद्दामे—(अ) यात्रा अथवा किसी जगह से आने वाले लोग, आगे, सामने।
क़ुद्दूस—(अ) पवित्र, शुद्ध, पाक।
क़ुन—(अ) हो, होजा, ख़ुदा की सृष्टि उत्पत्ति करने विषयक ख़ुदा की आज्ञा का संकेत।
क़ुनफ़िकान—(अ) सृष्टि।
क़ुनद—(फा) धारी की सुस्तता, सम्प, सार, तत्व। द्वेष, पुराना बैर।

क़ुनार—(तु) बेर, फल।
क़ुनाम—(अ) चरागाह, चरभूमि, घोंसला, झोंझ।
क़ुनासा—(अ) कूड़ा-करकट।
क़ुनूअ—(अ) सन्तुष्ट होना, सब्र करना।
क़ुनूत—(अ) निराश, नाउम्मेद, मनमुटाव।
कुन्द—(फ) मोटा, भोंथरा, कुंठित, मन्द, स्तब्ध।
कुन्द आवर—(फ) बुद्धिमान्, बलवान।
कुन्द ज़हन—(फ) मन्द या मोटी बुद्धि वाला।
कुन्द पीर—(फ) अतिवृद्ध स्त्री।
कुन्दा—(फ) लकड़ी का मोटा और बिना चीरा हुआ टुकड़ा, लकड़ी का सोटा, लकड़ी की बनी मोंगरी जिससे कपड़ों पर कुन्दी की जाती है, बन्दूक का पिछला भाग जो लकड़ी का बना होता है। लोहे की वह गोल छल्लादार कील जिसमें साँकल लगाइ जाती है। वह लकड़ी जिसमें अपराधी के पैर बाँधे जाते हैं।
कुन्दएनातराश—(फ) पूरा गँवार, निरा मूर्ख, अनघड़, ठूंठ।
क़ुब्बा—(अ) दरवाज़े का छज्जा, सायवान।
क़ुन्नियत—(अ) कुल या वंश का नाम, गोत्र, अल्ल, उपाधि, उस ढंग का नाम जिससे नाम वाले वंश का भी ज्ञान हो जाय।
क़ुक़नुस—(अ) एक पक्षी विशेष।
कुफ़ूर—(अ) कृतघ्नता।
क़ुफ़्फ़ार—(अ) "काफ़िर" का बहुवचन।
क़ुफ़्फ़ारा—(अ) प्रायश्चित्त।
कुफ़्र—(अ) मुसलमानी मजहब के प्रतिकूल आचरण, एक ईश्वर को न मान अनेक देवताओं में विश्वास करना, नास्तिकता।
कुफ़्ल—(अ) ताला।
क़ुबूल—(अ) देखो "कबूल"।
क़ुबह—(अ) बुराई, दोष।
क़ुम—(अ) उठ खड़ा होगा।
क़ुमक—(तु) मदद, सहायता, लड़ाई में सहायता।
क़ुमक़मा—(अ) मोम या लाख के बने हुए छोटे खोखले गोले, जिनमें रंग भर कर होली के अवसर पर एक दूसरे के मारते हैं। काँच के बने छोटे-छोटे पोले गोले। एक छोटे मुँह का लोटा।
क़ुमल—(अ) जूँ, जुआँ।

क़ुमामा—(अ) कूड़ा-करकट।
क़ुमरी—(अ) एक पक्षी विशेष, पंडुक।
क़ुम्मा—(तु) दासी, सेविका।
क़ुमेज़—(क) मूत्र, पेशाब।
क़ुम्मैत—(अ) कलछौंहे लाल रंग का घोड़ा, घोड़े का लाखी रंग।
क़ुरअ—(अ) "क़ुरआ" का बहु वचन, पाँसे।
क़ुरआ—(अ) जूआ खेलने अथवा रमल फेंकने के पाँसे। किसी विवाद को निर्णय करने के लिए उठाई जाने वाली गोलियाँ।
क़ुरआन—(अ) मुसलमानों की प्रसिद्ध धार्मिक पुस्तक।
क़ुरक़ी—(अ) किसी चीज़ का जाय दाद या क़र्ज़ या जुर्माने के बदले में ज़ब्त किया जाना।
क़ुरदफ़—(फ़ा) शक्ति-सम्पन्न, पहल वान।
क़ुरनास—(अ) पहाड़ की चोटी।
क़ुरब—(अ) निकट, समीप, आस पास।
क़ुर्ब जवार—आस-पास।
क़ुरबत—(अ) समीपता, पास होना, नज़दीकी।
क़ुरबान—(अ) ईश्वर के निमित्त त्यागा हुआ, बलिदान, निछावर।
क़ुरबान जाना—निछावर होना, बलि जाना।
क़ुरबानगाह—(मि०) क़ुरबानी करने का स्थान, बलि-वेदी।
क़ुरबानी—(अ) ईश्वर के नाम पर त्याग, बलिदान।
क़ुरसी—(अ) बैठने की कुरसी। वह चबूतरा जिस पर मकान बनाया गया हो। पुश्त, पीढ़ी, चौकी, आठवाँ आसमान।
क़ुरसी नामा—(मि० वंशवृक्ष, शजरा।
क़ुरहा (अ) विकृत घाव। सड़ा हुआ घाव।
क़ुरा (फ़) कोड़ा, चाबुक, घोड़े या गधे का बच्चा।
क़ुरान (अ) मुसलमानों का धर्म ग्रन्थ, क़ुरआन।
क़ुराज—(फ) बोतल, शीशी।
क़ुरामा—(अ) क़ुरान।
क़ुरीज—(फ) पक्षियों के पुराने पर झड़कर नए निकलना।
क़ुरैश—(अ) वह वंश जिसमें मुहम्मद साहब पैदा हुए थे।
क़ुरैशी—(अ) क़ुरैश वंश में पैदा होने वाला।
क़ुर्क़—(तु) रोकना, निषेध करना, देखभाल रखना, ऋण या

जुर्माने के बदले में रोक लिया गया माल असबाब।

कुर्क़ी—(अ) देखो "कुरक़ी"

कुब - देखो "कुरब"।

क़ुर्बो जवार—(फ) आस पास के प्रदेश या स्थान, निकटवर्ती।

क़ुर्र—(अ) सरदी का मौसम, शीत ऋतु, जाड़ा।

क़ुर्र ए-अर्ज़—(अ) भूमडल, भूगोल, पृथिवी।

कुर्रत—(फ) प्रसन्नता, आनन्द, खुशी

कुर्रत उल ऐन—(फ) आँखें ठडी होना, नेत्रों की प्रसन्नता।

कुर्रम—(तु) वेश्याओं का दलाल, भडुआ, अपनी पत्नी से व्यभिचार कराने वाला।

कुर्रा—(अ) इश्वर भक्त, पवित्र।

क़ुर्रा—(अ) गेंद की तरह गोल चीज़, गेंद, चेन, मडल।

क़ुर्स—(अ) टिकिया, गोली।

कुलंग—(फ) सारस की जाति एक पक्षी, क़ौंच पावड़ा।

कुलकत्तार—(फ) फिटकरी।

क़ुलक़ान—(फ) दाल।

कुलक़ास—(अ) अरबी, घुइँया।

कुल—(अ) सब, समस्त, सम्पूर्ण।

कुलचाक़—(तु) लोहे का दस्ताना।

कुलजमा—केवल मात्र, सब मिला कर।

कुलचा—(फ) एक प्रकार की मिठाई, एक तरह की छोटी रोटी।

कुलंज—(अ) आँतों का दर्द।

क़ुलज़म—(अ) अरब की खाड़ी, रूम सागर।

कुलफ़त—(अ) कष्ट, शोक, दु ख, विपत्ति, चिन्ता, कड़ापन, मलिनता।

कुलफा—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध पत्तियों का शाक।

कुलफी—(अ) टीन या मिट्टी के बने गिलास के आकार के छोटे-छोटे वर्तन जिनमें दूध आदि भर कर बरफ जमाते हैं। कुलफी में जमाया हुआ कोई पदार्थ।

कुलमुख्तार —(फ) सब बातों का पूर्ण अधिकार प्राप्त व्यक्ति।

कुलह—(फ) टोपी, मुकुट, ताज।

कुलाँच—(फ) कुदान, छलाँग।

कुलाबा—(अ) लोहे की एक छल्लादार कील जो किवाड़ में डालकर चौखट के बाजू में ठोक दी जाती है। बम्बे आदि में से पानी निकालने की पटी हुई मोरी जिसके रास्ते पानी निकलकर

नालियों में जाता है।
कुलाल—(फ) मिट्टी के बरतन बनाने वाला, कुम्हार।
कुलाह—(फ) देखो 'कुलह'।
कुली—(तु) सेवक, गुलाम, टहलुआ, बोझ उठाने वाला, मजदूर।
कुलूख—(फ) मिट्टी का ढेला।
कुलूख अंदाज—(फ) गोफन में रख कर पत्थर या ढेला मारने वाला
कुल्बा—(अ) भूमि जोतने का यन्त्र, हल।
कुल्बा—(तु) अंधकारमय छोटा सा घर।
कुल्बा रानी—(फ) हल चलाना, भूमि जोतना।
कुल्ल—(अ) सब, समस्त।
कुल्लहुम—(अ) सब, कुल, समग्र, सम्पूर्ण।
कुल्ला—(अ) पहाड़ की चोटी, प्रत्येक वस्तु का ऊपरी भाग, मनुष्य के सिर के बाल।
कुल्लिया—(अ) पूर्ण रूप से, पूर्ण तया, पूर्णांश।
कुल्लीयात—(अ) समस्त, सब, किसी ग्रन्थकर्ता अथवा कवि की समस्त रचनाओं का संग्रह।
कुल्लो—(अ) सब, कुल, पूरा, व्यक्तियों का समूह, समष्टि।
कुवा—(अ) "कुव्वत" का बहुवचन शक्ति, बल विक्रम।
कुव्वत—(अ) बल, शक्ति, ताकत।
कुशअरीरा—(अ) रोमाञ्च हो जाना।
कुशाद—(अ) भीख।
कुशा—(फ) फैलाने वाला, खोलने वाला, प्रकट करने वाला, दूर करने वाला, सुलझाने वाला।
कुशादगी—(फ) विशालता, विस्तार, उदारता।
कुशादनामा—(फ) राजा की आज्ञा, तलाक नामा। मुक्तिपत्र।
कुशादा—(फ) खुला हुआ, विस्तृत, लम्बा-चौड़ा, अलग अलग।
कुशादानफ़स—(फ) बहुत बोलने वाला, वाचाल।
कुशुफ़—(अ) पदा उठा देना, निरा वरण करना।
कुश्त—(फ) मार डालना, कत्ल करना।
कुश्ता—(फ) मारा हुआ, कत्ल किया हुआ, निहत, धातुओं की भस्म जो दवा के काम आती है, प्रेमी, आशिक।
कुश्ती-कुश्ती—(फ) द्वन्द्व युद्ध, दो आदमियों का एक दूसरे को

गिराने के लिए परस्पर भिडना।

कुश्तोखून—(फ) मारकाट, हत्या काण्ड।

कुस—(फ) स्त्रियों की जननेन्द्रिय भग, योनि।

कुसुब—(अ) बालू के टीले।

कुसूफ—(अ) संकट में पड़ा हुआ, दुर्दशा ग्रस्त, ग्रहण विशेष कर सूर्य-ग्रहण।

कुसूर—(फ) "कसर" का बहुवचन, दोष, अपराध, कमी।

कुस्तास—(अ) बड़ी तराजू 'तक'।

कुह—(अ) सादा, शुद्ध, कच्चा खरबूजा।

कुह—(फ) कोह का संक्षेप, पहाड़।

कुहन—(फ) पुराना, पुरातन, प्राचीन

कुहनबाश } (फ) आदि निवासी।
कुहनबूद }

कुहना—(फ) पुराना, प्राचीन, पुरातन।

कुहना सवार—(फ) शह सवार, पुराना चढ़ैत, ख़लीफा पहलवान।

कुहराम—(अ) रोना पीटना, हाय तोबा, विलाप, हलचल।

कुहल—(अ) दुर्भिक्ष की साल, अकाल का वर्ष, सुरमा लगाना, आँख में सुरमा लगाना।

कुहली—(अ) सुरमई रंग, काला कपड़ा।

कुहाल—(अ) चक्षु-चिकित्सक, सुरमा लगाने वाला।

कुहन्द—(फ) सर्राफ, खजानची।

कू—(फ) गली, कूचा, घर, मुहल्ला।

कूए—(फ) गली-कूचा।

कूए जाना—(फ) माशूक की गली।

कूक—(फ) ऊँची और सुरली आवाज़, कद्दू के बीज।

कूच—(फ) प्रस्थान, यात्रा, रवानगी।

कूच कर जाना—मर जाना। होश हवास जाते रहना।

कूच बोलना—चल पड़ना।

कूचा—(फ) गली, छोटा रास्ता।

कूचा खमोशान—(फ) कब्रिस्तान।

कूचागर्द—(फ) गलियों में मारा-मारा फिरने वाला, आवारा, निठल्ला।

कूचानी—(तु) वेश्याओं का महल्ला।

कूचाबन्द—(फ) वह गली जिसके दोनों निकासों पर फाटक लगे हों।

कूचा सलामत—(फ) टेढ़ा-तिरछा मार्ग जिसमें कि आड़ में वैरी से बचकर सिपाही अपने किले में

पहुँच सकें।
कूज—(फ) वक, टेढा,
कूज पुश्त—(फ) टेढी कमर वाला, कुबड़ा।
कूजा—(फ)—मिट्टी का बना पानी भरने का बर्तन, मटकी, मट का, सुराही, कुल्लड। किसी गोल बर्तन में जमाई हुई मिसरी का गोला।
कूदक—(फ) लड़का, बच्चा
कून—(फ) गुदा, मल त्यागने की इन्द्रिय।
कूब—(फ) कूटना।
कूबकू—(फ) गली गली, दर-दर, घर घर।
कूर—(फ) अन्धा, नेत्र विहीन
कूर चश्म—(फ) एक प्रकार का कपड़ा।
कूरमा—(तु०) भुना हुआ मास।
कूलिंज—(यू) एक प्रकार का पेट का दर्द
कूवत—(अ) बल, शक्ति सामर्थ्य।
कूवते जाज़िबा—(अ) आकर्षण शक्ति, खींचने की ताकत।
केर—(फ) पुरुष की मूत्रेन्द्रिय, लिंग।
केश—(फ) स्वभाव, टेव, मत, सम्प्रदाय, तरकस। एक पशु और नगर का नाम
केसा—(फ) थैली।
क़ै—(अ) उबकाइयाँ, वमन, उलटी।
कैखुशरो—(फ) एक प्रसिद्ध बादशाह का नाम।
क़ैंची } (तु) कतरने का औज़ार
क़ैंची } कतरनी।
कैतून—(अ) कपड़ों पर टाँकने की सुनहरी या रूपहली पतली पट्टी।
क़ैद—(अ) बन्धन, प्रतिबन्ध, अवरोध, बन्द रखना, कारावास।
क़ैदखाना—(मि०) जेलखाना, बन्दीगृह।
क़ैद तनहाई—(अ) एकान्त कारावास, काल कोठरी, सैल।
क़ैद महज़—(अ) अपरिश्रम कारावास
क़ैद सख्त—(अ) कड़ी सज़ा, सपरिश्रम कारावास।
कैदी—(फ) बँधुआ, बन्दी।
कैफ़—(अ) क्योंकर, एक प्रकार का मादक पदार्थ, मादकता नशा, मस्ती, तरंग।
कैफ़ दान—(फ) नशीली चीज़ें रखने की डिबिया।
कैफ़ियत—(अ) हाल। विवरण।
कैफ़ियत अंगेज़—(मि०) मनोमोहक, आनन्दोत्पादक, रसीली, सुरीली।
कैफ़ोकम—(मि०) ; कैसा और

कितना।

कैमूस—(अ) शरीर के भीतर, खाए हुए पदार्थों का बनने वाला रस।

क़ैरात—(अ) देखो "क़ीरात"। चार जौ की तोल के बराबर का परिमाण।

क़ैरूती—(अ) मोम रोग़न।

कैवान—(अ) सातवाँ आसमान जहाँ पर शनिग्रह रहता है, शनि ग्रह।

कैस—(अ) लैला का प्रेमी। मजनूँ।

क़ैसर—(अ) बादशाह, सम्राट्, रोम के बादशाह की उपाधि।

कोकलताश—(तु) एक ही धाय का दूध पीने वाले दो बच्चे, दूध भाई। कोका भाई।

कोका—(फ) एक धाय का दूध पीने वाले दो बालक, दूध भाई।

कोचक—(फ) छोटा।

कोचक दिली—(फ) साहस हीनता। कोमल हृदयता।

कोतर—(फ) कबूतर।

कोतल—(तु) ख़ास सवारी का घोड़ा, वह घोड़ा जो ज़रूरत के वक़्त के लिए खाली साथ रक्खा जाता है, जुलूसी घोड़ा जिसे केवल शोभा के लिये सजाकर जुलूस के साथ रखते हैं।

कोतवाल—(फ) पुलिस महकमे का एक अफसर, कोटपाल, नगर-प्रबन्धक,

कोताह—(फ) सकुचित, छोटा, कम।

कोताह अन्देश—(फ) अदूरदर्शी।

कोताह अन्देशी—(फ) अदूरदर्शिता।

कोताहगर्दन—(फ) छोटी गर्दन वाला, धूर्त, धोखेबाज।

कोताह नजर—(फ) संकुचित दृष्टि वाला, अनुदार हृदय का।

कोताह बीन—(फ) अदूरदर्शी, दूर की बात न सोचने वाला।

कोताही—(फ) कमी, सकीर्णता, छोटाई।

कोन—(अ) हो जाना, ससार, सृष्टि, विश्व, जगत्।

कोनो फिसाद—(फ) होकर मिट जाना।

कोनैामका—(मि०) जमीन और आसमान।

कोफ्त—(फ) दुःख, कष्ट, पीड़ा, रोग।

कोफ्ता—(फ) कुचला हुआ, कूटा हुआ मांस, कूटे हुए मांस को

खुजूर—(अ) सबजिया।
खज्जी—(अ) अपमानित, तिरस्कृत, निरादृत।
खज़िर—(अ) हरी टहनी।
खज़ीना—(अ) कोष, खज़ाना।
खजीर (अ) अत्यन्त चाहा हुआ। खूब प्रसन्न।
खजीब—(अ) रगीन, रगा हुआ, खिज़ाब किया हुआ।
खत—(अ) चिट्ठा रेखा, हजामत, डाढी के बाल।
खतन—(अ) दामाद।
खतना—(अ) सुन्नत, मुसलमानी। मुसलमानों में प्रचलित पुरुषेन्द्रिय के आगे का चमड़ा काटने की प्रथा।
खतब—(अ) कठिन काम, दु साध्य कार्य्य।
खतम—(अ) समाप्त, सम्पूर्ण मुहर की हुई चीज़।
खतर—(अ) आपत्ति, डर, भय। बड़प्पन।
खतर नाक—(अ) डरावना, भयानक, भीषण।
खतरा—(अ) सकट, आशका, डर, खौफ़।
खता—(अ) अपराध, दोष, कसूर। धोखा
खता—(फ) तुर्किस्तान, चीन और तूरान के मध्यवर्ती एक नगर का नाम।
खताई—(अ) खता नगर का रहने वाला, खता नगर सम्बन्धी कोई चीज़।
खतीब—(अ) खुतबा पढ़ने वाला, अभिभाषण देने वाला। लोगों का सम्बोधन करके कुछ कहने वाला।
खतीर—(अ) बुजुर्ग, बड़ा।
खतुफ—(अ) बिजली की चमक। चकाचौंध।
खते इस्तिवा—(अ) भूमध्य रेखा।
खतेजदी—(अ) मकर रेखा।
खते नक्शा—(अ) अरबी लिपि की लेखन शैली।
खते नस्तालीक—(अ) साफ और सुन्दर लिखाई।
खते मुतवाज़ी—(अ) समानान्तर रेखा।
खते मुमास—(अ) सम्पात रेखा।
खते मुस्तकीम—(अ) सीधी लकीर, सरल रेखा।
खते मुस्तदीर—(अ) गोल रेखा, वृत्त

खतेराह—(फ) यात्रा का आज्ञा पत्र। पासपोर्ट।

खते शिकस्ता—(मि०) खराब और घसीट लिखाई।

खते सरतान—(अ) कर्क रेखा।

खतो किताबत—(अ) पत्र-व्यवहार

खत्म—(अ) समाप्त, पूरा, मुहर की हुई चीज़, सीलबन्द।

खत्तर—(अ) धोखा देने वाला।

खद्म—(अ) नौकर चाकर। 'खादिम' का बहुवचन।

खदशा—(अ) आशंका, डर। खराश, खरोंच।

खदीज—(अ) प्रसव की नियत अवधि से पूर्व उत्पन्न हुआ सर्वांग सम्पन्न बालक।

खदीजा—(अ) मुहम्मद साहब की पहली पत्नी का नाम।

खदीव—(अ) मिस्र के बादशाहों की उपाधि, खुदावन्द, मालिक।

खदंग—(फ) तीर, एक वृक्ष का नाम जिसकी लकड़ी से तीर बनाए जाते हैं,

खद्द—(अ) चहरा, गाल।

खनमा—(फ) घर का असबाब।

खनाजीर—(अ) कण्ठमाला, गल गण्ड, गण्डमाला।

खनादिक—(अ) "खन्दक" का बहु वचन। खाइयाँ।

खनाफिस—(अ) गुबरीले कीड़े। 'खुनफसाय' का बहु वचन।

खनीदा—(फ) पसन्द की गई।

खन्दक—(अ) खाई, शहर या किले के चारों ओर बना हुआ गहरा गढा।

खन्दाँ—(फ) हँसता हुआ, प्रफुल्ल, हँसी, हास्य।

खन्दाँजन—(फ) हँसता हुआ।

खन्दा जमीन—(फ) हरियाली होना और फूल खिलना।

खन्दाँ जाम—(फ) आनन्द, शराब का प्याला।

खन्दाँ ज़ेरलब—(फ) मुस्कराना।

खन्दा पेशानी—(फ) प्रसन्न मुख, हँसमुख।

खन्दारू—(फ) खन्दापेशानी, हँस मुख।

खन्दी—(फ) कुलटा, दुश्चरित्रा, दुराचारिणी।

खफकान—(अ) हौलदिली, दिल की धड़कन का रोग। पागल-पन।

खफगी—(फ) नाराज़गी, अप्रसन्नता, क्रोध, प्र.प, गला घुटना।

खफा—(अ) असन्तुष्ट, नाराज, अप्रसन्न, रुष्ट, क्रुद्ध। छिपाव,

दुराव।

खफी—(अ) गुप्त, छिपा हुआ।

खफीफ—(अ) हलका थोड़ा। सामान्य।

खफीफा—(अ) एक दीवानी अदालत जिसमें छोटे मुकदमे तय होते हैं।

खफीर—(अ) लज्जाजनक। सन्देश वाहक, निरीक्षक।

खफय्यात—(अ) छिपे हुए भेद।

खफ्फाश—(अ) चमगादड़।

खबर—(अ) सूचना, सन्देश, सुधि, ज्ञान, होश, पता।

खबर लेना—मदद देना, दण्ड देना।

खबरगीर—(मि०) खबर सुधि रखने वाला, संरक्षक, चौकीदार।

खबरदार—(फ) सावधान, सचेत, सतर्क।

खबरदारी—(फ) होशियारी, सावधानी, सतर्कता।

खबररसा—(फ) सन्देश-वाहक, खबर लेजाने वाला।

खबस—(अ) अशुभ, बुरा, भद्दा, मलिनता।

खबा—(अ) छिपाना। भेद। घास।

खबाव (अ) पागलपन, दीवानगी।

खबी—(अ) गुप्त। छिपा हुआ।

खबीर—(अ) परिचित, जानकार, बुद्धिमान्।

खबीस—(अ) कृपण, दुष्ट प्रकृति, अपवित्र।

खब्त—(अ) विक्षिप्तता, पागलपन, सनक, सनक।

खब्ती—(अ) पागल, विक्षिप्त, सनकी, झक्की।

खब्ब—(अ) धूर्त।

खब्बाज—(फ) रोटी पकाने वाला, बावरची।

खम—(फ) टेढ़ापन, झुकाव।

खमखाना (अ) टेढा हो जाना, मुड़ जाना, झुकना, पराजित होना।

खम ठोकना—कुश्ती लड़ने के लिए भुज-दण्डों पर हाथ मारना, ताल ठोंकना, मुकाबले में आना।

खम दर खम—(फ) पेंच में पेंच।

खमदार—(मि०) टेढा, झुका हुआ।

खमियाजा—(फ) अँगड़ाई, जम्हाई कुफल। कुपरिणाम, परिणाम।

खमीदा—फ) झुका हुआ, खमदार। कुबड़ा।

खमीर—(अ) गूँधा हुआ सड़ा आटा जिसके डालने से और आटा भी फूल जाता है। पीने के तमाखू में डालने का द्रव्य विशेष। प्रकृति, स्वभाव, माया।

खमीरा—(अ) ओषधियों का बना गाढ़ा शरबत। एक प्रकार का पीने का तम्बाकू जो ख़मीर डाल कर बनाया जाता है।

ख़मीरी—(अ) खमीर से बना हुआ। खमीर सम्बन्धी।

खमोचम—(फ़) इतराना। भाव भंगी। अदा। नाज़ नखरा।

खमोश—(फ) चुप, मौन।

खमोशी—(फ़) चुप्पी, मौन-साधन।

खम्र—(अ) शराब, मदिरा।

खम्मार—(अ) शराब बनाने और बेचने वाला।

खम्सा—(अ) पाँच वस्तुएँ, पञ्चक।

ख़यात—(अ) सूई। सुई-धागा।

ख़यातत—(अ) कपड़ा सीना, दरजी का काम।

ख़यानत—(अ) धरोहर में से चोरी करना, फ़रेब, बेईमानी।

खयाबान—(फ़) बाग़, चमन, क्यारी।

खयाम—(अ) "खेमा (डेरा)" का बहुवचन, बहुत से खेमे।

खयार—(अ) खीरा फल। अधिकार। स्वीकार करना। भद्र पुरुष।

ख़यारक—(फ़) बद फोड़ा जो राग में होता है।

ख़यार शंबर—(अ) अमलतास का वृक्ष।

खयारैन—(अ) ककड़ी या खरबूज़े के बीज।

खयाल—(अ) विचार, ध्यान, मनोवृत्ति, एक प्रकार का गाना।

खयालात—(अ) "खयाल" का बहुवचन।

खयाली—(अ) कल्पित, विचार मात्र का।

खयालेबुता—(अ) माशूक की याद।

खय्यार—(अ) बहुत भला आदमी।

खय्यात—(अ) दर्जी। सुई से काम करने वाला।

खय्याब—(अ) निराश, अभागा।

खय्याम—(अ) खेमे बनाने या गाड़ने वाला। उर्दू के एक प्रसिद्ध कवि का नाम।

ख़र—(फ) गधा, मूर्ख।

ख़रकमान—(फ) बहुत बड़ी और सख्त कमान।

ख़रकस—(फ) मूर्ख, अजान, अज्ञ।

ख़रख़शा—(फ) आशंका झगड़ा, बखेड़ा। विवाद। बेमौके लड़ना।

ख़रगाह—(फ) खेमा, डेरा, तम्बू। आराम की जगह।

ख़रगोश—(फ) खरहा, शशक। ज्योतिष में कर्क राशि।

ख़रच—(फ) व्यय, खपत, सरफ़ा।

ख़रचा—(फ) खरच, व्यय।

ख़रचंग—(फ) केकड़ा राशि।

ख़रजन—(फ) चाबुक, कोड़ा।

ख़रतूम—(अ) हाथी की सूँड़।

ख़रदल—(फ) राइ।

ख़रदिल—(फ) डरपोक, कायर।

ख़रदिमाग़—(फ) मूर्ख, बेवकूफ़, गधों की सी अक्ल वाला।

ख़रनफ़्स—(फ) कामुक, व्यभिचारी, लम्पट।

ख़रपुश्ता—(फ) ऊँचा टीला।

ख़रब—(अ) वीरान, उजाड़।

ख़र बत—बड़ी बतख। मूर्ख मनुष्य।

ख़रबुज़ा / ख़रबूज़ा—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक गोल फल। खरबूज़ा।

ख़रमस्त—(फ) उद्दण्ड, स्वेच्छाचारी, उच्छृंखल, मगरा।

ख़रमोहरा—(फ) कौड़ी, कौड़िया, घोंघा, शंख।

ख़रस—(अ) मटका।

ख़रसंग—(फ) बड़ा पत्थर।

ख़राज—(अ) राजस्व, राजकर, भूमि-कर।

ख़राद—(फ) लकड़ी या धातु की बनी चीज़ों को साफ़ और सुडौल करने का यन्त्र।

ख़राब—(अ) बुरा, निकृष्ट, भ्रष्ट, पतित। मस्त, शराबी।

ख़राब व ख़स्ता—दुर्दशा ग्रस्त। बरबाद।

ख़राबा—(फ) संहार, विनाश, उजाड़, बरबादी।

ख़राबात—(फ) मदिरालय, वेश्या-घर।

ख़राबाती—(फ) शराबी, व्यभिचारी।

ख़राबी—(अ) अवगुण, ऐब, दुर्दशा। मस्ती।

ख़रामद—(अ) कुमारी, अविवाहिता।

ख़राश—(फ) छिल जाना, खुरच।

खरोंच, घाव। छीलना।

खरास—(फ) आटा पीसने की बड़ी चक्की जो बैल, ऊँट या इंजन की शक्ति से चलती हो। कोल्हू।

खरीता—(अ) राजा महाराजाओं के पत्र—विशेषतया आज्ञा-पत्र-भेजने का लिफाफा। थैली।

खरीद—(फ) मोल लेना, क्रय करना।

खरीददार—(फ) ग्राहक, मोल लेने वाला।

खरीददारी—(फ) मोल लेना, क्रय करना।

खरीदा—(अ) कुमारी शर्मीली नाबालिग, लड़की।

खरीद फरोख्त—मोल लेना व बेचना, क्रय विक्रय।

खरीफ—(फ) सावनी की फसल, वह फसल जिसमें ज्वार-बाजरा उर्द, मूँग, मक्का कपास आदि पैदा होते हैं।

खरीफी—(फ) खरीफ की फसल। सावनी।

खरोश—(फ) शोर, कोलाहल, उत्साह।

खर्राच—(फ) अपव्ययी, फिजूल खर्च बहुत ख़र्च करनेवाला उदार।

खर्राज—(अ) चमड़ा सीने वाला। मोची।

खर्रात } (फ) खराद पर काम करने
खर्राद } वाला, खरादी।

खलअ—(अ) किसी जगह से निकलना। जोड़ उखड़ना। वस्त्र उतारना, खिलअत देना। अपनी स्त्री से कुछ धन लेकर उसे तलाक देना।

खलक़—(अ) सम्पूर्ण सृष्टि, संसार, मानव जाति।

खलक़त—(अ) सृष्टि, संसार, दुनिया के लोग, संसार के प्राणी। बहुत भीड़।

खलखाल—(अ) पाज़ेब, छागल।

खलजान—(अ) झंझट, चिन्ता, बेचैनी, उलझन।

खलफ—(अ) उत्तराधिकारी, वारिस। पुत्र सुशील और भद्र। पीछे से आने वाला।

खलल—(अ) विघ्न, बाधा, रोक, अड़चन।

खलल अन्दाज (मि०) बाधा डालने वाला, विघ्नकर्ता, बाधक।

खलल दिमाग—(मि०) पागलपन, विक्षिप्तता।

खलवत—(अ) एकान्त, निर्जन स्थान।

खलवत खाना--(म०) एकान्त स्थान। जनान खाना।
खलवती (अ) एकान्त वाली अकेला।
खला—(अ) शौच, टट्टी, पाखाना। खाली जगह। आकाश, पोल।
खला—(फ) नाव चलाने का पतवार।
खलाइक—(अ) 'खलक' का बहुवचन।
खलाइफ—(अ) 'खलीफा' का बहुवचन।
खलाक़त—(अ) पुराना होना, प्राचीन होना।
खलावा—अ) दाखी से छुमा लेना।
खलायक़—(अ) "खलक" का बहुवचन, संसार के सब प्राणी।
खलाश—(फ) चिल्ल पुकार, कोलाहल। रास्ते की कीचड़।
खलाश—(फ) कूड़ा-करकट।
खलास—(अ) मुक्ति, छुटकारा, निवृत्ति। सच्चा प्रेम, सुनार की घरिया, वीर्यपात, समाप्त, च्युत, पतित, गिरा हुआ, छूटा हुआ, मुक्त।
खलासी—(अ) जहाज़ रेल आदि पर काम करने वाले मज़दूर। स्वतन्त्रता, छुटकारा, मुक्ति।
खलिश—(फ) चुभना, खटक, चुभन, कसक।
खलीक़—(अ) मिलनसार, सुशील, सज्जन।
खलीज—(अ) खाड़ी, समुद्र का वह भाग जो तीन ओर भूमि से घिरा हो।
खलीत—(अ) मिली-जुली। शरीक, साझी।
खलीता—(फ) जेब, थैली।
खलीफा (अ) खलिफ, उत्तराधिकारी। मुहम्मद साहब के उत्तराधिकारी को मुसलमानों में सब से मुख्य नेता माने जाते हैं। पहलवानों, दर्जियों या नाइयों के उस्ताद। धूर्त या अत्यन्त चतुर व्यक्ति।
खलील—(अ) सच्चा मित्र।
खलू } (अ) खाली होना
खलो } एकान्त।
खलूक़—(अ) सुगन्ध।
खलेरा—(अ) खाला (मौसी) या खालू के सम्बन्ध से अपना कोई रिश्तेदार जैसे खलेरा बहन।
खल्क—(अ) मनुष्यजाति, स के मनुष्य।

खल्के-खुदा—(मि०) समस्त संसार के जीव, ईश्वर की रची हुई सम्पूर्ण सृष्टि।

खल्त—(अ) मिलान, मिश्रण, मिलना, जुलना।

खल्लाक—(अ) सृष्टिकर्ता, परमात्मा।

खवातीन—(फ) खातून का बहुवचन स्त्रियाँ, महिलाएँ।

खवास—(अ) खास्सा का बहुवचन, राजाओं या रईसों का निजी सेवक, टहलुआ, सेवक, साथी।

खवासी—(अ) खवास का पद, खवास का काम। हाथी के हौदे में पीछे की ओर बना हुआ खवास के बैठने का स्थान।

खशखाश—(फ) पोस्त का दाना।

खशी—(अ) भय, डर।

खशू—(फ) सास।

खशूनत—(अ) खुरखुरापन, कड़ाई।

खशाँदा—(फ) ओषधियों का काढा जो आग पर औटाया नहीं जाता बल्कि ओषधियों को खौलते हुए पानी में डालकर चाय की तरह तैयार किया जाता है।

खश्म—(फ) कोप, क्रोध, गुस्सा।

खश्मगीं—(फ) क्रुद्ध, कुपित, गुस्से में भरा हुआ।

खश्मनाक-(फ) क्रोध से भरा हुआ। क्रुद्ध।

खस (फ) इस नाम से प्रसिद्ध गाँडर नामक घास की जड़ जो सुगन्धित होती है।

खस-व खाशाक - कूड़ा-करकट।

खसम -(अ) पति, स्वामी, मालिक। वैरी, शत्रु, दुश्मन।

खसमाना—(फ) ध्यान, शिक्षा, शत्रु के समान।

खसमी—(फ) शत्रुता, स्वामित्व।

खसरा -(अ) एक प्रकार का रोग जिसमें शरीर पर छोटी छोटी फुंसियाँ निकल आती हैं। पटवारी के एक रजिस्टर का नाम जिसमें खेतों के नम्बर और उनका नाप आदि का ब्यौरा लिखा होता है।

खसलत—(अ) स्वभाव, प्रकृति, टेव, बान, आदत।

खसायल—(अ) खसलत का बहुवचन, आदतें।

खसारा—(अ) घाटा, नुकसान, कमी, हानि।

खश्रासत—(अ) कृपणता, कंजूसी।

अयोग्यता, दुष्टता, खसीसपन।
खसासा—(अ) फकीरी, कंगाली।
खसिब—(अ) शौक-मौज, सुख चैन।
खसी—(अ) बधिया किया हुआ पशु, वह पशु जिसके अण्डकोश निकाल लिये या नष्ट कर दिये गये हों।
खसीम—(अ) झगड़ालू। दुश्मन।
खसीर—(अ) जिसने घाटा या टोटा भोगा हो।
खसीस—(अ) कंजूस, कृपण। बुरा, दुष्ट, अयोग्य।
खसुफ़ } (अ) चन्द्र ग्रहण। भूमि में धँसना।
खसूफ़ }
खसूम—(अ) वैर, झगड़ालू, लड़ाकू।
खसूमत—(अ) द्वेष। शत्रुता, झगड़ा।
खसूर—(अ) जिसे घाटा हुआ हो, हानि उठानी पड़ी हो
खसूस—(अ) खास होना, सविशेष।
खसूसियत—(अ) विशेष होना, खास होना
खसूसियत—(अ) विशेषता, खास गुण।
खसो खाशाक—(फ) कूड़ा-करकट, घास-कूड़ा।
खस्तगी—(फ) भुरभुरा पन, जीर्णता दुर्दशा, खस्तापन।
खस्तखाना—(फ) फकीरों की गुदड़ी जो रंग-बिरंगे टुकड़ों से बनी होती है।
खस्ता—(फ) जीर्ण शीर्ण, भग्न टूटा हुआ, भुरभुरा, जरा सा। छोड़ने से टूट जाने वाला, दुखी, खिन्न, घायल।
खस्ता काम—(फ) मन्द मनोरथ, निर्बल, अशक्त, असमर्थ।
खस्ता जाँ—(फ) कमज़ोर, दुर्बल।
खस्ता व खराब—(फ) बुरी हालत में, दुर्दशाग्रस्त।
खस्ता खामाँ—(फ) फटे हाल।
खस्ता हाल—(फ) बुरी अवस्था में, दुर्दशाग्रस्त।
खस्म—(अ) देखो 'खसम'
खस्सा (अ) मोची, चमार।
खाइज़—चिन्तन करने वाला, गौर करने वाला।
खाइन—(अ) अमानत में खयानत करने वाला।
खाइफ़—(अ) भयभीत, डरा हुआ कायर, डरपोक।
खाइब—(अ) निराश, अभागा।
खाक—(फ) राख, धूल, मिट्टी, कुछ नहीं, अति तुच्छ, नाचीज़।

खाक उड़ना—उजड़ना, नष्ट या बरबाद हो जाना, उजाड़, बरबादी।
खाक जाद—(फ) मिट्टी का पुतला, इन्सान।
खाक जिगर गीर—(फ) वह स्थान जहाँ से जाने को जी न चाहे।
खाक छानना—मारे मारे फिरना।
खाक में मिलना - बिगड़जाना, बरबाद हो जाना।
खाकतूदा—(फ) मिट्टी का टीला जिसपर तीर लगाने का अभ्यास करते हैं।
खाक दा संसार, दुनिया।
खाकदान—(फ) कूड़ा-करकट इकट्ठा करने का बर्तन या स्थान। कूड़ा दान।
खाक नाए— (फ) स्थल डमरु मध्य, भूमि का वह भाग जो समुद्र में होकर दो स्थलों को परस्पर मिलाता हो।
खाक फरामोशान—(फ) कब्र से अभिप्राय।
खाक बरलब— (फ) शपथ पूर्वक इन्कार करना।
खाकबाजी - (फ) खेल्कूद।
खाकरोब—महतर, भंगी, झाड़ू लगाने वाला।
खाक रोबा--(फ) वह कूड़ा-करकट जो झाड़ने-बुहारने से इकट्ठा हो।
खाकसार—(फ) तुच्छ, दरिद्र, धूल के समान, अत्यन्त विनीत।
खाकसारी - (फ) अत्यन्त विनम्रता।
खाक़सीर—(फ) खूबकला नामक औषधि।
खाकस्तर—(फ) भस्म, राख।
खाका - (फ) ढाँचा, मानचित्र, रूप-रेखा। अनुमान पत्र, मसौदा। चित्र।
खाका खींचना—उपहास करना, दिल्लगी उड़ाना।
खाक़ान—(तु०) बादशाह, बड़े लोग, वयोवृद्ध, तुर्किस्तान और चीन के बादशाहों की पुरानी उपाधि।
खाकियान—(फ) मनुष्य, इन्सान।
खाक़िस्तर - (फ) रात, रात्रि
खाकी—(फ) वह भूमि जिसकी सिंचाई के लिये सुव्यवस्था न हो, एक प्रकार का रंग जो मिट्टी का सा होता है, भूरा, मिट्टी के-से रंग का। मिट्टी का बना हुआ, मृण्मय।
खाग—(फ) अण्डा, मुर्गी का अण्डा।
खागीन—(फ) अण्डों का बना हुआ

शाक। सूखा हुआ अंडा।
खाजन—(अ) संग्रह करने वाला खजानची।
खाजना—(फ) माली।
खाजिल—(अ) लज्जित।
खातम—(अ) अंगूठी, मुहर।
खातमा—(अ) समाप्ति, अन्त।
खातमा बिलखैर—सकुशल समाप्ति।
खातिमा—(अ)समाप्ति, अन्त।
खातिफ—(अ) ले जाने वाला।
खातिम—(अ) खतम करने वाला, समाप्त करने वाला।
खातिर—(अ) हृदय का भाव। हृदय, स्वागत-सत्कार। लिए, वास्ते
खातिर ख्वाह—(अ) सन्तोषजनक इच्छानुकूल, जैसा चाहा जाय वैसा, यथेच्छ।
खातिर जमा—(फ) सन्तोष, तसल्ली, धीरज, इतमीनान।
खातिर तवाजा—(अ) स्वागत सत्कार, आवभगत, आदर-सम्मान।
खातिरदारी—(मि०) आदर-सम्मान, खातिर तवाजा, आव-भगत।
खातिरन्—(अ) सम्मानार्थ, शिष्टाचार के लिए, लिहाज से।
खातिरनशीन—(फ) जो बात दिल में बैठ सके। जिस पर विश्वास हो सके।
खातिन—(अ) पति, दामाद।
खाती—(अ) जानबूझकर अपराध करने वाला।
खातून—(त) भले घर की स्त्री, भद्रमहिला, कुलललना।
खातून अरब—(फ) फातिमा, काबा।
खातूने खाना—(मि०) गृहस्थिन।
खातूने फलक—(फ) सूर्य, सूरज।
खादिअ—(अ) मक्कार-धूर्त।
खादिम—(अ) सेवक, नौकर।
खादिमा—(अ) सेविका, नौकरानी, दासी। सम्बोधन।
खान—(तु०) मुखिया, सरदार, पठान सरदारों की उपाधि, बड़ों के वास्ते प्रतिष्ठा सूचक
खानए खुदा—(फ) मस्जिद, खुदा का घर।
खान काह—(अ) फकीरों के रहने का स्थान, मठ। मुखिया।
खान खाना—(फ) बहुत बड़ा सरदार, मुखिआओं का मोमुखिए
खानगी—(फ) घरेलू, घर, निजका आपस का, थाड़े से टके लेक

व्यभिचार कराने वाली वेश्या।
खानदान—(फ) परिवार कुटुम्ब, घराना, वंश कुल।
खानदानी मुश्तर्का—संयुक्त परिवार।
खानम—(फ) खान की पत्नी, सम्भ्रान्त महिला, भले घर की स्त्री।
खानमा—(फ) घर गृहस्थी का सामान।
खानवादा—(फ) वंश, कुल, परिवार, घराना, कुटुम्ब।
खानसामा—(फ) घर-गृहस्थी के सामान की ठीक व्यवस्था रखने वाला, घर का नौकर। खाना बनाने वाला। मुसलमान रसोइया, बावर्ची।
खाना—(फ) घर, मकान। विभाग, खाना, दराज कोष्ठक खेमा।
खानाकन—(फ) घर को बरबाद करने वाला।
खाना खराब—(फ) जिसका घर उजड़ गया हो, लफंगा, आवारा।
खाना खराबी—(फ) परिवार या घर का विनष्ट होना।
खाना जंगी—(फ) गृह-कलह, आपस की लड़ाई, घर की फूट।
खानाज़ाद—(फ) क्रीत दास की सन्तान जो मालिक के घर पर पैदा होती है। कुटुम्बी, पारिवारिक।
खानातलाशी—(फ) किसी चीज के लिए मकान की ढूँढ़-खोज करना।
खानादार—(फ) मकान का मालिक, घर का स्वामी, संरक्षक।
खानादारी—(फ) घर-गृहस्थी का प्रबन्ध, घर के काम-धंधे।
खाना नशीन—(फ) जो सब काम-काज छोड़ कर आराम से घर पर बैठा रहे, घर बैठा हुआ।
खाना नशीनी—(फ) कुछ काम काज न करके आराम से घर पर बैठे रहना।
खानापूरी—(फ) नकशा भरना, किसी चक्र या सारणी के कोठों में शब्द या संख्याएँ लिखना किसी काम को बेमन से करना।
खानाबदोश—(फ) वह व्यक्ति जिसका कोई निश्चित ठौर ठिकाना न हो, बे घर बार का।

घर-गृहस्थी को लिए जगह जगह फिरने वाला।
खाना बरबादी—(फ) देखो "खाना खराबी।"
खाना रस—(प) वह पका फल या मेवा जो पाल में रखकर पकाया गया हो।
खाना शुमारी (प) किसी गाँव या शहर के मकानों का गिनना।
खाना साज—(प) घर में बना हुआ, खाना बनाने वाला।
खान्दान—(प) देखो "खानदान"
खान्दानी—)प) उच्च कुलता, अच्छे वंश का कुलक्रमागत, पैतृक, पुश्तैनी।
खान सामान—(प) घर के सामान का निरीक्षण करने वाला [वाला।
खानिक—(अ) गला घोटने
खाफिज—(अ) नीचेलाने वाला, च्युत करने वाला।
खाफिक—(अ) जिसका दिल धड़कता हो, जिसका सिर हिलता हो। झाड़े मारने वाला।
खाफिकैन—(अ) पूर्व पश्चिम।
खाम—(फ) कच्चा, अपरिपक्व। बुरा, खराब, बिना पका चमड़ा।
खाम खयाली—(प) व्यर्थ के विचार।
खाम चरम—(फ) मनुष्य का शरीर।
खामदस्त—(प) अनुभवहीन अपव्ययी।
खाम पारा—(प) दुराचारिणी पुंश्चली।
खामरीश—(प) निर्बुद्धि, हँसोड़।
खामसोज—(प) अधपकी चीज। ऊपर जली भीतर कच्ची।
खामा—(प) लेखनी, क़लम।
खामादान—(प) क़लमदान, लेखनी रखने का छोटा सन्दूक।
खामिल—(अ) गुमनाम, कमीना। अधम। [मूर्खता।
खामी—(प) त्रुटि, कचाई। बुराई।
खामुश—(प) खामोश का संक्षेप। चुप।
खामोश—(प) मौन, चुप।
खामोशी—(प) चुप्पी, मौन।
खायन—(अ) किसी की धरोहर को हड़प जाने वाला। खयानत करने वाला।
खायफ—(अ) देखो "खाइफ"।
खाया—(प) अण्डकोश, वृषण, मुर्गी का अण्डा।
खाया गिलामाँ—(प) एक प्रकार का अंगूर।
खाया जर्रीन—(फ) सूर्य

खायाबरदार- (फ) तुच्छ से तुच्छ सेवाएँ करने वाला, अत्यधिक चापलूसी करने वाला।

खार—(फ) काँटा, ईर्ष्या, मनो मालिन्य।

खारखाना—ईर्ष्या करना, किसी के प्रतिमन में द्वेष रखना।

खार खार—भय, चिन्ता, आशंका।

खारदार—(फ) काँटेदार, कँटीली।

खारपुश्त—(फ) एक जानवर जिसके शरीर पर बड़े बड़े काँटे होते हैं, साही।

खारबन्द, खार बस्त —(फ) काँटों का बाड़ा जो बाग या खेत के चारों तरफ लगाया जाता है।

खारा—(फ) एक प्रकार का कपड़ा, जो धूप में रखने से टुकड़े टुकड़े हो जाता है। एक प्रकार का बड़ा पत्थर

खारिक—(अ) फाड़ने वाला, करामात दिखाने वाला।

खारिचैन—(फ) बाग या खेत के चारों ओर लगाये जाने वाले काँटे।

खारिज—(अ) बहिष्कृत, अलग किया हुआ, निकाला हुआ, रद किया। वह मुकदमा जिसकी सुनाई न हो।

खारिज आहंग—बेसुरा।

खारिजन—(अ) दन्त-कथा के आधार पर, बाहर से, अलग से, ऊपर से।

खारिजा—(अ) बहिष्कृत, निकाला हुआ, अलग किया हुआ, रद्दी किया हुआ।

खारिजी—(अ) जो किसी समाज या सम्प्रदाय से अलग कर दिया या हो गया हो।

खारिश—(फ) खाज, खुजली, पामा।

खारिश्त—(फ) देखो "खारिश"

खारोखस—(फ) कूड़ा करकट।

खाल—(अ) बड़प्पन, बुद्धिमत्ता, अभिमान, छाला, फफोला। मामूँ। शरीर का तिल।

खालसा—(अ) वह भूमिभाग जिस पर स्वयं राज्य का अधिकार हो जो किसीकी जागीर न हो। सिक्ख।

खाला—(अ) मौसी, माँ की बहन।

खालिक—(अ) उत्पादक, पैदा करने वाला, स्रष्टा। ईश्वर।

खालिद—(अ) सदा रहने वाला, अनश्वर, शाश्वत। एक दानी का नाम।

खालिफ—भीरु, डरपोक।

खिफ्फ (अ) हलका, सुबुक।
खिफ्फत—(अ) अपमान, अप्रतिष्ठा, हेठी, निरादर, हलकापन। लज्जा, शर्मिन्दगी।
खिमार—(अ) ओढ़नी।
खियात—(अ) सुई।
खिरक़ा—(अ) साधुओं के ओढ़ने की गुदड़ी।
खिरक़ापोश - खिरका ओढ़ने वाला साधु, त्यागी, भिखमगा।
खिरत - (अ) सुई का नाका।
खिरद—(फ) बुद्धि, विवेक, समझ।
खिरदमन्द—(फ) बुद्धिमान, विवेकी, समझदार।
खिरफ़—(अ) मूर्ख, बेअक्ल।
खिरमन—(फ) खेत में से काटी हुई अन्नादि की फसल का ढेर खलिहान।
खिरमने माह—(फ) चन्द्रमा के चारों ओर जो कुण्डल सा होता है। जहाँ पर खेत से काटी हुई फसल इकट्ठी की जाती है।
खिरस—(फ) रीछ, भालू, बरछी।
खिराज—(अ) भूमि कर, लगान।
खिराजी—(अ) जिस पर खराज लगता हो, जिसे खिराज दिया जाता हो, खिराज सम्बन्धी।
खिराम—(फ) मन्दगति, धीरे चलना, मस्तानी चाल से चलना। चाल, गति, चलना। दौर, चक्र।
खिरामा—(फ) मन्द और मस्त चाल से चलने वाला।
खिरामा-खिरामा—मस्त चाल से चलना, धीरे धीरे चलना।
खिर्स—(फ) भालू, रीछ।
खिलअत—(अ) वह पोशाक जो राजाओं की ओर से किसी को सम्मानार्थ दी गई हो।
खिलवत—(अ) एकान्त, निर्जन, जन शून्य (थान)।
खिलाफ़ - (अ) प्रतिकूल, विरुद्ध, उलटा, विपरीत। बेत का पौधा।
खिलाफ़ गोई—(मि०) झूठ बोलना, मिथ्या भाषण करना।
खिलाफ्त—(अ) खलीफा या भाव पद या काय। समस्त मुसलमान बादशाहों पर रहने वाला खलीफा का अधिकार। उत्तराधिकार।
खिलाफ़ दस्तूर—नियम विरुद्ध, प्रचलित प्रथा के प्रतिकूल।
खिलाफ़ मामूल—साधारण परिस्थिति के विपरीत।

खिलाफ़ वर्जी—(मि०) अनुचित आचरण, आज्ञा आदि का उल्लघन, अवज्ञा।

खिलाल—(अ) अन्तर, दूरी, खेल आदि मे होने वाली हार, दाँत कुरेदने की सुई।

खिल्क़त—(अ) जन्म। उत्पन्न होना या करना, जन-समूह। प्राकृतिक सघटन।

खिल्क़ी—(अ) पैदाइशी, जन्म जात, स्वाभाविक, प्राकृतिक।

खिल्त—(अ) मिला हुआ, मिश्रित, प्राकृति, शरीर में का कफ।

खिल्द—(अ) बहिश्त, स्वर्ग।

खिल्ल—(अ) मित्र, दोस्त, यार

खिल्लत—(अ) स्वभाव, आदत, प्रकृति, नेक।

खिश्त—(अ) ईंट, छोटा भाला। साँग।

खिश्तक़—(फ) पायजामा, पायजामे में लगाई जाने वाली मियानी, वह कपड़ा जो पायजामें के दोनों पैरों के जोड़ में लगता है, आसन।

खिश्ती—(अ) ईंटों का बना हुआ मकान वगैरा।

खिसाँदा—(फ) देखो "खसाँदा"

खिसारत—(अ) टोटा, घाटा, हानि, कमी, नुकसान।

खिसाम—(अ) लड़ना, युद्ध करना। योद्धा, लड़ाकू।

खिसारा—(अ) टोटा, घाटा, हानि, नुकसान, कमी।

खिसासत—(अ) कृपणता, कजूसी अयोग्यता, दुष्टता।

खिसाल—(अ) खसलत का बहु वचन।

खिस्सत—(अ) कृपणता, कजूसी, खचीह पन।

खीमा—(अ) तम्बू, डेरा।

खीरा—(फ) दुष्ट, पाजी, अँधेरा, अधकार पूर्ण। चौंधियाई हुई (आँख)

खुज़रत—(अ) सब्जी, हरियाली।

खुज़रियात—(अ) तरकारियाँ।

खुज़िब—(अ) काटना, तलवार मारना, झूठ बोलना।

खुतका—(फ) देखो "कुतका"

खुतबा—(अ) अभिभाषण, भूमिका, प्रशसा, ईश्वर-प्रार्थना, सामयिक राजा का प्रशसा करना अथवा उसके राजगद्दी पर बैठने की घोषणा।

खुतबा गाह—(मि०) व्याख्यान-वेदी।

खुतब सदारत—सभापति का [भाषण।

खुतूत—(अ) खत का बहुवचन
खुतूह—(अ) कदम, पग, कदम
खु ामा—(अ) कुलटा, पुंश्चली, दुश्चरित्र स्त्री।
खुला—(फ) प्रसुप्त, खोया हुआ।
खुद—(फ) स्वयं, आप।
खुद आराई—(फ) अपनी प्रतिष्ठा कराने का स्वयं प्रयत्न करना, श्रृंगार करना
खुद-करदा (फ) अपना किया [हुआ।
खुदकुशी—(फ) आत्मघात, अपने आप अपनी जान देना।
खुद काम—(फ) स्वार्थी, मतलबी।
खुद काश्त—(फ) अपनी जमीन पर आप खेती करना।
खुदकुशी—(फ) देखो "खुदकुशी"
खुदगरज—(फ) स्वार्थी, मतलबी।
खुदनुमाँ—(फ) अपना बड़प्पन आप प्रकट करने वाला, अपने आप को बड़ा आदमी जाहिर करने वाला। अभिमानी, घमंडी।
खुद परवर—(फ) स्वावलम्बी, स्वोपार्ज।
खुदपरस्त—(फ) स्वार्थी, मतलबी।
खुद पसन्द—(फ) अपने को बहुत अच्छा समझने वाला।
खुद पैदा कर्दा—स्वार्जित। अपने आप पैदा की हुई।
खुद ब खुद—(फ) अपने आप, स्वयमेव
खुदबीं—(फ) अहम्मन्य, जो अपने समान किसी को न समझे, जिसे अपने सिवा दूसरा कोई दिखाई न पड़े। घमंडी, अभिमानी।
खुद सरी—(फ) अहम्मन्यता, अभिमान उच्छृंखलता, उद्दण्डता।
खुद मुख्तार—(फ) स्वतन्त्र, आज़ाद, स्वाधीन।
खुद राय—(फ) स्वेच्छाचारी, मन मानी करने वाला।
खुदरौ—(फ) अपने आप पैदा होने वाला, बिना बोए हुये उगने वाला, जंगली अन्न पौधा या घास।
खुद शिकन—(फ) विनम्र, विनय।
खुदसर—(फ) स्वेच्छाचारी, मन माना करने वाला, स्वतन्त्र, स्वाधीन।
खुदसरी—(फ) स्वेच्छाचारिता, स्वतन्त्रता, स्वाधीनता।
खुदसाजी—(फ) अपनी बाहरी टीप टाप ठीक रखने वाला।
खुदसिताई—(फ) अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना, अपनी प्रशंसा आप करना।
खुदहिसाब—(फ) अपने कर्मों का

स्वयम् दिखाव रखने वाला।
खुदा—(फ) ईश्वर, स्वामी, परमात्मा, स्वयम्भु।
खुदा खुदा करके—(फ) डरते डरते, बड़ी कठिनाई से कोई काम करना।
खुदा दाद—(फ) ईश्वर दत्त।
खुदाई—(फ) ईश्वरीय, परमात्मा, की सृष्टिसंसार।
खुदाई रात—(मि०)मुसलमानों का एक उत्सव जिसमें स्त्रियां रात-भर जाग कर खुदा की याद करती हैं।
खुदाए आशिकी (मि०) प्रेम का ईश्वर, कामदेव।
खुदा का घर—(मि०) मसजिद।
खुदा तरस—(फ) ईश्वर से डरने वाला, मन में ईश्वर का भय मानने वाला, दयालु, कृपालु।
खुदा ताला—(फ) ईश्वर।
खुदादाद—(फ) ईश्वर प्रदत्त, ईश्वर का दिया हुआ।
खुददारी—(फ) अहंभाव।
खुद बीनी—(फ) अभिमान, अहंकार।
खुदा न ख्वास्ता—(फ) ईश्वर न करे।
खुदा परस्त—(फ) आस्तिक, ईश्वर को मानने वाला, ईश्वर का उपासक।
खुदाया—(फ) हे परमात्मन्, हे प्रभो हे ईश्वर।
खुदारा—(फ) खुदा के वास्ते, ईश्वर के लिए।
खुदा लगती—(फ) सच्ची, यथार्थ (बात)।
खुदा वन्द—(फ)ईश्वर, स्वामी।। मालिक।
खुदा समझे—(फ) ईश्वर देखे की, किसी को शाप देने के समय इसका प्रयोग किया जाता है।
खुदा हाफ़िज—(फ) ईश्वर तुम्हारी रक्षा करे। यह प्राय किसी के विदा होने के समय प्रयुक्त होता है।
खुदी—(फ) अहं भाव, अहम्मन्यता, अभिमान, स्वार्थ परता।
खुद्दाम—(फ) खादिम के बहु वचन नौकर लोग।
खुनक—(फ) शीतल, ठंडा, प्रसन्न।
खुनकी—(फ) शीतलता, ठंडापन, सर्दी।
खुनाक—(अ) गले का एक रोग जिसमें कण्ठ का अवरोध हो जाता है, डिफ्थीरिया।
खुनियागर—(फ) गवैया, गायक। डोम। कव्वाल।

खुन्सा—(अ) हिजड़ा, नपुंसक उर्दू व्याकरण में नपुंसक लिंग।

खुफ़िया—(अ) गुप्त, छिपा हुआ, गुप्त ढंग से।

खुफ़ियात—(अ) खुफ़िया का बहुवचन।

खुफ़िया नवीस—(मि०) गुप्त ढंग से लिखकर समाचार भेजने वाला।

खुफ़्ता—(फ) टेढ़ा, वक्र। सोया हुआ।

खुफ़्ता नसीब—(मि०) सोए हुए भाग्य का।

खुबासत—(अ) खबीस का भाव, खबीस पन, दुष्टता, नीचता अपवित्रता।

खुम—(फ) मटका, बड़ा घड़ा, पीपा, विशेष कर शराब भरने का मटका।

खुम कदा—(मि) शराब खाना मदिरालय, कलारी, मधु शाला।

खुमखाना—(फ) देखो "खुम कदा"।

खुमशीरी फ़साना—(फ) संसार, लोक।

खुमरा—(अ) मुसलमान फकीरों का एक सम्प्रदाय, खजूर के पत्तों की बनी छोटी चटाई जिस पर नमाज पढते हैं, आसन।

खुम सिता—(फ) मधुशाला, कलवारया।

खुमार—(अ) उतरते समय का हलका-हलका नशा, या नशे या जागने के कारण उत्पन्न हुआ आलस्य। नशा उतरते समय अँगड़ाइयाँ और जम्हाइयाँ आना।

खुमार आलूदा—(अ) जिसे खुमार चढ़ा हो, खुमार से भरा हुआ।

खमारी—(अ) देखो "खुमार"।

खुमिस्ताँ—(फ) शराब खाना।

खुम्मार—(अ) शराब बनाने और बेचने वाला।

खुर्जी / खुरजीन—(फ)—घोड़े बैल आदि पर सामान लादने का थैला। बड़ा थैला, खुर्जी चमड़े का थैला।

खुरतूम—(अ) हाथी की सूँड।

खुरदा—(फ) थोड़ी थोड़ी अनेक प्रकार की चीजें, छोटे सिक्के

रेजगी, खेरीज, खुदरा ।
खुदरा फरोश—(फ) थोड़ी थोड़ी चीजें बेचने वाला, खेरीज में बेचने वाला।
खुरफा—(अ) एक पत्ती वाला साग, कुलफा ।
खुरम—(फ) प्रसन्न, हर्षित, ताज़ा ।
खुरमा—(फ) एक प्रकार का मिटाई, छुहारा ।
खुरस—(फ) सोने चाँदी का छल्ला और जाली ।
खुरशैद—(फ) सूर्य, सूरज ।
खुशौद लबे बाम—(अ) मृत्यु के समीप, जीवन-सन्ध्या ।
खुरशैद सवार—(फ) बड़े तड़के उठने वाला, होशियार, सचेत ।
खुरसन्द—(फ) प्रसन्न, हर्षित, खुश ।
खुरसन्दी—(फ) प्रसन्नता, हर्ष, रजामन्दी ।
खुरा—(फ) दीमक, एक कीड़ा ।
खुराक़—(फ) भोजन, खाना, आहार,
खुराज—(अ) फोड़ा,
खुराफत—(अ) बकवाद, बेढंगी बात। अरब के एक व्यक्ति का नाम ।
खुराफात—(अ) खुराफत का बहु-वचन ।
खुरासान—(फ) फारस देश का एक प्रान्त जो अफगानिस्तान के पश्चिम में है ।
खुरूज—(अ) विद्रोही, बागी, विमुख ।
खुरूक—(फ) मुर्गा, कुक्कुट ।
खुर्क (अ) मूर्ख, अज्ञ ।
खुर्द—(फ) छोटा, लघु । कण ।
खुर्दनी—(फ) खाने की चीजें, खाद्य वस्तुएँ ।
खुर्दबीन—(फ) सूक्ष्म दर्शक यन्त्र ।
खुर्द बुर्द—(फ) अपव्यय, नाश ।
खुर्द मुर्द—(फ) टुकड़े-टुकड़े कर देना । रेज़ा-रेजा कर देना ।
खुर्द महल—(मि०) राजाओं का वह महल जिसमें अविवाहिता स्त्रियाँ रहती हों, रखेली स्त्रियाँ, रखनी ।
खुर्द व कलाँ—(फ) छोटे-बड़े सब ।
खुर्दसाल—(फ) कम उम्र का, थोड़ी अवस्था का अल्पवय स्क ।
खुर्दा—(फ) टुकड़ा, चिनगारी, खाया हुआ । दोष ।

खुर्दाबीनी—(फ) दोष-दर्शन, बारीकी से देखना।
खुर्दी—(फ) छोटापन, लघुता।
खुर्दा फरोश—(फ) देखो "खुरदा फ़रोश"।
खुर्रम—(फ) प्रसन्न चित्त, बहुत खुशहाल।
खुर्रम आबाद—(फ) खुशी की जगह।
खुर्रमी—(फ) प्रसन्नता, खुशी, हर्ष।
खुर्सन्द—(फ) देखो "खुरसन्द"।
खुलफा—(अ) खलीफा का बहु वचन।
खुलम—(फ) रेंट। नाक का बह बूदार पानी।
खुलासा—(अ) स्पष्ट, खुला हुआ, साफ-साफ, छिपाव रहित, सार, निचोड़, भाव, संक्षिप्त विवरण।
खुलूद—(अ) शाश्वतता, हमेशापन। अनन्तता।
खुलूस—(अ) सरल, पवित्र, विशुद्ध प्रेम, साधारण, सरलता, पवित्रता, निष्ठा।
खल्क—(अ) स्वभाव, शील। सुशीलता, सज्जनता।
खुल्द—(अ) स्वर्ग, बहिश्त।
खुल्दे बरीं—(अ) ऊपर का स्वर्ग।
खुल्फास—(अ) खलीफा का बहु-वचन।
खुश—(फ) प्रसन्न, हर्षित, मगन, आनन्दित, अच्छा।
खुश अतवार—(फ) अच्छे आचार-व्यवहार वाला।
खुश असलूब—(फ) सुडौल, सुन्दर, सब तरह से ठीक।
खुश इखलाक़ी—(फ) शिष्टाचार।
खुश इनान—(फ) सीखा हुआ घोड़ा जो थोड़े से लगाम के इशारे से चलता हो, शाइस्ता।
खुश इलहान—(फ) जिसका कण्ठ स्वर रसीला हो, अच्छा गाने वाला।
खुश इलहानी—(फ) सुरीलापन।
खुश कलम—(फ) चिकना तथा साफ कागज जिस पर कलम बिना रुक चले।
खुशकिस्मत—(फ) सौभाग्यशाली।
खुशखत—(फ) सुन्दर अक्षर लिखने वाला, सुन्दर लिखावट।
खुश खबर—(फ) शुभ सन्देश सुनाने वाला।
खुश खबरी—(फ) शुभ समाचार।
खुश खुल्क—(फ) अच्छे स्वभाव वाला।

खुश गवार—(फ) अच्छा लगने वाला, रुचिकर, मीठा, प्रिय, मनोहर।

खुश गुलू—(फ) जिसका कंठ बहुत सुन्दर हो, सुकंठ।

खुशगो—(फ) सुवक्ता, सुन्दर वर्णन करने वाला।

खुश जायका—(फ) स्वादिष्ठ।

खुश तबअ—(फ) अच्छे स्वभाव का, प्रसन्न चित्त।

खुश तरक—(फ) बहुत खूब।

खुश दामन—(फ) सास, पत्नी या पति की मां।

खुश नवा—(फ) कलकण्ठ।

खुश नवीस—(फ) सुन्दर लिखावट लिखने वाला।

खुश नशीन—(फ) आसूदा, सम्पन्न, अपनी रुचि के स्थान पर रहने वाला।

खुश नसीब—(फ) भाग्यवान, भाग्यशाली।

खुशनुमा—(फ) देखने में अच्छा लगने वाला, सुन्दर, खूब सूरत

खुशनूद—(फ) सन्तुष्ट, प्रसन्न। राजी, खुश।

खुश नूदी—(फ) सन्तोष, प्रसन्नता, खुशी।

खुशनूदी मिजाज—चित्त की प्रसन्नता।

खुश बयान—(फ) सुन्दर वर्णन करने वाला, सुवक्ता।

खुश बयानी—(फ) सुभाषित, किसी बातको सुन्दर ढंग से कहना।

खुशबू—(फ) सुगन्ध।

खुशबूदार—(फ) सुगन्ध युक्त, अच्छी गन्ध वाला, सुगन्धित।

खुश मिजाज—(फ) अच्छे स्वभाव वाला, प्रसन्न चित्त।

खुश रंग—(फ) जिसका रंग बहुत अच्छा हो।

खुशखाना—(फ) राजकीय राजाओं की-सी।

खुशखानी—(फ) एक प्रकार का राग।

खुशवक्त—(फ) प्रसन्न, खुशी। खुशी का समय, शुभावसर।

खुश व खुर्रम—(फ) हँसी खुशी, आनन्दित, प्रसन्न, मस्त।

खुश हाल—(फ) सुखी, सम्पन्न, खाता-पीता।

खुशा—(फ) अत्यन्त प्रसन्न। बहुत खूब।

खुशामद—(फ) किसी को प्रसन्न करने के लिए उसकी झूठी प्रशंसा करना। चाटुकारी। चापलूसी।

खुशामदी—(फ) खुशामद करने वाला, चाटुकार, चापलूस।
खुशी—(फ) प्रसन्नता, हर्ष, आनन्द, इच्छा।
खुश्क—(फ) सूखा, नीरस, रूखे स्वभाव का, कृपण, केवल, मात्र, निधन, कारमकार।
खुश्क ज़र—(फ) सूर्य, शुद्धस्वर्ण।
खुश्क दिमाग—(फ) पागल, विक्षिप्त।
खुश्क पहलू—(फ) कंजूस, कृपण।
खुश्क मगज़—(फ) देखो "खुश्क दिमाग"
खुश्क रीश—(फ) खुरगट।
खुश्क साल—(फ) वह वर्ष जिसमें वर्षा न हो और अकाल पड़े।
खुश्क साली—(फ) अनावृष्टि, सूखा, अकाल, दुर्भिक्ष।
खुश्का—(फ) पकाये हुए चावल, भात।
खुश्कार—(फ) बिना छना आटा। भूसी समेत आटा।
खुश्की—(फ) शुष्कता, नीरसता, सूखापन, स्थल, भूमि।
खुसर—(फ) ससुर, पत्नी या पति का पिता।
खुसरवाना—(फ) राजाओं का सा, बादशाहों का सा।
खुसरवानी—(फ) एक प्रकार का राग।
खुसरू } (फ) महाराज, सम्राट्
खुसरो } बादशाह।
खसिया—(अ) अण्डकोश, वृषण
खसिया बरदार—(मि०) बहुत अधिक खुशामद करने वाला अत्यन्त तुच्छ सेवाएँ करने वाला।
खसूफ़—(अ) देखो 'ख़सूफ़'
खसूमत—(अ) वैर, शत्रुता दुश्मनी।
खसूसन—(अ) विशेष रूप से खासतौर पर, विशेषतः।
खसूसियत—(अ) विशेषता विशिष्टता।
खूँ कबूतर—(फ) शराब।
खूँ खम—(फ) शराब, मदिरा।
खूँख्वार—(फ) खून पीने वाला, पशुओं को खाने वाला, क्रूर स्वभाव का।
खूँ गर्मी—(फ) प्रेम, मुहब्बत
खूँ दार—(फ) खूनी।
खूँ बहा—(फ) वह धन जो किसी वध किये गए व्यक्ति के घर वालों को उस निहत के बदले में दिया जाय।
खूँ रेज़—(फ) खून करने वाला,

हत्याकारी, बधक। खून में डूबा हुआ।

खूँरेजी—(फ) रक्तपात, हत्या कांड।

खू—(फ) स्वभाव, आदत, टेव।

खूई—(फ) पसीना, रेशमी सुर्ख कपड़ा।

खूक—(फ) सूअर, शूकर,

खूगर / **खूगर** — (फ) जिसे किसी बात की टेव पड़ गई हो, अभ्यस्त, आदी।

खूखादी—(फ) रोटी, भोजन।

खून—(फ) रक्त, रुधिर, वध हत्या।

खून उबलना / **खून खौलना** — क्रोध से शरीर लाल हो जाना, गुस्सा चढ़ना।

खून का प्यासा—वध करने का इच्छुक।

खून सफेद होना—सज्जनता या प्रेम का बिलकुल शेष न रह जाना।

खून सवार होना——किसी को मार डालने या और कोई भयंकर अनर्थ करने को उद्यत हो जाना।

खून पीना—मार डालना।

खून होना—हत्या होना, मारा जाना।

खून-आलूदा—(फ) खून से सना हुआ।

खूनी—(फ) हत्यारा, हत्याकारी किसी को मार डालने वाला, घातक। खून से लिथड़ा हुआ।

खूब—(फ) अच्छा, उमदा, उत्तम, भला, श्रेष्ठ।

खूब कलाँ—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक प्रकार के बीज जो दवा के काम में आते हैं, खाकसीर।

खूबरू—(फ) सुन्दर, खूब सूरत, रूपवान, सुन्दर आकृति वाला।

खूबरुई—(फ) माशूकी, सुन्दरता।

खूब सूरत—(फ) सुन्दर, रूपवान।

खूबाँ—(फ) सुन्दरी स्त्रियाँ, प्रेमिकाएँ, नायिकाएँ।

खूबानी—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक मेवा, जरदालू।

खूबी—(फ) भलाइ, अच्छापन, विशेषता।

खूर—(फ) खाने-पीने वाला।

खूरा—(फ) कुष्ठ रोग, कोढ़।

खूराक—(फ) भोजन, खाना, आहार।

खूराकी—(फ) भोजन-व्यय, वह धन जो खाने के नाम से दिया जाय।

खूरिश—(फ) खाने-पीने का सामान, भोजन।

खूरोनोश—खाना-पीना।

खूरेपोश—खाना-कपड़ा।
खूलजान -(अ) कुलंजन नाम से प्रसिद्ध दवा, पान की जड़।
खेज़—(फ) भग हु । मौज, उमंग,
खेमा—(अ) तम्बू, डेरा।
खेमागाह—(मि०) जहाँ पर बहुत से तम्बू गड़े हों।
खेमा दोज़—(मि०) तम्बू बनाने वाला।
खेल—(अ) सवारों और पैदलों का समुदाय, घोड़ों का झुण्ड, वर्ग, समूह।
खेल खाना—(फ) कुटुम्ब, परिवार।
खेश—(अ) बटे हुए मोटे सूतों का बना एक कपड़ा, मजबूत कपड़ा।
खेश—(फ) सम्बन्धी, रिश्तेदार, जमाता, दामाद।
खेश खाना—(फ) कपड़े का मकान जिस पर गरमियों में ठंड के लिए पानी छिड़कते रहते हैं।
खेश व अकारिब—नाते रिश्ते के लोग।
खैत—(अ) डोरा, धागा।
खौफ—(अ) भय, डर।
खैयत—(अ) निराश, दुर्भाग्य।
खैर—(अ) भलाई, नेकी, कुशल, अच्छा, अस्तु, कोई बात नहीं।
खैर अन्देश—(मि०) शुभ चिन्तक, भला चाहने वाला।
खैर आफियत—(मि०) कुशल-क्षेम।
खैरख्वाह—(मि०) भला चाहने वाला, शुभचिन्तक।
खैरगीत—(फ) आश्चर्य, अन्धकार, चपलता, निलज्जता।
खैरबाद—(फ) शुभम्भूयात्, कुशल हो। बिदा या प्रस्थान के समय ये शब्द कहे जाते हैं।
खैर मक़दम—(अ) स्वागत, शुभागमन। किसी के आगमन पर इस शब्द का प्रयोग किया जाता है।
खैरों शर—(अ) भलाई-बुराई।
खैरात—(अ) खैर का बहुवचन, भलाई, दान पुण्य।
खैराती—(अ) दान पुण्य सम्बन्धी, दान का। परोपकार सम्बन्धी।
खैराद—(फ) देखो "खराद"।
खैरियत—(फ) भलाई, नेकी, सुख, चैन, कुशलता, कुशल क्षेम, राजी खुशी, कल्याण।
खैल—(अ) समूह, झुण्ड, गरोह।
खैला—(फ) मूर्ख स्त्री।

खैलापन—(मि०) फूहड़पन।
खो—(फ) स्वभाव, आदत। देखो 'खू'
खोगीर—(फ) देखो "खूगीर"। वह मोटा कपड़ा जो जीन कसते वक्त जीन के नीचे रखा जाता है।
खोगीर की भर्ती—निरर्थक और रद्दी चीजें।
खोजा—(फ) पण्ढ, हिजड़ा, राजमहलों के अन्तःपुर में काम करने वाला नपुंसक सेवक, ख्वाजा सरा।
खोद—(फ) लोहे का टोप जिसे युद्ध में सिपाही पहनते हैं। शिरस्त्राण,
खोनचा—देखो "ख्वानचा"।
खोर—(फ) खाने वाला।
खोलञ्जन—(फ) देखो "कुलजन"।
खोशा—(फ) फलों का गुच्छा। अन्न की बाल।
खोशाचीं—(फ) अनाज की बालें या फलों के गुच्छे बीनने वाला, सिला बीनने वाला।
खौज—(अ) गम्भीरता से सोचना, तल्लीन होना, डुबकी लगाना।
खौफ—(अ) भय, डर।
खौफजदा—(फ) भयभीत, डरा हुआ।
खौफनाक—(फ) भयानक डरावना।
खा—(तु) प्रतिष्ठा सूचक शब्द। 'खान' का संक्षेप
ख्वाँ—(फ) पढनेवाला, कहनेवाला, गाने वाला।
ख्वादगी—(फ) पढाई। अध्ययन।
ख्वादा—(फ) पढा हुआ, शिक्षित। निमन्त्रित, बुलाया हुआ। दत्तक।
ख्वाजा—(फ) घर का मुखिया, बुजुर्ग, सरदार, नेता। किसी सम्प्रदाय का मुखिया। वह आदमी जो नपुंसक बनाकर अन्तःपुर में सेवाकार्य के लिए रक्खा जाय। मन्त्री, वजीर।
ख्वाजा ताश—(फ) एक मालिक के कई नोकर आपस में 'ख्वाजा ताश' हुए।
ख्वाजा फलक—(फ) सूर्य नक्षत्र,
ख्वाजा सरा—(फ) वह व्यक्ति जो अन्तःपुर में सेवा करने के लिए नपुंसक बनाया गया हो। पण्ढ, क्लीव, हिजड़ा। खोजा।
ख्वान—(फ) खाना खाने का बड़ा थाल जो लकड़ी का बना होता है।
ख्वानचा—(फ) भोजन करने का छोटा थाल। वह थाल जिसमें

मिठाइ, चाट आदि रखकर बेचते हैं। खोमचा।
ख्वान पोश—(फ) खाने के थाल पर ढकने का कपड़ा।
ख्वान सालार—(फ) बावर्ची, खानसामा।
ख्वाना—(फ) पढ़ने वाला।
ख्वानी—(फ) पढ़ना, पढ़ने की क्रिया।
ख्वाने करम—(फ) दानपात्र, भीख की चक्स।
ख्वाब—(फ) निद्रा, स्वप्न, सपना।
ख्वाब आलूदा—(फ) जिसमें नींद भरी हो।
ख्वाब खरगोश—(फ) असावधानी, गफलत। उनींदा। धोखा।
ख्वाब गाह—(फ) सोने का स्थान, शयनागार,
ख्वाब सैयाद—(फ) धोखा, फरेब।
ख्वाबीदा—(फ) सोया हुआ या सुप्त।
ख्वार—(फ) खाने वाला। अपमानित, निरादृत अविश्वसनीय।
ख्वारी—(फ) अपमान, अनादर, दुर्दशा। गाली। अविश्वास।
ख्वास्त—(फ) चाह, इच्छा, कामना।
ख्वास्त गार—(फ) इच्छुक, चाहक, किसी बात की आकांक्षा रखने वाला।
ख्वास्त गारी—(फ) चाहना, किसी वस्तु की इच्छा। माँगना।
ख्वास्तार—(फ) माँगने वाला, इच्छुक, अभिलाषी।
ख्वाह—(फ) चाहने वाला, इच्छुक। इच्छा, कामना। अथवा, या तो।
ख्वाह मुख्वाह—(फ) जबरदस्ती। इच्छा हो या न हो तो भी। अवश्य।
ख्वाहाँ—(फ) इच्छुक, अभिलाषी, चाहने वाला।
ख्वाहिश—(फ) इच्छा, चाहना, कामना, आशा, अभिलाषा।
ख्वाहिश मन्द—(फ) इच्छुक, अभिलाषी, चाहने वाला।
ख्वेश—(फ) अपने सगी साथी। कुटुम्बी, अपने।
ख्वेश दार—(फ) सुरक्षित, संकटों से दूर रहने वाला। सावधान, चौकस।

ग

गग—(फ) गंगानदी। गूँगा।
गगल—(फ) दिल्लगी, विनोद, हँसी।

गच—(प) मकान का चूना जो दीवार पर या फर्श पर प्लास्टर के रूप में लगाया जाता है।

गजाफ़ / गजाफ़ा (फ झूठ, मिथ्या, शेखी, व्यर्थवाद।

गज—(प) खजाना, भंडार। ढेर, राशि। समूह, अनाज की मंडी वह चीज़ जिसके अन्दर बहुत सी काम की चीज़ें हों।

गज़िया—(फ) काफ़रों से लिया जाने वाला टैक्स, जज़िया।

ग जफा—(प) एक प्रकार का प्रसिद्ध खेल। खेलने के पत्ते।

गजीना—(प) खजाना, भंडार, ढेर।

गजीफ़ा—(फ) देखो 'गजफा"।

गजूर—(प) भण्डार, कोश, खज़ाना।

गजे कारूँ (फ) कारूँ का खजाना।

गज़—(फ) कपड़ा या ज़मीन आदि नापने का गज़। यह छत्तीस इंच या सोलह गिरह का होता है। पुराने ढंग की बन्दूक में रूजट ठोकने की लोहे की छड़। एक प्रकार का तीर। झाऊ का पेड़।

गज इलाही—(फ) अकबरी गज जो ४१ अंगुल का होता है।

गज़क—(फ) तिल और गुड़ या चीनी के योग से बनाई गई एक खाद्य वस्तु। गजक। शराब पीने के बाद मुँह का स्वाद ठीक करने के लिए खाई जाने वाली चीज। चाट, जलपान, नाश्ता।

गज गाव—(फ) सुरागाय, चमरी गो, वन गाय जिसकी पूँछ का चँवर बनाया जाता है।

गज़नफ़र—(अ) सिंह, शेर।

गज़न्द—(फ) कष्ट, हानि, सदमा, दुःख।

गज़पा—(फ) सारस पक्षी जिसके छड़ गज के समान लंबे-पतले पैर होते हैं।

गज़ब—(अ) कोप, क्रोध, अंधेर, अन्याय, आपत्ति, संकट, बहुत अधिक, अद्भुत, विलक्षण, बहुत बुरा, विनाश।

गज़ब इलाही— दैवी प्रकोप।

गज़ब का—अद्भुत, विलक्षण।

गज़ब नाक—(अ) अत्यन्त क्रुद्ध, बहुत गुस्से में भरा हुआ।

गज़बाँ—(अ) क्रुद्ध, कुपित। प्रलय-कर, भयंकर।

गज़बी—क्रोधी, दुष्ट।

गज़म—(फ) झाऊ का पेड़।

गजर—गाँजर।

ग़ज़ल—(अ) फार्सी की या उर्दू एक कविता, जिसमें एक ही छन्द के बहुत से शेर होते हैं, और प्राय प्रत्येक शेर का विषय स्वतन्त्र होता है। वह कविता जिसमें स्त्रियों के सौन्दर्य की प्रशसा की जाय अथवा प्रेमी व प्रेमपात्र का वर्णन किया जाय।

गजलक—(फ) छुरी, चाकू।

गज़वा—(अ) मुसलमानों का धर्म युद्ध जो काफिरों से हो।

गजा—(फ) नक्कारा बजाने की चोब।

गज़िब—(अ) भयकर, गज़ब का।

गजी—(फ) एक प्रकार का हाथ का बना मोटा कपड़ा, गाढ़ा, खद्दर, गाढा।

ग़जीज—(अ) कोमल कलिक। कोंपल।

ग़ज़ीदा—(फ) पसन्द किया हुआ, चुना हुआ निर्वाचित।

गजूब—(अ) बड़ा भयकर।

गतरीक—(अ) वृद्ध, बुजुर्ग, बड़ा, बहादुर।

ग़ताब—(अ) पर्दा।

ग़द—(अ) आने वाली कल की सुबह।

गददा—(अ) अशुभ मुहूर्त।

गतिश—(अ) दृष्टि-दौर्बल्य।

गद—(फ) गदाई भीख माँगना।

ग़दर—(अ) विद्रोह, उपद्रव, बलवा, विश्वासघात, बगावत।

गदा—(फ) फ़कीर, विरक्त, साधु, भिक्षुक, भिखारी।

गदा—(अ) आगामी कल।

गदाई—(फ) फकीरी, भिखमगा पन, भिक्षा-वृत्ति।

गदीर—(अ) तालाब पोखर।

गदूर—(अ) विद्रोही, विश्वासघाती

गदिया—(फ) भीख मागना।

गद्दीर—(अ) विश्वासघाती, धोखे बाज़।

गद्दार—(अ) गदर करने वाला विश्वासघाती, विद्रोही, बेवफा।

गनी—(अ) दौलतमन्द सम्पत्ति शाली, निश्चिन्त, स्वतन्त्र। कृतकार्य।

गनीवत—(अ) सम्पन्नता, निश्चिन्तता।

गनीम—(अ) वैरी, शत्रु, लुटेरा, डाकू।

गनीमत—(अ) लूट का माल, भटके की रकम, मुफ्त का माल। सन्तोष की बात, सब्र करना।

ग़नूदगी—(फ) ऊँघना, ऊँघ।

गन्द—(फ) दुर्गंध, बदबू। मैला, मल।

गन्दगी—(फ) अशुद्धता अपवित्रता, मलिनता, मैलापन, मल, मैला, गलीज़।

गन्दा—(फ) मैला-कुचैला, अपवित्र, मलिन।

गन्दा मगज़—(फ) घमण्डी, बढ कर बातें मारने वाला। शेखी खोर।

गन्दा मगज़ी—(फ) घमण्ड, शेखी, बढ बोलापन।

गन्दुम—(फ) गेहूँ।

गन्दुमगूँ—(फ) गेंहुआ रग।

गन्दुम नमा जो फरोश—गेहू दिखाकर उनके बदले में जौ देने वाला, बहुत बड़ा धूर्त।

गन्दुम गू—(फ) गेंहुआँ रग, गेंहूँ के रग का।

गन्दुमी—(फ) गेहुआँ रग, गेंहूँ के रग का।

गप—(फ) बात, गप्प, डींग मारना, व्यर्थ की बातें, किंवदन्ती, अफवाह।

गफ़—(फ) घनी बुनावट का, घना, ठस, गाढा।

गफ़र—(अ) छिपाना, क्षमा करना।

गफ्लत—(अ) असावधानी, बेखबरी, भूल, चूक।

गफलत शदीद—(अ) घोर असावधानी।

गफलती—(अ) असावधानी करने वाला, बेपरवा। भुलक्कड।

गफ़ीर—(अ) छिपाने वाला, लोहे का बड़ा टोप। शिरस्त्राण।

गफ़ूर—(अ) देने वाला, क्षमा करने वाला, ईश्वर का एक विशेषण।

गफ्फार—(अ) बहुत बड़ा दानी, छिपानेवाला, रक्षा करने वाला, क्षमा करने वाला, परमात्मा (खुदा) का एक विशेषण।

गफ्स—(अ) मोटे दल का, दलदार, गफ, मोटा।

गब—(अ) बारी का बुखार।

गबज़—(फ) दलदार, मोटा, कड़ा।

गबन—(अ) किसी की धरोहर हड़प जाना। भूल जाना। अपराध करना, हानि सहना, मन्दबुद्धि।

गबरा—(अ) गर्दगुबार, वह स्थान जहाँ बहुत से वृक्ष हो।

गबावत—(अ) कमसमझी, भूल जाना। कुंठित बुद्धि होना।

गबी—(अ) मन्द बुद्धि, कम समझ, सुस्त।

गबीन—(अ) मन्दबुद्धि, कम अक्ल।

गब्र—(फ) अग्नि पूजक, अग्नि उपासक

एक जाति
गम—(अ) रंज, दुःख, शो
गम अन्दोज़—(मि०) दुख उठाने वाला।
गमकदा—(मि०) दुख का घर। संसार, जगत्।
गमखोर—(मि०) ग़म खाने वाला, दुःख सहन करने वाला, सहन शील, सहिष्णु।
गमख्वार—(मि०) गम खाने वाला, सहानुभूति रखने वाला। मित्र, सहिष्णु।
गमख्वारी—(मि०) सहानुभूति करना, साथ देना। मित्रता निभाना।
गम गलत—(अ) दुखी मन को बहलाने वाला काम, दुख को भुलाने का साधन, नशा, शराब, खेल तमाशा।
गमगीं (मि०) शोकार्त, दुखी, रंजीदा, उदास।
गम गुसार—(मि०) दूसरों का दुख दूर करने वाला, संकट मोचक। सहानुभूति करने वाला।
गमज़दा—(मि०) दुखी, उदास, शोकार्त।
गमजन—(अ) बिगाड़ने वाला।
गमज़ा—(अ) प्रेमिका के हाव भाव, भ्र निक्षेप, कटाक्ष, सकेत, इशारे। खून निचोड़ना। भींचना।
गमद—(अ) छुरी और तलवार का म्यान।
गमदान—(फ) संसार, दुनिया।
गम रसीदा—(मि०) दुखी, शोकार्त, रंजीदा।
गमाज़—(अ ऊँघना।
गमाद—(अ) बदोश।
गमिस—(अ) पानी में डुबो देना, नक्षत्र का अस्त होना। आँख की कीचड़, गीढ़।
गमी—(अ) शोक मृत्यु, मौत, सोग, वह शोक जो किसी की मृत्यु हो जाने पर उसके घर वाले करते हैं, शोक की अवस्था, शोक का समय।
गमेहिज्र—(अ) वियोग वेदना, बिछोह जन्य शोक।
गम्माज़—(अ) निन्दक, चुगलखोर, आँखों से इशारा करने वाला ताना देने वाला।
गम्माज़ी—(अ) निन्दा, चुगली।
गयाबत—(अ) वह चीज़ जो दूसरे चीज़ को छिपाले। छिपना गायब होना। गड़गड़ पुकार सुनाई आना। पुकार, दुहाई।
गयार—(अ) यहूदियों के कपड़े पर

एक चिन्ह।
गयास—(अ) मुक्ति, छुटकारा, सहायता।
गयूर—(अ) गैरत दार, सकोचशील, लज्जालु।
गय्याक़—(अ) जिसकी दाढी बहुत बड़ी हो।
गय्यूर—(अ) ईर्ष्यालु, डाह करने वाला, आन रखने वाला। गैरतदार।
गार—(फ) (शब्दों के अन्त में) करने वाला बनाने वाला यथा शीशागर, हीलागर। यदि, जो। स्वामी और रखने वाले के अर्थ में भी प्रयुक्त होता है। खाज।
गार—(फ) व्यभिचारिणी स्त्री, वेश्या कुटिला।
गरदिल—(फ) कुटिल। कायर
गरक़—(अ) डूब जाना, जल जाना, मग्न होना, किसी काम या विचार में तल्लीन, मग्न।
गरक़ाब—(अ) बहुत गहरा पानी, डुबान पानी, डूबा हुआ, निमग्न।
गरक़ी—(अ) अत्यधिक वर्षा का होना, बाढ, जल-प्लावन।
गरकीना—(फ) खाल, छाल।
गरचक—(फ) मूर्ख, अज्ञानी।
गरचा—(फ) मूर्ख। कायर, कापुरुष।
गरचे—(फ) यद्यपि, अगरचे।
गरगरा—(अ) गले में पानी भर के गर गर शब्द करना, वह शब्द जो मृत्यु के समय गले में कफ घिर जाने निकलता है।
गरज—(अ) मतलब, स्वार्थ आशय, इच्छा, आवश्यकता, यह कि। निशाना।
गरज मन्द—(हि०) जिसका कुछ मतलब हो, जिसे कुछ ज़रूरत हो।
गरजी—(अ) अपने काम से काम रखने वाला, स्वार्थी, मतलबी।
गरदन—(फ) ग्रीवा
गरदन फराज—(फ) प्रतिष्ठित, गौरव सम्पन्न।
गरदनी—(फ) किसी को कहीं से बाहर करने के लिए गर्दन पकड़ने में की क्रिया, अर्धचन्द्र, घोड़ों का उढाने का कपड़ा। गले में पहनने का आभूषण, कुश्ती लड़ने का एक दाव।
गरदान—(फ) लौटना, घूमना, मुड़ना, वह कबूतर जो लौट फिर कर अपने ही अड्डे पर आ जाता हो शब्दों का रूप सिद्ध करना।

गरदानना—(फ) घेर लेना, दौड़कर किसी को पकड़ लेना, लपेटना, दुहराना, किसी को कुछ न समझना, किसी के अन्तर्गत समझना। शब्दों के रूपों को दुहराना।

गरदिश—(फ) संकट। घुमाव। चक्कर। गति, चाल।

गरदी-(फ) भारी उलट-पलट, क्रान्ति, महान् परिवर्तन, दुर्भाग्य। घूमना फिरना।

गर दूँ—(फ) आकाश, आसमान, गाड़ी, छकड़ा। रथ, बहली।

गरदूँ गराम—(फ) उन्नत मस्तक, प्रतिष्ठित, विख्यात।

गरब—(अ) अस्त होना, पश्चिम दिशा। पानी भरने का डोल। तेज़ी। द्रुतगामी घोड़ा।

गरबाल—(फ) आटा छानने की छलनी।

गरबी—(अ) पश्चिम का, पश्चिमी, पाश्चात्य।

गरबीला—(फ) नखरेबाज़, घमंडी।

गरम—(फ) उष्ण, तप्त, जलता हुआ। शीघ्र।

गरमक—खरबूजा और सर्दे की तरह का फल विशेष।

गरम खून—(फ) घनिष्ठ मित्र। प्रियमित्र।

गरम रौंज—चालाक। चलता पुर्जा।

गरम जोश—(फ) उत्पोत्साह, प्रबल प्रेम।

गरमजोशी—(फ) प्रेम की अधिकता, अनुराग का आधिक्य।

गरम दिमागी—(फ) घमण्ड, गरूर, दुरभिमान।

गरमा—(फ) गरमी का मौसम, ग्रीष्म ऋतु।

गरमाई—(फ) गरमी, उष्ण, शरीर को पुष्ट या गरम करने वाली वस्तु।

गरमा गरम—(फ) उष्ण, तप्त,

गरमाना—(फ) क्रुद्ध होना, गुस्सा करना, गरम होना या करना। पशुओं का मदोन्मत्त होना।

गरमाबा } गरमाया } (फ) गरम पानी से नहाना। गरम पानी का स्नानागार।

गरमी—(फ) प्रेम, उष्णता, जलन, ताप, ऊष्मा, तेजी। जोश, क्रोध, आवेश, दुरभिमान, ग्रीष्मऋतु, छूत का रोग आतशक।

गरज—(फ) चावल।

गरा—(फ) महँगा, बहुमूल्य, बहुत भारी।

गरा अरजिश—(फ) बहुमूल्य, बेश कीमत।

गरा खातिर—(फ) अप्रिय, असह्य, नागवार, भारभूत।

गरा खिराम—(फ) मन्दगति से चलने वाला।

गराज—(फ) बहादुर, साहसी,

गराँजान—(फ) आलसी, निकम्मा, जो सहज न मरे, जो जल्दी न मरे, बूढा, महाप्राण।

गराँजानी—(फ) गरा जान का भाव।

गराँ-बहा—(फ) बहुमूल्य, बेश कीमत, अधिक मोल का। महर्घ।

गराँ-माया—(फ) श्रेष्ठ, उत्तम, अधिक दामों का, बहुमूल्य। महर्घ।

गराँ रकाब—(फ) रणधीर। युद्ध में धैर्य पूर्वक लड़ने वाला।

गराँ सर—(फ) घमण्डी, अभिमानी।

गरासाया—(फ) प्रतापी, प्रतिष्ठित, वीर, बहादुर।

गरासग—(फ) प्रताप युक्त, तेजस्वी। भारी भरकम, धीरवीर।

गरानी—(फ) मँहगी, महर्घता, तेजी, भारीपन।

गरा नुमाया—(फ) बहुमूल्य। प्रतिष्ठित। आदरणीय।

गराम—(अ) लालच, प्रेम, हिस, कष्ट।

गरामी—(फ) प्रतिष्ठित, माननीय, वयोवृद्ध।

गरायब—(फ) गरीब (अद्‌भुत वाचक) का बहु वचन। बहुत सी अनौखी चीजें।

गरायर—(अ) 'गरारा' का बहु वचन।

गरायश—(फ) इच्छा, प्रवृत्ति, मेल।

गरारा—(फ) ढीला ढाला (पाजामा) नाज की गोन, कुल्ला, गले में गरम पानी भर कर उसे सेंकने की क्रिया। अनुभव-हीनता।

गरीक—(अ) निमग्न, मग्न, डूबा हुआ।

गरीक रहमत—परमात्मा की दया में लीन, जिस पर ईश्वर की विशेष कृपा हो।

ग़रीज—(अ) स्वभाव, प्रकृति, सहिष्णुता, सहनशीलता।

ग़रीजी—(अ) स्वाभाविक, प्राकृतिक, कुदरती।

ग़रीब—(अ) कंगाल, सीधा, भोला, प्रवासी, मुसाफिर, अनौखा, विचित्र।

गरीब उलवतन—(अ) जो घरबार

छोड़कर विदेश में पड़ा हो। प्रवासी।

गरीब खाना—(मि०) मेरा मकान, अपना मकान, इस गरीब का घर। विनम्रता प्रकट करने के लिए अपने घर के सम्बन्ध में व्यवहृत होता है।

गरीब जादा—(मि०) मेरा लड़का, किसी का अपना लड़का। अपने लड़के के लिए बोला जाता है।

गरीब नवाज़—(मि०) गरीबों का पालन पोषण करने वाला, दीनों पर दया करने वाला।

गरीब परवर—(मि०) देखो "गरीब नवाज़"।

गरीबाना—(फ) गरीबों का सा।

गरीबी—(अ) निर्धनता, दीनता, नम्रता, भोलापन। प्रवास।

गरीर—(अ) अनुभवहीन युवक, सुशील।

गरीरी—(प) स्वाभाविक, असली। अकृत्रिम।

गरूब—(अ) सूर्य चन्द्रमा अथवा किसी तारे का अस्त होना।

गरूर—(अ) अभिमान, घमंड, छल कपट।

गरेबाँ / गरेबान—(फ) कुरते आदि का वह भाग जो गले में रहता है, गले रवाक, कण्ठ।

गरेव—(फ) कोलाहल, हल्ला गुल्ला।

गरोह—(प) समुदाय, झुंड, जत्था, टोली।

गर्क—(अ) डूबा हुआ, निमग्न, तल्लीन

गर्क —जलमग्न।

• —(प) धूल रज, रेणु, खाक। एक प्रकार का रेशमी कपड़ा।

गर्द आब—(प) पानी का भँवर।

गर्दखोर—(प) जो धूल मिट्टी पड़ने से जल्दी मैला या खराब न हो, धूल भक्षक।

गर्दन—(प) देखो "गरदन"।

गर्दयरवा—(प) धूलि धूसरित।

गर्दवाद—(प) चक्कर, वायुचक्र, हवा का बगूला।

गर्दिश—(प) देखो "गरदिश"।

गर्दिशे अय्याम—(प) कालचक्र, दिनों का फेर, विपत्ति के दिन।

गर्दू—(प) आकाश, गाड़ी, छकड़ा।

गर्व—(अ) देखो "गरब" पश्चिम।

गर्म—(म) देखो "गरम"।

गर्मी—(म) देखो "गरमी"।

ग़र्र—(अ) असावधान, अनुभव-हीन, घमड, तलवार की तेज़ी।
ग़र्रा—(अ) घमण्ड, शेख़ी।
गर्रा—(फ) शोर करने वाला, गुस्से से चीख़ने वाला। भयकर शब्द करने वाला।
ग़लग़ल—(फ) एक पक्षी विशेष, पक्षियों का कोलाहल।
गलगला—(फ) कोलाहल, चिल्ल-पुकार, शोरगुल।
गलत—(अ) जो ठीक न हो, भ्रम मूलक, झूठ, असत्य।
गलत इन्दराज—मिथ्यालेख।
ग़लत नामा—(फ) गलतियाँ की सूची, शुद्धि पत्र।
ग़लत फहमी—(मि०) भूल से कुछ का कुछ समझ लेना।
गलतबयानी—भ्रान्त वर्णन, मिथ्या कथन।
ग़लताँ—(फ) लुढ़कता हुआ। घूमा हुआ।
ग़लता व पेचाँ—विचार में निमग्न, सोच में डूबा हुआ।
ग़लता—(फ) एक प्रकार का मोटा रेशमी कपड़ा, तलवार रखने का म्यान।
ग़लताक़—(तु) कुरता।
ग़लती—(अ) भूल, चूक, भ्रान्ति, धोखा, अशुद्धि।
ग़लफ—(अ) किसी चीज़ पर गिलाफ चढ़ाना।
गलबा—(अ) आक्रमण, प्रभाव, बल, प्रधानता, अधिकता।
ग़लबात—(अ) गलबा का बहुवचन।
ग़लबाय—(अ) घने और आपस में मिले हुए वृक्षों का समुदाय। कुज। झुरमुट।
ग़लमत—(अ) तीव्र विषय वासना।
ग़लाज़त—(अ) मैला, विष्ठा, गन्दगी, मलिनता।
गलाला—(फ) घुँघराले बाल। जुल्फ
गलाला—(अ) सलूका मैलखोरा।
ग़लियान—(फ) हुक्का।
गलील—(अ) प्यास, तृषा।
गलीज—(अ) मलिन, गन्दा, अशुद्ध, मल, विष्टा, मोटा, दबीज, दलदार।
गलोल—(अ) गोली या ढेला फेंकने का एक कमानीदार यन्त्र, कमान, गिलोल, शीघ्र पच जाने वाला भोजन।
गलोला—(अ) गोली, गोला।
गल्बा—(अ) आक्रमण, हमला।
गल्ला—(फ) पशुओं का समूह, झुण्ड, रेवड़।
ग़ल्ला—(अ) अनाज, अन्न, फल

१०

फल आदि की उपज,वह धन जो दुकान पर नित्य की बिक्री से प्राप्त होता है। गोलक।
गल्लात—(अ) 'गल्ला' का बहुवचन
गल्लाबान / गल्लेबान—(फ) पशुओं का रेवड़ विशेष कर भेड़ों का चराने वाला, गड़रिया। समुदाय का रक्षक।
गल्लेबानी—(फ) भेड़ें चराना, पशु पालन। पशुओं का निरीक्षण।
गवार—(फ) सह्य।
गवारा—(फ) मन पसन्द, रुचि अनुकूल, स्वीकार करने योग्य।
गवारिश जवारिश—(फ) स्वादिष्ट औषधि।
गवाल—(फ) गौन, घोड़ गधों पर लादी जाने वाली।
गवाशी—(फ) गाशिया का बहुवचन।
गवाह—(फ) साक्षी।
गवाह चश्मदीद—प्रत्यक्ष दर्शी साक्षी, आँखों देखा गवाह।
गवाह सरकारी—राज साक्षी।
गव्वास—(अ) मोती निकालने के लिए गोता लगाने वाला।
गशा—(फ) प्रसन्न, भला, अच्छा।
ग़शा—(अ) मूर्च्छा, बेहोशी, अचेतना। मनोगत भाव के विरुद्ध कहना। असली चीज में नकली चीज मिलाना।
गशान—(फ) बहुतायत, प्रचुरता।
ग़शी—(अ) बेहोशी, मूर्छा, अचेतना।
गशनीज—(फ) धनियाँ
गशियान—(अ) मूर्छित होना।
गश्त—(फ) चक्कर लगाना, घूमना, सैर करना, भ्रमण, चौकसी के लिए घूमना।
गश्ता—(फ) भ्रमण किया हुआ, घूमा फिरा हुआ।
गश्ती—(फ) घूमने वाला, दौरा करने वाला, गश्त करने वाला, पहरा देने वाला, चलता।
गश्ती हुक्म—प्रसिद्धि पत्र, भ्रमण पत्रिका।
गश्शा—(अ) मनोभाव के विरुद्ध कहने वाला। असली चीज में नकली मिलाने वाला धूर्त, मक्कार, कुटिल।
गस—(अ) निर्बल, कमजोर, खराब। सड़ा गोश्त। पीव।
गसब—(अ) बलपूर्वक दूसरे की वस्तु ले लेना, छीनना, अपहरण करना, बेईमानी से किसी का धन खा जाना।
गसन—(अ) वृक्ष की शाखा।
गसियान / गसी—(अ) जी मचलाना।

गसूल—धोने या नहाने का पानी। सिर धोने की चीज मुल्तानी मिट्टी, खल, रीठा आदि।

गससाल—(अ) वह जो स्नान करता हो, नहाने वाला।

गह—(फ) स्थान, जगह, समय, वक़्त।

गहगीर—(फ) बदमाश घोड़ा जो सवारी न दे।

गहवारा—(फ) हिंडोला, पालना, झूला।

गाई—(अ) चरम सीमा, पराकाष्ठा।

गाज—(फ) कैंची, जिससे दिये का फूल कतरते हैं। हरी घास।

गाजजा—(फ) धोबी।

गाजरदार—(फ) कुश्ती का पेच, धोबी पाट।

गाजा—(फ) झूला।

गाजा—(फ) उबटन। एक प्रकार का सुगन्धित चूर्ण जो सुन्दरता बढ़ाने के लिए मुँह पर लगाया जाता है।

गाजी—(अ) धर्मयुद्ध में काफिरों का वध करने वाला। योद्धा, वीर, विजयी।

ग़ाजी—(फ) नट।

गाजी मर्द—(अ) ग़ाज़ी, घोड़ा।

ग़ाजी मियाँ—(अ) सुलतान महमूद के भतीजे सैयद सालार की उपाधि, मुसलमानों में इनकी बड़े वीरों के समान पूजा होती है।

गादिर—(अ) विश्वासघाती। बेवफा, प्रतिज्ञा पूरी न करने वाला।

गान } (फ) गुना, बार, जैसे
गाना } "दोगान" दुगुना या दोबार।

ग़ानी—(अ) धनी, अमीर। गायक योग्य, दण्डनीय।

गाफिर—(अ) छिपाने वाला, अपराध क्षमा करने वाला।

गाफिल—(अ) असावधान, अचेत, बेसुध, बेखबर।

गाब—(अ) जगल, वन। 'गाबा' का बहुवचन।

गाबिन—(अ) सुस्त का हल शिथल।

गाबिर—(अ) आने जाने वाला नष्ट होने वाला, अवशिष्ट।

गाबा—(अ) जगली, बनैला। जंगल, जमीन, नीची जगह।

गाबात—(अ) बहुत से जगल।

गाम—(फ) डग, पग, कदम। घोड़े की लगाम।

गायत—(अ) चरम, अत्यन्त, अधिक से अधिक, झंडा, उद्देश्य अभिप्राय।

गायब—(अ) छिपा हुआ, अनुपस्थित, गुप्त, अन्तर्धान। व्याकरण

में अन्य पुरुष अथवा वह व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में कुछ कहा जाय।

ग़ायबबाज—(फ) शतरंज का सिद्ध हस्त खिलाड़ी।

ग़ायबाना—(अ) पीठ पीछे, अनुपस्थिति में।

ग़ायर—(अ) बारीक, सूक्ष्म, नुकीली।

ग़ायस—(अ) डुबकी मारने वाला।

ग़ायी—(अ) आत्यन्तिक।

गार—(फ) करने वाला, कर्ता, जैसे "खिदमतगार" (सेवा करने वाला) योग्य, कारण। रोजगार, यादगार, । यथा आदि।

ग़ार—(अ) खोह, गुफा, कन्दरा, दरी, गहरा गढ़ा, जंगली जानवरों के रहने के गढ़े।

ग़ारत—(अ) नाश, संहार, लूटमार।

ग़ारतगर—(मि) लुटेरा, डाकू, विनाश करने वाला।

ग़ारिक—(अ) वह व्यक्ति जिसके सिर से पानी ऊँचा हो जाता है

ग़ारिश—(अ) माली, पेड़ लगाने वाला।

ग़ाल—(फ) कगनी अन्न। दुराई, धूर्तता।

ग़ालिब—(अ) बलिष्ठ, दूसरों को दबाने वाला, विजयी, जिसके होने की अधिक सम्भावना हो।

ग़ालिबआना—अविभूत करना।

ग़ालिबन—(अ) सम्भवत, बहुत मुमकिन है।

ग़ाली—(अ) महगा, चरम।

ग़ालीचा—(फ) एक प्रकार का बिछौना। गलीचा, कालीन।

गाव—(फ) गाय, बैल, साँड। एक प्रकार की सुराही।

गाव अम्बर—(फ) एक जलजन्तु, कहते हैं अम्बर इसी से पैदा होता है। वह धनी जिससे औरों को लाभ हो।

गाव आहन—(फ) हलकी फार।

गावकुशी—(फ) गोवध, गो हत्या।

गावखुर्द—(फ) विनष्ट, नष्ट भ्रष्ट, बरबाद।

गाव गरदूँ—(फ) वृषराशि।

गाव जबान—(फ) एक बूटी जो फारस देश में पैदा होती और दवा के काम आती है।

गावजमी—(फ) वह बैल जिसकी पीठ पर पृथ्वी है।

गाव तकिया—(फ) बड़ा तकिया जो महफ़िलों में फर्श पर लगाया जाता है, मसनद।

गावदी—(फ) मूर्ख, बेवकूफ।
गावदुम—(फ) जिसका बनाव गाय की पूँछ के समान चढाव उतार का हो, मिगुल नफीरी, तुरही।
गावदोश } (फ) दूध दुहने की गावदोशा } दुहनी।
गावमेश—(फ) भैंस, महिष।
गाव रस—(फ) बाजरा, चना।
गावरीश—(फ) मूर्ख, हँसोड़, लालची।
गावशीर—(फ) एक प्रकार का गोंद।
गायी—(अ) पथभ्रष्ट, गुमराह।
गाशिया—(अ) घोड़े का जीनपोश, पलान, दोजख की आग। कयामत। बेहोश करने वाली बीमारी, ढाँप लेने वाली।
गासिब—(अ) लूटने वाला, लुटेरा। दूसरे का अधिकार हड़प करने वाला।
गाह—(फ) स्थान, जगह, समय। खेमा, राजसिंहासन, जूए का दाव।
गाह गाह—(फ) कभी-कभी, यदा कदा, जब-तब।
गाह ब गाह—(फ) कभी-कभी, यदा कदा, जब तब।
गाहे ब गाहे—(फ) देखो "गाह गाह"
गिचक—(फ) सारंगी, बाजा विशेष।
गिजा—(अ) भोजन, खाद्य, पदार्थ, खाने को वस्तुएँ।
गिजाफ—(फ) व्यर्थ की बकवाद, झूठी शेखी, डींग।
गिजाल—(अ हिरन का बच्चा। सूर्य।
गिजाली—(अ) मुसलमानों का मशहूर तत्ववेत्ता।
गिजीदा—(फ) सांप बिच्छू आदि का काट खाया हुआ। दंशित।
गिज्जाल—(अ) रस्सी बेचने वाला।
गिज्जाला—(अ) हिरन का बच्चा जो मादा हो। सूर्य
गिमाद—(अ) मकान की छत।
गियाह—(फ) हरी घास।
गिरच—(अ) चूना इमारत में काम आने वाला।
गिरदा—(फ) गोल तकिया, गेंदुआ। एक प्रकार का पकवान, गोल टिकिया, चक, गोलाकार थाली, तश्तरी, दरी का गोल टुकड़ा जो हुक्के के नीचे फर्श पर बिछाया जाता है।
गिरदाब—(फ) पानी का भँवर।
गिरदावर—(फ) घूमने वाला, जगह-जगह जाकर काम की जाँच करने वाला। निरीक्षक, शासक।

गिरदावरी—(फ) गिरदावर का काम या पद।

गिरफ्त—(फ) पकड़ना, पकड़, कोई आपत्तिजनक बात। गप, झूठ, ताना।

गिरफ्ता—(फ) पकड़ा हुआ, फँसा हुआ।

गिरिफ्ताज़न—(फ) ताना देने वाला मिथ्याभाषी, बकवादी।

गिरफ्तार—(फ) पकड़ा हुआ, फँसा हुआ, बाँधा हुआ, ग्रस्त हुआ।

गिरफ्तारी—(फ) पकड़ना, गिरफ्तार करना। बन्दीकरण।

गिरव—(फ) गिरवी, रहन, शर्त, कैद।

गिरवी—(फ) बंधक रक्खा हुआ, रेहन रक्खा हुआ।

गिरवीदा—(फ) आकर्षित, मुग्ध, प्रवृत्त, आसक्त।

गिरवीदार—गहना रखने वाला।

गिरह—(फ) गाँठ, ग्रंथि, दो पोरों के जोड़ की जगह, गज का सोलहवाँ भाग, जेब, सीमा। कलामुण्डी, कला बाजी।

गिरहकट—(मि०) गँठकटा, जेब-कतरा।

गिरहदार—(फ) गाँठ दार, गँठीला, जिसमें गाँठें हों।

गिरह पर गिरह—(फ) दुःख पर दुःख, शोक पर शोक, चिन्ता पर चिन्ता।

गिरहबाज—(फ) उड़ते उड़ते कला मुण्डी खाने वाला कबूतर।

गिराँ—(फ) महँगा। महर्घ।

गिराज़ा—(फ) इठला कर चलने वाला।

गिरानी—(फ) देखो "गरानी"

गिरामी—(फ) देखो "गरामी"

गिरिया—(फ) रोना, रोदन, रुला।

गिरियाँ—(फ) रोने वाला, रोता हुआ।

गिरो—(फ) बंधक, गिरवी, रेहन, शर्त।

गिरोह—टोली, झुण्ड, समुदाय।

गिरही कुनिन्दा—गहना रख देने वाला।

गिर्द—(फ) चहुँ ओर, आस-पास, चारों तरफ।

गिर्दबाद—(फ) देखो "गिरदाब"।

गिर्दक—(फ) खेमा, पहेली।

गिर्दगान—(फ) अखरोट।

गिर्द बालिश—(फ) लम्बा और गोल तकिया, मसनद गाव तकिया।

गिर्दबुर—(फ) बढ़ई का बरमा,

गिर्दागिर्द—(फ) चारों ओर, चारों तरफ, सर्वत्र।

गिर्दावर—(फ) देखो "गिरदावर"।

गिर्दोनवाह—आस-पास के स्थान समीपवर्ती।

गिल—(फ) मिट्टी। पानी में सनी हुई मिट्टी।

गिलकार—(फ) मिट्टी का पलस्तर करने वाला।

गिल्ला, गिलमान—(अ) गुलाम का बहु वचन, बहुत से दास, वे सुन्दर लड़के जो बहिश्त में सेवा शुश्रूषा करने के लिए रहते हैं।

गिलमाला—(फ) 'करनी' जिससे राज दीवारों पर चूना या गारा लगाते हैं।

गिला—(फ) शिकायत, उलाहना, निंदा।

ग़िलाज़त—(अ) मलिनता, गन्दगी, मैला, विष्टा, स्थूलता, कड़ा पन।

ग़िलाफ़—(अ) तकिया अथवा लिहाफ आदि पर चढ़ाने का खोल, खोली। घड़ी रजाई तलवार का म्यान।

गिलावा—(फ) पानी में घुली हुई मिट्टी जिससे दीवार बनाते हैं। गारा।

गिली—(फ) मिट्टी से बना हुआ, मिट्टी की चीज़।

गिलीम—(फ) कम्मल, कमली, ऊनी झगला।

गिले हिकमत—(फ) दवा आदि बनाने के लिए, शीशी को आग पर चढाने से पूर्व उस पर कपड़ा और मिट्टी लपेटना, कपरोटी करना।

गिलोला—(फ) देखो "गलोला"।

गिल्ल—(अ) कीना, मनामालिन्य।

ग़िश—(अ) बुराइ, दोप, खोटापन।

गिसल—(अ) नहाने या धोने का पानी।

ग़िसाय—(अ) पर्दा, सूक्ष्म आवरण, झिल्ली।

गीं—(फ) यह शब्दों के अन्त में लग कर युक्त, भरा हुआ आदि अर्थ देता है।

गीती—(फ) विश्व, संसार, दुनिया।

गीदी—(फ) भीरु, डरपोक, कायर, मूर्ख, निर्लज, नपुंसक।

गीं, गीन—(फ) भरा हुआ, पूर्ण। ईश्वर, स्वामी।

गीबत—(अ) पीठ पीछे निन्दा करना, चुगली खाना।

गीबा—(फ) तीरों का तरकश।

गीर—(फ) पकड़ने वाला, लेने वाला, रखने वाला।

गुंग—(फ) गूंगापन, मूकता, गूंगा, मूक।

गुंचा—(अ) कली, कलिका, बिना खिला फूल, अविकसित प्रसून।

गुंचा बार—(मि०) कलियाँ वर साने वाली।

गुंजा—(फ) बिना खिला फूल, अविकसित प्रसून, कली, कलिका।

गुंजा आब—(फ) पानी का बुलबुला।

गुंजाइश—(फ) अवकाश, स्थान, समाने की जगह, समाई, सुभीता।

गुंजान—(फ) सघन, घना।

गुजर—(फ) मार्ग, निकास, साधन, पहुँच, पैठ, प्रवेश, गति, निर्वाह,

गुजरगाह घाटी—(फ) रास्ता, मार्ग, पथ।

गुजरना—(फ) बीतना, व्यतीत होना, घटना, पेश होना, उपस्थित होना, पहुँचना।

गुजरनामा—(फ) मार्ग का आज्ञा पत्र।

गुजरबसर—(फ) निर्वाह, काल क्षेप।

गुजरबान—(फ) मार्ग-रक्षक।

गुजरान—(फ) गुज़रती हुए, खर्च करती हुए। निर्वाह।

गुजरानना—प्रस्तुत करना, ले आना।

गुजरी—(फ) वह बाज़ार जो तीसरे पहर सड़क के किनारे लगता है।

गुजश्ता—(फ) बीता हुआ, भूत, गत, व्यतीत, पिछला, गुज़रा हुआ।

गुजात—(अ) 'गाज़ी' का बहुवचन।

गुजाफ़—(फ) बेन्गी बातें, वाहियात बातें।

गुजार—(फ) मार्ग, रास्ता, देने वाला, जैसे मालगुज़ार, खिदमत गुज़ार।

गुजारना—(फ) काटना, बिताना, पहुँचाना, उपस्थित करना।

गुजारा—(फ) निर्वाह, गुज़र, जीवन निर्वाह के लिए दी जाने वाली वृत्ति, महसूल वसूल करने की जगह। असीम बहुत।

गुजारिश—(फ) निवेदन, प्रार्थना, अभ्यर्थना। देना, अदा करना।

गुजाश्त—(फ) दान की हुई या माफी की ज़मीन, बयाने या

निकालने की क्रिया ।

गुजिश्ता—(फ) पिछला, बीता, गत ।

गुजीं—(फ) चुना हुआ, पसन्द किया हुआ । उत्कृष्ट, श्रेष्ठ ।

गुजीर—(फ) छुटकारा, बचाव, वश, उपाय, साधन ।

गुदड़ी—(फ) वह बाज़ार जो दोपहर बाद सड़कों के इधर-उधर लगता है ।

गुदाज—(फ) पिघलने वाला, द्रवित होने वाला, दयार्द्र कोमल, (हृदय), मोटा पिलपिला,

गुदाजिश—(फ) पिघलाहट, गलना,

गुदगुदा, दबीज—पिघलाने या द्रवित करने वाला, जैसे दिल गुदाज—हृदय द्रावक ।

गुदूद—(अ) गिलटी ।

गुनचगी—(फ) खिलने की क्रिया, खिलना ।

गुनचा } (फ) देखो "गु चा"
गुनजा } (फ)

गुनचा दहन—(फ) गुलाब की कली सदृश सुन्दर मुख वाला ।

गुनह—(फ) पाप, अपराध, दोष, कुसूर ।

गुनहगार—(फ) पापी, अपराधी, दोषी ।

गुनाह—(फ) देखो "गुनह" ।

गुनाहगार—देखो "गुनहगार" ।

गुनाह बे-लज्जत—ऐसा दुष्कर्म करना जिससे कुछ भी लाभ न हो ।

गुनिया—(फ) लकड़ी या लोहे का बना एक औज़ार जिससे किसी चीज का कोना नापते हैं ।

गु जायश—(फ) समायी, आस्था ।

गुन्दबीर—(फ) अति वृद्ध स्त्री ।

गुन्ना—(अ) अनुस्वार, अनुनासिक, नाक में होकर बोला जाने वाला ।

गुफ्त—(फ) कहा हुआ, कहा गया ।

गुफ्तगू—(फ) बात चीत, वार्तालाप, सम्भाषण ।

गुफ्त व शुनीद—बात-चीत, सम्भाषण, वार्तालाप ।

गुफ्ता—(फ) देखो "गुफ्त"

गुफ्तार—(फ) कहा हुआ, कहा गया ।

गुब्ब—(अ) बहुत लहर लेने वाली नदी ।

गुब्बार—(अ) धूल मिली हुई हवा, गर्द, मनमें दबाया हुआ क्रोध या दु ख ।

गुबारा—(अ) कागज़ आदि का बना वह थैला जिसमें गरम हवा भर के आकाश में उड़ाते हैं,

गुब्बारा ।

गुम—(फ) खोया हुआ, छिपा हुआ । अप्रसिद्ध, गुप्त ।

गुम गश्ता—(फ) खोया हुआ ।

गुमज़दा—(फ) भूला भटका, खोया हुआ ।

गुमनाम—(फ) नामरहित । जिस पर किसी का नाम न हो, जिसका नाम किसी को मालूम न हो ।

गुमबूदगी—(फ) दूर जाना । भय खाना ।

गुमराह—(फ) जो रास्ता भूल गया हो, पथ-भ्रष्ट ।

गुमराह करना—भुलावा देना ।

गुमराही—(फ) पथ भ्रष्टता, मार्ग भूलना ।

गुमशुदा—(फ) खोया हुआ, भटका हुआ ।

गुमान—(फ) सन्देह, शंका, अनुमान, अहंकार ।

गुमानी—(फ) अभिमानी, अहंकारी ।

गुमाश्ता—(फ) प्रतिनिधि, मुनीम, कारिन्दा ।

गुम्बद—(फ) गोलाकार और ऊँची छत, नितम्ब, चूतड़ ।

गुम्बदे चार मन्द—(फ) संसार ।

गुम्बदे लज गश्त—(फ) आकाश, आसमान ।

गुम्बदे आब—(फ) पानी का बुलबुला, जल बुद्बुद ।

गुम्मा—(अ) शोक, दुःख । गुप्त । छिद्र ।

गुर—(अ) प्रसिद्ध लोग, बड़े आदमी ।

गुम्बदे लाजवर्दी—(फ) आकाश मण्डल, आसमान ।

गुरज—एक देश विशेष ।

गुरजी—(फ) गुरज (जार्जिया) देश का निवासी । कुत्ता, सेवक ।

गुरदन—(फ) मल्ल, पहलवान, वीर, बली ।

गुरदा—(फ) शरीर के भीतर का का एक अंग । वृक्क । हिम्मत, साहस ।

गुरफ़—(अ) गुरफा का बहुवचन ।

गुरफा—(अ) छत के ऊपर बना हुआ कमरा, अट्टा, अटारी, बंगला, खिड़की दरीचा, चुल्लू भर पानी ।

गुरफिस—डराना, धमकाना ।

गुरब—(अ) विदेश में होना, प्रवास । आश्चर्य जनक ।

गुरबत—(अ) विदेश का निवास, प्रवास । निर्धनता ।

गुरबा—(फ) बिल्ली ।

गुरबागूं—(फ) धूर्त मक्कार ।

गुरबा—(अ) 'गरीब' का बहुवचन ।

गुरबुज—(फ) धूर्त, मक्कार, छद्मवेशी।
गुरस—भूख।
गुरसना—(फ) भूखा।
गुरसना चश्म—(फ) कंजूस, लालची।
गुरसगी—(फ) भूख, क्षुधा।
गुराब—(अ) कौआ, एक प्रकार की नाव।
गुराजी—(फ) साहस, वीरता।
गुरूगार—(फ) परमात्मा, इच्छा पूर्ति करने वाला।
गुरूब—(अ) देखो 'गरूब'
गुरूर—( ) देखो "गरूर"
गुरेज—(फ) भागना, दूर रहना, घृणा करना, बचना, टालमटोल करना। कविता में एक विषय छोड़ कर दूसरे विषय का वर्णन करने लगना।
गुरेज पा—(फ) भगोड़, बार-बार भाग जाने वाला।
गुर्ग—(फ) भेड़िया, शृगाल।
गुर्ज—(फ) मोटा सोंटा, गदा।
गुर्दा—(फ) देखो 'गुरदा"।
गुर्रा—(अ) घोड़े के माथे पर का सफेद दाग, मुसलमानों के महीने की पहली तारीख, उपवास, श्रेष्ठ वस्तु। सरदार।
गुर्रा बताना—किसी याचक को बिना कुछ दिये टाल देना।
गुल—(फ) फूल, गुलाब का फूल, दीपक की बत्ती का जला हुआ भाग, जला हुआ तम्बाकू जो हुक्का पीने के बाद चिलम में हो जाता है। बुझाता, जलता हुआ अँगारा। पशुओं के शरीर पर रंगीन दाग, परिणाम। गुल जब अकेला आता है तो इसका अर्थ गुलाब का फूल होता है। किसी वृक्ष या पौदे के साथ सम्बन्धित होने पर उस फूलों से अभिप्राय होता है। जैसे गुले नबूना, बाबून के फूल।
गुल—(अ) हल्ला, शोर, कोलाहल।
गुल अन्दाम—(अ) सुकुमार, जिसका शरीर फूल जैसा कोमल हो।
गुलअब्बास —(मि) गुलाब बाँस या गुले बाँस नाम से प्रसिद्ध एक पौधा, जिसमें लाल अथवा पीले रंग के फूल लगते हैं।
गुलक, गलक—(अ) पैसे डालने की गोलक। जिसका मुँह दरवाजा बन्द हो।
गुलकदा—(फ) बाग पुष्प वाटिका।
गुलकन्द—(फ) गुलाब के फूल और खाँड मिलाकर बनाई गई एक

दवा । माशूक के ओठ ।

गुलकर्द—(फ) प्रकट हुआ । प्रकाशित ।

गुलकारी—(फ) किसी चीज पर बेल-बूटे काढना या खोदना ।

गुलखन—(अ) भाड़ भट्ठी । कूड़ा-करकट डालने की जगह ।

गुलखाना—(मि) बाग ।

गुलखिलना—किसी बात का रहस्य खुलना, अद्भुत घटना होना ।

गुलगश्त—(फ) सैर, फूलबाग की सैर ।

गुलगी—(फ) दीपक की गुल या लालटेन आदि की बत्ती काटने की कैंची ।

गुलगूँ—(फ) गुलाबी, गुलाब के रंग का, लाल रंग । बढ़िया घोड़ा ।

गुलगूना } गुल गुंघा } (फ) एक प्रकार का रंगीन चूर्ण जिसे स्त्रियाँ सौन्दर्य वृद्धि के लिए अपने चेहरों पर मलती हैं । पौडर ।

गुल चका—(फ) फूल बरसाने वाला

गुल चहर—(फ) जिसका चेहरा गुलाब के फूल जैसा सुन्दर हो ।

गुलचीं—(फ) फूल चुनने वाला । माली, तमाशा देखने वाला । दर्शक ।

गुलजार—(फ) हरा-भरा, शोभा और आनन्दयुक्त, वाटिका, उद्यान, बाग ।

गुलदस्ताँ—(फ) पुष्पस्तवक, फूलों और पत्तियों का सुन्दरता से बाँधा गया मूठा ।

गुलदान—(फ) फूल रखने का पात्र ।

गुलदार—(फ) एक प्रकार का कशीदे का काम, एक जाति का सफेद कबूतर ।

गुलदुम—(फ) बुलबुल नामक पक्षी ।

गुलनार—(फ) एक प्रकार का अनार का पौधा, जिस पर गुलाब का सा बड़ा फूल आता है, फल नहीं, आता । अनार का फूल । अनार के फूल का-सा लाल रंग ।

गुलफाम—(फ) गुलाब के फूल का सा रंग । अत्यन्त सुन्दर । माशूक ।

गुलीफशा—(फ) फुलझड़ी नामक आतिशबाजी ।

गुलबकावली—(मि०) हलदी की जाति का एक पौधा जिसमें सफेद रंग के अत्यन्त सुन्दर और सुगन्धित फूल लगते हैं ।

गुलबदन—(फ) अत्यन्त सुन्दरी, जिसका शरीर गुलाब के फूल जैसा सुन्दर और कोमल हो एक प्रकार का रेशमी कपड़ा।

गुलबन—(फ) गुलाब का पौधा।

गुलबर्ग—(फ) गुलाब के फूल की पखड़ियाँ, गुलाब की पत्तियाँ। माशूक के ओठ।

गुलबाजी—(फ) फूल फेंकना या फूलों से खेलना।

गुल मेख—(फ) फूलदार कील, वह कील जिसके सिरे पर गल फूल सा होता है।

गुलरुख—(फ) जिसका मुख गुलाब के फूल जैसा हो, बहुत सुन्दर।

गुलरू—(फ) देखो "गुलरुख"

गुलरेज़—(फ) फुलझड़ी नाम की आतिश बाज़ी, गुलफिशाँ।

गुललाला—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक पौधा, उक्त पौधे का फूल।

गुलशकर—(फ) गुलकंद।

गुलशकरी—(फ) एक प्रकार का हलवा।

गुलशगुफ़—भेद खुलना, आश्चर्य जनक रहस्य प्रकट होना।

गुलशन—(फ) पुष्पवाटिका, उद्यान, बाग।

गुलशने आलम—(फ) विश्व वाटिका।

गुल शब्बो—(फ) रजनी गन्धा, सुगंधिराज, सुगंधरा।

गुलानी—(फ) फूल बेचने वाला। माली।

गुलाब / गुलाव—(फ) एक प्रकार के सुन्दर सुगन्धित फूल। गलाब जल, आँसू, माशूक के गालों का पसीना।

गुलाब गुलगूँ—(फ) सुर्ख रंग की शराब।

गुलाब पाश—(फ) सुराही के आकार का एक पात्र जिसमें भरकर गुलाब जल छिड़का जाता है।

गुलाब पाशी—(फ) गुलाब जल छिड़कना।

गुलाबी—(फ) गुलाब का, गुलाब सम्बन्धी, गुलाब के रंग का। शराब की छोटे, गोल, रंगीन और सुचित्रित बोतल। एक प्रकार का अमरूद।

गुलाबे गुलगूँ—(फ) लाल रंग की शराब।

गुलाम—(अ) मोल लिया हुआ सेवक, क्रीत दास, नौकर, सेवक। लड़का।

गुलाम गरदिश—(मि०) मकानों में दरवाज़े के सामने बनी हुई

सहित ।

गूँ } (फ)—रंग, प्रकार, वर्ग

गून } (फ)—(फ) गची-(क) छोटा

गूना—(फ) प्रकार, भेद, भाँति, तरह, रंग वर्ण, रंग ढंग ।

गूनागूँ—(फ) रंग बिरंगा, अनेक रंगों का, भाँत भाँति का ।

गूल—(तु) पानी की छोटी नाली जिसके द्वारा खेतों में पानी पहुँचता है । छोटा तालाब ।

गूल—(अ) एक प्रकार के देव जो जंगल में रहते हैं, वन-देव ।

गूले बियाबानी—(अ) देखो "गूल" ।

गेती—(फ) संसार, विश्व, दुनिया, धरती ।

गेती आरा—(मि०) संसार की शोभा बढ़ाने वाला ।

गेसू—(फ) लम्बे बाल, जुल्फें, अलकें, बालों की लटें ।

गेसूदार—(फ) दाढ़ी पुत्र, पुच्छल तारा ।

गेसूबुरीदा—(फ) निर्लज्ज स्त्री ।

गेज—(अ) भीषण क्रोध, बहुत भारी गुस्सा । कली ।

गैज - (फ) इमारत का चूना ।

गैजो गज़ब—(अ) क्रोध, कोप ।

गैन—(अ) बादल प्यास, अंधेरी । बुलबुल ।

गैब—(अ) परोक्ष, अदृश्य, अनुपस्थित, अदृश्य लोक, पर लोक ।

गैबदाँ—(मि०) परोक्ष की बात जानने वाला, अदृश्य लोक की जानकारी रखने वाला ।

गैबानी—(अ) भयानक संकट, विपत्ति, दुश्चरित्रा स्त्री, निर्लज्ज या बेशर्म औरत ।

गैबी—(अ) परोक्ष सम्बन्धी, अज्ञात ।

गैर—(अ) अन्य, भिन्न, दूसरा, पराया, अजनबी, विरुद्ध, नहीं ।

गैर असालब—असम्भाव्य ।

गैर अहम—महत्त्वहीन ।

गैर आबाद—(मि०) वह स्थान जहाँ कोई बसा न हो, आबाद नहीं, वह खेत जिसमें कुछ बोया न गया हो ।

गैर काफ़ी—अपर्याप्त ।

गैर जरूरी—अनावश्यक

गैरत—(अ) लज्जा, संकोच, शर्म, दया ।

गैर फ़ानी—(मि०) अमर, अविनाशी ।

गैरत मन्द—(मि०) संकोच शील, लज्जालु, हयादार ।

गैर तरफदार—निष्पक्ष ।

ग़ैर तरफ़दारी—निष्पक्षता ।
ग़ैर ताल्लुक—तटस्थ, असम्बद्ध ।
ग़ैर मनक़ूला—(अ) अचल, स्थिर, स्थावर, वह जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर न ले जाया जा सके ।
ग़ैर मतनाही—(अ) असीम। बेहद ।
ग़ैर मनक़ूहा—(अ) स्त्री जो बिना विवाह किये वैसे ही रख ली हो, रखेली, उपपत्नी, प्रेमिका ।
ग़ैर मशरूत—प्रतिबन्ध-रहित ।
ग़ैर महदूद—असीमित ।
ग़ैर माद्दी—अस्पर्शनीय ।
ग़ैर मामूल—(अ) असाधारण, खास, विशेष ।
ग़ैर मामूली—(अ) असाधारण ।
ग़ैर मुअय्यन—अनिश्चित ।
ग़ैर मुअस्सिर—प्रभावहीन ।
ग़ैर मुकर्रर—(फ) अपरिचित व्यक्ति, अजनबी ।
ग़ैर मुकम्मिल—अपूर्ण ।
ग़ैर मुताल्लिक—असम्बद्ध, असंगत ।
ग़ैर मुतास्सिब—निष्पक्ष, तटस्थ ।
ग़ैर मुतनाकिज़—अनुरूप ।
ग़ैर मुतनाज़ा—निर्विवाद ।
ग़ैर मक़ूयी—(अ) असभ्य, अयोग्य, झूठ, असत्य ।
ग़ैर मुनक़सिमा—अविभक्त ।
ग़ैर मुल्क़ी—विदेशी ।
ग़ैर मुसलसिल—अक्रमबद्ध, शृङ्खला हीन ।
ग़ैर मुशख्खसा—राजस्व मुक्त ।
ग़ैर सही उलनसब—जारज ।
ग़ैर साबित—प्रसिद्ध ।
ग़ैर मुनासिब—(अ) अनुचित, जो ठीक न हो ।
ग़ैर मुमकिन—(अ) जो मुमकिन न हो। असम्भव ।
ग़ैर मुमकिन आराज़ी—(अ) कृषि अयोग्य भूमि ।
ग़ैर वाक़ा—(अ) असत्य, झूठ, मिथ्या, लोकविरुद्ध ।
ग़ैर वाजिब—(अ) जो ठीक न हो, अयोग्य, अनुचित ।
ग़ैर सरकारी—जो सरकारी न हो, अशासकीय ।
ग़ैर हाज़िर—(अ) जो मौजूद न हो, अनुपस्थित ।
ग़ैर हाज़िरी—(अ) अनुपस्थिति ।
ग़ैहान—(फ) संसार ।
गो—(फ) यद्यपि, कहने वाला, जैसे "बदगो" बुरी बात कहने वाला बुराई करने वाला । गाय, बैल, साँड़ । गदा, वीर, बहादुर, बुजुर्ग ।

गोइन्दा—(फ) बोलने वाला, कहने वाला। गुप्तचर।
गोई—(फ) कहना, कथन, जैसे पेशीन गोई=आगे की बात कहना, भविष्य-कथन।
गोची—(फ) छोटा गढ़ा जो बच्चे खेलने के लिए खोद लेते हैं, गुच्ची।
गोज़—(फ) अपान वायु, पाद, चिल गोज़ा नामक मेवा,
गोज़न—(फ) बारह सिंगा।
ग़ोता—(अ) पानी में डूबना, डुबकी लगाना।
ग़ोता खाना—(मि) धोखे में आजाना, ठगाजाना।
ग़ोता ख़ोर—(मि०) गोता लगाने वाला, पनडुब्बा, डुबकी मारने वाला, एक प्रकार की आतिश बाज़ी।
ग़ोता मारना—बीच-बीच में अनुप स्थित रहना, ग़ोता लगाना।
गो म गो—(फ) दुविधा, असमंजस, गोलमाल बात, जिसका भाव स्पष्ट न हो, जिसका न कहना ही अच्छा हो।
गोय—(फ) घुण्डी। सूर्य
गोयन्दा—(फ) देखो "गोइन्दा"।
गोया—(फ) मानो, बोलने वाला, बोलता हुआ।
गोयाई—(फ) बोलने की सामर्थ्य, वक्तृत्व शक्ति।
गोर—(फ) कब्र, समाधि। है जंगल, गोर खर। सुख-चैन।
ग़ोर—(फ) कंधार के पास के एक प्रान्त का नाम।
गोर कफ़न—(फ) कब्र खोदने वाला। बिज्जू नाम का एक जानवर।
गोर } (फ)
गोरख़र } (अ) गधे की जाति का एक जंगली जानवर। जंगली गधा।
गोर गान—(फ) बादशाह, सुख चैन भोगने योग्य।
गोरिस्तान—(फ) वह जगह जहाँ बहुत सी कब्रें हों, कब्रिस्तान।
ग़ोरी—(फ) गोर देश का रहने वाला छोटी थाली, तश्तरी, रिकाबी।
गोरे गरीबाँ—(मि०) वह स्थान जहाँ विदेशियों अथवा ग़रीबों के मुर्दे गाड़े जाते हों।
गोल—(अ) समुदाय, समूह सेना।
गोलक—(फ) वह सन्दूकची जिसमें धन संग्रह किया जाय, गोलक, गल्ला, गुल्लक।
गोला—(फ) तोप का गोला, कोना।

गोश—(फ) कान, कर्ण। मुसलमानों के हर महीने की चौदहवीं तारीख़।

गोशतागोश—(फ) इस सिरे से उस सिरे तक।

गोश गराँ—(फ) बहुत ऊँचा सुनने वाला, बहरा।

गोशमाल—(फ) कान मलने वाला, ताड़ना करनेवाला, कान मलना।

गोशमाली—(फ) कान मलना, कान खींचना, ताड़ना देना।

गोशमाही—(फ) सीप, प्याला।

गोशवारी—(फ) हिसाब सम्बन्धी एक कागज जिसमें संक्षेप रूप से प्रत्येक मद का जमा खर्च लिखा होता है। कान में पहनने का एक गहना। मकते के बाद आने वाला मतला।

गोशा—(फ) कोना, एकान्त, भीतरी मकान, मकान के दोनों सिरे जिन पर डोरी बाँधी जाती है।

गोशा नशीन—(फ) एकान्तवास करनेवाला, अकेले में रहनेवाला, पर्दे में रहने वाली स्त्रियाँ।

गोश्त—(फ) मांस।

गोश्तखोर / **गोश्तख्वार** } (फ) मांस खाने वाला, आमिषभोजी

गोश्त खर—(फ) ऐसी निकृष्ट वस्तु जो किसी काम में न आवे।

गोस्मन्द / **गोस्फन्द** } (फ) भेड़, बकरी।

गौगा—(फ) कोलाहल, शोर, जन-समुदाय, टिड्डीदल।

गौगाई—(फ) हल्ला-गुल्ला मचाने वाला, मिथ्या, झूठी।

गौप—(फ) बातचीत, गद्य।

गौर—(अ) गम्भीर विचार, ध्यान, गहराई, पहुँचाना।

गौर तलब—(अ) ध्यान देने योग्य, विचारणीय।

गौर परदाख्त—देखरेख, पालन-पोषण।

गौवास—(अ) पनडुब्बा, गोताखोर।

गौवासी—(अ) गोताखोर का पेशा पनडुब्बापन, गोताखोरी।

गौस—(अ) पुकार, फरियाद, गुहार, मुसलमान फकीरों की एक उपाधि।

गौहर—(फ) मोती, जवाहिरात, रत्न, किसी चीज़ का सत्व या सार, बुद्धिमानी समझदारी किसी चीज की प्रकृति। वास्तविकता छिपे हुये गुण, पुत्र।

गौहर आमा—(फ) मोती पिरोने वाला।

गौहर पसन्द—(फ) कविता का आदर करने वाला।

गौहर फरोश—(फ) मोती या रत्न

बेचने वाला, जौहरी, कवि ।

गौहर सज—(फ) रत्नों की परीक्षा करने वाला, जौहरी, समीक्षा या समालोचना करने वाला, समीक्षक, समालोचक । कवि ।

गौहरी—(फ) देखो "जौहरी,"

च

चग—(फ) एक बाजा जो खजड़ी से बड़ा और डफ से छोटा होता है, हाथी के हाँकने का अंकुश, बड़ी पतंग, गुड्डी, पतंग ।

चग पर चढाना—किसी को बहका फुसलाकर उत्तेजित करना, बातें बना कर कोई काम करने के लिए उद्यत कर देना । मिजाज बढा देना

चगुल—(फ) आदमी या जानवर का पंजा, पंजे की वह मुद्रा जो किसी चीज़ को पकड़ने या उठाने के समय होती है ।

चगुल में फंसना—काबू में हो जाना ।

चक—(फ) घरों या खेतों की हद, सीमा, एक सिलसिला या एक घेरा ।

चक़मक़—(फ) एक प्रकार का पत्थर जिसे लोहे पर मारकर आग पैदा करते हैं ।

चक़माक़—(फ) देखो "चकमक" ।

चका चक—(फ) भरपूर, यथेष्ट ।

चकान—(फ) बरसाने वाला ।

चख—(फ) लडाई झगडा, कोलाहल शोर, वैमनस्य, द्वेष ।

चखचख—(प) विवाद, कहासुनी, लडाई झगडा, बुरा, दुष्ट, खराब

चतर—(फ) छाता, छतरी, छत्र ।

चनार—(फ) एक वृक्ष विशेष जिसके पत्तों से मेंहदी लगे हुए हाथों की उपमा देते हैं ।

चन्द—(फ) कुछ, कतिपय, थोड़े से

चन्दगाह—(फ) अनेक बार, कई दफ़ा ।

चन्दरोज़ा—(फ) अस्थायी, थोड़े दिनों के लिए।

चन्दल—(फ) एक सुगन्धित लकड़ी, चन्दन ।

चन्दाँ—(फ) इस कदर, इतनी मात्रा में, इतनी देर ।

चन्दा—(फ) वह धन जो किसी काम के लिए बहुत से आदमियों से इकट्ठा किया जाय । किसी अखबार या पुस्तक का वार्षिक मूल्य ।

चन्दाल—(फ) चाण्डाल, भंगी, चूहड़ा ।

चन्दावल—(फ) सेना की रक्षा के लिए उसके पीछे-पीछे चलने वाली सेना की टुकड़ी। फौज का पिछला भाग सेना के अगले भाग को हरावल कहते हैं।

चन्दे—(फ) थोड़ा-सा, थोड़ी देर।

चप—(फ) बायाँ, वाम, दाहिने का उलटा। अभाग्य का सूचक।

चपकन—(फ) एक प्रकार का अंगरखा।

चपकलश—(तु०) खड्ग युद्ध सेना, समुदाय, भीड़, जन समूह, कठिनता, असमंजस, कोलाहल, हल्ला-गुल्ला।

चपकुलिश—(तु०) देखो "चपकलश"।

चपरास—(फ) किसी धातु की बनी हुई पट्टी जिसे चौकीदार अरदली वगैरह पेटी अथवा परतल्ले में लगाये रहते हैं। इस पट्टी पर उस विभाग या दफ़्तर के नाम आदि खुदे रहते हैं, जिसमें वह आदमी काम करता है, बिल्ला, बैज।

चपरासी—(फ) वह नौकर जो चपरास पहने हुये हो। अरदली, प्यादा।

चप व रास्त—(फ) बायाँ और दाहिना, बाएँ और दाहिने।

चपाती—(फ) हाथ से बनाई गई पतली रोटी, फुलका।

चमचा—(तु०) एक प्रसिद्ध वर्तन जो दाल शाकआदि चलाने व परसने के काम आता है, कलछी, चम्मच, चिमटा।

चमन—(फ) पुष्पवाटिका, फुलवारी, हरी भरी क्यारी, छोटा बगीचा, मनोरम स्थान।

चम्बर—(फ) चिलम के ऊपर का ढकना, चिलम पोश।

चरख—(फ) आकाश, आसमान, घूमने वाला, गोलचक्कर, मेले, तमाशों में जिस पर बैठ कर झूलते हैं, कुम्हार का चाक, सूत कातने का चरख़ा, खराद, एक शिकारी पक्षी, वह गाड़ी जिस पर तोप रक्खी रहती है, रस्सी का बना गोफन जिसमें ढेला रखकर और घुमा कर फेंका जाता है।

चरखा—लकड़ी का बना एक यन्त्र जिसके द्वारा रुई ऊन आदि का सूत काता जाता है, रहँटा, रहँट नामक यन्त्र जिसके द्वारा कूएँ से पानी निकाला जाता है। पहिया पर रक्खा हुआ गाड़ी का

चौखटा मात्र जो नये घोड़े या बैल सिखाने के काम में आता है, खड़ खड़िया। भौंड़ी शक्ल का बड़ा पहिया, झगड़े बखेड़े का काम, सूत की अँटिया बनाने की चरखी।

चरख़ी—(फ) रुई-कपास ओटकर रुई और बिनाला अलग अलग करने का यन्त्र, ओटनी, बेलनी, गन्ने से रस निकालने का छोटा यन्त्र जो हाथ से चलाया जाता है, सूत या रील लपेटने की फिरकी। गिरी, गराड़ी, एक प्रकार की आतिशबाजी।

चरपूच—(फ) अत्यन्त नीचे दर्जे का, तुच्छ, हलका, निम्न श्रेणी का, मूर्ख।

चरब—(फ) आतंक या प्रभाव जमाना, असर डालना, ग़ालिब होना, तेज, चपल, चञ्चल, चिकना, मोटा, स्थूल।

चरबज़बान—(फ) चापलूस, धूर्त, बातून, चिकनी-चुपड़ी बातें बनाने वाला।

चरबा—(फ) प्रतिकृति, नकल, छाप, ख़ाका।

चरबी—(फ) मज्जा, मेद, वसा, मुग़पा।

चरबी चढ़ना—मोटा हो जाना।

चरबी छाना—मदोन्मत्त होना, खूब मुटा जाना।

चरम—(फ) चमड़ा, खाल, चर्म।

चरस—(फ) बन्दी गृह, क़ैदख़ाना, साधुओं की भिक्षा, एक मादक द्रव्य जिसे तम्बाकू की तरह चिलम में रख कर पीने से नशा हो जाता है।

चरा—(फ) क्यों, किस वास्ते।

चराग़—(फ) दीपक, दीया, घोड़े का अगले पैर उठा कर दो पैर से खड़ा हो जाना।

चराग़ाँ—(फ) प्रकाश, रोशनी।

चरागाह—(फ) चौपायों के चरने की जगह। गोचर भूमि।

चरिन्द—(फ) चरने वाले चौपाये, पशु।

चरिन्दा—(फ) देखो "चरिन्द"।

चर्ख़—(फ) देखो "चरख़"।

चर्ख़े सितमगर—(फ) निर्दय आसमान।

चर्ग़—(फ) एक शिकारी पक्षी, चर्ख़।

चर्ब—(फ) देखो "चरब"।

चर्ब ज़बान—(फ) देखो "चरब ज़बान"।

चर्बी—(फ) देखो "चरबी"।

चश्म—(फ) आँख, नेत्र।

चश्मए आतिशफ़िशा—(फ) सूर्य।
चश्मए खून—(फ) दिल, हृदय।
चश्मक—(फ) चश्मा, उपनेत्र, ऐनक, आँख से संकेत करना, चाक्षु नामक औषधि लड़ाई झगड़ा, कहन-सुनन।
चश्मनुमाई -(फ) धमकाना, डाटना, आँखें दिखाना, डराना।
चश्म पोशी—(फ) आँख चुराना, दोषों को छिपाना, किसी के बुरे कामों की ओर ध्यान न देना।
चश्म बेआब (फ) निर्लज्ज, ढीठ, जिसकी आँखों में पानी न हो।
चश्म शब—(फ) चन्द्रमा।
चश्मा—(फ) पानी का सोता, ऐनक उपनेत्र, सुई की नोक।
चश्मे इनायत—(फ) कृपा-दृष्टि।
चश्मेतर—(फ) सजल नेत्र, साश्रु नयन।
चस्पाँ—(फ) चिपकाया हुआ, चिपका हुआ।
चस्पीदगी—(फ) चिपकाना, चिप काने की क्रिया, चिपकाने का मेहनताना।
चस्पीदा—(फ) चिपकाया हुआ, चिपका।
चह (फ) चाह का संक्षिप्त रूप कूआ।
चहचहा—(फ) चिड़ियों के बोलने का शब्द, पक्षियों का कलरव।
चह बच्चा—(फ) पानी भरने के हौज़ या छोटा गढा। धन रखने का छोटा तहखाना।
चहरा—(फ) मुख-मण्डल, शिर का आगे की तरफ का हिस्सा जिसमें आँख, नाक, मुँह आदि इन्द्रियाँ हैं, मुखड़ा, बदन, सूरत, शक्ल कागज़ आदि का बना मुख-मण्डल का आकार जिसे स्वाँग, तमाशे वाले किसी दूसरे की शक्ल बनाने के लिए पहनते हैं।
चहल (फ) चालीस
चहल कदमी -(फ) धीरे-धीरे चलना, टहलना, घूमना।
चहलुम चहल्लुम—(फ) चालीसवाँ, किसी के मरने के दिन से चाली-सवाँ दिन।
चहार—(फ) चार।
चहारगोशा—(फ) चौकोना।
चहार तारा—(फ) एक बाजा जिसमें चार तार चढ़ाए जाते हैं।
चहारदाग—(फ) चारों दिशाएँ, चतुर्दिक्।
चहारुम—(फ) चौथाई, किसी चीज़ के समान चार भागों में से एक।

चौथा
चहार शम्बा—(फ) बुधवार।
चहार सू—(फ) चारों ओर, चारों तरफ।
चाक—(फ) फटा हुआ, चिरा हुआ।
चाक़—(तु) तन्दुरुस्त, स्वस्थ, मोटा ताज़ा, हृष्ट-पुष्ट, चालाक।
चाकचौबन्द—सब तरह से ठीक,
चाकर—(फ) नौकर, टहलुआ, सेवक।
चाकरी—(फ) टहल, सेवा, नौकरी।
चाक़ू—(फ) छोटा छुरा, साग-भाजी आदि काटने की छुरी।
चादर—(फ) वह लम्बा चौड़ा हलका कपड़ा जो ओढ़ने या बिछाने के काम आता है। बिछौना, दुपट्टा ओढ़ना। किसी धातु का लम्बा चौड़ा पतला पत्तर, किसी देवता पर चढ़ाया गया फूलों का ढेर।
चापलूस—(फ) चाटुकार, खुशामद करने वाला, खुशामदी।
चापलूसी—(फ) चाटुकारी, लल्लो चप्पो, खुशामदी।
चाबलूस—(फ) देखो "चापलूस"।
चाबलूसी—(फ) देखो "चापलूसी"।
चाबुक—(फ) कोड़ा, हंटर, साटा, उत्तेजित करने वाली बात।
चाबुक दस्त—(फ) चतुर, फुर्तीला, होशियार, दक्ष।
चाय—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक पौधे की पत्तियाँ जो पानी में उबाल कर दूध और चीनी के साथ पीजाती हैं। इन पत्तियों का काढा।
चार—(फ) "चहार" या "चारा" का संक्षिप्त रूप, चार उपाय, इलाज करा।
चार अरकान—(फ) पृथिवी, जल, तेज और वायु के चार तत्व।
चार आईना—(फ) एक प्रकार का अंग त्राण, कवच, बख्तर।
चारज़ानू—(फ) पालथी मारे हुए।
चारज़बान—(फ) बहुत बोलने वाला व्यर्थ की बातें करने वाला, बक-वादी,
चार दीवार—(फ) शहर के चारों तरफ बनी दीवार, घेरा, सीमा, रात।
चार ना चार—(फ) लाचार होकर, बेबसी की हालत में।
चारपाई—(फ) खाट, पलंग।
चारपाया—(फ) चौपाया, पशु।
चार बन्द—(फ) संसार, दुनिया।
चारशम्बा—(फ) बुध का दिन।
चारसू—(फ) चहुँओर, चारों तरफ।
चारा—(फ) उपाय, इलाज, साधन,

तदबीर, अधिकार, वश। पशुओं का खाद्य।

चारागर—(फ) चिकित्सक, इलाज करनेवाला, सहायक, मददगार

चालाक—(फ) व्यवहार कुशल, चतुर, तेज, दक्ष, होशियार, धूर्त, मक्कार।

चालाकी—(फ) चतुराई, फुर्ती, व्यवहार-कुशलता, दक्षता, होशियारी, धूर्तता, मक्कारी, चालबाजी।

चाशनी—(फ) शक्कर या गुड़ को थोड़े-से पानी के साथ पकाकर बनाया हुआ गाढ़ा शरबत। चसका, स्वाद, नमूने का सोना जो गहना बनवाने वाला सुनार को सोना देते समय उसमें से थोड़ा अपने पास रख लेता है।

चाश्त—(फ) सूर्योदय के एक पहर बाद का समय, एक पहर दिन चढ़े का स्नान, प्रातराश, कलेवा सवेरे का जलपान।

चाह—(फ) कूआँ, कूप।

चाहकन—(फ) कूआँ खोदने वाला, मक्कार, धूर्त, अत्याचारी।

चाही—(फ) कूप के पानी से सींची जाने वाली भूमि।

चाहे जक़न—(फ) ठोडी पर का गढ़ा।

चाहे जनख़—(फ) देखो "चाहे ज़कन"।

चाहे जनख़दा—(फ) देखो "चाहे ज़कन"।

चिक—(तु०) बाँस की पतली खप चियों या सरकंडो का बना हुआ परदा, चिलमन।

चिकन—(फ) एक प्रकार का महीन सूती कपड़ा जिस पर सूत से बूँटे कढे रहते हैं।

चिरक—(फ) मल, मैला, पीव, थूक, खखार।

चिरकीं—(फ) मैला, गन्दगी से लिथड़ा हुआ घृणित।

चिरा—(फ) देखो "चरा"

चिराग़—(फ) देखो "चराग़"।

चिराग़ दान—(फ) दीपक रखने की जगह, दीवट।

चिराग़पा—(फ) वह घोड़ा जो अपने अगले दोनों पैर उठाकर खड़ा हो। औंधे मुँह, जिसका मुँह नीचे हो गया हो, दीवट।

चिराग़ी—(फ) वह धन जो किसी की समाधि पर दीपक जलाने के समय मुजाविर या मुल्ला को दिया जाता है।

चिराग़े सहरी—(फ) प्रात काल का दीपक जो बुझने ही वाला हो।

वह व्यक्ति जो मृत्यु के समीप पहुँच चुका हो।
चिर्क—(फ) देखो 'चिरक'।
चिर्की—(फ) देखो "चिरकी"।
चिर्म—(फ) देखो "चरम"।
चिलगोज़ा—(फ) एक मशहूर मेवा, सनोबर नामक वृक्ष का फल।
चिलता—(फ) एक प्रकार का कवच।
चिलम—(फ) जिसमें तम्बाकू और आँच रख कर तम्बाकू का धुआँ पीते हैं।
चिलमची—(तु) एक चौड़े मुँह का पात्र जिस पर जालीदार ढक्कन ढका होता है, यह अक्सर दावतों में हाथ धुलाने के काम आता है।
चिलमन—(फ) देखो "चिक"।
चिल्ला—(फ) चालीस दिन का समय, चालीस दिन की अवधि, जैसे—चिल्ला जाड़े = जाड़ों के वे चालीस दिन जिनमें भीषण जाड़ा पड़ता है। चालीस दिन तक एकान्त में बैठ कर ईश्वरोपासना करना।
चिल्ली—(फ) बेवकूफ, मूर्ख।
ची—(फ) चेहरे पर क्रोध के कारण पड़नेवाली सलवटें।
चीं—(तु) रखने वाला।
चीवजबीं होना—माथे पर बल लाना, क्रुद्ध होना।
चीज़—(फ) वस्तु, द्रव्य, पदार्थ, अद्भुत वस्तु, विशेष या महत्त्व की वस्तु, आभूषण, गहने, गीत, गाने।
चीदा—(फ) छाँटा हुआ, बढ़िया।
चीन—(फ) एक देश का नाम।
चीना—(फ) पक्षियों का चुगा।
चीनी—(फ) चीन देश की चीज़, चीन का आदमी या चीन की भाषा।
चीरा—(फ) पगड़ी।
चीराबन्द—(फ) पगड़ी बाँधने वाला।
चीस्ताँ—(फ) पहेली, बुझौवल।
चुंगल—(फ) देखो "चंगुल"।
चुकन्दर—(फ) कन्द जाति की एक तरकारी।
चुग़द—(फ) उल्लू का बच्चा, उल्लू, घुग्घू, मूर्ख, बेवकूफ़।
चुगन्द—(फ) बालों का जूड़ा जो स्त्रियाँ सिर पर बनाती हैं।
चुग़ल—(फ) पीठ पीछे निन्दा करने वाला, पिशुन, चुगली करने वाला।
चुग़लख़ोर—(फ) चुगली खाने

वाला, पिशुन, परोक्ष में निन्दा करने वाला।

चुगली—(फ) पिशुनता, चुगल का कार्य, पीछे पीछे किसी की निन्दा करना।

चुग़ा—(फ) पहनने का एक पैरों तक लम्बा ढीला-ढाला कुर्ता सा, चोगा, लबादा, झगला, झगा, लबादा।

चुनाँ—(फ) इस प्रकार का, ऐसा, समान, सदृश।

चुनाचुनी—रतरार करना, लम्बी-चौड़ी बातें बघारना।

चुनाँचे—(फ) जैसा कि, यथा, इसलिये, इस वास्ते, उदाहरण स्वरूप।

चुनिन्दा—(फ) छटा हुआ, बढ़िया, चुना हुआ।

चुनी—(फ) देखो "चुनाँ"।

चुस्त—(फ) मुस्तैद, दुरुस्त, ठीक, तेज, चालाक, फुर्तीला, मज़बूत, तंग, संकुचित, कसा हुआ।

चुस्ती—(फ) मुस्तैदी, तेज़ी, चालाकी, फुर्ती, मज़बूती।

चूँ—(फ) जो, समान, सदृश, यदि, क्योंकर, इस वास्ते, अगर।

चूँकि—(फ) इस कारण से कि, इसलिये कि, क्योंकि।

चूँचरा—(फ) बहस, विवाद, क्यों, कथकुन, किस वास्ते।

चू—(फ) तुल्य, समान, अगर, जब।

चूज़ा—(फ) मुर्गी का बच्चा, नवयुवती।

चे—(फ) क्या।

चेगूना (फ) किस प्रकार, किस भाँति।

चेचक—(तु) एक प्रसिद्ध बीमारी जिसमें सम्पूर्ण शरीर पर फुंसियां निकल आती हैं, शीतला, माता।

चेचक रू—(फ) जिसके चेहरे पर चेचक के दाग हों।

चेहरा—(फ) देखो "चहरा"।

चेहरा उतरना—शोक या दुःख के कारण मुँह पर उदासी छा जाना।

चेहल—(फ) चालीस।

चेहल क़दमी—(फ) देखो "चहल कदमी"।

चेहलुम—(फ) देखो "चहल्लुम"।

चेह—(फ) चेहरा का संक्षिप्त।

चोग़ा—(फ) देखो "चुगा"।

चोब—(फ) शामियाने या डेरे में लगाने का लकड़ी का खम्भा, थूनी, बल्ली, नगाड़ा बजाने का डंडा, सोने या चाँदी से मढ़ी हुई मूठदार लाठी, छड़ी,

चोब चीनी—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध दवा।

चोबदस्ती—(फ) हाथ में रखने की छोटी छड़ी।

चोबदार—(फ) वह नौकर जो चोब या असा लेकर सवारी के आगे आगे चलता है, द्वारपाल, प्रतीहारी।

चोबा—(फ) पका हुआ चावल, भात, लोहे की छोटी कील।

चोबी—(फ) लकड़ी या काठ का बना हुआ।

चौगान—एक प्रकार का खेल जिसमें घोड़ों पर चढ़ कर लकड़ी के लम्बे डंडे से गेंद मारते हैं। चौगान खेलने का डंडा, चौगान खेलने का मैदान, नगाड़ा बजाने का डंडा।

चौगान बाज़ी—(फ) चौगान खेलना।

चौगिर्द—(मि०) चारों ओर

चौगोशा—(फ) चौकाना, चौकोर।

चौगोशिया—(मि०) एक प्रकार की चौखूँटी टोपी।

चौतरा—(फ) चबूतरा, मकान के आगे की ऊँची और चौरस जगह।

ज

जंग—(फ) युद्ध, लड़ाई, समर।

जग—(फ) लोहे या किसी अन्य धातु पर लगजाने वाला मुर्चा, पीतल या काँसे का बना घूँघरू की शक्ल का बड़ा घंटा जो रथ या बल्ली में बाँधा जाता है, जिसका शब्द सुनकर रास्तागीरों को उस रथ आदि के आने की सूचना मिल जाय। हब्शियों के देश का नाम।

जग आलूदा—(फ) मुरचा लगा हुआ। काई खाया हुआ। ... खाया हुआ।

जंग गाह—(फ) समर भूमि, युद्धक्षेत्र।

जगला—(फ) भाँझ, घंटा, घुँघरू।

जंगार—(फ) एक प्रकार का रंग जो ताँबे का खार या कषाय होता है। तूतिया, नीला थोथा।

जंगारी—(फ) जंगार के रंग का।

जंगी—(फ) युद्ध के काम का, युद्ध सम्बन्धी, कोई बहुत बड़ा काम या आयोजन बहुत बड़ा।

जंगी—(फ) हब्शी, ...देश का निवासी।

जंगे जरगरी—(फ) अन्य व्यक्ति को धोखा देने के लिए आपस में

झूठ मूठ की लड़ाई लड़ना।

जगोला—(फ) देखो "जगला"।

जंजबील—(अ) सोंठ, सुखाई हुई अदरख, बहिश्त की एक नहर का नाम

जंजीर—शृखला, साँकल, कड़ियाँ की लड़ी, घड़ी आदि की चेन, किवाड़ों में लगाने की कुंडी।

जंजीर गूँ—(फ) घुँघराले बाल, कुंचित केश, वेणी।

जंजीरा—(फ) एक प्रकार की सिलाई जिसमें टाँकों की जंजीर सी बनती जाती है। गले में पहनने का का एक आभूषण।

जंजीरी—(फ) कैदी, बन्दी, दीवाना।

जअम—( ) घमण्ड

जईफ़—(अ) निर्बल, बूढ़ा, वृद्ध।

जईफ़ुल अक्ल—(अ) मन्द बुद्धि, कम अक्ल।

जईफ़ उल एतक़ाद—(अ) अस्थिर मना, ढिलमिल यकीन, जो सहज ही में एक बात छोड़ कर दूसरी पर विश्वास करले।

जईफ़ी—(अ) निर्बलता, बुढ़ापा।

ज़क—(अ) पराजय, हार, पराभव, लज्जा, हानि, घाटा।

ज़क़न—(अ) ठुड्डी, ठोड़ी, हनु।

ज़कर—(अ) पुरुष की मूत्रेन्द्रिय, लिंग, शिश्न।

ज़का—(अ) बुद्धिमत्ता, कुशाग्रता, तीव्रता, अक्लमन्दी।

ज़कात—(अ) वार्षिक आय का चालीसवाँ भाग जो दान पुण्य में व्यय किया जाना चाहिये। ख़ैरात, दान, पुण्य। कर, महसूल।

ज़कावत—(अ) देखो "ज़का"।

ज़की—(अ) पवित्र, पाक, बुद्धिमान, कुशाग्र बुद्धि, प्रखर, तीव्र,।

ज़कूम—(अ) थूहड़ का पौधा।

ज़ख़ाम—(अ) बड़े डाल डौल का, लम्बा तड़ंगा, मोटा, स्थूल।

ज़ख़ामत—(अ) मोटापा, स्थूलता, आकार प्रकार का बड़ापन।

ज़ख़ायर—(अ) ज़ख़ीरा का "बहु वचन"।

ज़ख़ीम—(अ) मोटा बड़ा, स्थूल, भारी।

ज़ख़ीरा—(अ) ढेर, राशि, भंडार, कोश, ख़ज़ाना, संग्रह। वह स्थान जहाँ भाँति भाँति के पौधे और बीज बेचे जाते हैं, नर्सरी।

ज़ख्म—(अ) घाव, क्षत मानसिक क्लेश का आघात।

ज़ख्म ताज़ा होना—बीते हुए दुःख को फिर से याद आना।

ज़ख्मी—(अ) आहत, घायल।
ज़ग़न—(फ़) चील नामक पक्षी, छलाँग, उछाल, कुदान, उछल कर एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना।
ज़ग़न्द—(फ) कूद, फाँद, चौकड़ी उछाल, चील नामक पक्षी।
ज़गरिया—(अ) मुसलमानों के एक पैगम्बर का नाम।
जगह—(फ) स्थान, अवकाश, मौका, पद, ओहदा, नौकरी।
ज़चा—(फ) प्रसूता, वह स्त्री जिसके हाल ही में बच्चा पैदा हुआ हो।
जज़ब—(अ) सोखना, शोषण, खींचना, आकर्षण।
जज़र—(अ) वर्गमूल।
जज़रे सुसूर—(मि०) भिन्न वर्ग मूल।
जज़रोमद—(अ) समुद्र के पानी चढ़ाव उतार, ज्वार भाटा।
जज़ा—(अ) बदला, प्रतिकार, परिणाम, नतीजा।
जज़ाक अल्लाह—(अ) बहुत खूब, शाबाश, ईश्वर तुम्हें इसका अच्छा फल दे।
जज़ायर—(अ) जज़ीरा का बहुवचन, टापुओं का झुण्ड, द्वीप समूह।
जज़िया—(अ) एक विशेष कर जो मुसलमानी शासन में मुसलमानों से भिन्न धर्मानुयायियों से लिया जाता था, दण्ड।
जज़ीरा—(अ) टापू, द्वीप, समुद्र में का वह छोटा भूमि-भाग जिसके चारों ओर पानी हो।
जज़ीरानुमा—(अ) समुद्र के किनारे का वह भूमभाग जिसके तीन ओर पानी हो, प्रायद्वीप
जज़्ब—(अ) देखो "जज़ब"।
जज़्बए उलफ़त—(अ) प्रेमावेश।
जज़्बा—(अ) आवेश, जोश आवेग, भाव, प्रबल इच्छा।
जज़्बए दिल—(अ) हृदयावेश।
जज़्बाती—(अ) भाव सम्बन्धी भावुक।
जज़्म—(अ) अरबी लिपि में हल (स्वर रहित) अक्षर का ज्ञान कराने के लिये अक्षर पर लगाया जाने वाला चिह्न, हल् का निशान।
जज़्म बिल जज़्म—(अ) दृढ़ निश्चय के साथ।
जज़्र—(अ) समुद्र के पानी का उतार, नदी आदि के पानी का घटना, भाटा, काट।, वर्गमूल, धनमूल, वास्तविकता, मूल।, ऊँट की कुरबानी।

जआ—(अ) आग का पतंगा जो हवा में उड़ जाता है।

जद—(अ) नदी का किनारा, तट, पुरखा, दादा, बाबा (बाप का बाप) नाना (मा का बाप), सम्पन्नता, सौभाग्य।

जद—(फ) चोट, आघात, प्रहार, मार, हानि, नुकसान, लक्ष्य, निशाना।

जदगी—(फ) मारने की क्रिया, लगाने की क्रिया, जैसे—आतिशज़दगी।

जदन—(फ) चोट करना, मारना, करना, फेंकना, खोलना, रखना, खाना-पीना।

जदल—(अ) युद्ध, लड़ाई, संघर्ष।

जदवार—(अ) निर्विषी नाम का पौधा।

जदा—(फ) मारा हुआ, चोट खाया हुआ, आहत, जिस पर किसी मनोभव का प्रभाव पड़ा हो।

जिदाल—(अ) युद्ध, समर, संघर्ष।

जदी—(अ) मकर राशि, लघु सप्तर्षि।

जदीद—(अ) नया, नवीन, नूतन, उर्दू के एक छन्द का नाम।

जदो कब } (फ) कूट-पीस, तोड़ जदो कोब } फोड़, मार पीट।

जद—(अ) प्रयत्न, संघर्ष, कोशिश।

जद व जहद—(अ) कोशिश और दौड़ धूप।

जद्दा—(अ) दादी (बाप की माँ) नानी (मा की मा)।

जद्दाल—(अ) संघर्ष करने वाला, प्रयत्न करने वाला।

जद्दी—(अ) पैतृक, बाप दादों की (सम्पत्ति आदि)

जनत—(अ) विचार भाव।

जन—(फ) स्त्री, पत्नी, औरत, जोरू।

जनख़—(फ) ठोढ़ी, चिबुक, हनु।

जनख़दाँ—(फ) ठोडी में का गड्ढा।

जनखा—(फ) हिजड़ा, षण्ढ, नपुंसक, वह व्यक्ति जिसके हावभाव स्त्रियों के से हों।

जनमुरीद—(फ) भार्याभक्त, वह जो अपनी स्त्री को अत्यधिक प्यार करता है।

जनाख़ी—(फ) सहेली, अन्तरंग सहचरी, परमप्रिय सखी, वह स्त्री जिसके साथ कोई स्त्री अस्वाभाविक रूप से कामवासना की तृप्ति करती हो, दुगाना।

जनाज़ा—(अ) अरथी, वह चौखटा जिस पर रख कर शव को श्मशान ले जाते हैं। वह खाट या

सन्दूक जिसमें रख कर मुर्दे को गाड़ने के लिये ले जाते हैं। शव, मुर्दा।

ख़नानख़ाना—(फ) मकान का वह भाग जिसमें स्त्रियाँ रहती हों, अन्त पुर।

जनाना—(फ) स्त्री सम्बन्धी, स्त्रियों का, हिजड़ा, ज़नख़ा, निर्बल, डरपोक।

ज़नानी—(फ) स्त्रियों से सम्बन्ध रखने वाली, स्त्रियों की।

जनाब—(अ) महोदय, श्रीमान, बड़ों के लिये आदर सूचक शब्द, किसी प्रतिष्ठित या आदरणीय आदमी का द्वार, ड्योढ़ी चौखट।

जनाबे आली—आदरणीय महोदय।

जनाबे-मन—मेरे माननीय।

जनाया—(फ) दो लड़के जो एक साथ जुड़वाँ पैदा हुए हों, जौल्ला।

जनाह—(अ) सेना की हरावल, भुजदण्ड, पक्षियों के पर।

जनीन—(अ) गर्भ स्थ बालक, वह बच्चा जो गर्भ में हो।

जनून—(अ) पागलपन, विक्षिप्तता, उन्माद।

जनूनी—(अ) पागल, विक्षिप्त, उन्मादी।

जनूब—(अ) दक्षिण दिशा।

जनूबी—(अ) दक्षिण का, दाक्षिणात्य, दक्षिणी।

ज़न्द—(फ) पारसियों का धर्म ग्रंथ जो ज़रदुश्त का बनाया हुआ है।

ज़न्न—(अ) अनुभव, कल्पना, भ्रम, विचार, खयाल, सम्भावना।

जन्नत—(अ) बहिश्त, स्वर्ग।

जन्नती—(अ) स्वर्ग सम्बन्धी, स्वर्गीय, स्वर्ग में रहने वाला, स्वर्ग का अधिकारी।

ज़न्ने ग़ालिब—(मि०) बहुत अधिक सम्भावना।

ज़न्ने फ़ासिद—(मि०) दुष्ट भाव, बुरा विचार, शक, सन्देह।

ज़ियाँ—(फ) क्षति, हानि।

ज़फ़र—(फ) यन्त्र और तावीज़ आदि बनाने की कला।

ज़फ़र—(अ) जीत, विजय, लाभ, प्राप्ति।

जफ़ा—अत्याचार, अन्याय, सख़्ती, संकट आपत्ति।

जफ़ा कफ़ा—(फ) आपत्ति, विपत्ति संकट, मुसीबत।

जफ़ा कश—[फ] संकट सहन करने वाला, विपत्तियाँ बरदाश्त करने वाला, सहिष्णु, परिश्रमी।

ज़फ़ाफ़—(अ) नव दम्पती का प्रथम समागम ।
ज़फ़ाजू—(अ) अत्याचारी, ज़ालिम ।
ज़फ़ाशुआर—[फ] अत्याचार करने वाला, सताने वाला, उत्पीड़क । इसका प्रयोग प्राय प्रेमी प्रेमिकाओं के सम्बन्ध में होता है ।
ज़फ़ीरी—(अ) सीटी, सीटी का शब्द, वह चीज़ जिससे सीटी का सा शब्द किया जाय ।
ज़फ़ील—(अ) देखो "ज़फ़ीरी"
ज़ब—(अ) क्रोध, दुःप, गोह नाम का जानवर जो पानी में रहता है ।
ज़बर—(अ) बलिष्ठ, बलवान, शक्ति सम्पन्न, ऊपर वाला, दृढ़, ताकतवर, मज़बूत । फारसी लिपि में एक चिह्न जो ह्रस्व अकार की मात्रा सूचित करने के लिए अक्षरों के ऊपर लगाया जाता है ।
ज़बर जंग—(मि०) बहुत बड़ा, अत्यन्त शक्तिशाली ।
ज़बर जद—(अ) पुखराज नामक रत्न ।
ज़बरदस्त—(मि०) बली, बलवान, शक्तिशाली, दृढ, मज़बूत ।
ज़बरदस्ती—(मि०) अत्याचार, अन्याय, ज़ोरावरी, धींगा धींगी ।
ज़बरन—(अ) बल पूर्वक, ज़ोरावरी धींगा धींगी, विवशता से ।
ज़बरूत—(अ) दबदबा ।
जबल—(अ) पहाड़, पर्वत ।
जबली—(अ) पहाड़ का, पहाड़ी, पर्वतीय ।
ज़बह—(अ) गला काट कर प्राण लेने की क्रिया ।
ज़बाँ—(फ) जीभ, जिह्वा ।
ज़बान—(फ) जीभ, भाषा, बोली, वचन, वादा, प्रतिज्ञा, बात, बोल ।
ज़बाँ आवर—(फ) वाक्पटु, बात चीत करने मे चतुर, भाषाभिज्ञ ।
ज़बाँ आवरी—(फ) वाक्पटुता, वाक्चातुरी ।
ज़बाँ दान—(फ) भाषाभिज्ञ, साहित्य वेत्ता, कवि ।
ज़बान पर आना—कोई बात कहना चाहना ।
ज़बान खींचना—किसी को अनुचित बात कहने पर कठोर दंड देना
ज़बान देना—प्रतिज्ञा करना, वचन देना ।
ज़बान पकड़ना—किसी को बात कहने से रोकना, बोलने न देना

किसी की कही हुई बात के सिर हो जाना।

ज़बान बोलना—कोई अनुचित बात कहना, गाली देनी।

ज़बान में लगाम लगाना—बातचीत करने में संयत रहना, खूब सोच-समझ कर बात कहना।

ज़बान हिलाना—कुछ कहना, मुह से शब्द निकालना।

बे ज़बान—बहुत सीधा, अत्याचारों को चुपचाप सह लेने वाला।

बर ज़बान—मुखाग्र, कण्ठस्थ।

ज़बान ज़द—(फ) वह बात जो सब लोगों के मुँह पर हो, प्रसिद्ध बात, कोई प्रचलित चर्चा।

ज़बानदराज़—(फ) अंट शंट बकने वाला, जो मुँह पर आवे वही कहने वाला, अनुचित बात कहने वाला, बहुत डींग हाँकने वाला।

ज़बान दराज़ी—(फ) ऊटपटाँग बकना, बढ़-बढ़ कर बातें मारना, अनुचित बातें बकना।

ज़बान फ़रोश—(फ) बहुत बकने वाला, बकवादी,

ज़बान बन्दी—(फ) लिखित वक्तव्य आदि। बोलने पर प्रतिबन्ध।

ज़बान बर ज़बान—(फ) कभी कु और कभी कुछ कहने वाल अस्थिर विचार वाला।

ज़बान बाज़ी—(फ) बराबरी करन जीभ चलाना।

ज़बाना—(फ) आग की लपट, तर का काँटा।

ज़बानी—(फ) मौखिक, मुँह से क हुआ, जो लिखा हुआ न ह कण्ठाग्र, जो केवल कहा जा किया न जाय, कथन मात्र

जबाल—(अ) जबल (पहाड़) बहुवचन

जबीं—(अ) माथा, मस्तक।

जबीन—(अ) माथा, मस्तक।

ज़बीह—(अ) नियमानुसार ज़िब किया गया पशु, जिसका मा खाने योग्य हो।

ज़बून—(फ) मूर्ख, अनाड़ी अ बुरा, ख़राब बन्दी।

ज़बूर—(अ) किताब, लिखी हु चीज़, वह धर्म-पुस्तक जो हज़र दाऊद की लिखी हुई है, शेर बाघ।

ज़ब्त—(अ) वह जो सरकार द्वार छीन लिया गया हो।

ज़ब्तकोशी—(मि०) सहन शीलता

सहन करना।

जब्ती (अ) जब्त करने की क्रिया।

जब्ते नजर—(मि०) दृष्टि को काबू में रखना।

जब्र—(अ) अत्याचार, ज़ुल्म, बल प्रयोग, ज़बरदस्ती।

जब्रन—(अ) देखो "जबरन"।

जब्र वत अद्दी—(अ) अत्याचार और उत्पीडन।

जब्रव मुक़ाबला—(अ) बीज गणित।

जब्रिया—(अ) अनिवार्य, वह जो अवश्य करना पड़े।

जब्बार—(अ) जब्र करने वाला, परमात्मा का एक विशेषण।

जमजम—(अ) एक कुआँ जो काबे के समीप है और मुसलमान उसके पानी को अत्यन्त पवित्र मानते हैं।

जमजमा—(अ) गीत, सगीत, गाना-बजाना, राग अलापना, गुन गुनाना। दूर से आने वाली आवाज। दूर से सुन पड़ने वाला स्वर या गाना।

जमजमी—(अ) वह बरतन जिसमें काबे जाने वाले मुसलमान ज़मज़म नामक कूए का पानी भर कर लाते हैं।

जमदर—(फ) जमदाढ, कटार।

जमनीक़िस्सा—(अ) अन्तकथा।

जमहूर—(अ) लोक, जनता, जन-समूह, राष्ट्र।

जमहूरियत—(अ) लोकतन्त्रता।

जमहूरी—सम्पूर्ण लोक से सम्बन्ध रखने वाला, सब जनता से सम्बन्धित, प्रजातन्त्र सम्बन्धी।

जमन—(अ) अन्दर, अन्तर्गत, पेटे में।

जमर—(अ) बासुरी बजाना।

जमशेद—(फ) फारस के एक बाद-शाह का नाम।

जमा—(अ) एकत्र, इकट्ठा, संग्रहीत, जोड़ा हुआ, कुल मिलाकर, किसी के पास धरोहर के रूप में रक्खा हुआ, लागत, धन, रुपया पैसा पूँजी, जोड़ (गणित में,) भूमिकर, लगान, माल गुजारी।

जमाअ—(अ) स्त्री प्रसङ्ग, सम्भोग।

जमाअत—(अ) जत्था, समूह, समु-दाय, समाज, कक्षा, श्रेणी, दरजा।

जमात—(अ) देखो "जमाअत"।

जमाद—(अ) कंजूस, वह निर्जीव पदार्थ जो वृक्षादिके समान बढते नहीं, यथा पत्थर लोहार आदि खनिज द्रव्य, वह प्रदेश जहाँ

वर्षा न होती हो।

जमाद—(अ) लेप, मरहम।

जमादात—(अ) जमाद का बहुवचन, खनिज पदार्थ लोहा-पत्थर आदि।

जमादार—(मि०) थोड़े से सिपाहियों का अफसर। पहरेदारों का प्रधान।

जमादारी—(मि०) जमादार का पद या काम।

जमादी—(अ) जमाद सम्बन्धी, खनि पदार्थों से सम्बन्ध रखने वाला।

जमादी उल अव्वल—(अ) अरबी वर्ष का पाँचवाँ महीना।

ज़मान—(अ) समय, वक्त, युग, काल, मुद्दत, बहुत समय, दुनिया, संसार, जगत् प्रताप, सौभाग्य।

ज़मानत—(अ) अमुक व्यक्ति अपना कर्तव्य पालन करेगा इस बात की जिम्मेदारी मौखिक कह कर कोई कागज लिखकर अथवा कुछ रुपया जमा करके अपने ऊपर ले लेना। जामिनी, प्रतिभूप

ज़मानतदार—(मि०) जमानत करने वाला ज़ामिन।

ज़मानतन्—(अ) ज़मानत के रूप में,

ज़मानत नामा—(मि०) वह कागज़ जिसमें किसी का ज़मानत करने का उल्लेख हो।

ज़माना—(अ) देखो "ज़मान"।

ज़माना साज़—(मि०) दुनियादार, जो समय के अनुसार बरतता हो। व्यावहार-कुशल।

ज़माना साज़ी—(मि०) दुनिया दारी, व्यवहार-कुशलता, समयानुसार बर्तना।

जमाबन्दी—(मि०) पटवारियों का रजिस्टर जिसमें किसानों से प्राप्तव्य खेतों का लगान लिखा जाता है।

जमा मुकस्सर—(अ) व्याकरण में बहुवचन का वह भेद जिसमें एक वचन का रूप बदल जाता है, जैसे—क़िताब से कुतुब।

जमाल—(अ) अत्यधिक सौंदर्य, रूपलावण्य, खूबसूरती।

जमाली—(अ) अत्यन्त सुन्दर, परमात्मा का एक विशेषण।

जमा सालिम—(अ) व्याकरण में बहु वचन का वह भेद जिसमें एक वचन का रूप ज्यों का त्यों रखकर अन्त में बहु वचन सूचक प्रत्यय लगा देते हैं, जैसे—जमाद से जमादात।

जमीं—(फ) पृथिवी, भूमि। भूमि का वह ऊपरी भाग जिस पर लोग रहते हैं।

जमींदार—(फ) जमीन का मालिक भू स्वामी।

जमींदारी—(फ) किसी की वह ज़मीन जिसका वह स्वय मालिक हो। जमींदार का पद।

जमींदोज़—(फ) ज़मीन के नीचे का भूमि के अन्दर बना हुआ तहखाना आदि, जो गिरकर जमीन के बराबर हो गया हो, भूमिसात्, जमीन में गढा या गाढा हुआ। एक प्रकार का तम्बू।

जमीअ—(अ) सब, समस्त, सम्पूर्ण, कुल।

जमीन—(फ) देखो "ज़मी"।

जमीन आसमान एक करना—बड़े बड़े उपाय करना।

जमीन आसमान का फ़रक—बहुत अधिक अन्तर।

जमीन आसमान के कुलावे मिलाना—बड़ी-बड़ी बातें मारना, बड़े-बड़े प्रयत्न करना।

जमीन देखना—नीचा देखना, परास्त होना, गिर पड़ना, पटक खाना।

जमीन दर जमीन—(फ) समस्त भूमि, सारी ज़मीन।

जमीन मुर्दा—(फ) अनुर्वरा भूमि, जिस भूमि में खेती न की जा सके।

जमीनी—(फ) भूमि सम्बन्धी, पृथिवी का। पार्थिव।

जमीमा—(अ) परिशिष्ट, क्रोड़पत्र, अतिरिक्त पत्र

जमीर—(अ) मन, अन्त करण, विवेक, व्याकरण में सर्वनाम।

जमील—(अ) रूपवान, बहुत सुन्दर, खूबसूरत।

ज़मुर्रद—(ज) पन्ना नामक रत्न।

जमूर—(फ) दुर्बलता, कमजोरी,

जमैयत—(अ) सभा, समाज, परिषद्, समूह, सेना, फौज़, आत्मतुष्टि, मनकी शान्ति।

जम्बक—(अ) एक फूल विशेष का नाम, चम्पा का फूल, चमेली का तेल।

जम्बील—(फ) फकीरों की भी भीख माँगने की झोली। थैली।

जम्बूर—(अ) भिड़, बर्र, ततैया, दाँत उखाड़ने का औज़ार, सँड़ासी, चिमटी। एक प्रकार की तोप जो ऊँटों पर लदी रहती है, एक प्रकार की बड़ी बन्दूक।

जम्बूरक—(तु०) देखो "जम्बूर"

ज़म्बूरची—(फ) ज़म्बूर चलाने वाला।

ज़म्बूरा—(फ) एक प्रकार का बाजा, एक प्रकार की छोटी तोप, तीर।

जम्बूरा—(फ) एक प्रकार का बाजा, एक प्रकार की छोटी तोप, तीर का फल।

ज़म्बूरी—(फ) एक प्रकार की छोटी तोप, तीर का फल।

जम्म—(अ) बहुत बड़ा, बहुत अधिक, समस्त, सम्पूर्ण।

जम्म—(अ) अरबी लिपि में अक्षरों के उपर लगाया जाने वाला एक चिह्न जिससे ह्रस्व उकार की मात्रा का बोध होता है।

ज़यॉं—( ) हानि

जर (अ) खींचना

जर—(अ) चीरना, फाड़ना, नश्तर लगाना।

ज़र—(फ) सोना, स्वर्ण, धन, रुपया पैसा, वृद्ध।

ज़रअ (अ) खेती, कृषि, खेती, करना।

ज़रकोब—(फ) सोने या चॉंदी के वरक बनाने वाला।

ज़र ख़रीद—(फ) धन देकर मोल लिया गया, क्रीत।

ज़रखेज़ (फ) वह भूमि जिसमें खूब अच्छी फसल पैदा होती हो, उपजाउ, उवरा।

ज़रगर—(फ) सुनार, स्वर्णकार,

ज़रगरी—(फ) सुनार का काम, स्वर्णकारी, सुनारगीरी।

जरगा—(तु) जन-समुदाय, जन समूह, आदमियों का झुण्ड, पठानों का एक जातीय वर्ग, जातीय वर्गों की सार्वजनिक सभा।

ज़र दुश्त—(फ) पारसियों के एक पैगम्बर का नाम, विशुद्ध स्वर्ण, स्वर्ण, ख़ालिस सोना।

ज़रदोज़—(फ) सोने का तार और सितारों से कपड़ों पर बेल-बूटे बनाने वाला।

ज़रदोज़ी—(फ) सोने के तारों की कढ़ाई का काम।

ज़रदोस्त—(फ) धन को सबसे प्रिय वस्तु समझने वाला, अर्थ पिशाच।

जर निगार—(फ) वस्तु जिस पर सोने का काम हो रहा हो। सुनहरी।

ज़रपरस्त—(फ) धन को ही सब कुछ समझने वाला, धन का उपासक, लोभी, लालची, मक्खीचूस, द्रव्यदास।

ज़रफ़िशाँ—(फ) सोना छिड़कने वाला।

ज़रब—(अ) आघात, चोट, एक चीज को दूसरी पर मारना, गुणा करना, एक चीज को दूसरी चीज़ में मिलाना।

ज़रब देना—चोट मारना, ठोकना।

ज़रब ख़फ़ीफ़—हलकी चोट।

ज़रब शदीद—गहरी चोट, भारी चोट।

ज़रबफ्त—(फ) वह रेशमी कपड़ा जिसमें सुनहरी तारों के बेल बूटे बने हों, पोत।

ज़रबाफ़—(फ) कपड़ों पर सुनहरी काम बनाने वाला, ज़रदोज़ी का काम बनाने वाला, ज़रबफ्त का काम करने वाला, सुनहरी।

ज़रबाफ़ी—(फ) वह कपड़ा जिस पर ज़रबफ्त का काम बना हो, सुनहरी काम का।

ज़रबुल मसल—(अ) कहावत, लोकोक्ति, प्रसिद्ध बात।

ज़रर—(अ) कष्ट, तकलीफ, दुःख, चोट, आघात, हानि, क्षति नुकसान।

ज़रर ख़फ़ीफ़—मि०) हलकी चोट।

ज़रर रसाँ—मि०) चोट या कष्ट पहुँचाने वाला, हानि पहुँचाने वाला।

ज़रर रसानी—(मि०) हानि पहुँचाना, चोट पहुँचाना।

ज़रस—(फ) घँटा, घड़ियाल।

ज़रर शदीद—(मि०) भारी चोट, गहरा आघात।

ज़रह—(अ) चोट, घाव, ज़ख्म, तर्क, हुज्जत "ज़िरह"।

ज़रा—(अ) थोड़ा, कम, अल्प।

ज़राअत—(अ) खेती, कृषि किसानी का काम, फसल जोता बोया हुआ खेत, ज़मीन की पैदावार।

ज़राअत पेशा—(मि०) किसान, खेतिहर, कृषि करके जीवन निर्वाह करने वाला, काश्तकार।

ज़रारा—(फ) पिघलाया हुआ सोना, पीले रंग की शराब।

ज़राफ़त—(अ) हास्य विनोद परिहास, मज़ाक, बुद्धिमत्ता।

ज़राफ़तन—(अ) हास्य रूप में, हँसी में, मज़ाक के ढंग पर।

ज़राब—(अ) पायजामा, पैरों में पहनने का मोज़ा "ज़ुराब"।

ज़रायन्द—(अ) एक औषधि विशेष।

ज़राय—(अ) ज़रिया का बहुवचन।

ज़रायद—(अ) जराद का बहुवचन, मासिक पत्र।

ज़रायम—(अ) जुर्म का बहुवचन,

बहुत से अपराध, दोष या पाप।
जरायम पेशा—(अ) वे लोग जो चोरी, जूआ, डाके आदि द्वारा अपना जीवन-निर्वाह करते हैं।
जरिया—(अ) सम्बन्ध, लगाव, साधन, हेतु वसीला, कारण, सबब।
जरी—(अ) वीर, बहादुर।
जरी—(फ) सोने चाँदी के तारों का बना हुआ काम, एक प्रकार का कपड़ा जो बादले से बुना जाता है।
जरीद—(अ) मासिक पत्र, सन्देश वाहक।
जरीदा—(अ) लिखने वालों का दफ्तर, मासिक पत्र, वृक्ष की वह शाखा जिसमें पत्ते न हो, अकेला, एकाकी।
जरीफ़—(अ) हँसोड़, हँसाने वाला, ठठोली करने वाला, परिहास करने वाला, बुद्धिमान, समझदार।
जरीब—(अ) खेत नापने की एक जंजीर जिसमें सौ कड़ियाँ होती हैं।
जरीब कश—(मि०) जरीब से भूमि या खेतों को नापने वाला।
जरीब कशी—(मि०) भूमि या खेती की नाप-जोख, पैमाइश,
जरीबाफ़—(फ) जरी के कपड़े या लैस, बेल बुनने वाला।
जरीबाफी—(फ) जरी के कपड़े या लैस गोखा आदि बुनने का काम।
जरीबी—(फ) जरीब सम्बन्धी, जरीब से भूमि आदि नापना, जमीन नापने की मजदूरी।
जरीया—(अ) देखो "जरिया"।
जरीर—(अ) सेना, फौज।
जरीह—(अ) घायल, चुटैल, जख्मी।
जरूर—(अ) अवश्य, निश्चय पूर्वक, निःसन्देह। आवश्यक, अनिवार्य।
जरूरत—(अ) आवश्यकता, प्रयोजन।
जरूरियात—(अ) जरूरी का बहुवचन, आवश्यकताएँ, आवश्यक वस्तुएँ।
जरूरी—(अ) आवश्यक, जिसके बिना काम न चले, प्रयोजनीय।
जरे अमानत—(फ) धरोहर में रक्खा हुआ माल।
जरे असल—(फ) मूल धन, जिस पर ब्याज चलता हो।
जरे खालास—(फ) सोना, स्वर्ण।
जरे सुरक—(फ) सोना, स्वर्ण।
जरे जाफरी—(फ) विशुद्ध सोना।

खरा सोना।

जरे जामिनी—(फ) जमानत के तौर पर जमा किया गया धन।

जरे तावान—(फ) हानि या हरजाने के बदले में दिया जाने वाला धन।

जरे नक्द—(अ) रोकड़, रुपया, सिक्का।

जरे पेशगी—(फ) बयाना, प्राप्तव्य होने से पहले ही दिया जाने वाला धन।

जरे मुतालबा—(फ) किसी से प्राप्तव्य धन, पावना, जो देना शेष हो।

जरे याफ्तनी—(फ) देखो जरे "मुतालबा"।

जरे सफेद—(अ) चाँदी, रुपया।

जरे सुर्ख—(फ) सोना, गिनी।

जर्क वर्क—(अ) चमक दमक वाला, चटकीला, बना ठना, साफ और सजा हुआ।

जर्द—(फ) पीला, पीत।

जर्द चोब—(फ) हल्दी, हरिद्रा।

जर्दरू—(फ) जिसका मुँह पीला पड़ गया हो। लज्जित शरमिन्दा।

जर्दा—(फ) पीलापन, पीलिया, रोग, अण्डे म का पीला गीला चेंप, अशरफी, सोने का सिक्का, काला रंग।

जर्दी—(फ) पीलापन, अण्डे के भीतर का पीला द्रव पदार्थ।

जर्फ—(अ) बर्तन, पात्र, भाँडा, स्थान जिसमें कोई चीज समा सके, समाइ, बुद्धिमत्ता। चतुराई, व्याकरण में काल और स्थान-वाचक क्रिया विशेषण, साफ, स्वच्छ, निर्मल। हौसला, साहस।

जर्फ जमाँ—(अ) व्याकरण में काल वाचक क्रिया विशेषण, यथा कब, जब, तब।

जर्फ मकान—(अ) व्याकरण में स्थान वाचक क्रिया विशेषण यथा, जहाँ, यहाँ, वहाँ।

जर्ब—(अ) देखो "जरब"।

जर्ब-उल मसल(अ)—देखो "जरब उल मसल"।

जर्ब उल मिसाल—(अ) देखो "जरब उल मसल"।

जर्र (अ)—घसीटना, खींचना, पकड़ कर ले जाना, अपराधी को पकड़ कर न्यायालय में ले जाना।

जर्र—(अ) हानि, क्षति, नुक्सान।

जर्रा—(अ) किसी चीज का बहुत छोटा टुकड़ा, अणु, कण, परमाणु।

जर्रात—(अ) ज़र्रा का बहुवचन।
जर्राफ़—(अ) प्रसन्नचित्त, खुशदिल, बुद्धिमान।
जर्राब—(अ) चोट मारने वाला, ज़रब लगाने वाला, टकसाल का अधिकारी।
जर्रार—(फ) वीर, बहादुर, बहुत विशाल, बहुत अधिक (सेना आदि)
जर्राह—(अ) वह जो फोड़ों आदि की चीरफाड़ करता हो, फोड़ों आदि का इलाज करने वाला, शल्य-चिकित्सक।
जर्राही—(अ) जर्राह का काम, जर्राह से सम्बन्ध रखने वाला, फोड़ों या घावों का इलाज, फोड़ों की चीर-फाड़, शल्य चिकित्सा।
जर्री—(फ) सुनहरी, सोने का काम हो रहा हो।
जलक—(अ) हस्त मैथुन, हस्त क्रिया।
जलजला—(अ) भूकम्प, भूचाल, भूडोल।
जलवा—(अ) तड़क भड़क, चटक-मटक, साज सजा, बनाव शृंगार रूप की शोभा, प्रकट होना, मुसलमानी प्रथानुसार नव वधू का प्रथम बार अपने पति को मुख दिखाना।
जलवागीर—(फ) संसार, विश्व।
जलसा—(अ) सभा, सम्मेलन, मजलिस, महफ़िल, अधिवेशन, आनन्द और उत्सवका समारोह जिसमें खाना-पीना गाना-बजाना आदि होता हो।
जला—(फ) बहिष्कार, निकाल देना।
जलाजल—(अ) ज़लज़ला का बहु वचन।
जलाल—(अ) प्रताप, वैभव, महत्व, तेज, आतङ्क, गौरव।
जलालत—(अ) गौरवशाली होना।
जलालिया—(अ) मुसलमान फकीरों का एक सम्प्रदाय जो खुदा के जलाली रूप की उपासना करते हैं, इस फिर्के का फकीर।
जलाली (अ) जलाल वाला, तेजस्वी, प्रतापी, वैभवशाली, भयानक, विकराल, रुद्र, ईश्वर के सृष्टि संहारक रूप का एक विशेषण, कुरान की वे आयतें जो यन्त्र के रूप में काम में लाई जाती हैं।
जलावतन—(अ) देश से निकाला हुआ, निर्वासित।
जलावतनी—(अ) देश निकाला, निर्वासित।

जली—(अ) स्पष्ट, प्रकट, वह लिपि जिसमें सुन्दर, स्पष्ट और मोटे अक्षर लिखे जायँ।

जलीक़—(अ) वह बालक जो प्रकृति निर्धारित समय से पहले उत्पन्न हुआ हो।

जलीद—(अ) बरफ, ओला।

जलील—(अ) वृद्ध, बड़ा, बुजुर्ग, वयोवृद्ध, गौरव शाली।

ज़लील—(अ) तुच्छ, अपमानित, निरादृत, बेदर, अपराधी, दोषी।

जलील उल् क़द्र—(अ) बहुत प्रतिष्ठित, परम मान्य।

जलीस—(अ) सभा में बैठने वाला, सभासद, सभ्य, पास बैठने वाला, पार्श्ववर्ती।

जलू—(फ) जौंक, जलौका।

जलूक—(फ) देखो 'जलू"।

जलूस—(अ) किसी ऐसे उत्सव का समारोह, जो एक जगह बैठकर नहीं बल्कि गलियों और बाज़ारों में घूम घूम कर मनाया जा रहा हो। धूम धाम के साथ निकलने वाली सवारी, समारोह पूर्ण यात्रा, राज्याभिषेक का उत्सव।

जलूसी—(अ) जलूस सम्बन्धी, जलूस का जो किसी राज्याभिषेक काल से प्रचलित हुआ हो—(संवत् = सन्)

जलेबा—(फ) जलेबी, इस नाम से मिठाई।

जल्क़—(अ) देखो 'जलक'।

जल्द—(अ) जल्दी से, शीघ्र, तुरन्त चटपट, तेजी से, कोड़ा।

जल्दबाज—(मि०) किसी काम में बहुत जल्दी करने वाला, उतावला,

जल्दी—शीघ्रता, तेज़ी, फुरती, शीघ्र, तुरन्त, झटपट।

जल्ल—(अ) महान्, श्रेष्ठ, वैभव-सम्पन्न।

जल्लाद—(अ) खाल खींचने वाला, कोड़ा मारने वाला, फाँसी देने वाला, तलवार मारने वाला, वधक, घातक, क्रूर व्यक्ति।

जल्ले जल्लाहू—ईश्वरीय वैभव-सम्पन्न,

जल्वत—(अ) सबके समक्ष आना अपने को सब के सामने प्रकट करना।

जल्वा—(अ) देखो "जलवा"

जल्वा आरा—(अ) प्रकट होना।

जल्वा गाह—(मि०) प्रकाशगृह। वह स्थान जहाँ जल्वा दिखाया जाय, संसार, दुनिया।

जल्सा—(अ) देखो "जलसा"।

जवाँ—(फ) युवक, युवा, वीर, बहादुर, तरुण।

जवाँ मर्द—(फ) शूरवीर, बहादुर, योद्धा, साहसी, पुरुषार्थी, पुण्यात्मा।

जवाँ मर्दी—(फ) वीरता, बहादुरी।

जवाज़—(अ) धर्मानुकूलता, वैधानिकता,

जवान—(फ) युवा, युवक, तरुण, वीर, बहादुर।

जवाना मर्ग—(फ) युवावस्था में मरने वाला, जवानी में ही आने वाली मृत्यु।

जवानिब—(अ) जानिब का बहु वचन।

जवानी—(फ) युवापन, यौवन, तरुणाई।

जवानी उतरना—युवापन समाप्त होना।

जवानी चढ़ना—बाल्यावस्था समाप्त कर यौवन में प्रवेश करना।

जवाब—(अ) किसी पूछी हुई बात का बताना, किसी बात के बदले में कही गई बात, उत्तर, बदला, समान, तादृश, मुकाबले की वस्तु, जोड़ा की चीज़, नौकरी से हटाए जाने की आज्ञा।

जवाब दावा—(अ) वादी द्वारा अपने ऊपर लगाए गए आरोप का प्रतिवादी द्वारा लिख कर अदालत में दिया गया उत्तर।

जवाब देह—(मि०) उत्तरदायी, जिम्मेवार।

जवाब देही—(मि०) जिम्मेदारी, उत्तरदायित्व।

जवाबित—(अ) ज़ाब्ता का बहु-वचन।

जवाबी—(अ) जिसका उत्तर देना हो। जवाब का।

जवाबे नामा—(अ) पत्रोत्तर।

जवायद—(अ) ज़ायद का बहुवचन। जरूरत से ज्यादा चीज़ें आवश्यकता से अधिक वस्तुएँ।

जवार—(अ) पड़ोसी, समीपवर्ती, आस पास का स्थान।

जवारिश—(फ) स्वादिष्ट और पाचक दवा, चटनी, अवलेह।

जवाल—(अ) अवनति, आपत्ति, संकट, जंजाल, ह्रास, उतार। घटती, कम।

जवाहिर—(अ) जौहर का बहुवचन, अनेक प्रकार के रत्न।

जवाहिरात—(अ) जवाहिर का बहु वचन, अनेक प्रकार के रत्नों का ढेर।

जशन—(फ) उत्सव, आनन्दोत्सव,

जलसा, हर्ष, आनन्द।
जश्न—(फ) देखो "जशन"।
जसामत—(अ) मुटापा, स्थूलत्व, शरीर का आकार प्रकार।
जसारत—(अ) दृढता, वीरता, हिम्मत, साहस।
जसीम—(अ) मोटा ताज़ा, स्थूल शरीर वाला, लम्बा-तडगा।
जस्त—(फ) कूद, छलाँग, कुदान। उड़ान।
जस्साम—(अ) खोजने वाला, अन्वेषक जिज्ञासु।
जह—(फ) बच्चा जनना, प्रसव, जरायु, नाल, बच्चा।
जहका—(अ) हँसना। हाथ-पाँव मारना, सघर्ष करना।
जहद—(अ) प्रयत्न, उद्योग, परिश्रम, मेहनत। इनकार करना।
जहद—(अ) विरक्ति, उदासता। भक्ति।
जहन—(अ) बुद्धि, स्मरण शक्ति।
जहन्नुम—(अ) नरक, गन्दा कूआँ।
जहन्नुम में जाय—हमसे कुछ सरोकार नहीं।
जहन्नुमी—(अ) नारकी, जहन्नुम का, जहन्नुम सम्बन्धी।
जहब—(अ) सोना, स्वर्ण।
जहमत—(अ) आपत्ति, आफत, झगड़ा, झंझट, बखेड़ा, मुसीबत, सकट, दुर्गन्धि, सड़ायँद कष्ट, दुःख, शोक।
जहर—(फ) विष, गरल, अप्रिय।
जहर उगलना—मर्मभेदी बात कहना।
जहर का घूँट पीना—किसी के अनुचित व्यवहार पर आए हुए क्रोध को मन ही में दबा लेना।
जहर का बुझा हुआ—बहुत चुभती बात कहने वाला, अति दुष्ट।
जहर आलूदा—(फ) विषाक्त, विष मिला हुआ।
जहर क़ातिल—(फ) अत्यन्त तीव्र विष, प्राणघातक विष।
जहर दार—(फ) जिसमें ज़हर हो, ज़हरीला, विषाक्त, ज़िपैला।
जहरबाद—(फ) एक प्रकार का अत्यन्त विषैला फोड़ा जिसके निकलने पर समस्त शरीर सूज जाता है।
जहर मार—(फ) विषनाशक, विषघ्न, जहर मोहरा, तिरियाक नामक ओषधि जिससे विषका प्रभाव दूर हो जाता है।
जहर मोहरा—(फ) एक काले या हरे रग का विशेष पत्थर जिसमें

विष नष्ट करने का गुण होता है।

जहरा—(फ) शरीर के भीतर का एक अंग जिसमें पित्त रहता है। पित्ताशय, गुरदा, हिम्मत, साहस।

जहरीला—(फ) विषैला, विषाक्त, विष मिला हुआ।

जहल—(अ) नादानी, अज्ञान, मूर्खता, ज़िद।

जहली—(अ) नादान, मूर्ख, झगड़ालू, झक्की।

जहूल—(अ देखो "जहल"।

जहाँ—(फ) संसार, दुनिया, जहान।

जहाँगीर—(फ विश्व-विजेता। एक बादशाह का नाम।

जहाँगीरी—(फ) विश्व विजय।

जहाँदीदा—(फ) जिसने दुनिया के ऊँच-नीच अच्छी तरह देखे हों, अनुभवी।

जहाँ पनाह—(फ) संसार भर को शरण देने वाला। बादशाह आदि के लिए प्रयुक्त होने वाला सम्बोधन।

जहाक—(अ) अत्यन्त हँसोड़, वह जो बहुत अधिक हँसे। एक बड़े क्रोधी और अत्याचारी बादशाह का नाम।

जहाज—(अ) समुद्रयान, समुद्र में चलने वाली बहुत बड़ी नाव।

जहाजी—(अ) जहाज़ का, जहाज़ सम्बन्धी, जहाज़ चलाने वाला, नाविक, मल्लाह, खलासी।

जहाद—(अ) युद्ध जो मुसलमान लोग दूसरे धर्मावलम्बियों के साथ करते हैं। धर्म-युद्ध।

जहादी—(अ) काफ़िरों से लड़ने वाला, धर्म-युद्ध करने वाला।

जहान—(फ) दुनिया, संसार, जहाँ।

जहाब—(अ) प्रस्थान,

जहालत—(अ) अज्ञान, मूढ़ता, मूर्खता, ज़िद।

जहीन—(अ) बुद्धिमान, प्रबल स्मरण शक्ति वाला।

जहीम—(अ) नरक, दोजख़।

जहीर—(अ) सहायक, मददगार।

जहूदी—(फ) यहूदी।

जहूर—(अ) प्रकट होना, प्रादुर्भूत होना, उत्पन्न होना, प्रारम्भ होना ज़हूर में आना प्रकाश में आना, प्रकट होना, जानकारी में आना।

जहूरा—(अ) प्रकाश, प्रताप, ऐश्वर्य, इकबाल।

जहे—(फ़) वाह, धन्य।

जहे क़िस्मत—(फ) अहो भाग्य।

जहेज—(अ) विवाह के समय कन्या

के पिता द्वारा कन्या के लिए दिया जाने वाला सामान।

जह्र- (अ) पृष्ठ, पीठ, पिछला भाग, ऊपर या बाहर की ओर का भाग।

जा-कन—(फ) प्राणघातक, जीवन पर सकट लाने वाला।

जा काह—(फ) प्राणघातक, भीषण, विकट।

जा निवाज—(फ) दयालु, कृपालु, प्राणों पर दया करने वाला।

जा फ़िजा—(फ) सुधा, अमृत।

जा फ़िशानी—(फ) कड़ी महनत, बहुत अधिक परिश्रम, किसी काम में जान लड़ा देना, दौड़ धूप करना।

जा बलब—(फ) जिसके प्राण ओठों पर आ गए हों, मरणासन्न आसन्न मृत्यु, मरणोन्मुख।

जा बहक़—(फ) मरना।

जाबाज—(फ) जान पर खेल जाने वाला, प्राण तक निछावर कर देने को उद्यत, घोर परिश्रमी घोर साहसी।

जा—(फ) जगह, स्थान, उचित, योग्य,

जाइल (अ) नष्ट होना

जाईदा—(फ) उत्पन्न, जन्मा हुआ, जात, पैदा हुआ।

जाए तख़लिया—(फ) एकान्त स्थान, सोने या आराम करने की जगह

जाक—(फ) फिटकिरी।

जाकिर—(अ) जिक्र करने वाला, चर्चा करने वाला, उल्लेख करने वाला, स्मरण करने वाला।

जाग—(फ) काक, कौआ, एक राग का नाम।

जागीर—(फ) सरकार की ओर से मिली हुई जमीन, राजा की ओर से दिये गए गाँव, ठिकाना।

जागीरदार—(फ) जागीर का मालिक, जिसे जागीर दी गई हो, ठिकानेदार, रईस, अमीर।

जाजम—(तु०) एक बड़ा बिछौना जिस पर रगीन बूटियाँ छपी हों। फर्श। जाजिम।

जा जरूर—(फ) शौचालय, पाखाना, मलत्याग करने का स्थान।

जाज़िब—(अ) सोखने वाला, शोषक, आकर्षक, खींचने वाला। प्रभावशाली।

जाजिबीअत—(अ) आकर्षण, खिंचाव।

जाजिम—(फ) देखो "जाजम"।

जाजिम—(अ) दृढ निश्चयी।

जात—(अ) जाति, वास्तविकता,

असल, देह, शरीर, स्वामी।
जाती—(अ) अपना, निजी, व्यक्तिगत, वैयक्तिक।
जाद—(अ) उत्पन्न हुआ, जन्मा हुआ, पुत्र, बेटा, अपत्य।
जादए उलफ़त—भोजन, खाना। प्रेम-मार्ग।
जाद—मार्ग, रास्ता,
जादबूम (अ) जन्मभूमि, जन्म स्थान।
जाद राह—(अ) मार्ग का भोजन, पाथेय, तोशा, मार्ग व्यय, राह खर्च।
जादा—मार्ग, रास्ता,
जादा—(फ) उत्पन्न, जन्मा हुआ, पुत्र, बेटा।
जादाद—(फ) सम्पत्ति, माल असबाब।
जादिर—(अ) लड़ने वाला।
जादू—(फ) इन्द्रजाल, तिलस्म, वह अद्भुत काम जिसे देख कर लोग अचम्भे में पड़ जायँ। वह खेल या कृत्य जो दर्शकों की निगाह बचाकर किया जाय। टोना।
जादूगर—(फ) जादू करने वाला, बाजीगर, मदारी।
जादूगरी—(फ) जादू का काम, इन्द्रजाल, टोना, आश्चर्यजनक खेल दिखाना।
जाद्दा—(अ) पगडंडी, पद्धति, पैदल चलने वालों का रास्ता।
जान—(फ) प्राण, जीव, जीवन, प्राण-वायु, शक्ति, बल, दम, बूता, सामर्थ्य मुख्य वस्तु, सुन्दरता शोभा या मज़बूती बढ़ाने वाली वस्तु, सार वस्तु, प्रेमी या प्रेमिका के लिए सम्बोधन, जिन, परी।
जान के लाले पड़ना—जीवन संकट में पड़ जाना, कठिनाई में फँसना।
जान छुड़ाना—किसी झंझट से पीछा छुड़ाना
जान पर खेलना—कोई काम करने के लिए जीवन संकट में डालना।
जान बहक़ तसलीम—मरना।
जान से जाना—मरना।
जान आज़ारी—(फ) कष्ट देना, दुख देना।
जान आफ़रीन—(फ) जीवन देने वाला, सृष्टि उत्पादक
जान आहन—(फ) निर्दय, निर्मम, महाप्राण,
जानकाह—(फ) प्राण घातक, जीवन कम करने वाला।
जानदार—(फ) सजीव, सबल,

सशक्ति, जिसमें जीव हो, जिसमें शक्ति हो।
जान बख्शी—(फ) प्राण दान देना, प्राण दण्ड से मुक्त कर देना, पूर्ण रूप से क्षमा करना।
जानमाज़—(फ) वह छोटी दरी जिस पर बैठ कर नमाज पढ़ते हैं।
जानवर—(फ) सजीव, प्राणी, जीव जन्तु, पशु।
जा नशीन—(फ) उत्तराधिकारी, स्थानापन्न, किसी के स्थान पर उत्तराधिकारी बनकर बैठने वाला।
जानाँ—(फ) प्रेम पात्र, माशूक।
जानानाँ—(फ) प्रेमपात्र, माशूक।
जानिब—(अ) तरफ़, ओर, पक्ष, दिशा।
जानिबदार—(फ) ओर लेनेवाला, पक्षपाती, तरफदार।
जानिबैन—(अ) जानिब का बहुवचन। दोनों पक्ष, दोनों ओर।
जानिया—(अ) व्यभिचारिणी, दुराचारिणी।
जानी—(अ) जान से सम्बन्ध रखने वाला, जान का, प्यारा, मित्र।
जानी—(अ) व्यभिचारी, दुराचारी।
जानी दुश्मन—(मि०) अत्यन्त शत्रु, जो प्राण लेने को उतारू हो।
जानी दोस्त—(मि०) अति घनिष्ठ मित्र, प्राण प्रिय।
जानू—(फ) घुटना।
जाने जहाँ—(फ) संसार का प्यारा, माशूक।
जाने जान—(फ) जीवनाधार, प्राणों का प्राण, परमात्मा, परोंठा।
जानेमन—(फ) मेरे प्राण, प्रिय व्यक्ति के लिये सम्बोधन।
जाफ़र—(अ) बड़ी नदी, नद, पीला रंग, नाम विशेष।
जाफ़रान—(अ) केसर।
जाफ़रानी—(अ) जाफरान का, ज़ाफ सम्बन्धी, केसर का, केसर के रंग का, केसरिया।
जाफ़री—(फ) बाँस की खपचियों से बनाई हुई टट्टी। पीलेरंग का फूल, गेंदा के फूल, गेंदा के फूल की एक किस्म, पीला रंग, जाफर के कुटुम्ब या वंश का।
जाबजा—(फ) जगह जगह, ठौर-ठौर, जहाँ तहाँ, यत्र-तत्र।
जाबित—(अ) ज़ब्त करने वाला, संयमी, सहनशील, स्वामी, मालिक।
जाबिता—(अ) नियम, व्यवस्था, कानून, कायदा, रिवाज, प्रथा।
जाबिर—(फ) जब्र करने वाला, अत्याचारी, धींगा-धींगी करने

वाला, ज्यादती करने वाला।

जाबिह—(अ) ज़िबह करने वाला, कसाई बूचड़, घातक।

जाबेजा—(फ) भली-बुरी बातें, समय असमय, मौके बे मौक़े।

जाब्तगी—(अ) नियमानुकूलता, वैधता।

जाब्ता—(अ) देखो "ज़ाबिता"

जाब्ता दीवानी—(फ) सर्व साधारण के परस्पर लेन-देन सम्बन्धी कानून।

जाब्ता फ़ौजदारी—(अ) चोरी जुआ आदि अपराधों सम्बन्धी कानून।

जाम—(फ़) प्याला, कटोरा, शराब पीने का प्याला।

जामदानी—(फ) एक प्रकार का कढ़ा हुआ फूलदार कपड़ा।

जामा—(अ) जमा करने वाला, व्यापक, बृहत, कुल, सब, एक।

जामा—(फ) पहनने का कपड़ा, एक प्रकार का पहनावा जिसमें ऊपर का हिस्सा कुर्ते का सा और कमर से नीचे का भाग लहँगे की तरह घेरदार होता है। बुरका। विश्वविद्यालय, यूनिवर्सिटी।

जामे से बाहर होना = अत्यधिक क्रोध करना।

जामा मसजिद—(अ) वह बड़ी मसजिद जिसमें शुक्र के दिन शहर-भर के मुसलमान एकत्र होकर नमाज़ पढ़ते हैं।

जामिद—(अ) जमा हुआ, व्याकरण में रूढ़ि शब्द, देशज, पत्थर का।

जामिन—(अ) जो किसी की ज़मानत करे, किसी की ज़िम्मेवारी लेने वाला।

फ़ेल जामिन—अमुक व्यक्ति अनुचित या वर्जित कार्य न करेगा, इस बात की ज़िम्मेवारी लेने वाला।

माल जामिन—किसी के ऋण आदि चुकाने के सम्बन्ध में ज़मानत करने वाला।

जामिनी—(अ) देखो "ज़मानत"।

जामेजम—(फ) एक कल्पित प्याला जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि कैखुसरो ने एक बहुत बड़ा और अद्भुत प्याला बनाया था, जिसमें बैठे व्यक्ति को संसार-भर में घटने वाली घटनाओं का पता लग जाता था।

जामे जमशेद—(फ) देखो "जामे-

जम"।

जामे जहाँनुमाँ— (फ) देखो "जामेजम"।

जामैयत— (अ) समुदाय, परिषद, सभा।

जाय— (फ) जगह, स्थान, जा।

जायक़ा— (अ) स्वाद, आस्वादन, खाने-पीने की चीज़ों का वह गुण जिसका ज्ञान जीभ द्वारा होता है।

जायच— (फ) जन्म-पत्र।

जायज़— (अ) उचित, वैध, ठीक, मुनासिब।

जायज़ा— (अ) हिसाब किताब की जाँच-पड़ताल लेन-देन, इनाम, पुरस्कार, पारितोषिक।

जायद— (अ) अतिरिक्त, अधिक, फालतू, बढ़ा हुआ, निरर्थक, व्यर्थ का।

जायदादि— (फ़) जन्म होना, पैदा होना।

जायदाद— (फ) सम्पत्ति, भूमि धन या समान, सामग्री, माल असबाब।

जायदाद ग़ैर मनक़ूला— (फ) वह सम्पत्ति जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर न ले जाई जा सके। स्थावर सम्पत्ति।

जायदाद मनक़ूला—(फ) वह जायदाद जो चाहे जहाँ ले जाई जासके, चर सम्पत्ति।

जायर— (अ) यात्री, पथभ्रष्ट, अत्याचारी।

जायल— (अ) विनष्ट, बर्बाद।

जाया— (अ) नष्ट, खोया हुआ, बर्बाद।

जार— (अ) पद, प्रतिष्ठा, जो आकर्षण करता हो, व्याकरण में विभक्ति।

ज़ार— (फ) बहुत, अधिक, स्थान, किसी वस्तु की प्रचुरता, अपमानित, संकटापन्न।

ज़ारज़ार रोना— अति अधिक रोना।

ज़ार व क़तार— (फ) लगातार, निरन्तर।

ज़ार व निज़ार— (फ) दुबला पतला, क्षीणकाय, दुर्बल, कमज़ोर।

जारहा— (अ) घाव करने वाला।

जारी— (अ) प्रचलित, बहता हुआ, चलता हुआ, प्रवाहित।

ज़ारी— (फ) रुदन, रोनाधोना।

जारूब— (फ) बुहारी, झाड़ू,

जारूब कश— (फ) बुहारी देने वाला, झाड़ने वाला।

जाल— (अ) छल, कपट, धोखा, बनावट। चिड़ियाँ या मछलियाँ पकड़ने का साधन जो सूत की रस्सियों का बना होता है।

ज़ाल— (फ) वह श्वेत बालों वाले (स्त्री पुरुष)। (अ) पथभ्रष्ट। खोई हुई वस्तु।

जालसाज— (मि०) जाल बनाने वाला, धोखा देने वाला, कपट करने वाला, झूठी कार्रवाई करने वाला, फरेबी, छलिया।

जाला— (फ) बेड़ा, तमैड़, नदी आदि पार करने के लिए घड़ों को लकड़ी में बाँध कर अथवा लकड़ी के लट्ठों को एक जगह बाँध कर बनाया हुआ साधन।

ज़ाला बारी— (फ) उपल-वृष्टि, ओलों की घोर वर्षा।

ज़ालिम— (अ) अत्याचारी, ज़ुल्म करने वाला।

जाली— (अ) बनावटी, कृत्रिम, झूठा, जो असली न हो। जिला करने वाला, चमकाने वाला, पालिश करने वाला।

जाविदा— (फ) सदैव, सदा, हमेशा, सदा रहने वाला, शाश्वत।

जाविदानी— (फ) हमेशगी, स्थायित्व, सदा रहने की अवस्था।

ज़ाविया— (अ) कोण, कोना।

ज़ाविया क़ायमा— (अ) अधिक कोण।

ज़ाविया जाद्दा— (अ) न्यून कोण।

ज़ाविया मनुफ़र्दा (अ) न्यून कोण।

जावेद— (फ) सदा रहने वाला, स्थायी, अविनश्वर, अमर।

जविदा— (फ) देखो जावेद।

जासूस—(अ) भेदिया, गुप्तचर, खुफ़िया खबर देने वाला, किसी अपराधी आदि का गुप्त रूप से पता लगाने वाला।

जासूसी— (अ) जासूस का काम, किसी बात का गुप्त रूप से पता लगाना।

जाह— (अ)ऊँचा पद, प्रतिष्ठा।

जाह-व: जलाल— (अ) पद और वैभव।

जाहलीयत— ( ) देखो "जहालत"।

जाहिद— (अ) विरक्त, ईश्वर भक्त, सब दुष्कर्मों से बचकर परमात्मा की उपासना करने वाला।

जाहिदाना— (फ) विरक्तों का-सा, ईश्वर भक्तों का सा।

ज़ाहिदे खुश्क— (फ) अवधूत।

ज़ाहिर— (अ) प्रकट, प्रकाशित, स्पष्ट, खुला हुआ। ज्ञात, अवगत, जाना हुआ।

ज़ाहिरदार— (मि) बनावटी, दिखावटी, ऊपरी, दिखौआ।

ज़ाहिरदारी— (मि०) बनावट, दिखावट, बनावटी व्यवहार, ऊपरी-तड़क भड़क।

ज़ाहिरन्— (अ) प्रकट, प्रकाश रूप से।

ज़ाहिर परस्त— (मि०) केवल ऊपरी दिखावट पर मुग्ध होने वाला।

ज़ाहिरी— (अ) ऊपर से ज़ाहिर होने वाला।

ज़ाहिरा— (अ) प्रकाट, प्रकाश रूप से। ऊपर देखने में।

जाहिल— (अ) मूर्ख, अज्ञान, अनपढ़, नासमझ। भ्रान्त, अचेत, भूला हुआ।

जाहिलियत— (अ) अज्ञान, मूर्खता।

ज़िक ज़िक— (अ) चिल्ल पुकार, कोलाहल, बक झक।

ज़िक्र— (अ) चर्चा, उल्लेख, प्रसंग, क़ुरान का पाठ, ईश्वर का गुण गान।

ज़िक्र मज़कूर— (फा) चर्चा करना, स्मरण करना।

ज़िक्रे ख़ैर— (फ) अच्छे रूप में याद करना, शुभ चर्चा।

जिगर— (फ) यकृत, कलेजा, मन, चित्त, साहस, हिम्मत, जीव, सार, गूदा।

जिगर बन्द— (फ) पुत्र, औरस, शरीर के भीतर के हृदय फुफ्फुस आदि।

जिगरी— (फ) अत्यन्त घनिष्ठ, भीतरी, अन्तरंग, दिल्ली।

ज़िच— (फ) विवशता, मजबूरी, तंगी शतरंज के खेल की वह स्थिति जिसमें एक पक्ष वाले मोहरों के सब रास्ते बन्द हो जाँय।

ज़िद— (अ) आग्रह, हठ, दुराग्रह, विरोध।

जिद्दत— (अ) नवीनता, नयापन, ताज़गी,

जिदाबदी— (मि०) होड़, प्रतियोगिता, बहसा बहसी, लड़ाई झगड़ा।

जिदाल— (अ) युद्ध, संग्राम, समर, लड़ाई, जंग।

ज़िद्द— (अ) देखो 'ज़िद"।

ज़िद्दी— (अ) हठी, दुराग्रही,

ज़िद करने वाला।
जिन— (अ) भूत, प्रेत।
जिनहार— (फ) शरण, शान्ति, बचाव, प्रतिज्ञा। कदापि, कभी, हरगिज़।
ज़िना— (अ) व्यभिचार, पराई स्त्री से भोग करना।
ज़िनाकार— (मि०) व्यभिचारी, परस्त्री गामी।
ज़िनाकारी— (मि०) ज़िना करना, व्यभिचार, परस्त्री गमन।
ज़िना बिज्जब्र— (अ) किसी स्त्री के साथ उसकी इच्छा न होने पर भी बल पूर्वक भोग करना।
ज़िना बिल्‌जब्र— (अ) देखो "ज़िना बिज्जब्र"
ज़िन्द— (फ) पारसी धर्म का, प्रसिद्ध मान्य ग्रंथ, गौरवशाली, बड़ा।
ज़िन्दगानी— (फ) जीवन, जन्म से लेकर मृत्यु तक के मध्य का काल।
ज़िन्दगी— (फ) देखो "ज़िन्दगानी" जीवन-काल, आयु।
ज़िन्दां— (फ) बन्दीगृह, कैदख़ाना, कारागार।
ज़िन्दा— (फ) जीवित, जानदार, जीता हुआ।
ज़िन्दानी— (फ) कैदी।
ज़िन्दा दर गोर— (फ) जीतेजी मरे के समान, जीता हुआ कब्र में रहने योग्य।
ज़िन्दा दिल— (फ) प्रसन्न चित्त, हँसमुख, सदा खुश रहने वाला, रसिक, सहृदय, शौक़ीन।
ज़िन्दा दिली— (फ) सहृदयता, रसिकता, शौक़ीनपन, हँसोड़ पन।
ज़िम्रा— (अ) व्यभिचारी, दुराचारी।
जिन्नात— (अ) जिन का बहुवचन।
जिन्नी – (अ) भूत प्रेतों की पूजा करने वाला, ओझा, स्याना।
जिन्स — (अ) अनाज, गल्ला, अन्न, भाँति, प्रकार, भेद, क़िस्म, वस्तु, चीज़, सामान, सामग्री।
जिन्सख़ाना—(मि०) कोठार, भंडार।
जिन्सवार— (मि०) प्रत्येक जिंस का अलग अलग रखना या लिखना। पटवारियों का रजिस्टर जिसमें जिंस के हिसाब से खेतों के नम्बर और उनकी नाप लिखी जाती है।
जिवस— (फ) पूर्ण रूप से।
जिवस कि— इस लिए कि।

जबह—(अ) पशुओं का वध करना, जानवरों का गला काटना।

जिबह अकबर—(अ) ईदुज्जुहा की कुर्बानी।

जबाल—(फ) पहाड़, पर्वत।

जब राईल—(फ) एक फरिश्ते का नाम।

जमन—(अ) भीतरी भाग, खाने, विभाग, कानून की दफा, धारा।

जमाअ—(अ) सम्भोग, सहवास, स्त्री प्रसग

जिमादात—( ) देखो "जमादात"।

जमाम—( ) बागडोर, शासन, सूत्र।

जम्मा—(अ) उत्तर दायित्व, जिम्मेदारी, देख रेख, भार, जवाब देही, किसी काम के सम्बन्ध में 'वह अवश्य हो जायगा' ऐसा भार अपने ऊपर लेना।

जम्मी—(अ) वे मुसलमानेतरधर्मावलम्बी लोग जिन्हें मुसलमानी राज्य में शरण दी गई हो तथा उनसे जजिया नामक कर लिया जाता हो।

जम्मेदार—(अ) वह व्यक्ति जिसने किसी बात का जिम्मा लिया हो। उत्तरदायी।

जया—(फ) क्षति, हानि, घाटा, टोटा-नुकसान।

जया—(अ) प्रकाश, ज्योति, उजाला, रोशनी, सूय का प्रकाश।

जयादा—(अ) अधिक, विशेष, बहुत।

जयान—(अ) देखो "जियाँ"।

जयाफत—(अ) भोज, ज्योनार, बड़ी दावत जिसमें बहुत-से आदमियों को भोजन कराया जाय, महमानी।

जयारत—(अ) भेट, दर्शन, किसी तीर्थ स्थान या देवता के दर्शन।

जयारती—(अ) तीर्थ यात्री, जात्री, जाती।

जिरगा—( ) देखो "जरगा"

जिरह—(अ) देखो "जरह"।

जिरह—(फ) कवच, चर्म, लोहे की कड़ियों का बना हुआ कुर्ता सा जिसे युद्ध में सैनिक पहनते हैं।

जिरह गोश—(फ) दम्भी, द्वेषी।

जिरह पोश—(फ) जो कवच या वर्म पहने हुए हो, कवच धारी।

जिरह वकर—(फ, कवच।

जिरही—(फ) जिरह पहने हुए, वर्मधारी, कवच धारण किए हुए।

जिरियान—(अ) वीर्य सम्बन्धी

रोग, प्रमेह ।
जिर्म—(अ) देह, शरीर, कोई भी निर्जीव पदार्थ का पिण्ड ।
जिलवत—(अ) प्रकाशित, प्रकट, खिलवत का उलटा ।
जिला—(फ) चमक, रंग, परिष्कार, पालिश ।
जिला—(अ) प्रान्त, पसली ।
जिला करना—चमकाना, रँगना, खराद पर चढ़ाना, पालिश करना ।
जिलाकार—(मि०) शान रखने वाला, पालिश करने वाला, सिकलीगर, शानगर ।
जिली—(अ) स्पष्ट, प्रकट, मोटे और सुन्दर अक्षर ।
जिलेदार—(मि०) किसी प्रान्त का प्रधान अधिकारी, जिले का अफसर ।
जिलेदारी—(मि०) जिलेदार का पद, जिलेदार का काम ।
ज़िल्क अद—(अ) अरबों के वर्ष का ग्यारहवाँ महीना ।
जिल्द—(अ) त्वचा, खाल, छाल, छिलका, चर्म, पुस्तक की रक्षा के लिए उस पर चढ़ाया गया पुट्ठा । पुस्तक की एक प्रति । किसी बड़ी पुस्तक का वह भाग जो एक जगह सिला हो, अस्त बार का मासिक अंक ।
जिल्दगर—(मि०) जिल्द बनाने वाला ।
जिल्दबन्द—(मि०) जिल्द बनाने वाला ।
जिल्दसाज़—(मि०) जिल्द बनाने वाला ।
जिल्दसाज़ी—(मि०) किताबों रजिस्टरों आदि की जिल्द बनाने का काम ।
जिल्दी—(अ) जिल्द से सम्बन्ध रखने वाला ।
ज़िल्ल—(अ) रात्रि का अन्धकार, छाया, परछांई, दया, कृपा, विचार, गरमी की अधिकता ।
ज़िल्लत—(अ) अपमान, निरादर, तिरस्कार, दुर्गति, अपराध ।
ज़िल्लत उठाना—अपमानित होना, दुर्दशा होना ।
ज़िल्ले इलाही—(मि०) ईश्वर की कृपा, खुदा की मेहरबानी ।
ज़िल्हिज्ज—(अ) अरबों के वर्ष का बारहवाँ महीना ।
ज़िश्त—(फ) बुरा, भोंडा, कुरूप ।
ज़िश्ती—(फ) बुराई, भोंडापन, कुरूपता ।
जिस्म—(अ) शरीर, देह, बदन ।

जिस्मानी—(अ) शारीरिक, शरीर सम्बन्धी। देहका।

जिस्मी—(अ) निजी, अपना, व्यक्तिगत।

जिह—(फ) "देखो ज़ह"।

जिहत—(अ) हेतु, कारण, वजह।

ज़िहन—(अ) बुद्धि, समझ, स्मरण शक्ति, ध्यान।

ज़िहन खुलना—बुद्धि का विकास होना, समझ का बढ़ना।

ज़िहन नशीन होना—समझ में बैठना, ध्यान में आना।

जिहल—(अ) देखो "जहल"।

जिहाद—(अ) देखो "जहाद"।

जिहादे ज़िन्दगी—(अ) जीवन संघर्ष।

जिहालत—(अ) देखो "जहालत"।

ज़ी—(अ)स्वामी, अधिपति, मालिक, युक्त वाला, रखने वाला।

ज़ी अख़्तियार (अ) जिसे अधिकार हो, अधिकार वाला। अधिकारी।

ज़ी इल्म (अ) विद्वान्।

ज़ीक़—(अ) दिक़्क़त, कठिनाई, तंगी परेशानी, अड़चन, मानसिक क्लेश, संकीर्णता।

ज़ीक़-उल-नफ़स—(अ) दमेकी बीमारी, श्वासरोग।

ज़ीक़ाद—(अ) अरबों का ग्यारहवाँ महीना।

ज़ीन—(अ) घोड़े की काठी। कपड़े या चमड़े की बनी वह विशेष ढंग की गद्दी जो सवार होने के लिए घोड़े की पीठ पर कसी जाती है, गद्दा। एक प्रकार के मोटे और मज़बूत कपड़े का नाम।

ज़ीनत—(अ) शोभा, सजावट।

ज़ीनपोश—(मि०) घोड़े के ज़ीन बिछाने का कपड़ा, चारजामा।

ज़ीनसाज़—(मि०)ज़ीन वगैरा बनाने वाला।

ज़ीनहार—(फ) कदापि, कभी, हरगिज़। शरण, प्रतिज्ञा, आशा, परहेज़।

ज़ीना—(फ) सीढ़ी, नसैनी।

ज़ीर—(फ) संगीत में मन्द या कोमल स्वर।

ज़ीरक—(फ) समझदार, बुद्धिमान, अक्लमन्द।

ज़ी रुतबा—(अ) प्रतिष्ठित, ऊँचे पद पर आसीन, ओहदेदार।

ज़ीस्त—(फ) जीवन, ज़िन्दगी।

ज़ी हयात—(अ) जीवित, बड़ी अवस्था वाला, लम्बी उम्र वाला।

जुआफ— (अ) सर्प दंश या विष खाने के कारण सहसा होने वाली मृत्यु।
जुकाम— (अ) प्रतिश्याय, सर्दी का रोग।
जुगरात— (अ) दधि, दही।
जुगराफ़िया— (अ) भूगोल, वह पुस्तक जिसमें भूमि के जल स्थल आदि विविध मार्गों का वर्णन होता है।
जुज़— (अ) अतिरिक्त, सिवा, भाग, टुकड़ा, हिस्सा, खण्ड, पुट, किसी चीज को परस्पर मिलाने वाले अवयव, पुस्तक के कुछ निश्चित पृष्ठों के हिस्से जो एक बार में एक कागज़ पर छापे जाते हैं, (प्रेस की परिभाषा में) फार्म।
जुज़दान— (मि०) पुस्तकें बाँधने का कपड़ा, वेष्टन, बस्ता।
जुज़बन्दी— (मि०) पुस्तकों की वह सिलाई जिसमें उसका एक एक जुज़ अलग अलग सीकर परस्पर जोड़ दिया जाते हैं।
जुज़वियात— (अ) अंश, भाग टुकड़े, अंग, ब्यौरे या विवरण की बातें।
जुज़वी— (अ) बहुत थोड़ा, स्वल्प साधारण, सामान्य, तुच्छ।
जुज़ाम— (अ) कुष्ठरोग, कोढ़।
जुज़ामी— (अ) कुष्ठरोगी, कोढ़ी कोढ सम्बन्धी।
जुज्व— अ) देखो "जुज़"। हिस्सा
जुदा – (फ) भिन्न, पृथक, अलग, अलहदा।
जुदाई— (फ) भिन्नता, पृथकता, अलगाव, अलहदगी, वियोग, बिछोह,
जुदागाना— (अ) भिन्न भिन्न, अलग-अलग, स्वतन्त्र रूप से।
जुदायगी—(फ) देखो "जुदाई"
जुनूं— (अ) उन्माद, पागलपन।
जुनून— (अ) देखो "जुनूं"।
जुन्नार— (अ) जनेऊ, यज्ञोपवीत, वह विशेष रूप से बनाया गया डोरा जिसे पारसी लोग कमर में बाँधते हैं।
जुफ़ाफ़— (अ) वर-वधू का प्रथम समागम।
जुफ़्त — (फ) मिथुन, युग्म, जोड़ा, स्त्री पुरुष, बैलों की जोड़ी।
जुफ़्ता — (फ) सलवट, बल, शिकन, रेखा।
जुफ़्ती— (फ) मैथुन करना संभोग क्रिया (विशेषतया पशु पक्षियों

की)।
जुब—(अ) स्वामी, मालिक, ईश्वर।
जुब्बा—(अ) वह ढीला ढाला और एड़ी तक लटकता हुआ कुर्ता जिसे फकीर पहनते हैं। गाउन।
जुमर-जुमरा—(अ) जन समूह, आदमियों की भीड़, सेना पलटन, ।
जुमरा—(अ) उपदेश, आग की चिनगारी, आतिशक रोग।
जुमलगी—(फ) पूर्णता, सम्पूर्णता कुल या सब का भाव।
जुमला—(अ) वाक्य, कुल, सब, पूरा, सब मिलाकर, कुलजमा,
जुमला मोअतरिजा—( ) कोष्ठक मे लिखा हुआ वाक्य या शब्द।
जुमा—(अ) शुक्रवार, मुसलमानों का सातवाँ दिन।
जुमेरात—(अ) गुरुवार, बृहस्पतिवार, मुसलमानों का छठा दिन।
जुम्बिश—(फ) हिलना-डुलना, खिसकना, सरकना। विचलित होना।
जुरअत—(अ) साहस, हिम्मत, वीरता, चातुर्य
जुरफा—(अ) जरीफ का बहुवचन।
जुरमाना—(फ) अर्थ दंड, वह सजा जिसमें अपराधी को धन देना पड़े।
जुराफ-जुराफा—(अ) अफरीका देश का एक जंगली पशु जो आकार प्रकार में ऊँट से मिलता-जुलता होता है। जिराफ।
जुराब—(अ) मोजा, पायताबा।
जुरूफ—(अ) जर्फ का बहुवचन। बरतन, भाँड़े।
जुरूर—( ) देखो "जरूर"।
जरूरी—( ) देखो "जरूरी"।
जुर्म—(अ) अपराध, दोष, वह काम जो राजनियमानुसार दण्डनीय हो।
जुर्माना—(फ) देखो "जुरमाना"।
जुर्रत (अ) देखो "जुरअत"।
जुर्रा—(फ) नर बाज पक्षी।
जुर्राब—(अ) देखो "जुराब"।
जुल—(फा) फूल, पुष्प, प्रसून, धोखा।
जुलकअदा—(अ) अरबों का ग्यारहवाँ महीना।
जुलाब—(अ) विरेचक दवा, वह ओषधि जिसके खाने पर दस्त हो जायँ।
जुलाल—(अ) शुद्धजल, स्वच्छ पानी, निर्मल, निथरा हुआ।

जुलूस—(अ) देखो "जलूस"।
जुलूसी—(अ) देखो "जलूसी"।
जुल्फ—(अ) सिर के वे लम्बे बाल जो कानों के पास लटकते हों, रात्रि का अंश।
जुल्फिक़ार—(अ) हजरत अली की तलवार का नाम।
जुल्म—(अ) अन्याय, अत्याचार अंधेर।
जुल्म केश—जुल्म करने वाला, अत्याचारी।
जुल्मत—(अ) अंधकार, अंधेरा।
जुल्म रसीदा— (मि०) जिसपर जुल्म किया गया हो, अत्याचार पीड़ित।
जुल्म शआर— (अ) देखो "ज़ालिम"
जुल्मात—(अ) ज़ुल्मत का बहुवचन, अन्धकार पूर्ण जगहें।
जुल्मी—(अ) अत्याचारी, अन्यायी, ज़ालिम।
जुल्लाब—(अ) देखो 'जुलाब"।
जुस्तजू—(फ) खोज, अन्वेषण, तलाश, जिज्ञासा।
जुस्सा—(अ) शरीर, देह, तन, बदन।
जुहद—(अ) सांसारिक भोग विलासों का त्याग, विरक्ति, वैराग्य, उपराम।
जुहरा—(अ) बीबी फातिमा की उपाधि
जुहरा—(अ) शुक्र नामक ग्रह।
जुहल—(अ) मूर्खता, अज्ञान।
जुहल—(अ) शनैश्चर नामक ग्रह।
जुहला—(अ) जाहिल का बहुवचन बहुत-से मूर्ख।
जुहा—(अ) एक पहर दिन चढे का समय। जलपान का समय, कलेउ का वक्त।
जुही—(फ) एक फूल का नाम।
जुहूर—(फ) देखो "ज़हूर"।
जुह्र—(अ) दिन का तीसरा पहर, दिन ढलने का समय।
जू—(फ) नदी, तालाब, नहर जलाशय।
जू—(अ) स्वामी, अधिपति, मालिक रखनेवाला।
जू-उल-कद्र—(मि०)शीघ्र, जल्दी।
जूए—(फ) देखो "जू"।
जूएबार— वह स्थान जहाँ बहुत सी नहरें बह रही हों।
जूक—(तु) सेना, फौज, आदमियों की भीड़, जनसमूह।
जूद—(अ) सौजन्य, उदारता अच्छी वस्तु, मूसलाधार वृष्टि।

ज़ूद— (फ) शीघ्र, जल्दी।
ज़ूद फ़हम— (फ) बात को जल्दी समझने वाला।
ज़ूदरंज— (फ) जल्दी नाराज हो जाने वाला, तुनक मिजाज।
ज़ूदी— (फ) शीघ्रता, जल्दी, शीघ्रता का जल्दी का।
ज़ूफ़— (फ) धिक्कार, लानत, फटकार।
ज़ू फ़नून— (अ) अनेक कलाओं का ज्ञाता, बहुत सी विद्याएँ जानने वाला।
ज़ूमानी— (अ) जिसके दो अर्थ होते हों, द्व्यर्थक, श्लिष्ट।
ज़ूर— (अ) अहंकार, अभिमान, दम्भ, ढोंग, बनावट, झूठापन,।
जेब— (अ) खीसा, पाकेट, पहनने के कपड़ों में कई चीज़ रखने के लिए बनाया हुआ थैला जैसा स्थान।
ज़ेब— (फ) शोभा, रानक, शोभा बढाने वाला, ठीक, उपयुक्त, उचित।
ज़ेबा— (फ) शोभा, शोभा देने वाला, उपयुक्त, ठीक, उचित।
ज़ेबाइश— (फ) शृंगार सजावट, शोभा, फबन।
ज़ेबाइशी— (फ) सुन्दरता, बढ़ाने वाला, सौन्दर्यवर्धक।
जेबी— (अ) जेब में रखने का, छोटा जो जेब में रक्खा जा सके।
ज़ेबे ज़ुबाँ— (फ) जिह्वाग्र, ज़बान पर।
ज़ेर— (फ) नीचे, अधीन, नीचे का, घटिया, तुच्छ, फारसी लिपि में एक चिह्न जो अक्षरों के नीचे लगाया जाता और (इ) की आवाज़ देता है।
ज़ेर अन्दाज़— (फ) कपड़े या दरी का वह गोल टुकड़ा जो हुक्के के नीचे बिछाया जाता है।
जेर अफ़गन— (फ) दरी, तोषक मैरवीराग।
जेरजामा— (फ) पाजामा, इजार, सलवार, पतलून आदि।
जेरतजवीज़— (फ) विचाराधीन
जेर दस्त— (फ) जिसका पक्ष निर्बल हो, कमज़ोर, परास्त, पराजित अधीन, मातहत।
जेरपाई— (फ) एक प्रकार का जूता जो अत्यन्त हलका हता है।
जेरबन्द— (फ) वह तसमा जो घोड़े के पेट पर बाँधा जाता है।
जेरबार— (फ) भारग्रस्त, लदा हुआ, व्यय अथवा ऋण।

के बोझे से दबा हुआ।

ज़ेरबारी— (फ) ऋण अथवा व्यय आदि का भार, अत्यधिक व्यय।

ज़ेरमश्क— (फ) लिखते समय कागज़ के नीचे रखने का पाट्ठा या लकड़ी का तख्ता।

ज़ेरलब— (फ) बहुत धीरे बोलना।

ज़ेरवज़बर— (फ) समय का उलट फेर, दुनिया का ऊँचनीच।

ज़ेरसाया— (फ) किसी की देखरेख में, संरक्षण में।

ज़ेवर— (फ) आभूषण, अलंकार, गहना।

ज़ेवरात— (फ) ज़ेवरात का बहु वचन।

ज़ेह— (फ) किनारा, सिरा, तट, पार्श्व ,प्रसव, बच्चा जनना, सन्तान, जरायु, नाल, आँवल, धनुष की डोरी, प्रत्यंचा।

ज़ेहन— (फ) देखो "ज़हन"।

ज़ैन— (अ) शोभा, सजावट।

ज़ैयद— (अ) अच्छा, भला, बलवान, मज़बूत, बहुत बड़ा, विशाल। उर्वर, उपजाऊ।

ज़ैल— (अ) निम्न, नीचे का पेटा आगे आने वाला या लिखा हुआ, पल्ला, दामन।

जोइन्दा— (फ) खोजने वाला, अन्वेषक।

जोई— (फ) तुष्टि, सन्तोष, छिपाना, गोपन, रक्षा, ढूंढना, खोजना।

ज़ोफ़— (अ) निर्बलता, कमज़ोरी, बोदापन, मूर्छा, अशक्तता।

ज़ोफ़-उल-अक्ल— (अ) मन की दुर्बलता, दिमाग़ी कमज़ोरी।

ज़ोऽफ़ा— (अ) ज़ईफ़ का बहुवचन।

ज़ोफ़ेदिमाग़— (अ) मानसिक या मस्तिष्क सम्बन्धी निर्बलता।

ज़ोफ़े बसारत— (अ) मन्ददृष्टि, कम दीखना, नेत्रों की निर्बलता।

ज़ोफ़े मैदा— (अ) मन्दाग्नि, जठराग्नि की निर्बलता, पाचनशक्ति की कमज़ोरी।

जोया—(फ) खोजने वाला ढूंढने वाला। अन्वेषक।

जोयाँ—(फ) देखो "जोया"।

ज़ोर— (फ) बल, शक्ति।

ज़ोर देना(फ) आग्रह करना, किसी बात को महत्त्वपूर्ण या आवश्यक प्रकट करना।

ज़ोर आज़मा—(फ) पहलवान, मल्ल।

ज़ोर आज़माई—(फ) बल परीक्षा, खींचातानी।

ज़ोर दार—(फ) बलिष्ठ, शक्तिशाली

ज़ोर मन्द—(फ) ज़ोरदार।

जोर शोर—(फ) आतंक, प्रबलता।
जोरा—(फ) रीढ की हड्डी।
जोरावर—(फ) बलवान, शक्ति शाली।
जोरे आसमाँ—(फ) आसमानका जुल्म।
जोश—(फ) उत्साह, आवेश, उबाल, उफान।
जोश खाना—(फ) उबलना, उफ-नना।
जोश देना—(फ) किसी चीज को पानी में डालकर आग पर गरम करना।
जोश दिलाना—(फ) उत्साहित करना, चित्तकी वृत्ति को उभारना।
जोशन—(फ) एक आभूषण जो भुजाओं में पहना जाता है, बाजू बन्द, जिरह बख्तर।
जोश वखरोश—(फ) उत्साह और आवेश।
जोशादा—(फ) दवाओं को पानी में उबालकर किया गया काढ़ा क्वाथ।
जोशिश—(फ) उत्साह, आवेग, उबाल।
जोशे जुनूँ—(फ) पागल पन का जोश।
जोहरा—(फ) बृहस्पति नामक ग्रह।
जौ—(अ) आकाश, ज्योति।
जोहद—(फ) पवित्रता।
जौक—(मि) सेना, समूह, पक्षि समुदाय।
जौक—(अ) प्रसन्नता, आनन्द, उत्साह।
जौज—(अ) नारियल अखरोट, खाद्य फल।
जौज—(अ) जोड़ा, युग्म, पति, खसम
जौजा—(अ) मिथुन राशि।
जौजा—(अ) पत्नी, स्त्री।
जौ जियत—(अ) पत्नीत्व, विवाहित अवस्था।
जौदत—(फ) उत्तमता, अच्छाई, बुद्धिमत्ता बुद्धि की तीव्रता भलाई।
जौफ—(अ) छिद्र, विवर, गढा, पेट, शरीर के भीतर की ख़ाली जगह। अवकाश।
जौर—(अ) अन्याय, अत्याचार।
जौ फरोश गन्दुम नुमा—(फ) धूर्त, मक्कार, धोखेबाज़, अच्छी चीज़ दिखा कर ख़राब चीज़ देने वाला।
जौम—(अ) अकड़, ऐंठ, प्रमाद।
जौलाँ—(फ) बेड़ियाँ जो कैदियों के पैरों में डाली जाती हैं।
जौलाँ गाह—(फ) घुड़दौड़ की जगह।
जनौला—(फ) दौड़ धूप, जल्दी जल्दी

इधर-उधर आना-जाना। खेल, कवायद।

जौलान गाह—(फ) सिपाहियों के कवायद करने का मैदान।

जौलानी—(फ) शीघ्रता, तेजी फुर्ती, जल्दबाजी, बुद्धि तीव्रता। घड़ा, शराबका प्याला।

जौलाह—(फ) कपड़ा बुनने वाला जुलाहा।

जौहर—(भि०) रत्न, मणि, बहुमूल्य पत्थर, सत्व, सार, तत्त्व, विशे चमत्कार, शस्त्रास्त्र चलाने की निपुणता।

जौहरी—(अ) जवाहिरात बेचने वाला, रत्न पर रखने वाला, किसी वस्तु के गुण-दोषों को समझने वाला।

ज्यादती—(फ) अधिकता, आधिक्य बहुतायत, बेजा दबाव डालना, अत्याचार।

ज्यादा—(अ) अधिक, विशेष, बहुत।

त

तग—(फ) सकुचित, भिचा हुआ, दुखी, दबाया, सताया हुआ, निर्धन, कम। निवाड़ या चमड़े की वह पट्टी जिससे घोड़े का नमदा उन की कमर पर कसा जाता है।

तग चश्म—(फ) कजूस, लोभी कृपण।

तंगदस्त—फ) निर्धन, कगाल, गरीब, दरिद्र।

त गदस्ती—(फ) निर्धनता, कंगाली, गरीबी।

त ग दहन—(फ) छोटे मुहवाला।

त ग दिल—(फ) सकीर्ण हृदय, अनुदार, कृपण कजूस,।

त ग साल—(फ) दुभिक्ष का वर्ष, अकाल की साल।

त ग हाल—(फ) निर्धन, कगाल, दुर्दशाग्रस्त, जिसकी अवस्था अच्छी न हो।

त ग हौसला—(फ) साहसहीन, उत्साह शून्य, उमग रहित।

त गी—(फ) निर्धनता, कगाली, दुख, कष्ट, कमी, सकोच, सकीर्णता अनुदारता।

त ज—(अ) कटाक्ष, व्यग्य, ताना।

तअक्कुब—(अ) खदेड़ना पीछा करना, छिद्रान्वेषण, विलम्ब, देर से आना।

त अज्जुब—(अ) आश्चर्य, विस्मय, अचम्भा।

तअत्तुर—( ) खुशबू, सुगन्ध

तअद्दी—(अ) अत्याचार। धींगा धींगी

जबरदस्ती, ज़ोरावरी।
तअन—(अ) व्यग्य, कटाक्ष, ताना।
तअफ्फुन—(अ) दुर्गंध, सड़ायँद बदबू।
तअब—(अ) शोक, रोग, कष्ट, परिश्रम, थकावट।
तअम्मुक़—(अ) गम्भीरता से विचार करना, तह तक पहुँचना, गंभीरता, गहराई।
तअय्यनात—(अ) तअय्युन का बहुवचन, नियुक्तियाँ, विशेषताएँ।
तअय्युन—(अ) नियत होना, तैनात होना, नियुक्ति, अस्तित्व।
तअय्युनात—(अ) "तअय्युन" का बहुवचन।
तअर्रुज़—(अ) विरोध, आपत्ति, रोक टोक।
तअल्लुफ—(अ) सम्बन्ध, लगाव, रिश्ता, नाता।
तअल्लुक़—(अ) प्रेम करना।
तअल्लुका—(अ) बड़ी जमींदारी, बहुत से गावों की जमींदारी, बड़ा इलाका।
तअल्लुक़ादार—(मि) बड़ी जमींदारी का या तअल्लुका मालिक बड़ा जमींदार।
तअल्लुक़ादारी—(मि०) तअल्लुका-दार का पद।
तअश्शुक—(अ) मुग्ध होना, प्रेम करना।
तअस्सुफ़—(अ) खेद, शोक, अफसोस।
तअस्सुब—(अ) पक्षपात, तरफदारी, धार्मिक कट्टरता।
तआम—(अ) खाद्य, भोजन।
तआरुफ—(अ) परिचय, ज्ञान पहँचान।
तआला—(अ) सर्वश्रेष्ठ, महान्।
तआवुन—(अ) पारस्परिक सहयोग, एक दूसरे की सहायता करना।
तक़ज़ीब—(अ) मिथ्या सिद्ध करना, झुठलाना, खण्डन करना।
तक़तीअ—(अ) सजाना, अलकृत करना, विभाग करना, टुकड़े-टुकड़े करना, विश्लेषण करना। छन्द की मात्राएं गिनना।
तक़दमा—(अ) किसी काम में होने वाले व्यय की अनुमान, तख़मीना। कोइ काम करने के लिए काम करने वाले को पहले दिया गया धन, पेशगी, साई।
तकदीफ़—(अ) पवित्र करना, शुद्ध करना।
तक़दीर—(अ) भाग्य, दैव, प्रारब्ध।
तकद्दु—(फ) दौड़ धूप।

तकद्दुम—(अ) किसी से बढ़कर होना, मुख्यता, प्रधानता।

तकद्दुस—(अ) पवित्र, पाक।

तकफ़ीर—(अ) किसी को काफिर कहना, किसी चीज़ को छिपा देना, पापों का प्रायश्चित्त।

तकबीर—(अ) किसी को बड़ा मानना, किसी की बड़ाई करना, ईश्वर की प्रशंसा करना, महत्ता, बड़प्पन।

तकब्बुर—(अ) अभिमान, घमण्ड।

तकमीद—(अ) गरम पोटली से शरीर सेकना।

तकमील—(अ) पूर्णता, पूरा करना।

तकरार—(अ) झगड़ा, विवाद, हुज्जत, लड़ाई, किसी बात को बार बार दुहराना।

तकरारी—(अ) तकरार करने वाला, झगड़ालू, बखेड़िया।

तकरीज़—(अ) किसी व्यक्ति की प्रशंसात्मक आलोचना।

तक़रीब—(अ) समीपता, निकटता, कोई ऐसा शुभ अवसर जिसमें बहुत से लोग एकत्र हों, साथ।

तक़रीबन—(अ) लगभग, प्राय करीब-करीब, अनुमान से।

तकरीम—(अ) प्रतिष्ठा करना, गौरव देना।

तक़रीर—(अ) भाषण, वक्तव्य, बातचीत, वक्तृता।

तक़रीरन—(अ) मौखिक, मुखाग्र, जबानी, विवाद-ग्रस्त।

तक़रीरी—(अ) मौखिक, विवाद ग्रस्त।

तकर्रुब—(अ) समीपता, निकटता।

तकर्रुर—(अ) नियत करना, नियुक्ति, निश्चय करना।

तक़र्रुरी—(अ) नियुक्ति, नियत होना।

तक़लीद—(अ) अनुकरण, नक़ल, अनुगमन, भेड़ चाल।

तक़लीदी—(अ) नकल किया हुआ, बनावटी, जाली।

तकलीफ़—(अ) दुःख, कष्ट, रोग, क्लेश, विपत्ति।

तक़लीब—(अ) करवट बदलना, उलटना-पलटना, अक्षरों में फेरफार करना।

तक़लील—(अ) कम, न्यून, अल्प मात्रा में।

तक़सीस—(अ) सुरीला गान, ... बजाना।

तकल्लुफ़—(अ) बनावट, दिखावट, कृत्रिमता, संकोच, दिखावे के लिए कोई काम करना, कष्ट।

तकल्लुम—(अ) बातालाप, सम्भा-

षण, बातचीत।

तक़वा—(अ) पापों से डरना, बुरे कामों से बचना, परहेज, सदाचार।

तक़वियत—(अ) शक्ति देना, बल पहुँचाना, समर्थन करना, पुष्टि।

तक़वीम—(अ) तिथि नक्षत्रादि देखने का पञ्चाङ्ग, मूल्य आँकना, सीधा करना।

तकशीर—(अ) छीलना, छिलका उतारना।

तकसीम—(अ) बाँटना, विभक्त करना, खण्ड करना (गणित में) भाग।

तक़सीम नामा—(मि०) बटवारे का विवरण पत्र, विभाग-पत्र।

तक़सीमी—बटवारा सम्बन्धी, वह जिसका बाट किया जायगा, बाँट किया हुआ।

तकसीर—(अ) कमी, त्रुटि, अप राध, दोष, पाप, भूल, गलती।

तक़सीरवार—(मि०) भूल या अपराध करने वाला, दोषी, अपराधी।

तक़सीरमन्द—(मि०) तकसीर करने वाला, जिसमें कोई दोष हो।

तक़ाज़ा—(अ) अपनी प्राप्तव्य वस्तु का मांगना, किसी व्यक्ति से वह काम करने को कहना जिसके करने का उसने वादा किया हो। इच्छा, प्रेरणा।

तक़ाज़ाई—(अ) तकाज़ा करने वाला।

तक़ादीर—(अ) तक़दीर का बहु वचन।

तकान—(हि) थकान, शान्ति, थकावट।

तक़ाबुल—(अ) समता, तुलना।

तक़ारीर—(अ) तकरीर का बहु वचन, बहुत से भाषण या व्याख्यान।

तक़ारुब—(अ) परस्पर समीप होना।

तकालीफ़—(अ) तकलीफ का बहु वचन, क्लेश, कष्ट, दुःख, सकट, विपत्ति।

तक़ावी—(अ) सरकार द्वारा कृषि कार्य के सहायतार्थ किसानों को दिया गया कर्ज, बल देना, सहायता देना।

तकिया—(अ) सहारा, आश्रय, भरोसा, कुर्सी आदि का वह भाग जिसके सहारे कमर लगा कर बैठते हैं। कपड़े का बना थैला जिसमें रुई भरी रहती है,

और सोते समय सिरके नीचे रक्खा जाता है। विश्राम करने का स्थान, फकीरों के रहने की जगह।

तकियाकलाम—(फ़ा) वह वाक्य या वाक्यांश जो अभ्यास वश प्राय बहुत-से लोगों के मुँह से बातचीत करते समय बार बार निकलता है।

तकियादार—(वि०) वह चीज़ जिसम तकिया लगा हो। तकिया पर रहने वाला फकीर।

तक़ी—(अ) ईश्वर से डरने वाला, धर्मनिष्ठ, भक्त।

तख़जील—(अ) लज्जित करना।

तख़तिया—(अ) किसी के काम में दोष देखना।

तख़फ़ीफ़—(अ) कम करना, संक्षिप्त करना, हलका करना, बोझ उतारना।

तख़मीन—(अ) अनुमान, अटकल, अन्दाज़ा।

तख़मीनन—(अ) अनुमान से, अटकल से, अन्दाज से, प्रायः, लगभग।

तख़मीना—(अ) देखो "तख़मीन"।

तख़मीर—(अ) सड़ाना, खमीर उठाना।

तख़रीज—(अ) अलग कर देना, बाहर निकालना, बहिष्कृत करना, खारिज करना।

तख़लिया—(अ) एकान्त, निर्जन, खाली करना, सिद्ध करना।

तख़लीक़—(अ) पैदाइश, उत्पत्ति।

तख़लीस—(अ) मुक्ति, छुटकारा।

तख़ल्लुल—(अ) बाधक होना, खलल डालना, विघ्न करना, बीच में आजाना, अड़ङ्गा लगाना, विरोध करना।

तख़ल्लुस—(अ) छुटकारा, बचाव। कवियों का उपनाम जो वे कविता में लिखते हैं।

तख़वीफ़—(अ) डरना।

तख़व्वुफ़—(अ) डरना।

तख़सीर—(अ) कमी करना, नाश करना।

तख़सीस—(अ) विशेषता, खासियत, खास बात।

तख़ारुज—(अ) किसी जायदाद का उसके अधिकारियों में बाँट होना।

तख़ैयुल—(अ) विचार करना, सोचना, खयाल में लाना।

तख़्त—(फ़ा) बड़ी चौकी, राजासन, राजगद्दी, सिंहासन।

तख्तए खूनी—(फ) फाँसी का तख्ता।

तख्त गाह—(फ) राजधानी। वह नगर जिसमें राजा रहता हो।

तख्त ताऊस—(मि०) मयूर सिंहासन, इस नाम से प्रसिद्ध राज सिंहासन जिसे बादशाह शाहजहाँ ने बनवाया था, कहते हैं इस सिंहासन में जो मोर बने हुए थे उनके अंग प्रत्यंग में उसी रंग के जवाहिरात जड़े गए थे जिस रंग का वह अंग होना चाहिये।

तख्तनशीन—(अ) जो राजगद्दी पर बैठा हो, सिंहासनासीन।

तख्त पोश—(फ) तख्त पर बिछाने की चादर।

तख्त बन्दी—(फ) तख्तों की बनी हुई आड़ या दीवार।

तख्तबादशाही—(फ) राज सिंहासन।

तख्तरवाँ—(फ) चल सिंहासन, वह सिंहासन जिसमें बैठ कर उसे आदमियों के कन्धोंपर रखवा कर ले जाया जाय, सुखपाल, पालकी।

तख्ता—(फ) लकड़ी चीर कर बनाया हुआ चौरस, लम्बा चौड़ा और पतला टुकड़ा, पटड़ा, पट्टा।

तख्ता बन्द—(फ) बन्दी कैदी।

तख्ती—(फ) काठ का वह छोटा तख्ता जिस पर बालक लिखना सीखते हैं। छोटी पटरी।

तग़मा—(फ) पदक, इसका शुद्ध रूप "तमगा" है।

तग़य्युर—(अ) बहुत बड़ा परिवर्तन, क्रान्ति।

तग़लीत—(अ) पथभ्रष्ट करना।

तग व-दौ—(फ) चिन्ता, उधेड़बुन, दौड़ धूप, कोशिश, पैरवी।

तग़ाफ़ुल—(अ) असावधानी, उपेक्षा, ग़फ़लत।

तगार—(फ) वह गढ़ा जिसमें मकान की दीवार बनाने के लिए गारा तैयार किया जाता है।

तज़ईन—(अ) सजाना, सुशोभित करना।

तज़करा—(अ) उल्लेख, स्मरण, याद, चर्चा, ज़िक्र।

तज़कीर—(अ) व्याकरण में पुल्लिंग। स्मरण दिलाना, शिक्षा देना।

तजदीद—(अ) नए रूप में कोई काम करना, फिर से नया करना।

तजद्दुद—(अ) नवीनता

तजनीस—(अ) समता, सादृश्य, कविता में ऐसे शब्दों का प्रयोग करना जिनमें मात्राएँ कम बढ होते हुए भी अक्षर बराबर हों।

तजबज़ुब—(अ) धुकुड़पुकुड़,

असमञ्जस, सोचविचार, स दिग्धावस्था, आगा-पीछा।

तजब्बुर—(अ) गर्दन काटना।

तज्मीन—(अ) कविता में समस्या पूर्ति करना।

तजम्मुल—(अ) शोभा, सुन्दरता, शृंगार सजावट, ठाटबाट, प्रतिष्ठा गौरव।

तज्यीअ—(अ) नष्ट करना, खोना, गँवाना।

तजरबा—(अ) अनुभव, परीक्षणों द्वारा प्राप्त ज्ञान, ज्ञान प्राप्ति के लिए किया गया परीक्षण, आज माना, परीक्षा करना।

तजरबा कार—(मि०) जिसने तजरबा किया हो, अनुभवी।

तजरूबा—(अ) देखो "तजरबा"।

तजरुबा कार—(मि०) देखो "तजरबा कार।"

तजर्रु द—(अ) एकान्तवास, विरक्ति, अपराम सयम, ब्रह्मचर्य। एकाकीपन।

तजलजुल—(अ) भूकम्प, भूचाल।

तज़लील (अ) अपमानित करना, निरादृत करना।

तजल्ला तजल्ली—(अ) प्रकाश, ज्योति, ईश्वरीय ज्ञान, वह प्रकाश जो तूर पर्वत पर हजरत मूसा को प्राप्त हुआ था। रोशनी, चमक

तजवीज़—(अ) सुझाव, सम्मति योजना, व्यवस्था, विचार, निर्णय फैसला।

तजवीज़सानी—(अ) मुकद्दमे के निर्णय पर पुन विचार करना

तजस्सुस—(अ) खोजना, ढूँढना जिज्ञासा, तलाश, चुनना, छान पुछ

तजहीक—(अ) हँसना, हँसाना।

तजहीज़—(अ) विवाह में दहेज देना, मुर्दे की अरथी का सामान तैयार करना।

तजहीज़ व तकफ़ीन—(अ) अरथी और अन्त्येष्टि क्रिया की व्यवस्था करना।

तजाद—(अ) पारस्परिक वैर-विरोध

तजारिब—(अ) तजरबा का बहु वचन।

तजावुज़—(अ) सीमोल्लंघन, अपने अधिकार-क्षेत्र से आगे बढ़जाना।

तजारुब—(अ) एक दूसरे को आज़माना

तजाहुद—(अ) प्रयत्न करना।

तजाहुल—(अ) जान-बूझ कर कम समझना।

तजाहुल आरिफ़ाना—(अ) किसी बात को जान बूझ कर, बहुत भोलेपन से उसके विषय में

अज्ञता प्रकट करना।
तजीश्र—(अ) नष्ट करना, बर्बाद करना।
तजीश्र औकात—(अ) समय नष्ट करना।
तजार—(अ) ताजिर का बहुवचन, व्यापारी, सौदागर।
ततबीक—(अ) दो वस्तुओं को पास पास रख कर तुलना करना।
ततिम्मा—(अ) परिशिष्ट, क्रोड़पत्र बचा हुआ।
तदकीक—( ) सूक्ष्म दर्शन, कूटना, पीसना, आटा गूंदना।
तदबीर—(अ) किसी काम के पीछे पड़ जाना, परिणाम सोचना, युक्ति उपाय। तरकीब, साधन।
तदब्बुर—(अ) काम का परिणाम सोचना। बुद्धिमत्ता।
तदरीज—(अ) किसी काम का क्रमश होना।
तदरीस—(अ) पाठ पढाना, शिक्षा देना।
तदवीर—(अ) किसी चीज़ को चारों ओर घुमाना।
तदावीर—(अ) तदबीर का बहु वचन।
तदारुक—(अ) खोई लुप्त हुई वस्तु को खोजना, किसी दुर्घटना के सम्बन्ध मे छान बीन करना, दुर्घटना रोकने के लिए पहले से प्रबन्ध करना। बदला, प्रतिशोध, दण्ड।
तदावुल—(अ) किसी से हाथों-हाथ कोई चीज लेना।
तन—(अ) शरीर, देह, पिण्ड, वेतन।
तनकिया—(अ) शुद्ध करना, पवित्र करना।
तनकीद—(अ) समालोचना, समीक्षा।
तनकीह—(अ) विवाद ग्रस्त विषय का निर्णय अदालत द्वारा करना, अभियोग सम्बन्धी बातों की जान कारी प्राप्त करना जिनका निर्णय करना आवश्यक हो। जाँच, तहकीकात।
तनख़ाह—(फ) मासिक वेतन, तलब।
तनख्वाह—(फ) देखो तनख़ाह
तनख्वाहदार—(फ) वेतन भोगी, वेतन पाने वाला।
तनज़—(अ) देखो तञ्ज़"
तनज़न—(अ) कगद के ढँगपर, व्यग्य रूप में
तनजीम—(अ) संघटन करना, नगर और राज दरबार की व्यवस्था करना, धागे से मोती पिरोना।
तनज्जुल—(अ) अवनति, ह्रास, पद

च्युति, दर्जा घट ना, पद से नीचे उतरना ।

तनज़्ज़ुली—(फ) तनज़्ज़ुल का भाव ।

तन तनहा—(फ) केवल एक शरीर, अकेला, एकाकी

तनतना (अ) अभिमान, घमगढ, पद या अधिकार का गर्व, तेज़ी

तनदेह—(फ) किसी काम को मन लगा कर करने वाला, परिश्रम से काम करने वाला ।

तनपरवर—(फ) केवल अपने शरीर को आराम से रखने वाला, देह रखावा, स्वार्थी ।

तनफ़्फ़ुर—(अ) घृणा ।

तनवीन—(अ) फारसी लिपि का एक चिह्न जिसका उच्चारण हल न कार के समान होता है, यह प्राय शब्दों के अन्त में लगाया जाता है । यथा तकरीरन्, मजबूरन् तनज़न् आदि के अन्त में ।

तनसीक़—(अ) प्रबन्ध, व्यवस्था ।

तनसीफ़—(अ) आधा करना, दो बराबर भागों में बाँटना, खण्ड करना ।

तनहा—(फ) अकेला, एकाकी, खाली ।

तनहाई—(फ) एकान्त अकेलापन ।

तना—(फ) वृक्ष का धड़, पीड़, खिचा हुआ, जो ढीला न हो ।

तनाज़ा—(अ) झगड़ा टंटा, लड़ाई, शत्रुता ।

तनाफ़ुर—(अ) घृणा करना, दूर भागना ।

तनाब—(अ) डेरा बाँधने की डोरी रस्सी ।

तनावर—(फ) हृष्ट पुष्ट, मोटा ताजा बलिष्ठ ।

तनावुल—(अ) भोजन करना, खाना लेना, ग्रहण करना ।

तनासुख—(अ) आत्मा का एक शरीर छोड़कर दूसरा धारण करना, रूपान्तर, पुनर्जन्म होना

तनासुब—(अ) उचित और उपयुक्त अनुपात ।

तनासुल—(अ) बच्चा पैदा करना, सन्तति प्रजनन, वंश वृद्धि ।

तनख़्वाह—(फ) देखो "तनख़्वाह" ।

तनूमन्द—(फ) हृष्ट पुष्ट, बलिष्ठ, सम्पन्न, धनी ।

तनूर—(अ) तन्दूर

तन्ज़—(अ) देखो "तनज़" ।

तन्दिही—(फ) प्रयत्न, उद्योग, कोशिश, परिश्रम ।

तन्दुरुस्त—(फ) नीरोग, स्वस्थ ।

तन्दुरुस्ती—(फ) स्वस्थता, आरोग्य

तन्दूर—(अ) देखो "तनूर"

तन्दूरी—(हि०) तन्दूर में बनाई हुई।
तन्नाज़—(अ) हावभाव दिखाने वाला, नेत्रादि के संकेत द्वारा कई भाव प्रकट करने वाला। इठला कर चलने वाला।
तप--(फ) ज्वर, बुखार
तपाक—(फ) उत्सोत्साह, वेग, आवेश।
तपाँचा--(फ) थप्पड़, तमाचा। नदी की लहर।
तपिश--(फ) गर्मी, उष्णता, ऊष्मा, तपन।
तपिश कदा—(फ) भट्टी।
तपेदिक—(फ) क्षय रोग।
तफ़ग--(फ) बन्दूक।
तफ़गची—(फ) बन्दूक वाला, बन्दूकची।
तफ़क्कुर—(अ) चिन्ता करना, सोचना।
तफ़ज़ील—(अ) तुलना करना, उत्तम ठहराना।
तफ़ज़्ज़ुल—(अ) बड़प्पन, बड़ाई श्रेष्ठता, उत्तमता।
तफ़तगी—(फ) गरमी, उत्साह, उमंग।
तफ़ता—(फ) अत्यन्त गरम, जला हुआ, प्रेमी।
तफ़तान—(फ) सूर्य अथवा आग की गरमी से तपा हुआ, एक प्रकार की रोटी।
तफ़तीश--(अ) अन्वेषण, अनुसन्धान, खोज, ढूँढना, खोदना। जाँच, पूछ, गछ।
तफ़तीह--(अ) खोलना, उद्घाटन करना।
तफ़रक़ा—(अ) अन्तर, दूरी, वियोग, जुदाई, विछोह।
तफ़रीक़—(अ) भेद करना, वर्गीकरण, अलग छाँटना, अन्तर करना, बाँटना, विभाग करना, अन्तर भेद।
तफ़रीद—(अ) अकेला, एकाकी।
तफ़रीह—(अ) मनोविनोद, मन बहलाव, सैर सपाटा, हँसी खुशी, प्रसन्नता।
तफ़वीज़—(अ) सौंपना, सुपुर्द करना।
तफ़सीर--(अ) वर्णन, व्याख्या, भाष्य, विशेष रूप से क़ुरान का भाष्य।
तफ़सील—(अ) परिच्छेद करना, अलग करना, विस्तार, ब्यौरा, विवरण, भाष्य।
तफ़सीलवार—(मि०) ब्यौरेवार विस्तार में साथ।
तफ़ाख़ुर—(अ) शेखी मारना, अपने को बहुत कुछ समझना, अपने को धन्य समझना।

दूसरा, बदला हुआ, परिवर्तन, बदलना।
तब्दीली—(अ) बदलना, बदल
तब्बाख—(अ) रसोइया, बावर्ची।
तब्बाल—(अ) तबला बजाने वाला।
तमचा—(तु) छोटी बन्दूक, पिस्तौल।
तमअ - (अ) लोभ, लालच।
तमकनत—(अ) टीपटाप, शान शौकत, घमण्ड, अभिमान, आदर, सम्मान, आतंक, दबदबा।
तमकीन( ) प्रतिष्ठा, शान।
तमग़ा—(तु) पदक, सरकारी मुहर, छाप, राजकीय आज्ञा।
तमताम—(अ) तोतला आदमी।
तमदीह—(अ) प्रशंसा करना, तारीफ करना।
तमद्दुन—(अ) नागरिकता, नगर में रहना सभ्यता, संस्कृति। नगर का प्रबन्ध करना। पेशेवालों का एकत्र होना।
तमन—(अ) मेल मिलाप, भाई चारा-सैन्य संग्रह करना।
तमन्ना—(अ) आशा, इच्छा, अभिलाषा, वाञ्छा, चाहना, कामना।
तमर—(अ) सूखे हुए खजूर।
तमरे हिन्दी—(मि) इमली।
तमर्रुद—(अ) विद्रोह, उपद्रव, राजनियमों की अवेहलना, नियमों का उलंघन, उद्दण्डता।
तमव्वज—(अ) पानी की लहरें, नदी की बाढ़।
तमव्वुल—(अ) सम्पन्न, धनवान
तमसील—(अ) उदाहरण, दृष्टान्त, मिसाल, उपमा।
तमसीलन - (अ) उदाहरण स्वरूप, मिसाल के तौर पर।
तमस्खुर—(अ) हँसी, हास्य, परिहास ठट्ठा, मसखरापन।
तमस्सुक—(अ) दस्तावेज।
तमहीद—(अ) भूमिका, अवतरणिका प्रस्तावना, समथल करना, बिछौना बिछाना।
तमाँचा—(फ) देखो "तपाँचा"।
तमा—(अ) देखो "तमअ"।
तमाखाम—(मि॰) असम्भव वस्तु को चाहना।
तमाचा—(तु॰) थप्पड़, तमाँचा, चाँटा
तमादी—(अ) अवधि निकल जाना, मियाद बीत जाना।
तमानियत—(अ) सन्तोष, तसल्ली।
तमाम—(अ) पूर्ण, समस्त, पूरा, सम्पूर्ण, सब, कुल।
तमाशबीन—(मि॰) वेश्यागामी दुराचारी।
तमाशा—(अ) खेल, मनोरञ्जन, यह

खेल जिसे देखने से मन प्रसन्न हो। आश्चर्यजनक व्यापार, दृश्य।

तमाशाई—(अ) तमाशा देखने वाला, दर्शक।

तमाशागाह—(मि) खेल या तमाशा करने की जगह, रँगभूमि।

तमीज—(अ) विवेक, ज्ञान, भेद, पहचान, सभ्यता, शिष्टाचार, अदब। उर्दू व्याकरण में क्रिया विशेषण।

तम्बान—(फ) वह पाजामा जिसके पायँचे बहुत ढीले हों।

तम्बीह—(अ) चेतावनी, शिक्षा, ताकीद।

तम्बूर-तम्बूरा—(अ) एक बाजा जो सितार के ढंग का होता है, तानपूरा।

तम्बूल—(फ) पान, ताम्बूल, छोटी कमान।

तम्बोल—(फ) पान, ताम्बूल

तम्माअ—(अ) लोभी, लालची।

तयम्मुम—(अ) नमाज पढ़ने से पूर्व हाथ-मुँह धोना, सूखा वज़ू करना।

तयूर—(अ) तैर का बहुवचन, पक्षियों का समूह, बहुत सी चिड़ियाँ।

तर—(फ) भीगा, गीला, लिथड़ा, ज़ियादा, अत्यन्त, शीतल, ठंडा।

तरकश—(फ) तूणीर, निषंग, तीर रखने का थैला।

तरका—(अ) किसी व्यक्ति द्वारा मरते समय छोड़ी हुई सम्पत्ति।

तरकान—(फ) तुर्की स्त्रियों की प्रतिष्ठा सूचक उपाधि।

तरकारी—(फ) वह पौधे जो शाक बनाने के काम में आते हैं।

तरक़ीक़—(अ) बारीक करना, सूक्ष्म करना।

तरकीब—(अ) उपाय, विधि, प्रक्रिया, ढब, ढंग प्रकार, युक्ति

तरक्की बन्द—(मि) एक प्रकार की कविता।

तरक्की—(अ) उन्नति, वृद्धि, ऊँचा उठना, पद वृद्धि।

तरख़ीम—(अ) दुम काटना, किसी शब्द के अन्तिम अक्षर का उच्चारण न करना।

तरगीब—(अ) उत्तेजित करना, भड़काना, उकसाना, कह-सुन कर कोई काम करने के लिए उत्साहित करना, प्रवृत्ति, लालच, लोभ।

तरज़बान—(फ) मधुर भाषी, मीठा बोलने वाला।

तरजीअ बन्द—(मि) एक विशेष

प्रकार की कविता जिस में एक पद कुछ पदों के बाद बार बार आता है ।

तरजीह—(अ) किसी एक वस्तु को और वस्तुओं मे विशेषता देना, प्रधानता, मुख्यता ।

तरजुमा—(अ) अनुवाद, उल्था, भाषान्तर ।

तरजुमान—(अ) अनुवादक, उल्था कार, भाषान्तर करने वाला, सुवक्ता, अच्छा बोलने वाला ।

तरतीब—(अ) क्रम, श्रेणी, विभाजन, चीजों को उचित स्थान पर लगाना, सिलसिला ।

तरतीब वार—(मि) क्रमसे, सिल सिले से ।

तरदामन—(अ) पापी, अपराधी ।

तरदिमाग—(फ) बुद्धिमान, समझ दार ।

तरदीद—(अ) प्रतिवाद, खण्डन, निषेध, किसी बात का काटना ।

तरद्दुद—(अ) शंका, सन्देह, सोचा, फिक्र, चिन्ता, खटका ।

तरद्दुदात—(अ) तरद्दुद का बहु वचन ।

तरन्नुम—(अ) गीत, गाना, मधुर भाषण ।

तरफ़—(अ) ओर, पक्ष, दिशा, बगल किनारा ।

तरफ़दार (मि) हिमायती, पक्षपाती ओर लेने वाला ।

तरफ़दारी (मि) ओर लेना, हिमायत, पक्षपात ।

तरफैन (अ) दोनों ओर वाले, दोनों पक्ष के ।

तरब—(अ) प्रसन्नता, उत्साह, हर्ष ।

तरबतर—(फ) बिलकुल भीगाहुआ, सराबोर ।

तरबिअत—(अ) पालन-पोषण, सभ्य और सुशिक्षित बनाने की व्यवस्था ।

तरबूज़ / तरबूज़ (फ) एक फल जो बहुत बड़ा और गोल होता तथा जमीन पर फैली हुई बेल पर लगता है ।

तरमीम—(अ) मरम्मत, सुधार, संशोधन ।

तरस—(फ) भय, डर, दया, रहम,

तरस खाना—दया करना ।

तरसनाक—(फ) भयभीत, दयनीय ।

तरसाँ—(फ) भयभीत, डरा हुआ ।

तरसा—(फ) डराने वाला ।

तरसान—(फ) देखो "तरसाँ" डरने वाला ।

तरसील—(अ) भेजना, पहुँचाना ।

तरह—(अ) प्रकार, भाँति, किस्म,

युक्ति, ढब, प्रणाली, ढंग, हाल, ढाँचा, रूप रग, गिराना, किसी काम स बचना, उपेक्षा करना, वह पद जो गज़ल बनाने या समस्या पूर्ति के लिए दिया जाय।

तरह देना—निगाह बचाना, ध्यान न देना, बच कर निकल जाना।

तराकम—(फ) भीड़, समूह, समुदाय,

तराकीब—(अ) तरकीब का बहु-वचन।

तराजिम—(अ) भीड़, समूह, समुदाय।

तराजू—(फ) कोई चीज तोलने का साधन, तुला, तखरी।

तराज़—(अ) नक्श बनाने वाला।

तरादुफ़—(अ) क्रम से लगा होना

तराना—(फ) राग, गीत, सगीत, एक प्रकार का गाना जिसमें प्राय सार्थक शब्द नहीं होते, केवल, 'तूम तनन' आदि शब्दों को ही राग के स्वरों में गाया जाता है।

तराख़ी—(अ) विलम्ब, देर, काहिली।

तराब—(फ) मिट्टी, भूमि, खाक।

तरावत—(अ) तरी, ठडक, नमी, ताज़गी, तरावट।

तराविश—(फ) टपकना, चूना, टपका।

तरावीह—(अ) विशेष धर्मनिष्ठ मुसलमानों की विशेष प्रकार की इश्वर प्रार्थना या नमाज।

तराश—(फ) काट, कटाव, काटछाँट करने वाला, काटने का सजावट, बनावट, ढग।

तराश-खराश—(फ) बनावट, काट-छाँट।

तराशना—(फ) कतरना, काटना।

ताराशा—(फ) छिलका, पत्थर काटने की छेनी।

तरी—(फ) ठडक, गीलापन, सील, जमा पूँजी।

तरीक़—(अ) मार्ग, रास्ता, उपाय, विधि, रीति, चाल, रिवाज, व्यवसाय, चुटियल, घायल।

तरीक़त—(अ) मार्ग, विधि, प्रकार, आचरण, हृदय की पवित्रता।

तरीक़ा—(अ) देखो "तरीक़"

तरीन—(फ) सबसे अधिक, इसका प्रयोग गुण वाचक शब्दों के अन्त में होता है, यथा—कम तरीन, बदतरीन आदि।

तरो ताज़ा—(फ) हरा भरा, प्रसन्न और उत्साह पूर्ण।

तर्क—(अ) छोड़ना, त्यागना, अलग करना, विच्छेद करना।

तर्क मवालात—मि०) सम्बन्ध त्याग,

तवातुर—(फ) जारी रहना।
तवान—(फ) शक्ति, बल, धन।
तवानगर—(फ) शक्तिशाली, धनवान।
तवाना—(फ) बलिष्ठ, शक्तिशाली, सामर्थ्यवान, धनी, सम्पन्न।
तवाँनाई—(फ) बल, शक्ति, ताकत, धन, वैभव।
तवाफ़—(अ) परिक्रमा करना, काबे की प्रदक्षिणा करना।
तवाम—(अ) यमल, जुड़वाँ उत्पन्न हुए बालक, माता के साथ साथ पैदा हुए दो बालक।
तवायफ़—(अ) तायफा का बहुवचन, वेश्या, रण्डी।
तवारीख़—(अ) तारीख का बहुवचन, इतिहास, परिचय।
तवारीख़ी—(अ) इतिहास सम्बन्धी, ऐतिहासिक।
तवारुद—(अ) एक स्थान पर साथ उतरना, भावसाम्य (कविता में) एक ही बात दो कवियों को साथ साथ सूझनी।
तवालत—(अ) विस्तार, लम्बाई, दीर्घता, अधिकता, झंझट, बखेड़ा, दिक्कत।
तवालिफ़—(अ) गिरोह, समुदाय, झुण्ड।
तवाली—(अ) लगातार होना।
तवालुद—(अ) सन्तान जनना, सन्तान की बहुलता।
तवाहुम—(अ) वहम।
तवील—(अ) लम्बा, लम्ब।
तवेला—(अ) घोड़े के बाँधने का मकान, अश्वशाला घुड़साल।
तव्वाफ़—(अ) विनम्रता पूर्वक सेवा करने वाला सेवक।
तशईअ—(अ) जनाज़े के पीछे चलना, अरथी के साथ जाना, मुसाफिर को राह बताने जाना।
तशकीक—(अ) किसी को सन्देह में डालना।
तशख़ीस—(अ) रोग का निदान, बीमारी की पहँचान, जाँच नियत करना, निर्णय, ठहराव।
तशदीद—(अ) कड़ाई, कठोरता, सख़्ती, अरबी लिपि में एक चिह्न जो किसी अक्षर के ऊपर लगाने से वह अक्षर दुगनी आवाज़ देता है।
तशद्दुद—(अ) कड़ाई कठोरता सख़्ती (व्यवहार में)
तशनीअ—(अ) ताना।
तशन्नुज—(अ) शरीर का ऐंठन (किसी रोग के कारण)।

तशफ्फी—(अ) सान्त्वना, धैर्य, ढाढ़स, तसल्ली, शान्ति।

तसबीब—(अ) युवावस्था का वर्णन, प्रेम पात्र की प्रशंसा करना। आग सुलगाना।

तशबीह—(अ) उपमा देना, तुलना करना।

तशमीम—(अ) सूँघना।

तशरीफ—(अ) मूल्यवान पोशाक, ख़िलअत, गौरव, प्रतिष्ठा, महत्त्व, बडप्पन, प्रतिष्ठा, बुजुर्गी, प्रतिष्ठित व्यक्ति के आन जाने या बैठने के अर्थ में भी इसका प्रयोग होता है, जैसे—तशरीफ रखना (बैठना, विराजना)

तशरीफ आवरी—(अ) शुभागमन, पधारना, पदार्पण करना।

तशरीह—(अ) शारीरिक शास्त्र, वह पुस्तक जिसमें शरीर के भीतरी बाहरी सब अंगों का वर्णन हो। व्याख्यान, भाष्य विस्तृत टीका।

तशवीश—(अ) विकलता, चिन्ता, फिक्र, घबराहट।

तशहीर—(अ) दोषों को प्रकट करना, किसी के अपराध का विज्ञापन करना, किसी के अपराध का दण्ड देने के लिए उसे गधे पर बिठाकर नगर भर में घुमाना।

तशाकुल—(अ) सारूप्य, परस्पर एक-सा रूप होना।

तशाबा—(अ) समान रूप होना, सादृश्य, सारूप्य।

तशारुक—(अ) परस्पर एक दूसरे के यहाँ सम्मिलित होना।

तशीअ—(अ) अपना मजहब शिआ बताना।

तशोख़—(अ) आत्म श्लाघा, अपनी बड़ाई आप करना।

तशीन—(अ) प्रतिष्ठा पाना, गौरवान्वित होना।

तश्त—(फ) बड़ा थाल, तसला।

तश्त अज़बाम—(फ) रहस्योद्घाटन, भेद खुलना, बदनामी होना, किसी से अप्रसन्न हो जाना।

तश्तरी—(फ) छोटा तश्त, छोटे किनारों की छोटी थाली।

तसकीन—(अ) सन्तोष, सान्त्वना, धैर्य, आराम, तसल्ली।

तसख़ीर—(अ) विजय, अधीन करना, अपने ओर कर लेना, अपने वश में कर लेना, यन्त्र मन्त्र, झाड़-फूक।

तसग़ीर—(अ) संक्षिप्त करना करना।

तवातुर—(फ) जारी रहना।
तवान—(फ) शक्ति, बल, धन।
तवानगर—(फ) शक्तिशाली, धनवान।
तवाना—(फ) बलिष्ठ, शक्तिशाली, सामर्थ्यवान, धनी, सम्पन्न।
तवाँनाई—(फ) बल, शक्ति, ताकत, धन, वैभव।
तवाफ़—(अ) परिक्रमा करना, काबे की प्रदक्षिणा करना।
तवाम—(अ) यमल, जुड़वाँ उत्पन्न हुए बालक, माता के साथ साथ पैदा हुए दो बालक।
तवायफ़—(अ) तायफ़ा का बहुवचन, वेश्या, रंडी।
तवारीख़—(अ) तारीख़ का बहुवचन, इतिहास, परिचय।
तवारीख़ी—(अ) इतिहास सम्बन्धी, ऐतिहासिक।
तवारुद—(अ) एक स्थान पर साथ उतरना, भावसाम्य (कविता में) एक ही बात दो कवियों को साथ साथ सूझनी।
तवालत—(अ) विस्तार, लम्बाई, दीघता, अधिकता, झंझट, बखेड़ा, दिक्कत।
तवालिफ़—(अ) गिरोह, समुदाय, झुण्ड।
तवाली—(अ) लगातार होना।
तवालुद—(अ) सन्तान जनना, सन्तान की बहुलता।
तवाहुम—(अ) वहम।
तवील—(अ) लम्बा, लम्ब।
तवेला—(अ) घोड़े के बाँधने का मकान, अश्वशाला, घुड़साल।
तव्वाफ़—(अ) विनम्रता पूर्वक सेवा करने वाला सेवक।
तशईअ—(अ) जनाज़े के पीछे चलना, अरथी के साथ जाना, मुसाफ़िर को राह बताने जाना।
तशकीक—(अ) किसी को सन्देह में डालना।
तशख़ीस—(अ) रोग का निदान, बीमारी की पहचान, जाँच नियत करना, निर्णय, ठहराव।
तशदीद—(अ) कड़ाई, कठोरता, सख्ती, अरबी लिपि में एक चिह्न जो किसी अक्षर के ऊपर लगाने से वह अक्षर दुहरी आवाज़ देता है।
तशद्दुद—(अ) कड़ाई कठोरता, सख्ती (व्यवहार में)
तशनीअ—(अ) ताना।
तशन्नुज—(अ) शरीर का एंठना (किसी रोग के कारण)।

तशफ्फी—(अ) सान्त्वना, धैर्य, ढाढस, तसल्ली, शान्ति।

तशबीब—(अ) युवावस्था का वर्णन, प्रेम पात्र की प्रशंसा करना। आग सुलगाना।

तशबीह—(अ) उपमा देना, तुलना करना।

तशमीम—(अ) सूँघना।

तशरीफ़—(अ) मूल्यवान पोशाक, ख़िलअत, गौरव, प्रतिष्ठा, महत्त्व, बड़प्पन, प्रतिष्ठा, बुजुर्गी, प्रतिष्ठित व्यक्ति के आने जाने या बैठने के अर्थ में भी इसका प्रयोग होता है, जैसे—तशरीफ रखना (बैठना, विराजना)

तशरीफ आवरी—(अ) शुभागमन, पधारना, पदार्पण करना।

तशरीह—(अ) शारीरिक शास्त्र, वह पुस्तक जिसमें शरीर के भीतरी बाहरी सब अंगों का वर्णन हो। व्याख्यान, भाष्य विस्तृत टीका।

तशवीश—(अ) विकलता, चिन्ता, फ़िक्र, घबराहट।

तशहीर—(अ) दोषों को प्रकट करना, किसी के अपराध का विज्ञापन करना, किसी के अपराध का दण्ड देने के लिए उसे गधे पर बिठाकर नगर भर में घुमाना।

तशाकुल—(अ) सारूप्य, परस्पर एक-सा रूप होना।

तशाबा—(अ) समान रूप होना, सादृश्य, सारूप्य।

तशारुक—(अ) परस्पर एक दूसरे के यहाँ सम्मिलित होना।

तशीअ—(अ) अपना मजहब शिआ बताना।

तशोख़—(अ) आत्म श्लाघा, अपनी बड़ाई आप करना।

तशीन—(अ) प्रतिष्ठा पाना, गौरवान्वित होना।

तश्त—(फ) बड़ा थाल, तसला।

तश्त अज़बाम—(फ) रहस्योद्घाटन, भेद खुलना, बदनामी होना, किसी से अप्रसन्न हो जाना।

तश्तरी—(फ) छोटा तश्त, छोटे किनारों की छोटी थाली।

तसकीन—(अ) सन्तोष, सान्त्वना, धैर्य, आराम, तसल्ली।

तसख़ीर—(अ) विजय, अधीन करना, अपने ओर कर लेना, अपने वश में कर लेना, जन्त्र मन्त्र, झाड़-फूक।

तसग़ीर—(अ) संक्षिप्त करना, छोटा करना।

तसदिश्रा-तसदीश्र—(श्र) कठिनाई, दिक्कत, कष्ट, पीड़ा।

तसदीक़—(श्र) प्रमाणित करना, पुष्ट करना, सच ठहराना।

तसदीद—(श्र) ठीक करना, पक्का करना।

तसदीस—(श्र) छह भागों में विभक्त करना। छह जगह बाँटना।

तसद्दुक़—(श्र) न्यौछावर, दान, पुण्य।

तसनिया—(श्र) व्याकरण में द्विवचन।

तसनीफ़—(श्र) रचना, कृति, पुस्तक, ग्रन्थ।

तसन्नश्र—(श्र) कृत्रिमता, नकल बनावट, नकली चीज़ बनाना कलाकारी, कारीगरी, शृंगार, सजावट, स्त्रियों का बनाव शृंगार करके प्रदर्शन करना।

तसफिया—(श्र) साफ करना (मन), मलिनता दूर करना (हृदय), समझौता, निपटारा, निर्णय।

तसबीह—(श्र) भक्ति श्रौर पवित्रता पूर्वक ईश्वर का स्मरण करना, जप करने की माला, सुमिरनी।

तसबेद—(श्र) लिखना, काला करना।

तसमीम—(श्र) पुष्ट करना, दृढ़ करना।

तसरीफ़—(श्र) व्याकरण में एक शब्द के भिन्न भिन्न रूप, यथा देना, दिलाना, दिलवाना इत्यादि।

तसरीह—(श्र) व्याख्या करना, स्पष्ट करना, प्रकट करना।

तसर्रुफ़—(श्र) हस्तक्षेप करना, प्रयोग, उपभोग, ख़र्च, व्यय, श्रधिकार महात्माश्रों की श्रद्भुत शक्ति।

तसलसुल—(श्र) क्रम, सिलसिला, शृंखला।

तसलीब—(श्र) सूली पर चढ़ाना।

तसलीम—(श्र) स्वीकार करना, मान लेना, श्राज्ञा मानना, सलाम करना।

तसलीस—(श्र) त्रिक, त्रयी, जिसमें तीन वस्तुएँ हों यथा त्रिफला जिसमें हरड़, बेहड़ा श्रौर श्रमला तीन चीज़ें होती हैं। तीन भागों में बाँटना, तीन जगह रखना।

तसल्ली—(श्र) धैर्य, श्राश्वासन सान्त्वना ढाढस, धीरज, शान्ति, सन्तोष, चैन।

तसल्लुत—(श्र) शासन स्थापित हो जाना, वशीभूत कर लेना।

तसवीर—(श्र) चित्र, छवि प्रतिकृति रंग श्रादि की सहायता से कागज़ श्रादि पर बनाई गई किसी वस्तु

की आकृति। अत्यन्त सुन्दर।

तसव्वुफ़—(अ) विरक्ति, वैराग्य, उपराम, निर्वेद, सब प्रकार की कामनाओं से रहित होना, संसार की प्रत्येक वस्तु में ईश्वर की सत्ता देखना।

तसव्वरे जाना—(अ) प्रिय का ध्यान।

तसव्वुफ़—(अ) रहस्यवाद।

तसव्वुर—(अ) ध्यान, विचार, कल्पना।

तसहीफ़—(अ) लिखने या पढ़ने में जान बूझकर भूल करना।

तसहीह—(अ) शुद्ध करना, ठीक करना, संशोधन, मूल से मिलान करना।

तसादुक़—(अ) मैत्री, मित्रता, सत्य भाषण।

तसादुम—(अ) भीड़ भड़का, धक्का मुक्का,

तसानीफ़—(अ) तसनीफ का बहु वचन, रचनाएँ, कृतियाँ, पुस्तकें।

तसाफ़ा—(अ) परस्पर मिलते समय हाथ मिलाना।

तसाविया—(अ) गणित में बराबर का चिह्न (=)।

तसावी—(अ) समता, बराबरी।

तसावीर—(अ) तसवीर का बहु वचन।

तसाहुल—(अ) लापरवाई, उपेक्षा, ध्यान न देना, आलस्य, सुस्ती।

तसुलसुल—(अ) ताँता लगना, लड़ी बँध जाना, क्रम जारी रहना।

तस्कीन—(अ) देखो "तसकीन"।

तस्ख़ीर—(अ) देखो "तसख़ीर"।

तस्नीफ़—(अ) देखो "तसनीफ"।

तस्बीह—(अ) देखो "तसबीह"।

तस्मा—(फ) चमड़े की लम्बी पट्टी।

तस्मिया—(अ) नाम रखना, नाम करण।

तस्मीत—(अ) मोतियों की लड़ी बनाना, सूक्तियों का संग्रह करना, अच्छी अच्छी चीजें इकट्ठी करना, चयन।

तस्मीन—(अ) मोटा करना, स्थूल करना।

तस्लीम—(अ) देखो "तसलीम"।

तस्लीमात—(अ) तस्लीम का बहु-वचन।

तस्वीर—(अ) देखो "तसवीर"।

तह—(फ) नीचे, तला, परत, परत, किसी चीज के नीचे का विस्तार पेंदा।

तह करना—किसी चीज को कई बार मोड़ कर रखना।

तह की बात—गुप्त बात, छिपी हुई बात।
तह तक पहुँचना—यथार्थ रहस्य जान लेना, बात का मतलब समझ लेना।
तह तोड़ना—कूए का नीचे से नीचे का तला तोड़ कर उसे अधिक से अधिक गहराई तक पहुँचा देना।
तह देना—हलका रंग चढ़ाना, हलकी परत चढ़ाना।
तह लगाना—किसी चीज के बीच बीच में दूसरी चीज का परत लगाना।
तहकीक़—(अ) अन्वेषण, खोज, अनुसन्धान, अच्छी तरह जाँचा हुआ, छानबीन किया हुआ, निश्चित, ठीक।
तहक़ीक़ात—(अ) न्याय, अनुसन्धान, जाँच, पूछ-ताछ, छानबीन।
तहक़ीर—(अ) घृणित, निरादृत, अपमानित, बेइज्जत।
तहकुक्कम—(अ) बलपूर्वक अधिकार जमाना, शासन, आधिपत्य, प्रभुत्व आकर्षण, दावा।
तहख़ाना—(फ) ज़मीन के नीचे बना हुआ घर, तहख़ाना।
तहज़ीब—(अ) सशोधन, पवित्र करना, सभ्यता, संस्कृति, शिष्टाचार।
तहज़ीब याफ़्ता (मि०) सभ्य, शिष्ट।
तहज़ीर—(अ) चेतावनी धमकी।
तहज़्जी—(अ) वर्णमाला, निन्दा करना, शब्दों का अक्षर और मात्राएँ अलग अलग करके उच्चारण करना, हिज्जे।
तहज्जुद—(अ) आधी रात के बाद पढ़ी जाने वाली नमाज़।
तहत—(अ) अधीन, नीचे। अधिकार, इख्तियार।
तहत सरसरा—(फ) पाताल लोक।
तहत्तुक—(अ) अपमान, निरादर, बेइज्जती, अप्रतिष्ठा।
तह दर्ख़—(फ) नया, बिलकुल नया, जिसकी तह भी न खुली हो।
तहदीद—(फ) सन्निम, सीमित।
तहनशीन—(फ)—तह में बैठा हुआ, पेंदे में जमा हुआ, गाद, तल छट।
तहनियत—(अ) बधाई, मुबारकबाद।
तह निशान—(फ) तलवार की मूठ पर चाँदी सोने के बने हुए

बेल बूटे।

तह पेच—(फ) वह छोटी टोपी जो साफे के लिये पगड़ी के नीचे पहनी जाती है, पगड़ी के नीचे सिर पर लपेटने का छोटा कपड़ा।

तह पोशी—(फ) हलकी साड़ियों के नीचे पहनने का छोटा घाघरा, पेटीकोट।

तह बन्द—(फ) वह कपड़ा जो मुसलमान लोग धोती की जगह पहनते हैं, तहमद, लुंगी, लंगोट।

तह बाज़ारी—(फ) बाज़ार या हाट में दुकानदारों से लिया जाने वाला भूमि का किराया।

तहमद—(फ) तहबन्द, लुंगी।

तहमीद—(अ) प्रशंसा करना, सराहना, ईश्वर की प्रशंसा करना।

तहमील—(अ) बोझ लादना, भार उठाना।

तहम्मुल—(अ) सहन करना, भार अपने ऊपर लेना, बर्दाश्त करना सहनशीलता, सहिष्णुता।

तहरीक—(अ) गति देना, हिलाना डुलाना, उत्तेजित करना, आन्दोलन, भड़काना।

तहरीफ—(अ) लिखावट की भूल, लिखावट में शब्दों या अक्षरों की अदल बदल करना, हिसाब में जालसाजी करना।

तहरीर—(अ) लिखना, लिखावट, लेख, लेखन शैली, लिखी हुई चीज़, लिखा हुआ प्रमाण पत्र, लिखाई, लिखने की मजदूरी, संगीत में गिटकरी।

तहरीक—(अ) गति, हिलना, डुलना।

तहलका—(अ) खलबली, हलचल, धूम, नाश, बरबादी मृत्यु।

तहलील—(अ) पचना, घुलना गलना, हज़म होना, यथास्थान पहुँचना, व्याकरण में किसी वाक्य का विश्लेषण, पदच्छेद।

तहवील—(अ) सौंपना, सुपुर्द करना, धरोहर, रोकड़, खज़ाना, कोश, जमा, ज्योति, सूर्यचन्द्रादि का एक राशि से दूसरी राशि पर संक्रमण।

तहवीलदार—(मि०) रोकड़िया, खजानची, कोशाध्यक्ष।

तहशिया—(अ) किताब के हाशिया पर लिखना।

तहशीर—अपने माल तथा का अन्न वस्त्र देने में संकीर्णता दिखाना।

तहसीन—(अ) सराहना, प्रशंसा,

तारीफ ।

तहसील—(अ) प्राप्त करना, उगाहना, इकट्ठा करना, वसूल करना, खेतों का लगान वसूल करने से होने वाली आय, वह दफ्तर या कचहरी जिसम तहसीलदार काम करता हो।

तहसीलदार—(मि०) तहसील करने वाला हाकिम, वह अधिकारी जो जमींदारों से माल गुज़ारी वसूल करता हो तथा माल के छोटे छोटे झगड़े निबटाता हो।

तहसीलदारी—(मि०) तहसीलदार का पद।

तहाइफ़—(अ) तोहफा का बहुवचन, अद्भुत, अनोखी, अप्राप्य, बढ़िया (वस्तु)

तहाब—(अ) परस्पर प्रेम करना।

तहारत—(अ) नमाज़ पढ़ने से पहले हाथ मुँह धोकर पवित्र होना पवित्रता, शुद्धता।

तहारुब—(अ) आपस में लड़ना झगड़ना

तही—(फ) खाली, रीता।

तही दस्त—(फ) खाली हाथ, कंगाल। दरिद्र।

तही मग्ज़—(फ) जिसकी खोपड़ी खाली हो, निर्बुद्धि, मूर्ख, बेवकूफ।

तहीर—(अ) पवित्र करने वाला।

तहेदिल—(फ) अन्तःकरण, हृदय का भीतरी भाग।

तहे दिल से = हृदय से।

तहैया—सलाम, प्रणाम, प्रार्थना जीवन, साधुवाद, तंदुरुस्ती तत्परता।

तहैयुर—(अ) विस्मय, अचम्भा अचरज, आश्चर्य।

तहोबाला—(फ) उलट पलट, नीचे का ऊपर ऊपर का नीचे, नष्ट बरबाद।

तहौवर—(अ) जोश, ज़ोर, शीघ्रता जल्दी।

ता—(फ) तक, पर्यन्त, प्राप्त तक।

ताअत—(अ) वन्दना, सेवा, पूजा आराधना, ईश्वर की भक्ति।

ताइब—(अ) तोबा करने वाला कोई काम फिर न करने का प्रण करने वाला, सहायता समर्थन।

ताईद—(अ) पुष्टि, समर्थन, सहायता, अनुमोदन, तरफदारी, पक्षपात।

ताउन—(अ) परस्पर सहायता करना

सद्योग, मेल मिलाप

ताऊन—(अ) महामारी, वह भीषण संहारक रोग जिससे बहुत से लोग मरें, प्लेग, हैजा।

ताऊस—(अ) मोर, मयूर।

ताक़—(अ) आला, दिवाल, ताख, चीजें रखने के लिए दीवार में बनाया हुआ छोटा सा स्थान। विषम संख्या या विषम संख्या में कोई चीज, अनुपम, अद्वितीय, बेजोड़, अकेला।

ताक़ पर रखना=छोड़ देना, त्याग देना।

ताक़ भरना=कोई कामना पूरी होने पर मस्जिद के ताक मिठाई से भरना।

ताक़त—(अ) शक्ति, बल, सामर्थ्य।

ताक़तवर—(मि) शक्तिशाली, बलिष्ठ, सामर्थ्यवान।

ताका—(अ) कपड़े का थान

ताकि—(फा) जिसमे कि, जिसमें कि।

ताकी—(अ) कजी आँखों वाला, फजा, जिसकी आँखों की पुतलियाँ सफेद हों।

ताकीद—(अ) चेतावनी, सावधान करके कही हुई बात, किसी काम के लिए बार बार स्मरण दिला के कहना।

ताकीदन—(अ) जोर देकर, आग्रह के साथ।

ताकीदी—(अ) ताकीद सम्बन्धी, जिसमें ताकीद की गई हो।

ताक्कुब—(अ) देखो "तअक्कुब"

ताखीर—(अ) विलम्ब, देरी।

ताख्त—(फ) सेना द्वारा आक्रमण कर फौज लेकर चढ़ाई करना।

ताख्त व ताराज—(फ) सेना द्वारा देश और प्रजा का विध्वंस करना।

ताज—(अ) राजमुकुट मुकुट, कलगी, तुर्रा, मकान के ऊपर बनाई हुई छतरी। मयूर कुक्कुट आदि पक्षियों की चोटी, आगरे की एक विश्व विख्यात इमारत जिसे शाहजहाँ ने बनवाया था।

ताज़गी—(फ) ताज़ापन, नवीनता, स्फूर्ति।

ताजदार—(मि) सम्राट्, बादशाह, जिसके सिर पर मुकुट हो।

ताजवर—(फ) राजा, बादशाह।

ताजवरी—(फ) राज्य, बादशाहत।

ताजा—(फ) नया, हरा-भरा, मस्त, टटका, जो अभी बनाया गया हो, जो तुरन्त ही वृक्ष पर से तोड़ कर लाया गया हो, स्वस्थ जो हारा थका न हो, जो अभी व्यव-

हार में लाया गया हो ।

ताज़ियत—(अ) शोक मनाना, रोना पीटना, मृत व्यक्ति के घर वालों को सान्त्वना देना, मातम पुरसी, शोक-सहानुभूति ।

ताज़ियत नामा—(मि०) शोक सहानुभूति का पत्र, शोक पत्र ।

ताज़िया - (अ) बाँस के खपच्चियों और कागज़ों का बनाया हुआ मकबरे के आकार का । मुहर्रम के महीने में मुसलमान लोग इनका प्रदर्शन करते और इनके आगे शोक मनाते हैं । ये हज़रत इमाम हुसैन के बलिदान की स्मृति में बनाए और निकाले जाते हैं ।

ताज़ियादारी—(मि०) मुहर्रम में शोक मनाना, ताज़िया बनाकर उनका प्रदर्शन करना ।

ताज़ियान—(फ) अरब के निवासी, अरबी, दौड़ने वाले ।

ताज़ियाना—(फ) कोड़ा, चाबुक, कोड़ा मारने की सज़ा ।

ताज़िर—(अ) सौदागर, व्यापारी, व्यवसाय करने वाला ।

ताज़ी—(अ) अरब देश की भाषा, अरब देश का घोड़ा, अरब का कुत्ता, अरब का आदमी ।

ताज़ीक—(फ) वह घोड़ा जो अरबी घोड़ा या घोड़ी के साथ किसी दूसरी जाति के घोड़ा या घोड़ी का सम्पर्क होने से पैदा हुआ हो ।

ताज़ी ख़ाना—(फ) वह मकान या स्थान जिसमें शिकारी कुत्ते (ताज़ी) रहते हों ।

ताज़ीम (अ) प्रतिष्ठा, आदर, किसी बड़े आदमी के स्वागतार्थ उठ कर खड़े हो जाना, विनम्रता पूर्वक प्रणाम करना ।

ताज़ीर—(अ) सज़ा, दण्ड ।

ताजील (अ) आज्ञा देना

ताज्जुब—(अ) देखो "तअज्जुब" ।

तातार—(फ) एक देश का नाम ।

तातील—(अ) छुट्टी, अवकाश, बेकारी, निकम्म ।

तात्तर—(अ) सुगंधित ।

तादाद (अ) गणना, गिनती, संख्या ।

तादीब—(अ) शिक्षा देना, दोष दूर करना सुधारना, भाषा या साहित्य सम्बन्धी शिक्षा ।

तादीब ख़ाना—(मि०) वह स्थान जहाँ साहित्यिक शिक्षा दी जाती हो वह जगह जहाँ किसी के दोषों को सुधारा जाए ।

तान—ताना (अ) व्यंग्य, कटाक्ष, आक्षेप पूर्ण वाक्य या कथन। दोष-दर्शन।

तानीस—(अ) व्याकरण में स्त्री लिंग।

ताफ्ता—(फ) बटा हुआ, एक प्रकार का रेशमी कपड़ा।

ताब—(फ) साहस, शक्ति, शोभा, आभा, चमक, प्रकाश, गर्मी, ताप, सयम शक्ति।

ताबह्—(फ) लोहे का वह पात्र जिस पर रोटी सेकी जाय, तवा, तन्दूर।

ताबईन—(अ) वे लोग जिन्होंने मुहम्मद साहब के साथियों से भेंट की हो, विनीत, आज्ञाकारी।

ताबखाना—(फ) तन्दूर, स्नान घर, हम्माम।

ताबदान—(फ) खिड़की, रोशन दान।

ताबा—(अ) अधीन, अनुचर, सेवक, आज्ञानुवर्ती, वशीभूत।

ताबान—(फ) चमकीला, प्रकाश-मान।

ताबिस्तान—(फ) गर्मी का मौसम, ग्रीष्म ऋतु।

ताबीर—(अ) वर्णन करना, स्वप्न का अर्थ लगाना, स्वप्न का शुभा शुभ, फल।

ताबील—(अ) भरोसा विश्वास।

ताबूत—(अ) मुर्दे का सन्दूक, वह सन्दूक जिसमें मुर्दे को रख कर श्मशान ले जाते हैं।

ताबे—(अ) देखो "ताबा"।

ताबेदार—(मि०) आज्ञाकारी, अनु-चर, सेवक, अधीन।

ताबो तवाँ—(फ) बल विक्रम।

ताम—(अ) देखो "तआम"।

तामअ—(अ) लोभी, लालची।

तामीर—(अ) मकान बनाना, भवन-निर्माण।

तामील—(अ) काम में लाना, कार्य रूप में परिणत कर आज्ञा का पालन।

ताम्मुल—(अ) अमल में लाना, अनुष्ठान करना, असमंजस, दुविधा, सोच विचार, अनि श्चय, सन्दिग्धावस्था।

तायफ—(अ) चारों ओर घूमना, चौकीदारी करना, प्रदक्षिणा देना।

तायफा—(अ) नर्तकियों की मंडली, वेश्या, यात्री दल।

तायब—(अ) देखो "ताइब"।

तायर—(अ) उड़ने वाली जीव, पक्षी।

ताहिर—(अ) देखो "ताहर"
तिक्का—(अ) मास का टुकड़ा।
तिका बोटी कर लेना
तिक्का बोटी कर लेना—टुकड़ा-टुकड़ा बाँटना लेना।
तिक्का बोटी उड़ाना—टुकड़ा टुकड़ा कर डालना।
तिक्का—(अ) नाड़ा, इजारबन्द।
तिगर्दी—(फ) देखो तग व दौ।
तिजारत—(अ) व्यापार, वाणिज्य, व्यवसाय, सौदागरी।
तिजारती—(अ) तिजारत का, व्यापार सम्बन्धी।
तितम्मा—(अ) देखो 'ततिम्मा'।
तिफ्ल—(अ) बच्चा, शिशु, लड़का, बालक।
तिफ़्ली—(अ) लड़कपन, शैशव, बचपन।
तिफ्ले शब—(फ) चन्द्रमा।
तिब्बे—(अ) चिकित्सा शास्त्र।
तिबाबत—(अ) चिकित्सा कार्य, वैद्यक व्यवसाय।
तिब्ब—(अ) देखो "तिब"।
तिब्बी—(अ) चिकित्सा शास्त्र सम्बन्धी।
तिरियाक-तिरियाक़—(फ) जहर मोहरा नामक औषधि विशेष, जिससे कानों का अथवा अन्य प्रकार का विष दूर हो जाता है, अफीम। सब रोगों की अचूक दवा।
तिलस्म—(अ) कौतुक, जादू, आश्चर्यजनक स्थल, अद्भुत घटनाएँ करामात, इन्द्र जाल।
तिलस्मात—(अ) तिलस्म का बहु वचन।
तिलस्मी—(अ) तिलस्म सम्बन्धी, जादू का।
तिला—(अ) सोना, स्वर्ण।
तिला—(फ) किसी अंग पर मलने की पतली (तरल) दवा। यह तेल या दवा जो नपुंसकता दूर करने के लिए पुरुष की जननेन्द्रिय पर मालिश करने के लिए काम आता है।
तिलाई—(अ) सोने का सुनहरी।
तिलाकारी—(मि) किसी चीज़ पर सोने का काम करना, सोने का मुलम्मा चढ़ाना।
तिलादानी—(फ) सुई डोरा रखने की पतीली जो प्रायः घरों में स्त्रियाँ बना लेती हैं।
तिलावत—(अ) शोभा, सुन्दरता, चिकनापन, कुरान का पाठ करना।
तिश्नगी—(फ) पिपासा, तृषा,

प्यासा।
तिश्ना—(फ) अत्यन्त उत्सुक, अत्य धिक चाहक, प्यासा।
तिश्ना- (अ) कटाक्ष, व्यग्य, ताना।
तिश्नालब—(अ) प्यासी-प्यासा।
तिहजी—(अ) उच्चारण करना, निन्दा करना, दर्ण माला, देखो "तहजी"
तिहाल—(अ) तिल्ली, प्लीहा।
तिही—(फ) देखो "तही"।
तिही दस्त—(फ) गरीब।
तीनत—(फ) प्रकृति, स्वभाव।
तीमार—(अ) रोगी की परिचर्या, बीमार की देखभाल, सहानुभूति, सम वेदना।
तीमारदार—(फ) रोगी को सेवा और देख भाल करने वाला, सहानुभूति रखने वाला।
तीमारदारी—(फ) रोगी की सेवा शुश्रूषा करना।
तीर—(फ) बाण, शर, एक पक्षी विशेष।
तीरअन्दाज—(फ) तीर चलाने वाला।
तीरअन्दाजी—(फ) तीर चलाने की क्रिया, बाण चलाना।
तीरअफगन—(फ) बाण चलाने वाला, तीर गिराने वाला।
तीर आवर—(फ) मक्कार, झूठा।
तीर कश—(फ) तीर रखने का थैला, तूणीर, निषग इसी का सक्षिप्त "तरकश" होता है।
तीरखदग—(फ) मिजराब, तार का बना एक विशेष प्रकार का छल्ला जिसे सितार बजाते समय उँगली में पहनते हैं।
तीरगर—(फ) तीर बनाने वाला।
तीरगी—(फ) अंधेरा, अंधकार।
तीर ब हदफ—(फ) अमोघ, अचूक, ठीक लक्ष्य पर लगने वाला।
तीरहवाई- (फ) वह तीर जो आकाश की ओर छोड़ा जाय, आकाश बाण।
तीरा—(फ) तिमिरावृत, अंधकार पूर्ण, अँधेरा।
तीरादिल—(फ) मैले दिलका, कलुषित हृदय वाला।
तीरा बख्त (फ) दुर्भाग्य, बद किस्मती।
तुग (फ) अन्नादि भरने का थैला, बोरा, गिदरी।
तुकमा (फ) कुर्ते आदि में सूत या कपड़े का बनाया हुआ वह छल्ला जिसमें घुंडी फँसाते हैं।
तुख्म (फ) बीज
तुर मा (अ) अजीर्ण, बदहजमी,

जो बहुत सुरीला शब्द करती है। मुँह से बजाने का एक छोटा बाजा।

तूती बोलना—बात का खूब चलना।

तूद—(अ) बड़ा पहाड़।

तूदा—(अ) टीला, मिट्टी का ढूह, मिट्टी का वह टीला जिस पर बन्दूक का निशान लगाना सीखते हैं। खेत की मेंड़, गाँव की सीमा, सीमा का निशान, राशि, ढर।

तूदाबन्दी—(फ) सीमा निश्चित करना, हद बन्दी।

तूफ़ान (अ) जल प्लावन, बाढ़, बहिया, आँधी, अंधड़ बवन्डर। वह भीषण आँधी जिसमें भयंकर वर्षा हो और वृक्षादि उखड़ जायँ। ऊधम, हल्ला-गुल्ला, उत्पात-आपत्ति, झगड़ा, बखेड़ा, मिथ्या दोषारोपण।

तूफ़ानी—(अ) तूफान सम्बन्धी, उग्र, तेज, प्रचण्ड, ज़ोर शोर के साथ, उपद्रवी, बखेड़िया, झगड़ालू, झूठा झगड़ा खड़ा करने वाला।

तूबा—(अ) बहिश्त का एक कल्पित वृक्ष जिसके सम्बन्ध में कहा जाता है कि उसके फल अत्यन्त स्वादिष्ट होते हैं।

तूमार—(अ) व्यर्थ का विस्तार, बात का बतगड़, थोथा पोथा।

तूमाल—(अ) देखो "तूमार"।

तूर—(अ) पहाड़ मात्र। वह विशेष पहाड़ जिस पर हज़रत मूसा को ज्ञान-ज्योति दिखाई पड़ी थी।

तूल—(अ) लम्बाई, दैर्घ्य, विस्तार।

तूल कलाम—(अ) लम्बी चौड़ी बातें, बातों का विस्तार, बात बढ़ाना, झगड़ा करना।

तूलवअर्ज़—(अ) लम्बा-चौड़ा, विस्तृत।

तूल देना—काम या बात को बढ़ाना विस्तार करना।

तूल पकड़ना—बहुत बढ़ जाना।

तूलानी—(अ) लम्बा, दीर्घ।

तूले बलद—(अ) भूगोल के चित्र में देशान्तर रेखाएँ।

तूस—(अ) एक प्रकार का बढ़िया गरम कपड़ा जो पहाड़ों पर रहने वाले तूस नामक पक्षी के रोओं से बनाया जाता है।

तेग़—(फ) तलवार, खंजर, छुरी, पीठ, चाँदनी।

तेग़ा—(फ) खंजर, छोटी और चौड़ी तलवार। कुश्ती का एक पेच।

महराब।

तेज़—(फ) तीव्र, पैना, पैनी धार वाला, जल्दी चलने वाला, फुर्तीला, चतुर, चालाक, बुद्धिमान, उग्र, ज़ोरदार, प्रचण्ड, महँगा, अधिक दामों का।

तेज़दस्त—(फ) फुर्तीले काम करने वाला।

तेज़मिज़ाज—(फ) उग्र स्वभाव का, क्रोधी।

तेज़ रफ़्तार—(फ) द्रुत गामी।

तेज़ रफ़्तारी—(फ) द्रुतगामित्व, तेज़ चाल।

तेज़ाब—(फ) गंधक, नमक आदि वस्तुओं का बनाया हुआ द्रव, अम्ल। वह तरल औषधि जिसमें डालने से कोई भी चीज़ गल जाती है।

तेज़ी—(फ) तीव्रता, प्रखरता, उग्रता, शीघ्रता, चालाकी, महँगी, प्रबलता।

तेशा—(फ) लकड़ी छीलने का एक औज़ार, बसूला।

तै—(अ) निपटारा, फैसला, निर्णय, समाप्त, पूरा, पार किया हुआ।

तैसमाम—(अ) समाप्ति, पूरा होना, अन्त होना।

तैनात—(अ) विशेष रूप से नियत किया गया, नियुक्त।

तैनाती—(अ) विशेष रूप से नियुक्ति मुकर्ररी।

तैश—(अ) क्रोध, आवेश।

तैयब—(अ) पवित्र, श्रेष्ठ, सुन्दर, स्वादिष्ट।

तैयार—(अ) सन्नद्ध, उद्यत, उपस्थित, प्रस्तुत, ठीक, जो बन कर पूरा हो गया हो, मोटा ताज़ा। मौजूद।

तैयारा—(अ) कागज रबर या हलके कपड़े का बना थैला जिसमें गरम हवा या हलकी गैस भर कर हवा में उड़ाते हैं, गुब्बारा, हवाई जहाज़।

तैयारी—(अ) सन्नद्धता, दुरुस्ती किसी विशेष काम के लिए उसके उपयुक्त सामान की व्यवस्था, इन्तज़ाम, मोटापा, तत्परता, मुस्तैदी। धूम धाम, सजावट।

तैर—(अ) पक्षी, चिड़िया।

तैश—(अ) आवेश क्रोध।

तोता—(फ) एक हरे रंग का पक्षी, शुक, कीर, सूआ, सुग्गा।

तोताचश्म—(फ) सूखा, शुष्क, मेल-मुरव्वत न रखने वाला।

तोदा—( ) देखो "तूदा"

तोप—(तु) बंदूक की किस्म का एक बहुत बड़ा हथियार, शतघ्नी, सेना।

तोपखाना—(मि०) वह स्थान जहाँ तोपें रक्खी जाती हों, सेना के साथ रहने वाला तोपों का समूह।

तोपची—(तु) तोप चलाने वाला।

तोबरा—(फ) घोड़े को दाना खिलाने का थैला।

तोबा—(अ) पाप से बचना, कोई अनुचित कार्य न करने की प्रतिज्ञा करना।

तोबा तिल्ला मचाना—रोते हुए कोई अनुचित कार्य पुन न करने की प्रतिज्ञा करना।

तोबा बोलवाना—पूरी तरह परास्त करना, पराजित व्यक्ति के मुख से हार स्वीकार करा लेना।

तोरा—(तु) वह बड़ा थाल जिसमें खाद्य सामग्री से भरी तश्तरियाँ और प्यालियाँ रख कर विवाह के समय भेंट रूप में दिया जाता है। बादशाह चंगेज़ख़ाँ के प्रचलित किये गए सामाजिक नियम। घमंड।

तोश—(तु०) शारीरिक शक्ति, छाती, वक्षस्थल, सीना।

तोशक—(तु) दो तह के कपड़े में रुई भर कर बनाया हुआ बिछौना, गद्दा, फर्श।

तोशक खाना—(मि०) घर में वह जगह जहाँ घर के ओढ़ने पहनने के कपड़े रक्खे जाते हों।

तोशदान—(फ) वह पात्र जिसमें रास्ते के लिए भोजन रक्खा जाता है, पाथेय पात्र।

तोशा—(फ) खाने पीने की चीज़ें, मार्ग में खाने के लिए साथ ले जाया जाने वाला भोजन, पाथेय।

तोशाख़ाना—(मि०) राजाओं के महलों में वह निश्चित मकान जिसमें पहनने-ओढ़ने के बहुमूल्य वस्त्र तथा आभूषण रक्खे जाते हैं।

तोहफ़गी—(अ) उत्तमता, अच्छाई।

तोहफ़ा—(अ) उत्तम, अच्छा, श्रेष्ठ, अद्भुत, अनोखा, भेंट, सौगात।

तोहमत—(अ) मिथ्या दोष, कलंक, दूषण।

तोहमती—(अ) तोहमत [illegible] वाला, मिथ्या दोषारोपण [illegible] वाला।

तौअन व करहन—(अ) मज़ [illegible]

विवशता पूर्वक, अत्यन्त कठिनाई से। आज्ञा मानकर।

तौअम—(अ) ज्योतिष में मिथुन राशि, एक गर्भ से एक साथ जुड़वाँ उत्पन्न हुए बालक, यमल, युग्म।

तौक़—(अ) शक्ति, बल, गले में पहनने का गोलाकार आभूषण, लोहे का बना बड़ा और भारी छल्ला जो अपराधियों के गले में डाला जाता है, पक्षियों के गले में स्वाभाविक बना हुआ हँसली जैसा चिह्न। जानवरों (कुत्ता आदि) के गले में बाँधने का पट्टा। चपरास।

तौक़ीर—(अ) इज्जत, आदर, सम्मान, प्रतिष्ठा, गौरव।

तौजीअ—(अ) बाँटना, टुकड़े करना, हिसाब का चिट्ठा, खर्रा।

तौफ़गी—(फ) विशेषता, उत्तमता, श्रेष्ठता, खूबी।

तौफ़ीअ—(अ) विस्तृत करना, फैलाना।

तौफ़ीक़—(अ) शक्ति, सामर्थ्य श्रद्धा, भक्ति अनुसार, सामान, ईश्वर की कृपा।

तौफ़ीर—(अ) लाभ, मुनाफा।

तौबा—(अ) देखो "तोबा"

तौर—(अ) ढंग, प्रकार, ढब, चाल-चलन, व्यवहार, भाँति, तरह, तरीका, प्रकार।

तौर तरीक़ा—(अ) चाल चलन, रीति रिवाज, रंग ढंग।

तौरीस—(अ) विरासत।

तौरेत—(इब्रा०) यहूदियों का प्रसिद्ध धर्म ग्रन्थ।

तौसन—(फ) घोड़ा, अश्व।

तौसीअ—(अ) फैलाव, विस्तार, प्रशस्तता।

तौसीफ़—(अ) प्रशंसा करना, गुण वर्णन करना, व्याख्या करना।

तौहीद—(अ) अद्वैतवाद, एक मानना, एक जानना, ईश्वर एक है ऐसा मानना, एकेश्वरवाद।

तौहीन—(अ) अपमान, बेइज्जती, अप्रतिष्ठा।

तौहीनी—(अ) तौहीन, अपमान, निरादर, अप्रतिष्ठा।

द

दंग—(अ) स्तब्ध, विस्मित, चकित, पागल मूर्ख

दंगल—(फ) मल्ल युद्ध का समारोह, मल्ल युद्ध का अखाड़ा, जमघट, समूह, दल, बहुत बड़ा और मोटा गद्दा।

दगा—(फ) उपद्रव, झगड़ा, बखेड़ा, हुल्लड़, ऊधम।

दअवत—(अ) निमन्त्रण, बुलावा, ज्यौनार, भोज, पुत्र गोद रखना, किसी को अपना पुत्र बनाना या पुत्र तुल्य समझना।

दक़ियानूस—(अ) एक अत्याचारी और नास्तिक बादशाह का नाम जिसके भय से लोग पहाड़ों की कन्दराओं में जा छिपते थे। पुराना, पुराने विचारों का, बूढ़ा।

दक़ियानूसी—(अ) अत्यन्त पुराना, बहुत बूढ़ा।

दक़ीक़—(अ) गम्भीर, क्लिष्ट, कठिन, सूक्ष्म, कोमल, बारीक।

दक़ीक़ा—(अ) गम्भीरता, क्लिष्टता, कठिनाइ, सूक्ष्मता, कोमलता, बारीकी, विपत्ति, कष्ट, पल, क्षण।

दक़ीक़ा बाक़ी न रखना—किसी कार्य सिद्धि के लिए कोई प्रयत्न शेष न रहने देना।

दक़ीक़ारस—(मि) सूक्ष्मदर्शी।

दख़ल—(अ) गति, अधिकार, हस्त क्षेप, पहुँच, प्रवेश।

दख़लनामा—(मि) अधिकार पत्र, वह कागज़ जिसमें किसी व्यक्ति को किसी वस्तु पर अधिकार प्राप्ति का उल्लेख हो।

दख़लयाब—(मि) किसी चीज पर अधिकार प्राप्त व्यक्ति।

दख़लयाबी(मि) किसी चीज पर अधिकार पाना।

दख़ील—(अ) किसी काम या चीज़ पर अधिकार रखने वाला। किसी बात में हस्तक्षेप करने वाला।

दख़ीलकार—(मि) वह व्यक्ति जिसका किसी भूमि पर बारह सालतक लगातार अधिकार रहा हो। मौरूसीदार।

दख़ीलकारी—(मि) वह भूमि या खेत जिस पर किसी व्यक्ति का बारह साल तक लगातार अधिकार रहा हो। मौरूसी।

दख़ूल—(अ) घुसना, अन्दर जाना, प्रवेश।

दग़दग़ा—(अ) भय, आशंका, सन्देह।

दग़ल—(अ) कपट, धोखा, बहाना, कपटी, धोखे बाज़।

दग़ा—(फ) धोखा, छल, कपट।

दग़ाबाज—(फ) छली, कपटी, धोखा देने वाला।

दग़ाबाज़ी—(फ) छल, कपट,

घोखा।
दुजद—(फ) चोर।
दुजदी—(फ) चोरी।
दज्जाल—(अ) एकाक्ष, काना, दुष्ट, मुसलमानों के मतानुसार एक काने काफ़िर का नाम जो समस्त संसार को अपने वश में कर लेगा।
ददा—(तु) दाई, धाय, वह स्त्री जो वेतन लेकर किसी के बच्चों का पालन पोषण करती हो।
दन्दाँ (फ) दन्त, दाँत, दशन।
दन्दाँ बुलन्द (फ) बूढा घोड़ा।
दन्दाँ शिकन (फ) दाँत-तोड़, दाँत तोड़ने वाला, बहुत कड़ा, उग्र।
दन्दाना (फ) दाँत जैसा, दाँत के समान।
दफ (फ) कोप, क्रोध, आवेश, उग्रता, विष, दफ नाम का बाजा।
दफ्अ (अ) दूर करना, हटाना, निवारण।
दफ़अतन (अ) अचानक, सहसा, एक साथ।
दफ़आ (अ) एकबार, नियम, कानून, धारा,
दफ़आत (अ) दफआ का बहु वचन।
दफ़न (अ) ज़मीन में गाड़ना, छिपाना, विशेष रूप से मुर्दे को ज़मीन मे गाड़ना
दफ़ा (अ) देखो "दफआ"।
दफाइन (अ) दफीना का बहु वचन, जमीन में गाड़ा हुआ माल।
दफ़ातर (अ) दफ्तर का बहु वचन।
दफ़ादार (अ) फौज का छोटा अफसर जो थोड़े से सिपाहियों के ऊपर होता है।
दफ़ान (अ) दूर होना, अलग होना,
दफ़ायन (अ) देखो "दफाइन"।
दफाली (फ) ढोल, ताशा या डफ बजाने वाला, ढफाली।
दफ़ीना (अ) गड़ा हुआ माल,
दफ़ैया (अ) दूर करने वाला दूर करने की विधि, दूर करना।
दफ़्तर (अ) कार्यालय, आफिस, कागज़ों का ढेर, लम्बी चिट्ठी, विस्तृत ब्यौरा, चिट्ठा।
दफ्तरी—(फ) वह कर्मचारी जो दफ़्तर के कागज़-पत्तर ठीक रखता हो। किताबों या रजिस्टरों आदि की जिल्द बनाने वाला।
दफ्ती—(फ) पट्ठा, गत्ता, वसली, वह मोटा कागज़ जो किताबों पर जिल्द चढ़ाने में काम आता है।

दफ़्तीन—(फ) देखो "दफ्ती"।
दबदबा—(फ) आतंक, प्रभाव, रौब दाब।
दबस्तान दबिस्ताँ—(फ) पाठ शाला, मदरसा, स्कूल।
दबीज़—(अ) मोटा, दलदार।
दबीर—(अ) लेखक, साहित्यकार।
दबूब—(अ) बहुत गहरा गढा।
दबूर—(अ) पश्चिम दिशा से आने वाली हवा।
दम—(फ) साँस, श्वास, प्राणवायु, जीवनी शक्ति, बात, दमे का रोग, अफसोस, धूएँ का घूँट, फूँक, धौंकनी की हवा, एक बार श्वास लेने के जितना समय, अभिमान, गर्व, तलवार की धार, धोखा, बहाना, छल, कोई गीली वस्तु बर्तन में रखकर उसका मुँह बन्द करके आग पर पकाना, विश्राम।
दम अटकना—श्वास रुक जाना, मरने के समय गला रुँध जाना।
दम उखड़ना—बीमारी या परिश्रम के कारण श्वास फूलना।
दम के दम में—थोड़ी देर में, क्षण भर में।
दम खींचना—मौन धारण कर लेना, चुप हो जाना।
दम खुश्क होना—भय के कारण प्राण सूखना।
दम गनीमत होना—किसी व्यक्ति के जीवित रहने से कुछ भलाई होना।
दम घुटना—श्वास लेने में कष्ट होना, कोई बात कहने की इच्छा होते हुए भी किसी विशेष कारण से न कहना।
दम घोटना—गला दबा कर मारना, बहुत कष्ट देना।
दम तोड़ना—प्राण त्यागना, अन्तिम श्वास लेना।
दम दिलासा—बहलाने फुसलाने की बातें।
दम देना—बहाना करना।
दम-बदम पर—थोड़ी थोड़ी देर बाद।
दम पट्टी—धोखा।
दम फूलना—रोग या परिश्रम के कारण ज़ोर-ज़ोर से श्वास चलना।
दम भरना—किसी की मित्रता का अभिमान करना। परिश्रम से थक जाना।
दम मारना—सुस्ताना, विश्राम करना, रुकना।

दम लगाना—गाँजा, सुलफा आदि की चिलम का धुआँ जोर से चूँसना।
दम लेना—सुस्ताना, कोई परिश्रम का काम करके कुछ देर विश्राम करना।
दमअ—(अ) आँसू बहना, दमक्का नामक रोग जिसमें आँखों से पानी बहा करता है।
दम क़दम—(फ) जीवन और अस्तित्व।
दमकश—(फ) वह व्यक्ति जो किसी गाने वाले को गाने में सहायता दे, श्वास देने वाला।
दमख़म—(फ) जीवन और शक्ति, दृढ़ता, तलवार की धार और मोड़।
दम तस्लीम—(फ) मृत्यु समय, मरण-काल।
दमदमा—(फ) छल, कपट, चाटुकारी, नगाड़ा, ढोल, नगाड़े की आवाज़, प्रसिद्धि, किले की दीवार, मोरचा, युद्ध के समय की किले-बन्दी जो बालू भरे हुए बोरे तले ऊपर रखकर बनाई जाती है।
दमदार—(फ) दृढ़, शक्तिशाली, सम्पन्न, तेज धार वाला, जिसकी साँस देर तक काम दे।
दम दिलासा—(मि०) टालमटूल
दम पुख़्त—(फ) किसी बरतन में बन्द करके पकाया हुआ।
दम बख़ुद—(फ) आश्चर्य चकित, सन्न। जो भय आदि के कारण बोल न सके, चुप।
दम बदम—(फ) क्षण क्षण पर, श्वास श्वास पर, घड़ी घड़ी।
दमबाज़—(फ) छली, कपटी, धूर्त, धोखा देने वाला।
दमसाज़—(फ) घनिष्ठ मित्र, सखा, साथी।
दमा—(फ) श्वास रोग, साँस, हफनी।
दमादम—(फ) लगातार।
दमामा—(फ) नगाड़ा, धौसाँ, नफीरी।
दमिश्क़—(अ) एक नगर विशेष का नाम।
दमी—(फ) एक प्रकार का छोटा हुक्का।
दमीम—(अ) कुरूप, बुरी सूरत का।
दमे नक़्द—(फ) अकेला, एकाकी, बिना किसी संगी साथी के।
दमे सर्द—(फ) ठंडी साँसे, निराशा की आह।

दयानत—(अ) सचाई, ईमान, सत्य निष्ठा।

दयानतदार—(मि०) सत्य निष्ठ, सच्चा, ईमानदार।

दयानतदारी—(मि०) ईमानदारी, सचाई।

दयार—(अ) प्रदेश।

दर—(फ) भीतर, बीच, में, द्वार, दरवाज़ा।

दरदर मारा फिरना, दर ब दर मारा फिरना—विपत्ति के कारण द्वार-द्वार पर भटकना।

दर अन्दाज़—(फ) दो व्यक्तियों में झगड़ा कराने वाला।

दर अन्दाज़ी—(फ) दर अन्दाज़ का काम, लोगों में फूट डालना या झगड़ा कराना।

दर आमद—(फ) आगमन, आयात अन्दर आना, विदेश से किसी वस्तु का देश में आना।

दरकार—(फ) आवश्यक, अपेक्षित, जरूरी, आवश्यकता।

दर किनार—(फ) दूर, अलग, एक ओर।

दरख़ास्त—(फ) प्रार्थना, निवेदन, अभिलाषा, इच्छा, प्रार्थना, पत्र, आवेदन पत्र।

दरख़्त—(फ) पेड़, वृक्ष।

दरख़्वास्त—(फ) देखो "दरख़ास्त"

दरख़्श—(फ) बिजली, आग, प्रकाश।

दरख़्शाँ—(फ) चमकता हुआ, जग मगाता हुआ, प्रकाशित, देदीप्य मान।

दरगाह—(फ) किसी महात्मा की समाधि, मकबरा, दरबार, कच हरी, चौखट, द्वार, देहरी।

दर गुज़र—(फ) अलग, क्षमा किया हुआ।

दर गोर—(फ) दूर हो, कब्र में जाय कब्र में, भाड़ में जाय।

दरज—(अ) प्रविष्ट, सम्मिलित, लिखित, कागज़ पर लिखा हुआ,

दरज़—(अ) चीरा, कपड़े आदि को चीरना, दो चीज़ों के बीच की सँध, झिरी, दरार।

दरपन—(अ) मुर्दे।

दरजा—(अ) पद, कक्षा, श्रेणी, वर्ग स्तगढ़, गुणित, गुना, अंश।

दरजात—(अ) दरजा का बहुवचन।

दरजी - (फ) सुई से काम करने वाला, कपड़े सीने वाला व्यक्ति।

दरद—(फ) दुःख, कष्ट, पीड़ा, व्यथा करुणा, दया।

दरद अंगेज़—(फ) करुणा-जनक जिसे सुन या देखकर मन में दया उत्पन्न हो।

दरद आज़मा—(फ) बीमार, मरीज़, रोगी।

दरद आमेज़—(फ) देखो "दरद अंगेज़"

दरद नाक—(फ) करुणा-जनक जिसे सुन या देखकर हृदय में करुणा पैदा हो।

दरद मन्द—(फ) दुखी, पीड़ित, दयार्द्र चित्त, कोमलहृदय(वयक्ति) सहानुभूति रखने वाला।

दरद शरीक—(फ) दुख के समय सहायता करने वाला, विपत्ति में साथ देने वाला, सहानुभूति रखने वाला

दरन—(फ) जौंक, जलोका।

दरन्दा—(फ) फाड़ने वाला, हिंस्र जीव

दर परदा—(फ) परदे के भीतर, छिपकर, आड़ से गुप्त रूप से।

दरपेश—(फ) सामने, सम्मुख, आगे।

दरपै—(फ) किसी की खोज में, किसी के पीछे।

दरफ्शा—(फ) चमड़े में छेद करने का औज़ार, सुतारी।

दरबदर—(फ) एक द्वार से दूसरे द्वार पर, द्वार द्वार पर, दरवाज़े पर।

दरबन्द—(फ) किला, पुल, द्वार दरवाज़ा।

दरबा—(फ) कबूतरों या मुर्गों के रहने के वास्ते लकड़ी आदि का बनाया हुआ ख़ानेदार स्थान, काबुक।

दरबान—(फ) द्वारपाल, पौरिया, द्वाररक्षक।

दरबानी—(फ) दरबान का पद या कार्य

दरबाब—(फ) विषय में, मध्ये, बारे में।

दरबार—(फ) कचहरी, राजसभा, वह स्थान जहाँ राजा अथवा कोई महापुरुष अपने अनुयायियों सहित बैठता हो, द्वार, दरवाज़ा, रजवाड़ों में राजा को भी दरबार या दरबार साहब कहते हैं।

दरबार आम—(मि०) वह दरबार जिसमें सब साधारण लोग सम्मिलित होसकें।

दरबार ख़ास—(मि०) वह दरबार जिसमें विशेष विशेष व्यक्ति ही सम्मिलित हो सकें।

दरबारदारी—(फ) चापलूसी करना, खुशामद के लिए किसी के यहाँ

बार बार जाकर बैठना।

दरबारा—(फ) विषय में, बाबत, बारे में।

दरबारी—(फ) दरबार में बैठने वाला व्यक्ति।

दरमा—(फ) खरहा, शशका, खरगोश।

दर माँदगी—(फ) विवशता, लाचारी, विपत्ति।

दरमाँदा—(फ) विवश, साधनहीन, लाचार, परिश्रान्त, थका हुआ।

दरमान—(फ) चिकित्सा, इलाज, उपाय, उपचार, ओषधि।

दरमाहा—(फ) मासिक वेतन, माहवारी तनख्वाह।

दरम्यान—(फ) बीच, मध्य, में।

दरम्यानी—(फ) बीच का, मध्यवर्ती, निचौलिया, बीच-बचाव करने वाला, झगड़ा निपटाने वाला।

दरवाजा—(फ) द्वार, किवाड़, फाटक, प्रवेशमार्ग, मुहाना।

दरवेजा—(फ) भिखमंगापन, भिक्षावृत्ति फकीरी।

दरवेश—(फ) फकीर, साधु, भिक्षुक।

दरवेशाना—(फ) साधुओं का सा।

दरवेशी—(फ) साधुओं की वृत्ति, फकीरी।

दरस—(फ) पुस्तक पढ़ना, अध्ययन, पाठ, उपदेश, शिक्षा।

दरसूरत—(मि) दशा में, अवस्था में

दरहकीकत—(मि) वस्तुतः, वास्तव में, सचमुच।

दरहम—(फ) अव्यवस्थित, उलट पुलट, उदास, म्लान, विनष्ट।

दरहम बरहम—(फ) उलट पुलट, तितर बितर।

दरा—(फ) घटा, घटाला।

दराज—(फ) विस्तृत, लम्बा।

दराज गोश—(फ) लम्बकर्ण, गधा जिसके कान विशेष लम्बे होते हैं।

दराज दस्त—(फ) अन्यायी, अत्याचारी।

दराजदस्ती—(फ) अन्याय, अत्याचार

दराज दुम—(फ, गिरगिट, करकेंटा।

दराजी—(फ) विस्तार, लम्बाई।

दरामद—(फ) देखो "दर आमद"।

दरिद—(फ) खेती करना, किसानी, काश्तकारी,।

दरिदगर—(फ) खेती करने वाला, किसान, काश्तकार।

दरिन्दा—(फ) देखो" दरन्द"

फाड़नेवाला, फाड़खानेवाला, हिंस्रजन्तु।

दरिया—(फ) नदी, समुद्र।

दरियाई—(फ) नदी का, नदी सम्बन्धी, समुद्री, नदी समुद्रादि में रहने वाला। एक प्रकार का रेशमी कपड़ा।

दरियाई घोड़ा—(मि) एक विशाल काय चौपाया जो अफ्रीका की नदियों में पाया जाता है।

दरियाई नरियल—(मि) वह बड़ा नरियल जिससे सन्यासियों के कमण्डल बनाए जाते हैं।

दरियाए आब—(फ) आकाश, आसमान

दरियाए शोर—(फ) समुद्र, काला पानी।

दरिया दिल—(फ) उदार हृदय, खूब ख़र्च करने वाला, दाता, दानी।

दरियाफ़्त—(फ) पूछना, अनुसन्धान, खोज, ज्ञान, मालूम।

दरिया बरामद—(फ) वह भूमि जो नदी की धार के हट जाने से निकल आई हो।

दरिया बार—(फ) बड़ा दरिया, नदीतट का देश।

दरिया बुर्द—(फ) वह भूमि जो नदी के प्रवाह से कट कर बह गई हो।

दरीख़ाना—(फ) वह मकान जिसमें बहुत से दरवाजे हों (बारह दरी, राज दरबार) दरगाह।

दरीचा—(फ) खिड़की, खिड़की के समीप बैठने के लिए बना हुआ स्थान।

दरीदन—(फ) फाड़ना।

दरीदा—(फ) फटा हुआ।

दरीदा दहन—(फ) मुँहफट, असभ्य, उद्धत, बिना सोचे विचारे भद्दी बात कह डालने वाला।

दरीबा—(फ) वह बाज़ार जिसमें सिर्फ पान बेचे जाते हों।

दरे ख़ाना—(फ) देखो 'दरीख़ाना'

दरेग़—(फ) खेद, दुःख, पश्चात्ताप, कमी।

दरेज़—(फ) एक प्रकार का कपड़ा, छपी हुई मलमल या छींट।

दरोग़—(फ) मिथ्या, झूठ।

दरोग़गो—(फ) मिथ्या भाषी, झूठ बोलने वाला।

दरोग़ गोई—(फ) मिथ्या भाषण, झूठ बोलना।

दरोग़ ज़न—(फ) झूठा, झूठ बोलने वाला।

दरोग हलफी—(अ) झूठ न बोलने की शपथ खाकर भी झूठ बोलना।
दरो बस्त—(फ) कुल, सब, पूरा।
दर्क—(अ) हस्तक्षेप, दखल, ज्ञान, समझ।
दर्ज—(फ) देखो "दरज"
दर्ज—(फ) देखो "दरज"
दर्जा—(फ) देखो "दरजा"
दर्जी—(फ) देखो "दरजी"
दर्द—(फ) देखो "दरद" दर्द के यौगिकों के लिए भी दरद के यौगिक देखो।
दर्दे जह—(फ) प्रसव की पीड़ा।
दर्दे सर—(फ) शिर की पीड़ा, बहुत कठिन या झंझट का काम।
दर्द सरी—(फ) कठिनाइ, दिक्कत, झंझट।
दर्रा—(फ) दो पहाड़ों के बीच का मार्ग, घाटी, पहाड़ों के बीच का मैदान।
दर्स—(अ) देखो "दरस"
दर्सव तदरीस—(फ) पढना पढ़ना।
दश बादल—(फ) एक बड़े ग्रंथ का नाम।
दलायल-दलायल(अ) दलील का बहुवचन।
दलाल—(अ) माल बिकवाने और खरीदने में सहायता करने वाला, कुटना।
दलालत—(अ) युक्तियाँ देना, दलील देना, प्रमाण प्रस्तुत करना, मार्ग दिखाना, चिह्न, पता, प्रभाव, आतंक, शोभा।
दलाली—(अ) दलाल का पेशा, दलाल को मिलने वाला मेहनताना।
दलीदा—(अ) दला हुआ, दलिया।
दलील—(अ) युक्ति, तर्क, बहस, विवाद, पथ प्रदर्शन।
दल्क—(अ) फकीरों की गुदड़ी।
दल्क पोश—(म) गुदड़ी ओढ़ने वाला, फकीर, भिक्षुक।
दल्लाल—(अ) दलाल, खरीदने बेचने वालों के बीच में पड़कर भाव तय करनेवाला, राह बताने वाला कुटना।
दल्लाला—(अ) कुटनी। दूती, दलाल का काम करने वाली स्त्री।
दल्लाली—(अ) देखो "दलाली"
दल्व—(अ) ज्योतिष शास्त्र में कुम्भ राशि।
दवा—(फ) औषधि, वह वस्तु जिसके सेवन से रोग या पीड़ा दूर हो। रोग दूर करने के लिए उपाय,

उपचार, चिकित्सा, युक्ति, तरकीब, तदबीर।

दवाई—(फ) देखो "दवा"।

दवाखाना—(त्रि) औषधालय, वह स्थान जहाँ दवाएँ मिलती हों।

दवात—(अ) लिखने की स्याही रखने की छोटी शीशी या डिबिया, मसिपात्र।

दवाम—(अ) सदा, सदैव, सदैव, हमेशगी, सदा का भाव।

दवामी—(अ) स्थायी, जो बहुत दिनों के लिए हो, सदा के लिए।

दवामी बन्दोबस्त—(मि) स्थायी प्रबन्ध, वह बन्दोबस्त जिसमें भूमि का सरकारी कर सदा के लिए निश्चित हो जाय।

दवायर—(अ) दायरा का बहु वचन।

दवावीन—(अ) दीवान (काव्य) का बहुवचन, काव्य-संग्रह।

दश—(फ) सुसज्जित, अलंकृत।

दश्त—(फ) जंगल, उजाड, बीहड। मरुस्थल, सहारा।

दश्त नवर्दी—(फ) जंगल या बीहड में मारे मारे फिरना।

दस्त—(फ) हाथ, फायदा, लाभ, विरेचन, पतला मल, पाखाना।

दस्त आमेज—(फ) पालतू, हाथों पर सधाया हुआ (पशु-पक्षी)

दस्त आवेज—(फ) प्रमाण पत्र।

दस्तक—(फ) हाथ पर हाथ मार कर शब्द करना, ताली बजाना, किसी को बुलाने के लिए उसके दरवाजे के किवाड या कुंडी खट खटाना, कर, महसूल, माल गुजारी, वसूल करने का परवाना, एक स्थान से दूसरे स्थान को माल लेजाने का-आज्ञा पत्र।

दस्त कश—(फ) सहायता से हाथ खींच लेने वाला, साथ छोड देने वाला, असा, लाठी।

दस्तकार—(फ) हाथ से कारीगरी का काम करने वाला, कारीगर, शिल्पी।

दस्तकारी—(फ) कारीगरी, हस्त कौशल, शिल्प।

दस्तकी—(फ) नोटबुक, याददाश्त लिखने की छोटी बही, वह चमड़े का दस्ताना जिसे शिकारी लोग बाज आदि पक्षियों को बिठाने के लिए हाथ में पहन लेते हैं।

दस्तखत—(फ) हस्ताक्षर, अपने हाथ से लिखा हुआ अपना नाम।

दस्तखती—(फ) हस्ताक्षरित, जिस-

दस्तूर—(फ) रिवाज, रीति, प्रथा, नियम, कायदा, विधि, चलन, पारसियों का पुरोहित, शक्ति शाली, प्रभुता पूर्ण, मन्त्री, धनी।

दस्तूर उल अमल—(फ) व्यवहार में आने के नियम, कायदा, शासन-प्रणाली।

दस्तूरी—(अ) वह धन जो नौकर या कारीगर मालिक का समान खरीदने में दुकान दार से पाते हैं। विग, आशा, मन्त्रित्व।

दस्ते क़ुदरत—(फ) प्राकृतिक शक्ति, प्रकृतिका कार्य, शक्ति, सामर्थ्य।

दस्तखुश—(फ) विनोद प्रिय, हँसोड़।

दस्ते शिफा—(फ) वह चिकित्सक जिसके इलाज से बीमार को शीघ्र आराम हो जाय। वह वैद्यक जिसके हाथ में यश हो।

दस्तोदिल—(फ) साहस, हिम्मत शक्ति।

दस्तोपा—(फ) प्रयत्न, खोज।

दह—(फ) दस अर्थात् नौ और एक।

दहक़ान—(मि०) गँवार, किसान, ग्रामीण, देहाती, रईस।

दहक़ानियत—(अ) गँवारपन, ग्रामीणता।

दहक़ानी—(मि) गँवार, ग्रामीण, गँवारों का सा, गँवारू।

दहन—(फ) मुँह, मुख।

दहन तेग़—(फ) तलवार की धार।

दहना—(फ) नदी का निकास, देश की सीमा, पायजा विशेष।

दह मर्दा—(फ) मूठा, गप्पी, बकवादी, छोटी गाड़ी।

दहर—(अ) रात दिन, समय, युग, ज़माना।

दहरा—(फ) तलवार की तरह का एक शस्त्र।

दहरिया—(अ) वह व्यक्ति जो संसार को ही सब कुछ समझे, ईश्वर को न माने, नास्तिक, प्रकृतिवादी।

दहरी—(अ) पुराना, वृद्ध, जो संसार को अनादि अनन्त माने।

दहरोज—(फ) अचिर काल, अल्प समय।

दहलीज़—(फ) पौरी, दुआरी, दरवाजे की चौखट को नीचे वाली लकड़ी।

दहशत—(फ) भय, डर।

दहशत अंगेज़—(फ) भयानक, डरावना, भय पैदा करने वाला।

दहशत ज़दा—(फ) भीत, त्रस्त, डरा हुआ।

दहशत नाक—(फ) डरावना, भयानक, भीषण।

दहा—(अ) समझदारी, बुद्धिमत्ता।

दहा—(फ) मुहर्रम का महीना, मुहर्रम मास के प्रारम्भ के दश दिन। ताजिया।

दहाक़ीन—(अ) दहकान का बहु वचन।

दहान—(प) मुँह, घाव, छिद्र, सूराख।

दहान बन्द—(फ) ज़बान बन्दी का ताबीज।

दहाना—(प) नदी का मुहाना, वह स्थान जहाँ एक नदी दूसरी नदी में या समुद्र में मिलती है। चौड़ा मुँह। नदी का उद्गम स्थान।

दहुम—(अ) दशम, दसवाँ।

दहे—(प) मुहर्रम मास के अन्तिम दश दिन जिनमें ताज़िये रख कर मुसलमान लोग मातम मनाते है।

दहेज—(प) देखो "जहेज़"

दाँ—(प) जानने वाला, ज्ञाता।

दाँग—(फ) एक तोल जो छह रत्ती के बराबर होती है। किसी वस्तु का छठा भाग, पशुओं का झुण्ड, दिशा, ओर, तरफ़।

दाइम—(अ) सदा, सर्वदा, हमेशा।

दाइम उल मर्ज़—(अ) हमेशा का रोगी, सदा बीमार रहने वाला।

दाइम उल हब्स—(अ) जन्म कैद, आजन्म कारावास का दण्ड।

दाइमा—(अ) सदा रहने वाला, स्थायी।

दाइमी—(अ) देखो "दाइमा"।

दाइया—(अ) अभियोग, दावा, दावा करने वाली स्त्री।

दाई—(अ) प्रार्थना करने वाला, दुआ माँगने वाला, इरादा करने वाला।

दाख़िल—(अ) प्रविष्ट, घुसा हुआ, प्रवेश पाया हुआ, अन्त, भीतर का।

दाख़िल ख़ारिज—(मि०) किसी सरकारी काग़ज में किसी ज़मीन या जायदाद के पुराने अधिकारी का नाम काट कर नए हकदार का नाम लिखा जाना।

दाख़िल दफ्तर—(मि०) किसी कागज़ को विचार न करने योग्य मान कर दफ्तर (कागजों के ढेर) में रख देना।

दाख़िला—(अ) प्रवेश, पैठ, भीतर जाना, आन्तरिक।

दाख़िली—(अ) आन्तरिक, भीतरी।

दाग़—(प) धब्बा, निशान, चिह्न, ऐब, दोष, कलंक, लाञ्छन, चले हुए का निशान, धातु की

दस्तूर—(फ) रिवाज, रीति, प्रथा, नियम, कायदा, विधि, चलन, पारसियों का पुरोहित, शक्ति शाली, प्रभुता पूर्ण, मन्त्री, धनी।
दस्तूर उल अमल—(फ) व्यवहार में आने के नियम, कायदा, शासन-प्रणाली।
दस्तूरी—(अ) वह धन जो नौकर या कारीगर मालिक का समान खरीदने में दुकान दार से पाते हैं। विदा, आज्ञा, मन्त्रित्व।
दस्ते क़ुदरत—(फ) प्राकृतिक शक्ति, प्रकृतिका हाथ, शक्ति, सामर्थ्य।
दस्तखुश—(फ) विनोद प्रिय, हँसोड़।
दस्ते शिफ़ा—(फ) वह चिकित्सक जिसके इलाज से बीमार को शीघ्र आराम हो जाय। वह वैद्यक जिसके हाथ में यश हो।
दस्तोदिल—(फ) साहस, हिम्मत शक्ति।
दस्तोपा—(फ) प्रयत्न, खोज।
दह—(फ) दस अर्थात् नौ और एक।
दहक़ान—(मि०) गँवार, किसान, ग्रामीण, देहाती, रईस।
दहक़ानियत—(अ) गँवारपन, ग्रामीणता।
दहक़ानी—(मि) गँवार, ग्रामीण, गँवारों का सा, गँवारू।
दहन—(फ) मुँह, मुख।
दहन तेग़—(फ) तलवार का धार।
दहना—(फ) नदी का निकास, देश की सीमा, पाषाण विशेष।
दह मर्दा—(फ) झूठा, गप्पी, बकवादी, छोटी गाड़ी।
दहर—(अ) रात दिन, समय, युग, जमाना।
दहरा—(फ) तलवार की तरह का एक शस्त्र।
दहरिया—(अ) वह व्यक्ति जो संसार को ही सब कुछ समझे, ईश्वर को न माने, नास्तिक, प्रकृतिवादी।
दहरी—(अ) पुराना, वृद्ध, जो संसार को अनादि अनन्त माने।
दहरोज—(फ) अचिर काल, अल्प समय।
दहलीज—(फ) पौरी, दुवारी, दरवाजे की चौखट की नीचे वाली लकड़ी।
दहशत—(फ) भय, डर।
दहशत अंगेज़—(फ) भयानक, डरावना, भय पैदा करने वाला।
दहशत ज़दा—(फ) भीत, त्रस्त, डरा हुआ।
दहशत नाक—(फ) डरावना, भयानक, भीषण।

दहा—(अ) समझदारी, बुद्धिमत्ता।
दहा—(फ) मुहर्रम का महीना, मुहर्रम मास के प्रारम्भ के दश दिन। ताजिया।
दहाक़ीन—(अ) दहक़ान का बहु वचन।
दहान—(फ) मुँह, घाव, छिद्र, सूराख।
दहान बन्द—(फ) ज़बान बन्दी का तावीज।
दहाना—(फ) नदी का मुहाना, वह स्थान जहाँ एक नदी दूसरी नदी में या समुद्र में मिलती है। चौड़ा मुँह। नदी का उद्‌गम स्थान।
दहम—(अ) दशम, दसवाँ।
दहे—(फ) मुहर्रम मास के अन्तिम दश दिन जिनमें ताजिये रख कर मुसलमान लोग मातम मनाते हैं।
दहेज़—(फ) देखो "जहेज़"
दाँ—(फ) जानने वाला, ज्ञाता।
दाँग—(फ) एक तोल जो छह रत्ती के बराबर होती है। किसी वस्तु का छठा भाग, पशुओं का झुण्ड, दिशा, ओर, तरफ़।
दाइम—(अ) सदा, सर्वदा, हमेशा।
दाइम उल मर्ज़—(अ) हमेशा का रोगी, सदा बीमार रहने वाला।
दाइम उल हब्स—(अ) जन्म कैद, आजन्म कारावास का दण्ड।
दाइमा—(अ) सदा रहने वाला, स्थायी।
दाइमी—(अ) देखो "दाइमा"।
दाइया—(अ) अभियोग, दावा, दावा करने वाली स्त्री।
दाई—(अ) प्रार्थना करने वाला, दुआ माँगने वाला, इरादा करने वाला।
दाख़िल—(अ) प्रविष्ट, घुसा हुआ, प्रवेश पाया हुआ, अन्त, भीतर का।
दाख़िल ख़ारिज—(मि०) किसी सरकारी काग़ज में किसी ज़मीन या जायदाद के पुराने अधिकारी का नाम काट कर नए हक़दार का नाम लिखा जाना।
दाख़िल दफ्तर—(मि०) किसी काग़ज़ को विचार न करने योग्य मान कर दफ्तर (काग़ज़ों के ढेर) में रख देना।
दाख़िला—(अ) प्रवेश, पैठ, भीतर जाना, आन्तरिक।
दाख़िली—(अ) आन्तरिक, भीतरी।
दाग़—(फ) धब्बा, निशान, चिह्न, ऐब, दोष, कलंक, लाञ्छन, जले हुए का निशान, धातु की

कई चीज खूब गरम करके उससे शरीर पर बनाया हुआ चिह्न ।

दागदार—(फ) धब्बेदार, जिस पर दाग हों ।

दागना—(फ) किसी धातु की चीज को आग में लाल करके उससे पशु या मनुष्य की देह पर निशान बनाना । रंग आदि से चिह्न बनाना । अंकित करना ।

दागबेल—(मि०) सड़क, नहर, मकान आदि बनाने के लिए निश्चित की गई भूमि पर फावड़े से खोद कर चिह्न बनाना ।

दागी—(फ) जिस पर दाग लग गया हो, जो सड़ने लगा हो, अपराधी दण्ड प्राप्त, दोषी, कलंकित, लांछित ।

दाज—(अ) अंधेरी रात, अंधेरा, अंधकार ।

दाद—(फ) न्याय, क्षमा, सराहना, शाबाश, भेंट, एक प्रकार का चर्म रोग, दद्रु, दिया हुआ, प्रदत्त ।

दाद ख्वाह—(फ) न्याय चाहने वाला, फरियादी ।

दाद गर—(फ) न्यायाधीश, मुन्सिफ इन्साफ करने वाला ।

दाद दहिश—(फ) दान, खैरात ।

दादनी—(फ) किसानों से अनाज खरीदने के लिए उनको पेशगी दिया हुआ धन । ऋण, कर्ज ।

दादनीदार—(फ) वह जिसने अनाज बेचने के लिए खरीदार से पेशगी धन लिया हो ।

दाद फरियाद—(फ) न्याय के लिए प्रार्थना करना ।

दाद रस—(फ) अन्याय का प्रतीकार करने वाला ।

दाद रसी—(फ) अन्याय का प्रतीकार करना ।

दाद व सितद—(फ) लेन देना, क्रय विक्रय, व्यवहार ।

दान—(फ) जानने वाला, आधार, रखने की जगह (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे कद्रदान, शमा दान आदि ।

दाना—(फ) बुद्धिमान, समझदार, ज्ञाता, जानने वाला । अन्न का कण, असबाब, सामान ।

दानाई—(फ) समझदारी, बुद्धिमत्ता, अक्लमन्दी ।

दानानी—(फ) बुद्धि, अक्ल, समझ ।

दानिश—(फ) बुद्धि, समझ, अक्ल ।

दानिश मन्द—(फ) बुद्धिमान, समझदार, अक्लमन्द ।

दानिश मन्दी—(फ) बुद्धिमत्ता

समझदारी, अक्लमन्दी।

दानिस्त—(फ) ज्ञान, जानकारी,

दानिस्तन—(फ) जानबूझकर, जानते हुए। जानना, समझना।

दानिस्ता—(फ) जानबूझकर, जानते हुए।

दानी—(फ) रखने की चीज आधार, (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे—सुरमादानी।

दाफ़अ—(फ) निवारक, नाशक, निवारण करने वाला, दूर करने वाला।

दाब—(अ) स्वभाव, टेव, आदत।

दाब—(फ) प्रभाव असर, रग ढग, दबदबा, शान-शौकत।

दाम—(अ) सदा, हमेशा।

दाम—(फ) जाल, फन्दा, रस्सी, एक पुराना सिक्का, तोल का एक बाटी जो १२ १८ या २१ माशे के बराबर होता है जंगली पशु।

दामन—(फ) आँचल, पल्ला, अँगरखे कुर्ते आदि का आगे लटकने वाला भाग, पहाड़ों के समीप की भूमि।

दामन गीर—(फ) दामन पकड़ने वाला, न्याय चाहने वाला, न्याय के लिए दावा करने वाला, विरोध या आपत्ति करने वाला। दावा दार।

दामन गीर होना = किसी से न्याय चाहने के लिए उसका पल्ला पकड़ के खड़ा हो जाना।

दामनी—(फ) वह चादर जिसके बीच म जोड़ न हो, एक अर्ज की चादर।

दामने कोह—(फ) पहाड़ की तलहटी, उपत्यका।

दामने शब—(फ) पिछली रात, रात्रि का बारह बजे के बाद का भाग।

दामाए—(अ) दरिया, समुद्र।

दामाद—(फ) जामाता, जमाई, पुत्री का पति।

दाय—(अ) बीमारी, रोग।

दायन—(अ) देखो "दाइन" ऋण देने वाला।

दायम—(अ) देखो "दाइम" (दायम के यौगिकों के लिए देखो दाइम के यौगिक)।

दायमी—(अ) देखो "दाइमी।"

दायर—(अ) चालू, जारी, फिरता या चलता हुआ, दायर करना चालू होने के लिए उपस्थित करना।

दायरा—(अ) घेरा, मण्डल, कुण्डल, मण्डल, कक्षा, वृत्त,

गोष्ठी, दल, मण्डली, गुट, सेना, एक बाजे का नाम।
दाया—(फ) धाय, दाई, वह स्त्री जो वेतन लेकर दूसरों के बच्चों को पाले और अपना दूध पिलावे।
दार—(अ) रखने वाला (यौगिकों के अन्त में), घर, मकान, मुहल्ला, शाला, स्थान।
दार—(फ) सूली, फाँसी, एक वृक्ष का नाम।
दारचीनी—(फ) एक वृक्ष की छाल जो सुगन्धित होती है तथा दवा और मसाले में काम आती है।
दारफिल फिल—(अ) पीपल नामक ओषधि।
दारबस्त—(फ) दीवार चुनने के लिए मिस्त्रियों के बैठने के वास्ते बाँस बल्लियों का बनाया हुआ मचान, पाड़।
दारबाज—(फ) नट, बाजीगर।
दारमदार—(फ) निर्भर, आधार, आश्रय, ठहराव, अवलम्ब।
दारा—(अ) ईश्वर, बादशाह विशेष का नाम।
दाराब—(फ) एक प्रकार का रेशमी वस्त्र, बादशाह बहमन का बेटा।
दारुल अदालत—(अ) न्यायालय, कचहरी।
दारुल अमन—(मि) शान्ति पूर्ण रहने का स्थान, सुख से रहने का स्थान, सुख से रहने की जगह।
दारुल अमान—(अ) शान्ति निकेतन, सुख शान्ति पूर्ण स्थान मुसलमानों के सिद्धान्त से वह देश जिसमें जहाद करना जायज़ न हो।
दारुल अमारत—(अ) राजधानी, राजा के रहने का नगर।
दारुल अयार—(अ) वह स्थान जहाँ चाँदी-सोने की परख की जाती हो।
दारुल आखिर—(अ) अन्तिम स्थान, परलोक।
दारुल आखिरत—(अ) प्रलय क़यामत।
दारुल कज़ा—(अ) कचहरी, न्यायालय, अदालत।
दारुल कमामा—(अ) वेश्याओं के रहने का स्थान, चकला, कूड़ा घर, गन्दगी इकट्ठा करने का स्थान, घूरा।
दारुल क़रार—(अ) मुसलमानों का स्वर्ग, सात बहिश्तों में से एक जहाँ आदमी निश्चिन्तता

पूर्वक सोता है।

दारुल खिलाफत—(अ) राजधानी, वह स्थान जहाँ खलीफा रहता हो।

दारुल ज़रब—(अ) टकसाल, सिक्के बनाने का स्थान।

दारुल फना—(अ) मर्त्यलोक, संसार, दुनिया।

दारुल बका—(अ) वह लोक जहाँ से जीव फिर लौटता नहीं, मोक्ष-धाम।

दारुल मकाफात—(अ) वह लोक जहाँ पर जीव अपने शुभाशुभ कर्मों का फल भोगता है मनुष्य लोक, दुनिया, संसार।

दारुल मुल्क—(अ) राजधानी।

दारुल शफा—(अ) स्वास्थ्य निकेतन, अस्पताल, चिकित्सालय, रोग दूर करने का स्थान।

दारुल सलाम—(अ) स्वर्ग, बहिश्त, सुखपूर्वक रहने का स्थान।

दारुल सल्तनत—(अ) राजधानी।

दारुल हिफ़ा—(अ) काबा, मुसलमानों का प्रसिद्ध तीर्थ।

दारुल हरब—(अ) वह स्थान जहाँ नास्तिक रहते हों, काफ़िरों का देश, युद्धक्षेत्र।

दारुल हुकूमत—वह स्थान जहा पर हाकिम रहता हो, राजधानी।

दारू—(फ) शराब, दवा, औषधि, बारूद।

दारोगा—(फ) प्रबन्धकर्ता, देखभाल करने वाला।

दालान—(फ) मकान का वह हिस्सा जिसमें कम से कम एक ओर बिना चौखट के किवाड़ों के खुले दरवाजे हों, बरामदा।

दाव—(फ) दीवार, भीत, भित्ति छल-कपट।

दावत—(अ) देखो 'दअवत'

दावर—(अ) न्यायाधीश, न्यायकर्ता

दावर—(अ) हज़रत सुलेमान के पिता का नाम।

दावरी—(फ) दावर का पद या कार्य, न्यायशीलता।

दावा—(अ) प्रतिज्ञा, किसी वस्तु पर अपना अधिकार प्रकट करना, किसी बात का दृढ़ता के साथ कहना, ज़ोर, अधिकार, स्वत्व, नालिश, लेन देन सम्बन्धी झगड़ा निपटाने के लिए न्यायालय में अभियोग उपस्थित करना।

दावागीर—(मि०) वह जो किसी बात के लिए दावा करे, जो किसी वस्तु पर अपना अधिकार या स्वत्व प्रकट करे।

इच्छानुसार।

दिल गरम—(फ) प्रेम पूर्ण।

दिल गरमी—(फ) सहायता, प्रेम।

दिल गीर—(फ) उदास, दुखी।

दिल चला—(फ) बहादुर, साहसी, हिम्मत वाला।

दिल चस्प—फ) मनोहर, चित्ता-कर्षक, जिसमें मन लगे।

दिलचस्पी—(फ) मन लगाना, मन का झुकाव।

दिल चुदा—(फ) दुखी, खिन्न।

दिल जमअ—(फ) भरोसा, इत्मीनान, खातिर जमा।

दिल जमई (फ) तसल्ली, विश्वास, भरोसा।

दिल जला—(मि०) वह व्यक्ति जिस के मन को बहुत क्लेश पहुँचा हो।

दिल जोई—(फ) प्रसन्न रखना, सन्तुष्ट करना किसी का मन रखना।

दिल दार—(फ) प्यारा, प्रमपात्र माशूक।

दिल दादगान—(फ) दिल देने वाले, हृदय आकर्षण करने वाले।

दिल दादा—(फ) दिल देने वाला, प्रेमी, आशिक।

दिलदार—फ) प्रेमी, रसिक सहृदय, उदार, दानी।

दिल दिही—(फ) सान्त्वना देना तसल्ली देना, ढाढस बाँधना।

दिल दोज—(फ) मन में घर कर लेने वाला, हृदय ग्राही, दिल में घुस जाने वाला।

दिल नशीन—फ) मन बैठ जाने वाला, मन का ठीक लगने वाला।

दिल पजीर—(फ) मनोहर, सुन्दर, हृदयाकर्षक।

दिल पसन्द—(फ) जो मन को अच्छा लगे,

दिल फकीर—(फ) देखो "पजीर"

दिल फरेब—(फ) मनोहर, मोहक, सुन्दर।

दिल फिगार—(फ) प्रेमी, जिसका मन किसी पर मुग्ध होगया हो।

दिल बन्द—(फ) पुत्र, बेटा।

दिलबर—(फ) प्रिय, प्यारा, प्रेम पात्र, मन आकृष्ट कर लेने वाला।

दिलबरी—(फ) प्रेम रखना, माशूकपन।

दिल बस्तगी—(फ) मन बहलाव, मनोरञ्जन, मन का किसी ओर लगाना।

दिल बस्ता—(फ) जिसका मन किसी में लगा हो, प्रेमी।

दिल बाज़—(फ) निर्भय, साहसी, चालाक।

दिल बाज़ी—(फ) अपने आप को निर्भयता पूर्वक संकट में डालना।

दिल रुबा—(फ़) हृदय को आकृष्ट करने वाला, प्यारा, प्रेमपात्र।

दिल रुबाई—(फ) प्रेम, प्यार, आकर्षण, मोहकता।

दिल शब—(फ) अर्धरात्रि, आधी रात।

दिलशाद—(फ) प्रफुल्ल चित्त, प्रसन्न, आनंदित।

दिल शिकनी—फ) किसी का निराश या दुखी करना, किसी का दिल तोड़ना।

दिल शिकस्ता—(फ) जो निराश हो गया हो, जिसका दिल टूट गया हो, हताश, खिन्न, दुखी।

दिल सोज़—(फ) हृदय द्रावक, करुण, मन में करुणा उत्पन्न करने वाला, दयालु, कृपालु, सहानुभूति रखने वाला।

दिला—(फ) दिल के संबोधन का रूप, हे मन।

दिलारा—(फ) हृदय को आनन्दित करने वाला, प्रेमपात्र, माशूक।

दिलाराम—(फ) दिल को आराम देने वाला, प्यारा, प्रेमपात्र, माशूक।

दिलावर—(फ) साहसी, उत्साही, वीर, बहादुर।

दिलावरी—(फ) साहस, उत्साह, वीरता, बहादुरी

दिला वेज़—फ) हृदय को अच्छा लगने वाला, मन-भावन।

दिलासा—(फ) तसल्ली, सान्त्वना, ढाढस।

दिली—(फ) दिल सम्बन्धी, हृदय का, अति घनिष्ठ।

दिलेर—(फ) मनचला, साहसी, बहादुर।

दिलेराना—(फ) साहसिक, वीरोचित, बहादुरों का-सा।

दिलेरी—(फ) साहस, वीरता, बहादुरी।

दिल्लगी—(मि) मन लगाने का काम, विनोद, ठट्ठा, मखौल, हँसी, मजाक, मनोविनोद या हँसने हँसाने की बात।

दिल्लगी उड़ाना=उपहास करना।

दिल्लगी बाज़(मि०) हँसोड़, मसखरा, दिल्लगी करने वाला।

दिल्लगी बाज़ी—(मि) दिल्लगी।

दिहिश—(फ) दान, ख़ैरात।
दीगर—(फ) देखो "दिगर"
दीद—(फ) देखना, दर्शन, देना।
दृबान—(फ) जासूस, गुप्तचर, निरीक्षक, बन्दूक की नाल पर बना हुआ वह छेद जिसमें देख कर लक्ष्यपर निशाना साधते हैं।
दीदा—(फ) आँख, नेत्र, दृष्टि, निगाह, नज़र, साहस, अनुचित।
दीदा लगना या लचना=किसी काम में मन लगाना।
दीदे निकालना=क्रोध पूर्ण दृष्टि से देखना।
दीदे फाड़ना=चौकन्ने होकर देखना, संदेह की दृष्टि से देखना।
दीदे मटकाना=निर्लज्जता पूर्वक आँखें चलाना।
दीदार—(फ) देखा देखी, साक्षात्कार, दर्शन, मुँह, चेहरा।
दीदार बाज़—(फ) सौन्दर्य-दर्शक, आँखें लड़ाने वाला।
दीदार बाज़ी—(फ) आँखें लड़ाना, ताक झाँक करना, परस्पर देखना।
दीदारु—(फ) दर्शनीय, देखने योग्य, सुन्दर, रूपवान।
दीदा रेज़ी—(फ) वह बारीक काम जिसके करने में आँखों पर बहुत ज़ोर पड़े।

दीदा व दानिस्ता—(फ) जानबूझ कर, देख और समझकर।
दीन—(अ) सम्प्रदाय, मत, मज़हब, धर्म।
दीन दार—(मि०) अपने मज़हब या धर्मपर विश्वास रखने वाला, धर्मनिष्ठ।
दीन दारी—(मि०) धार्मिकता, धर्म निष्ठा, धार्मिक विश्वास, मज़हब की आज्ञाओं का पालन।
दीन दुनिया—(अ) लोक परलोक।
दीनार—(अ) एक सिक्का।
दीनारसुर्ख़—(फ) सोने का सिक्का, स्वर्ण मुद्रा, मोहर।
दीनी—(अ) मज़हब या धर्म सम्बन्धी, धार्मिक, धर्मनिष्ठ।
दीबाचा—(फ) भूमिका, प्राक्कथन, प्रस्तावना, पूर्वपीठिका।
दीबाजा—(मि०) देखो "दीबाचा"
दीयत—(अ) वह धन जो हत्या करने वाले से निहत के घर वालों को दिलाया जाय।
दीवान—(अ) राज सभा, कचहरी, न्यायालय, राजा के बैठने का स्थान, राज्य का प्रबन्ध करने वाला, मन्त्री, वज़ीर, ग़ज़लों का संग्रह।
दीवान आम—(अ) वह राज दर

बार जिसमें सब साधारण सम्मिलित होसकें, सर्वविदित दरबार, वह स्थान जहाँ सर्वविदित दरबार लगता हो।

दीवान ख़ाना—(मि०) मकान का वह भाग जहाँ पुरुष बैठते हैं, बैठक।

दीवान खास—(अ) वह राजदरबार जिसमें मन्त्री आदि विशेष व्यक्ति ही सम्मिलित होसकें। वह स्थान जहाँ ऐसा दरबार लगता हो।

दीवानगी—(फ) पागलपन, विक्षिप्तता, उन्माद।

दीवाना—(फ) पागल, विक्षिप्त, उन्मत्त, सिड़ी।

दीवानी—(फ) वह न्यायालय जहाँ लेन देन सम्बन्धी झगड़े निबटाए जाते हैं। दीवान का पद, पागल स्त्री।

दीवार—(फ) भीत, भित्ति, मिट्टी या ईंट-पत्थरों से बनाया हुआ ऊँचा परदा।

दीवार क़हक़हा—(अ) एक कल्पित दीवार जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि इसे सिकन्दर ने बनवाया था और जो आदमी इस पर चढ़ता है, उसे इतने ज़ोर की हँसी आती है कि वह हँसते हँसते मर जाता है। चीन देश की विश्व विख्यात दीवार।

दीवार गीर—(फ) दीवार में बनाया हुआ दीपक रखने का स्थान, दीवट।

दीवार गीरी—(फ) दीवार के आगे शोभा के लिए लटकाया जाने वाला परदा, एक प्रकार का दीपक जो दीवार में लगाया जाता है, दीवार पर लगाया हुआ पलस्तर।

दु—(फ) दो (यौगिक शब्दों के आदि में) जैसे—दुचन्द आदि।

दुआ—(अ) माँगना, प्रार्थना, विनती, आशीर्वाद।

दुआ करना—प्रार्थना करना।

दुआ माँगना—आशीर्वाद मागना।

दुआ देना—आशीर्वाद देना।

दुआ लगना—आशीर्वाद फलना

दुआइया—(अ) प्रार्थना या आशीर्वाद सम्बन्धी।

दुआए ख़ैर—(अ) शुभ कामना, मंगल-कामना, किसी की भलाई के लिए ईश्वर से की गई प्रार्थना।

दुआए दौलत—(अ) धन धान्य की वृद्धि के लिए ईश्वर से की गई

प्रार्थना।

दुआगो—(फ़ा) शुभ कामना करने वाला, शुभ चिन्तक, किसी की भलाई के लिए परमात्मा से प्रार्थना करने वाला।

दुआल—(फ़ा) चमड़ा या चमड़े की पट्टी, चमड़े की वह पट्टी जो घोड़ों की रकाब में लगी रहती है।

दुआली—(फ़ा) चमड़े की वह पट्टी जो शानगर के पहिये या खराद और बढ़ई की खराद खींचने में काम आती है।

दुई—(फ़ा) दो का भाव, अलगाव, भिन्नता, अपने को ईश्वर से अलग समझना, द्वैत भाव।

दुकान—(फ़ा) आपण, हाट, वह स्थान जहाँ बेचने के लिये चीज़ें रखी हों और लोग आकर वहाँ से ख़रीदते हों।

दुकानचा—(फ़ा) छोटी दुकान।

दुकान बढ़ाना—दुकान बन्द करना।

दुकान लगाना—चीज़ों को बिक्री के लिए यथास्थान सजाकर रखना, बहुत सी चीजें इधर-उधर फैला कर रख लेना।

दुकानदार—(फ़ा) दुकान पर बैठ कर सौदा बेचने वाला, प्रत्येक काम में अपने फ़ायदे की बात करने वाला, अपनी आमदनी के लिए कोई ढोंग बनाकर बैठने वाला।

दुकानदारी—(फ़ा) दुकानदार का काम।

दुख़ान—(अ) धूम, धुआँ।

दुख़ानी—(अ) दुख़ान सम्बन्धी, धुएँ (आग) से चलने वाली।

दुख़्तर—(फ़ा) लड़की, बेटी।

दुख़्तरे आफ़ताब—(फ़ा) मदिरा, शराब।

दुख़्तरे ख़ाना—(फ़ा) कन्या, कुमारी अविवाहिता लड़की।

दुख़्तरे रज—(फ़ा) अँगूरी शराब।

दुगाना—(फ़ा) एक साथ मिली हुई दो वस्तुएँ।

दुचन्द—(फ़ा) द्विगुण, दूना, दुगुना।

दुजहाँ—(फ़ा) लोक और पर लोक।

दुज़्द—(फ़ा) चोर।

दुज़्दी—(फ़ा) चोरी।

दुज़्दीदा—(फ़ा) चोरी सम्बन्धी, चोरी का।

दुज़्दीदा निगाह—(फ़ा) छुपी छिपी दृष्टि, औरों की निगाह बचाकर देखना।

दुतार—(फ़ा) एक प्रकार का दाश।

दुनियवी—(अ) सांसारिक, लौकिक,

दुनिया से सम्बन्ध रखने वाला।

दुनिया—(अ) ससार, जगत्, लोक, ससार के आदमी, जनता, ससारी-माया।

दुनियाई—(अ) देखो "दुनियवी"

दुनियादार—(मि०) दुनिया के मायाजाल में फँसा हुआ गृहस्थ, चतुर, व्यवहार कुशल, चतुराइ से अपना काम सिद्ध करने वाला।

दुनियादारी—(मि) दुनिया का माया जाल, ससारी झगड़े, गृहस्थी का जजाल, अपना प्रयोजन सिद्ध करने की बातें, व्यवहार-कुशलता, बनावटी बातें।

दुनिया-परस्त—(फ) कृपण, कजूस, धनलोलुप, प्रकृति पुजारी।

दुनिया साज—(मि०) स्वार्थी, व्यवहार-कुशल, चापलूस, ढग से अपना कार्य साधन करने वाला।

दुनीम—(फ) किसी वस्तु के दो समान भाग।

दुप्याजा—(फ) वह गोश्त जो प्याज डाल कर पकाया गया हो।

दुबारा—(फ) दूसरी बार।

दुबाला—(फ) दुगुना, दूना।

दुम—(फ) पूँछ, पुच्छ, साथ लगा रहने वाला या पीछे पीछे फिरने वाला आदमी, किसी काम का अन्तिम थोड़ा सा भाग, पूँछ की तरह पीछे बँधी रहने वाली कोइ चीज।

दुम दबाकर भागना—डर कर या हिम्मत हार कर चुपके से खिसक जाना।

दुम हिलाना—चापलूसी करना।

दुमची—(फ) घोड़े के गाद या साज में वह पट्टी या डोरी जो पूछ में लगाई जाती है।

दुमदार—(फ) पूँछदार, जिसमें पूँछ के पूछ के समान कोई वस्तु लगी हो।

दुम्बल—(फ) बड़ा फोड़ा।

दुम्बा—(फ) वह मेंढा जिसकी पूँछ बहुत मोटी होती है, साधारण मेंढा, धूर्तता, छल, एक प्रकार का भोजन।

दुम्बाला—(फ) पूँछ, दुम, पिछला भाग, नाव का पतवार सुरमे की वह लकीर जो सुन्दरता के लिए आँख की कोर म से कानों की ओर कुछ दूर तक बढा दी जाती है।

दुर—(अ) मुक्ता, मोती।

दुरअफशानी—(फ) मोती बखेरना

सुन्दर और शिक्षा पूर्ण बातें कहना।

दुरदगर—(फ) बढ़ई।

दुरफ़िश काबियानी—(फ) रेशमी कपड़े की पताका जिस पर जरी का काम हो रहा हो।

दुरुश्त—(फ) खुरदरा, कड़ा, कठोर

दुरुस्त—(फ) ठीक, उचित, निर्दोष, जो ठीक दशा में हो, जिसमें टूट फूट या कोई अन्य दोष न हो।

दुरुस्ती—(फ) मरम्मत, सुधार, दोष दूर करना।

दुरूद—(फ) मुहम्मद साहब की स्तुति, शुभ कामना, दुआ।

दुरेशाहवार—(फ) बहुत बड़ा और उत्तम जाति का मोती।

दुर्र—(अ) बड़ा मोती, (फ) मोती, कान या नाक में पहनने का आभूषण जिसमें मोती लगा हो।

दुर्रा—(फ) देखो "दिरा"

दुर्रानी—(फ) पठानों का एक फिरका जिसके लोग कानों में मोती पहनते हैं।

दुर्रे यक़ीन—(फ) बड़ा और चमकदार मोती जो एक सीप में अकेला होता है।

दुलदुल—(अ) एक सफ़ेद और काले रंग की खच्चरी जो मिस्र के हाकिमों ने मुहम्मद साहब को भेंट की थी, लोग इसको घोड़ा समझते हैं और मुहर्रमों में उसकी नकल का घोड़ा बनाकर निकालते हैं।

दुश—(फ) बुरा।

दुशख्वार—(फ) कठिन, मुश्किल

दुशनाम—(फ) अपशब्द, गाली, दुर्वचन कुवाक्य।

दुशमन—(फ) शत्रु-वैरी, प्रेम क्षेत्र का प्रतिद्वंद्वी।

दुशम्बा—(फ) सोमवार।

दुशवार—(फ) कठिन, दुःसाध्य, दुस्तर, मुश्किल, कष्ट सम्भव।

दुशवारी—(फ) कठिनता, दुस्तरता, दिक्कत, मुश्किल।

दुशाला—(फ) बढ़िया ऊनी चादर (शाल) का जोड़ा।

दुश्त—(फ) बुरा

दुश्नाम—(फ) देखो "दुशनाम"

दुश्मन—(फ) देखो "दुशमन"

दुश्मनी—(फ) वैर, शत्रुता।

दुहम—(फ) किसी चीज का दसवाँ भाग।

दुहरफ़—(फ) 'कुन' शब्द से प्रयोजन है, कुन अरबी का कलमा है, खुदा ने 'कुन' कहा और सारा

संसार बन गया।

दूकान—(फ) देखो 'दुकान"।

दूद—(फ) धुँआ, धूम्र, शोक, दुख।

दूद मान—(फ) परिवार, वंश, खान्दान।

दूदे दिल—(फ) दीर्घ निश्वास गहरी सास, दिल का धुआँ।

दूथ—(फ) परिवार, वंश, दीपक का काजल।

दूध अहग—(फ) छत में धुआँ निकलने के लिए बनाया गया छेद, धाधुआ।

दूधकश—(फ) धुआँ निकलने की चिमनी।

दून—(अ) अधम, तुच्छ, नीच, घृणित, सिवा, अतिरिक्त, अन्य पराया, थोड़ा, समीप, नीचे।

दूर—(फ) पृथक, अलग, देश अधिक अन्तर पर, देश काल या अन्य की दृष्टि बहुत अलग। निकट का उलटा।

दूर कर देना—पृथक कर देना, अलग कर देना, हटा देना, मिटा देना।

दूर की बात—कठिन या असम्भव बात, जिसके होने की आशा न हो।

दूर भागना—बचे रहना, अलग रहना, पास न जाना।

दूर होना—अलग होना, मिट जाना, नष्ट हो जाना।

दूर अन्देश—(फ) दूर दर्शी, अग्रसोची, बहुत आगे तक की बात सोचने वाला।

दूर दराज—(फ) बहुतदूर, अत्यन्त फासले पर।

दूर दस्त—(फ) दुर्गम स्थान, बहुत दूर जहाँ पहुँचा न जा सके।

दूर पार—(फ) अलग करो, हटाओ। ईश्वर करे यह मुझ से बहुत दूर रहे।

दूरबीन—(फ) दूर दर्शक यन्त्र, दुर्बीन।

दूरी—(फ) दो स्थानों के बीच का अन्तर, फासला, पृथकता, अलगाव।

दूहा—(अ) वृक्ष, पेड़।

देग—(फ) कोई चीज पकाने का बड़े मुँह और बड़े पेट का बर्तन।

देगचा—(फ) छोटा देग, पतीली, बटलोई।

देगदान—(फ) चूल्हा।

देर—(फ) विलम्ब, जितना चाहिये

उससे अधिक समय । समय, काल ।

देरपा—(फ) अधिक समय तक ठहरने वाला, चिरस्थायी, दृढ़, मज़बूत ।

देरी—(फ) देर, विलम्ब ।

देरीना—(फ) प्राचीन, पुराना, वृद्ध ।

देरीना दोज़—(फ) पुराने कपड़ा को सीने वाला ।

देव—(फ) भूत, जिन्न दैत्य, राक्षस, हृष्टपुष्ट और बलवान आदमी ।

देवज़द—(फ) जिस पर भूत या जिन्न का प्रभाव हो,

देवज़ाद—(फ) देवजात, देव से उत्पन्न हुआ, हृष्ट पुष्ट और बलवान आदमी, मोटाताज़ा और तेज़ चलने वाला घोड़ा ।

देवदार—(फ) एक प्रकार की सुगन्धित लकड़ी जो पहाड़ों पर पैदा होती है, देवदार ।

देव मर्दु म—(फ) बनमानुस ।

देव मार—(फ) बहुत बड़ा और मोटा साँप, अजगर ।

देव गुरीद—(फ) दुष्ट, धूत, भूत प्रेतादि की पूजा करने वाला, ओझा ।

देवलाख़—(फ) भूतों या राक्षसों के रहने की जगह ।

देवसार—(फ) राक्षस या पिशाच के समान ।

देह—(फ) गाँव, ग्राम, मौज़ा, देने वाला (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे—तकलीफ़देह—कष्ट देने वाला ।

देह बन्दी—(फ) गाँवों की सीमा निश्चित करना, गाँवों के हलक़ा या मण्डल बनाना ।

देहज़दा—(फ) उजड़ा हुआ गाँव नष्ट भ्रष्ट ग्राम । खेड़ा ।

देहात—(फ) देह का बहुवचन ।

देहाती—(फ) गाँव का, गाँव में रहने वाला, बिना पढ़ा लिखा-गँवार ।

दैन—(अ) ऋण, कर्ज़, देना ।

दैनदार—(मि) कर्ज़दार, ऋणी-जिसे किसी का देना हो ।

दैजूर—(अ) अँधेरी रात, घोर अन्धकार ।

दैयार—(अ) निवासी, रहने वाला ।

दैर—(अ) देव-मन्दिर, वह स्थान जहाँ पूजा के लिए पत्थर मूर्ति रक्खी हो ।

दैर कुहन—(फ) संसार, दुनिया, जगत ।

दैर मीना—(फ) आकाश।
दैर मुसद्दस—(फ) संसार।
दोक—(फ) तकुआ, तकली, लोहे की वह नोकदार और पतली छड़ जिस पर सूत काता जाता है।
दो—(फ) एक और एक या एक कम तीन।
दो एक—बहुत थोड़े।
दो चार—थोडे से।
दोचार होना—मुलाकात होना, मिलना।
दो दिन का—बहुत थोड़े समय का।
दो अमला—(मि) जिसपर दो आदमियों का अधिकार हो।
दो अमली—(मि) दो आदमियों का शासन, द्वैध शासन, अव्यवस्था। अराजकता।
दो अस्पा—(फ) वह सिपाही जिसके पास दो घोड़े हों।
दो आतशा—(फ) दो बार भभके में खींचा हुआ।
दो आब—(फ) भूमि का वह भाग जो दो नदियों के बीच में हो।
दोआबा—(फ) दोआब।
दो आशियाना—(फ) वह तम्बू जिसमें बीच में पर्दा लगा कर दो कमरे बना दिए गए हों।
दोक दान—(फ) चखा।
दोकोन—(फ) लोक और परलोक।
दोग—(फ) मठा, तक्र, वह तरल पदार्थ जो जमाए हुए दूध को मथ कर उसमें से नौनी निकाल लेने के पश्चात् शेष रहता है।
दोगला—(फ) किसी स्त्री के उपपति या जार द्वारा उत्पन्न हुआ बेटा। वह प्राणी जिसके मां-बाप दो भिन्न जातियों के हों।
दो चन्द—(फ) दुगुना, दूना, द्विगुण।
दो चोबा—(फ) वह तम्बू जिसमें दो बल्लियाँ लगाई जाती हों।
दोज—(फ) सीने वाला, सिलाई का काम करने वाला, मिला हुआ।
दोजख—(फ) नरक, जहन्नुम, एक प्रकार की घास जिसकी चटाई बनाई जाती है।
दोजखी—(फ) नारकी, बहुत बड़ा पापी, दोज़खवासी, दोज़ख सम्बन्धी
दो जग्वा—(फ) देखो "दो आतशा"।
दोजानू—(फ) घुटनों को टिका कर या घुटनों के बल बैठना।
दोजी—(फ) सिलाई, सीने का काम।
दो तरफा—(फ) दोनों ओर का, दोनों ओर।
दोपाया—(फ) दो पैरों वाला।
दोपारा—(फ) दो भागों में विभक्त,

ने टुकड़े किया हुआ।
दोप्याजा—(फ) देखो "दुप्याजा"।
दो फसला—(फ) दोनों फसल काम आने वाला, दोना और काम देने योग्य, जो दोनों तरफ लग सके।
दो बाजू—(फ) गिद्ध की जाति का एक पक्षी, जिस कबूतर के दोनों पैर सफेद हो वह।
दोबारा—(फ) दूसरी बार।
दो बाला—(फ) दूना, दुचन्द।
दो मंजिला—(फ) वह मकान जिसके दो खण्ड हों, दुछत्ता।
दोम—(फ) द्वितीय, दूसरा, पहले के बाद का, तीसरे के पहला।
दोमग्ज—(फ) बादाम, जिसमें दो भाग निकलें वह।
दोमूँ—(फ) प्रौढ़, अधेड़, जिसके बाल कुछ काले कुछ सफ़ेद हों।
दोयम—(फ) देखो "दोम"।
दो रुखा—(फ) जिसके दोनों ओर एक-सा रंग और एक से बेल बूटे हों, जिसके दोनों ओर भिन्न भिन्न प्रकार के रंग या बेल बूटे हों।
दोल—(फ) डोल, कुएँ से पानी खींचने का बर्तन, धूर्त, निर्लज्ज।
दोलाब—(फ़) पानी खींचने की चर्खी, रहट, गिर्री।
दोश—(फ) स्कन्ध, कन्धा।
दोशमाल—(फ) कन्धे पर डालने का दुपट्टा।
दोशन्दा—(फ) दुहने वाला।
दोशा—(फ) दूध दुहने का पात्र, दोहनी, जिसका दूध दुहा जाय।
दोशाखा—(फ) जिसमें दो शाखाएँ हों।
दोशाला—(फ) देखो "दुशाला"।
दोशीजगी—(फ) क्वारापन, कुमारी होने का भाव।
दोशीजा—(फ) कुमारी, लड़की, कन्या।
दो सहन—(फ) भूमि और आकाश।
दोस्त—(फ) प्रिय, स्नेही, मित्र, प्यारा।
दोस्त कामी—(फ) शराब का वह प्याला जिसे मित्र एक दूसरे को यह कह कर देते हैं कि अमुक की स्मृति में इसे पीयो।
दोस्तदार—(फ) सहानुभूति रखने वाला, मित्रता रखने वाला।
दोस्तदारी—(फ) मित्रता, दोस्ती, सहानुभूति।
दोस्ती—(फ) मित्रता, प्रेम, प्यार,

मैत्री।

दौर—(फ) गति, गोलाइ, भ्रमण, चक्कर, फेरा, युग, समय, कालचक्र, दिनों का फेर, अभ्युदयकाल, बढ़ती का समय प्रभाव, प्रताप, दुश्मन बार, दफा, बारी, पारी।

दौर-दौरा—(फ) प्रधानता, आतंक, प्रभाव।

दौरा—(फ) गति, फिराव, घेरा, घूमना, चक्कर, भ्रमण, यहाँ वहाँ आना जाना, गश्त करना, अधिकारियों का जाँच पड़ताल के लिए घूमना, समय समय पर आना-जाना, किसी व्यक्ति पर ऐसे रोग का आक्रमण जो उसे जब-तब होता रहता हो।

दौरा सपुर्द करना—किसी अपराधी या मुकदमे को सेशन जज के हाथ में निर्णयार्थ सौंप देना।

दौरान—(अ) युग समय, गति, फेरो, दौरा, समय का फेर।

दौलत—(अ) धन, सम्पत्ति।

दौलत खाना—(मि) किसी के घर या स्थान के लिए आदरार्थ प्रयुक्त किया जाता है।

दौलत मन्द—(मि) धनी, सम्पत्ति शाली, सम्पन्न मालदार।

दौलती—(फ) देखो "दौलत मन्द"।

न

नंग—(फ) लज्जा, शर्म, कलंकित करने वाला, लजाने वाला, प्रतिष्ठा, आदर, सम्मान।

नंग व नामूस—(फ) लाज शर्म, हया शर्म, आदर सम्मान।

नंगे खान्दान—कुल कलंक, परिवार को लज्जित करने वाला।

न—(अ) नहीं, निषेधवाचक अव्यय

नअत—(अ) स्तुति, प्रशंसा, विशेष तया मुहम्मद साहब की तारीफ।

नअल—(अ) जानवरों के पैरों या जूतों में लगाने की लोहे की खमदार पत्ती, नाल, जूतों की एड़ी, वह बोझ जिसे पहलवान लोग व्यायाम करने के लिए उठाते हैं।

नअरा—(अ) जय घोष, जोर से चिल्लाना, कष्ट के समय चिल्लाने की आवाज। नारा।

नअश—(अ) अरथी, जनाज़ा, ताबूत, मृत देह, लाश, मुर्दा, नक्षत्रों में सप्तर्षि मण्डल।

नआमत—(अ) अप्राप्य वस्तु, अलभ्य पदार्थ, धन, जीविका,

अर्थात् साले को कहते हैं।
नक़्ल मजहब—(अ) धर्म-परिवर्तन, एक मजहब छोड़ कर दूसरे में जाना।
नक्सीर—(अ) नाक के भीतर की रुधिर वाहिनी नाड़ियाँ। नकसीर फूटना, नाक से रुधिर बहना, नकी चलना।
नक्हत—(अ) सुगन्ध, खुशबू, महक।
नक़ाब—(अ) वह कपड़ा जिसे स्त्रियाँ (मुसलमान) मुँह छिपाने के लिए सिर पर से गले तक डाल लेती हैं, मुँह अथवा किसी सुन्दर चीज़ को ढकने का पर्दा, घूँघट, अवगुण्ठन।
नक़ाबत—(अ) प्रशंसा, सराहना, गुणगान, नक़ीब का काम या पेशा।
नक़ाब पोश—(मि०) वह आदमी जिसने मुँह पर नक़ाब डाला हो।
नकायस—(अ) नकीस का बहुवचन, बहुत से दोष, बुराइयाँ।
नफ़ालत—(अ) पवित्रता।
नक़ाहत—(अ) बीमारी के कारण उत्पन्न हुई निर्बलता, रोग निवृत्ति के बाद की कमज़ोरी।
नक़ी—(अ) पवित्र, विशुद्ध, बहुत उत्तम।
नक़ीज़—(अ) तोड़ने वाला, भंग करने वाला, उलटा विपरीत, विरुद्ध वैर, शत्रुता, विरोध, मिटाना, नष्ट करना।
नक़ीब—(अ) बुज़ुर्ग, मुखिया, सरदार, जो लोगों की वंश-परम्परा जानता हो, विरुदावली बखानने वाला, चारण, भाट, जगा, बन्दीजन।
नकीर—(अ) क़ब्र में पड़े हुए मुर्दों से तुम किसके उपासक हो, पूछने वाले दो फरिश्तों में से एक का नाम। दूसरे फरिश्ते का नाम 'मुनकिर' है।
नक़ीर—(अ) बहुत छोटा, नहर, कुल्या।
नक़ीह—(अ) वह जिसे नकाहत हो गई हो, दुर्बल, कमज़ोर, दुबला।
नक़ूद—(अ) 'नक़द' का बहुवचन।
नक़ूल—(अ) नक़ल का बहुवचन, बहुत सी नक़ल।
नक़ूश—(अ) नक़्श का बहुवचन।
नक्काद—(अ) खरा-खोटा सिक्का आदि परखने वाला, परखैया,

पारखी, आलोचक, परीक्षक।

नक्कारखाना—(अ) वह स्थान जहाँ पर नक्कारा बजता हो, नौबतखाना, नक्कारखाने में तूती की आवाज़—बड़े बड़े लोगों के बीच में किसी साधारण आदमी की बात।

नक्कारची—(फ) नगाड़ा बजाने वाला डफाली।

नक्कारा—(फ) नगाड़ा, दुन्दुभि, नौबत।

नक्काल—(अ) नकल करने वाला, भाँड बहुरूपिया।

नक्काली—(अ) भाँड़पना, भड़ैती, नकल करने का काम।

नक्काश—(अ) चितेरा, नक्काशी करने वाला।

नक्काशी—(अ) चीतना, धातु या लकड़ी की चीज़ों पर खोद कर बेलबूटे बनाना, धातु आदि की चीज़ों पर खोदकर बनाए गए फूल पत्ते।

नक्काशीदार—(मि) वह जिस पर नक्काशी का काम हो रहा हो।

नक़्ज़—(अ) भंग करना, तोड़ना, विच्छेद करना।

नक़्ज़े अह्द—(अ) प्रतिज्ञा तोड़ना, वचन भंग करना।

नक्द—(अ) देखो "नक़्द"

नक़्ल—(अ) देखो "नक़ल"।

नक्श—(अ) चिह्न, निशान, अंग प्रत्यंग की बनावट, लक्षण, लिख कर या खोद कर बनाए हुए बेलबूटे, छाप, मुहर, वह जन्त्र या मन्त्र जो किसी इष्ट सिद्धि के लिए कागज़ पर लिखकर बाँह या गले में बाँधा जाता है। तावीज़, जादू।

नक्श ब दीवार—(मि०) आश्चर्य चकित, स्तम्भित, चित्र लिखे समान।

नक़्शा—(फ) मान चित्र, ख़ाका, रेखाओं द्वारा बनाया गया किसी वस्तु या स्थान का ढाँचा, आकृति, चित्र प्रति कृति, नमूना, शक्ल, रंग ढंग, चाल ढाल, तर्ज़, दशा, अवस्था।

नक़्शा नवीस—(मि०) नक़्शे बनाने वाला।

नक़्शी—(अ) बेलबूटेदार, नक्काशीदार।

नक्शी नस्तालीक़—(फ) देखो "नक्शी"।

नक्शे आब—(मि०) बुरा नक्ष

हो जाने वाला, अस्थायी, पानी पर बनाई गई रेखा या तसवीर जो तुरन्त मिट जाती है।

नक़्शे गुज़ारिश—(फ) वर्णन करने योग्य कहानी।

नक्शे दिल—(फ) हृदयाङ्कित, वह बात जो दिल में बैठ गई हो, विश्वास।

नख़—(फ) पतंग उड़ाने की डोर, रील।

नख़चीर—(फ) शिकार करना, शिकार खेलने की जगह। शिकार किया हुआ जानवर, वे हिरन आदि जानवर जिनका शिकार किया जाता है।

नख़चीर गाह—(फ) शिकार खेलने की जगह, आखेट स्थल।

नख़रा—(फ) चांचला, चुलबुला पन, वह चचलता जो प्रिय को रिझाने के लिए दिखाई जाती है। हाव भाव।

नख़रा तिल्ला—(मि०) चांचला, चुलबुलापन, जवानी के हाव भाव।

नख़रेबाज़—(फ) नखरे करने वाला।

नख़रे बाज़ी—(फ) नखरे करना, चञ्चलता या चोंचले दिखाना।

नख़ल—(अ) वृक्ष पेड़, खजूर या छुहारे का पेड़, आटा छानना।

नख़वत—(फ) घमण्ड, अभिमान बड़प्पन, शेखी।

नख़ाला—(अ)भुसी छिलका।

नख़ास—(अ) वह बाजार जहाँ पर पशुओं अथवा दासों का क्रय-विक्रय होता है।

नख़ास वाली—वेश्या, रंडी।

नख़ुस्त—(फ) प्रधान, प्रारम्भ।

नख़ुद—(फ) चना, चणक।

नख़्ख़ास—(अ) देखो "नखास"

नख़्ल—(अ) देखो "नखल"।

नख़्ल बन्द—(फ) माली, बागबान-कागज़ या मोम के फूल पत्ते बनाने वाला।

नख़्लिस्तान—(मि) खजूरों का जंगल, खजूर या छुहारे के वृक्षों का वन।

नख़्ल ताबूत—(मि) किसी वृद्ध की अरथी को फूल पत्तों से सजाना।

नख़्ले तूर—(अ) तूर नामक पर्वत पर का वह वृक्ष जिसके नीचे हज़रत मूसा को ज्ञान ज्योति दिखाई दी थी।

नख़्ले मरियम—(अ) खजूर का

एक सूखा वृक्ष, कहते हैं मरियम प्रसव पीड़ा से व्यथित होकर उक्त सूखे खजूर वृक्ष के नीचे पहुँचीं और उन्होंने उस वृक्ष को छू दिया जिससे वह तुरन्त हरा भरा हो गया।

नख्ने मातम—(मि) देखो "नख्ले तावूत"।

नग—(फ) वह मूल्यवान रत्न आदि जो किसी आभूषण में जड़ा हो, नगीना, सख्या, गणना, ठीक चिपका हुआ।

नगमा—(अ) गीत, राग, गान, सुरीली आवाज मधुर स्वर।

नगहत—(फ) सुगन्ध, मुँह की खुशबू।

नगी नगीना—(फ) देखो "नग"।

नगीन प्यादा—(फ) वह नग जो आभूषण में जड़ा न हो।

नगीन सवार—(फ) वह नग जो आभूषण में जड़ा हो।

नगीनासाज़—(फ) नगीना बनाने या जड़ने वाला, जड़िया।

नग्ज़—(अ) बढ़िया, श्रेष्ठ, उत्तम।

नग्ज़क—(अ) अति उत्तम पदार्थ, बहुत बढ़िया चीज़, आम का फल।

नग्म—(अ) देखो "नगमा"।

नग्मात—(अ) नग्म का बहुवचन।

नग्मा सरा—(मि) गवैया, गायक, गाने वाला, जिसका स्वर बहुत मीठा हो।

नग्मा सराई—(मि०) गाना, अलापना।

नग्मा सञ्ज—(मि०) गान विद्या का जानकार, गाने को समझने वाला।

नग्मा सञ्जी—(मि) गान विद्या की जानकारी, गाना को समझना।

नज़अ—(अ) अन्तिम श्वास लेना, दम तोड़ना।

नज़द—(फ) निकट, समीप पास क़रीब।

नज़दीक—(फ) निकट, पास, समीप, क़रीब।

नज़दीकी (फ) पास का, समीपस्थ समीपता सामीप्य, निकटता।

नजद—(अ) ऊँचा टीला, अरब का एक नगर विशेष।

नजम—(अ)नक्षत्र तारे छत्ता, बेल।

नज़्म—(अ) मोतियों को धागे में पिरोना, पद्य रचना, कविता।

नज़र—(अ) भेट, उपहार, निगाह, दृष्टि, दृग, भाव, कृपा दृष्टि देख-भाल, निगरानी, ध्यान, पहचान, बुरी दृष्टि का वह बुरा प्रभाव

जिसके किसी वस्तु पर पड़नेसे वह वस्तु विकृत हो जाती है।

नज़र आना—दीखना, दिखाई देना।

नज़र उतारना—नज़र के बुरे प्रभाव को झाड़-फूँक से दूर करना।

नज़र पर चढ़ाना—मन आजाना, पसन्द आ जाना।

नज़र पड़ना—दिखाई पड़ना, दीखना।

नज़र बाँधना—मन्त्र या जादू के प्रभाव से अद्भुत कर्तब कर दिखाना।

नज़र लगना—किसी पर बुरी दृष्टि का प्रभाव पड़ना।

नज़र अन्दाज़—(मि०) जिस पर निगाह न पड़ी हो, निगाह से बचा या छिपा हुआ। नज़र से गिरा हुआ, उपेक्षित।

नज़रगाह—(मि) रंगभूमि, रंगशाला।

नज़र गुज़र—(मि) बुरी निगाह, कुदृष्टि।

नज़र तंग—(फ) कंजूस, कृपण, मक्खी चूस।

नज़र बन्द—(मि) वह कैदी जो नज़र से अलग न होने पावे, वह व्यक्ति जो कड़ी निगरानी में ऐसी जगह रक्खा जाय जहाँ से कहीं दूसरी जगह न जा सके। जादूगर, बाज़ीगर।

नज़र बन्दी—(मि०) वह सज़ा जिसमें मनुष्य को किसी सुरक्षित स्थान में रक्खा जाता है। जादूगरी, बाज़ीगरी।

नज़र बाग—(अ) महल या मकान के सामने का बाग, वह बाग जो मकान में से बैठे बैठे दिखाई देवे।

नज़र बाज़—(मि) देखने का आनन्द लेने वाला, तेज़ नज़र वाला, ताड़ने वाला, चालाक, आँखें या नज़र लड़ाने वाला।

नज़र सानी—(अ) किसी देखी हुई चीज़ को जाँचने के विचार से दुबारा देखना।

नज़राना—(मि) भेंट, उपहार, नज़र की हुई वस्तु बुरी दृष्टि लगना, बुरी नजर के प्रभाव में आना। नज़र लगाना।

नज़ला—(अ) मनुष्य का वीर्य, एक प्रकार का रोग जिसमें शिर का पिघला पानी गालों, दाँतों आँखों नाक आदि की नसों में भर कर उन्हें खराब कर देता है। सर्दी जुकाम।

एक सूखा वृक्ष, कहते हैं मरियम प्रसव पीड़ा से व्यथित होकर उक्त सूखे खजूर वृक्ष के नीचे पहुँचीं और उन्होंने उस वृक्ष को छू दिया जिससे वह तुरन्त हरा भरा हो गया।

नख्ले मातम—(मि) देखो "नख्ल तावूत"।

नग—(फ़) वह मूल्यवान रत्न आदि जो किसी आभूषण में जड़ा हो, नगीना, संख्या, गणना, ठीक चिपटा हुआ।

नगमा—(अ) गीत, राग, गान, सुरीली आवाज मधुर स्वर।

नगहत—(फ़) सुगन्ध, मुँह की खुशबू।

नगी नगीना—(फ) देखो "नग"।

नगीन प्यादा—(फ) वह नग जो आभूषण में जड़ा न हो।

नगीन सवार—(फ) वह नग जो आभूषण में जड़ा हो।

नगीनासाज—(फ) नगीना बनाने या जड़ने वाला, जड़िया।

नग्ज—(अ) बढ़िया, श्रेष्ठ, उत्तम।

नग्जक—(अ) अति उत्तम पदार्थ, बहुत बढ़िया चीज़, आम का फल।

नग्म—(अ) देखो "नगमा"।

नग्मात—(अ) नग्म का बहुवचन।

नग्मा सरा—(मि) गवैया, गायक, गाने वाला, जिसका स्वर बहुत मीठा हो।

नग्मा सराई—(मि०) गाना, अलापना।

नग्मा सज—(मि०) गान विद्या का जानकार, गाने को समझने वाला।

नग्मा सजी—(मि) गान विद्या की जानकारी, गाना को समझना।

नज़अ—(अ) अन्तिम श्वास लेना, दम तोड़ना।

नजद—(फ) निकट, समीप, पास, क़रीब।

नजदीक—(फ) निकट, पास, समीप, क़रीब।

नजदीकी (फ) पास का, समीपस्थ समीपता, सामीप्य, निकटता।

नजद—(अ) ऊँचा टीला, अरब का एक नगर विशेष।

नजम—(अ) नक्षत्र, तारे लता, बेल।

नजम—(अ) मोतियों का धागे में पिरोना, पद्य रचना, कविता।

नजर—(अ) भेंट, उपहार, निगाह, दृष्टि, दया भाव, कृपा दृष्टि, देखभाल, निगरानी, ध्यान, पहचान, परख, दृष्टि का वह बुरा प्रभाव

जिसके किसी वस्तु पर पड़नेसे वह वस्तु विकृत हो जाती है ।

नज़र आना—दीखना, दिखाइ देना ।

नज़र उतारना—नज़र के बुरे प्रभाव को झाड़-फूँक से दूर करना ।

नज़र पर चढाना—मन आजाना, पसन्द आ जाना ।

नज़र पड़ना—दिखाइ पड़ना, दीखना ।

नज़र बाँधना—मन्त्र या जादू के प्रभाव से अद्भुत कर्तव कर दिखाना ।

नज़र लगना—किसी पर बुरी दृष्टि का प्रभाव पड़ना ।

नजर अन्दाज़—(मि०) जिस पर निगाह न पड़ी हो निगाह से बचा या छिपा हुआ । नज़र से गिरा हुआ, उपेक्षित ।

नज़रगाह—(मि) रंगभूमि, रंग शाला ।

नजर गुज़र—(मि) बुरी निगाह, कुदृष्टि ।

नजर तंग—(फ) कंजूस, कृपण, मक्खी चूस ।

नजर बन्द—(मि) वह कैदी जो नज़र से अलग न होने पावे, वह व्यक्ति जो कड़ी निगरानी में ऐसी जगह रक्खा जाय जहाँ से कहीं दूसरी जगह न जा सके। जादूगर, बाज़ीगर ।

नजर बन्दी—(मि०) वह सज़ा जिसमें मनुष्य को किसी सुरक्षित स्थान में रक्खा जाता है। जादूगरी, बाज़ीगरी ।

नजर बाग—(अ) महल या मकान के सामने का बाग, वह बाग जो मकान में से बैठे बैठे दिखाई देवे ।

नजर बाज़—(मि) देखने का आनन्द लेने वाला, तेज़ नज़र वाला, ताड़ने वाला, चालाक, आँखें या नज़र लड़ाने वाला ।

नजर सानी—(अ) किसी देखी हुई चीज़ का जाँचने के विचार से दुबारा देखना ।

नज़राना—(मि) भेंट, उपहार, नज़र की हुइ वस्तु बुरी दृष्टि लगना, बुरी नजर के प्रभाव म आना । नज़र लगाना ।

नजला—(अ) मनुष्य का वीर्य, एक प्रकार का रोग जिसमें शिर का विषेला पानी आलों, दातों आँखों काना आदि की नसों में भर कर उन्हें खराब कर देता है। रसीं जुकाम ।

नज़ला बन्द—(मि) एक औषधि में भिगोया हुआ फाया जो नज़ला रोकने के लिए कनपटी पर लगाया जाता है। सोने के नक़्श का गोल टुकड़ा जिसे स्त्रियाँ शोभा के लिए कनपटी पर चिपका लेती हैं।

नजस—(अ) अपवित्रता, गन्दापन।

नज़हत—(अ) निष्पापता, पवित्रता।

नज़ाकत—(फ) कोमलता, सुकुमारता।

नजात—(अ) छुटकारा, मुक्ति, रिहाई।

नजाद—(फ) खानदान वंश, परिवार मूल, जड़।

नजाफ़त—(अ) पवित्रता।

नजाबत—(अ) सज्जनता, कुलीनता, बुजुर्गी।

नजायर—(अ) नज़ीर का बहु-वचन।

नज़ार—(फ) निर्बल दलित, दरिद्र, कंगाल, गरीब, निर्बल, दुबला।

नज़ारत—(अ) निरीक्षण करना, देखना, निगरानी रखना, रक्षा, देख भाल, नाज़िर का पद या दफ्तर, मय-दर।

नजारा—(अ) लकड़ी का छीलन।

नज़ारा—(अ) दृश्य, निगाह, नज़र, किसी को प्रेम की दृष्टि से देखना।

नज़ारा बाज़ी—(मि०) किसी का प्रेम दृष्टि से देखना, नज़ारा लड़ाना।

नजासत—(अ) अपवित्रता, गन्दगी मैलापन।

नजिस—(अ) अपवित्र, गन्दा, मैला, अशुद्ध।

नजिस-उल एन—(अ) वह जो कभी पवित्र न हो सके, सदा अपवित्र रहने वाला।

नजीद—(अ) वीर, साहसी, उत्साही।

नजीब—(अ) सज्जन, शिष्ट, भला, कुलीन, अच्छे खान्दान का सैनिक सिपाही।

नजीब-उल-तरफैन—(अ) वह व्यक्ति जिसके माता पिता दोनों ही उत्तम कुल के हों।

नज़ीर—(अ) उदाहरण, मिसाल, दृष्टान्त, उपमा, सदृश, डराने वाला, एक पैगम्बर का नाम।

नजूम—(अ) नज्म (तारा) का बहुवचन, बहुत से तारे, नक्षत्र तारा मंडल।

नजूमी—(अ) ज्योतिषी, तारा और नक्षत्रों की गति-विधि जानने वाला।

नज़ूल—(फ) सेना के पड़ाव की जगह, (अ) उतरना, आकर उपस्थित होना, नगर की वह भूमि जिस पर सरकार का कब्ज़ा हो। वे रोग जो नज़ला का पानी उतरने के कारण हुए हों, जैसे पलित मोतिया बिन्द, अण्ड वृद्धि आदि।

नज्जार—(अ) बढ़ई, लकड़ी की चीजें बनाने वाला।

नज्जार—(अ) द्रष्टा, दर्शक, निरीक्षक, आँखें लड़ाने वाला।

नज्जारगी—(अ) देखना, दर्शन करना, आँखें लड़ाना, ताक झाँक, दीदार बाज़ी।

नज्जारा—(अ) देखो 'नजारा"।

नज्जारी—(अ) बढ़ई गीरी, बढ़ई का काम।

नज्द—(अ) ऊँचा टीला, बाँगर जमीन अरब देश का एक नगर विशेष।

नज्म—(अ) तारा, सितारा, नक्षत्र।

नज्म—(अ) देखो "नजम"

नज्म उल-हिन्द—(अ) सितारे हिन्द, भारत का सितारा।

नज्मो नस्क़—(अ) प्रबन्ध, व्यवस्था।

नज्मो निस्क़—(अ) प्रबन्ध, व्यवस्था।

नताइज—(अ) नतीजा का बहु वचन, परिणाम, फल।

नताक़—(अ) पटुका, फेंटा, कमर-बन्द।

नतीजा—(अ) परिणाम, फल, उद्देश्य, अभिप्राय, बच्चा, तराशा हुआ।

नदफ़—(अ) रुई धुनना।

नद्ब—(अ) ज़ख्म, घाव का चिह्न, गूथ, मृत व्यक्ति के लिए शोक और उसके गुणों का वर्णन करना।

नदम—(अ) लज्जित होना।

नदामत—(अ) लज्जा, पश्चात्ताप, शर्मिंदगी।

नदारद—(फ) अभाव जो मौजूद न हो, लुप्त, गायब।

नदीदा—(फ) जिसने कभी देखा न हो, लोलुप, इच्छुक, लोभी, अनदेखा, बिना देखा हुआ, नज़र लगाने वाला।

नदीफ़—(अ) धुनी हुई रुई।

नदीम—(अ) मित्र, मिलापी, साथी, सहचर, लज्जित शर्मिन्दा।

नदीर—(अ) अकेला।

नदावत—(अ) तरी, नमी, सीलन।

नद्दाफ़—(अ) रुई धुनने वाला, धुनिया, बेहना।

नद्दाफ़ी—(अ) धुनिये का काम,

रुइ धुनना।

नफ़अ—(अ) लाभ, फायदा, व्यापार से होने वाली आय।

नफ़क़ा—(अ) खाने पीने का खर्च, भरण-पोषण में होने वाला व्यय। अन्न-वस्त्र।

नफ़ज़—(अ) किसी चीज का जारी होना, प्रचलित होना।

नफ़र—(अ) नौकर, दास, चाकर, सेवक एक आदमी, एक व्यक्ति।

नफ़रत—(अ) घिन, घृणा।

नफ़रत आमेज़—(अ) घृणोत्पादक जिसे देख कर घिन पैदा हो।

नफ़रीं—(फ) अभिशाप, बुरी दुआ, धिक्कार, लानत।

नफ़री—(फ) मजदूर का एक दिन का काम, एक दिन की मजदूरी मजदूरी का एक दिन।

नफ़्ल—(अ) कर्तव्य से अतिरिक्त ईश्वर प्रार्थना, वह भजन पूजन जो किसी विशेष फल की कामना से किया जाय।

नफ़्स—(अ) दम, श्वास, साँस, प्राण जीवात्मा, पल क्षण। पुरुष का जननेन्द्रिय; वास्तविकता, सत्ता, अस्तित्व, काम वासना, पुस्तक का असली पाठ, ग्रन्थ में वर्णित विषय।

नफ़्स अम्मारा—(अ) सांसारिक भोग विलास, इन्द्रियों के विषय, इन्द्रिय विषयों की ओर प्रवृत्ति।

नफ़्स नबाती—(अ) वनस्पतियों की आत्मा।

नफ़्स परवर—(मि०) मनोहर, हृदयाल्हादक, मन को प्रसन्न करने वाला, इन्द्रियलोलुप, इन्द्रियों का दास, अजितेन्द्रिय।

नफ़सानियत—(अ) केवल अपने शरीर की चिन्ता, स्वार्थ, हट धर्मी, स्वार्थपरता, अभिमान, घमण्ड।

नफ़सानी—(अ) भोग विलास सम्बन्धी।

नफ़्सी—(अ) निजी, व्यक्तिगत, अपना, आत्मीय।

नफ़्से वापसी—(मि०) अन्तिम, श्वास।

नफ़्ह—(अ) सुगन्ध, खुशबू महक।

नफ़ा—(अ) देखो "नफ़अ"

नफ़ाज़—(अ) प्रचलित होना, जारी होना, व्यवहार में आना, एक वस्तु का दूसरी वस्तु में होकर पार जाना।

नफ़ायस—(अ) नफीस का बहु वचन, बहुत सी उत्तमोत्तम वस्तुएँ।

नफ़ास—(अ, वह रुधिर जो बच्चा होने के पश्चात् कइ दिनों तक स्त्रियों की जननेन्द्रिय से बहा करता है । नाल, जरायु।

नफ़ासत—(अ) श्रेष्ठता, उत्तमता, उम्दगी, स्वच्छता, सुन्दरता, प्रसूति होना।

नफ़ी—(अ) दूर करना, अलग करना, नगर या देश से निकालना, अभाव, न होना, अस्वीकृति, इनकार, गणित में घटाना।

नफ़ी में जवाब देना—इनकार कर देना।

नफ़ीर—(अ) घृणा करने वाला, फरियाद करना, पुकारना, चिल्लाना, रोना, नफ़ीरी नामक बाजा।

नफ़ीरी—(अ) तुरही, एक बाजा विशेष।

नफ़ीस—(अ) उत्तम, उत्कृष्ट, स्वच्छ, सुन्दर उम्दा।

नफ़ीसा—(फ) देखो "नफीस"।

नफ़ूस—(अ) प्राण, श्वास, जान, जीव, नफ़्स का बहुवचन।

नफ्क़ा—(अ) देखो "नफ्का"।

नफ्फ़ाअ—(अ) बहुत अधिक लाभ पहुँचाने वाला।

नफ्फ़ार—(अ) घृणा करने वाला।

नफ्स—(अ) देखो नफ्स"

नफ्स उल अमर—(अ) वस्तुत, वास्तव में, सच तो यह है कि।

नफ्स कुश—(मि०) इन्द्रियों का दमन करने वाला सयमी, जितेंद्रिय।

नफ्स परस्त—(मि०) इन्द्रियों का दास, इन्द्रियों को तृप्त करने वाला, असयमी इन्द्रिय लोलुप।

नफ्सा नफ्सी—(अ) आत्म चिन्ता, आपाधापी, स्वार्थ-परता।

नफ्से अम्मारा—(अ) देखो 'नफ्स अम्मारा"

नफ्से नफ़ीस—(अ) महान् व्यक्तित्व, सुन्दर और शुभ व्यक्तित्व।

नफ्से नबाती—(अ) देखो "नफ्स नबाती"।

नफ्से नातिक़ा—(अ) अत्यन्त प्रिय व्यक्ति, अत्यधिक विश्वासपात्र, प्राण, आत्मा, जीव।

नफ्से बहीमी—(अ) देखो "नफ्स

नमाज़े इस्तका—(मि) वह विशेष नमाज़ जो अनावृष्टि के समय वर्षा होने के उद्देश्य से पढ़ी जाय।

नमाजे कुसूफ़—(मि) सूर्य ग्रहण होने के समय पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमाज खुसूफ़—(मि) चन्द्र ग्रहण होने के समय पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमाज जनाज़ा—(मि) किसी मृत व्यक्ति की अरथी के समीप खड़े होकर पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमाज़ पंजगान—(फ) नैत्यिक पाँच समय की नमाज़।

नमाज़े पेशी—(फ) प्रातःकाल की पहली नमाज़।

नमाज़े जैयत—(फ़) मृत की अरथी के समीप पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमिश—(फ) विशेष विधि से तैयार किये गए दूध के झाग।

नमी—(फ़) तरी, गीलापन आर्द्रता, सील।

नमू—(अ) बाढ़, वृद्धि, वनस्पति।

नमूद—(फ़) निकलना, उदय होना, प्रकट होना, सत्ता, अस्तित्व, प्रसिद्धि, ख्याति, चिह्न, ठाठ बाट, शान-शौकत, घमंड, अभिमान, शेखी, उभरना उचना।

नमूदार—(फ़) प्रकट, उदित, सामने आया।

नमूना—(फ) बानगी, ढाँचा, खाका, कोई अधिक चीज़ बनाने से पहले थोड़ी सी तैयार करना।

नमूम—(अ) चुगली खाने वाला चुगलखोर, पिशुन।

नम्द—(फ) ऊन को जमाकर बनाया गया मोटा कपड़ा या कम्मल।

नम्द पोश—(फ़) नम्दा पहनने वाला।

नम्द ज़ीन—(फ) नम्दे का वह टुकड़ा जो ज़ीन के नीचे घोड़े की पीठ पर डाला जाता है।

नम्दा—(फ) देखो 'नम्द"।

नयस्ताँ—(फ) नरसलों का जंगल।

नर—(फ) पुरुष जाति का कोई भी प्राणी।

नरगा—(यू०) किसी जानवर का शिकार करने के लिए आदमियों को चारों ओर खड़ा कर के बनाया गया घेरा, झुण्ड, समूह, समुदाय। विपत्ति संकट, कठिनाइ।

नरगाव—(फ) बैल, साँड़, बिजार।

नरगिस—(फ) कटोरों के आकार का एक सुन्दर पुष्प, जिससे उर्दू के कवि आँखों की उपमा दिया करते हैं।

नरगिसी—(फ) नरगिस सम्बन्धी नरगिस के फूल जैसी, एक प्रकार का तला हुआ अंडा, एक प्रकार का कपड़ा।

नरगिसे बीमार—(फ) प्रेमिका की मदभरी आँखें।

नरगिसे शहला—(फ) नरगिस का वह फूल जिसका मध्यभाग काला होता है, इसीसे आँखों की उपमा दी जाती है।

नरम—(फ) मुलायम, गुदगुदा, कोमल, मृदु, लचकदार, दयालु स्वभाव का, मन्दा, धीमा, आलसी, सुस्त, पुरुषार्थहीन।

नरम आहनी—(फ) नम्रता, विनय।

नरमा—(फ) एक प्रकार की कपास जिसके रेशे लम्बे और मुलायम होते हैं, फोकरी रंग की कपास, राम कपास, कान के नीचे का भाग, और एक प्रकार का रंगीन और चमकदार कपड़ा।

नरमी—(फ) नरमाई, नरम होने का भाव।

नरमेश—(फ) मेंढ़ा, भेड़ा।

नरी—(फ) बकरी, बकरा या भेड़ का रंगा हुआ चमड़ा जिसके जूते बनाए जाते हैं।

नरीना—(फ) पुल्लिंग या पुरुष जाति का।

नरीमान—(फ) रुस्तम पहलवान के दादा का नाम।

नर्गिस—(फ) देखो "नरगिस"

नर्जिस—(मि०) देखो "नर्गिस"

नर्द—(फ) शतरंज के मोहरे, चौपड़ की गोटें, एक प्रकार का खेल।

नर्दबान—(फ) सीढ़ी, ज़ीना।

नर्म—(फ) देखो "नरम"

नर्मए गोश—(फ) कान की लौर।

नर्म-गर्म—(फ) भली बुरी, खरी खोटी, ऊँच-नीच।

नर्म दिल—(फ) मृदु स्वभाव वाला, कोमल हृदय, दयालु प्रकृति का।

नर्मी—(फ) देखो "नरमी"।

नवा—(फ) ध्वनि, स्वर संगीत, गाना बजाना सामान, असबाब, धन, सम्पत्ति, भोजन, पुत्र, पौत्र, फ़ौज सेना, फौज जीविका, उपहार, भेंट।

नवाखाना—(फ) कारागार, क़ैद खाना, बन्दी गृह।

नवाखानी—(फ) गाना, गायन संगीत।
नवाज़—(फ) कृपा करने वाला, दयालु, सम्मान या स्वागत करने वाला।
नवा ज़िन्दगी—(फ) ताजा बनाना।
नवाज़िश—कृपा, दया, महरबानी, अनुग्रह।
नवाज़िशात—(फ) नवाज़िश का बहुवचन, कृपाएं, महरबानियाँ।
नवादा—(फ) पोता, नाती, पौत्र।
नवादिर—(अ) नादिर का बहु वचन, अद्भुत वस्तुएं।
नवाब—(अ) एक उपाधि जो सरकार अमीर मुसलमानों को देती है, मुसलमान बड़ा ज़मीदार, मुसलमानी शासन-काल में प्रान्तों के शासकों का ख़िताब, वह जो बहुत अमीरी ढंग से रहता हो।
नवाबी—(अ) नवाबों का, नवाबों का सा (रंग ढंग, रहन-सहन) नवाब का पद, नवाब की हुकूमत अधिक अमीरी।
नवार—(फ) निवाड़ सूत की बुनी हुई पट्टी जिससे पलंग बुनते हैं।
नवाला—(फ) ग्रास, कौर,
नवासा—(फ) धेवता, दौहित्र, वेग का वेग।
नवासाज़—(फ) गवैया, गायक, गाने वाला।
नवाह्—(अ) चारों तरफ, सब ओर आस पास के स्थान।
नविश्त—(फ) लिखावट, तहरीर, लिखा हुआ काग़ज़, लिखतम तमस्सुक, दस्तावेज़। -
नविश्तन—(फ) लिखना।
नविश्ता—(फ) लिखा हुआ, लिखित, भाग्य, प्रारब्ध, तकदीर। तमस्सुक, रुक्का, दस्तावेज़ आदि लिखा हुआ।
नवीस—(फ़) लेखक, लिखने वाला, कातिब।
नवीसन्दा—(फ़) लेखक, लिखने वाला।
नवीसी—(फ) लिखना, लिखाई, लिखने की क्रिया।
नवेद—(फ) निमन्त्रण पत्र, शुभ सन्देश, किसी शुभ काम का नौता।
नव्वाब—(अ) देखो 'नवाब'
नशब—(अ) सर्वस्व।
नशव—(अ) उगना उत्पन्न होना, पैदा होना बढ़ना।
नशर—(अ) बिखरा या फैला हुआ दुर्दशा ग्रस्त।

नशा—(अ) मद, मादकता, अभिमान, गर्व, वह दशा जो भाँग शराब आदि पीने के पश्चात् हो जाती है, संसार, दुनिया, उत्पन्न करना, पैदा करना, मस्ती।

नशाखोर—(मि०) नशा करने वाला, नशीली चीज़ें खाने पीने वाला।

नशात—(अ) उत्पत्ति, प्राणी, जीव देखो "निशात"

नशिस्त—(फ) बैठक।

नशी—(फ) बैठा हुआ, बैठने वाला।

नशीन—(फ) बैठने वाला, बैठा हुआ।

नशीनी—(फ) बैठना, बैठने की क्रिया या रस्म।

नशीला—(अ) नशा उत्पन्न करने वाला, मादक, जिस पर नशे का असर हो।

नशेब—(फ) नीची भूमि, निचाइ, ढाल, समय का ऊँच नीच, संसार के दुख सुख।

नशेब व फराज—(फ) निचाई और उँचाई।

नशेबाज—(मि) नियमित रूप से नशीली वस्तुओं का सेवन करने वाला।

नशेमन—(फ) पक्षियों का घोंसला, विश्राम करने की जगह, एकान्त स्थान, भवन।

नश्तर—(फ) एक छोटा और तेज़ चाकू जो फोड़े आदि चीरने के काम आता है।

नश्र—(अ) फैलाव, प्रसार, प्रकट करना, प्रसिद्ध करना, मनोव्यथा, चिन्ता, जीवन, सुगन्ध।

नश्त—(अ) उत्पन्न होना, बढ़ना।

नश्व नुमा—(अ) पैदा होना, उगना, बढ़ना, विकसित होना।

नश्वा—(फ) सुगन्ध, सावधान होना, सजग होना।

नसक—(फ) मयूर नामक अन्न जिसकी दाल बनाते हैं।

नसक़—(अ) व्यवस्था करना, क्रम देना, रीति रिवाज।

नसक बन्द—(मि) व्यवस्थापक, क्रम देने वाला।

नसज—(अ) कपड़ा बुनना।

नसतर—(फ) सेवती का फूल, सफेद रंग का गुलाब।

नसतरन—(फ) देखो नसतर।

नसनास—(अ) एक कल्पित वन-मानुस।

नसब—(अ) वंश कुल, वंशावली,

खड़ा करना, स्थापित करना।
नसब उल-ऐन—(श्र) उद्देश्य, ध्येय।
नसब नामा—(मि०) वंशावली, वंश-वृक्ष।
नसबी—(श्र) कुल सम्बन्धी, वंश परम्परागत, खान्दानी।
नसम—(श्र) मनुष्य, मानव।
नसर—(श्र) अपने पक्ष का समर्थन, सहायता, मदद, बखेरना, गद्य लेख, गिद्ध नामक पक्षी।
नसरीन—(श्र) ईसाई।
नसरानी—(फ) सेवती का फूल, जंगली गुलाब।
नस्ल—(श्र) वंश कुल, सन्तान।
नसा—(श्र) एक विशेष नस जो चूतड़ से पिंडली तक जाती है।
नसायम—(श्र) नसीम का बहु वचन।
नसायह—(श्र) नसीहत का बहु वचन।
नसारा—(श्र) ईसाई लोग।
नसी—(श्र) भूली हुई, उपेक्षित, विस्मृत।
नसीख—(श्र) सहायक, मित्र।
नसीब—(श्र) भाग्य, क़िस्मत, प्रारब्ध, रोज़ी नसीब होना, मिलना, प्राप्त होना।
नसीबवर—(मि) भाग्य शाली, सौभाग्यवान।
नसीबा—(श्र) देखो "नसीबा"।
नसीबे श्रादा—(श्र) शत्रुओं का भाग्य, दुश्मनों की तक़दीर (किसी प्रिय के रोगादि का कथन करते समय इसका प्रयोग किया जाता है।) जैसे—नसीबे श्रादा भाई के पैर में चोट लग गई है।
नसीबे—(मि०) देखो नसीबे श्रादा।
नसीम—(श्र) शीतल मन्द सुगन्धित पवन।
नसीमे सहरी—(श्र) प्रातःकालीन सुन्दर-सुगन्धित वायु।
नसीर—(श्र) सहायक, मददगार, ईश्वर का एक विशेषण।
नसीह—(श्र) उपदेशक, उपदेश देने वाला।
नसीहत—(श्र) उपदेश, शिक्षा, सीख, शुभ सम्मति।
नसीहत श्रामेज़—(मि) उपदेश पूर्ण, शिक्षा प्रद।
नसीहत गो—(मि) शिक्षा देने वाला, उपदेशक।
नसूह—(श्र) शुद्ध, निर्मल, साफ़, अनुचित काम को फिर न करने की दृढ़ प्रतिज्ञा। पक्की तौबा।
नस्क़—(श्र) प्रबन्ध, व्यवस्था, नियम

प्रथा, प्रणाली,

नस्ख़—(अ) दूर करना, नष्ट करना, किसी चीज़ से अच्छी चीज बनाकर पहली चीज को नष्ट कर देना। अरबी की एक लेखन प्रणाली जिसके प्रचलित होने पर पहली प्रणालियाँ नष्ट कर दी गई थीं।

नस्तालीक़—(अ) अरबी या फारसी की लिपि का एक विशेष ढग जिसमें अक्षर बहुत सुन्दर बनाए जाते हैं।

नस्तालीक़ गो—(मि) सुवक्ता, लालित्य पूर्ण भाषण करने वाला।

नस्तालीक़ हरफ़—(अ) सुन्दरता पूर्वक लिखे गए अक्षर, सुलेख।

नस्त्र—(अ) देखो 'नसत्र"

नस्र—(अ) देखो "नसर"

नस्ल—(अ) देखो "नसल"

नस्लदार—(मि) अच्छी नसल का, उत्तम कुल का।

नस्ली—(अ) वंश या नसल सम्बन्धी।

नस्सार—(अ) गद्य लेखक, अच्छा गद्य लिखने वाला।

नस्साज—(अ) जुलाहा, कपड़ा बुनने वाला।

नहज—(अ) रंग ढग, सरल मार्ग, सीधा रास्ता।

नहब—(अ) लूट खसोट, मार पीट, छीन झपट।

नहबन—(अ) देखो नहब

नहम—(फ) नवाँ, नवम, दसवें से पहला।

नहर (अ) पानी की वह कृत्रिम धारा जो किसी नदी या बड़े तालाब में से निकाली गई हो। घुड़कना, धमकाना।

नहरी—(अ) नहर सम्बन्धी, नहर का, वह भूमि जो नहर के पानी से सींची जाती हो।

नहल—(अ) मधु-मक्षिका, शहद की मक्खी।

नहव—(अ) शैली, विधि, प्रकार, इरादा, दुर्भाग्य, अशुभ, नहूसत, व्याकरण।

नहस—(अ) अशुभ, मनहूस।

नहाफत—(अ) दुर्बलता, कृशता।

नहार—(अ) दिन, दिवस निराहार, अनाहार, जिसने प्रात काल से कुछ खाया न हो, बासी मुँह।

नहार तोड़ना—कलेवा या जलपान करना।

नहार मुँह—प्रात काल से बिना कुछ खाए पिए, बासी मुँह।

नहारी—(अ) जलपान, प्रातराश, सवेरे का भोजन, भोजन, कलेवा।

एक प्रकार की रसीली तरकारी।
नहीं—(अ) निषेध, मना।
नहीफ़—(अ) दुबला पतला, कमजोर।
नहीब—(अ) लुटेरा, डाकू, लूट खसोट, भय, डर।
नहुफ़्ता—(फ) गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा।
नहो—(अ) देखो "नह्व"
नह्र—(अ) ऊँट की बलि देना। ज़िल हिज्ज महीने की दसवीं तारीख जिस दिन मक्के में ऊँट की कुरबानी की जाती है।
ना—(फ) नहीं, निषेध (यौगिक शब्दों के आरम्भ में) जैसे नाउम्मेद, नापाक आदि।
ना अहल—(मि०) असभ्य, अयोग्य।
ना आशना—(फ) अनजान, अपरिचित, जिससे कुछ जान पहचान या सम्बन्ध न हो।
ना इत्तफ़ाक़ी—(मि०) अनबन, मन मुटाव, एकता न होना।
नाइन्साफ़—(मि०) अन्यायी।
नाई—(अ) किसी के मरने की सूचना देने वाला, नापित, नाई।
नाउम्मेद—(फ) हताश, निराश।
नाउम्मेदी—(फ) निराशा।
नाक—(फ) भरा हुआ, युक्त, पूर्ण (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे शरमनाक, दर्दनाक।
नाकत खुदा—(फ) अविवाहित, कुँआरा।
नाकत खुदाई—(फ) अविवाहिता वस्था, कौमारावस्था, कुँआरापन।
नाक़न्द—(फ) नासमझ मूर्ख, छोटी उम्र का, बालक, कमसिन, दो साल से कम उम्र का घोड़े का बच्चा।
नाक़दरी—(मि) किसी के गुणों का आदर न होना या न करना।
नाक़द्र—(मि) गुणों का आदर न करने वाला, गुणों का न जानने वाला।
नाकरदनी—(फ) अनुचित, न करने योग्य, अकर्त्तव्य।
नाकरदा—(फ) बिना किया हुआ, जो किया न हो, अकृत।
नाकरदाकार—(फ) अनुभवहीन, अनजान, अनाड़ी।
नाकस—(फ) नीच, उद्दत, अधम, अयोग्य, तुच्छ।
नाक़ा—(अ) ऊँटनी, ऊँट की मादा, साँड़नी
नाक़ाबिल—(फ) अयोग्य, अनुपयुक्त

अ्समर्थ, अशिक्षित ।
नाकाम—(फ) असफल, नाउम्मेद, निराश, जिसका उद्देश्य पूरा न हुआ हो ।
नाकारा—(फ) निरथक, व्यर्थ, निकम्मा, अयोग्य जो किसी काम न आ सके ।
नाकाश्ता—(फ) जो बोया न गया हो, खुदरौ, बिना बोए पैदा हुआ ।
नाक़ा सवार—(मि) साँड़नी सवार, डाक या सन्देश ले जाने वाला, हरकारा ।
नाकिद—(अ) आलोचक, परीक्षक ।
नाक़िब—(अ) उलट पुलट करने वाला, कष्ट देने वाला ।
नाक़िल—(अ) नक़ल करने वाला, अनुकरण करने वाला, वर्णन करने वाला, प्रतिलिपि करने वाला ।
नाक़िला—(अ) वर्णन, ब्यौरा, इतिहास, कथा, कहानी ।
नाक़िस—(अ) दोषयुक्त, त्रुटि पूर्ण, बुरा, खराब, निकम्मा, अधूरा, अपूर्ण ।
नाक़िस उल अक़्ल—(अ) भ्रष्ट बुद्धि, जिसकी अक़्ल खराब हो ।
नाक़िस-उल खिल्क़त—(अ) जो जन्म से विकलाङ्ग हो, पेदा होने के समय से ही जिसका कोई अंग विकृत हो ।
नाक़िसी—(फ) नालायकी, नीचता अयोग्यता, अपूर्णता, खराबी ।
नाक़ूस—(अ) शंख, गिरजा का घंटा ।
नाखलफ़—(फ) कपूत, कुपुत्र, अयोग्य बेटा, नालायक़ बेटा ।
नाखुदा—(फ) केवट, मल्लाह, नाव खेने वाला ।
नाखुन—(फ) नख, नुह, पशुओं के खुर, घोड़े के सुम ।
नाखुनगीर—(फ) नहरना, नाखुन काटने का औज़ार ।
नाखुना—(फ) आँख की एक बीमारी जिसमें आँख की सफेदी म लाल निशान पड़ जाता है, सितार बजाते समय उंगली में पहनने की विशेष प्रकार की बनी तार की अंगूठी, मिज़राब ।
नाखुश—(अ) अप्रसन्न, असन्तुष्ट, नाराज़ ।
नाखुशी—(अ) अप्रसन्नता, असन्तोष, नाराज़गी ।
नाख़ून—(फ) देखो "नाखुन" ।
नाख्वाँदा—(फ) अपढ़, अपठित, अशिक्षित, अनिमन्त्रित, बिना

झुलाया हुआ।

नागवार—(फ) अरुचिकर, असह्य, अप्रिय, जो अच्छा न लगे। जो पचे नहीं।

नागवारा—(फ़) देखो "नागवार"।

नागहाँ—(फ) अचानक, सहसा, एकाएक।

नागहानी—(फ़) अचानक होने वाला, जिसके होने की कुछ सम्भावना न हो।

नागा—(अ) अनुपस्थिति, नियमित रूप से होने वाले काम का किसी दिन न होना। अन्तर, बीच।

नागाज—(फ़) अचानक, सहसा।

नागाह—(फ) सहसा, अचानक, एकाएक।

ना गिरफ्त—(फ) अचानक, सहसा।

नागुज़ीर—(फ) अनिवार्य, जो टल न सके, अवश्य कर्तव्य, अत्यन्त आवश्यक।

नाचा—(अ) हुक्के का नैचा, हुक्के में लकड़ी का वह भाग जिसके ऊपर चिलम रक्खी जाती है।

नाचाक़—(फ़) दुर्बल, रोगी, अस्वस्थ दुबला-पतला, कृशकाय।

नाचाक़ी—(फ़) अनबन, मनमुटाव, मनोमालिन्य, अस्वस्थता, दुर्बलता, कृशता, बीमारी।

नाचार—(फ) निरुपाय, विवश लाचार, मजबूर।

नाचारी—(फ) विवशता, मजबूरी, लाचारी।

नाचीज़—(फ) तुच्छ, नगण्य, निकृष्ट।

नाज—(फ) अल्हड़पन, चोचला, नखरा, लाड़ प्यार, गर्व घमण्ड, सरो का नया पौधा।

नाज़नी—(फ) सुन्दरी, कोमलाङ्गिनी, सुकुमारी।

नाज़ बालिश—(फ) छोटा और मुलायम तकिया, गेंदुआ।

नाज़रीन—(अ) नाज़िर का बहु वचन, देखने वाले, दर्शक श्रोता, पढ़ने वाले।

नाज़ व नियाज—(फ़) नखरा, चोचला।

नाजाँ—(फ) नाज़ करने वाला, गर्व करने वाला, अभिमान करने वाला।

नाज़ा—यह गाय भैंस या अन्य मादा पशु जो बच्चा न दे, बैला।

नाजायज़—(मि०) अनुचित, नियम विरुद्ध, जो जायज़ न हो।

नाज़िन्दा—(फ़) नाज करने वाला, अभिमानी, घमण्डी।

नाज़िम—(अ) व्यवस्थापक, इन्तज़ाम करने वाला, संघटन करने वाला, मोती पिरो कर माला या लड़ी बनाने वाला, मुसलमानी शासन-काल में वह जो किसी देश या प्रान्त का प्रबन्धक होता था, कवि, पद्य बनाने वाला।

नाजिया—(अ) मुक्ति पाने वाला।

नाज़िर—(अ) निरीक्षक, देखने वाला, द्रष्टा, दर्शक, दृष्टि, आँख, देखने की शक्ति, पढ़ने वाला, अदालतों या दफ़्तरों में लेखकों का प्रधान। वेश्याओं का दलाल, ख्वाजा सरा, वे पण्ढ व्यक्ति जो ज़नाने महलों में काम करने के लिए नियुक्त होते हैं, महल सरा, किसी ग्रन्थ को देख-देख कर पढ़ना।

नाज़िराख्वाँ—(मि) जो कुरान को देख देखकर उसका पाठ करता हो, अर्थात् जिसे कुरान कण्ठस्थ न हो, हाफ़िज का उलटा।

नाज़िरीन—(अ) देखो "नाज़रीन"।

नाज़िल—(अ) उतरने वाला, ऊपर से नीचे आने वाला आ पड़ने वाला। आ मौजूद होने वाला।

नाज़िल होना—आपड़ना, उतरना, आ मौजूद होना!

नाज़िला—(अ) संकट, मुसीबत, आपत्ति।

नाज़िश—(फ) अभिमान, घमण्ड, इतराना, नाज़ करना।

नाजिन्स—(मि) बेमेल, दूसरी जाति का, अन्य वर्ग का असभ्य, अशिक्षित, अयोग्य।

नाजी—(अ) मुक्ति पाने वाला।

नाज़ुक—(फ) कोमल, सुन्दर, सुकुमार, पतला, बारीक, सूक्ष्म, मृदु, पेचीदा, गूढ़, गम्भीर तनक धक्का लगने से टूट फूट जाने वाला। खतरे का, जोखिम का, जिसमें अनिष्ट या हानि की सम्भावना हो।

नाज़ुक अन्दाम—(फ) कोमल काम, दुबले-पतले शरीर वाला।

नाज़ुक कलाम—(मि) उत्तम बातें कहने वाला।

नाज़ुकख़याल—(मि) गम्भीरविचारवान, सूक्ष्म विचारों वाला।

नाज़ुक दिमाग—(मि) अभिमानी या चिड़-चिड़े स्वभाव का, जिसका दिमाग़ ज़रा-सी बात में खराब हो जाय।

नापैद—(फ) जो उत्पन्न न हुआ हो, अलभ्य, अप्राप्य, नष्ट।
नापैदा—(फ़) देखो "नापैद"
नाफ़—(फ)नाभि, ढूँढी, तुन्दि, जरा युज, प्राणियों के पेट के बीच का निशान, मध्य, केन्द्र।
नाफ़अ—(अ) नफा देने वाला, लाभदायक।
नाफ़ आलम—(अ) संसार की नाभि, मक्का शरीफ।
नाफ़ जदन—(मि) नवजात शिशु का नाल काटना।
नाफ़रजाम—(फ) अयोग्य, निकम्मा जिसका परिणाम बुरा हो।
नाफ़रमान—(फ) उद्दण्ड, आज्ञा न मानने वाला, एक पौधा विशेष जिसमें ऊदे रंग के फूल आते हैं।
नाफ़रमानी—(फ) आज्ञोल्लंघन अनुशासन न मानना, उद्दण्डता, नाफरमान के फूलों का सा (रंग), ऊदा या बैंगनी-सा रंग।
नाफ़हृ—(फ) सुगन्धित द्रव्य।
नाफ़हम—(फ) नासमझ, निर्बुद्धि।
नाफ़हमी—(फ) मूर्खता, ना समझी।
नाफ़ा—(फ़) कस्तूरी की थैली, मृग नाभि।
नाफ़िज़—(अ) प्रचलित, जारी, प्रयोग में आने वाला।
नाफ़िर—(अ) घृणा करने वाला, नफ़रत करने वाला।
नाफ़े खाक़—(फ़) देखो "नाफ़िजमी मक्का।
नाफ़े जमी—(फ) मक्का शरीफ़, मुस लमानों का तीर्थ स्थान।
नाफ़े शब—(फ) रात्रि का मध्य भाग, अर्धरात्रि।
नाब—(फ़) शुद्ध, पवित्र निर्मल, स्वच्छ बिना मिलावट का, खालिस, परिपूर्ण, भरा हुआ तलवार पर दोनों ओर बनी हुई वे नालियाँ जो मूठ से नोंक तक होती हैं, सर्प का विषदन्त, हाथी दाँत, दाढ़।
नाबका—(फ़) अयोग्य, अधम,
नाबकार—(फ़) अयोग्य, अधम, दुष्ट, पाजी, व्यर्थ, निरर्थक अनुचित।
नाबदान—(फ) वह नाली जिसमें गन्दा पानी बहता हो, मोरी, पन नाला।
नाबलद—(मि) गँवार, मूर्ख, अनाड़ी उजड्ड, अनजान, अपरिचित।

नाबहरा—(फ) मूर्ख, बेसमझ, नीच, अधम।
नाबा—(फ) वह शराब जिसमें मिलावट न हो।
नाबालिग—(मि) जो जवान न हुआ हो, अप्राप्त वय।
नाबस्ता—(फ) अयोग्य, अक्षम्य।
नाबीना—(फ) प्रज्ञाचक्षु, अन्धा, नेत्र हीन।
नाबूद—(फ) नष्ट होने वाला, नश्वर नाशवान, जो नष्ट हो गया हो, जो बरबाद हो गया हो, जिसका अस्तित्व न रहा हो।
नामञ्जूर—(मि०) अस्वीकृत।
नाम—(फ) संज्ञा, अभिधान, प्रसिद्धि, यश।
नामआवर—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात, नामवर।
नमाए एमाल—(मि) एमाल नामा, वह पत्र जिसमें किसी के अच्छे बुरे सब कामों का उल्लेख हो।
नामजद—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात, गिन्ती-शुमार का, जिसका नाम किसी कार्य के लिए निश्चित हुआ हो, किसी के निमित्त या नाम से रक्खी हुई वस्तु स्थान आदि।
नामजू—(फ) ख्याति चाहने वाला, यशोलिप्सु।
नामतर—(फ) अति प्रसिद्ध, विशेष विख्यात।
नामदार—(फ) प्रतिष्ठित, प्रसिद्ध, यशस्वी, नामवर, नामी।
नामबरदा—(फ) उल्लिखित।
नामर्द—(फ) नपुंसक, हिजड़ा, क्लीव, डरपोक, कायर, भीरु।
नामर्दी—(फ) नपुंसकता, हिजड़ापन, कायरता, भीरुता, क्लीवता, बोदापन।
नामर्दुन—(फ) अयोग्य।
नामवर—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात।
नामवर दार—(फ) नामी, प्रसिद्ध, विख्यात।
नामवरी—(फ) प्रसिद्धि, ख्याति।
नामहदूद—(मि) असीम, अपार जिसकी हद न हो।
नामहरम—(फ) अपरिचित, अज्ञात, अजनबी, बाहरी, मुसलमान लड़कियों के लिए वे पुरुष जिनके साथ उनका विवाह हो सके और जिनसे उन्हें परदा करना चाहिए।
नामा—(फ) चिट्ठी, ग्रन्थ, पत्र, पुस्तक, लिखा हुआ।
नामाकूल—(मि) अनुचित अयुक्त, जो बुद्धि संगत न हो, मूर्ख,

बेवकूफ, अयोग्य, नालायक।

नामा निगार—(फ) संवाददाता, समाचार लेखक, पत्र लेखक, पत्र लिखने वाला।

नामाबर—(फ) हरकारा, डाकिया, पत्रवाहक, समाचार ले जाने वाला।

नामालूम—(मि०) अज्ञात, अनजान, अजननी, अप्रसिद्ध, अपरिचित।

नामी—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात, नामक, नाम वाला, नामधारी।

नामी गरामी—(फ) अत्यधिक प्रसिद्ध, विशेष विख्यात।

नामुआफिक—(मि) जो अनुकूल न हो, अरुचिकर, विरुद्ध।

नामुकिर—(मि) जो स्वीकार न करे, जो इकरार न करे।

नामुबारक—(मि) अशुभ, मनहूस।

ना मुनासिब—(मि०) अनुचित, अयोग्य।

ना मुमकिन—(मि०) असम्भव, जो हो न सके।

ना मुराद—(फ) अभागा, मन्द भाग्य, विफल मनोरथ, अतृप्त काम, जिसकी अभिलाषा पूरी न हुई हो।

ना मुलायम—(फ) कठिन, कठोर, कड़ा, अनुचित, अयोग्य।

नामूस—(अ) प्रतिष्ठा, सम्मान, प्रसिद्धि, लज्जा, स्त्रियों का सदाचार, पातिव्रत।

नामूसी—(अ) बदनामी, बेइज़्ज़ती।

नाम खुदा—(फ) परमात्मा बुरी दृष्टि से बचावे (किसी प्रिय के स्वास्थ्य अथवा सौन्दर्य का उल्लेख करते समय इसका प्रयोग करते हैं)

ना मौजूं—(फ) अनुचित, अनुपयुक्त, बेजोड़, जिसका प्रयोग उचित स्थान पर न हुआ हो।

नाय—(फ) नै, बाँसुरी, नरसल, गला, कण्ठ, चूचा।

नायक—(अ) इच्छा करने वाला।

नायजा—(फ) पुरुष का मूत्रेन्द्रिय, लिंग।

नायब—(अ) स्थानापन्न, सहायक, सहकारी, मुनीब, मुख्तार।

नायबत—(अ) नायब का पद या काम।

नायबी—(अ) देखो "नायबत"।

नायाब—(फ) अप्राप्य, दुर्लभ, बहुत बढ़िया

नारंग—(फ) एक नीबू की जाति का फल जिसका रंग मीठा

होता है ।

नारंगी—(फ़) नारंग नामक फल, नारंग फल का सा रंग जो कुछ पीलापन लिए हुए लाल होता है

नारंज—(फ) नारंग, सन्तरा ।

नारंजी—(फ) देखो "नारंगी"

नार—(अ) अग्नि, आग, (फ) यौगिक शब्दों में अनार का संक्षिप्त रूप जैसे गुलनार—अनार का फूल ।

नारजील—(अ) नारियल, खोपरा, नारिकेल ।

नारदान—(फ़) अनार दाना ।

नार फ़ारसी—(फ) आतिशक, उपदंश ।

नारवा—(फ अप्रचलित, अनुचित, अवैध, निष्फल मनोरथ ।

नारस—(फ) बिना पकी मेवा ।

नारसा—(फ) जो चाही हुई जगह पहुँच न सके, जिसकी पहुँच न हो, जिसका कुछ प्रभाव या मेल-जोल न हो ।

नारसाई—(फ) पहुँच न होना,

नारसीदा—(फ़) अल्पायु, कची उम्र का ।

नारा—(अ) देखो "नअरा"

नाराज़ (मि) अप्रसन्न, असन्तुष्ट, रुष्ट ।

नाराज़गी—(मि) अप्रसन्नता, रोष ।

नाराज़न—(मि) जय घोष करने वाला, ज़ोर से पुकारने वाला, नारा लगाने वाला ।

नाराज़ी—(मि) देखो "नाराज़गी"

नारास्त—(फ) जो सीधा या ठीक न हो, टेढ़ा, झूठा, गलत, बुरा ।

नारी—(अ) अग्नि सम्बन्धी, अग्नि-का, नारकी, नरक की आग में जलने वाला ।

नाल—(फ़) पोली नलकी, नरसल, पशुओं के खुरों, घोड़ों के सुमों और जूतों की एड़ियों में लगाने की अर्ध चन्द्राकार लोहे की पत्ती, लकड़ी या पत्थर का भारी [illegible] जिसमें पकड़ने के वास्ते मूठ बनी रहती है और पहलवान लोग व्यायाम करने के लिए उसे उठाया करते हैं । वह धन जो जूआ खेलने वालों की ओर से उस व्यक्ति को दिया जाता है, जो अपने स्थान में बैठा कर जूआ खिलाता है । तलवार के मान की नोक पर लगाइ जाने वाली साम, कूए के लिए ईंट चूने

से चिना गया गोलाकार घेरा जो पीछे जमीन में बैठाया जाता है।

नाल बन्द—(मि) पशुओं के खुरों घोड़ों के सुमों और जूतों में नाल जड़ने वाला।

नालबहा—(मि) छोटे राजाओं या जागीरदारों की ओर से बड़े राजा को दिया जाने वाला वार्षिक कर, खिराज।

नालाँ—(फ) दुहाई देता हुआ, रोता-चिल्लाता हुआ, फ़रियाद या पुकार करता हुआ, वावेला मचाता हुआ।

नाला—(फ) फ़रियाद, दुहाई, पुकार वावैला, रोते हुए प्रार्थना करना, रोना-धोना। पानी की छोटी धार, छोटी नदी।

नालायक़—(मि) अयोग्य, निकम्मा, मूर्ख।

नालायक़ी—(मि) अयोग्यता, निकम्मापना मूर्खता

नालिश—(फ़) फ़रियाद करना, दुहाई देना, किसी के द्वारा पहुँचाई गई हानि या तकलीफ़ का ऐसे आदमी के सम्मुख निवेदन करना जो कि हानि पहुँचाने या दुख देने वाले को दण्ड दे सके।

नालिशी—(फ) नालिश का, नालिश सम्बन्धी, नालिश करने वाला।

नालैन—(अ) जूता का जोड़ा।

नाव—(फ) नौका, किश्ती।

नावक—(फ़) एक प्रकार का छोटा तीर, शहद की मक्खी का डंक, नाव चलाने वाला, केवट, मल्लाह।

नावक अफ़गन—(फ) वाण चलाने वाला, धनुर्धर।

नावक़्त—(मि०) कुसमय बेवक़्त, अनुचित अवसर पर, बेमौक़े।

नाव नोश—(फ) भोग विलास।

नावाक़फ़ीयत—(मि) अनजानपन, जानकारी या परिचय का अभाव

नावाक़िफ़—(मि) अनजान, अपरिचित।

नावाजिब—(मि) अनुचित, अयोग्य, नामुनासिब।

नाश—(अ) देखो "न अश"

नाशनाख़्त—(अ) अपरिचित, अनजान।

नाशनास—(फ) अपरिचित, अजान।

नाशपाती—(अ) इस नाम का

प्रसिद्ध एक फल।
नाशाइस्ता—(फ) असभ्य, अशिष्ट, अयोग्य, अनुचित,
नाशाइस्तगी—(फ) असभ्यता, अशिष्टता, अयोग्यता, अनौचित्य अनुप युक्तता, उजड्डपन।
नाशाद—(फ़) अप्रसन्न, असन्तुष्ट, दुखी, अभागा, मन्द भाग्य।
नाशाद व नामुराद—(फ) अभागा और विफल मनोरथ।
नाशिकेब—(फ) विकल, अधीर, बेचैन।
नाशिकेबा—(फ) देखो "नाशिकेब"
नाशुकरा—(फ) कृतघ्न, गुनमेटा, किसी के अहसान को न मानने वाला।
नाशुकरी—(फ) कृतघ्नता, गुनमेटापन।
नाशुदनी—(फ) असम्भव, जो होन हार न हो जो हो न सके, कम्ब ख्त अभागा, अयोग्य, नालायक़।
नाश्ता—(फ) कलेऊ, प्रातराश, सवेरे का भोजन जलपान।
नास—(अ) मनुष्य मानव, इन्सान।
नासअ—(अ) विशुद्ध।
नासज़ा—(फ) अनुचित ना मुनासिब।
नासज़ावार—(फ) अनुपयुक्त, अनुचित, गँवार, असभ्य, उजड्ड।
ना सपास—(फ) कृतघ्न, नमक हराम।
ना सवाब—(फ) पाप।
नासबूर—(फ) अधीर, बेचैन, जिसे सब्र न हो।
नासह—(अ) उपदेशक, शिक्षक, नसीहत करने वाला।
नासाज़—(फ) अस्वस्थ, बीमार, विरोधी, अनुपयुक्त।
ना साज़ी—(फ) अस्वस्थता, बीमारी।
नासिक—(अ) ईश्वर-भक्त,
नासिक़—(अ) व्यवस्था पक, प्रबन्धक।
नासिख़—(अ) लेखक, लिखने वाला, खण्ड न करने वाला। नष्ट या रद्द करने वाला।
नासिफ़—(अ) आधा बाँटने वाला।
नासिया—(फ़) मस्तक, माथा।
नासिया साई—(मि) भूमि पर या पैरों में माथा रगड़ना, हद दरजे की दीनता दिखाना, गिड़गिड़ाना!
नासिर—(अ) सहायक, मित्र, गद्य-लेखक।
ना सुफ्तगान—(फ) कुमारी, कन्या।
नासुफ़्ता—(फ़) अनबिधा बिना

गिरं या हुआ (मोती)

नासूर—(अ) वह घाव जो प्राय अच्छा नहीं होता नाड़ी व्रण,

नाहजार—(फ) दुश्चरित्र, बुरेचाल चलन का, दुराचारी, अयोग्य, कमीना, दुष्ट, पाजी।

नाहक़—(मि) निरर्थक, वृथा, व्यर्थ, वेफायदा।

नाहक शनास—(मि) अन्याय करने वाला, अनौचित्य का विचार न करने वाला।

ना हमवार—(फ) विषम, ऊँचा नीचा, ऊबड़-खाबड़, जो समतल न हो। अशिष्ट, असभ्य, अयोग्य।

नाहार—(फ) निराहार, जिसने सवेरे से कुछ खाया न हो।

नाहीद—(फ) शुक्र नामक ग्रह।

निआमत—(अ) देखो 'नियामत'।

निकाह—(अ) मुसलमानी प्रथानुसार किया गया विवाह संस्कार।

निकाह नामा—(मि) निकाह होने का प्रमाण पत्र।

निकाही—(अ) विवाहिता, जिसके साथ शादी हुई हो वह स्त्री।

निको—(फ) उत्तम, अच्छा, नेक।

निकोई—(फ) उत्तमता, अच्छाई, भलाई, नेकी, उपकार, सद् व्यवहार।

निकोकारी—(फ) अच्छे काम, नेक काम, भलाई के काम।

निकोनामी—(फ) नेकनामी, भलाई।

निकोहिश—(फ) धिक्कार, लानत, फटकार डांट, धमकी।

निखालिस—(मि) जो खालिस न हो, मिलावटी।

निगन्दा—(फ) एक प्रकार की बढ़िया सिलाई बखिया। रजाई-लिहाफ आदि में रुई जमाने के लिए दूर-दूर की गई सिलाई।

निगर—(फ) देखना।

निगराँ—(फ) देखने वाला, रक्षा करने वाला, चौकसी रखने वाला, प्रतीक्षा करने वाला।

निगरानी—(फ) देख-भाल, चौकसी निरीक्षण।

निगह—(फ) दृष्टि, नजर, चितवन, परख, पहचान, ध्यान, विचार, कृपा, दया, निगाह।

निगहबाँ—(फ) देख रेख रखने वाला, चौकसी रखने वाला। पहरेदार, चौकीदार।

निगहबान—(फ) देखभाल चौकसी।

निगार—(फ) चित्र, मूर्ति, चिह्न,

प्रतीक, नक्श, प्रेमी, प्यारा, चित्रकारी करने वाला, लिखने वाला। चित्रकारी, किसी चीज़ पर शोभा के लिए बनाए गए बेल बूटे।

निगार खाना—(फ) चित्रशाला।

निगारिश—(फ) लिखना, बेल पत्ती बनाना, चित्रकारी, लेख, लेखन, लिपि।

निगारी—(फ) प्रिय, प्यारा, जिसने अपने हाथ पैरों में महँदी से बेल बूँटे बना रक्खे हों।

निगारे आलम—(फ) जो ससार में सब से अधिक सुन्दर हो।

निगाह—(फ) देखो "निगह"।

निगाह बान—(फ) देखो निगहबाँ,

निगूँ—(फ) टेढ़ा, झुका हुआ, वक्र, हीन, रहित, कुबड़ा।

निगूँ बख्त—(फ) भाग्यहीन, अभागा।

निगूँ हिम्मत—(फ) साहस हीन हिम्मत रहित कायर।

निवदात—(फ) धरोहर का धन, अमानत की रक़म।

निज़ाअ—(अ) झगड़ा, टंटा, तकरार, वैर, शत्रुता, इच्छुक, जिज्ञासु।

निज़ाई—(अ) झगड़े सम्बन्धी, जिसके विषय में कुछ गड़बड़ या झगड़ा हो।

निज़ाबत—(अ) कुलीनता, मर्दानगी, सिपाही पन, वीरता।

निज़ाम—(अ) शासन, व्यवस्था, सघटन, वह धागा जिसमें मोती या रत्न पिरोए गए हों, माला का धागा, मोतियों आदि की लड़ी या माला, क्रम, सिलसिला, मूल, जड़, बुनियाद, हैदराबाद दक्खिन के शासकों की उपाधि।

निज़ामत—(अ) व्यवस्था, शासन, सघटन, नाज़िम का पद या दफ़्तर, वह नगर जहाँ नाज़िम का कार्यालय हो कुछ ग्रामों का मण्डल जो एक नाज़िम के प्रबन्ध में हो, रजवाड़ों में तहसील।

निज़ामेबतलीमूस—(अ) हकीम बतलीमूस का यह सिद्धान्त कि पृथिवी समस्त ससार का केन्द्र है और ग्रह नक्षत्रादि पृथिवी की परिक्रमा करते हैं।

निज़ामे शम्सी—(अ) सौर चक्र, ग्रह-नक्षत्रादि की व्यवस्था।

निज़ार—(फ) दुर्बल, कृश, निर्बल, असमर्थ, दरिद्र, ग़रीब।

निजारत—(अ) बढ़ई गीरी, बढ़ई का काम।
निज़ीफ़—(अ) मूर्च्छित, ज्वराक्रान्त, जिसके शरीर से बहुत सा खून निकल गया हो।
निज़्ज़ाम—(अ) नाजिम का बहु-वचन, पद्य पढ़ने वाला।
निज़्द—(फ) निकट, समीप, पास, निगाह में, आगे, सामने।
निदा—(अ) पुकार, हाँक, चिल्लाना, चिल्लाने की आवाज़, किसी को सम्बोधित करने का शब्द यथा हे ओ आदि।
निफ़ाक़—(अ) वैर, शत्रुता, वैमनस्य, विरोध, छल, कपट।
निफ़ाक़ता—(मि०) छली, कपटी।
निफ़ाक राय—(मि) मतभेद।
निफ़ाज़—(अ) कानून का जारी होना, प्रचलित होना, व्यवहार में आना, अमल में आना। देखो "नफ़ाज़"
निफ़ास—(अ) देखो "नफ़ास"।
निबखता—(मि०) भाग्यहीन, कम-बख्त, अभागा।
नियाज़—(फ) प्रेम, इच्छा, अभिलाषा, कामना, दीनता, प्रेम प्रदर्शन, बड़ों का प्रसाद, भेंट, उपहार, बड़ों से परिचय, मृत व्यक्ति के उद्देश्य से गरीबों या फकीरों को खाना आदि देना।
नियाज़ हासिल करना—बड़ों की सेवा में उपस्थित होना।
नियाज़मन्द—(फ) इच्छुक, अभिलाषी, अधीनस्थ, सेवक।
नियाज़ी—(फ) प्रिय, प्रेमी, मित्र, सखा।
नियाबत—(अ) प्रतिनिधित्व, सहकारिता, स्थानापन्न होना, नायब का पद या कार्य।
नियाम—(फ) तलवार रखने का खोल, म्यान।
नियामत—(अ) अलभ्य पदार्थ, स्वादु भोजन, धन-दौलत, देखो "नेअमत"।
नियामत गैर मुतरक्किबा—(मि०) वह अलभ्य पदार्थ जिसके मिलने के पहले कोई आशा या सम्भावना न हो।
नियामत परवरदा—(मि) नाज़ से पाला हुआ, जिसका पालन पोषण बड़े अच्छे ढङ्ग से हुआ हो, अत्यन्त प्यारा, दुलारा।
निरायत—(अ) अत्यन्त, चरम।
निरख—(फ) भाव, दर।
निर्ख—(फ) देखो "निरख"
निर्ख नामा—(फ) वह पत्र जिस

पर सब चीजों का भाव लिखा हो।

निर्खबन्दी—(फ) चीज़ों का भाव निश्चित करना।

निर्खी—(फ) भाव ठहराने वाला, दर निश्चित करने वाला।

निवाला (फ़) ग्रास, कौर।

निशखार (फ) जुगाली रोयन्थ, रोंथ।

निशस्त (फ) बैठना, बैठक।

निशस्तगाह (फ) बैठक, बैठने की जगह।

निशस्तबरख़ास्त—(फ) सभ्य समाज में बैठने का ढङ्ग, उठने बैठने का तरीक़ा।

निशाख़ातिर—(मि) सन्तोष, तसल्ली दिल जमई।

निशात—(अ) युवकदल, नइ पौध, वर्तमान युग, हर्ष, प्रसन्नता, आनन्द, सुखभोग।

निशान—(फ) चिह्न, धब्बा, लक्षण, फौज का झण्डा, किसी जमात का झण्डा, ध्वजा, पता का, राजकीय घोषणा।

निशानची—(मि) झण्डा लेकर चलने वाला।

निशान देही (फ) सम्मन आदि की तामील के लिए आसामी को पहुँचनवाना।

निशान बरदार—(फ़) किसी सेना, जमात या दल के आगे झण्डा लेकर चलने वाला।

निशाना—(फ) लक्ष्य, वह वस्तु या स्थान जिस पर ताक कर कोई चीज़ मारी जाय। वह जिसको उद्देश्य करके कोइ व्यंग्य किया जाय।

निशाना अन्दाज़—(फ) ठीक निशाना लगाने वाला।

निशानी—(फ) यादगार, किसी की स्मृति स्वरूप दी हुई या रक्खी हुइ चीज़। चिह्न जिससे कोई वस्तु पहचानी जाय।

निशास्ता—(फ) गेहूँओं को भिगो और पीस कर निकाला हुआ सत, कलफ या माड़ी।

निशोत—(अ) प्रसन्न हर्षित।

निशोद—(फ) सगीत का शब्द, गाने-बजाने की आवाज़।

निसबत—(अ) सम्बन्ध, लगाव, रिश्ता, तुलना, समता, मुकाबला, शादी सम्बन्ध की बातचीत, वाग्दान मगनी।

निसरानी—(अ) इसाइ मत के अनुयायी, क्रिश्चियन।

निसवाँ—(अ) स्त्रियाँ, नारियाँ,

महिलाएँ।
निसाश्र—(श्र) स्त्रियाँ, नारियाँ।
निसा—(श्र) धन, सम्पत्ति, पूँजी, रक़म, मूलधन।
निसार—(श्र) निछावर, बलिहार, वह वस्तु जो किसी पर निछावर की गइ हो।
निसिश्राँ—(श्र) भूल चूक, गलती, विस्मरण, भूलना, याद न रहना, स्मरण शक्ति का श्रभाव।
निस्फ़—(श्र) श्राधा, श्रर्ध, किसी वस्तु के दो समान भागों में से एक।
निस्फ़ उन्नहार—(श्र) शीष बिन्दु, वह स्थान जहाँ ठीक मध्याह्न के समय सूर्य होता है।
निस्फ़ा निस्फ़—(श्र) श्राधे श्राध, बराबर श्राधा श्राधा।
निस्बत—(श्र) देखो "निस्बत"
निस्वाँ—(श्र) देखो 'निसवाँ"
निहंग—(फ) घड़ियाल, मगर (जल जन्तु) श्रकेला, एकाकी, नग धड़ग, दिगम्बर।
निहंग लाडला—(मि०) वह जो माँ बाप के लाड़ प्यार में उदण्ड होगया हो।
निहंगे अजल—(मि) यमदूत, काल-वार।
निहाँ—(फ़) गुप्त, छिपा हुश्रा।
निहाख़ाना—(फ) छिपा हुश्रा घर, तहख़ाना,
निहाद—(फ) श्राधार, बुनियाद, जड़, मूल, श्रसल, स्वभाव, उत्पत्ति, मन, हृदय।
निहानी—(फ) छिपाना, छिपा हुश्रा गुप्त, लकड़ी का काम करने वालों का वह श्रोज़ार जिससे खोदकर लकड़ी में चौड़ा छेद बनाते हैं, रुखानी,।
निहायत—(श्र) श्रत्यन्त, बहुत, सीमा हद।
निहार—(फ़) निराहार, बिना खाए-पिए।
निहारी—(फ़) प्रात काल का भोजन, कलेऊ, नाश्ता।
निहाल—(फ) पौधा, वृक्ष, सुन्दर, सफल, जिसका मनोरथ पूरा हो गया हो, कृतकृत्य श्रासेर, शिकार, गद्दा, तोशक।
निहालचा—(फ) छोटा वृक्ष या पौधा, गद्दा, तोशक।
निहाली—(फ) रज़ाइ, लिहाफ़, गद्दा, तोशक।
नी—(श्र) कच्चा, श्रधपका।
नीश्रत—(श्र) विचार, भावना,

इच्छा, सकल्प, मंशा, उद्देश्य ।
नीको—(फ) सुन्दर, उत्तम, बढिया, अच्छा, भला । देखो "निको"
नीकोई—(फ) देखो "निकोई"
नीको कारि—(फ़) अच्छे काम करने वाला, भलाई करने वाला ।
नीको कारी—(फ) देखो "निको कारी"
नीज—(फ) भी, और ।
नीम—(फ) आधा, बीच, मध्य ।
नीम आस्तीन—(फ) आधी बाँहों की कुर्ती या कमीज़ ।
नीम कश—(फ) आधा खींचा हुआ, निकाला हुआ, तलवार या तीर आदि जो म्यान या तरकश में से आधा बाहर निकाला गया हो ।
नीम कारा—(फ) अधूरा काम, बे ढगा काम ।
नीम खाया—(फ़) आकाश, आस मान ।
नीम खुर्दा—(फ़) अध खाया, खाने से बचा हुआ उच्छिष्ट, जूठा ।
नीमचा—(फ) कटारी, छोटी तल वार ।
नीमजाँ—(फ) अध मरा, जो मरने के क़रीब हो मरणासन्न, मरणोन्मुख, प्रेमी ।
नीम निगाह—(फ) कटाक्ष, तिरछी नज़र ।
नीम बाज—(फ) अधखुला ।
नीम बिस्मिल—(फ) जिसकी गर्दन अध काटी गई हो, घायल, अध मरा, सिसकता हुआ ।
नीम रग—(फ) हलका रंग, उड़ा हुआ रग ।
नीम रज़ा—(फ) अर्ध स्वीकृति, कुछ कुछ रज़ामन्दी, थोड़ा सन्तोष ।
नीम रस—(फ़) पक्षी का वह बच्चा जिसके पंख पूरे न निकले हों, गदेला ।
नीम राज़ी—(फ) अर्ध सन्तुष्ट, जो कुछ-कुछ प्रसन्न हो गया हो ।
नीम रुख़—(फ) करवट से लिया गया या बनाया गया चित्र जिसमें आधा चेहरा दिखाइ दे ।
नीम रोज़—(फ) मध्याह्न दोपहर ।
नीम हिलाल—(फ) प्रिय का ओष्ठ ।
नीमा—(फ) आधा, मुसलमान स्त्रियों के ओढ़ने का बुरक़ा ।
नीमास्तीन—(फ) देखो "नीम अस्तीन"
नीयत—(अ) देखो "नीअत ।
नील—(फ़) एक प्रकार का पौधा जिससे नीला रग तैयार किया

जाता है, नीला रंग, चोट लगने से शरीर पर पड़ा हुआ काला निशान।

नील का टीका—कलक, लांछन।

नील का बिगडना—चाल-चलन खराब होना, अशुभ बात होना।

नीलगर—(फ़) नील का रंग तैयार करने वाला।

नीलगाव—(फ़) नील गाय, एक जगली पशु जो हिरन से मिलता जुलता होता है।

नील गू—(फ) नीले रग का।

नीलम—(अ) एक रत्न जो नीले रंग का होता है, नील मणि।

नीलाम—(पु) माल बेचने का एक प्रकार जिसमें माल उस आदमी को दिया जाता है, जो उसका सबसे अधिक मूल्य देता है। बोली बोल कर बेचना।

नीलोफ़र—(मि) कुमुदनी, कमल की जाति का एक छोटा फूल जो रात में खिलता है, नील कमल।

नुकता—(फ) रहस्य, भेद, बारीक या सूक्ष्म बात। व्यंग्य या चोज़ भरी बात, वह रहस्य पूर्ण या गूढ बात जिसे हर कोइ न समझ सके। त्रुटि, दोष, ऐब।

नुक़ता—(अ) बिन्दु, बिन्दी।

नुकताचीं—(मि) दोष निकालने वाला।

नुक़ता चीनी—(फ) दोष निकालना, त्रुटि ढूँढना, छिन्द्रान्वेषण।

नुक़तादाँ—(मि०) गूढ बात को समझने वाला, बुद्धिमान, भेद जानने वाला, रहस्य-विद।

नुकता परदाज—(अ) गूढ़ बात कहने वाला। बातचीत करने में चतुर, सुवक्ता।

नुकताबीं—(मि०) दोष देखने वाला, ऐब तलाश करने वाला, छिद्रान्वेषी।

नुक़ता बीनी—(मि०) दोष देखना छिद्रान्वेषण करना।

नुक़ता रस—(मि०) गूढ़ या सूक्ष्म बातों को समझाने वाला, बुद्धिमान।

नुक़ता शिनास—(मि०) देखो "नुकता रस।"

नुक़ता सज—(मि०) देखो "नुक़ता परदाज़" कवि।

नुक़श—(अ) नक़्श का बहुवचन।

नुक़राई—(अ) चाँदी का, रुपहला, सफेद।

नुक़रए खाम—(मि०) विशुद्ध चाँदी।

नुक़रा—(अ) चाँदी, सफ़ेद रंग,

सफ़ेद रंग का (घोड़ा)।

नुक़सान—(अ) हानि घाटा, क्षति, छीजन• कमी, ह्रास, घटी, दोष, अवगुण।

नुक़सान देह—(मि०) हानिकर, नुकसान पहुँचाने वाला।

नुक़ात—(अ) नुक़ता का बहुवचन।

नुकीला—(फ़) नोकदार, बाँका, नाबरू।

नुकूल (अ) देखो "नक़्ल" नकल का बहुवचन।

नुक़ूश—(अ) नक्श का बहुवचन।

नुक़्त—(अ) नुक़ता का बहुवचन।

बेनुक्त सुनाना—खूब खरी खोटी कहना।

नुक़्तए इन्तखाब—(अ) वह चिह्न जो पुस्तक या लेख के किसी पसन्द आने वाले स्थल पर लगाया जाता है, सराहना सूचक चिह्न चुनी हुई या पसन्द की गई चीज़ पर लगाया गया निशान।

नुक़्तएजागार—(फ) पृथिवी, ज़मीन।

नुक्तए शक़—(फ) सन्देह सूचक चिह्न।

नुक्त दाँ—मि०) देखो "नुक़ता दाँ"

नुक्ता—(अ) देखो नुक्ता।

नुक्ल—(अ) अफीम खाना या शराब पीने के साथ खाई जाने वाली चीज़, गज़क, एक प्रकार की मिठाइ, चाट, भोजन के पश्चात् खाइ जाने वाली चटपटी चीज़ें, चित्त प्रसन्न करने वाली चीज़ें।

नुक्ले मजलिस—(अ) मजलिस को प्रसन्न करने वाला, भाँड मसखरा।

नुक्ले महफ़िल—(अ) देखो 'नुक्ले मजलिस"

नुक़्स—(अ) त्रुटि, दोष, कमी, खराबी, बुराई।

नुक्सान—(अ) देखो "नुक़सान'।

नुजबा—(अ) नजीब का बहुवचन।

नुज़हत—(अ) सुख, भोग विलास, आनन्द, प्रसन्नता।

नुज़हत गाह—(मि०) भोग विलास या सैर-सपाटे की जगह।

नुजूमी—(अ) देखो "नजूमी"।

नुज़ूल—(अ) देखो "नज़्ल"।

नुत्क़—(अ) बात करना, बोलना, वाक्शक्ति, बोलने की शक्ति।

नुत्फए नै तहक़ीक़—(अ) वह व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में यह ज्ञात न हो कि इसका बाप कौन है, दोगला।

नुत्फए हराम—(अ) व्यभिचार से

संकल्प शुभ हो।

नेक वख्त—(फ) भाग्यशाली सीधा, सच्चा, आज्ञा पालक (सन्तान)।

नेक मजर—(मि०) सुदर्शन, सुन्दर, खूबसूरत, रूपवान।

नेकवी-नेकी—(फ) भलाई, अच्छाई, सज्जनता, भलमनसाहत।

नेचा—(फ) छोटी नै या नगाली, हुक्के की वह पोली नली जिस पर चिलम रक्खी जाती है।

नेज़ा—(फ) भाला, बरछा, साँग, नरसल, किलक जिसकी कलम बनाते हैं।

नेज़ा बरदार—(फ) भाला रखने वाला बल्लम बरदार।

नेज़ा बाज—(फ) भाला या बरछी चलाने वाला।

ने ने—(फ) नहीं-नहीं।

नेफ़क—(फ) देखो 'नेफा"

नेफा—(फ) पाजामा या लहँगे आदि में वह जगह जिसमें नाड़ा पिरोया जाता है

नेश—(फ) काँटा, शूल, जहरीले जानवरों का डंक, नोंक, अनी।

ने शकर—(फ) इक्षु, दण्ड, गन्ना ईख।

नेशजनी—फ) डंक मारना, दंश देना भौंजी मारना, बुराई या चुगली करना, पैशुन्य।

नेश्तर (फ) फोड़ा चीरने का चाकू, देखो "नश्तर"

नेस्त (फ) अभाव, न होना, जिसकी सत्ता न हो।

नेस्त नाबूद (फ) नष्ट, बरबाद, जिसका पता निशान भी शेष न हो।

नेस्ताँ नेस्तान (फ) नरसलों का जंगल।

नेस्ती (फ) अशुभ आलस्य, नाश न होना, अभाव।

नै (फ) बाँसुरी निगाली बाँस या नरसल की पोली नलकी।

नैचा (फ) देखो "नेचा"

नैचा बन्द (फ) हुक्के का नैचा बनाने वाला।

नैयर (अ) देदीप्यमान नक्षत्र, प्रकाश देने वाला।

नैयरे अकबर (अ) बहुत बड़ा नक्षत्र याना सूर्य सूरज।

नैयरे असगर (अ चन्द्रमा, चाँद।

नैयरे आज़म (अ सूर्य, सूरज।

नैरंग (अ) विचित्रता विविधता, विभिन्नता, चित्रों की रूप रेखा जादू, इन्द्रजाल धोखा, छल कपट।

नैरग बाज़—(फ) छली, कपटी, धूर्त, जादूगर, ऐन्द्र जालिक ।
नैरग साज—(फ़) देखो "नैरंग बाज़ ।
नैरगी—(फ़) घोखेबाज़ी, मक्कारी, जादूगरी, धूर्त्तता, छल, चाल बाज़ी ।
नैरगी ए ज़माना—(फ) दुनिया का उलट फेर ।
नैशाकर—(फ) देखो "ने शकर"
नोक—(फ) सिरा, अग्रभाग, सूक्ष्म अग्रभाग, निकला हुआ कोना, पतला सिरा ।
नोक-झोंक—(मि) व्यग्य, ताना, चुभने वाली बात, छेड़ छाड़, आतंक, दर्प ।
नोकीला—(फ) देखो "नुकीला"
नोके ज़बाँ—(फ) जीभ का अग्रभाग जिह्वाग्र, कण्ठस्थ, मुखाग्र ।
नोज़—(फ़) हिनोज़ का संक्षिप्त, अभी तक, अब तक ।
नोल—(फ़) चोंच, तुण्ड ।
नोश—(फ) पीने वाला यौगिक शब्दों के पीछे जैसे मै नोश शराब पीने वाला । स्वादिष्ट वस्तु रुचिकर प्रिय खान या पीने की कोई बढ़िया चीज़, उत्तम पेय, अमृत मधु शहद, जीवन, ज़हर मोहरा ।
नोशीं—(फ) मधुर मीठा, स्वादु पेय ।
नोशी—(फ) पीना, पीने की क्रिया ।
नौ—(फ) नया, नवीन ।
नौ नौअ—(अ) प्रकार, तरह, भाँति रंग ढग जाति, वर्ण ।
नौआबाद—(फ) नया बसा हुआ ।
नौआमोज़—(फ) नौ सिखुआ, नया सीखतर ।
नौ आवुर्द—(फ) नई बात निकालना, नवाविष्कार ।
नौइयत—(अ) जाति, प्रकार, तरह विशेषता ।
नौ उम्र—(फ) नई अवस्था वाला, नौजवान ।
नौकर—(फ) सेवक, चाकर, टहलुआ, मज़दूर, वेतन लेकर काम करने वाला ।
नौकर शाही—(फ) वह शासन प्रणाली जिसमें शासन सत्ता बड़े बड़े राज कर्मचारियों के हाथ में रहती है
नौकरानी—(फ) स्त्री सेविका, दासी, टहलुई, मज़दूरनी ।
नौकरा—(फ) नौकर का काम सेवा टहल
नौकरी पेशा—(फ) वह व्यक्ति जिसकी जीविका नौकरी से

चलती हो।
नौ खास्ता—(फ) नौजवान।
नौ खेज—(फ) नौजवान।
नौ चन्दा—(मि) नया चन्द्रमा, शुक्र पक्ष की दौज का चन्द्रमा।
नौज—(अ) नऊज का अपभ्रंश, "ईश्वर न करे।"
नौजवान—(फ़) नव युवक, नया जवान, तरुण।
नौजवानी—(फ) नवयौवन, तरुणाई।
नौ दौलत—(फ) जो नया अमीर हुआ हो।
नौ नियाज—(फ) सीखतर, नौ सिखुआ।
नौ निहाल—(फ) नया पौधा, होनहार बालक, बेटा, पुत्र।
नौ पैदा—(फ) नवजात, जो वस्तु अभी पैदा हुई हो।
नौबत—(अ) अवसर, मौका, बारी, संयोग, गति, दशा, आनन्द या मंगल-सूचक बाजों का बजाना, नगाड़ा, शहनाई, कष्ट, नम्बर।
नौबत खाना—(फ) राज-महलों या उत्सवों के स्थानों से दरवाजे के ऊपर बना हुआ विशेष स्थान जहाँ बैठकर नौबत बजाई जाती है, नक्कार खाना।
नौबत-ब नौबत—(अ) एक एक करके, नम्बर वार।
नौबती—(फ) नगाड़ा बजाने वाला, नक्कारची, पहरुआ, बड़ा डेरा, कोतल घोड़ा।
नौ ब नौ—(फ) बिलकुल नया, ताज़ा टटका।
नौबर—(फ) नया फल।
नौबहार—(फ) बसन्त ऋतु का प्रारम्भ, नया बसन्त।
नौमश्क—(मि) जिसने नया अभ्यास किया, सीखतर।
नौ मीद नौमेद—(फ) निराश।
नौमुस्लिम—(मि) जो नया मुसलमान बना हो।
नौरस—(फ) ताज़ा पका फल, प्रत्येक ताज़ा चीज़, संगीत की एक पुस्तक का नाम जो सुल्तान इब्राहीम आदिलशाह के समय में हिन्दी में लिखी गई थी।
नौरोज—(फ) नया दिन, वर्ष का प्रथम दिन।
नौरोजी—(फ़) नौ रोज़ सम्बन्धी, नौ रोज़ का।
नौ वारिद—(फ) नवागत, जो कहीं बाहर से हाल में आया हो।
नौ शहना—(फ) दूल्हे की तरह का, वर के सदृश।

नोशा—(फ) वर, दूल्हा ।

नौशादर—(फ) एक प्रकार का तीक्ष्ण क्षार, नौसादर ।

नोहा—(अ) मृत के प्रति शोकाञ्जलि अर्पित करना, किसी के मरने पर किया जाने वाला शोक, रोना पीटना ।

नौहागर—(अ) शोकाञ्जलि अर्पित करने वाला, शोक मनाने वाला, रोने पीटने वाला ।

न्याज –(फ़) "देखो नियाज़" ।

न्याज मन्द—(फ) देखो नियाज मन्द ।

यावत—(अ) देखो "नियाबत"

न्यामत—(अ) देखो "नियामत"

प

पज—(फ) पाँच,

पज गाना—(फ) मुसलमानों की पाँच समय की उपासना (नमाज़)

पज तन पाक—(फ) मुसलमानों के मतानुसार १–मुहम्मद, २–अली ३–फातिमा, ४–हसन और ५–हुसैन ये पाँच पवित्र आत्माएँ ।

पजवक़्ती—(फ) पाँच वक्त की नमाज़ ।

पज शम्बा—(फ) वृहस्पतिवार, गुरुवार, जुमेरात ।

पजा—(फ) पाँच चीज़ों का समूह, पञ्चक, पहुँचे से आगे वाला हाथ का भाग जिसमें हथेली और पाँचों उंगलियाँ हैं, ताश का वह पत्ता जिसमें पाँच निशान होते हैं । किसी धातु की बनी आदमी के हाथ की प्रतिकृति जिसे बहुत से मुसलमान फ़क़ीर अपने पास रखते हैं अथवा मुसलमान लोग ताजियों के साथ एक बाँस में लगाकर झंडे की तरह आगे-आगे ले चलते हैं ।

पजी—(फ) वह मशाल या दीपक जिसमें पाँच लौ या बत्तियाँ जलती हों ।

पकना—(फ) मोटा और छोटा आदमी, जानवर आदि ।

पख—(फ) अड़ गा, अड़चन, कठिनाइ, मल, विष्ठा, हल्ला गुल्ला, असभ्यता पूर्ण बातें ।

पख पख—(फ) साधुवाद, खुश खुश ।

पखिया—(फ) व्यर्थ का दोष देखने वाला, अड़ गा लगाने वाला ।

पगाह—(फ) प्रातःकाल, सवेरा तड़का, प्रभात ।

पज दिहन्दा—(फ) जासूस, गुप्तचर ।

पज़मान—(फ) मुरझाया हुआ, म्लान उदास, चिन्तित, शोभाहीन।

पज़मुर्दा—(फ) कुम्हलाया हुआ, मुरझाया हुआ, उदास, म्लान।

पज़ावा—(फ) ईंटें पकाने का भट्ठा, पज़ावा।

पज़ीदन—(फ) पकाना, पकाने की क्रिया।

पज़ीर—(फ) मानने वाला, स्वीकार करने वाला, ग्रहण करने वाला।

पज़ीरा—(फ) मानने योग्य, स्वीकार करने योग्य।

पज़ीराई—(फ) स्वीकृति, मानना।

पतील—(फ) दीपक की बत्ती।

पतील सोज़—(मि०) धातु की बनी दीवट जिसमें कई बत्तियाँ रखने के लिए चारों ओर मुँह बने रहते हैं।

पद—(फ) वह वृक्ष जो फलता न हो।

पनाह—(फ) शरण, रक्षा, रक्षा स्थान।

पनाह मांगना—रक्षा के लिए प्रार्थना करना।

पनीर—(फ) दूध को फाड़ कर बनाया हुआ छेना, वह दही जिसको कपड़े में बाँध कर पानी निचोड़ लिया गया हो।

पन्द—(फ) उपदेश, शिक्षा अच्छी बातें।

पन्दार—(फ) घमण्ड, समझ, अनुमान, अटकल, आशा, चाहना।

पयापी—(फ) लगातार।

पयाम—(फ) सन्देश, समाचार।

पयामबर—(फ) सन्देशवाहक समाचार ले जाने वाला।

पर—(फ) पंख, पक्षियों के पर, पक्ष, किनारा, कोना।

पर काट देना—किसी को अशक्त या साधनहीन बना देना।

पर जमना—किसी सीधे-सादे आदमी का धूर्तता करने लगना।

पर न मार—किसी का झाँक भी न सकना, पैर भी न रख सकना।

परकार—(फ) गोल वृत्त खींचने का एक औज़ार।

परकाला—(फ) टुकड़ा, हिस्सा, भाग अंश, आग की चिनगारी काँच का टुकड़ा।

परख़ाश—(फ) लड़ाई झगड़ा टंटा।

परगना—(फ) ज़िले का एक भाग जिसमें बहुत से गाँव हों।

परचम—(फ) भाले में बाँधने का कपड़ा, पताका, फरेरा, चवर,

पहाड़ी गाय की पूंछ, जुल्फें।

परचा—(फ) खंड, टुकड़ा, कागज का टुकड़ा, चिट्ठी, रुक्का।

परचीन—(फ) खेत या बागके चारों ओर काँटों आदि की बनाइ हुई बाढ़।

परतू परतो—(फ) किरण, प्रकाश, प्रतिच्छाया।

परदए जम्बूर—(फ) जालीदार बुरका।

परदगी—(फ) परदे में रहने का भाव, आड़, छिपाव, पर्दे में रहने वाली।

परदा—(फ) ओट, आड़, छिपाव दरवाज़े पर टाँगने का कपड़ा, चिक, एकान्त, सितार आदि बाजों का पर्दा जिस पर उंगली रखने से भिन्न भिन्न प्रकार के स्वर निकलते है, स्त्रियों की पर पुरुषों से छिप कर रहने की प्रथा, आड़ करने के लिए बनाई गइ छोटी दीवार, परत, तह।

परदाख्तन—(फ़) सजाना, मुसज्जित करना, बनाना, करना, बाजों का बजाना, निवृत्त होना, छोड़ना, पूरा करना समाप्त करना, देख भाल करना।

परदाज़—(फ) सजावट, सजाना, बेल-बूटे बनाना, चित्रकारी या नक्‌शी करना।

परदाज़ी—(फ) सजाने या चित्रकारी करने की क्रिया।

परदा दरीदन—(फ) रहस्योद्घाटन, भेद खोल देना।

परदा दार—(फ) जिसमें परदा लगा हो, परदे में रहने वाला, दरबान।

परदा दारी—(फ़) परदे में रहना।

परदा नशीन—(फ़) परदे में रहने वाली।

परदा पोश—(फ) किसी के भेद या दोष को छिपाने वाला।

परदार—(फ) जिसके पर हों, परों वाला।

परन्द—(फ) पक्षी, पखेरू।

पर व बाल—(फ) शक्ति, सामर्थ्य।

परवर—(फ़) पालने पोसने वाला, पालक, रक्षक।

परवरदा—(फ) पाला-पोषा, पाला हुआ, पालित।

परवरदिगार—(फ़) ईश्वर का एक विशेषण, पालन करने वाला।

परवरिश—(फ़) पालन-पोषण।

परवर्दा—(फ़) देखो "परवरदा"।

परवा—(फ) चिन्ता, भय, आशंका,

खटका, ध्यान, सावधानी, भरोसा, आसरा।

परवाज़—(फ़) उड़ना, निछावर।

परवानगी—(फ) आज्ञा, अनुमति।

परवाना—(फ) पतगा, तितली, आज्ञापत्र।

परवेज़—(फ) खुसरो नामक बादशाह जो नौशेरवाँ का नाती था। विजयी।

परस्त—(फ़) पूजक, पूजने वाला, मानने वाला।

परस्तार—(फ) पूजा या उपासना करने वाला, सेवक, दास।

परस्तिश—(फ) पूजा, आराधना।

परस्तिशगाह—(फ) पूजा करने की जगह, आराधना करने का स्थान।

परहेज़—(फ़) पापों तथा प्रतिकूल वस्तुओं से बचना, स्वास्थ्य रक्षा के लिए खाने-पीने में संयम रखना।

परहेज़गार—(फ) दोषों और पापों से बचने वाला, संयमी।

पर हुमा—(फ) कलगी।

परा—(फ) पंक्ति श्रेणी।

परागन्दा—(फ) अस्तव्यस्त, तित्तर-बित्तर, बिखरा हुआ। दुर्दशा ग्रस्त।

परिन्दा—(फ) पक्षी, परों वाला जानवर।

परिस्तान—(फ) वह स्थान जहाँ बहुत-सी सुन्दरी स्त्रियाँ रहती हों। परियों के रहने की जगह।

परी—(फ) एक प्रकार की कल्पित अत्यन्त सुन्दरी और पर वाली स्त्रियाँ, सुन्दरी, एक प्रकार का अत्यन्त मुलायम कपड़ा।

परीख़्वान—(फ़) मन्त्र-तन्त्रों द्वारा परियों या भूतों को वश में रखने वाला झाड़ फूँक करने वाला, ओझा, स्याना।

परीज़ाद—(फ) परी की सन्तान, अत्यन्त सुन्दर।

परीना—(फ़) पुराना।

परी पैकर—(फ) जिसका चेहरा परी के चेहरे जैसा सुन्दर हो, सुन्दर प्रेम-पात्र, प्यारा।

परीरू—(फ) जिसका मुँह परी के मुँह जैसा सुन्दर हो।

परीवश—(फ) परी के जैसे सुन्दर चेहरे वाला, अत्यन्त सुन्दर।

परेशान—(फ़) व्यथित, आपत्ति ग्रस्त, व्याकुल, व्यग्र, उद्विग्न।

परेशानी—(फ) व्याकुलता, उद्विग्नता, व्यथा, आपत्ति।

पलग—(फ़) बड़ी खाट, एक चीते

की जाति का हिंसक जन्तु।

पलग पोश—(फ) पलग पर बिछाने की चादर।

पलक—(फ) आँखों के ऊपर का खाल का ढकन, बिनूनियाँ, पपोटे।

पलक बिछाना—किसी का अत्यन्त आदर से स्वागत करना।

पलक लगाना—नींद आना, आँख झपकना।

पलास—(फ) सनका बना मोटा कपड़ा, टाट, जाजम, ढाक का पेड़।

पलीता—(फ) बड़ आदि के रेशों की बनाई हुई वह बत्ती जिसके द्वारा तोड़ादार बन्दूक या तोपों में आग लगाई जाती है।

पलीद—(फ) दुष्ट, नीच, अपवित्र, मलिन, अशुद्ध।

पल्ला—(फ) पद, दरजा, सीढ़ी का डंटा, तराज़ू का पलड़ा। ढाक का वृक्ष।

पशेमान—(फ) लज्जित, पछताने वाला, पश्चात्ताप करने वाला।

पशेमानी—(फ) लज्जा, पछतावा, पश्चात्ताप।

पश्तो—(फ) अफगानिस्तान में बोली जाने वाली बोली।

पश्म—(फ) भेड़ के बच्चों की ऊन, बहुत ही बढ़िया और मुलायम ऊन, उपस्थेन्द्रिय पर के बाल, अति तुच्छ वस्तु।

पश्मीना—(फ) पश्म से तैयार किया गया बहुत बढ़िया ऊनी कपड़ा।

पश्शा—मच्छर।

पस—(फ) तब, तो, अन्तत, निदान, इसलिए, पीछे।

पस अन्दाज़—(फ) वृद्धावस्था के लिए बचाकर रखा गया धन।

पस अन्देश—(फ) अदूर दर्शी।

पस अफगन्दा—(फ) खर्च से बचा कर किसी दूसरे अवसर पर काम आने के लिए रखी गई चीज़, बीट, गोबर।

पस आहंग—(फ) सेना का पिछला भाग, चन्दावल।

पस खुर्दा—(फ) भोजन के पश्चात् थाली में बचा हुआ अन्न, जूठन, उच्छिष्ट। उच्छिष्ट-भोजी, जूठन खाने वाला।

पस गैबत—(मि०) अनुपस्थिति में, पीठ पीछे।

पसन्द—(फ) रीझ, रुचि, इच्छा, अभिरुचि।

पसन्दीदा—(फ) मन चाहा, पसन्द किया हुआ, अच्छा। बढ़िया,

चुना हुआ।
पसपा—(फ) पीछे पैर हटाने वाला, पीछे हटने वाला।
पसमॉन्दा—(फ) पीछे शेष रहा हुआ, जो पीछे रह गया हो।
पसरौ—(फ) अनुगामी, पीछे चलने वाला।
पसोपेश—(फ) सोच-विचार, सकल्प, असमजस।
पस्त—(फ) साहस हीन थका हुआ, शिथिल, अधम, नीच।
पस्ता क़द—(फ) नाटा, ठिंगना।
पस्ती—(फ) थकान, शिथिलता, अधमता, नीचता।
पहन—(फ) चौड़ा, विस्तृत, विस्तीर्ण।
पहना—(फ) चौड़ाइ, विस्तार।
पहलव—(फ) एक नगर विशेष, बहादुर, वीर, साहसी, धनी, लाभ, फ़ायदा। फारस देश का पुराना नाम।
पहलवान—(फ) वीर, बहादुर, शक्तिशाली, साहसी, बली, मल्ल, कुश्ती लड़ने वाला, हृष्ट पुष्ट।
पहलवी—(फ) फारस की सात भाषाओं म से एक अत्यन्त पुरानी भाषा जिसमें पारसियों का धर्म्म ग्रन्थ जिन्द आवस्ता लिखा गया है। पारसी मज़हब।
पहलू—(फ़) बग़ल, पार्श्व, बाज़ू, करवट, ओर, दिशा, तरफ़।
पहलूतिही—(फ) किनारा करना, बचा जाना, बात से फिर जाना इनकार ध्यान न देना।
पा—(फ) पैर, पाँव, टाँग, नींव, शक्ति, अधीन, आधार, (यौगिक शब्दों के अन्त में) ठहरने वाला,
पांइन्दा—(फ) तीव्रगामी, दौड़ने वाला।
पाइया—(फ़) घोड़े की एक चाल जो न तेज़ हो न धीमी।
पाईं—(फ) नीचे।
पाईदन—(फ) खोजना, ढूँढना।
पाईपरस्ती—(फ) टहल, चाकरी, सेवा।
पाक—(फ) पवित्र, निष्पाप, निरपराध, स्वच्छ, निर्मल, खालिस, जिस पर कोई देन-दारी या ऋण आदि न हो।
पाक दामन—(फ) सदाचारी, सच्चरित्र, निर्दोष। यह शब्द प्राय स्त्रियों के लिए व्यवहृत होता है।

पाक नफ्स —(मि०)सदाचारी, पवित्र आचरणों वाला।
पाक बाज—(फ) पवित्र आदमी, सच्चरित्र।
पाकार—(फ) सेवक, टहलुआ, भगी।
पाकी—(फ) स्वच्छता, पवित्रता, सफाई, उस्तरे से बाल मूँड़ना, विशेष कर उपस्थेन्द्रिय पर के, उपस्थेन्द्रिय के बाल, बाल मूड़ने का उस्तरा।
पाकीजा—(फ) पवित्र, शुद्ध, निर्दोष, सुदर।
पाखाना—(फ) विष्ठा, मल, पुरीष, मल त्यागने का स्थान सडास।
पागोश—(फ) पानी में डुबकी लगाना।
पाचक—(फ) कंडा, उपला।
पाजामा—(फ) पैरों में पहनने का सिला हुआ प्रसिद्ध वस्त्र, इजार, सुथना।
पाजी—(फ) अधम, नीच, अयोग्य, दुष्ट, छोटी श्रेणी का नौकर।
पाजेब—(फ) स्त्रियों के पैरों में पहनने का गहना, नूपुर मंजीर।
पातराब—(फ) यात्रा, प्रस्थान, सफ़र।
पाताबा—(फ) पैरों में मोज़ों के ऊपर पहनने का कपड़े का बना जूता।
पाद—(फ) रक्षक, निरीक्षक।
पादग(फ) धान कूटने की ढेकली।
पादशाह—(फ) बड़ा राजा, बादशाह, सम्राट्।
पादाश—(फ)फल, परिणाम, नतीजा। (अधिकतर बुरे कामों का)
पापोश—(फ) जूता, उपानत्।
पाप्यादा—(फ) पैदल, बिना सवारी के।
पाबन्द—(फ) विवश अधीन, बँधा हुआ किसी आज्ञा, नियम बात या प्रतिज्ञा का नियम से पालन करने को बाध्य। जाल, रस्सी।
पाबन्दी—(फ) बन्धन, प्रतिबन्ध क़ैद।
पा ब जजीर—(फ) जिसके पैर साँकल से बँधे हों, जिसके पैरों में बेड़ियाँ पड़ी हों।
पा ब रक़ाब—(फ) प्रस्थान के लिए उद्यत, यात्रा के लिए तैयार, जिस के पैर घोड़े के रक़ाब में रखे हों।
पा बोस—(फ) चरण चूमने वाला, चाटुकार, खुशामदी।
पा-बोसी—(फ) चरण चूमना (अपने से बड़ों के शिष्टाचार वश), चाटुकारी, खुशामद, चापलूसी।
पा-माल—(फ,प द-दलित, पैरों से

कुचला हुआ, दुदशा-ग्रस्त।

पा-मोज—(फ) एक जाति का कबूतर जिसके पैरों पर भी रोए होते हैं।

पाय—(फ) पाद, पैर, पाँव, आधार, नींव, नीचे का भाग।

पायक—(फ) पदाति, प्यादा, पैदल चलने वाला सिपाही, दूत, सदेश वाहक, हरकारा, छोटा कर्मचारी, कर उगाहने वाला।

पायकूब—(फ) नाचने वाला, नर्तक, नचकैया।

पायखाना—(फ) मलमूत्र त्यागने का स्थान, संडास टट्टी।

पायगाह—(फ) पद, ओहदा।

पायजामा—(फ) देखो "पाजामा"।

पायतख्त—(फ) राजधानी।

पायतराब—(फ) यात्रा प्रारम्भ करने के दिन कुछ दूर का चलना।

पायताबा—(फ) देखो 'पाताबा"।

पायदान—(फ) पैर रखने की जगह, सवारी आदि में चढने के लिए लोहे या लकड़ी का बना पैर रखने का स्थान। जूते उतारने की जगह।

पायदार—(फ) दृढ़, टिकाऊ, मज़बूत, पक्का, सदा।

पायदारी—(फ) दृढ़ता, टिकाऊपन, मज़बूती।

पायन्दाज़—(फ) पाँवड़ा, कमरों के दरवाज़े में पैर पोंछने के लिए बिछाया जाने वाला छोटा बिछावन।

पायपस्त—(फ) पद दलित पीड़ित।

पायनन्द—(फ) "देखो" पाबन्द।

पायमर्द—(फ) सहायक, मददगार।

पायमर्दी—(फ) सहायता, मदद-बल।

पायमाल—(फ) देखो "पामाल"।

पाया—(फ) खाट चौकी कुर्सी आदि के पैर, टाँग, सीढ़ी, ज़ीना, खम्भा, पद, स्थान ओहदा प्रतिष्ठा।

पायान—(फ) समाप्ति, अन्त।

पायाब—(फ) नदी आदि का इतना उथला पानी जिसमें घुस कर पैदल पार जाया जासके। पाँझ।

पार—(फ) गत, गया हुआ।

पारक़ाब—(फ) सहचर बड़े आदमियों के साथ साथ चलने वाले लोग। यात्रा के लिए उद्यत।

पारचा—(फ) वस्त्र, कपड़ा, कपड़े का टुकड़ा।

पारदुम—(फ) घोड़े के ज़ीन की

पारस—(फ) एक देश, फारस।
पारसा—(फ) निष्पाप, पवित्र, सदाचारी, धर्मनिष्ठ, बुरे कामों से बचने वाला।
पारसाई—(फ) पवित्रता, सदाचार, धर्म निष्ठता।
पारसी—(फ) पारस देश का रहने वाला, पारस देश की भाषा या और कोई वस्तु, फारसी।
पारा—(फ) टुकड़ा, हिस्सा, खंड, भाग, प्रसाद, वित्राहित, भेंट, उपहार।
पारीना—(फ) 'प्राचीन, पुरातन पुराना।
पाला—(फ) कोतल घोड़ा।
पालान—(फ) गधे की कमर पर कसा जाने वाला सामान जिस पर बोझा लादा जाता है।
पालायश-पालाश—(फ) साफ करना, स्वच्छता, सफाई।
पालूदा—(फ) स्वच्छ, साफ।
पालेज—(फ) खरबूज, तरबूज ककड़ी आदि की खेती। उजड़ा।
पाश—(फ) फटना, टुकड़े-टुकड़े होना, विदीर्ण होना, खंड।
पाशा—(तु०) बहुत बड़ा अफसर, प्रान्तका शासक।
पाशी—(फ) छिड़कना, सींचना, तर करना (यौगिक शब्दों के अंत में)
पाशीदन—(फ) छिड़कना।
पास—(फ) पक्षपात, लिए, रक्षा, पहरा, चौकी, लिहाज़, सकोच, एक पहर का समय।
पासग—(फ) वह बोझ जो तराजू के पलड़ों का भार बराबर करने के लिए हलके पल्ले की ओर बाँधा जाता है।
पास-खातिर—(फ) लिए, वास्ते, निमित्त, किसी की ख़ातिर।
पासदार—(फ) रक्षक, रखवाला, चौकीदार, पक्ष करने वाला।
पास दारी—(फ) रक्षा, चौकीदारी, रखवाली, पक्षपात। तरफदारी, देख भाल, चौकसी।
पासवान—(फ) रक्षक, पहरेदार, रखेली स्त्री, रखनी।
पासवानी—(फ) रक्षा, चौकीदारी, देख भाल।
पासब्ज़—(फ) सब्ज़ क़दम, अशुभ, मनहूस।
पिंजड़ा—(फ) पक्षियों के रहने के लिए लकड़ी या लोहे की तीलियों का बनाया हुआ दरबा। पिंजर।

पिदर—(फ) बाप, पिता।
पिदरवार—(फ) पिता के समान, पिता के अनुसार।
पिदराना—(फ) पिता के समान, पिताका सा पिता की तरह का।
पिदरी—(फ) पिता का, पैतृक।
पिनहाँ—(फ) गुप्त, छिपा हुआ।
पिन्दार—(फ) घमण्ड, कल्पना, अनुमान, अटकल, आशा, चाहना, समझ, बुद्धि।
पिशवाज—(फ) वेश्याओं की नाचने के समय पहनने की पोशाक। एक विशेष प्रकार का घाघरा।
पिसर—(फ) पुत्र, बेटा, लड़का।
पिसराक—(तु०) खच्चर।
पिस्ताँ—(फ) स्त्रियों के स्तन, कुच।
पिस्ता—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध सूखी मेवा।
पी—(फ) पाँव, खोज, पद चिह्न, लिए, बल।
पीनक—(फ) ऊँघ, तन्द्रा, अफीम के नशे की अवस्था।
पीर—(फ) वयोवृद्ध, बूढ़ा, महात्मा, सिद्ध, सोमवार।
पीरजा—(फ) बुढ़िया, अँगीठी।
पीरजादा—(फ) किसी महात्मा के वंश का।
पीरसाल—(फ) बूढ़ा, बूढ़ी।
पीराई—(फ) एक प्रकार के मुसलमान जो बाजा बजाते और पीरों के गीत गाते हैं।
पीराना—(फ) वृद्धों का सा ढंग व्यवहार आदि।
पीरी—(फ) वृद्धावस्था, बुढ़ापा, महन्तपन, गुरुआई, चेले मूँड़ने का धंधा, हुकूमत, शासन, ठेका, इजारा।
पीरे मुगाँ—(फ) अग्नि की उपासना करने वाला, प्रिय, प्रेम-पात्र।
पीरोज—(फ) विजयी सफल।
पीरोजा—(फ) एक बहुमूल्य नीले रंग का पत्थर।
पील—(फ) हाथी, बहुत मोटा या भारी, चमड़े का थैला।
पीलतन—(फ) स्थूल काय, हाथी के समान मोटे शरीर वाला।
पीलपा—(फ) हस्तिपाद, श्लीपद, एक बीमारी जिसमें आदमी के पैर फूल कर हाथी के पैर जैसे हो जाते हैं।
पील पाया—(फ) हाथी का पैर, बहुत मोटा खम्भा।
पील माल—(फ) हाथी के पैरों से कुचलवाना।
पीलवान—(फ) हाथी को हाँकने

वाला, हाथीवान, महावत।

पीलवाला—(फ) हाथी के शरीर जैसा।

पीला—(फ) हाथी, रेशम का कीड़ा।

पीले माल—(फ) माल असबाब से लदा हुआ हाथी।

पी सफेद—(फ) अशुभ या मनहूस पाँव वाला।

पुख्त—(फ) लात मारना।

पुख्ता—(फ) पका हुआ, पक्का, दृढ़ चतुर मनुष्य।

पुख्तारी—(फ) एक प्रकार की बढ़िया रोटी, वह रोटी जो गोश्त के प्याले पर उसे गरम रखने के लिए रक्खी जाती है।

पुज्रशक—(फ) चिकित्सक, जर्राह।

पुदीना—(फ) एक प्रसिद्ध वनस्पति जिसकी पत्तियाँ चटनी, रायता आदि बनाने के काम में आती हैं।

पुर—(फ) बहुत, भरा हुआ, परिपूर्ण।

पुरकार—(फ) मोटा, दलदार, चतुर, चालाक।

पुरजा—(फ) टुकड़ा, चिथड़ा, कतरन, धज्जी, भाग, अंश, अवयव, अंश, लिखा हुआ छोटा पर्चा।

पुरताब—(फ) बलवान, शक्ति-सम्पन्न।

पुरदिल—(फ) वीर, बहादुर।

पुरफिजा—(मि०) शोभा से परिपूर्ण, सौन्दर्य से भरा हुआ।

पुरस—(फ) पूछना, दरियाफ्त करना।

पुरसाँ—(फ) पूछने वाला।

पुरसा—(फ) मातम पुरसी, शोक प्रकाशन, किसी मरे हुए व्यक्ति के घर वालों को सान्त्वना देना।

पुरसिश—(फ) पूँछना।

पुरसी—(फ) पूछना (यौगिक शब्दों के अन्त में)।

पुरी—(फ) भरना, पूरा करना, पूर्णता, भरा होना।

पुर्स—(फ) देखो 'पुरस"

पुल—(फ) नदी या किसी अन्य जलाशय के पार जाने के लिए नावों या खम्भों पर पाट कर बनाया हुआ मार्ग, सेतु।

पुल बाँधना—किसी चीज़ की बहुत अधिकता या भरमार कर देना।

पुल टूटना—अतिशय या अधिकता होना, भरमार होना, ढेर या जमघट लग जाना।

पुल फ़िल—(फ) काली मिर्च।

पुलाव—(फ) मांसोदन, मास के साथ मिलाकर पकाए हुए चावल।

पुश्त—(फ) पीठ, कमर, पृष्ठ, सहारा, पूर्वज, पीढी।

पुश्तक—(अ) मारना, झाड़ना। (फ) घोड़े आदि का पिछले पैरों से मारना।

पुश्तख़ार—(फ) घोड़ों आदि की पीठ खुजाने का पंजा, खुजैरा या खुरैरा।

पुश्त पनाह—(फ) पृष्ठ-पोशक, हिमायती, रक्षक, आश्रय स्थान।

पुश्ता—(फ़) पानी आदि की रोक के लिए बनाई गई ऊँची मेंड़, बाँध, दीवार के सहायतार्थ उसके सहारे बनायी गई दूसरी दीवार, किताब की जिल्द में पीछे की ओर लगाया गया कपड़ा या चमड़ा। टीला।

पुश्तारा—(फ) उतना बोझा जो पीठ पर उठाया जा सके।

पुश्ती—(फ) पुष्टि, समर्थन, सहायता, पृष्ठ पोषण, पुस्तक की जिल्द का पुट्ठा।

पुश्तीवान—(फ) पृष्ठ पोशक, सहारा देने वाला, किवाड़ों में तख्तों के ऊपर या पीछे तिरछी लगाई जाने वाली पटरियाँ।

पुश्तैनी—(फ) पूर्वजों के समय का, दादा-परदादा के आगे का, कई पुश्तों से चला आने वाला, बहुत पुराना।

पुस्त—(फ) पीठ, कमर, शक्ति, मादकता बढ़ाने वाली वस्तु।

पूज—(फ) पशुओं का चेहरा, जानवरों का मुँह।

पूजबन्द—(फ) पशुओं के मुँह पर बाँधने की जालीदार थैली, मुछीका।

पेच—(फ) चक्कर, घुमाव, फिराव, झंझट, बखेड़ा, चालाकी, धूर्तता, युक्ति, तरकीब, पगड़ी या साफ़े के लपेट, कल, मशीन, पुर्जे, एक प्रकार की कील जो किसी चीज़ में घुमा घुमा कर कसी जाती है।

पेचक—(फ़) सीने के वास्ते बटे हुए बारीक धागे की गोली।

पेच दर पेच—(फ) जिसमें पेच के भीतर और भी पेच हों, लपेट के नीचे और लपेट।

पेचदार—(फ़) टेढ़ा-मेढ़ा, कठिन, उलझन का, जिसमें कल-पुर्जे

लगे हों, किसी चीज़ का कोई ऐसा भाग जो घुमा-फिरा कर उससे अलग किया और जोड़ा जा सके।

पेचवान—(फ) एक विशेष प्रकार का हुक्का।

पेचा—(फ) घुमावदार, लिपटा हुआ, पेचीला।

पेचिश—(फ) एक बीमारी जिसमें आदमी को बार बार दर्द करके थोड़ा थोड़ा आँव मिला दस्त होता है। एठन, मरोड़।

पेचीदा—(फ़) कठिन, जटिल, गूढ़, टेढ़ा-मेढ़ा, जो जल्दी समझ में न आसके। घुमावदार।

पेश—(फ़) आगे, सामने, अगला भाग, फारसी लिपि म ह्रस्व प्रकार की मात्रा का द्योतक चिह्न जो अक्षरों के ऊपर लगाया जाता है।

पेश आना—(फ) व्यवहार करना, आगे आना।

पेश आहंग—(फ) सेना का अग्र भाग, हरावल, सेना के आगे चलने वाला व्यक्ति।

पेश क़दमी—(फ) आगे पैर बढ़ाना, किसी काम में आगे बढ़ना, आक्रमण, नेतृत्व।

पेश क़ब्ज़—(फ) एक अस्त्र विशेष, कटार, पहलवानों का एक दाव।

पेशकार—(फ) सामने काम करने वाला, हाकिम के आगे काग़ज़-पत्र रखने वाला।

पेशकारी—(फ) पेशकार का काम या पद।

पेशख़ेमा—(फ) सेना का वह सामान जो पहले ही आगे के मुक़ाम पर पहुँचा दिया जाता है, सेना का अग्रभाग, हरावल, किसी होने वाले काम के पहले ही से दिखाइ देने वाले चिह्न।

पेश ख़ेर—(फ) सेवक, चतुर, रात्रि का प्रारम्भ।

पेशगाह—(फ) मकान के आगे का खुला हुआ हिस्सा, आँगन, सहन, चौक, अमीरों की गद्दी और बादशाहों के तख्त के आगे बिछाया जाने वाला बिछौना।

पेशगी—(फ़) वह धन जो किसी काम के निमित्त काम करने वाले को पहले ही दिया जाय, अगाऊ।

पेश गोई—(फ) भविष्य में होने वाले किसी काम की पहले ही सूचना देना, भविष्य कथन।

पेशतर—(फ़) पहले ही, पूर्व।

पेशताक़—(फ़) राजमहल का द्वार, दरवाज़े के आगे का मैदान।

पेशदस्त—(मि०) किसी काम की पहले से व्यवस्था करने वाला, पेशकार, नायब।

पेश दस्ती—(मि०) किसी काम की पहले से ही व्यवस्था करना।

पेश दामन—(फ) नौकर, सेवक।

पेशनमाज़—(फ) मुसलमानों का वह धार्मिक अगुआ जो नमाज़ पढ़ने के समय सबसे आगे खड़ा होता है। इमाम।

पेशबन्द—(फ़) घोड़े के चारजामे का वह बंद जो घोड़े की गर्दन के नीचे से ले जाकर दूसरी ओर चारजामे में बाँधा जाता है।

पेशबन्दी—(फ़) किसी काम की पहले से की गई व्यवस्था, किसी बात की पहले से की गई रोक थाम।

पेशबीं—(फ) आगे होने वाली बात को पहले ही देख या समझ लेने वाला, अग्रसोची, दूरदर्शी बुद्धिमान।

पेशबीनी—(फ़) दूरदर्शिता, किसी बात को पहले ही जान लेना।

पेश रौ—(फ) आगे चलने वाला, पथ प्रदर्शक।

पेशवा—(फ) नेता, अगुआ, सरदार, उपदेष्टा, मरहट्टा राजाओं के प्रधान मन्त्रियों की उपाधि।

पेशवाई—(फ़) किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के अपने घर आने पर कुछ आगे बढ़कर उसका स्वागत करना, अगवानी।

पेशवाज़—(फ) स्वागत, अगवानी स्वागत करने वाला, स्त्रियाँ विशेषकर नर्तकियों के पहनने की विशेष पोशाक।

पेशा—(फ) उद्यम, व्यवसाय, वह काम जो जीविकोपार्जन के लिए किया जाय।

पेशानी—(फ) अगला या ऊपरी भाग (किसी चीज़ का) मस्तक माथा, भाग्य, कढ़ाइ निर्लज्जता, चपलता, योग्यता, सभ्यता, उदारता।

पेशाब—(फ) मूत्र, मूत।

पेशाब खाना—(फ) मूत्र त्याग करने का स्थान।

पेशावर—(फ़) किसी प्रकार का पेशा करने वाला, व्यवसायी, भारत के पश्चिमी सीमा प्रान्त का प्रदेश।

पेशी—(फ) अभियोग की सुनवाई, हाकिम के आगे किसी अभियोग

को उपस्थित करने की क्रिया। सामने उपस्थित होने का भाव।

पेशीन—(फ) अगला, भविष्य का।

पेशीन गोई—(फ) भविष्य कथन, आगे की बात बताना।

पेशीना—(फ) अगला, पहले वाला।

पेश्तर—(फ) देखो "पेशतर"।

पै—(फ़) पैर, पदचिह्न।

पैक—(फ) समाचार लेजाने वाला, सन्देश वाहक।

पैकर—(अ) रूप और शरीर, चेहरा, मुख।

पैकान—(फ) तीर का फल, गाँसी।

पैकार—(फ) फुटकर सौदा बेचने वाला, गलियों में घूम फिर कर सामान बेचने वाला। युद्ध, लड़ाई।

पैख़ाना—(फ़) देखो "पाख़ाना"

पैग़म्बर—(फ) ईश्वरीय सन्देश को मनुष्यों तक लाने वाला।

पैग़ाम—(फ़) सन्देश, सन्देशा। वह बात जो कहला भेजी गई हो।

पैज़ार—(फ़) उपानत्, जूता।

पै दर पै—(फ़) बार-बार, लगातार, क्रमशः।

पैदा—(फ़) प्रसूत, उत्पन्न, आविर्भूत, प्रकट, उपार्जित, कमाया हुआ, प्राप्त।

पैदाइश—(फ) उत्पत्ति।

पैदाइशी (फ) जन्म सिद्ध जन्म-जात, जो जन्म से ही हो।

पैदावार—(फ) भूमि की उपज, अन्न आदि जो खेत में बोने से प्राप्त हो।

पैमाइश—(फ) भूमि आदि नापने की क्रिया या विधि, नाप।

पैमान—(फ) प्रतिज्ञा, वादा, वचन, सन्धि, शर्त।

पैमाना—(फ़) नाप, नापने का साधन माप-दण्ड। शराब पीने का प्याला।

पैमाना पुर होना—जीवन का अन्त आना।

पैरवी—(फ) कोशिश, प्रयत्न, दौड़ धूप, पक्ष का समर्थन, अनुसरण अनुगमन, आज्ञा-पालन।

पैरहन—(फ) चोगे की तरह का एक लम्बा पहनावा।

पैरास्ता—(फ) सुसज्जित, सजाया हुआ अलंकृत।

पैरौ—(फ) अनुयायी, अनुगामी, पिछलगू, मुरीद।

पैरौकार—(फ) किसी काम के लिए उद्योग करने वाला, मुकद्दमें आदि की पैरवी करने वाला।

पैवन्द—(फ) जोड़, थेगली, टुकड़ा,

अच्छी जाति के फल पैदा करने वाले किसी वृक्ष की शाखा में उसी जाति के दूसरे वृक्ष की शाखा काट कर लगाना। किसी वस्तु में लगाया हुआ जोड़।
पैबन्दी—(फ) ऐसे वृक्षों के फल जिनमें पैबन्द लगाया गया हो।
पैवस्ता—(फ) प्रविष्ट, घुसा हुआ, अच्छी तरह साथ में जोड़ा हुआ, सम्बद्ध।
पैहम—(फ) लगातार, बराबर, सटा हुआ।
प्योइया—(फ) घोड़े की एक प्रकार की चाल, क़दम।
प्योच—(फ) अयोग्य, निकम्मा, तुच्छ क्षुद्र, निर्बल, अशक्त, असमर्थ।
प्योतादार—(फ) नक़द रुपया रखने वाला, कोषाध्यक्ष, खजांची।
पोदीना—(फ) देखो 'पुदीना।
प्योल—(फ) सिक्का, पुल।
प्योलस्याह—(फ) ताँबे का सिक्का पैसा।
प्योलाद—(फ) एक प्रकार का उत्तम और कड़ा लोहा, खेरी, पोलाद
प्योश—(फ़) आवरण, आच्छादन, ढकना, हटजाओ, बच जाओ (जैसा कि भीड़ में गाड़ीवान बोलते हैं)।
पोशाक—(फ) भूषा, पहनने के वस्त्र, परिधान, पहनावा।
पोशिश—(फ) पहनावा, पोशाक।
पोशीदन—(फ पहनना, छिपाना।
पोशीदगी—(फ) छिपाव, दुराव, पोशीदा होने का भाव।
पोशीदा—(फ) छिपा हुआ, ढका हुआ।
पोशीदा चश्म—(फ) प्रज्ञाचक्षु, अन्धा।
पोस्त—(फ) छिलका, खाल, चर्म, चमड़ा, गीला देना, अफीमका पौधा, अफीम के बीज या डोंडे।
पोस्त कदा—(फ) जिसके ऊपर का छिलका उतार दिया हो, छिला हुआ, निरावरण, स्पष्ट, साफ़ साफ, जिसमें बनावट न हो।
पोस्ती—(फ) दुबला पतला, आलसी, जो नशे के लिए पोस्त पीस कर पीता हो।
पोस्तीन—(फ़) खाल का बना हुआ कुर्ता आदि। गरम और मुलायम रोंए वाले जानवरों के चर्म (समूर आदि) खाल का बना कोट जिसमें भीतर की ओर बड़े बड़े बाल होते हैं।
प्याज़—(फ़) उग्रगन्ध वाला प्रसिद्ध कन्द।

प्याज़ी—(फ़) प्याज़ के रंग का, हलका गुलाबी।

प्यादा—(फ़) दूत, हरकारा, पैदल चलने वाला सिपाही, पदाति।

प्याला—(फ़) छोटा कटोरा, शराब पीने का पात्र, तोप और बन्दूक में वह गढ़ा जिसमें बारूद भरी जाती है।

फ़

फ़क़—(अ) भय आदि के कारण जिसका रंग सफ़ेद या पीला हो गया हो।

फ़क़त—(अ) मात्र, केवल, सिर्फ़।

फ़क़ीर—(अ) विरक्त, साधु, संसार त्यागी, भिक्षुक, भिखमंगा, निर्धन, कंगाल।

फ़क़ीराना—(अ) फ़कीरों का सा, फ़क़ीरों की तरह, वह भूमि जो किसी फ़क़ीर के लिए उसके जीवन निर्वाहार्थ दान कर दी गई हो।

फ़क़ीरी—(अ) फ़क़ीरों का भाव या कर्म, साधुता, वैराग्य, भिक्षा वृत्ति, भिखमंगापन।

फ़क—(अ) मुक्ति, मोक्ष, छुटकारा, सम्मिलित दो वस्तुओं को अलग अलग करना।

फ़क उल रेहन—(अ) गिरवी रक्खी हुई वस्तु को छुड़ाना।

फ़क्र—(अ) निर्लोभ, आवश्यकता से अधिक की चाहना न करना। साधुता, फ़क़ीरी।

फ़ख़—(अ) महत्त्व प्रदान करने वाली बात या वस्तु। अभिमान, घमंड, गर्व, शेखी।

फ़ख़िया—(अ) गर्व पूर्वक, अभिमान के साथ।

फ़ज्र—(अ) प्रातःकाल, प्रभात, तड़का, सवेरा।

फ़ज़ल—(अ) अनुग्रह, कृपा, अनुकम्पा, दया, अधिकता।

फ़ज़ले इलाही—(अ) ईश्वर की कृपा।

फ़ज़ा—(अ) शोभा, सुन्दरता, खुला हुआ मैदान, विस्तृत क्षेत्र।

फ़जाइया—(अ) विस्मय सूचक चिह्न (!)।

फ़ज़ायल—(अ) फ़ज़ीलत का बहुवचन, उत्तमताएं, श्रेष्ठताएं, अच्छाइयाँ।

फ़ज़ीलत—(अ) अच्छाई, उत्तमता श्रेष्ठता, बड़प्पन।

फ़ज़ीह—(अ) पतन करने वाला, गिरावट की ओर ले जाने वाला, निन्दा या बदनाम करने

वाला।

फ़ज़ीहत—(अ) निन्दा, बदनामी, दुर्दशा, दुर्गति।

फ़ज़ीहती—(अ) फ़ज़ीहत करने वाला, झगड़ालू।

फ़ज़ूल—(अ) व्यर्थ, निरर्थक, निकम्मा, अतिरिक्त, आवश्यकता से बहुत अधिक।

फ़ज़ूलख़र्च—(मि०) व्यर्थ व्यय करने वाला, अपव्ययी।

फ़ज़ूल गो—(मि) निरर्थक बकवाद करने वाला, बक्की, बकवादी।

फ़तवा—(अ) मुसलमानों की धार्मिक व्यवस्था।

फ़तह—(फ़) विजय, जीत, सफलता, कृतकार्यता।

फ़तहनामा—(मि) वह पत्र जिस पर किसी की विजय का वर्णन लिखा गया हो।

फ़तहमन्द—(मि०) विजेता, विजयी।

फ़तहयाब—(मि०) विजयी, जिसने विजय प्राप्त की हो, फ़तहमन्द।

फ़तीर—(अ) तुरन्त का गूंधा आटा। 'ख़मीर' का उलटा।

फ़तील सोज़—(मि०) देखो 'फ़तील सोज़"।

फ़तीला—(अ) वह आदि के रेशों की बनी बत्ती जिससे तोड़ेदार बन्दूक या तोपों में आग लगाई जाती है। लोहे की छड़ के सिरे पर लपेटे हुए चिथड़े जिन्हें तेल में भिगोकर जलाते हैं। कोई यंत्र या मंत्र लिखकर बत्ती की भाँति बटा हुआ काग़ज़। बहुत नाराज़, अत्यन्त क्रुद्ध, आग-बबूला।

फ़तूर—(अ) विघ्न, उपद्रव, बाधा, हानि, दोष, विकार, विकृति। उत्पात, ख़ुराफ़ात।

फ़तूरी—उपद्रवी, उत्पाती।

फ़तूही—(अ) युद्ध विजय करते समय लूट में प्राप्त हुआ माल। बिना बाहों की कमर तक कची कुरती, सदरी।

फ़त्ताँ—(अ) स्वर्णकार, आपत्ति ढाने वाला, पाजी, दुष्ट, शैतान, ज़तना।

फ़त्ताह—(अ) ख़ुदा का एक विशेषण, आज्ञा देने वाला, खोलने वाला।

फ़न—(अ) विद्या, कला, गुण विशेषता, दस्तकारी, धूर्तता।

फ़ना—(अ) नष्ट, बरबाद, नाश, बरबादी।

फ़ना-फ़ी अल्लाह—(अ) परमात्मा में तल्लीनता, ध्यान की वह अवस्था

जिसमें मनुष्य ससार के अस्तित्व को भूलकर परमात्मा में तन्मय हो जाता है।

फ़नून—(अ) फन का बहुवचन।

फन्द—(फ) फरेब छल, कपट।

फ़न्दुक—(अ) एक छोटा और लाल रग का फल जिससे प्रेमिका के ओठों की उपमा देते हैं। उँगलियों की पोरों में महदी लगाना।

फ़म्म—(अ) मुख, चेहरा।

फ़र—(फ) चमक दमक, शोभा, सजावट।

फर अ—(अ) शाखा, डाल, टहनी।

फ़रऊन—(अ) अत्याचारी, अन्यायी, दुरभिमानी, नास्तिक, घड़ियाल नामक जल जन्तु, मिस्र के नास्तिक बादशाहों की उपाधि जो अपने आप को ईश्वर कहते थे।

फरऊनी—(अ) उद्दण्डता, घमण्ड, दुरभिमान, पाजीपन।

फ़रक़—(अ) भेद, पार्थक्य, अलगाव, दूरी, अन्तर, परायापन, दुराव, कमी, कसर।

फरखुन्दा—(फ़) शुभ नेक, उत्तम।

फरगुल—(अ) रुई भरा हुआ लम्बा कुता।

फरजाम—(फ़) परिणाम, फल, नतीजा, अन्त समाप्ति।

फरजीन—(फ) समझदार, शतरंज का वज़ीर नामक मोहरा।

फरतूत—(फ) कमसमझ, मूर्ख, निकम्मा, निरर्थक, अत्यन्त वृद्ध।

फरदा—(फ) आने वाला कल का दिन, प्रलय का दिन, क़यामत का दिन।

फरवही—(फ़) स्थूलता, मोटापा।

फ़रबा—(फ) स्थूल शरीर वाला, मोटा-ताज़ा।

फ़रबा अन्दाम—(फ़) स्थूल शरीर।

फ़रमाँ बरदार—(फ) आज्ञा-पालक, हुक्म मानने वाला।

फ़रमा बरदारी—(फ) आज्ञा पालन हुक्म मानना।

फ़रमारवा (फ़) शासक, आज्ञा देने, आज्ञा प्रचारित करने वाला।

फ़रमाँ रवाई—(फ) आदेश देना, आज्ञा प्रचारित करना, शासन।

फ़रमाइश—(फ) इच्छा प्रकट करना, आज्ञा देना। कोइ काम करने अथवा कोइ वस्तु लाने के लिए कहना।

फ़रमाइशी (फ़) विशेष रूप से कह कर कराया गया कोई काम, अथवा मंगाई गई या बनवाई गई कोई वस्तु।

फ़रमान—(फ) राजकीय आज्ञा, अनुशासन-पत्र।
फ़रमाना—(फ) कहना आज्ञा देना।
फ़रश—(अ) बहुत से आदमियों के बैठने के लिए बिछाने क बड़ी दरी। मकान के अंदर की समतल भूमि, धरातल, समतल भूमि, पत्थर की पट्टियाँ या चूना सीमेण्ट आदि से बनाई गई या गया समतल स्थान, बड़ा बिछावन, गच।
फ़रशी—(फ) एक प्रकार का हुक्का।
फ़रशी सलाम—(फ) ज़मीन तक झुक कर किया गया प्रणाम।
फ़रस—(अ) घोड़ा।
फरसूदा—(फ़) श्रान्त, शिथिल, पुराना, बेकार, निकम्मा, जीर्ण शीर्ण, दुर्दशा ग्रस्त।
फ़रहंग—(फ़) किसी पुस्तक के जिसमें शब्दों या पदों के अर्थ दिये हों, कुञ्जी। समझदार बुद्धिमानी।
फरह—(अ) आनन्द, प्रसन्नता, आनदित, प्रसन्न, खुश।
फ़रहत—(अ) प्रसन्नता, आनन्द, खुशी।
फ़रहत अफ़ज़ा—(मि) सुखदायक, आनन्द वर्धक, प्रसन्नता बढ़ाने वाला।
फ़रहत बख़्श—(मि) देखो "फरहत अफज़ा।"
फ़रहाँ—(फ) आनन्दित, प्रसन्न, खुश।
फ़रहाद—(फ) पारस देश का एक प्रसिद्ध संगतराश जो शीरीं नाम की राजकुमारी पर आसक्त था। पत्थर गढ़ने वाला, पत्थर की चीज़ें बनाने वाला संगतराश।
फ़राख़—(फ) विशाल, विस्तृत, बड़ा, चौड़ा, फैला हुआ।
फ़राग—(अ) छुट्टी, छुटकारा, मुक्ति, निश्चिन्तता।
फ़रागत—(अ) छुट्टी, छुटकारा, मुक्ति, निश्चिन्तता, पाखाना फिरना, मल-त्यागना।
फ़राज़—(अ) उच्च, ऊंचा ऊंचाई।
फ़रामीन—(अ) फरमान का बहुवचन।
फ़रामोश—(अ) भूला हुआ, विस्मृत, भुला देने वाला।
फ़रायज़—(अ) फ़र्ज़ का बहुवचन।
फ़रार—(अ) भाग जाना, छिप जाना, भागा हुआ।
फरारी—(अ) भागा हुआ, छिपा हुआ, भाग जाने वाला।
फ़रासत—(अ) बुद्धि की कुशाग्रता, समझ की तीव्रता, बुद्धिमत्ता।

फ़राहम—(फ़) इकट्ठा, एकत्र, संग्रह।
फ़रियाद—(फ़) दुख से बचाने या अत्याचार से छुटकारा दिलाने के लिये ऐसे व्यक्ति से निवेदन करना जो वह काम करने को समर्थ हो। विनती, प्रार्थना, पुकार, नालिश।
फ़रियाद रस—(फ) किसी की फरियाद सुनकर उसके कष्ट का निराकरण करने वाला। पुकार या विनती पर ध्यान देने वाला।
फ़रियादी—(फ) पुकार करने वाला, फरियाद करने वाला।
फरिश्तगान—(फ) फरिश्ता का बहुवचन।
फारिश्ता—(फ) देवदूत, ईश्वर का दूत जो उसकी आज्ञानुसार काम करे।
फ़ारिश्ता ख्वाँ—(फ) यन्त्र-मन्त्रों द्वारा फरिश्तों को अपने वश में रखने वाला।
फरिस्तादा—(फ) दूत, भेजा हुआ, प्रेषित (व्यक्ति)।
फ़रीक़—(अ) पक्ष, झुण्ड, टोली, समूह, पार्टी, लड़ने झगड़ने वालों में से किसी एक ओर के लोग, विवेकी, ज्ञानी, समझदार, अन्तर या भेद समझने वाला।
फरीके अव्वल—(अ) झगड़ालुओं में से वह पक्ष जो न्यायधीश के आगे पहले अभियोग उपस्थित करे। वादी, मुद्दई। फरियादी, पहला पक्ष।
फ़रीके सानी—(अ) दूसरा पक्ष, प्रतिवादी, मुद्दालेह, वह जिस पर अभियोग लगाया गया हो।
फ़रीक़ैन—(अ) दोनों पक्ष, वादी और प्रतिवादी, मुद्दई-मुद्दालेह।
फ़रीद—(अ) अतुलनीय, अनुपम, बेजोड़।
फ़रोग़—(फ़) प्रकाश, ज्योति, कान्ति द्युति, चमक।
फ़रेफ्ता—(फ) मोहित, आसक्त, धोखा खाने वाला।
फरेब—(फ़) छल, कपट, धूर्तता, चालाकी, धोखा।
फ़रेबदिही—(फ़) धोखा देना।
फ़रेबी—(फ) कपटी, छली धूर्त, चालाक, मक्कार, धोखेबाज़।
फेरा—(फ़) अधीन, नीचे, मातहत, दबा हुआ, शान्त, नीच, क्षुद्र, तुच्छ, कमीना।
फरोकश—(फ) ठहरना, उतरना।
फ़रोख्त—(फ) बेचना, विक्रय, बिक्री।
फ़रोश—(फ़) देखो "फ़रूश"।

फ़रो गुज़ाश्त—(फ़) उपेक्षा, लापरवाई, ध्यान न देना, टाल-टूल, आनाकानी । भूल, आगा पीछा ।

फ़रोतन—(फ़) कंगाल, दरिद्र, दीन ग़रीब ।

फ़रोद—(फ) ठहरना, उतरना, टिकना, विश्राम करना, नीचे ।

फ़रोद गाह—(फ़) ठहरने का स्थान, उतरने या टिकने की जगह ।

फ़रोमांदा—(फ़) श्रान्त, शिथिल, थका हुआ, गरीब, दीन ।

फ़रोमाया—(फ) तुच्छ, क्षुद्र, कमीना, नीच, ओछा ।

फ़रोश—(फ) विक्रेता, बेचने वाला (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे—कुतुब फ़रोश—पुस्तक विक्रेता ।

फ़रोशिन्दा—(फ़) बेचने वाला, विक्रेता ।

फ़रोशी—(फ) बेचना, बेचने की क्रिया ।

फ़र्क़—(अ) देखो फ़रक ।

फ़र्ज़—(अ) कर्त्तव्य, वह काम जो अवश्य करना चाहिये, कल्पना करना, मानलेना, स्त्रियों की मूत्रेन्द्रिय, भग, दरार, संध ।

फ़र्ज़न—(अ) कल्पना करके, मान के ।

फ़र्ज़न्द—(फ) पुत्र, बेटा, सन्तान ।

फ़र्ज़न्दी—(फ़) पुत्र भाव ।

फ़र्ज़ानगी—(फ़) योग्यता, विद्या गुण, समझदारी, बुद्धिमत्ता, शास्त्र ।

फ़र्ज़ाना—(फ़) विद्वान्, पण्डित, ज्ञानी, बुद्धिमान, समझदार ।

फ़र्ज़ी—(फ) कल्पित, माना हुआ, झूठ-मूठ का, नाम मात्र का, सत्ताहीन ।

फ़र्त—(अ) आधिक्य, बहुतायत, ज़्यादती ।

फ़र्द—(अ) विवरण, ब्यौरा, सूची, काग़ज़ या कपड़े का अलग टुकड़ा । किसी कविता का एक पद, अकेला शेर, एक, एक व्यक्ति, अकेला, एक पक्षी विशेष, रज़ाई का ऊपर का पल्ला, दुशाले का ऊपरी पर्त ।

फ़र्दन फ़र्दन—(अ) अलग-अलग, एक एक करके ।

फ़र्द बशर—(अ) एक आदमी ।

फ़र्द बातिल—(फ) बेकार, निरर्थक, निकम्मा, अयोग्य ।

फ़र्रार—(अ) बहुत तेज़ दौड़ने वाला ।

फ़र्राश—(फ़) महफ़िल आदि की सजावट करने वाला, वह

नौकर जो डेरा शामियाने आदि लगाने, फर्श बिछाने और रोशनी जलाने आदि का काम करता हो। नौकर, सेवक।
फराश खाना—(मि०) वह मकान जिसमें डेरे-तम्बू फ़र्श, चाँदनी मसनद तकिये आदि रक्खे जाते हों।
फर्रुख—(फ) मनोहर, उत्तम, शुभ।
फर्श—(अ) देखो (फरश) बड़ा बिछौना
फर्शी—(अ) देखो 'फरशी' फर्श से सम्बन्ध रखने वाला।
फ़लक—(अ) आकाश, आसमान।
फ़लक पर चढ़ाना—बहुत अधिक प्रशंसा करना, अत्यधिक बढ़ावा देना।
फलक सैर—(अ) भाँग नामक बूटी, विजया।
फ़लकी—(अ) आकाश सम्बन्धी।
फ़लाँ—(अ) अमुक, कोई अनिश्चित व्यक्ति या स्थान आदि।
फ़लाकत—(अ) संकट, विपत्ति, निर्धनता, दरिद्रता, कष्ट।
फ़लाकत ज़दा—मि) संकट में फँसा हुआ, विपद् ग्रस्त। निर्धन, गरीब।
फलातूँ—(य) अफलातून नामक यूनान निवासी दर्शनिक विद्वान्।
फ़लान—(अ) स्त्रियों की जननेन्द्रिय, भग, योनि।
फलाना—(अ) अमुक, कोई अनिश्चित स्थान व्यक्ति आदि।
फ़लासिफ़ा—(यू०) दर्शन शास्त्र, विज्ञान।
फलाह—(अ) विजय, जीत, सफलता भलाई, उत्तमता, परोपकार, सुख।
फ़लाहत—(अ) खेती बारी कृषि, कार्य।
फलीता—(अ) देखो पलीता।
फलूस—(अ) एक ताँबे का सिक्का।
फलसफा—(यू०) देखो फलासिफ़ा।
फ़ल्सफ़ी—(यू०) दर्शन या विज्ञान का जानने वाला।
फवायद—(अ) फायदा का बहुवचन।
फव्वारा—(अ) जल कण, पानी के बारीक छींटे, पानी के छींटे उड़ाने का यन्त्र, वह जल-कल जिसमें से पानी की बारीक धारें ऊपर को उछलती हैं। अमरत्व।
फसल—(अ) खेत की पैदावार, शस्य, उपज, मौसम, ऋतु, समय पुस्तक के अध्याय अथवा प्रकरण, छल, कपट, धोखा, भिन्नता,

पृथकता, अलगाव, दो वस्तुओं का अन्तर बतलाने वाला।

फ़सली—(अ) फसल से सम्बन्ध रखने वाला, फसल में होने वाला, जैसे–'फसली बुखार"। हैजा नामक रोग, विशूचिका।

फ़सली सन—(फ) एक संवत् जो उत्तर भारत में खेती सम्बन्धी कामों की लिखा पढ़ी में व्यवहृत होता है।

फ़सॉ—(अ) छुरे चाकू आदि पर धार लगाने का पत्थर, कुरंड, सान।

फसाद—(अ) विकार, बिगाड़, लड़ाई, झगड़ा, ऊधम, उपद्रव, बलवा, विद्रोह।

फसादी—(अ) फसाद करने वाला, झगड़ालू, लड़ाकू, उपद्रवी।

फसाना—(फ) कल्पित कहानी, मन गढ़न्त क़िस्सा, गल्प, हाल, विवरण।

फसाहत—(अ) सुन्दरता पूर्ण भाषण करने की योग्यता, किसी बात का मनोभेदक ढंग से वर्णन करना। लालित्य।

फसील—(अ) क़िले अथवा शहर के चारों ओर का परकोटा, शहर-पनाह, प्राचीर।

फसीह—(अ) जिसमें फसाहत हो, सुन्दर, ललित। सुवक्ता।

फसूँ—(अ) जन्त्र मन्त्र, जादू, टोना टोटका।

फसूँगर—(फ) जादू-टोना करने वाला, मंत्र।

फसूँसाज़—(फ) देखो फसूँगर।

फ़स्ख़—(अ) बात या विचार का बदलना, प्रतिज्ञा तोड़ना, समझौता रद्द करना।

फ़स्द—(अ) किसी अंग का रुधिर निकालने के लिए उसकी नस को चीरने की क्रिया।

फस्ल—(अ) देखो फसल।

फस्ली—(अ) देखो फसली।

फस्लेगुल—(मि०) फूलों का मौसम, वसन्त ऋतु।

फस्ले बहार—(मि०) बहार का मौसम, वसन्त ऋतु।

फस्साद—(अ) फ़स्द खोलने वाला, जर्राह।

फ़स्सादी—(अ) फ़स्द खोलने का काम, जर्राही।

फ़हम—(अ) ज्ञान, समझ, बुद्धि, अक़्ल।

फ़हमाइश—(अ) सचेत करना, चेतावनी, सतर्क करना।

फ़हमीद—(अ) समझ, बुद्धि अक़्ल।

फ़हमीदा—(अ) समझदार, बुद्धिमान अक्लमन्द।

फ़हरिस्त—(फ) सूची, तालिका।

फ़हश—(अ) अश्लील, किसी के सामने न कहे जाने योग्य, फूहड़ भद्दी।

फ़हीम—(अ) समझदार, बुद्धिमान।

फ़ाक़ा—(अ) उपवास, निराहार, गरीबी, दरिद्रता।

फ़ाक़ामस्त—(मि) विना खाये में मस्त रहने वाला, ग़रीबी में भी प्रसन्न रहने वाला, जो भूखों रहना पसन्द करे या जीविका के लिए कुछ चिंता या उद्योग न करे।

फ़ाख़िर—(अ) गर्व करने वाला, अभिमानी, जिसे किसी बात का फख्र हो। बहुमूल्य।

फ़ाख़िरा—(अ) अत्यन्त बढ़िया, बहुमूल्य।

फ़ाख़ताई—(अ) फाख्ता के रंग का, एक प्रकार का खाकी रंग।

फ़ाख़्ता—(अ) पडुक या पिड़की नाम का पक्षी।

फ़ाख़्ता उड़ाना—मौज करना, गुल, छर्रे उड़ाना।

फ़ाजिर—(अ) दुराचारी, व्यभिचारी, पापी।

फ़ाज़िल—(अ) पण्डित, विद्वान, आवश्यकता से अधिक, ज़रूरत से ज़्यादा, बढ़ती, बढ़ा हुआ।

फ़ाज़िल बाक़ी—(अ) बाक़ी बचा हुआ, शेष रहा हुआ, विशेष कर वह धन जो किसी देनदार पर देने के लिए शेष रह गया हो।

फ़ातिमा—(अ) मुहम्मद साहब की कन्या का नाम जो हज़रत अली की पत्नी और हसन व हुसैन की मा थी। वह सती जो अपनी सन्तान को अपना दूध पिलाना बहुत जल्दी बन्द करदे।

फ़ातिहा—(अ) मरे हुए व्यक्ति के नाम पर दिया हुआ भोजन, प्रार्थना।

फ़ातेह—(अ) फतह करने वाला, विजयी, उद्घाटन या प्रारम्भ करने वाला, मरने वाला।

फ़ानी—(अ) नाशवान, नश्वर, मर जाने या नष्ट हो जाने वाला।

फ़ानूस—(फ) काँच की हाँड़ी जिसमें मोमबत्ती जलाई जाती है। वह कंदील जिसमें दीपक जला कर छत्त में या बाँस पर टाँग देते हैं।

फ़ानूसे ख्याल } (मि) कागज़ का
फ़ानूसे ख्याली } गोल कंदील जिसमें एक चकर पर चिपके हुए कागज के हाथी घोड़े घूमा करते हैं।

फ़ाम—(फ) रंग, वर्ण, जैसे गुल फ़ाम—गुलाब के रंग का।

फ़ायक—(अ) उच्च, उत्तम, बढ़िया, श्रेष्ठ।

फ़ायज—(अ) विजेता, जीतने वाला, प्राप्त करने वाला। पहुँचने वाला।

फ़ायदा—(अ) लाभ, मुनाफ़ा, प्राप्ति, भला परिणाम, अच्छा नतीजा, प्रयोजन सिद्ध होना, मतलब पूरा होना।

फ़ायदामन्द—(मि) लाभदायक।

फ़ायल—(अ) किसी काम का करने वाला, व्याकरण में कर्त्ता, लड़कों के साथ अप्राकृतिक मैथुन करने वाला।

फ़ायली—(अ) जो अच्छे प्रकार काम कर सके, क्रिया कुशल। कर्तव्य शील।

फ़ायले हक़ीक़ी—(अ) परमात्मा।

फ़ार—(अ) चूहा, मूषक।

फ़ारखती—(अ) चुकती, बेबाकी, अमुक व्यक्ति से हमारा प्राप्तव्य पूरा प्राप्त हो गया इस प्रकार का लेखा।

फ़ारस—(फ़) एक देश का नाम पारस, ईरान।

फ़ारसी—(फ) फ़ारस या पारस देश की वस्तु अथवा भाषा फारस सम्बन्धी, फ़ारस का।

फ़ारसी दाँ—(फ़) पारस देश की भाषा जानने वाला।

फ़ारिग—(अ) निवृत्त, निश्चिन्त, मुक्त, स्वतन्त्र, जो कोई काम समाप्त करके निश्चिन्त हो गया हो। जिसने किसी काम से मुक्ति पाली हो।

फ़ारिग उल-बाल—(अ) जिसे जगत में कुछ कर्तव्य शेष न हो। जो सब भाँति निश्चिन्त और सुखी हो।

फ़ारिग खती—(अ) देखो "फ़ार खती",

फ़ारुक़—(अ) ज्ञानी, विवेकशील, पण्डित, भले बुरे का अन्तर जानने या बतलाने वाला, हज़रत उमर 'दूसरे ख़लीफ़ा' की उपाधि।

फ़ारूक़ी—(अ) फ़ारूक़ के वंश का, हज़रत उमर के ख़ान्दान का।

फ़ाल—(अ) पाँसे फेंक कर उनके

चिन्ह से शुभाशुभ बताना।

फ़ाल नामा—(मि) रमल शास्त्र, वह पुस्तक जिसमें पाँसों के चिन्हों से शुभाशुभ विचारने की विधि लिखी हो।

फ़ालसई—(फ) फालसे के रंग का।

फालसा—(फ़) इस नाम से प्रसिद्ध एक छोटा और खट मिट्ठा फल।

फालिज—(अ) एक रोग जिसमें शरीर का आधा भाग या कोई अंग बेकार हो जाता है, पक्षाघात, लक्कशा।

फ़ालीज़—(फ) वाटिका, उपवन, बाग, खेत।

फालूदा—(फ) समइयाँ, गेहूँ के सत्त से बनाया हुआ एक पेय।

फाश—(फ) स्पष्ट, प्रकट, खुला हुआ।

फासला—(अ) दूरी, अन्तर।

फासिद—(अ) फसाद करने वाला, झगड़ालू, धूर्त, दुष्ट, पाजी, बिगड़ा हुआ, विकृत, खराब।

फ़ासिदा—(अ) देखो 'फासिद'।

फासिल—(अ) अलग करने वाला।

फ़ासिला—(अ) देखो 'फासला'।

फाहिश—(अ) अत्यन्त असभ्य गालियाँ या गन्दी बातें बकने वाला, अधिक दुश्चरित्र, पाजी, लज्जाजनक।

फाहिशा—(अ) दुराचारिणी, दुश्चरित्रा, पुँश्चली।

फ़िक़रा—(अ) वाक्य, व्यंग्य, झाँसा भुलावा।

फ़िक़रे बाज़—(मि) झाँसा देने वाला व्यंग्य कसने वाला।

फ़िक़्क़ा—(अ) मुसलमानों का धर्मशास्त्र।

फ़िक्र—(अ) सोच, चिन्ता, ध्यान, विचार, उपाय, यत्न।

फ़िक्रमन्द—(मि) चिन्ताशील।

फ़िगार—(फ़) घायल, ज़ख्मी।

फ़िज़ा—(अ) सौन्दर्य, शोभा, खुला मैदान।

फ़िज़ूल—(अ) देखो फज़ूल।

फ़ितनएआलम—(मि॰) सारे संसार में हलचल या आफ़त मचा देने वाला। प्रेमिका का एक विशेषण।

फ़ितनए जहाँ—(मि॰) देखो फितनए आलम।

फ़ितना—(अ) झगड़ालू, उपद्रवी, लड़ाई-झगड़ा, अपराध, पाप, पापी, दुष्ट, प्रेमिका का एक विशेषण, एक प्रकार का इत्र।

फ़ितना अंगेज़—(मि) झगड़ा या

आफ़त खड़ा कर देने वाला, उपद्रवी, प्रेमिका का एक विशेषण।

फ़ितना परवाज़—(मि) प्रेमिका का एक विशेषण, उपद्रवी, आफ़त मचाने वाला।

फ़ितरत—(अ) धूर्तता, मक्कारी, बुद्धिमानी, समझदारी, स्वभाव, प्रकृति।

फ़ितरती—(अ) धूर्त, मक्कार, स्वाभाविक, प्राकृतिक।

फ़ितरा—(अ) वह अन्न जो ईद के रोज़ नमाज़ पढ़ने से पूर्व दान करने के लिए अलग करके रख दिया जाता है।

फ़ितराक—(फ) घोड़े के ज़ीन में इधर-उधर लगे हुए वे तस्मे जो बिस्तर या दूसरा सामान बाँधने के लिए काम आते हैं।

फ़ितानत—(फ) बुद्धिमानी, समझदारी।

फ़ितीर—(अ) तुरन्त का गूँधा हुआ आटा।

फ़ितूर—(अ) देखो "फ़तूर"।

फ़ित्र—(अ) पारण करना, उपवास के अन्त में किया जाने वाला अल्पाहार दिन भर रोज़ा रख कर सन्ध्या समय कुछ खाकर रोज़ा समाप्त करना।

फ़िदविया—(अ) आज्ञाकारिणी, सेविका, अनुचरी।

फ़िदवी—(अ) आज्ञाकारी, भक्त, सेवक, अनुचर।

फ़िदा—(अ) आसक्त, अनुरक्त, किसी पर प्राण देने वाला, निछावर होने वाला, सदक़े जाने वाला।

फ़िदाई—(अ) किसी पर प्राण देने वाला, जान निछावर करने वाला।

फ़िदिया—(अ) अर्थदण्ड, जुर्माना, वह धन जो क़ैद भुगतने के बदले में दिया जाय, प्राणदण्ड से मुक्ति पाने के लिए दण्डस्वरूप दिया जाने वाला धन। वह विशेष कर जो राजा अपने धर्म से इतर धर्मावलम्बियों से वसूल करता है।

फ़िन्नार—(अ) नरक, दोज़ख़ दोज़ख़ की आग।

फ़िरंग—योरोप के एक देश का नाम, गोरों का देश, एक रोग, गरमी, आतशक।

फ़िरंगिस्तान—(फ) फ़िरंग नामक देश।

फ़िरंगी—(फ़) फ़िरंग देश का रहने

वाला, गोरा, फिरग देश में पैदा होने वाला ।
फ़िरका—(अ) मत पत, सम्प्रदाय, जत्था, जाति ।
फ़िरदौस—(अ) स्वर्ग, बहिश्त, वाटिका, उपवन ।
फ़िरदौस मकानी—(मि०) स्वर्ग में रहने वाला, स्वर्गीय ।
फ़िरदौस म जिलत—(मि०) स्वर्ग वासी, स्वर्गीय ।
फ़िरनी—(फ) पिसे हुए चावल डाल कर बनाई हुई खीर ।
फ़िराक़—(अ) खोज, तलाशी, सोच, वियोग, बिछोह ।
फ़िराग—(अ) निश्चिन्तता मुक्ति, छुटकारा, अवकाश, फ़ुरसत, सुविधा सुभीता, आनन्द, प्रसन्नता, सन्तोष, आधिक्य, बहुतायत ।
फ़िरावाँ—विशेष, अधिक, ज्यादा ।
फ़िरासत—(अ) बुद्धि की कुशाग्रता, समझ की तीव्रता, बुद्धिमानी, अक़्लमन्दी ।
फ़िरिश्ता—(फ) देखो ' फरिश्ता"
फ़िसूद—( ) देखो ' फरोद"
फ़िरो—देखो "फरो"
फ़िरोख़्त—देखो "फरोख़्त"
फ़िलजुमला—(अ) भाव यह कि, सारांश यह कि, तात्पर्य यह कि सक्षेप में, यों ही, थोड़ा-सा ।
फिलफिल—(अ) कालीमिर्च ।
फिलफ़ौर—(अ) तुरन्त, तत्क्षण, तत्काल ।
फिलबदीह—तुरन्त, तत्काल, आशु, पहले से बिना सोचे ।
फिलमसल—(अ) उदाहरण स्वरूप, मिसाल के तौर पर ।
फिलमिसाल—(अ) देखो "फ़िल-मिसाल"
फिलवाक़ा—(अ) वस्तुत वास्तव में, दरहक़ीक़त ।
फिलहक़ीक़त—(अ) वस्तुत ,वास्तव में, फिलवाक़ा ।
फिलहाल—(अ) इस समय, इस वक्त सम्प्रति, इस अवसर पर ।
फ़िशाँ—(फ) बरसाने वाला, झाड़ने या गिराने वाला ।
फ़िशार—(फ) निचोड़ना, दबाना ।
फ़िसाद—देखो "फ़साद"
फ़िस्क़—(अ) अपराध, दोष, पाप, सन्मार्ग से भ्रष्ट होना, आज्ञा का उल्लघन करना ।
फ़िस्ख़—(अ) प्रतिज्ञा तोड़ना, विचार बदलना, वचन पलटना ।
फ़िहरिस्त—(फ) देखो ' फहरिस्त',

ऊपरवाला ऊपरी।

फौकियत—(अ) श्रेष्ठता उत्तमता, उच्चता, (किसी की अपेक्षा)।

फौज—(अ) समूह, जत्था, झुण्ड, सेना।

फौज़—(अ) जीत, विजय, लाभ, फ़ायदा, छुटकारा, मुक्ति।

फौजकशी—(मि०) सैनिक चढ़ाई, आक्रमण करना, धावा मारना।

फौजदार—(मि०) सेनाध्यक्ष, सेना पति।

फौजदारी—(मि०) मारपीट, वह लड़ाई जिसमें शारीरिक चोट पहुँचाने वाली चीज़ों का प्रयोग किया गया हो, वह अदालत जिसमें दण्डनीय अपराध सम्बन्धी मुक़दमा का निर्णय हो।

फौजी—(अ) फ़ौज सम्बन्धी फौज का, सैनिक।

फौत—(अ) मृत्यु, मौत, मर जाना, नष्ट हो जाना, मृत, मरा हुआ।

फौती—(अ) मरण, मरना, मृत्यु, मृत, मृतक।

फौतीनामा—(मि) किसी की मृत्यु का सूचना-पत्र।

फौर—(अ) शीघ्रता, जल्दी, समय।

फ़ौरन—(अ) तुरन्त, तत्क्षण, तत्काल उसी समय।

फौलाद—(फ़) देखो "पोलाद"।

फौलादी—(फ़) फ़ौलाद से बनी हुई कोई चीज़ फौलाद की लाठी, भाले की लकड़ी।

फौव्वारा—(अ) देखो "फव्वारा"।

ब

बंग—(फ) बंग भांग विजया बंगाल देश।

बंगस—(फ) एक देश विशेष।

ब—(फ़) साथ या सहित पर (प्रा शब्दों के साथ उपसर्ग रूप आता है, यथा—"बखुशी")।

बअस—(अ) उठना, रवाना करना जगाना, ज़िद करना।

बअसो नसर—(अ) क़यामत का दिन।

बद्दस्तरना—(अ) छोड़ देने पर भी न मानने पर भी।

बईद—(अ) दूर फ़ासले पर।

बईर—(अ) ऊँट।

ब एनही—(अ) ठीक वैसा ही, उसी प्रकार का।

बएना—(अ) वही, ऐन मैन, हूबहू

बक़द्र—(फ) इतनी मात्रायें।

बकम—(अ) मजीठ, मंजिष्ठा।

बकर—(अ) जवान ऊँट, एक देश विशेष, एक वंश का नाम।

बक़र—(अ) गाय बैल ।
बक़रा—(अ) एक प्रकार का बैल ।
बक़ल—(अ) साग पात ।
बक़ला—(अ) देखो "बक़ल"
बक़ा—(अ) अवशिष्ट, शेष, अविनाशी ।
बकावल—(फ) रसोइया, बावर्ची, रसोईघर का प्रबन्धक ।
बक़ाया—(अ) शेष, अवशिष्ट, बचा हुआ ।
बकार—(फ) कार्यवश, काम से ।
बकारत—(फ) क्वारापन, कौमार्य ।
बक़िया—(अ शेष, अवशिष्ट, बचा हुआ ।
बकौल—(अ) किसी के कथनानुसार, जैसा कि किसी ने कहा है ।
बक़्क़ाल—(अ) साग भाजी बेचने वाला।
बक्तर (बख़्तर)—(फ) कवच, अंगत्राण, सजाह, लोहे की कड़ियों से बना हुआ कुर्ते की शक्ल का झगला जिसे युद्ध में पहनते हैं ।
बक़रईद—(अ) मुसलमानों का त्यौहार विशेष ।
बख़ल—(अ) कंजूसी, कृपणता ।
बख़िया—(फ) मज़बूत सिलाई ।
बख़ील—(अ) कंजूस, कृपण, लोभी ।
बख़ीली—(फ) कृपणता कंजूसी ।
बख़ूबी—(फ) अच्छाई के साथ, समुचित रूप से ।
बख़ूर—(अ) सुगंध, खुशबू महक ।
बख़ैर—(फ) कुशलपूर्वक, सानन्द, ख़ैरियत से ।
बख़्त—(फ) भाग्य, क़िस्मत, नसीबा ।
बख़्तावर—(फ) भाग्यशाली भाग्यवान, सौभाग्यशाली ।
बख़्तावरी—(फ) सौभाग्य, खुशक़िस्मती ।
बख़्तियार—(फ) धनी, भाग्यवान ।
बख़्तेसफ़ेद—(फ) सौभाग्य ।
बख़्श—(फ) देने वाला, क्षमा करने वाला, हिस्सा ।
बख़्शना—(फ) क्षमा करना, छोड़ना, देना ।
बख़्शाइस—(फ) प्रदान करना, क्षमा, कृपा ।
बख़्शीश—(फ) भेंट, उपहार दान ।
बख़्शीशनामा—(फ) दान-पत्र ।
बख़्शी—(फ) वेतन बाँटने वाला कर्मचारी ।
बगल—(फ) पार्श्व, काँख ।
बगल में दबाना—दबा लेना काबू कर लेना ।

बगल में रखना—सहायक की भाँति साथ रखना, मदद देना।
बगलें झाँकना—लज्जित होना।
बगलें बजाना—खुशी मनाना।
बगलगीर—(फ) आलिंगन, गले मिलना।
बगलगीरी—(फ) कुश्ती का एक दाव।
बगली—(फ) बग़ल का, बग़ल सम्बन्धी, कुश्ती का एक पेच, कुर्ते आदि का वह भाग जो बग़ल में रहता है, पार्श्व, पुस्तक आदि ऐसी कोई चीज़ जिसे बग़ल में दबा सके।
बगावत—(अ) विद्रोह, विप्लव, उपद्रव।
बगी—(अ) फिरा हुआ, विद्रोही, उपद्रवी, विप्लवी।
बगीचा—(फ) वाटिका, नगिया, छोटा बाग़।
बग़ैर—(अ) बिना रहित, छोड़कर, अलग रखते हुए।
बचकाना } बचगाना }—(फ) बच्चों के योग्य, छोटा।
बच्चए खुरशीद—(फ) लाल हीरा आदि रत्न।
बच्चा—(फ) बालक, शिशु।
बजला—(अ) परिहास, विनोद, हँसी ठट्ठा, चुटकुला, लतीफ़ा।
बजला सेज—(मि) हँसोड़, मसखरा।
बजह्—(फ) अपराध, पाप।
बजहकार—(फ) अपराधी, पापी।
बजा—(फ) ठीक, दुरुस्त, उचित।
बजालाना, पालन करना।
बजा आवरी—(फ) आज्ञा या कर्तव्य पालन।
बजाज—(अ) कपड़ा बेचने वाला।
बजाय—(फ) बदले में, स्थान पर।
बजाहिर—(फ) प्रकट में, बाहरी तौर पर।
बजिंस—(फ) ज्यों का त्यों।
बजुज—(फ) अतिरिक्त, सिवा।
बज़ोर—(फ) बलपूर्वक, बलात्, ज़बर्दस्ती।
बज्ज़—(अ) वस्त्र, कपड़ा, पूँजी-पगर का सामान।
बज्जाज़—(अ) वस्त्र-व्यवसायी, कपड़ा बेचने वाला बज़ाज़।
बज्जाजा—(अ) कपड़ा बेचने का बाज़ार।
बज्जाजी—(अ) वस्त्र बेचने का व्यवसाय।
बज़्म—(फ) सभा, मजलिस, गोष्ठी, उत्सव, पान गोष्ठी।
बज़्मगाह—(फ) महफ़िल, सभा-

स्थल।
बज्मा—(फ) छोटी मजलिस।
बज्मे यार—(फ) मित्र-मडली, मित्र।
बज्मेरंगीन—(फ) वह सभा जिसमें आदमियों की बहुत भीड़ एकत्र हो।
बज्मेहस्ती—(फ़) संसार की सभा।
बत—(अ) बत्तख, बत्तख के आकार की शराब रखने की बोतल या सुराही।
बतन—(अ) पेट, गर्भ, उदर।
बतदरीज—मि) क्रमशः, धीरे-धीरे।
बत्तख़—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध पक्षी।
बत्न—(अ) पेट, गर्भ, उदर।
बद—(फ़) बुरा, खराब, अशुभ।
बद अन्देश—(फ़) अशुभ चिन्तक, शत्रु, वैरी।
बद अमली—(फ़) दुर्व्यवस्था, कुप्रबन्ध, कुशासन, अराजकता।
बदआमोज—(फ़) कुपढ़, असभ्य, मूर्ख।
बद इखलाक़—(फ़) बुरे आचरण वाला।
बद इन्तजामी—(फ़) अव्यवस्था, कुप्रबन्ध।
बद ऐमाल (फ़) जिसका चाल-चलन खराब हो, दुराचारी, चरित्र भ्रष्ट।
बद ऐमाली—(फ) दुराचार, बुरा चाल चलन।
बद किरदार—फ) दुराचारी, बुरे चाल-चलन का।
बदकार (फ) दुराचारी, चरित्र भ्रष्ट।
बदख़ू—(फ़) बुरे स्वभाव का, बुरी आदतों वाला।
बदख्वाह—(फ) अशुभ चिन्तक, बुरा चीतने वाला।
बदख्वाही—(फ) अशुभ चिन्तन, बुरा चाहना।
बदख्शाँ—(फ़) देश विशेष जहाँ का लाल प्रसिद्ध है।
बद गुमान—(फ़) संशयसम्पन्न, असन्तुष्ट।
बदगो—(फ) दुर्वचन बोलने वाला, निन्दक पिशुन, चुगलखोर।
बदचलन—(मि) दुराचारी।
बद जबान—(फ़) गाली गलौज बकने वाला।
बदज़ात—(फ़) नीच, अधम, दुष्ट।
बदजिलो—(फ़) उद्दण्ड घोड़ा।
बदजेब—फ़) भोंडा, भद्दा, अशोभन।
बदतर—(फ) बहुत बुरा, बहुत खराब।

बदतबार—(फ) नीच कुल का, अधम।
बदद्यानत—(फ) बुरी नीयत का, बेईमान।
बदद्यानती—(फ) बेईमानी, बुरी नीयत।
बददिमाग—(मि) बुरे स्वभाव का, चिड़चिड़े स्वभाव वाला।
बददुआ—(फ) शाप।
बदन—(फ) शरीर, देह।
बदनसीब—(फ) अभागा, कमबख्त।
बदनाम—(फ) निन्दित कुप्रसिद्ध, कलंकित।
बदनामी—(फ) निन्दा, अपवाद।
बद निहाद—(फ) दुष्ट नीच।
बदनीयत—(फ) जिसकी नीयत खराब हो, बेईमान।
बदनुमा—(फ) कुरूप, भद्दा बेडौल।
बदपरहेज—(फ) कुपथ्यी जो परहेज से न रहे।
बदफेल—(मि) कुकर्म, दुराचार, कुकर्मी दुराचारी।
बदफेली—(मि) कुकर्म, अनाचार।
बदबख्त—(मि) अभागा, कमबख्त।
बदबू (फ) दुर्गन्ध।
बद मआश—(फ) लुचा, लफ़ंगा, दुर्जीवी।
बदमजगी—(फ) मनमुटाव, स्वाद हीनता।
बदमजा—(फ) बुरे स्वाद का, जिसमें कुछ आनन्द न हो, किरकिरा।
बदमस्त—(फ) मतवाला, मत्त।
बदमिजाज—(मि) बुरे स्वभाव वाला, उग्र प्रकृति का, चिड़चिड़।
बदरंग—(फ) दूसरे रंग का, फीका रंग, दूसरा रंग।
बदरौ—(फ) मोरी नाली, पनाला।
बदराम—(फ) उद्दण्ड घोड़ा, सुख-चैन की जगह।
बदराह—(फ) कुमार्ग कुमार्गी।
बदल—(अ) परिवर्तन, बदला।
बद लगाम—(फ) ऐसा घोड़ा जिस पर लगाम का असर न हो, वह आदमी जो बोलने में सभ्यता शिष्टता का विचार न करे। अनापशनाप और अश्लील बकने वाला, निरंकुश।
बदला—(अ) अदल बदल, विनिमय, पलटा, प्रतिशोध।
बदली—(अ) एक स्थान से दूसरे स्थान पर बदलना, तबादला।
बद सलूकी—(फ) दुर्व्यवहार।
बदसूरत—(फ) कुरूप, भोंडी शक्ल

का।

बदस्त—(फ) द्वारा, हस्ते, मारफत।

बदस्तूर—(फ) ज्यों का त्यों, नियमानुसार, यथापूर्व।

बदहज़मी—(फ़) अपच।

बदहवास—(फ) विकल, विह्वल, घबराया हुआ।

बदाहत—(अ) बिना विचारे सहसा कोई कार्य हो जाना, आकस्मिक घटना, बिना विचारी बात।

बदी—(फ) बुराइ, दोष, अहित, किसी का बुरा कहना या चीतना।

बदीं—(फ) इन शब्दों के साथ।

बदीअ—(अ) आश्चर्यजनक, अनोखा।

बदील—(अ) धर्मात्मा।

बदीह—(अ) स्पष्ट, खुला हुआ।

बदीहा—(अ) किसी बात के सम्बन्ध में पहले से बिना सोचे बिचारे कहना।

बदौलत—(फ) आश्रय से अनुग्रम से।

बद्दाल—(अ) अन्न विक्रेता, पर चूनिया।

बद्दू—(फ़) अरब में बसने वाली एक जाति विशेष, दुष्ट, गुण्डा।

बद्र—(फ़) पूरा चाँद, पूर्णिमा का चन्द्रमा।

बद्रका—(फ) पथप्रदर्शक, रक्षक, औषधि का अनुपान।

बनत—(अ) बेटी, पुत्री, लड़की।

बनफ्शा—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक वनस्पति।

बनव्वत—(अ) पुत्र सम्बन्धी, पुत्र का।

बनात—(अ) "बनत" का बहुवचन, पुत्रियाँ, बेटियाँ लड़कियाँ, एक प्रकार का मोटा ऊनी कपड़ा।

बनादीक़—(अ) "बन्दूक़" का बहुवचन।

बनाम—(फ) नाम पर, नाम से।

बनिस्बत—(मि) अपेक्षा, तुलना में।

बनी—(अ) "इब्न" का बहुवचन, बेटे, लड़के।

बनी आदम—(अ) आदम के लड़के आदमी, मनुष्य।

बनीन—(अ) बेटे, लड़के।

बन्द—(फ़) बाँधने की चीज़, बाँध, पुश्ता, कारीगरी, कौशल, कुश्ती का एक दाव, शरीर के अंगों का जोड़, कविता का एक पद, ज़ंजीर, तलवार, ताला, घोड़े की रस्सी, शोक, दुःख, अंगरखे की तनी, सब ओर से रुका या बँधा हुआ, दका हुआ, जिसका काम रुका हो, जिस पर आवरण

लगा हो, लिप्सा, लालच, बाँधने वाला, बैल की डोरी, शरीर की सन्धियाँ, जोड़।
बन्दगी—(फ) ईश्वर भक्ति, सेवा, अधीनता, दासता, प्रणाम।
बन्दन—(फ) बाँधना, बन्दा।
बन्दर—(अ) समुद्र-तट का वह स्थान जहाँ जहाज ठहरते हैं।
बन्दा—(फ) सेवक, दास, मनुष्य।
बन्दानवाज—(फ) भक्त-वत्सल, दीनबन्धु, महाशय, महानुभाव।
बन्दा परवर—(फ) रक्षक, भक्त-वत्सल, दीनबन्धु, दीनदयाल,।
बन्दिश—(फ) ग्रन्थि, गाँठ, मुक्ति, उपाय, लाछन, अभियोग, छन्द रचना, बाँधना।
बन्दी—(फ) क़ैदी, बँधुआ, बाँधना, लिखना, (स्त्रीलिंग में) दासी, चेरी।
बन्दीखाना—(फ) जेलखाना, कारागार।
बन्दूक—(फ) एक प्रसिद्ध हथियार।
बन्दूकची—(अ) बन्दूक चलाने वाला।
बन्दोबस्त—(फ) प्रबन्ध, व्यवस्था, इन्तजाम, खेतों का कर नियत करना।
बफन—(फ) कपड़ा बुनना।
बबर—(अ) शेर जिसकी गर्दन पर बाल होते हैं, केसरी।
बमजिला—(फ) पद पर, स्थानापन्न, जगह पर।
बमूजिब—(फ) अनुकूल, अनुसार।
ब मै—(फ) सहित, समेत।
बय—(अ) बेचना, मोल लेना।
बयाज—(अ) कोरा कागज, कापी, बही।
बयान—(अ) वक्तव्य, बखान, चर्चा, कथन, कहना, जिक्र।
बयाना—(अ) अग्रिम अगाऊ, पेशगी निश्चित मूल्य का वह अंश जो बेचने वाले को सौदा पक्का करते समय दिया जाता है।
बयाबान—(फ) ऊजड़, सुनसान।
बयारा—(फ) वह वनस्पति जिसकी बेल चलती है।
बय्याअ—(अ) बेचने वाला, मोल लेने वाला।
बर—(फ) श्रेष्ठ, उत्तम, बड़ा चढ़ा, पूरा, पूर्ण, लेने वाला, ले जाने वाला, ऊपर।
बर अक्स—(फ) उलटा, विपरीत।
बर अगेख्ता—(फ) क्रुद्ध, क्रोध में भरा हुआ।
बर अन्दाज—(फ) भाग्यमान।

बरआना—पूरी होना, पूर्ण होना, सफल होना।

बरआवुर्द—(फ) आँकना, अन्दाज़ करना, जाँचना, वह कागज़ जिसमें वेतन आदि का विवरण लिखा हो।

बर आवुर्दन—(फ) ऊपर करना, बाहर लाना।

बर आवुर्दा—(फ) ऊपर लाया हुआ बाहर निकाला हुआ।

बरकत—(अ) वृद्धि, बढ़ती, समृद्धि, कृपा, प्रसाद आशीर्वाद।

बर कन्दाज़—(मि) सिपाही, पहरेदार, चौकीदार।

बर क़रार—(फ) स्थिर ठहरा हुआ।

बरकात—(अ) "बरकत" का बहु वचन।

बरख़—(फ) टुकड़ा, हिस्सा।

बरख़ास्त—(फ) नौकरी से अलग, विसर्जन।

बर ख़िलाफ़—(फ़) विपरीत, विरुद्ध, प्रतिकूल।

बर ख़ुरदार—(फ) प्रसन्न, फूला फला, निश्चिन्त, धन-धान्यादि सब प्रकार से सुखी (यह आशीर्वाद पुत्रादि छोटों को दिया जाता है)। पुत्र, बेटा।

बरख़े—(फ) थोड़ा सा, बहुत कम।

बरगश्ता—(फ) विद्रोही, विरोधी, फिरा हुआ।

बर गुज़ीदा—(फ) चुना हुआ, छाँटा हुआ, निर्वाचित।

बरज़ख़—(अ) मरने से क़यामत तक का समय, बाधक, अन्तराय।

बरजस्ता—(फ) पहले से बिना सोचे हुए तुरन्त कही गई बात या कविता, ठीक, चुस्त।

बरतरफ़—(फ) काम से अलग हो जाना, एक तरफ होना, नौकरी से अलग होना।

बरतला—(अ) कुलाह, टोपी।

बरद—(अ) बर्फ के समान ठंडी चीज़।

बरदा—(तु०) दास, सेवक, गुलाम, लौंडी, बंदी।

बरदा फ़रोश—(मि) दास बेचने और खरीदने का व्यापार करने वाला।

बरदार—(फ) उठाकर ले चलने वाला, जैसे—अलम बरदार।

बरदाश्त—(फ) सहन, उठाना, सहनशीलता।

बरना—(फ) युवक, तरुण स्वस्थ और सुन्दर, प्रसन्न चित्त।

बरनाई—(फ) जवानी, यौवन, तरुणाई।

बर पा—(फ़) खड़ा होना या करना, मज़बूत।

बरपा करना—खड़ा कर देना।

बरफ—(फ) जमा हुआ पानी, अथवा दूध या फलों का रस, तुषार, पाला।

बरफी—(फ) एक प्रकार की मिठाई।

बरवक्त—(फ) समय पर, मौके पर।

बरयस्त—(फ) रीति रिवाज, क़ायदा क़ानून।

बरबाद—(फ) नष्ट, चौपट।

बरबादी—(फ़) नाश।

बरमला—(फ) सब के सामने, खुले आम, स्पष्ट, साफ।

बर महल—(फ) उचित अवसर पर, समयोचित।

बरस—(अ) कोढ़, कुष्ठ।

बरमास—(फ) एक रोग जिसमें बगल के नीचे के भाग में सूजा हो जाती है।

बरहक़—(फ़) ठीक उचित सत्य, वास्तविक, न्याय पर।

बरहनगी—(फ) विवस्त्रता, नग्नता, नंगापन, लुचपन।

बरहना—(फ) वस्त्रहीन, दिगम्बर, नंगा।

बरहना गोई—(फ) साफ़ साफ कहना, बिना लगाव लपेट के कहना, भेद खोलना, प्रकट करना।

बरहम—(फ़) चकित, विस्मित अस्त-व्यस्त, तितर बितर, उलट-पलट, अप्रसन्न क्रुद्ध।

बरा—(फ) ऊपर, फल, सीना, वक्षस्थल, अश्व, याद।

बराज़—(अ) विष्ठा, मल, मैला।

बराबर—(फ) समान तुल्य, एक-सा, लगातार, निरन्तर, सम तल।

बराबर करना—नष्ट कर देना, समाप्त कर डालना।

बराबरी—(फ) समता, तुल्यता, सादृश्य, तुलना, सामना, मुकाबला।

बरामद—(फ) खोज कर बाहर निकालना, बाहर आना।

बरामदा—(फ़) मकान में कोठे-कमरे आदि के सामने का ढुप द्वारों वाला भाग।

बराय—(फ़) वास्ते, लिए, निमित्त।

बराय खुदा—(फ़) खुदा के नाम पर।

बरायनाम—(फ) नाम मात्र, बहुत थोड़ा-सा।

बरार—(फ) लाने वाला, लाया हुआ, सामने लाना, पूरा करना, कर, महसूल।

बरारी—(फ) पूरा होना।

बरिन्दा—(फ) ले जाने वाला या लाने वाला, वाहक, किसी वर्जित वस्तु को छिपाकर गुप्त रूप से ले जाने या लाने वाला।

बरियाँ—(फ) भुना हुआ।

बरीं—(फ) बहुत ऊपर ऊँचा, श्रेष्ठ।

बरी—(अ) मुक्त, छूटा हुआ, निरपराध, पृथक्, अलग।

बरीक़—(अ) चमकदार, चकाचौंध कर देने वाला, चौंधिया देने वाला।

बरीद—(अ) पत्र-वाहक, हरकारा।

बरीयत—(अ) मुक्ति छुटकारा, परित्राण, रिहाई।

बरेशम—(फ) रेशम।

बर्क़—(अ) विद्युत्, बिजली।

बर्ग—(फ) वृक्ष आदि के पत्ते, पत्र, पत्ता, सामग्री, सामान।

बर्जस्ता—(फ) बिना सोचे-विचारे कहा हुआ, चुस्त, उपहार।

बर्फ़—(फ) देखो "बरफ़"।

बर्फ़ानी—(फ) बर्फ का, बर्फ सम्बन्धी, जिसमें या जिस पर बर्फ पड़ी हो।

बर्र—(फ) स्थल, वन, जंगल।

बर्र-ए आज़म—(अ) स्थल का बहुत बड़ा भाग, महाद्वीप।

बर्राक़—(अ) अत्यन्त स्वच्छ और सफेद, चमकदार, चमकीला। तेज़, वायु के समान शीघ्रगामी।

बर्री—(अ) स्थल सम्बन्धी, खुश्की का।

बर्स—(अ) कोढ़, कुष्ठ।

बलग़ा—(अ) "बालिग़" का बहुवचन।

बलद—(अ) शहर, बस्ती, नगर।

बलदा—(अ) देखो "बलद"

बलन्द—(फ) ऊँचा, उच्च।

बलन्दीगह—(फ़) दुर्गम स्थान।

बलन्दी—(फ) उच्चता, ऊँचाई।

बलन्दी व पस्ती—(फ) आकाश तथा पृथिवी, ऊँचाई निचाई।

बलवा—(अ) उपद्रव, विप्लव, विद्रोह, दंगा, बगावत।

बलवाई—(फ) उपद्रवी, विप्लवी, विद्रोही, दंगाई।

बलवान—(फ) मुँहचंग नामक बाजा।

बला—(अ) आपत्ति, संकट, कष्ट, दुख, रोग, व्याधि, भूतप्रेत अथवा भूतप्रेतों की बाधा।

बला का—अत्यंत, बहुत अधिक घोर।

बलाखेज़—(मि) दुखात्मक, त्रासजनक।

बलागत—(अ) यौवन, समयोचित शब्द प्रयोग या सम्भाषण।

बलीग—(अ) समयोचित भाषण करने वाला, सुवक्ता।

बलीद—(अ) कम समझ, कुण्ठित बुद्धि।

बलूग़—(अ) युवा होना।

बलूग़त—(अ) यौवन, जवानी।

बलूत—(अ) वृक्ष विशेष जिसकी छाल रंग बनाने में काम आती है।

बले—(अ) हाँ जी, हाँ साहब, हाँ ठीक है।

बलैयात—(अ) "बला" का बहुवचन।

बल्कि—(फ) प्रत्युत, इसके विरुद्ध।

बलग़म—(अ) कफ श्लेष्मा, खखार।

बलग़मी—(अ) बलग़म सम्बन्धी, कफ प्रधान।

बल्द—(अ) देखो "बलद", शहर, नगर, बस्ती।

बशर—(अ) मनुष्य, आदमी।

बशरा—(अ) रूप-रंग, चेहरा, मुख, आकृति।

बशरियत—(अ) मनुष्यता, आदमी पन।

बशर्ते कि—(फ) शर्त यह है कि।

बशाशत—(अ) प्रसन्नता।

बशारत—(अ) सु समाचार, शुभ सम्वाद, खुश खबरी।

बशाशत—(अ) प्रसन्नता, खुशी।

बशीर—(अ) सुन्दर, खूबसूरत, शुभ संवाद सुनाने वाला।

बश्शाश—(अ) प्रसन्न वदन।

बस—(फ) पूरा, पर्याप्त, बहुत, काफी, भरपूर, अलम्, केवल, इतना मात्र।

बसर—(अ) आँख, दृष्टि, ज्ञान, जानकारी।

बसाल—(अ) प्याज़।

बसा—(फ) बहुत, बहुधा, अधिक, समग्र, फ़ारस का एक नगर विशेष।

बसा औक़ात—(फ) प्राय, बहुत बार, अक्सर।

बसारत—(अ) दृष्टि, नेत्र, ज्योति, ईक्षण शक्ति, ज्ञान, समझ, अनुभव करने की शक्ति।

बसीत—(अ) सादा, सरल, फैलाया हुआ।
बसीर—(अ) ज्ञानी, ज्ञानवान, नेत्रों वाला, समझदार।
बसीरत—(अ) देखो "बसारत"।
बसे—(फ) बहुत, पर्याप्त, सदृश, कबाब सेंकने की कील।
बस्तगी—(फ) बँधना, संलग्न होना।
बस्ता—(फ) वह छोटी गठरी जिसमें कागज-पत्तर या पुस्तकें बँधी हों, बसना, बँधा हुआ, बाँधा हुआ।
बह—(फ) अच्छा, उत्कृष्ट, उत्तम, बिही, एक फल विशेष।
बहक—(अ) छीप।
बहतर—(फ) श्रेष्ठ, उत्तम बढ़िया, अच्छा।
बहतरी—(फ) उत्तमता, श्रेष्ठता, अच्छा।
बहतरीन—(फ) अतिश्रेष्ठ परमोत्तम, बहुत अच्छा। सर्वश्रेष्ठ।
बहनाना—(फ) बन्दर, वानर, मर्कट।
बहबूद—(फ) देखो "बहबूदी"।
बहबूदी—(फ) भलाई, उपकार, शुभ काम।
बहम—(फ) संग, साथ।
बहम पहुँचाना—उपस्थित या प्रस्तुत करना।
बहमन—(फ) फ़ारसी वर्ष का ग्यारहवाँ महीना।
बहर—(फ) लिए, निमित्त, वास्ते।
बहर—(अ) समुद्र, सागर, छन्द, चिन्तन।
बहर कैफ—(मि०) किसी प्रकार भी, प्रत्येक दशा में।
बहर हाल—(फ) प्रत्येक दशा में, हर हालत में सब प्रकार, सब तरह, जैसे भी हो।
बहरा—(फ) भाग्य, तक़दीर, हिस्सा, टुकड़ा।
बहराम—(फ) एक नक्षत्र (मंगल) विशेष, एक बादशाह का नाम।
बहरामन्द—(फ) प्रसन्न, भाग्यवान, सम्पन्न।
बहरायाब—(फ) भाग्यशाली।
बहरावर—(फ) सौभाग्यशाली, अच्छी तक़दीर वाला।
बहरी—(अ) समुद्री, सागर सम्बन्धी, समुद्र या नदी का।
बहरेगम—(अ) शोकसागर।
बहरे बसीअ—(अ) आसमान, आकाश।
बहरे रवाँ—(फ) जहाज़, नाव, नौका, बहता हुआ दरिया।
बहला—(फ) रुपये पैसे रखने का

बटुआ, चमड़े का दस्ताना जिसे शिकारी लोग हाथ में पहनते हैं।

बहलोल—(अ) एक पेशवा का नाम, एक साधु, राजा, हँसोड़, विदूषक, मसखरा।

बहस—(अ) विवाद, तर्क वितर्क।

बहा—(फ) मूल्य, दाम, कीमत।

बहादुर—(तु) वीर, सूरमा, योद्धा।

बहादुरी—(तु) वीरता, सूरमापन।

बहाना—(फ) कारण, हीला, मिस, टालमटूल, झूठा कारण।

बहाय—(अ) प्रकाश, शामा दीप्ति।

बहार—(अ) "बहर" का बहुवचन। समुद्र, दरिया।

बहार—(फ) आनन्द, मौज, रम णीयता, रौनक़, यौवन, जवानी की उमंग, वसन्त ऋतु, तमाशा प्रफुल्लता, विकास, प्रत्येक फूल।

बहाल—(फ) यथापूर्व, ज्यों का त्यों स्थिर, यथास्थान स्थित, प्रसन्न, आनन्दित, स्वस्थ, चंगा, ठीक।

बहाली—(फ) प्रसन्नता, ज्यों का त्यों रहना।

बहिश्त—(फ) स्वर्ग बैकुण्ठ।

बहिश्ती—(फ) स्वर्गीय, स्वर्ग का निवासी, स्वर्ग सम्बन्धी, भिश्ती, सक्का।

बहिश्तीरू—(फ) सुन्दर, नवयुवक, बिना दाढ़ी मूछों वाला।

बहीमा—(अ) गाय भैंस आदि चौपाए।

बहीर—(फ) सैनिक, गृहस्थी।

बाँग—(फ) पुकार, आवाज़।

बा—(फ) साथ, सामने, समक्ष, सहित, तरफ़, बाज़ पक्षी का संक्षिप्त।

बाअ—(फ) विभिन्न दिशाओं में फैलाए हुए हाथों की एक हाथ की उँगली के सिरे से दूसरे की उँगली के सिरे तक की लम्बाई। चौ० धनुष प्रमाण।

बाअद—(अ) दूर होने वाला।

बाइस—(अ) कारण, हेतु, आधार, सबब।

बाक—(फ) भय, डर।

बाकर—(अ) बड़ा विद्वान, प्रकाण्ड पंडित, बड़ा धनी सिद्ध, पाँचवें इमाम की उपाधि।

बाकर खानी—(अ) एक प्रकार की बढ़िया रोटी।

बाक़ला—(अ) एक प्रसिद्ध वृक्ष जिसकी फलियाँ तरकारी बनाने के काम में आती हैं।

बाक़िर—(अ) बहुत बड़ा विद्वान, अत्यन्त धनी।

बाकिरा—(अ) कुमारी, कन्या, अविवाहिता लड़की।

बाक़िल—(अ) तरकारी बेचने वाला, एक व्यक्ति का नाम जो अत्यन्त मूर्ख था॥

बाक़ी—(अ, शेष अवशिष्ट, (गणित में) घटाने की क्रिया।

बाकी—(अ) रोने वाला।

बाक़ीदार—(मि) जिस पर कुछ बक़ाया निकलता हो।

बाख़बर—(फ) सचेत, सावधान, सतर्क, जानकार, जानने वाला।

बाख़ुदा—(फ) आस्तिक, ईश्वर भक्त।

बाख़्ता—(फ) हारा हुआ, खोया हुआ, सविकार।

बाग़—(फ) उद्यान बागीचा, उप वन, वाटिका।

बाग़बाग़—फ) अत्यधिक प्रसन्न।

बाग़ चा—(फ) छोटा बाग बगीची।

बाग़ क़ुदस
बाग़ बदीअ } —आसमान।
बाग़ वसीप

बाग़न्दा—'फ) धुनी हुई रुई का गाला।

बाग़बान—(मि) बाग का संरक्षक, माली।

बाग़बानी—(मि) मालीगीरी।

बागात—(फ) 'बाग" का बहु वचन।

बागाती—(फ) खेती करने या बाग लगाने लायक़ भूमि।

बाग़ी—(अ) विद्रोही, उपद्रवी, विप्लवी, बाग सम्बन्धी।

बागीचा—(फ) छोटा बाग बगीची।

बा—(फ) साथ, सहित, सामने।

बाज—(फ़, कर, महसूल, टैक्स, लगान।

बाज़—(अ) कोई, कुछ, थोड़े से, व्यक्ति, अवसर आदि।

बाज़—(फ) एक शिकारी पक्षी, लौट आना, उलटे, पीछे, कोई काम करने से रुक जाना, किसी काय करने का विचार त्याग देना, रुक जाना, अलग रहना, दूर रहना, छोड़ना त्यागना, कुछ सम्बन्ध न रखना, रोकना, अलग करना, खोलना, झगड़ा-तकरार किसी काम का दुह-राना दोनों ओर सीधे फैलाए हुए हाथों की बीच की उंगलियों के सिरों के बीच की लम्बाई जो चार हाथ होती है, बी, पुरुष प्रमाण, धनुष प्रमाण, उड़ाने या लड़ाने वाला, शौक़ीन।

बाजआना—किसी काम से हाथ खींच लेना, रुक जाना।

बाजख्वास्त—(फ) दी हुई वस्तु को वापस माँगना।

बाजगश्त—(फ) लौटना, फिर कर आना, वापस आना, प्रतिध्वनि, गूँज।

बाजगीर—(फ) लगान या महसूल वसूल करने वाला।

बाजगुजार—(फ) कर या लगान देने वाला, करद।

बाजगो—(फ) दुबारा वर्णन करने वाला, पुनर्वार कहने वाला।

बाजदार—(फ) कर उगाहने वाला कर्मचारी।

बाजपास्त—(फ) किसी दी हुई वस्तु को वापस माँगना।

बाजपुर्स—(फ) पूछगछ करना, खोजबीन या अनुसन्धान करना, किसी बात का पता लगाने के लिए जाँच पड़ताल करना, हिसाब जाँचना।

बाजयाफ्त—(फ) फिर से प्राप्त हुआ, वापस मिला हुआ।

बाजरगान—(फ) सौदागर, व्यापारी।

बाजार—(फ) वह स्थान जहाँ भाँति भाँति की वस्तुओं की दुकानें हों, हाट, पैठ बेचने और खरीदने की जगह।

बाजार गर्म होना—बाजार में चीजों या ग्राहकों की भरमार होना, खूब खरीद-बिक्री होना।

बाजार उतरना—बाजार में किसी वस्तु के दाम कम हो जाना।

बाजार चढना—किसी वस्तु के दाम बढ़ जाना।

बाजार मन्दा होना—किसी वस्तु की बाजार में माँग कम हो जाना, कारबार कम चलना,

बाजार तेज होना—किसी चीज़ के दाम बढ़ जाना, किसी चीज़ की माँग अधिक होना।

बाजारगान—(फ) सौदागर, व्यापारी।

बाजारगानी—(फ) सौदागरी, व्यापार।

बाजारी—(फ) बाजार सम्बन्धी, बाजार का साधारण, मामूली, असभ्य, अशिष्ट चलता फिरता।

बाजारू—(फ) देखो "बाजारी"।

बाजिन्दगी—(फ) धूर्तता, मक्कारी, चालाकी खेल, तमाशा।

बाजिन्दा—(फ) धूर्त, मक्कार, चालाक, खिलाड़ी, लोटन कबूतर।

बाजिल—(फ) प्रतिष्ठित, धनी।
बाज़िल—(अ) दानी, दाता, वदा न्य, उदार।
बाजी—(फ) महसूल या कर देने वाला।
बाजी—(फ) खेल, होड़, वह खेल जिसमें हारजीत पर कुछ लेने देने की बात निश्चित हो, दाव, शर्त।
बाजी मारना—शर्त या दाव जीतना।
बाजी ले जाना—किसी बात में सर्व श्रेष्ठ ठहरना, आगे बढ़ जाना।
बाजीगर—(फ) महसूल लेने वाला।
बाज़ीगर—(फ) नट, जादूगर, जादू या हाथ की सफाई के खेल करने वाला।
बाजीगरी—(फ) जादूगरी, जादू के खेल।
बाजीगाह—(फ) खेल का स्थान।
बाजीगोश—(फ) चपल चचल, प्रसन्न चित्त, खिलाड़ी।
बाजीचा—(फ) खिलौना, खेल, खिलवाड़।
बाजुर्गान—(फ) सौदागर, व्यापारी।
बाजुर्गानी—(फ) सौदागरी, व्यापार।
बाजू—(फ) बाँह भुजदण्ड शक्ति, ओर, पार्श्व, पहलू, सेना का किसी ओर का एक पक्ष, प्रत्येक काम में साथ रहने और सहायता देने वाला, पक्षियों के पर, भुजाओं में पहनने का एक गहना।
बाजूशिकन—(फ) बलिष्ठ, शक्तिशाली, भुजाएँ तोड़ने की शक्ति रखने वाला।
बात—(फ) सराय, आराम करने की जगह, ठहरने की जगह।
बातिन—(अ) आन्तरिक, भीतरी, भीतर का, अन्त करण।
बातिनी—(अ) देखो "बातिन"।
बातिल—(अ) झूठा, मिथ्या, नकली, झूठ मूठ का, व्यर्थ, निरर्थक प्रभावहीन।
बातिशा—(अ) आक्रमण करने वाला क्रोध या कठोरता करने वाला।
बाद—(अ) अनन्तर, पीछे पश्चात, अलग किया हुआ छोड़ा हुआ घटाया हुआ।
बाद—(फ) हवा वायु पवन
बादकश—(फ) बड़ा पंखा, लुहार की धौंकनी भाथी, झरोखा,

वातायन, सिंगी जिसकी मुँह से हवा खींच कर शरीर के दर्द आदि का उपचार किया जाता है।

बादख्वान—(फ़) चापलूस, खुशामदी।

बाद गिर्द—(फ) बगूला, बवंडर, वायु चक्र।

बाद गीर—(फ) खिड़की, झरोखा, हवादार मकान।

बाद जन—(फ) पंखा, बीजना।

बाद दमा—(फ) अपव्ययी फ़िज़ूल खर्च निधन।

बादनिजाँ—(फ) बैंगन।

बाददस्ती—(फ) फ़िज़ूल खर्ची, चालाकी।

बाद पा—(फ) तेज़ दौड़ने वाला घोड़ा। द्रुतगामी अश्व।

बादफ़रोश—(फ) चाटुकार, चापलूस, भाट, बकी बकवादी।

बाद फिरंग—(फ) उपदंश, आतशक, गर्मी।

बादबान—(फ) जहाज़ का पाल।

बादमुहरा—(फ) साँप के सिर में से निकलने वाली एक दवा जो साँप काटे के इलाज में काम आती है।

बादयान—(फ) सौंफ शतपुष्पा।

बाद रफ्तार—(फ) वायु के समान तीव्र चलने वाला।

बादशाह—(फ) बड़ा राजा, सम्राट्, महाराज।

बादशाहज़ादा—(फ) बादशाह का लड़का, महाराज कुमार।

बादशाहत—(फ) साम्राज्य, सल्तनत।

बाद सख्त—(फ) आँधी, तेज़ हवा, आपत्ति, अशांति, आफ़त।

बादा—(फ) मद्य शराब, मदिरा।

बादाकश—(फ) मद्य पीने वाला, शराबी।

बादापरस्त—(फ) शराबी, मदिरा पीने वाला।

बादा परस्ती—(फ) शराब पीना।

बादाम—(फ) एक प्रसिद्ध सूखा मेवा। इससे प्रायः नेत्रों की उपमा दी जाती है। माल देकर खरीदी वस्तु।

बादामस्याह—(फ) माशूक की आँखें, वे बादाम जो मुर्दे की अरथी पर बखेरे जायँ।

बादामा—(फ) एक प्रकार का रेशमी वस्त्र।

बादामी—(फ) बादाम का, बादाम के रंग रूप का, कुछ।

बादा रीहानी—(फ) फूलों की

शराब।

बादिया—(अ) जंगल, मरुस्थल, वन।

बादिया—(फ) एक प्रकार का ताँबे का कटोरा। बड़ा प्याला।

बादी—(फ) वायु या बात सम्बन्धी, हवा का, हवाई।

बादे शर्त—(फ) अनुकूल वायु, माफ़िक हवा।

बादे सबा—(फ) पूरब से आने वाली हवा। पूर्वी वायु। प्रात कालीन वायु।

बान—(अ) एक प्रकार की सुगंध, बेदमुश्क, (फ) रक्षक देख भाल करने वाला, हाँकने या चलाने वाला।

बा नवा—(फ) अच्छी आवाज़ वाला, सौभाग्यशाली, समर्थ, शक्तिशाली, सम्पन्न, धनवान, असावधान, निश्चिन्त।

बानिएशर—(फ) झगड़ालू, उपद्रवी।

बानी—(अ) संस्थापक, प्रवर्तक, बनाने या स्थापित करने वाला, नेता, प्रधान, मूल साधन।

बानी कार—(फ) चालाक, मक्कार, चलतापुर्ज़ा।

बानू—(फ) भले और सम्पन्न घर की स्त्री, बेगम, भद्र महिला।

बानूए मशरक—(फ) सूर्य, उषा, प्रभा।

बाफ़—(फ) बुनने वाला, बुना, हुआ।

बाफ़ी—(फ) बुनाई, बुनने का कार्य।

बाफ्ता—(फ) बुना हुआ, एक प्रकार का कपड़ा।

बाब—(अ) द्वार, दरवाज़ा, अध्याय, परिच्छेद, प्रकरण।

बाब काना—(फ) खिड़की।

बाबजन—(फ) कबाब भूनने की सलाख।

बाबत—(फ) लिए, वास्ते, सम्बन्ध में, विषय में, बारे में।

बाबर—(फ) एक बादशाह का नाम जो सम्राट अकबर का नाना था।

बाबा—(फ) वृद्ध और आदरणीय व्यक्ति के लिए सम्बोधन बाप, बाबा, दादा, नाना, सरदार, दाढ़ीवाला, साधु, फ़कीर।

बाबिल—(फ) ईराक़ का एक प्रसिद्ध नगर।

बाबिल क़ौम—(फ) क़ौम का सर-

दार, जाति-नायक ।
बाबूना—(फ़) एक प्रसिद्ध पौधा जिसके फूल दवा के काम में आते हैं ।
बाबे कस्सान—(फ) कुश्ती का एक दांव ।
बाम—(फ) घर की छत, अटारी, प्रात काल ।
बामगाह—(फ) प्रात काल, सुबह, सवेरे ।
बामदाद—(फ) सुबह, सवेरा, प्रात काल ।
बामनहम—(फ) अर्श, आस मान ।
बा मुहावरा—(अ) मुहावरेदार ।
बामे तरफ़—(फ़) छज्जा ।
बामा—(फ़) लम्बी दाढ़ी वाला ।
बायद—(फ) जैसा चाहिये वैसा, जैसा होना आवश्यक हो ।
बायद व शायद—(फ) आदर्श, जैसा होना चाहिए वैसा । बहुत अच्छा, बिलकुल ठीक ।
बायस्त—(फ) जैसा चाहिये वैसा ।
बाया—(अ) क्रय करने वाला, बेचने वाला ।
बार—(फ) भार, बोझ, समय, बारिश, ईश्वर का नाम, बड़प्पन, महँगाई, समुदाय, ढेर, द्वार, दरवाज़ा, भाग्य, नेक, अच्छा, फल परिणाम, दरबार, राजसभा, विदा, पेड़ की जड़, कार्य, अधिकता, वृक्ष का फल या मेवा, स्त्रियों का गर्भ, गवैयों का साज, मिलावट, बरसने वाला ।
बार अन्दाज़—(फ़) बरसने वाला ।
बार आम—(फ) वह राज-दरबार जिसमें सब लोग सम्मिलित हो सकें, साधारण राजसभा ।
बारकश—(फ़) बोझ ढोने वाला, बोझ ले जाने वाला ।
बारक़—(फ) चमकने वाला ।
बारका—(अ) बिजली, चमक, तलवार की चमक ।
बार खाना—(फ) असबाब रखने का मकान । गोदाम ।
बारख़ास—(फ) वह राज-सभा जिसमें विशेष व्यक्ति जा सकें ।
बारगाह—(फ) राजदरबार, कचहरी, राज-भवन, किसी महान् पुरुष का स्थान, बादशाह का डेरा ।
बारगी—(फ) घोड़ा ।
बारगीर—(फ) बोझ ढोने वाला, घोड़ा, ऊँट बैल आदि ।

वह व्यक्ति जो दूसरे के घोड़े पर नौकर हो और अपना घोड़ा न रखता हो।
बारचा-बारजा—(फ) बरामदा, कोठा, अटारी।
बारदान बारदाना—(फ) पात्र, बरतन, वे बरतन बोरी सन्दूक आदि जिनमें भरकर सामान रक्खा जाय या कहीं भेजा, जाय।
बार बरदार—(फ) बोझा ढोने वाला, असबाब उठाने वाला।
बार बरदारी—(फ) बोझ ढोना, ढोने की मज़दूरी।
बार याब—(फ) न्यायालय अथवा राजदरबार में प्रविष्ट होने वाला, किसी धनी या बड़े आदमी के सामने उपस्थित होने वाला।
बारयाबी—(फ़) राजदरबार या न्यायालय में उपस्थित होना।
बार वर—(फ) फलदार दरख़्त।
बारहदरी—(फ़) वह मकान जिसके चारों तरफ बारह या बारह से अधिक दरवाजे हों।
बारह वफ़ात—(फ़) मुहम्मद साहब के जीवन के वे अन्तिम बारह दिन जिनमें वे अत्यन्त बीमार रहे थे।
बारहा—(फ) अनेक बार, प्रायः बहुधा।
बॉरा—(फ) वर्षा, मेह।
बारा—(फ) क़िले की दीवार, तेज़ दौड़ने वाला घोड़ा।
बारानी—(फ़) बारिश, वर्षा, वर्षा से बचने के लिए ओढ़ा जाने वाला कपड़ा, बरसाती, वह खेती जो वर्षा पर ही निर्भर हो, देव मातृका भूमि।
बाराने गोज़—(फ) छज्जा, सायवान।
बारिक़—(अ) चमकने वाला, प्रकाशित, देदीप्यमान।
बारिद—(अ) जो स्वादिष्ट न हो, ठंडा, नपुंसक, षण्ढ।
बारिश—(फ़) मेह, वर्षा।
बारी—(अ) उत्पादक, परमात्मा, ईश्वर।
बारीक़—(फ़) पतला, सूक्ष्म, महीन जो जल्दी न समझा जा सके। दुरूह, दुर्बोध्य।
बारीकबीनी—(फ़) सूक्ष्म-दर्शिता, किसी बात की बारीकी देखना।
बारीकर्बी—(फ़) सूक्ष्मदर्शी।
बारीकी—(फ) सूक्ष्मता, पतलापन, दुरूहता।
बारू—(फ) क़िला, क़िले की

दीनार ।

बारी ताला—(श्र) परमात्मा जो सबसे महान् है ।

वारूत—(फ़) बारूद ।

वारूद—(फ़) बारूद ।

वारे—(फ) एकबार, अन्त में ।

वारे खुदा—(फ़) परमात्मा ।

वारे में—(फ़) सम्बन्ध में, विषय में, मध्ये ।

वाल—(श्र) हृदय, प्राण, बड़प्पन, (फ) भुजदण्ड, पक्षियों के पंख, एक बड़ी मछली (तु०) शहद ।

वालग—(फ) शराब पीने का प्याला ।

वालगीर—(फ) साइस, घोड़ों की देख रेख करने वाला ।

वाला—(फ) ऊपर, ऊँचा, पर, ऊपर का, लम्बा, कावल घोड़ा, खुरासान देश ।

वालाई—(फ़) ऊपरी, ऊपर का, ऊँचाई, बाहरी, बाह्य वस्तु, दूध की मलाई ।

वालाए ताक़—(फ) उपेक्षा कर देना ताक पर रख देना, अलग रख देना ।

वाला खाना—(फ) अट्टा, अटारी मकान की ऊपरी मंजिल का कमरा ।

वाला चाक़—(फ़) बलिष्ठ, शासक ।

वाला दस्त—(फ) जिसका पहलू ऊँचा हो, प्रधान, अध्यक्ष, उच्च, बलिष्ठ, बलवान, बढ़िया वस्तु ।

वाला नशीन—(फ़) बैठने का सर्वोच्च या सवश्रेष्ठ स्थान, सबसे ऊँचे स्थान पर बैठने वाला, सबसे बढ़िया, सर्वोत्तम ।

वाला पोश—(फ़) किसी वस्तु को ढकने के लिए ऊपर से डाला जाने वाला कपड़ा ।

वालावर—(फ) एक प्रकार का अँगरखा ।

वाला वाला—(फ) ऊपर ही ऊपर, अलग से, बाहर से ।

वालिग—(श्र) वयस्क, जो बाल्यावस्था से पार हो चुका हो ।

बालिगा—(श्र) पूर्ण ।

वालिया (श्र) पुराना, प्राचीन ।

वालिश—(फ) तकिया सिर के नीचे लगाने का ।

वालिश्त—(फ) बारह अंगुल का नाप, बिलस्त, बित्ता, बीता ।

वाली—(श्र) पुराना, प्राचीन ।

वाली—(श्र) सिरहाना, तकिया ।

वालीदगी—(फ) बढ़वार, विकास, (वृक्ष आदि का)

बालीन परस्त—(फ) वह बीमार जो बिस्तर पर से उठ न सकता हो।

बालूग़ा—(अ) गन्दा पानी जमा होने की कुएडी।

बालूशाही—(गि) इस नाम से प्रसिद्ध एक मिठाई, खुरमा, खुरमी।

बावजूद—(फ) इतना होने पर भी।

बावर—(फ) विश्वास, भरोसा, यक़ीन, निश्चय।

बावर्ची—(फ) रसोइया, रोटी बनाने वाला।

बावर्ची ख़ाना—(फ़) पाकशाला, रसोइ घर, भोजन बनाने का स्थान।

बावर्ची गरी—(फ) रोटी बनाने का काम भोजन बनाने का कार्य, रसोइया का कार्य अथवा पद।

बावली—(फ) बावड़ी, बड़ा कुआँ, वापी।

बावस्फ़—(फ़) गुणी, गुणवान, इतना होने पर भी इतने पर भी।

बाश—(फ़) रह, ठहर जा, रुकजा, होना, ठहरना, रहना।

बाशा—(फ़) एक शिकारी पक्षी। (तु०) सिर,

बाशिन्दा—(फ़) रहने वाला, निवासी।

बाशी—(तु०) सरदार।

बास—(अ) कष्ट, दुःख भय।

बासक—(फ) जम्हाई लेना, सर्पों का राजा वासुकि।

बासक—(फ) लम्बा, ऊँचा।

बासगूना—(फ़) उलटा।

बास तान—(फ) पुराना, सनातन, बीता हुआ।

बासिर—(फ) देखने वाला द्रष्टा

बासिरा—(अ) देखने की शक्ति, निगाह, दृष्टि, आँख, नज़र।

बासिल—(फ) वीर, साहसी।

बाह—(अ) संभोग की इच्छा, बल।

बाहम—(फ) परस्पर, आपस में, मिलजुल कर।

बाहर—(अ) प्रकट, खुला हुआ।

बाहिस(फ़) बहस करने वाला, परी क्षक, ज़मीन खोदने वाला।

बिकर—(अ) कुमारी, अविवाहिता लड़की, कौमार्य।

बिक्र—(अ) देखो 'बिकर''

बिज़न—(फ) बहुत से लोगों की एक साथ हत्या, कत्ले आम, नर-संहार।

बिज़न गाह—(फ़) वह स्थान जहाँ हत्यारों या लुटेरो का भय हो।

बिज़ाअत—(अ) असली पूँजी, मूल धन।
बिज़ा तिही—(अ) आप, स्वय, खुद।
बिद्दत—(अ) अनीति, अन्याय, धर्म विरुद्ध आचरण, लड़ाई, झगड़ा,
बिदून—(फ़) सिवा, विना, बग़ैर, इसके सिवा।
बिद्दत—(अ) देखो बिदअत।
बिन—(अ) बेटा, पुत्र, लड़का।
बिना—(अ) जड़, मूल, आधार, बुनियाद, भवन, लड़की, पुत्री।
बिनाबर—(फ) एतदर्थ, इसलिए, अतएव अत, इस कारण से।
बियाबान—देखो "बयाबान"।
बिरज—(मि) पीतल, चावल।
बिरजी—(मि) पीतल का।
बिरयाँ—(फ) भुना हुआ।
बिरयानी—(फ़) एक प्रकार का नमकीन पुलाव।
बिरादर—(फ) भाई, बिरादरी के लोग, रिश्तेदार।
बिरादर जादा—(फ) भाइ का लड़का भतीजा।
बिरादराना—(फ) भाई चारे का, बिरादरी या भाइयों का सा।
बिरादरी—(फ) एक जाति के लोगों का समुदाय।
बिरियाँ—(फ) भुना हुआ,
बिरियानी—(फ) एक प्रकार का नमकीन भात।
बिरेज़—(फ) पाहि पाहि, त्राहि त्राहि, रक्षा के लिए पुकार, आर्त नाद।
बिर्द—(अ) व्रत, प्रतिज्ञा, सर्दी, ठंडक।
बिल्—(अ) सहित, युक्त, (प्राय शब्दों के प्रारम्भ में उपसर्ग रूप में आता है)।
बिल् आक्स—(अ) इसके विरुद्ध, इसके विपरीत।
बिल आख़िर—(अ) अन्त में
बिल इत्तफ़ाक़—(अ) सर्वसम्मति से।
बिल इस्तकलाल—(अ) धैर्य के साथ, धैर्य पूर्वक, दृढ़ता के साथ।
बिल् उमूम—(अ) साधारणत सामान्यतया, आमतौर पर।
बिल् कुल—(अ) पूरा, सब, कुल नितान्त।
बिल् जब्र—(अ) बलपूर्वक, ज़ोर बरी से।
बिल् ज़रूर-ज़रूरत—(अ) अवश्य निश्चय पूर्वक।

बिल् जुमला—(अ) कुल मिलाकर, सब मिलाकर, तात्पर्य, अभिप्राय।

बिल् फ़र्ज़—(अ) यह मानकर, यह कल्पना करके।

बिल् फ़ेल—(अ) इस समय, इस अवसर पर, सम्प्रति, अब।

बिल् मुक़ाबिल—(अ) तुलना में समता में, सामने, मुक़ाबले में।

बिल् मुक्ता—(अ) निश्चित, प्रथम किए गए निश्चय अनुसार।

बिलयक़ीं—(अ) निश्चय।

बिला—(अ) बिना बग़ैर।

बिलाद—(अ) "बल्द" (नगर) का बहुवचन।

बिला वजह—(अ) अकारण।

बिलाशक—(अ) निःसन्देह, निश्चय ही।

बिलौर—(अ) स्फटिक, एक प्रकार का सफ़ेद और काँच के समान पारदर्शक पत्थर।

बिल्लौरी—(अ) बिलौर का, स्फटिक का बना हुआ।

बिसात—(अ) योग्यता, सामर्थ्य, बूता, पूँजी, माल, असबाब, शक्ति, बिछौना, बिछावना, वह कपड़ा जिस पर चौपड़ अथवा शतरंज खेलने के लिए खाने बने होते हैं।

बिसात खाना—(मि) घर का माल-असबाब, वह बाज़ार या दुकान जहाँ घर में काम आने वाली सुई, धागा, कंघा, शीशा, चूड़ी, खिलौना, बटन, साबुन आदि वस्तुएँ बिकती हों।

बिसाती—(अ) घर-गृहस्थी में काम आनेवाली चीज़ें—साबुन, कंघा, चूड़ी, सुई आदि बेचने वाला।

बिसियार—(फ) ढेर, राशि, बहुत अधिक।

बिस्त—(अ) बिछाना, फैलाना, (फ) बीस, दस और दस।

बिस्तत—(अ) विस्तृत।

बिस्तर—(फ़) बिछौना। बिछाने का कपड़ा।

बिस्मिल—(फ) घायल, आहत, हत, बलिदान किया हुआ। क़ुर्बानी किया हुआ।

बिस्मिल्लाह—(अ) इश्वर का नाम लेकर, इश्वर के नाम से (इसका प्रयोग किसी काय को प्रारम्भ करते समय करते हैं)।

बिही—(फ़) भलाई, अच्छाई, शुभ, एक फल जो अनार से मिलता-जुलता होता है।

बिहीदाना—(फ) बिही नामक फल

के बीज।
बीं—(फ) दर्शक निरीक्षक, विवेचक।
बी—(फ़) महिला, स्त्री (इसका प्रयोग प्राय किसी स्त्री के नाम के साथ होता है, जैसे—बी फातिमा)।
बीन—(फ) जो देखता हो, देखने वाला, जिससे देखने में मदद मिले।
बीनश—(फ) देखने की शक्ति, दृष्टि, निगाह, नज़र।
बीना—(फ) जिसे दिखाइ देता हो, जिसकी आँखे अपना काम ठीक ठीक करती हों।
बीनाई—(फ) देखने की शक्ति, दृष्टि, निगाह, नज़र।
बीनी—(फ) नाक, नासिका।
बीबी—(फ) प्रतिष्ठित घर की महिला, भले घर की स्त्री, पत्नी, कुलवधू।
बीम—(फ) भय, डर।
बीमा—(फ) किसी से कुछ धन लेकर उसके जीवन अथवा सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए ज़िम्मेदारी लेना।
बीमार—(फ) रोगी, रुग्ण, व्याधि ग्रस्त।
बीमार पुरसी—(फ़) रोगी के पास जाकर उसके स्वास्थ्य का हाल पूछना।
बीमारी—(फ़) रोग, व्याधि।
बीर—(फ़) कुआँ, कूप।
बीरान—(फ) वीरान, ऊजड़, नष्ट भ्रष्ट, बेरौनक, हतश्री।
बीराना—(फ़) वीराना, ऊजड़।
बीवी—(अ) देखो "बीबी"
बुक़—(फ) निवास स्थान, रहने का मकान, मन्दिर।
बुकचा—(फ़) कपड़ों आदि की छोटी गठरी।
बुक़रात—(अ) एक प्रसिद्ध तत्ववेत्ता।
बुकम—(अ) गूंगे लोग, जो बोल नहीं सकते।
बुका—(अ) रोना, क्रन्दन, कराहना।
बुख़ार—(अ) तप, ज्वर, भाप, वाष्प।
बुख़ारात—(फ) "बुख़ार" का बहु वचन।
बुख़्ल—(अ) कृपणता, कंजूसी, संकीर्ण हृदयता।
बुग़चा—(तु) छोटी गठरी।
बुग्ज़—(अ) ईर्ष्या द्वेष, आन्तरिक द्वेष।
बुग्ज़ा—(अ) देखो "बुग्ज़"।
बुज़—(फ़) बकरी, अजा, हँसोड़।
बुज़क़दम—(फ़) धीरे धीरे चलने

वाला।
बुज़गर—(फ) मेंढों की कुश्ती लड़ाने वाला, मेंढ़ों को लड़ना सिखाने वाला।
बुज़ जिगर—(फ) भीरु, डरपोक, कायर, जिसका हृदय बकरी का सा हो।
बुज़दिल—(फ) भीरु, डरपोक, कायर।
बुज़दिली—(फ़) भीरुता, कायरता, डरपोकपन।
बुज़ बाज़ी—बकरे का नचाना, बकरे से खेल कराना।
बुज़ा—(फ़) एक मीठी और खुशबूदार मेवा।
बुज़ुर्ग—(फ) वृद्ध, पूर्वज, पुरखा, पूज्य, मान्य, संगीत के बारह स्वर।
बुज़ुर्गवार—(फ़) बहुत वृद्ध, अत्यन्त प्रतिष्ठित, गौरवान्वित।
बुज़ुर्गी—(फ) बुढ़ापा, वृद्धत्व, श्रेष्ठता, गौरव।
बुत—(फ) मूर्ति, प्रतिमा, प्रेमपात्र, माशूक, प्रेमिका, प्रेयसी, चुप रहने वाला, मूक-चुप्पा।
बुतकदा—(फ़) मन्दिर, देवालय, प्रेमपात्र, अथवा प्रेयसी के रहने का मकान।
बुतख़ाना—(फ़) देवालय, मन्दिर, वह स्थान जहाँ पूजा के लिए मूर्तियाँ रक्खी गई हों, प्रेमिका का निवास स्थान।
बुतगर—(फ) मूर्तिकार।
बुत तराश—(फ़) मूर्तिकार।
बुत परस्त—(फ) मूर्ति पूजने वाला प्रतिमा पूजक।
बुत परस्ती—(फ) मूर्ति-पूजा।
बुत बने बैठे रहना—मूर्ति के समान चुपचाप बैठे रहना।
बुत शिकन—(फ) मूर्तियों को खण्डित करने वाला, मूर्ति तोड़ने वाला।
बुतसाज़—(फ) मूर्तिकार।
बुतान—(फ) "बुत" का बहुवचन।
बुताने संगदिल—(फ़) कठोर हृदय माशूक।
बुते बेपीर—(फ) निष्ठुर निर्मम।
बुत—(फ) जड़, मूल, नींव, पराकाष्ठा, खेती, कद्दवा, कद्दवा का बीज।
बुदरक़ा—(अ) पथ प्रदर्शक, संरक्षक निरीक्षक।
बुनियाद—(फ़) जड़, नींव, मूल, आधार, वास्तविकता।
बुनूत—(अ) बेटा, लड़का।
बुनू माश—(फ़) मूँग नामक अन्न

जिसकी दाल बनती है।

बुन्दक़—(अ) मिट्टी का गिलोला जो गुलेल में रख कर फेंका जाता है। मेवा।

बुरहान—(अ) युक्ति, तर्क, प्रमाण।

बुराक़—(अ) मुहम्मद साहब के चढ़ने का एक विशेष प्रकार का (कल्पित) घोड़ा।

बुरादा—(फ़) चूरा, चूर्ण।

बुरीदा—(फ़) काटा हुआ, तराशा हुआ।

बुरूँ—(फ़) बाहर।

बुरूज—(अ) "बुर्ज" का बहुवचन है।

बुरूदत—(अ) शीतलता, ठंढक।

बुर्क़ा—(अ) मुसलमान स्त्रियों के पहनने का वस्त्र विशेष, जिससे उनका सारा शरीर ढक जाता है।

बुर्क़ा पोश—(मि०) जिसने बुर्क़ा डाल रक्खा हो।

बुर्ज—(अ) क़िले आदि की दीवारों में कोनों पर तथा बीच में मुख्य मुख्य जगह बने हुए चौड़े तथा गोल स्थान जिन पर तोपें लगी रहती हैं। गोल मकान, गुम्बद, सभा मजलिस, ज्योतिष शास्त्र में राशि।

बुर्द—(अ) एक प्रकार का धारीदार कपड़ा (फ़) मुफ्त में मिली हुई वस्तु या रक़म। बाजी, शर्त।

बुर्दबार—(फ) सहिष्णु, सहनशील।

बुर्दा—(तु०) दास, सेवक, गुलाम, लौंडी, कैदी।

बुर्रा—(अ) जिसकी धार खूब तेज़ हो, खर, तेज़ धार वाला शस्त्रादि।

बुर्राक़—(अ) देखो "बुराक़"।

बुलगा—(अ) "बलीग़" का बहुवचन।

बुर्रिश—(अ) धार, काट।

बुलन्द—(फ़) देखो "बुलन्द"

बुलन्द अखलाक़—(मि०) उच्चादर्श।

बुलन्दी—(फ) देखो "बलन्दी"।

बुलबुल—(अ) प्रसिद्ध पक्षी जिसके चहकने में बड़ी मिठास होती है।

बुलहविस—(अ) जिसको लोभ अधिक हो, लिप्सु, लुब्धक, लालची।

बुलाक़—(तु०) नाक में पहनने का एक आभूषण।

बुलूग़—(अ) पहुँचना, प्राप्त होना (युवावस्था को), वयस्क होना, जवान होना, देखो "बलूग़"।

बुलूग़त—(अ) युवावस्था, यौवन, जवानी। वयस्कता। देखो

बलूग़त।

बुस्तराक—(अ) पुखराज, एक मणि विशेष।

बुस्तान—(अ) फुलवाड़ी, बाग, उपवन, बग़ीचा।

बुहतान—(अ) दोष, लाछन, कलंक, इलज़ाम।

बू—(फ़) गन्ध, वास, दुर्गन्ध महक, आशा, इच्छा, विशेषता, प्रेम।

बू क़लमूँ—(अ) गिरगिट की तरह का एक जानवर जिसकी पूँछ बहुत लम्बी होती है। तरह तरह के रंग बदलने वाला, भाँति भाँति के रंग।

बूगदान—(फ़) बाज़ीगर का थैला।

बूज़ना—(फ़) बन्दर, मर्कट वानर।

बूज़ा—(फ़) एक प्रकार की हलकी शराब, बियर।

बूज़ो ख़ाना—(फ) कलाली, मधुशाला, शराब बेचने व पीने की जगह।

बूतम—(तु०) बच्चा, बालक।

बूद—(फ) अस्तित्व, सत्ता, मौजूद होने का भाव।

बूदो बाश—(फ़) रहन सहन, निवास रहना।

बूयक—(तु०) मूर्ख, बेवकूफ, पुराना।

बूम—(अ) उल्लू, उलूक।

बे—(फ) बिना, रहित, बग़ैर (यह प्राय शब्दों के पूर्व उपसर्ग रूप में व्यवहृत होता है, जैसे—बेशऊर, बेशर्म आदि)

बे अदब—(मि०) अशिष्ट, असभ्य।

बे अन्दामी—(फ) असभ्यता, अशिष्टता।

बे असर—(फ) प्रभाव शून्य।

बे असल—(मि०) निराधार निर्मूल, मिथ्या, झूठ।

बे आबरू—(फ) अप्रतिष्ठित।

बे आहू—(फ) निर्दोष, निरपराध।

बे इख़्तियार—(फ़) जिसके हाथ में कुछ अधिकार न हो, जिसका अपने आप पर कुछ वश न हो। स्वत, आप से आप, सहसा, अचानक।

बे इज़्ज़त —(मि०) अप्रतिष्ठित, अपमानित, बे आबरू।

बे इज़्ज़ती—(मि०) अपमान, अप्रतिष्ठा।

बे इन्तज़ामी—(फ) अव्यवस्था, अप्रबन्ध।

बे इन्तहा—(मि०) असीम, अपार, बेहद।

बे इन्साफ़—(मि०) अन्यायी।

बे इल्म—(तु) मूर्ख, अज्ञान, अजान।

बे ईमान—(मि०) अधर्मी, अन्यायी,

अनाचारी, जिसकी नीअत ठीक न हो।

बे ईमानी—(मि०) अधर्म, अन्याय, अनाचार, नीअत ठीक न हो।

बे इतदाल—(मि०) असंयमी, असावधान।

बे एतबार—(मि०) अविश्वसनीय, जिसकी साख न हो। जो किसी का विश्वास न करे।

बे क़द्र—(मि०) निरादृत, तुच्छ, जिसका कुछ आदर मान न हो। जो किसी का आदर न करे।

बे क़द्री—(मि०) निरादर, अप्रतिष्ठा, अपमान।

बे कमो कास्त—(फ) ज्यों का त्यों, बिना कुछ घटाए-बढ़ाए, अविकल।

बे क़रार—(फ़) विकल, व्याकुल, अशान्त, बेचैन।

बेकल—(मि०) विकल, व्याकुल, बेचैन, अशान्त।

बे क़ायदा—(मि) नियम विरुद्ध, अनुचित।

बेकार—(फ़) निठल्ला, निकम्मा, व्यर्थ, निरर्थक, जिसका कुछ उपयोग न हो।

बेकारी—(फ) निठल्लापन, निकम्मापन, निरर्थकता, अनुपयोगिता, व्यर्थता, काम-काज का अभाव, निरुद्यमता।

बेकिराँ—(फ) असीम, अपार।

बे क़ील—(फ) निस्सन्देह।

बेख़—(फ़) जड़, मूल, उद्गम।

बेख़बर—(मि०) अनजान, बेसुध, अचेत।

बे ख़ीश—(फ़) अचेत।

बे ख़ुद—(फ) जिसके होश-हवास ठीक न हों, जो आपे में न हो, ज्ञान शून्य, बेहोश।

बे ख़्वास्त—(फ़) बिना माँगे प्राप्त होने वाली वस्तु, बिना मांगे मिली चीज़।

बेग—(तु) धनी, सम्पन्न, ईश्वर।

बेगम—(तु) उच्चकुल की महिला, बादशाह, या किसी बड़े आदमी की स्त्री।

बेगानगी—(फ) परायापन, भिन्नता, शत्रुता। अजनबीपन।

बेगाना—(फ़) पराया, अन्य, भिन्न, दूसरा, अपरिचित, शत्रु।

बेगार—(फ़) बिना मज़दूरी दिए काम कराने की प्रथा, बेमन किया हुआ काम।

बेगारी—(फ़) जिससे बेगार कराई जावे, जिससे मुफ्त में बलपूर्वक काम कराया जावे।

वेगाह—(फ) असमय, कुसमय, संध्या।

वेगिलोगश—(फ) बिना मनुनचके, निस्सन्देह।

वेगुलरवेग—(तु०) सेनापति, सिपह सालार, बहुत धनी।

वेगैरत—(मि०) निलज्ज, ढीठ।

वेगैरती—(मि) निर्लज्जता, ढीठता।

वेचारा—(फ) असहाय, साधनहीन, निधन, दीन लाचार।

वेचूं—(फ) अनुपम, अद्वितीय, ईश्वर (यह प्राय परमात्मा के लिए प्रयुक्त होता है)।

वेचैन—(फ) व्याकुल, विकल, अशान्त।

वेचोबा—(फ) बिना खभे का तम्बू।

वेजा—(फ) अनुचित बेठिकाने, बेमौके।

वेजार—(फ़) दुखी, अप्रसन्न।

वेजिगरी—(फ) भय डर।

वेत—(अ) घर, शेर, पद्य।

वेतरह—(फ) अनुचित ढग से, बुरी रीति से, बहुत अधिक, वेढव, भयानक रूप से।

वेतहाशा—(मि) बहुत ज़ोर से, अन्धा धुंध, बिना सोचे विचारे, अचानक, आकस्मिक।

वेता—(अ) चौपायों का इलाज करने वाला, पशुचिकित्सक, शालोत्री, अश्वचिकित्सक।

वेताब—(फ) व्यथित, घबराया हुआ, व्याकुल, वेचैन।

वेताबी—(फ) बेचैनी, विकलता।

वेतार—(अ) देखो "वेता"।

वेतुल अतीक—(अ) पुराना घर, क़ाबा।

वेतुल खला—(अ) टट्टी, संडास, जाज़रूर।

वेतुल गजल—(अ) बढ़िया पद्य, सुन्दर कविता।

वेतुल हराम—(अ) काबा।

वेतुल्लाह—(अ) अल्लाह का घर, काबा।

वेद—(फ) वेत का पौधा, वेतस।

वेद अजीर—(फ) एरण्ड का वृक्ष।

वेदखल—(मि०) जिसका अधिकार छीन लिया हो, अधिकारच्युत।

वेदखली—(मि०) किसी वस्तु पर से अधिकार हटा देना। कब्ज़ा न रहने देना।

वेदस्तोपा—(फ) व्यथित, व्याकुल, परेशान।

वेद मुश्क—(फ) एक वृक्ष जिसके फूल अत्यन्त सुगंधित और कोमल होते हैं, ये दवाओं तथा

अर्क छत्र आदि बनाने के काम आते हैं।

बेदाद—(फ़) अत्याचार, अन्याय।

बेदादगर—(फ) अत्याचारी, अन्यायी।

बेदार—(फ) जाग्रत, जागा हुआ, सचेत, सावधान।

बेदारी—(फ) जागृति, जागने की अवस्था, चेत।

बेदार दिल—(फ) सावधान, सतर्क, सचेत।

बेदिमाग—(फ़) वह बेचैनी जो क्रोध पी जाने पर चित्त में उत्पन्न हो जाती है।

बेदिल—(फ) प्रेमी, आशिक़, अप्रसन्न।

बेदिली—(फ़) अप्रसन्नता।

बेनकाब—(फ) बेपरदा, खुले चहरे वाला।

बेनजीर—(फ) अनुपम, जिसकी किसी से तुलना न की जा सके।

बेनवा—(फ़) साधु, विरक्त, फकीर, दरिद्र, बिना सामान के।

बेनियाज—(फ) अत्यन्त स्वतन्त्र, स्वच्छन्द, सब बन्धनों से रहित, सब कामनाओं से शून्य, निष्काम, निरीह, असावधान, अचेत।

बेपर्द—(फ) जिसके आगे कोई आड़ या पर्दा न हो, खुला हुआ।

बेपर्दगी—(फ) पर्दा या आड़ का अभाव।

बेपीर—(फ) निर्दय, अत्याचारी, स्वार्थी, निगुरा, जिसका कोई गुरु न हो।

बेफैज—(फ़) व्यर्थ, निरर्थक।

बेबदल—(फ) बेजोड़ अतुल्य, जो सदा एक-सा रहे, निश्चित ध्रुव, जिसमें कोई अदल बदल न हो।

बेबर्ग—(फ) साधनहीन, बिनासामान के, रंग।

बेबस—(मि) असमर्थ, निरुपाय।

बेबहा—(फ़) बहुमूल्य, अमूल्य, अत्यधिक मूल्यवान।

बेबाक—(मि) निडर निर्भय।

बेबाक़—(फ) निःशेष, पूरा चुकाया हुआ, चुकता, जिसमें कुछ देना शेष न रहा हो।

बेमहल—(मि) अवसर से अनुपयुक्त, असामयिक।

बेरंग—(फ) मकान का नक्शा, बिना रंग भरा हुआ तस्वीर का ढाँचा, परमात्मा का अद्वैत स्वरूप।

बेरम—(तु) त्यौहार, उत्सव, ईद।

बेरुई—(फ) शुष्कता, उदासीनता, शोभाहीनता, असावधानी, लापरवाही।

बेरून—(फ) बाहर, बहि, अलग, आसपास का।

बेरूनी—(फ) बाहरी, बाहर का, बाह्य।

बेल—(फ) कुदाल, फावड़ा।

बेलकश—(फ) फावड़ा चलाने वाला, किसान, मजदूर।

बेलचा—(फ) छोटा फावड़ा।

बेलज़न—(फ) किसान, मजदूर।

बेलदार—(फ) फावड़ा या कुदाल रखने वाला, मजदूर।

बेलावर—(फ) दवा बेचने वाला, काँच के नग बेचने वाला।

बेवकूफ—(फ) मूर्ख, नासमझ, अज्ञ।

बेवकूफी—(फ) मूर्खता, ना समझी, अज्ञता।

बेवा—(फ) विधवा, राँड़, जिसका पति मर गया हो।

बेश—(फ) अधिक, ज्यादा, बहुत, बढ़िया, उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा।

बेशक—(फ) निस्सन्देह, निश्चय रूप से।

बेशकीमत—(मि) बहुमूल्य, अधिक मूल्यवान।

बेशी—(फ) अधिकता, बहुतायत, वृद्धि, ज्यादती।

बेसकून—(फ) अस्थिरमना, व्याकुल, अशान्त चित्त।

बे सर्द दिल—(फ) असावधान, लापरवा।

बेसाबत—(फ) अस्थिर, न ठहरने वाली।

बेसूद—(फ) व्यर्थ, निरर्थक।

बेहमैयत—(फ) बेशर्म, निर्लज्ज, बेहया।

बेहया—(मि) निर्लज्ज, बेशर्म, बेहमैयत।

बेहयाई—(मि) निर्लज्जता बेशर्मी।

बेहाल—(मि) विकल, व्याकुल, बेचैन, बुरी हालत में।

बेहिस—(फ) अचेत, मूर्छित, बेहोश।

बेहिसाब—(मि) जिसकी गणना या हिसाब न हो, बहुत अधिक, अनाप शनाप, अधाधुन्ध।

बेहुरमत—(मि) जिसकी कुछ प्रतिष्ठा न हो, बे इज्ज़त।

बेहूदगी—(फ) असभ्यता, बेढंगापन, अशिष्टता, निरथकता।

बेहूदा—(फ) असभ्य, अशिष्ट, बेढंगा, भूठा, निरर्थक, विफल व्यय।

बेहोश—(फ़) मूर्च्छित, अचेत।

वेहोशी—(फ़) मूर्च्छा, अचेतपन ।
वै—(अ) देखो "वय" ।
वैश्रत—(अ) किसी पीर आदि का शिष्य बनना, आज्ञा पालन करना ।
वैज—(अ) पक्षियों के अंडे ।
वैजवी—(अ) अण्डाकार ।
वैजा—(अ) अण्डा, समूह, वर्ग, गर्मी की अधिकता, प्रत्येक वस्तु का मध्य, सिर दर्द । •
वैजहाय जर्रीन—(फ) सितारे, तारे नक्षत्र ।
वैजा—(अ) प्रकाशित, सफेद, सूर्य, फारस देश का नगर । अण्डा, अण्डकोष ।
वैजावी—(अ) वैजा नगर का निवासी, अण्डाकार ।
वैजा जर्रीन—(फ) सूर्य ।
वैत—(अ) छन्द, कविता, घर ।
वैत-उल-खला—(फ) टट्टी, पाखाना ।
वैत-उल-माल—(अ) सरकारी खज़ाना, वह सम्पत्ति जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो ।
वैत उल मुक़द्दस—(अ) मक्का, मुसलमानों का तीर्थ ।
वैतुल हरम—(अ) मुसलमानों का पवित्र स्थान, मक्का ।
वैतुल्लाह—(अ) खुदा का घर, क़ाबा ।
वैदक़—(अ) शतरंज का प्यादा ।
वैन—(अ) मध्य, बीच, अन्तर्गत ।
वैनामा—(अ) विक्रय पत्र, वह पत्र जिसमें किसी चीज़ के बेचने व खरीदने का उल्लेख हो ।
वैरक़—(तु०) छोटा भाला, छोटा झंडा, झंडे का कपड़ा ।
वैरम—(फ़) लकड़ी आदि सूराख करने का बरमा, एक बारीक कपड़ा, बहुत तेज़ ।
वोगदान—(फ) बाजीगर का थैला ।
वोगबन्द—(फ) सामान रखने का थैला ।
वोया—(फ) सुगन्धित, खुशबूदार ।
वोता—(फ़) ऊँट का बच्चा, सोना चाँदी गलाने की घरिया, छोटा वृक्ष ।
वोरा—(फ) सुहागा ।
वोरिया—(फ) चटाई ।
वोल—(अ) मूत्र, पेशाब ।
वोश—(अ) प्रभाव, दबदबा, शान शौकत नीच पाजी, लुचा । [बहुत लड़कों वाला फकीर]
वोस—(फ) चुम्बन, चूमना ।
वोसा—(फ़) चुम्बन, चूमा ।
वोसीदा—(फ) पुराना, गला सड़ा,

जीर्ण-शीर्ण ।
वोसो कनार—(फ) चुम्बन, आलिंगन (प्रेमिका का)
वोस्ताँ—(फ) फुलवाड़ी, उद्यान, बाग, वाटिका, उपवन, मुजरा ।
वोहतान—(अ) देखो "बुहतान"
वोलस्रो—(फ) मौलश्री नामक वृक्ष ।
वोहरान—(अ) प्रलाप, उन्माद, पागलपन, बौरान ।

म

मञ्जर—(अ) दृश्य, नज़ारा ।
मञ्जिल—(अ) पड़ाव, वह स्थान जहाँ दिन भर की यात्रा पूरी करके रात को ठहरा जाय। मकान की छत पर बना हुआ खंड, ठहरने की जगह, [घर, भवन, पद, प्रतिष्ठा ।
मञ्जिलत—(अ) पद, दर्जा, ओहदा ।
मञ्जूर—(अ) स्वीकृत, स्वीकार,
मञ्जूरी—(अ) स्वीकृति ।
मशा—(अ) इच्छा, कामना, उद्देश्य, । अभिप्राय, भाव ।
मअदन—(अ) सोने चाँदी आदि की खान ।
मअदनियात—(अ) खनिज पदार्थ, खान से निकली हुई वस्तुएँ ।
मअदनी—(अ) खनिज वस्तु, खान से निकली हुई चीज़, लाल रंग का वस्त्र ।
मअदिलत—(अ) न्याय, इंसाफ ।
मअदूद—(अ) गिने हुए, गिन्ती के, परिमित ।
मअनी—(अ) अर्थ, आशय, उद्देश्य माने ।
मअदूय—(अ) नष्ट, भ्रष्ट ।
मअबद—(अ) उपासना करने का स्थान, मन्दिर मस्जिद आदि ।
मअबूद—(अ) आराध्य, उपास्य, परमात्मा ।
मअरूज़—(अ) निवेदन किया गया, अर्ज़ किया गया, निवेदित ।
मअलूल—(अ) निश्चय, तर्क सिद्ध
मआज़—(अ) शरण, शरण देना ।
मआज़ अल्लाह—(अ) परमात्मा रक्षा करे, ईश्वर शरण ।
मआद—(अ) लौटकर जाने की जगह, प्रतिध्वनि का स्थान। परलोक, क़यामत ।
मआदात—(अ) पारस्परिक द्वेष ।
मआदिन—(अ) 'मअदन' का बहु ।
मआदिल—(अ) समान बराबर ।
मआदिलत—(अ) समता, बराबरी ।
मआनी—(अ) "मअनी" का बहुवचन ।

मक्र—(अ) छल, छद्म, धोखा, धूर्तता, दग़ा, फरेब।

मख़ज़न—(अ) कोश, भण्डार, खजाना।

मख़तून—(अ) जिसका खतना (सुन्नत या मुसलमानी) किया गया हो।

मख़दूम—(अ) सेवित, वह जिसकी सेवा की गई हो या की जाय। मालिक स्वामी।

मख़दूश—(अ) भयानक, खतरनाक।

मख़फ़ी—(अ) गुप्त, छिपा हुआ।

मख़बूत—(अ) पागल, विक्षिप्त, जिसे ख़ब्त हो गया हो।

मख़बूत उल् हवास—(अ) पागल, विक्षिप्त, जिसके होश हवास ठीक न हो वह।

मख़मल—(अ) प्रसिद्ध रूएँदार और चिकना कपड़ा।

मख़मसा—(अ) शोक विह्वलता, दुःधा, विकट प्रसंग या प्रश्न। विषम समस्या।

मख़मूर—(अ) मदमत्त, मतवाला।

मख़रज—(अ) किसी चीज़ के उत्पन्न होने या निकलने का स्थान, उद्गम स्थल, निकलने का मार्ग।

मख़रूत—(अ) खरादा हुआ, छीला हुआ, तराशा हुआ, वह जो गाजर की तरह नीचे मोटा हो और ऊपर को क्रमशः पतला होता जाय।

मख़रूशा—(अ) छीला गया, तराशा गया।

मख़लूक़—(अ) सृष्टि।

मख़लूक़ात—(अ) "मख़लूक़" का बहुवचन।

मख़लूत—(अ) मिश्रित, मिलाजुला।

मख़फ़ी—(अ) गुप्त, छिपा हुआ।

मख़सूस—(अ) वह जिसे विशेषता दी गई हो, विशिष्ट।

मग़ज़ूब—(अ) जिस पर ग़ज़ब या अत्याचार किया गया हो।

मग़फ़िरत—(अ) क्षमादान, पाप मोचन।

मग़फ़ूर—(अ) क्षमा किया हुआ। बख़शा हुआ, स्वर्गीय, मृत।

मग़मूम—(अ) दुखी, शोकाकुल, रंजीदा।

मगर—(अ) किन्तु, परन्तु, पर, लेकिन।

मग़रिब—(अ) पश्चिम दिशा।

मग़रिबी—(अ) पश्चिमीय, पश्चिम का।

मग़रूक़—(अ) डूबा हुआ, निमज्जित।

मगरूर—(अ) घमंडी, दुरभिमानी।
मगलूब—(अ) आक्रान्त, परास्त, पराजित, वश में किया हुआ।
मगशी—(अ) मूर्च्छित बेहोश, जिसे ग़श आ गया हो।
मगस—(अ) मक्खी।
मग्ज़—(फ़) गूदा, भेजा, मस्तिष्क, दिमाग, मींग, गिरी।
मग्ज़ी—(अ) गोट, किनारा, हाशिया, संजाफ।
मज़—(अ) चूसना।
मज़कूम—(अ) जिसे जुकाम हो रहा हो, प्रतिश्याय-पीड़ित।
मज़कूर—(अ) उक्त, उल्लिखित, जिसकी चर्चा की जा चुकी हो।
मज़कूरा बाला—(अ) उल्लिखित, उपर्युक्त, जिसका ऊपर जिक्र आ चुका हो।
मज़कूरी—(फ़) समन तामील करने वाला।
मजज़ूब—(अ) तन्मय, तल्लीन, जो सोख लिया गया हो।
मजज़ूम—(अ) कुष्टी, कोढ़ी।
मज़द—(फ़) पारिश्रमिक।
मज़दूर—(फ़) मजूर, कुली, मोटिया, बोझा ढोने वाला, श्रम-जीवी, काम गर, श्रमिक।
मज़दूरी—(फ़) मजदूर का काम, पारिश्रमिक।
मजनूँ—(अ) अत्यन्त कृशकाय, वह जो किसी के प्रेम में पागल हो गया हो।
मजनूनियत—(अ) उन्माद, पागलपन।
मज़बह—(अ) बधस्थान, सूनागृह।
मज़बूत—(अ) दृढ़, पक्का, पुष्ट, बलवान्, ज़ब्त किया हुआ।
मज़बूती—(अ) दृढ़ता, पुष्टता।
मज़बूर—(अ) लिखा हुआ, लिखित।
मजबूर—(अ) विवश, लाचार।
मजबूरन—(अ) विवश होकर, लाचारी से।
मजबूरी—(अ) विवशता, लाचारी।
मजमा—(अ) सभा, समूह, भीड़, मजलिस, समुदाय।
मजमूआ—(अ) संग्रह, समस्त, सब, ढेर।
मजमूई—(अ) सब, समस्त, सम्मिलित रूप में।
मज़मून—(अ) विषय, अभिप्राय, लेख।
मज़मूम—(अ) बुरा, निन्दनीय, खराब, मिलाया हुआ, सम्बद्ध वह अक्षर जिस पर पेश (जो उकार की आवाज देता है) का चिह्न लगा हो।

मज़म्मत—(अ) निन्दा, बुराई, अपमान।
मज़रा—(अ) छोटा गाँव नगला, खेत।
मज़रूअ—(अ) नापा हुआ।
मज़रूआ (अ) जोता बोया हुआ खेत, बोई हुई फ़सल।
मज़रूब—(अ) आहत, चुटैल, गणित में वह संख्या जिसको गुणा कियाजाय, गुण्य, गुणा।
मजरूर—(अ) खिचने वाला, आकृष्ट होने वाला,
मजरूर—(अ) चोट खाया हुआ। आहत, घायल।
मजरूह—(अ) घायल, क्षत विक्षत, जख्मी, प्रेम या विरह के कारण विकल।
मजर्रत—(अ) हानि, चोट, आघात,
मजलिस—(अ) सभा, समाज, बैठने या नाचरंग का स्थान, महफ़िल।
मजलिसी—(अ) मजलिस का, मजलिस सम्बन्धी, मजलिस में बैठने वाला।
मजलूम—(अ) अत्याचार पीड़ित।
मज़हक—(अ) हँसी, दिल्लगी, ठट्ठा, विनोद,
मज़हका—(अ) उपहास, हँसी दिल्लगी।
मज़हकात—(अ) "मज़हका" का बहुवचन,
मज़हब (अ) पंथ, सम्प्रदाय मत, मार्ग, रास्ता।
मज़हबी—(अ) मत-पंथ सम्बन्धी, साम्प्रदायिक।
मज़हर—(अ) प्रकट होना, ज़ाहिर होना।
मज़हिर—(अ) होना। प्रकट या जाहिर करने वाला, प्रकाशक।
मजहूल—(अ) अपरिचित अज्ञात श्रान्त शिथिल सुस्त निकम्मा, वह क्रिया जिसका कर्ता मालूम नहो।
मज़ा—(फ़) आनन्द, सुख, स्वाद, हँसी दिल्लगी।
मज़ाक—(अ) परिहास, ठठोली, हँसी विनोद, रुचि प्रवृत्ति, चखने की क्रिया या शक्ति।
मज़ाकन्—(अ) मज़ाक से, हँसी के तौर पर, दिल्लगी में।
मज़ाकिया—(अ) हँसोड़, विनोद, मस्खरा, परिहास सम्बन्धी।
मजाज़—(अ) प्राप्त अधिकार, जिसे क़ानूनन कोई काम करने का अधिकार प्राप्त हुआ हो।
मजाज़त—(अ) "मजा ज़ात" का

संधि रूप,

मजाजन्—(अ) नियमानुसार, अधिकार प्राप्त की दृष्टिसे, बाक़ायदा तौर पर।

मजाज़ात—(अ) बुराई या भलाई का बदला देना।

मजाज़ी—(अ) कृत्रिम, बनावटी, नक़ली, सांसारिक।

मजामीन—(अ) मज़मून का बहुवचन, बहुत से विषय या लेख।

मज़ामीर—(अ) 'मिज़ामार'' (बाँसुरी) का बहुवचन, घुड़ दौड़ का मैदान, गवैयों के सब साज़।

मजार—(अ) क़ब्र, समाधि, ज़ियारत करने की जगह।

मजारईन—(अ) "मज़ारा" का बहुवचन।

मजारा—(अ) कृषक, खेतिहर, किसान

मजाल—(अ) सामर्थ्य, शक्ति, योग्यता, साहस।

मजाल—(अ) लड़खड़ाना, डग मगाना।

मज़ालिम—(अ) अन्याय, अत्या चार।

मजालिस—(अ) "मजलिस" का बहुवचन

मजालिस नवीस—(फ़ि) सवाददाता

मजाहत—(अ) मनोविनोद।

मज़ाहमत—(अ) अत्याचार, अन्याय।

मज़ाहिब—(अ) "मजहब" का बहुवचन।

मज़ाहिम—(अ) अत्याचारी, कष्ट देने वाला।

मज़ाहिर—(अ) प्रकट होना, ज़ाहिर होना।

मज़ाहिरा—(अ) दिखावे के लिए किया गया काम, प्रदर्शन।

मजीद—(अ) वयोवृद्ध, महानुभाव, गौरवशाली, पवित्र, पूज्य।

मज़ीद—(अ) अधिक, विशेष रूप से, ज्यादा, अधिकता, ज़्यादती, जिसमें विशेषता की गई हो, बढ़ाया हुआ।

मजूस—(अ) अग्निपूजक, पारसी।

मज़ेदार—(अ) स्वादिष्ट, आनन्द-दायक, बढ़िया, अच्छा।

मज़ेदारी—(अ) स्वाद, आनन्द।

मतन—(अ) पक्का, दृढ़, पृष्ठभाग, पीठ, मध्य भाग, बीच का हिस्सा, मूल ग्रन्थ जिस पर टीका लिखी जाय।

मतब—(अ) इलाज करने की जगह, चिकित्सालय, दवाखाना।

मतबख—(अ) रसोईघर, बावर्ची खाना।

मतबख़ी—(अ) रसोईघर से सम्बन्ध रखने वाला, रसोइया, बावर्ची।

मतबा—(अ) मुद्रणालय, छापा खाना।

मतबूअ—(अ) मुद्रित, छपा हुआ, पसन्द किया गया।

मतब्ब—(अ) वह स्थान जहाँ तबीब (चिकित्सक) बैठकर रोगियों की चिकित्सा करते हों।

मतरूक—(अ) परित्यक्त, त्यागा गया।

मतलब—(अ) अभिप्राय, तात्पर्य, अर्थ, प्रयोजन, भाव, आशय मानी, उद्देश्य, स्वार्थ, सम्बन्ध, विचार, वास्ता।

मतला—(अ) किसी नक्षत्र के उदय होने का स्थान, गजल के प्रारंभ की दो सानुप्रास पंक्तियाँ।

मतलूब—(अ) अभीष्ट, उद्दिष्ट, प्यारा, प्रेमपात्र, माँगा या चाहा गया, अभिप्रेत।

मता—(अ) सम्पत्ति, पूँजी, घर का माल असबाब।

मतानत—(अ) दृढ़ता, धैर्य, पुख्ता, मजबूती, गम्भीरता।

मताफ़—(अ) परिक्रमा करने की जगह।

मतालबा—(अ) माँग।

मतालिब—(अ) "मतलब" का बहुवचन।

मतीन—(अ) दृढ़, पक्का, गम्भीर, शान्त।

मद—(अ) विभाग, खाता, ज्वार, समुद्र के पानी का चढ़ाव, आकर्षण, विचार।

मदकूक—(अ) कूटा हुआ, पिसा हुआ, बारीक किया हुआ, दुर्बल, राजयक्ष्मा का रोगी।

मदख़ला—(अ) जमा किया हुआ, दाखिल किया हुआ।

मदख़ूला—(अ) उपपत्नी, रखैली, जिस स्त्री से सम्भोग किया जा चुका हो।

मदद—(अ) सहारा, सहायता।

मददगार—(मि) सहायक, सहारा देने वाला।

मदनी—(अ) नागरिक, नगर निवासी, 'मदीना' से सम्बन्ध रखने वाला।

मदफ़न—(अ) मुर्दों को गाड़ने की जगह, कब्रिस्तान।

मदफ़ून—(अ) ज़मीन में गाड़ा हुआ, दफ़न किया हुआ।

मदयून—(अ) ऋणी, देनदार,

कर्जदार।

मदरसा—(अ) पाठशाला, चट-शाल।

मद व जजर—(अ) ज्वार भाटा, समुद्र के पानी का चढाव उतार।

मदह—(अ) प्रशसा, सराहना।

मदह ख्वाँ—(मि) प्रश सक, सरा हना करने वाला।

मदहे सहाबा—(अ) मुहम्मद साहब के कुछ अत्यन्त घनिष्ठ मित्रों का गुण गान।

मदहोश—(अ) मदमत्त, हतबुद्धि, मतवाला।

मदाखिल—(अ) प्रवेश-मार्ग, द्वार, दरवाज़ा, श्राय, आमदनी।

मदाखिलत—(अ) अधिकार जमाना हस्तक्षेप करना, दखल देना।

मदाखिलत बेजा—(मि) अनुचित रूप से किसी स्थान में प्रवेश करना, किसी काम में अनधि कार हस्तक्षेप करना।

मदार—(अ) आधार, आश्रय, नींव, नक्षत्रों के घूमने का मार्ग, मुसलमानों का प्रसिद्ध पीर।

मदारात—(अ) आवभगत, स्वागत सत्कार।

मदारिज—(अ) दर्जा का बहुवचन, पथ, पद, मार्ग।

मदारिस—(अ) 'मदरसा' का बहुवचन पाठशालाएँ।

मदारी—(अ) जादू या इन्द्रजाल के खेल दिखाने वाला, बाजी गर बन्दर भालू आदि के खेल दिखाने वाला।

मदारुल मुहाम—(अ) प्रधान सेना-पति, मुख्यामात्य, प्रधान मन्त्री।

मदिरा—(अ) शराब।

मदीद—(अ) विस्तृत, लम्बा।

मदीना—(अ) अरब का एक नगर जो मुसलमानों का तीर्थ स्थान है, नगर मात्र।

मदीर—(अ) सम्पादक, एडीटर।

मद्दाह—(अ) प्रश सक, सराहना करने वाला।

मद्देनजर—(अ) दृष्टिपथ में, नजर में निगाह के सामने, ध्यान में, विचार में।

मद्देमुकाबिल—(अ) समान, बरा-बरी का।

मन—(फ) मैं, मेरा।

मनकूता—(अ) उर्दू साहित्य का अलकार विशेष वह पद्य या गद्य जिसमें नुक्ते वाले अक्षरों का अधिक प्रयोग किया गया हो। नुक्तेदार।

मनक़ूल—(अ) वर्णित, उल्लिखित, उद्धृत, नकल किया गया, कहीं से लिया गया, उतारा गया।

मनक़ूला—(अ) वह जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाया जा सके, चल, स्थिर या स्थावर का उलटा।

मनक़ूश—(अ) अंकित, नक़्श किया गया, चित्रित।

मनकूहा—(अ) विवाहिता सती।

मनजूम मनजूमा—(अ) छन्दोबद्ध, पद्यात्मक।

मनफ़ी—(अ) घटाया हुआ, कम किया हुआ।

मनसब—(अ) अधिकार, पद, ओहदा, कर्म।

मनसबी—(अ) अधिकार या पद सम्बन्धी।

मनसूबा—(अ) विचार, इरादा, युक्ति, ढंग।

मनसूबा बाँधना—युक्ति सोचना, इरादा करना।

मनहूस—(अ) अशुभ, बुरा।

मना—(अ) निषिद्ध-वर्जित, निषेध।

मनाज़िर—(अ) "मंज़र" का बहुवचन।

मनाज़िल—(अ) "मनज़िल" का बहुवचन।

मनाल—(अ) चल-अचल सम्पत्ति, प्राप्ति स्थान।

मनाही—(अ) निषेध, रोक।

मनी—(अ) वीर्य, शुक्र।

मन्तिक़—(अ) तर्कशास्त्र या न्याय शास्त्र।

मन्तिक़ी—(अ) तार्किक, न्याय शास्त्री।

मन्द—(अ) वाला, रखने वाला, (प्राय यौगिक शब्दों के अन्त में, जैसे—अक़्लमन्द, दौलतमन्द।)

मन्दील—(अ) पगड़ी, साफा, पटुका (कमर में बाँधने का), फेंटा, रूमाल।

मन्न—(अ) मन, मैना, तौलने का एक बाट जो ४० सेर का होता है।

मन्सूख़—(अ) दूर किया गया, मिटाया, नष्ट किया गया, रद्द किया गया।

मनसूख़ी—(अ) रद्द करना, निष्फल ठहराना।

मनसूब—(अ) उद्दिष्ट, सम्बन्धित, जिसकी मंगनी हो चुकी हो।

मनसूर—(अ) एक प्रसिद्ध तत्ववेत्ता का नाम विजेता, विजयी।

मफ़ऊल—(अ) व्याकरण में 'कर्म

वह जिसके साथ कोई फेल (क्रिया) किया जाय।
मफ़क़ूद—(अ) खोया हुआ, जिसका पता न लगे, गुम।
मफ़तूह—(अ) विजित, जीता गया, खोला गया।
मफ़र—(अ) भय, डर, भागना, बचना, भाग जाने की जगह।
मफ़रूक—(अ) घटाया हुआ, निकाला या कम किया हुआ।
मफरूज—(अ) कल्पित, माना हुआ, फर्जी।
मफ़रूर—(अ) भागा हुआ, वह अपराधी जो पकड़े जाने के भय से घर छोड़कर भाग गया हो।
मफलूक—(अ) फलक अर्थात दैव का सताया हुआ।
मफ़लूज—(अ) जिसे फालिज या लकवा मार गया हो, पक्षाघात पीड़ित।
मफ़हूम—(अ) भाव, तात्पर्य, सारांश समझा हुआ।
मफ़ासिद—(अ) "फ़िसाद" का बहुवचन।
मफ्तून—(अ) आसक्त, अनुरक्त, प्रेमी।
मफ्तूह—(अ) विजित, जीता हुआ, फतह किया हुआ।
मबज़ूल—(अ) प्रदत्त, दिया हुआ, खर्च किया हुआ, स्वीकार किया हुआ।
मबनी—(अ) आश्रित, किसी के आधार पर ठहरा हुआ, निर्भर आधरित।
मबाद—(फ) ईश्वर करे न हो।
मबादा—(फ) ईश्वर न करे।
मब्दा—(अ) प्रकट होने या प्रारम्भ करने का स्थान, उद्गम, मूल, कारण।
ममदूह—(अ) प्रशंसित, उक्त, उल्लिखित।
ममनूअ—(अ) निषिद्ध, वर्जित।
ममनून—(अ) कृतज्ञ, अनुगृहीत, उपकृत।
ममलकत—(अ) राज्य, सल्तनत।
ममा—(फ) स्त्रियों के स्तन, कुच।
ममात—(अ) मृत्यु, मौत।
मय—(अ) साथ, सहित, समेत, जैसे 'मय कागज़ात"।
मयस्सर—(अ) प्राप्त, उपलब्ध।
मयार—(अ) आदर्श, स्टैण्डर्ड, धरातल।
मरकज़—(अ) केन्द्र।
मरक़द—(अ) शयनागार, समाधि, क़ब्र।
मरकूज—(अ) गड़ा हुआ, स्वी-

क्त।
मरक़ूम—(अ) लिखित, लिखा हुआ।
मरगा—(फ) दूब, घास।
मरगूब—(अ) रुचि अनुकूल, अभिलषित, इच्छित, प्रिय, रुचिकर, सुन्दर, प्रिय दर्शन।
मरगोल मरगोला—(फ) पक्षियों का कलकल नाद घूँघर वाले बाल, संगीत में गिटकरी।
मरज़—(फ) खेती के योग्य भूमि।
मरज़बान—(फ़) ज़मींदार, भूपति, सरदार।
मरज़बूम—(फ) जन्म भूमि, जन्म स्थान।
मरजान—(फ़) मूँगा, प्रवाल।
मरज़ी—(अ) इच्छा, चाह, कामना।
मरक़ा—(फ) ढोल।
मरबूत—(फ़) सम्बद्ध, बँधा हुआ, जिसके साथ रब्त हो।
मरमर—(अ) एक प्रकार का सफ़ेद नरम और बढ़िया पत्थर।
मरम्मत—(अ) जीर्णोद्धार, दुरुस्ती, सुधार, संशोधन।
मरवारीद—(फ़) मुक्ता, मोती।
मरहबा—(अ) शाबाश, धन्य, साधु वाद।
मरहम—(अ) एक प्रकार की दवा जो फोड़ा-फुंसी, घाव, गिल्टी आदि पर लगाई जाती है।
मरहमत—(अ) दया, कृपा, अनुग्रह, क्षमा, प्रदान।
मरहला—(अ) मंज़िल की जगह, कूच का मुकाम, ठहरने का स्थान, पड़ाव, सामान रखने की जगह, कठिन समस्या, उलझन।
मरहून—(अ) रहन किया गया, बेचा गया।
मरहूम—(अ) स्वर्गीय, परलोक वासी, दिवंगत, मृत, मरा हुआ।
मरहूमा—(अ) स्वर्गीया स्त्री।
मराकिब—(अ) "मुरक्कब" का बहुवचन।
मराज़अत—(अ) बच्चे को धाय का दूध पिलाना।
मरात—(अ) स्त्री।
मरातिब—(अ) "मर्तबा" का बहुवचन, पद, प्रतिष्ठा, मर्यादा आदि।
मरासिम—(अ) "रस्म" का बहुवचन, प्रथाएं, रीतियाँ, भाँति भाँति के रिवाज।
मरासी—(अ) "मर्सिया" का बहुवचन।

मराहिम—(अ) "मरहम" का बहुवचन।
मराहिल—(अ) 'मरहला" का बहु वचन।
मरियम—(अ) कुमारी, कन्या, इसामसीह की माता का नाम।
मरीज़—(अ) बीमार, रोगी।
मर्ग—(फ) मौत, मृत्यु, मरण।
मर्गज़ार—(फ) हरा भरा मैदान।
मर्गेनागहाँ—(फ) आकस्मिक मृत्यु।
मर्ज़—(अ) रोग, बीमारी।
मर्ज़ी—(अ) देखो 'मरज़ी"।
मर्तबा—(अ) पद, प्रतिष्ठा, दर्जा, बार, दफा।
मर्तबान—(अ) रंग रोगन किया हुआ मिट्टी का बरतन जो अचार, चटनी आदि रखने के काम आता है, अमृत बान।
मर्तूब—(अ) भीगा हुआ, आर्द्र, गीला, हृष्ट पुष्ट।
मर्तूबी—(अ) हृष्ट पुष्ट मनुष्य, मोटा आदमी।
मर्द—(फ) पुरुष, वीर, साहसी, पति (स्त्री का)।
मर्दक—(अ) मनुष्य के लिए तिरस्कार सूचक सम्बोधन।
मर्दा—(फ) वीर, बहादुर।
मर्दानगी—(फ) पौरुष, पराक्रम, वीरता, शौर्य, साहस।
मर्दाना—(फ) पुरुषों जैसा, वीरोचित, साहस पूर्ण।
मर्दाने मर्द—(फ) वीर पुरुष, बहादुर आदमी, साहसी सैनिक।
मर्दी—(फ) वीरता, मर्दानगी।
मर्दुआ—(फ) किसी अनजान आदमी के लिए स्त्रियों द्वारा कहा जाने वाला तिरस्कार सूचक शब्द।
मर्दुम—(फ) मनुष्य, आदमी, बहुत से आदमी।
मर्दुम आज़ार—(अ, मनुष्यों के लिए व्याधि स्वरूप, मनुष्यों को कष्ट देने वाला, अत्याचारी, अन्यायी।
मर्दुम आज़ारी—(फ) अत्याचार, ज़ुल्म, मनुष्यों को पीड़ा पहुँचाना।
मर्दुमक—(फ) आँख की पुतली।
मर्दुम शनास—(फ) भले-बुरे आदमी को पहचानने वाला।
मर्दुम शुमारी—(फ) मनुष्य गणना।
मर्दुमजन—(फ) नृशंस, मनुष्यों का वध करने वाला हत्यारा।
मर्दुम चश्म—(फ) आँख की पुतली के अन्दर का काला तिल।

मर्दुमी—(फ) पौरुष, पराक्रम, वीरता, मर्दानगी।
मर्दूद—(अ) निर्लज्ज, घृणित, बहिष्कृत, भ्रष्ट, एक प्रकार की गाली।
मर्देमैदान—(फ़) वीर, बहादुर, निर्भय, शूर, साहसी।
मर्रा—(अ) प्रति, हर, एकबार (योगिक शब्दों के पीछे, जैसे रोज़ मर्रा)।
मर्सिया—(अ) मरण शोक, रोना पीटना, मरे हुए व्यक्ति का गुणगान, मृत व्यक्ति की स्मृति में रचा गया करुण काव्य।
मर्सिया ख्वाँ—(मि०) मर्सिया पढ़ने वाला।
मर्सिया ख्वानी—(मि०) मर्सिया, पढ़ना।
मर्सिया गा—(मि०) मर्सिया पढ़ने या सुनाने वाला।
मलऊन—(अ) घृण, निर्लज्ज, धिक्कृत, शापित।
मलक—(अ) देवदूत, फरिश्ता।
मलका—(अ) प्रतिभा, विचक्षणता, बुद्धि की कुशाग्रता, दक्षता, निपुणता।
मलकुल मौत—(अ) मौत का फरिश्ता, प्राणियों के प्राण हरण करने वाला देवदूत, यमराज।
मलगोया—(तु०), कूड़ा-कर्कट, मल, मवाद, पीव।
मलज़ूम—(अ) लाज़िम किया गया, ज़रूरी, अनिवार्य।
मलफ़ूज़—(अ) प्रवचन, किसी महात्मा का उपदेश।
मलफ़ूफ़—(अ) लिफाफे में बन्द किया हुआ, किसी चीज़ में लपेटा हुआ।
मलबस—(अ) पोशाक, लिबास, पहनावा, पहनने के कपड़े अंगरखा, पगड़ी आदि।
मलबा—(अ) किसी मकान के टूट-फूट के बाद का खराब खस्ता लकड़ी, इंट पत्थर आदि।
मलबूस—(अ) पहनने के कपड़े, जो कपड़े पहने हुए हो वह।
मलबूसा—(अ) पहनने का कपड़ा।
मलबूसात—(अ) "मलबूस" का बहुवचन।
मलहूज़—(अ) जिसका विचार या ध्यान रक्खा गया हो, जिस का लिहाज़ रक्खा गया हो।
मलामत—(अ) भर्त्सना, झिड़की, फटकार, गन्दगी।

मलायक—(अ) "मलक" का बहुवचन।

मलाल—(अ) खेद, दुख, रंज, उदासी।

मलालत—(अ) खेद, दुख, रंज।

मलाहत—(अ) चेहरे का लावण्य सलोनापन, साँवलापन। सुन्दरता।

मलिक—(अ) मालिक, स्वामी, बादशाह, महाराजा।

मलिका—(अ) महारानी, बादशाह की बेगम, दक्षता, प्रवीणता, विशेषज्ञता।

मलीदा—(अ) चूरमा। एक प्रकार का बहुत मुलायम ऊनी कपड़ा।

मलीह—(अ) साँवला, सलौना।

मलूल—(अ) दुखी, उदास, चिन्तित रंजीदा।

मल्लाह—(अ) नाविक, नाव चलाने वाला, केवट।

मवक्किल—(अ) किसी अभियोग में अपना काम करने के लिए वकील को प्रतिनिधि बनाने वाला, अपना अभियोग सम्बन्धी कार्य वकील द्वारा कराने वाला।

मवलिद—(अ) जन्म भूमि, जन्म स्थान, जन्म समय।

मवल्लिद—(अ) पैदा करने वाला, जन्म देने वाला, उत्पादक।

मवहिद—(अ) एकेश्वरवादी, केवल एक परमात्मा को मानने वाला।

मवाखज़ा—(अ) विवरण पूछना, ब्यौरा माँगना, जवाब तलब करना।

मवाज़ी—(अ) लगभग, प्राय, कुल, सब, योग, जोड़।

मवात—(अ) वह स्थान जहाँ रात बिताई जाय।

मवाद—(अ) "माद्दा" (तत्व) का बहुवचन, घाव या फोड़े में से निकलने वाला दूषित अंश, पीब।

मवादात—(अ) प्रकट करना।

मवालात—(अ) सहयोग, प्रेम, सख्य, मित्रता।

मवाशी मवेशी—(अ) पशु, चौपाए, ढोर।

मशअल—(अ) मशाल।

मशक—(अ) मश्क चमड़े की।

मशक्कत—(अ) परिश्रम, महनत, कष्ट।

मशगला—(अ) मनोविनोद, दिल-बहलाव काम, उद्यम, हस्त-शुगल।

मशगूल—(अ) संलग्न, दत्तचित्त,

किसी काम में लगा हुआ।
मशमुमा—(अ) सुगन्धित द्रव्य।
मशरफ़—(अ) उच्च पद, प्रतिष्ठा का स्थान।
मशरब-मशरबा—(अ) पानी पीना, पानी पीने की जगह, प्याऊ, स्रोत, मतपंथ, रीति रिवाज, तौर-तरीका।
मशरिक़—(अ) प्राची, पूर्व दिशा।
मशरिक़ी—(अ) प्राच्य, पूरब का, पुरबिया।
मशरूअ—(अ) धर्मशास्त्रानुमोदित, शरअ (धार्मिक व्यवस्था) के अनुकूल।
मशरूत—(अ) जिसके सम्बन्ध में कोई शर्त लगाई गई हो, प्रतिबन्ध युक्त।
मशरूह—(अ) सटीक, जिसकी शरह (टीका) की गई हो।
मशवरत } मशवरा }—(अ) सलाह, परामर्श, पूछगाछ।
मशहूर—(अ) प्रसिद्ध, विख्यात।
मशागिल—(अ) 'शगल" का बहु वचन।
मशाल—(मशअल)—(अ) लोहे की छड़ या लकड़ी पर चिथड़े लपेट कर बनाई गई बड़ी बत्ती जो अधिक प्रकाश के लिए तेल में भिगो कर जलाई जाती है।
मशालची—(अ) मशाल जलाकर ले चलने वाला।
मशाहीर—(अ) "मशहूर" का बहु वचन, प्रसिद्ध व्यक्ति।
मशीयत—(अ) इच्छा, मर्जी, खुशी, चाहना, कामना ईश्वरेच्छा।
मशीर—(अ) देखो "मुशीर"।
मशीयत एजदी—(अ) ईश्वर की इच्छा।
मश्क—(अ) चमड़े की बनी थैली जिसमें पानी भरकर रखते अथवा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं।
मश्क़—(अ) अभ्यास, किसी काम का बार बार करना।
मश्कूक—(अ) संदिग्ध।
मश्कूर—(अ) कृतज्ञ, अनुगृहीत उपकृत, आभारी।
मश्मूल—(अ) सम्मिलित, मिला हुआ, मिलाया हुआ।
मश्शाक़—(अ) अभ्यस्त, दक्ष कुशल।
मश्शाक़ी—(अ) अभ्यास, दक्षता कुशलता।
मश्शाता—(अ) कुटनी, दूती, ॰

स्त्री जो दूसरी स्त्रियों का बनाव शृंगार करती हो

मस—(अ) सम्भोग, स्त्री प्रसंग, छूना, हाथ से मलना, स्पर्श करना

मसऊद—(अ) भाग्यशाली, वैभव शाली, पवित्र, प्रसन्न, सानन्द

मसाजिद—(अ) सिजदा करने का स्थान, मुसलमानों का प्रार्थना मन्दिर, जहां मुसलमान एकत्र होकर नमाज़ पढते हैं वह मकान

मसदर—(अ) धातु, क्रिया का मूल रूप, वह शब्द जिससे किसी काम के होने या करने का अर्थ प्रकट हो।

मसदूद—(अ) रोका हुआ, बन्द किया गया

मसनद—(अ) बड़ा तकिया जिसका सहारा लगाकर बैठते हैं मसन्द, धनिकों या रईसों के बैठने की गद्दी

मसनदआरा—(मि) गद्दीनशीन, गद्दी को सुशोभित करने वाला

मसनवी—(अ) उर्दू का छन्द विशेष जिसमें दो-दो चरणों के अन्त्यानुप्रास मिले होते हैं

मसनूअ—(अ) कृत्रिम, बनावटी, नकली बनाई हुई वस्तु, जो असली न हो, कलापूर्ण बनाई हुई वस्तु

मसनूई—(अ) कृत्रिम, बनावटी, नकली, जाली

मसरफ—(अ) उपयोग, काम, व्यय करने की जगह

मसरूक़—(अ) चुराया हुआ, चोरीका

मसरूका—(अ) देखो "मसरूक़"

मसरूफ—(अ) संलग्न, तल्लीन, काम में लगा हुआ, व्ययकिया हुआ

मसरूर—(अ) प्रसन्न, हर्षित

मसर्रत—(अ) प्रसन्नता, हर्ष

मसल—(अ) कहावत, लोकोक्ति

मसलक—(अ) मार्ग, पथ, राह, रास्ता

मसलख—(अ) वधशाला, जहां पशु मारे जाते हों, बूचड़खाना

मसलन—(अ) उदाहरण स्वरूप, मिसाल के तौर पर

मसल्हत—(अ) गुप्त सलाह,

अप्रकट अच्छाई, शुभचिन्तना, अच्छाई सोचना, छिपी हुई भलाई अथवा युक्ति जो यका यक जानी न जाय

मसलहतन्—(अ) किसी उद्देश्य से, जान बूझ कर

मसला—(अ) समस्या, विचार णीयविषय या प्रश्न, लोकोक्ति, कहावत

मसलूक—(अ) जिसपर उपकार किया जाय, जिसके साथ भलाई की जाय

मसलूब—(अ) सूली पर चढ़ाया गया, जिसे फाँसी दी गई हो, लटकाया हुआ

मसलूब—(फ) वंचित किया गया, पकड़ा गया, नष्ट भ्रष्ट किया गया

मसलूब-उल् हवास—(अ) बुढ़ापे के कारण जिसकी इन्द्रियाँ शिथिल हो गई हों

मसवदा-मसव्विदा—(अ) पाण्डु लिपि, मसौदा, पीछे काट-छाट या सुधार के विचार से पहली बार लिखा हुआ लेख, उपाय, युक्ति, तरकीब.

मसह—(अ) सम्भोग, स्त्री प्रसंग, हाथ फेरना, सहलाना, मुसल्मानों में पवित्र होने के लिए मुंह, कान गर्दन आदि धोना.

मसाइब—(अ) "मुसीबत" का बहुवचन, मुसीबतें, कष्ट, कठिनाइयाँ

मसाकिन—(अ) "मस्कन" (रहने का स्थान) का बहु-वचन

मसाकीन—(अ) "मिस्कीन"(दरिद्र) का बहु-वचन

मसाजिद—(अ) "मसजिद" का बहु-वचन

मसादिर—(अ) "मसदर" का बहुवचन

मसाना—(अ) मूत्राशय, पेट के अन्दर की एक थैली जिसमें मूत्र जमा होता है

मसाफ़—(अ) युद्ध, संग्राम, समरभूमि, युद्धक्षेत्र

मसाफ़त—(अ) दूरी, अन्तर, फ़ासला, थकावट, श्रम

मसाफ़ात—(अ) "मसाफ़त" का बहुवचन

मसाम—(अ) रोमरन्ध्र, रोमकूप, त्वचा म के वे अति सूक्ष्म छिद्र जिनम से पसीना निकलता है

ममामात—(अ) "मसाम" का बहुवचन

मसायब—(अ) "मुसीबत" का बहुवचन, मुसीबतें, सकट, कठिनाइया

मसायल—(अ) "मसला" का बहुवचन

मसारिफ—(अ) "मसरफ" का बहुवचन

मसालत—(अ) प्रार्थना, इच्छा, अभिलाषा

मसालह्—(अ) मसाला, कोई वस्तु तैयार करने के उपकरण, सामग्री, औषधियां, या औषधियों का मिश्रण, रासायनिक द्रव्य, तेल आतिशबाजी "मसलहत" का बहुवचन, भलाइया

मसालहत—(अ) परस्पर, मेल, (सुलह) करना, मेलजोल, सन्धि

मसाला—(अ) देखो "मसालह"

मसास—(अ) देखो "मस"

मसाहत—(अ) भूमिकी नाप जोख, नाप, माप

मसीह्—(अ) मित्र, दोस्त, प्यारा, भूमि नापने वाला, देश देशातर म भ्रमण करने वाला, हज़रत ईसा की उपाधि क्योंकि वे प्राणि मात्र के मित्र थे इसामसीह जिस प्रकार रोगियों का स्वास्थ्य और मृतकों को जीवन प्रदान करते थे, उसी प्रकार अपने प्रेमियों को जीवन दान देने के कारण प्रेमिका भी मसीह कहाती है

मसीहा—(अ) देखो "मसीह"

मसीहाई—(अ) मसीहा का कार्य अथवा पद, प्रेम, मसीह के जैसे अलौकिक गुण, प्रेमिका का वह गुण जिससे वह प्रेमियों को जीवन देती है

मसौदा—(अ) देखो "मसव्दा"

मस्कन—(अ) निवासस्थान, रहने की जगह, घर

मस्कनत—(अ) विनम्रता, तुच्छता, गरीबी

मस्किन—(अ) स्थान, मकान, घर

मस्खरगी—(फ) दिल्लगी, ठठोल

पन, ठठा

मस्खरा—(फ़) विनोदी, हँसोड़, अत्यधिक हँसी मज़ाक करने वाला, विदूषक

मस्खरी—(फ) हँसी, दिल्लगी, ठठा

मस्जिद—(अ) देखो "मसजिद"

मस्त—(फ) मत्त, मतवाला, मद से पूर्ण, सदा प्रसन्न और निश्चिन्त रहने वाला आनन्दी, आनन्द युक्त, परम प्रसन्न, जवान और हृष्ट पुष्ट

मस्तगी—(अ) एक वृक्ष का गोंद जो दवा के काम आता है

मस्तगुजारा—(फ) बहुत ज़्यादा मस्त

मस्ताना—(फ) मस्त या मतवाले के समान, वह जो मस्त हो गया हो, कामातुर होना, मस्त होना

मस्ती—(फ) मद, नशा, कामातुरता, मस्त होने की क्रिया

मस्तूर—(अ) पंक्ति बद्ध, पंक्तियों में लिखा हुआ, लिखित, लिपिबद्ध परदे में छिपा हुआ, छिपाने वाला

मस्तूरा—(अ) छिपी हुई

मस्तूरात—(अ) "मस्तूर" का बहुवचन स्त्रियाँ, भले घरों की महिलाएँ

मस्तूल—(तु) नावों के बीच खड़ा किया गया लट्ठा जिसमें गुन या पाल बाँधते हैं

मस्मूअ—(अ) सुना हुआ, श्रुत

मस्मूआ—(अ) देखो "मस्मूअ"

मस्साह—(अ) भूमि नापने वाला

मह—(फ) माह (चन्द्रमा) का संक्षिप्त

महकमा—(अ) किसी विशेष काम के लिये अलग बनाया गया कार्यकर्ताओं का मण्डल, विभाग, कचहरी, सीगा, अदालत, न्यायालय

महकूम—(अ) शासित, जिस पर हुक्म चलाया जाय, आश्रित, अधीन

महकूमा—(अ) देखो "महकूम"

महज़—(अ) केवल, सिर्फ़, विशुद्ध, बिना मिलावट का, खालिस

महज़ कैद—(अ) सादी कैद, वह कैद जिसमें काम न करना पड़े, केवल बन्धन

महजबी—(अ) अत्यन्त सुंदर, 'नाज़बी' देखो
महज़र—(अ) घोषणा, सूचना
महज़रनामा—(अ) घोषणा पत्र, सूचना पत्र, प्रतिनिधि पत्र
महज़ूज़—(अ) प्रसन्न, खुश, हर्षित
महज़ूफ़—(अ) वह अक्षर शब्द आदि जो लिखने में छूट गया हो, वह शब्द जिसका स्पष्ट उल्लेख न होने भी व्यञ्जना से भाव अभिव्यक्त होता हो
महजूब—(अ) गुप्त, छिपा हुआ, लज्जित, किसी पद अथवा अधिकार से वंचित किया गया
महजूबा—(अ) परदे में रहने वाली स्त्री
महजूम—(अ) दुखी, शोकाकुल
महजूर—(अ) अलग किया हुआ, छोड़ा हुआ, परित्यक्त, विभक्त, शोकाकुल, चिन्तित
महज़ूर—(अ) भयानक, नियम विरुद्ध, वर्जित, निषिद्ध, अवैध
महतर—(फ) महान, बहुत बड़ा, भंगी
महताब—(फ) चन्द्रमा, चांद, चन्द्रिका चांदनी
महताबी—(फ) एक प्रकार की आतिशबाजी जिसके जलाने से चांदनी का-सा प्रकाश फैल जाता है जलाशय के पास बनाया हुआ वह छोटा-सा मकान जिसमें बैठ कर चांदनी रात का आनन्द लूटा जाय, एक बड़ी जाति का नीबू, चकोतरा
महद—(अ) हिंडोला
महदी—(अ) ठीक मार्ग पर चलने वाला, धार्मिक नेता, हिदायत करने वाला, मुसल्मानों के बारहवें इमाम जिनके सम्बन्ध में शिया मुसल्मानों का विश्वास है कि ये अब भी जीवित हैं
महदूद—(अ) सीमित, परिमित, जिसकी हद नियत करदी गई हो, जिसकी ठीक-ठीक व्याख्या करदी गई हो
महदूम—(अ) पूर्ण रूप से नष्ट किया हुआ, नष्ट भ्रष्ट, ध्वस्त, विनष्ट.
महफ़िल—(अ) सभा, समाज, जल्सा, मजलिस, नाच-गाने के लिये एकत्र होने की जगह
महफ़ूज—(अ) सुरक्षित, जिसकी

हिफ़ाज़त की गई हो

महफ़ूफ़—(अ) चारों ओर से घेरा हुआ

महबस—(अ) कारागार, क़ैदखाना

महबूब—(अ) प्यारा, प्रिय, प्रेमपात्र, वह जिससे प्रेम किया जाय

महबूबियत—(अ) प्रेम, प्यार

महबूबी—(अ) प्रेम, प्यार.

महबूस—(अ) बन्दी, क़ैदी, जो महबस म रखा गया हो

महमान—(फ) अतिथि, मेहमान, घर पर आया हुआ मित्रमिलापी या रिश्तेदार

महमान सरा—(फ) मुसाफिर खाना, अतिथि शाला, सदाव्रत, लंगर

महमानी—(फ) आतिथ्य, अतिथि सत्कार.

महमिल—(अ) आधार, आश्रय, ऊँट पर कसने की काठी

महमूद—(अ) प्रशंसित

महमूदा—(अ) प्रशंसित स्त्री

महमूदी—(फ) महमूद स सम्बंधित कोई चीज़, एक प्रकार का सिक्का, एक क़िस्म की मलमल

महमूलह—(अ) भारग्रस्त, जिस पर बोझ लदा हो, प्रयोग करने या व्यवहार म लाने योग्य, जिसमें कुछ विशेष अर्थ छिपा हो

महर—(अ) वह नगदी या सम्पत्ति जो मुसलमानों में विवाह के समय पति की ओर से स्त्री को देनी निश्चित की जाती है

महरम—(अ) अन्तरंग सखा, अनन्य मित्र अति घनिष्ठ, सुपरिचित, वह व्यक्ति जो जनानखाने, (मुसलमानों के) में भी बरोक टोक आ जा सके तथा जिससे घर की स्त्रियां परदा न करती हों, स्त्रियों की चोली का वह भाग जिसमें स्तन रहते हैं

महराब-(अ) दरवाजों आदि के ऊपर अध गोलाकार चिना हुआ भाग

महराबगाह—(मि) मस्जिद

महराबदार—(मि) जिसमें महराब हों, अध गोलाकार.

महराबी—(फ) एक प्रकार की तलवार, मस्जिद

महरिमराज—(फ) भद जानने वाला

महरू—(फ) चन्द्रवदन, जिसका मुख चन्द्रमा जैसा हो

महरूम—(अ) वञ्चित, जिसे कोई वस्तु प्राप्त न हुई हो, मन्द भाग्य, अभागा
महरूमियत-महरूमी—(अ) किसी चीज़ से वंचित रहने का भाव, दौर्भाग्य
महरूस—(अ) हिफ़ाज़त में रक्खा हुआ, जिसकी देख रेख होती हो
महरूसा—(अ) वह स्थान जिसकी खूब देखभाल रक्खी जाय, जहा पर किलेबन्दी की गई हो
महल—(अ) अवसर, मौका, बहुत बड़ा और बढ़िया मकान, भवन, प्रासाद, अन्त पुर, रनिवास
महलक़ा—(अ) देखो "माहल्क़ा"
महल सरा—(अ) अन्त पुर, रनिवास
महली—(अ) अन्त पुर की चौकसी रखने वाला, हिजड़ा, ख्वाजा
महलूल—(अ) हल किया हुआ, घोला हुआ, बारीक पीसा हुआ
महल्ला—(अ) शहर का कोई एक छोटा भाग जिसमें बहुत से मकान हों, टोला, पुरा
महल्लेदार—(मि) मुहल्ले का मुखिया
महव—(अ) तल्लीन, अस्तित्व हीन, चन्द्रमा की कालिमा, कागज पर से किसी लेख या चिह्न को छील डालना, मिटाया या नष्ट किया हुआ
महवियत—(अ) तल्लीनता, अनुरक्ति, सौन्दर्य, आकर्षण
महवे जीनत—(अ) शृंगार मुग्ध, शृंगार सन्नद्ध
महशर—(अ) लोगों के इकट्ठा होने की जगह, कयामत का दिन
महशर बरपा करना—(अ) अत्यधिक आन्दोलन करना, आकाश सिर पर उठा लेना
महसूब—(अ) जो हिसाब में लिखा गया हो, जिसका हिसाब लगाया गया हो
महसूर—(अ) जिस पर घेरा डाला गया हो, चारों ओर से घिरा हुआ
महसूरीन—(अ) चारों ओर से घिरे हुए (लोग), मुहासिरे में लिए हुए
महसूल—(अ) कर, टैक्स, माल-गुज़ारी, लगान, भाड़ा, किराया, किसी विशेष कार्य के लिए अधिकारियों द्वारा प्राप्त किया

गया धन
महसूलदार— (मि) जो महसूल देता हो, करद, टैक्स देनेवाला, जिस पर महसूल लगता हो
महसूली—(अ) जिस पर महसूल लगता हो या मिलता हो
महसूस—(अ) अनुभूति, ज्ञान अथवा अनुभव
महाफात—(अ) सवाद, प्रश्नोत्तर, बात चीत, कथोपकथन, कहानी कहना
महाफ़िल—(अ) "महफ़िल" का बहुवचन
महाबत—(अ) ज्ञान, क्रोध, भय, डर.
महाबा—(अ) छोड़ देना, लिहाज, रियायत
महार-(अ) ऊँट की नकेल, नियन्त्रण
महारत—(अ) अभ्यास, योग्यता
महाल—(अ) "महल" का बहु वचन, बहुत से मकान, मुहल्ला, टोला, हिस्सा, वह भूमि भाग जिसमें बहुत से गांव हों
महाला—(अ) उपाय, इलाज
महियान-(फ) घर की पली हुई मुर्गी
महियाना—(फ) मासिक, महीने का
मह्र—(अ) देखो "महर"
मह्व—(अ) देखो "महव"
मह्वर—(अ) अक्ष, धुरी, वह कील जिस पर पहिया घूमता है
मांदगी—(फ) बीमारी, असमर्थता, थकावट
मॉदा—(फ) बीमार, थका हुआ, असमर्थ, साधनहीन, पिछड़ा हुआ, पीछे छूटा हुआ, अव शिष्ट, शेष बचा हुआ
मा—(अ) कौन, उस, इस, जोकि शब्दों के पूर्व उपसर्ग रूप में, जैसे—मासिवा=इसके सिवा, जल, पानी, तरल पदार्थ, रस, 'नहीं' निषेधायक
मा—(फ) हम
माए—(अ) पानी, जल, रस
माए मुअय्यन—(अ) पवित्र और शुद्ध बहता हुआ पानी
माक़ब्ल—(अ) इसके पहले, इससे प्रथम, इसके पूर्व
माकर—(अ) मक्कार, धूर्त
माक़ूद—(अ) बांधा हुआ, बद्ध
माकूल—(अ) बुद्धि संगत, युक्ति-

युक्त, उचित, अच्छा, बढ़िया, लायक, जिसने विवाद में प्रति पक्षी की बात मानली हो
माकूलियत—(अ) सम्भावना, अच्छाई, बढ़ियापन, औचित्य
माकूस—(अ) विपरीत, उलटा, औंधाया हुआ, नीचे को मुँह करके रक्खा हुआ
माखज—(अ) वह स्थान जहाँ से कोई वस्तु प्राप्त की जाय, मूल-स्थान, उद्गम
माखूज—(अ) लिया गया, पकड़ा गया अभियुक्त, जिस पर अभियोग लगाया गया हो
माखूजी—(अ) पकड़ा गया, गिरफ्तार किया गया, किसी अभियोग में पकड़ा हुआ
माचा—(फ) चूमा, चुम्बन
माज—(फ) चन्द्रमा, चाँद
माजरत—(अ) बहाना, हीला
माजरा—(अ) घटना, घटना का विवरण, गत समय का हाल, बीती हुई बात
माजिद—(अ) पूज्य, महान्, बड़ा, पवित्र, मान्य, वृद्ध
माजिदा—(अ) पूज्या, बड़ी, पवित्रा, मान्या, वृद्धा, महती
माजिन—(अ) विनोदी, मसखरा, हँसोड़
माजिया—(अ) भूत कालीन, बीता हुआ, इससे पहले, इसके पूर्व
माजी—(अ) भूत काल, बीता हुआ समय, पहले समय का, गत कालका, भूत पूर्व
माजू—(फ) एक वृक्ष और उसका फल, माजूफल
माजून—(अ) औषधियाँ डाल कर बनाई गई बरफी, माजूम
माजूर—(अ) विवश, असमर्थ जो काम करने योग्य न हो
माजूरी—(अ) विवशता, असमर्थता
माजूल—(अ) बेकार, निरर्थक, निकम्मा, जो अपने पद से हटा दिया हो
माजूली—(अ) निरर्थकता, निकम्मा पन, पदच्युति
मात—(अ) पराजय, हार
मातकद्दम—(अ) जो घटना पहले घट चुकी हो
मातदिल—(अ) मध्यम श्रेणी का, न

बहुत गरम न ठंडा, न उग्र न शान्त

मातबर—(अ) विश्वसनीय, विश्वास-पात्र, सच्चा, ठीक

मातबरी—(अ) विश्वास, सचाई

मातम—(अ) शोक, किसी के मरने पर किया जाने वाला रोना पीटना, सोग

मातम कदा—(मि) वह स्थान जहां बैठ कर मातम करें

मातमखाना—(मि) जहां बैठकर लोग मातम करते हैं, शोकगृह

मातमजदा—(मि) शोकग्रस्त, शोकाकुल

मातमदारी—(मि) शोक मनाना

मातमपुरसी—(मि) शोक-सहानुभूति, मृत के घर वालों के साथ समवेदना प्रकाशन

मातमी—(अ) शोक सूचक, मातम या शोक प्रगट करनेवाला

मातहत—(अ) अधीनस्थ, आश्रित, निम्नकोटि या छोटी श्रेणी का

मादन—(अ) देखो "मअदन"

मादन्दर—(अ) विमाता

मादर—(फ) मां, माता

मादर अन्दर—(फ़) सौतेली मां, विमाता

मादरखाही—(फ़) मा की गाली.

मादरजाद—(फ़) विवस्त्र, निहंग, नंगा, दिगंबर, जैसा मा के गर्भ से उत्पन्न हुआ था वैसा

मादर-ब-खता—(फ) अत्यंत अधम, मा के साथ भी कुकर्म करने वाला

मादरी—(फ) मातृक, माता का, माता से सम्बंधित

मादरीजबान—(फ) मातृभाषा, माता से सीखी हुई बोली

मादा—(फ) स्त्री, नारी, औरत, नर का उल्टा, (प्राय मनुष्येतर प्राणियों के लिए व्यवहृत होता है)

मादिन—(अ) सोने-चांदी आदि की खान

मादियान—(फ़) घोड़ी

मादिह—(अ) प्रशंसक, सराहना करने वाला

मादीन—(फ़) मादा

मादूद—(अ) देखो "मअदूद"

मादूम—(अ) नष्ट किया गया, लुप्त, जिसका अस्तित्व न रहा हो

मादरे मादर—(फ़) मा की मा

नानी, मातामही

माद्दा—(अ) मूलतत्त्व, सारभूत सामग्री, योग्यता, प्रसग, अध्याय, विषय, पीव, मवाद

माद्दिल—(अ) सामान्य, साधारण

माद्दी—(अ) माद्दा से सबध रखने वाला, तात्त्विक, तत्त्व सम्बन्धी, स्वाभाविक, प्राकृतिक

मान—(फ) घर, सामान, असबाव

मानअ—(अ) निषेध करनेवाला, रोकनेवाला

मानवी—(अ) मानी या अर्थ सम्बन्धी, भीतरी, आन्तरिक, इष्ट, अभिप्रेत

मानिन्द—(फ) अनुरूप, समान, सदृश, जैसा

मानिया—(अ) एक प्रकार का उन्माद

मानी—(अ) अर्थ, भाव, अभिप्राय, उद्देश्य, मतलब

मानी ए-बेगाना—(अ) अछूता विषय

मानूस—(अ) प्रिय (वस्तु या व्यक्ति) जिससे प्रेम हो गया हो, घनिष्ठ, अत्यन्त परिचित, हिलामिला

मानेदर—(फ) सौतेली मा, विमाता

माफ—(अ) क्षमा किया हुआ

माफिक़—(अ) देखो "मुआफिक़"

माफिक़त—(अ) देखो "मुआफिक़त"

माफी—(अ) क्षमा, वह भूमि जिसका लगान माफ हो

माफ़ी उल जमीर (अ) विचार इरादा

मा बक़ा—(अ) अवशिष्ट, शेषांश, बाकी बचा हुआ, उच्छिष्ट

माबद—(अ) देखो "मअबद"

मा बराए—(अ) इसके अतिरिक्त, जो वस्तु किसी वस्तु के पीछे हो

मा बाद—(अ) इसके पश्चात्, इसके अनन्तर

माबिद—(अ) पूजा या उपासना का स्थान, मन्दिर, मस्जिद, गिर्जा आदि

माबूद—(अ) देखो "मअबूद" जिसकी पूजा की गई हो, आराधित, पूजित

माबैन—(अ) इसके मध्य में, इसके बीच में, इस दरम्यान

माम—(अ) मां, माता

मामन—(अ) सुरक्षित स्थान, सुख शांति की जगह

मामला—(अ) विषय, प्रसग, विवाद,

दौलतमंदी

माल मक़रूक़ा—(अ) कुर्क किया हुआ सामान, पावना चुकाने के लिए सरकार द्वारा अपने अधिकार में ली हुई सम्पत्ति

माल मतरूका—(मि) उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति

मालमता—(अ) माल-असबाब, धन-दौलत, ज़मीन जायदाद आदि

मालमस्त—(मि) जिसे अपनी सम्पन्नता का गर्व हो, धन के मद में चूर, धन के अभिमान में किसी की परवा न करने वाला, धनी होने के कारण सुखी, ला परवा

मालमस्ती—(मि) सम्पत्ति का गर्व, धन का घमंड, सम्पन्नता के कारण ला परवा

मालवर—(अ) मालदार, सम्पन्न, धनी

माल शराकत—(अ) साझे का धन, वह सम्पत्ति जिस पर कुछ लोगों का सम्मिलित अधिकार हो, वह सम्पत्ति या जायदाद जिसका बटवारा न हुआ हो

माल सायर—(अ) सरकार की माल गुज़ारी के अतिरिक्त दूसरे साधनों से होने वाली आमदनी

मालामाल—(अ) खूब सम्पन्न, बहुत धनी, भरापूरा

मालिक—(अ) स्वामी, पति ईश्वर, अध्यक्ष, एक फरिश्ते का नाम

मालिक अराजी—(अ) खेत या ज़मीन का मालिक, ज़मीदार

मालिकाना—(अ) स्वामित्व का, मालिकपने का, स्वामी का, मालिक का

मालिकी—(अ) स्वामित्व, सुन्नी मुसलमानों का एक सम्प्रदाय

मालिकीयत—(अ) स्वामित्व, मालिकपन

मालियत—(अ) धन, सम्पत्ति, पूंजी मूल्य, कीमत

मालिश—(फ) मर्दन, मलना, रगड़ना, प्राय प्राणियों के सम्बन्ध में प्रयुक्त होता है, मतली, मिचलाना, रास्ते की थकान

माली—(अ) माल (धन) सम्बन्धी राज-कर सम्बन्धी, अर्थशास्त्र विषयक मालाकार, बाग़वान,

बाग-बगीचों की देख रेख करने वाला

मालीखूलिया—(अ) उन्माद रोग का एक भेद जिस में रोगी बहुत दुखी और चुपचाप रहता है *माले खौलिया*

मालीदा—(फ) मर्दित, मला हुआ, *मींड़ा हुआ, मलीदा*

मालूफ—(अ) अत्यन्त प्यारा, सुपरिचित

मालूफा—(अ) प्यारी, जिससे प्रेम किया गया हो

मालूम—(अ) ज्ञात, विदित, जाना हुआ

मालो मताअ—(अ) देखो *'मालमता'*

मावा—(अ) *खोया, माया, गूदा*

माश—(अ) मूंग, उद, रमाष, घर *गृहस्थी का सामान*

माशा—(फ) तोलने का एक बाट जो आठ रत्ती के बराबर होता है, सुनार की सड़ाँसी

माशाअल्लाह—(अ) *ईश्वर इसे कुदृष्टि* से बचावे, परमात्मा बुरी नज़र से इस की रक्षा करे प्राय किसी सुन्दर व्यक्ति, वस्तु या कृति को देख कर उस की प्रशंसा करते *समय इसका प्रयोग किया जाता है*

माशूक़—(अ) जिस के साथ प्रेम *किया जाय, प्रेम पात्र*

माशूक़ा—(अ) प्रेमिका

माशूक़ाना—*(अ) माशूकों का सा,* माशूकों की तरह का

माशूक़ी—(अ) माशूक होने का भाव या क्रिया, प्रेमपात्रता, सौन्दर्य

माश्की—(फ) मश्क से पानी भरने वाला, भिश्ती, सक्का

मा सबक—(अ) उक्त, पूर्व कहा हुआ जिसका पहले उल्लेख किया जा चुका हो, जो हो चुका हो, पहले बीता हुआ

मा सल्फ—(अ) विगत, बीता हुआ, जो पूर्व समय में हो चुका वह

मासिख—(अ) दाता, देने वाला, दानी, स्वाधीन, फीका

मासिदक—(अ) वह वस्तु जो सच्ची हो

मासियत—(अ) आज्ञा नमानना, अपराध

मासिवा—*(अ) इसके अतिरिक्त,* इसके सिवा, परमात्मा से भिन्न,

सांसारिक दोषी, अपराधी
मासूम—(अ) निष्पाप, निर्दोष, निरपराध, निरीह, अबोध
मासूमियत—(अ) निर्दोषिता, निराहता, अबोध पन
मास्त—(फ़) दही, दधि
माह—(फ) चन्द्रमा, चांद, मास, महीना
माह ए-क़मरी—(फ) चान्द्रमास जो पूर्णिमा को पूरा होता है
माह ए शम्सी—(फ़) सौर मास जो एक संक्रांति से दूसरी संक्रांति तक होता है
माहजबीं—(फ़) देखो "महजबीं" चन्द्रमा के समान सुन्दरमुखवाला अत्यन्त रूपवान परम सुन्दर
माहज़र—(अ) उपस्थित, मौजूद, वर्तमान
माहताब— (फ) चन्द्रमा, चांदनी
माहताबी—(फ) चन्द्रमा या चाँदनी से सम्बन्ध रखने वाला, चाँदनी में रखकर तयार किया गया (गुलकन्द आदि औषध)
माह ब माह—(फ) प्रतिमास, हर महीने
माहरू—(फ़) चन्द्रमा के समान मुखवाला "माहजबीं" चन्द्रवदन
माहलक़ा—(फ) माहरू, माहजबीं
माहवश—(अ) देखो "माहजबीं"
माहवार—(फ) मासिक, प्रतिमास, महीने महीने
माहवारी—(फ) मासिक, हर महीने का महीने महीने का, स्त्रियों का रजोधर्म जो प्रतिमास होता है
माहसल—(अ) महसूल, कर, प्राप्त की हुई वस्तु, लाभ, प्राप्ति, खेती की उपज, सारांश, परिणाम
माहा—(फ़) लकड़ी में छेद करने का बरमा
माहाना—(फ) मासिक, माहवारी
माहियत—(अ) गुण, स्वभाव, विशेषता, वास्तविकता, असलियत
माहियाना—(फ) मासिक वेतन, माहवारी तनख्वाह
माहिर—(अ) दक्ष, प्रवीण, विशेषज्ञ
माही—(फ) मछली
माही ख्वार— (फ़) बक, बगला
माहीगीर—(फ) मछुआ, मछेरा,

मछली पकड़ने वाला

माही पुश्त—(फ) जिसकी उपरी सतह बीच में उभरी हुई हो, मछली की पीठ के आकार का उभारदार

माहीफरोश—(फ) मछुआ, मछेरा, मछली बेचने वाला

माही मरातिब—(फ) मछली आदि की तस्वीरों वाले सात झंडे जिन्हें बादशाहों की सवारी के आगे-आगे हाथियों पर फहराते हुए ले चलते थे

मिअयार—(अ) चांदी-सोना परखने की कसौटी, सोना चांदी तोलने का कांटा

मिकद—(अ) मलद्वार, गुदा

मिकदार—(अ) परिमाण, मात्रा, अन्दाजा

मिकनातीस—(अ) देखो "मकनातीस" चुम्बक पत्थर

मिकयास—(अ) अनुमान, अन्दाज, अनुमान या अन्दाज करने का साधन

मिकयास-उल् हरारत—(अ) ताप मापक यन्त्र, थर्मामीटर

मिकराज—(अ) कैंची कतरनी

मिकरास—(अ) कैंची, कतरनी

मिकराज हिन्दी—(अ) छालियां काटने का सरौता

मिजगा—(फ) पलकें, बिरनिया

मिजमार—(अ) वर्गी, जामुरा, बाना, बाना निशान, घुड़दौड़ का मैदान

मिजराब—(अ) सितार बजाने के लिए उंगली की नोक पर पहना जाने वाला तार का नुकीला छल्ला

मिजह—(फ) पलक बिरनी

मिजाज—(अ) द्रव्य का मूल, गुण, तासीर, स्वभाव, प्रकृति प्रवृत्ति, अभिमान, घमंड, मन की अवस्था, मन, हृदय, दिल.

मिज़ाज पुरसी—स्वास्थ्य आदि के सम्बंध में पूछना

मिज़ाज बिगड़ना—नाराज़ होना, मचलना (बच्चे का)

मिज़ाज न मिलना—अभिमान के कारण सीधे मुंह बात भी न करना

मिजाजन—(अ) अभिमानिनी

अत्यन्त घमंडिन

मिज़ाजन—(अ) स्वभाव या प्रकृति के विचार से

मिजाजो—(अ) देखो "मिज़ाजन"

मिजाह—(अ) मनोरंजन

मिनक़ार—(अ) पक्षी की चोंच, तुण्ड, चञ्चु, लकड़ी में छेद करने का बरमा

मिनजानिब—(अ) किसी की ओर, किसी पास से

मिनजुमला—(अ) इन सबमें से

मिनहा—(अ) घटाया हुआ, कम किया हुआ निकाला, हुआ

मिनहाई—(अ) घटाना, कम करना

मिना—(अ) मक्का शहर का एक बाजार जहां पर कुर्बानी की जाती है

मिन्तक़ा—(अ) कमरबन्द, पेटी, पटका, परिकर, क्रान्तिवृत्त

मिन्नत—(अ) अनुनय, विनय, प्रार्थना

मिफ़ताह—(अ) ताली, कुंजी, चाबी

मिम्बर—(अ) मस्जिद में बना हुआ वह ऊंचा चबूतरा जिसपर बैठकर धर्मोपदेश किया जाता है, व्याख्यानादि देने की जगह

मियाँ—(फ) महाशय, भद्रव्यक्ति, मुसल्मान, स्वामी, पति, शौहर, आदर सूचक सम्बोधन

मियाद—(अ) अवधि, नियत समय

मियादी—(अ) जिसकी अवधि निश्चित हो, नियत समय में समाप्त होने वाला

मियान—(फ) किसी चीज का मध्य, केन्द्र, बीचाबीच, कमर, तलवार रखने का खोल

मियाना—(फ) मध्यम आकार का, मझोले कद का, न बहुत बड़ा न बहुत छोटा बीचोंबीच, मध्य भाग, एक प्रकार की पालकी

मियानी—(फ) बीच का, पाजामे का दामन, पाजामे के दोनों पायचों के बीच में जोड़ा गया चौकोना कपड़ा

मिरजई—(फ) अँगरखी, कमर तक ऊंचा अँगरखा, एक विशेष प्रकार का फतुही जो बन्दों से बांधी जाती है

मिरजा—(फ) देखो "मीरज़ा"

मिरजाई—(फ) मिरजापन, मिरज़ा

का पद या उपाधि

मिराक़—(अ) उन्माद का एक भेद

मिराक़ी—(अ) सनकी, जिसे मिराक़ हुआ हो

मिरात—(अ) दर्पण, शीशा

मिर्गी—(फ) एक रोग विशेष, अपस्मार

मिर्ज़ा—(फ) देखो "मीरजा"

मिर्रीख़—(अ) भौम, मंगल नामक ग्रह

मिल्क—(अ) जायदाद, ज़मींदारी, भूसम्पत्ति, ज़मीन, माफी, स्वामित्व

मिल्कियत—(अ) सम्पत्ति, वैभव स्वामित्व का अधिकार

मिल्की—(अ) भूस्वामी, ज़मींदार, भूस्वामित्व सम्बन्धी

मिल्लत—(अ) मत, मज़हब, सम्प्रदाय, जाति, समुदाय

मिशरब, मिशरबा—(अ) पानी पीने का बरतन, प्याला, सुराही

मिस—(फ) तांबा, ताम्र

मिसकीन—(फ़) गरीब, निर्धन

मिसगर—(फ़) तांबे के बर्तन आदि बनाने वाला, ठठेरा

मिसदाक़—(अ) चरितार्थ होना, जिसपर कोई अर्थ घटता हो, जो किसी दूसरे के अनुरूप हो, साक्षी, गवाह, तारीफ, गवाही

मिसरा—(अ) छन्द का चरण या पाद

मिसरी—(अ) मिस्र देश का निवासी, मिस्र देश की भाषा या कोई वस्तु, साफ करके जमाई हुई मशहूर दानेदार चीनी

मिसवाक—(अ) दातुन, दांत साफ़ करने की कूची

मिसाल—(अ) उपमा, उदाहरण, नज़ीर, नमूना, तुलना, कहावत

मिसी—(फ) तांबे की बनी हुई कोई चीज, एक प्रकार का मंजन जिससे दांत काले हो जाते हैं

मिसक़ल—(अ) शान, एक प्रकार का औज़ार जिसके गोल पहिये पर रगड़ कर तलवार आदि साफ़ करके चमकाई जाती हैं

मिस्कीन—(अ) सीधा-सादा, सौम्य, निर्बल, निर्धन, दीन, दुखी

मिस्कीनी—(अ) सौम्यता, निर्धनता निर्बलता, दीनता, दरिद्रता

मिस्तर—(अ) लिखने के लिए काग़ज़

पर लाइन बनाने की तख्ती जिसमें समान दूरी पर डोरे बंधे रहते हैं

मिस्मार—(अ) नष्ट-भ्रष्ट, तोड़ा फाड़ा या ढाया हुआ, भूमिसात् किया हुआ

मिस्र—(अ) एक प्रसिद्ध देश जो अफ्रिका के उत्तर पूर्व में अवस्थित है

मिस्री—(अ) देखो मिश्री

मिस्ल—(अ) समान, तुल्य, अनुरूप सदृश

मिस्सी—(फ़) दांत काले करने का चूर्ण

मिहनत—(अ) परिश्रम, कष्ट, परीक्षा

मिहनत सरा—(मि) कष्टों या परीक्षाओं का स्थान, संसार, दुनिया

मिहमीज—(अ) लोहे की एक कील जो घुड़ सवारों के जूतों में एड़ी के पास लगी होती है और उससे सवार घोड़ों को एड़ लगाते है

मिहर—(फ़) सूर्य, प्रेम, एक महिने का नाम, कृपा, दया

मिहरबान—(फ़) दयालु, कृपालु, प्रेम करने वाला

मिहरबानी—(फ) प्रेम, दया, कृपा

मिहीन—(फ) बड़ा, बुजुग, वयोवृद्ध

मीजान—(अ) योग, जोड़, तराजू, तुला, तुलाराशि

मीना—(फ) शराब की बोतल, सोने चांदी के जेवरों पर की गई रंगीन चित्रकारी, एक बहुमूल्य रंग बिरंगा पत्थर जिससे सोने चांदी पर रंगीन फूल पत्तियां बनाई जाती है

मीनाकार—(फ) मीना का काम करने वाला

मीनाकारी—(फ़) सोने चांदी पर किया हुआ मीने का काम

मीना बाजार—(फ़) सुंदर बाज़ार जिसमें बढ़िया और बहु मूल्य वस्तुएं बिकती हों

मीनार—(फ़) स्तम्भ, गोलाकार पतली और ऊँची इमारत

मीयाद—(अ) देखो "मियाद"

मीर—(फ़) अमीर का संक्षिप्त रूप सरदार, नेता, प्रधान किसी प्रतियोगिता में सर्व प्रथम आने वाला सैयद जाति के मुसल्मानों

की एक उपाधि, मुसलमानों का धर्माचार्य

मीर अद्ल—(फ) प्रधान न्यायाधीश

मीर आख़ोर—(फ) घुड़शाला का सरदार, अस्तबल का दरोगा

मीर आतिश—(फ) तोप खाने का सरदार

मीरज़ा—(फ) अमीर का लड़का सरदार मुखिया सैयद, मुसल्मानों की उपाधि मिरज़ा

मीर तुज़क—(फ) जुलूस अथवा आक्रमण के लिए तैयारी करने वाला अफसर

मीर फ़र्श—(फ) फ़र्श या चादनी को उड़ने से रोकने वाले उस के कोनों पर रक्खे जाने वाले भारी पत्थर

मीरबख़्शी—(फ) वेतन बाटन वाला बड़ा अफसर

मीरबहर—(फ) समुद्री सेना का अफसर, नौ सेनाध्यक्ष, किसी बन्दरगाह अथवा घाट का मुखिया जो वहां से आने-जाने वालों की देखभाल रखता और माल का कर वसूल करता है

मीर मजलिस—(फ) सभापति मजलिस का मुखिया

मीर मक्तब—(फ) पाठशाला का प्रधान अध्यक्ष

मीर मुंशी—(फ) मुख्यामात्य प्रधान मन्त्री

मीर शिकार—(फ) आखेट का व्यवस्था करने वाला अफसर

मीरहाज—(फ) हज यात्रा को जाने वालों का सरदार हाजियों का मुखिया

मीरास—(अ) उत्तराधिकार में प्राप्त हुई सम्पत्ति

मीरासी—(अ) मौराम सम्बन्धी मुसल्मान वैश्या की एक जाति

मीलाद—(अ) जन्म समय, जन्म दिन का उत्सव, एक शहर का नाम, एक पहलवान का नाम मौलूद

मीलान—(अ) झुकाव, प्रवृत्ति, इच्छा, रुचि

मुअइयन—(अ) नियुक्त, नियत किया हुआ, तैनात मुक़र्रर

मुअजज़ा—(अ) अद्भुत कार्य, आश्चर्यजनक घटना, करामात

मुआफिक—(अ) अनुकूल जो विरुद्ध न हो सदृश, समान, तुल्य
मुआफिकत—(अ) अनुकूलता
मुआफी—(अ) क्षमा, देखो "माफी"
मुआमिला—(अ) देखो "मामला"
मुआयना—(अ) देख भाल, निरीक्षण जाँच, मुआइना
मुआरजा—(अ) झगड़ा, उपद्रव
मुआरिज—(अ) झगड़ालू, उपद्रवी, विरोधी
मुआलिज—(अ) चिकित्सक, इलाज करने वाला
मुआलिजा - (अ) चिकित्सा, इलाज
मुआवजत—(अ) बदला, एवज़
मुआविजा—(अ) बदले में दिया हुआ सामान या धन, बदलने की क्रिया, परिवर्तन
मुआवदत—(अ) लौट आना, वापस आना
मुआविन—(अ) सहायक, मददगार
मुआविनत—(अ) सहायता, मदद
मुआशरत—(अ) सामाजिक या नागरिक जीवन, मिल-जुल कर रहना या जीवन निर्वाह करना
मुआशिजात—(अ) अर्थशास्त्र, वह शास्त्र जिस में सम्पत्ति के उत्पादन और विभाजन या विवेचन हो
मुआसिर—(अ) सहयोगी, समकालीन, समसामयिक
मुआहदा—(अ) करार, वादा, दृढ निश्चय, पक्की बात चीत
मुआहिद—(अ) प्रतिज्ञा करने वाला, दृढनिश्चयी, वचन देने वाला, अहद करने वाला
मुआहिदा—(अ) प्रतिज्ञा करना, वादा या करार करना, दृढनिश्चय करना, वचन देना, पक्की बात चीत करना
मुएयन—(अ) देखो, "मुअय्यन"
मुकइ—(अ) क्रय लाने वाली, वमन कारक, जिसके खाने पीने से उल्टी हो जाय
मुकतजी—(अ) अभिलाषी, इच्छुक
मुकतदा—(अ) पेशवा, धार्मिक नेता
मुकतदी—(अ) धर्मानुयायी
मुकतफी—(अ) अनुयायी, पीछे आने वाला, किफायत करने वाला, मितव्ययी
मुकत्तर—(अ) टपकाया गया, बूँद बूँद

मुकद्दर—(अ) मलिन, मटला, गन्दा
मुकद्दर—(अ) भाग्य, तकदीर.
मुकद्दस—(अ) पवित्र, शुद्ध, पाक
मुकद्दसा—(अ) पवित्र स्त्री, पाक औरत
मुकन्नीन—(अ) क़ानून बनाने अथवा जानने वाला
मुकफ्फल—(अ) जिसमें ताला (कुफ्ल) लगा हो, ताले बन्द
मुकफ्फा—(अ) क़ाफियेदार, सानुप्रास, तुकान्त.
मुकम्मल—(अ) पूर्ण, पूरा, जिसमें कोई त्रुटि या कमी न हो
मुकरना—(हि) नटजाना, वचन पलट जाना
मुकरिम—(अ) कृपालु, दयालु, करम करने वाला
मुकर्रब—(अ) घनिष्ठमित्र, सच्चा दोस्त
मुकर्रम—(अ) प्रतिष्ठित, गौरवशाली
मुकरर—(अ) दुबारा, पुन पुन, फिर से
मुकर्रर—(अ) नियत, नियुक्त, तेनात निश्चित, व्याख्याता, तकरीर किया हुआ
मकर्रा—(अ) निश्चित, नियत, ठहरा हुआ, तय किया हुआ
मुकर्री—(अ) नियुक्ति, तनाती, निश्चित कर-वेतन आदि
मुकर्रिर—(अ) व्याख्याता, तकरीर करनेवाला, धैय
मुकल्लफ—(अ) सजाया हुआ
मुकल्लिद—(अ) विश्वासी, अनुयायी, अनुकरण करने वाला, नक्काल, भाड
मुक़ल्लिब—(अ) घुमाने वाला, परिवर्तक, बदलने वाला
मुक़ल्लिब-उल-कलूब—(अ) हृदय-परिवर्तक, हृदय बदल देनेवाला, ईश्वर
मुकव्वी—(अ) वीर्यवर्धक, बलवर्धक, पौष्टिक, कुवत बढाने वाला
मुकश्शर—(अ) छीला हुआ, जिसका छिल्का उतारा गया हो
मुकस्सर—(अ) कम किया हुआ, घटाया हुआ
मुकस्सर—(अ) किसी संख्या को उसी संख्या से तीन बार गुणा किया हुआ, वह जिसकी लम्बाई चौड़ाई और उंचाई तीनों

मुखैयला—(अ) सोचने विचारने की शक्ति

मुख्तलिफ—(अ) विभिन्न, अलग अलग, तरह-तरह का, भांति भांति का

मुख्तसर—(अ) संक्षिप्त, थोड़े में कहा गया या किया गया, संतोषी, थोड़े में संतुष्ट रहने वाला

मुख्तार—(अ) जिसे कोई काम का अख्तियार दिया गया हो, जिसे किसीने अपना प्रतिनिधि बना कर किसी काम के करने का अधिकार सौंपा हो, अधिकार प्राप्त प्रतिनिधि, एक प्रकार का क़ानूनी सलाहकार

मुख्तार ए आम—(अ) वह मुख्तार जिसे सब प्रकार के काम करने का अधिकार प्राप्त हो

मुख्तारकार—(मि) प्रधान कार्यकर्ता, मुख्य संचालक

मुख्तारकारी—(मि) मुख्तार या मुख्तारकार का पद अथवा काम

मुख्तार खास—(मि) जो किसी विशेष काम के लिए प्रतिनिधि बनाया गया हो

मुख्तारतन्—(अ) मुख्तार द्वारा

मुख्तारनामा—(मि) वह पत्र जिसके अनुसार किसी को कोई काम करने का अधिकार सौंपा जाय

मुख्तारी—(अ) मुख्तार का काम या पद

मुग—(अ) अग्निपूजक, अग्नि उपासक

मुगन्निया—(अ) गाने वाली, गायिका

मुगन्नी—(अ) गायक, गानेवाला

मुगम्मिज़—(अ) चुगल, पिशुन, आंखों या भौंहों से संकेत करने वाला

मुग़ाय्यर—(अ) शीघ्रता करनेवाला, लुटेरा

मुगल—(अ) मुसलमानों के वर्गों में से एक, मंगोल देश का रहने वाला, तुर्कों का एक श्रेष्ठ वर्ग

मुग़लक—(अ) वह शब्द या वाक्य जिसका अर्थ कठिनाई से जाना जाय, क्लिष्ट, कठिन, गम्भीर, गूढ़ार्थ, चन्द द्वार

मुग़लानी—(मि) दासी, सेविका, जनाने कपड़े सीनेवाली

मुगा—(अ) "मुग का बहु वचन
मुगालता—(अ) भ्रम, भूल, धोखा, छल
मुगील—(अ) बबूल, एक काटेदार वृक्ष
मुगीस—(अ) वादी दावा करने वाला, अभियोग उपस्थित करने वाला
मुगेयर—(अ) बदला हुआ, परिवर्तित
मुचलका—(तु) वह लेख जिसमे भविष्य मे कोई अनुचित काम न करने अथवा न्यायालय मे नियत समय पर उपस्थित होने की प्रतिज्ञा की गई हो
मुजक्कर—(अ) पुल्लिंग, पुरुष जाति का, नर
मुजखरफ—(अ) बकवाद, निरर्थक बात
मुजगा—(अ) गमाशय, ग्रास, कौर, गस्सा, लुकमा, निवाला, मास का टुकड़ा
मुजतबा—(अ) चुना हुआ, श्रेष्ठ, चुनीदा, बढ़िया, छाटा हुआ
मुजतमअ—(अ) जमा किया हुआ एकत्रित, सग्रहीत
मुजतर—(अ) अधीर, व्याकुल, विकल, बेचैन
मुजतरिब—(अ) अधीर, विकल, बेचैन
मुजतहिद—(अ) धर्माचार्य, धर्मशास्त्रों का सबसे बड़ा विद्वान्, आप्त, जिसका कथन सबको मान्य हो
मुजदा—(अ) शुभ सन्देश, खुशखबरी, शुभ सूचना, अच्छी खबर.
मुजफ्फर—(अ) विजयी, विजेता, जीतने वाला, विजय पाने वाला
मुजबजब—(अ) अनिश्चित अवस्था, असमजस, धुकर पुकर.
मुजमल—(अ) सग्रहीत, इकट्ठा किया हुआ, एकत्रित, सक्षिप्त
मुजमलन्—(अ) सक्षेप में, थोड़े में
मुजमहल—(अ) नाशवान, नाचीज़, तुच्छ, शिथिल, दुष्ट, श्रान्त बहुत थका हुआ
मुजम्मद—(अ) ठड से जमजाने वाली चीज़
मुजम्मा—(अ) एब, फटकार, मुजम्मा देना, फटकारना, आडे हाथों लेना
मुजरा—(अ) वेश्या का बैठे हुए गाना, वह रकम जो किसी

हिसाब में से काटली गई हो, किसी राजा या बड़े के सामने जाकर उसे प्रणाम करना, जारी किया हुआ, प्रचारित

मुजराई—(अ) किसी रकम का काटना या बाद देना, कटौती, मुजरा के लिए उपस्थित हुए लोग, मरसिया पढ़ने वाला

मुजरिम—(अ) अपराधी, दोषी, जिसने कोई जुर्म किया हो

मुजर्रत—(अ) हानि

मुजरद—अकेला, एकाकी, अविवाहित, कुआरा, विरक्त, नग्न किया गया

मुजर्दी—(अ) अविवाहितावस्था, कुआरापन, एकान्तीपन

मुजर्रब—(अ) अनुभूत, परीक्षित, जांचा हुआ, तजुरबा किया हुआ

मुजर्रबात—(अ) 'मुजर्रब' का बहुवचन अनुभूत या रामबाण प्रयोग

मुजर्रह—(अ) नीहारिका, आकाश गंगा, देवपथ

मुजर्रिब—(अ) अनुभव करनेवाला, जांचने वाला, तजुर्बा करनेवाला

मुजलमा—(अ) अन्याय, अत्याचार

मुजल्लद—(अ) जिस पर पुट्ठा चढ़ा हो, जिल्द बांधा हुआ, जिल्ददार ग्रन्थ, पुस्तक आदि

मुजल्ला—(अ) जिला किया हुआ, चमकाया हुआ

मुजल्लिद—(अ) किताबों की जिल्द बांधने वाला, जिल्द साज

मुजव्वज़-मजव्वज़ह—(अ) तजवीज किया गया, प्रस्तावित, सुझाया गया, बताया गया, निश्चित किया गया

मुजव्वफ—(अ) पोला, खोखला, जो भीतर से खाली हो

मुजव्विज़—(अ) तजवीज़ करने वाला, प्रस्तावक, सुझाने वाला, बताने वाला

मुजस्सम-मुजास्सिम—(अ) मूर्तिमान शरीरधारी, शरीरी

मुजस्सिमा—(अ) मूर्ति, प्रतिमा

मुजहर—(अ) हृदय, वह स्थान जहां हृदय दिखाया जाय, रंगमंच

मुजहिर—(अ) ज़ाहिर या प्रकट करनेवाला, जासूस मुखिया

मुज़ाअफ़—(अ) गुणित, गुणा किया हुआ, द्विगुण, दूना

मुज़ाइफ़—(अ) कमजोर करने वाला

मुजाज़ा—(अ) बदला देने वाला

मुजादला—(अ) विरोध, लड़ाई, झगड़ा

मुज़ाफ़—(अ) बढ़ाया गया, मिलाया गया, प्रक्षित, व्याकरण में सम्बंध कारक

मुज़ाफ इलह—(अ) व्याकरण में वह वस्तु जिसका किसी से सम्बंध हो, जैसे "मोहन की पुस्तक" में "पुस्तक" मुज़ाफ इलह है, क्योंकि इसका मोहन से सम्बन्ध है

मुज़ाफ़ात—(अ) मुज़ाफ का बहुवचन, नगर के आस-पास और आमने सामने के स्थान

मुजाब—(अ) वह जिसका जवाब दिया गया हो, स्वीकार किया गया

मुजाबात—(अ) मुजाब का बहुवचन

मुजामअत—संभोग, स्त्री प्रसंग

मुज़ाहमा—(अ) हानि, हर्ज, एक दूसरे को तंग करना

मुज़ारा—(अ) कृषक, किसान, खेतिहर-तुल्य, समान, बराबर का

मुजारियह—(अ) जारी, प्रचलित, चलता हुआ, नियम-बद्ध, कानून के रूप में लाया गया, नियम रूप में माना गया

मुजावरत—(अ) पास, पड़ोस

मुजाविर—(अ) मज़ार या दरगाह का पुजापा लेने वाला, दरगाह के पास रहने वाला, पड़ोसी

मुजाविरी—(अ) मुजाविर का काम

मुजाहिद—(अ) धर्म-युद्ध में नास्तिकों से लड़ने वाला, धर्म-रक्षा के लिए युद्ध करने वाला, प्रयत्न करने वाला

मुजाहिदा—(अ) प्रयत्न, शोक, धर्मयुद्ध

मुजाहिदीन—(अ) "मुजाहिद" का बहुवचन

मुज़ाहिम—(अ) बाधक, बाधा डालने वाला, कष्ट देनेवाला, पीड़ा पहुँचाने वाला

मुज़ाहिमत—(अ) बाधा डालना, रोकना, पीड़ा पहुँचाना, कष्ट देना

मुजाहिर—(अ) साहाय्य देना, सहायता करना

मुजाहिरत—(अ) सहायता, मदद

मुजिर—(अ) हानिकारक, बुरा, नुकसान पहुँचाने वाला

मजीर (अ) शरण देनेवाला

मुतज न—(अ) मांस मिलाकर विशेष प्रकार से बनाया हुआ भात

मुतअइयन— (अ) तैनात किया हुआ, नियुक्त किया हुआ, मुकरर किया हुआ, नियत, निश्चित

मुतअक़िब—(अ) पीछा करने वाला, पिछाड़ी पड़ने वाला

मुतअज्जिब—(अ) अचम्भे में पड़ा हुआ, आश्चर्यान्वित, चकित

मुतअद्दद—(अ) गिने चुने, थोड़े, अल्पसंख्यक

मुतअद्दिद—(अ) बहुसंख्यक, कतिपय, कई, अनेक, जो तादाद में अधिक हों

मुतअद्दी—(अ) व्याकरण में सकर्मक क्रिया

मुतअफ़्फ़िन—(अ) दुर्गन्ध युक्त, बदबूदार

मुतअर्रिज—(अ) एतराज़ करने वाला, आपत्ति करने वाला

मुतअल्लिक़—(अ) तअल्लुक़ या सम्बन्ध रखने वाला, सम्बन्धित, लगाव रखने वाला सम्बद्ध

मुतअल्लिक़ान—(अ) सम्बन्ध रखने वाले, परिवार वाले, सम्बन्धी, नाते रिश्ते के लोग, आश्रित, पर म रखने वाले

मुतअल्लिम—(अ) विद्यार्थी, शिष्य

मुतअस्सिफ—(अ) जिसे दुख या पश्चात्ताप हो

मुतअस्सिब—(अ) धार्मिक पक्षपाती, जो तास्सुब रखता हो, कट्टर

मुतअस्सिर—(अ) जिसपर असर पड़ा हो, प्रभावित

मुतअह—(अ) शिया मुसलमानों में प्रचलित एक प्रकार का अस्थायी विवाह, मुताह

मुतहिद—(अ) ठेकेदार

मुतआही—(अ) वह जिसके साथ मुताह किया गया हो, मुताही

मुतआख़िरीन—(अ) आजकल के, वर्तमान युग के, आधुनिक, इस समय के (मनुष्य)

मुतक़दिम—(अ) क़दीम या पुराने

समय का, प्राचीन काल का

मुतक़द्दिस—(अ) आगे बढ़ने वाला, पेश होने वाला

मुतकब्बिर—(अ) घमंडी, दुरभिमानी

मुतकल्लिफ़—(अ) तकलीफ़ या सकोच करने वाला

मुतकल्लिम—(अ) बोलने वाला, वक्ता, भाषणपटु, व्याकरण म प्रथम या उत्तम पुरुष

मुतकल्लिमीन—(अ) "मुतकल्लिम" का बहुवचन

मुतकस्सिर—(अ) टूटने वाला, क्षण भगुर

मुतक़ाज़ी—(अ) तक़ाज़ा करने वाला, मागने वाला

मुतक़ायद—(अ) साहसहीन, आलसी, शिथिल

मुतख़य्यल—(अ) ख़याल किया गया, विचारा गया

मुतख़ल्लिल—(अ) विघ्नकारक, बाधक, खलल डालने वाला

मुतख़ल्लिस—(अ) तखल्लुस या उप नाम से प्रसिद्ध, नामी, नामधारी, ख़ालिस, विशुद्ध

मुतग़य्यर—(अ) परिवर्तित, बदला हुआ

मुतज़क्किरह—(अ) जिसका ज़िक्र किया जा चुका है, उक्त, उल्लिखित

मुतज़म्मिन—(अ) संयुक्त, सम्मिलित, मिला हुआ

मुतज़लज़िल—(अ) कांपने वाला, हिलने वाला, डगमगाने वाला

मुतजस्सिस—(अ) खोजने वाला, जिज्ञासु, अन्वेषक

मुतज़ाद—(अ) परस्पर विरोधी, (कथन, लेख आदि)

मुतजाविज़—(अ) सीमोल्लघन करने वाला, मर्यादा नष्ट करने वाला

मुतज़ाहिद—(अ) बढ़ने वाला

मुतजाहिल—(अ) जान-बूझ कर मूर्ख बनने वाला

मुतदैयन—(अ) धर्मनिष्ठ, धर्मात्मा, धर्म पर विश्वास रखने वाला, ईमानदार, अच्छी नीयत वाला

मुतनफ़्फ़िर—(अ) घृणित, घृणोत्पादक, जिसे देखकर नफ़रत पैदा हो, घृणा करने वाला

मुतनब्बा—(अ) परिचित, सूचित, सावधान

मुतनाक़िज़—(अ) विरोधी, (कथन

लेख आदि)

मुतनाक़िस—(अ) दूषित, दोषयुक्त, जिसमें कोई नुक्स हो

मुतनाज़ा—(अ) विवादास्पद, विवाद-ग्रस्त, जिसके सम्बन्ध में मत भेद या झगड़ा हो

मुतनासिब—(अ) उपयुक्त, ठीक (अनुपात की दृष्टि से) तुल-नात्मक

मुतफ़क्किर—(अ) चिन्तित, फ़िक्रमन्द

मुतफ़न्नी—(अ) धूर्त, चालाक

मुतफ़र्रक़ात—(अ) फुटकर, तरह तरह की वस्तुएँ, थोड़े थोड़े आय अथवा व्यय के भिन्न भिन्न विभाग, फुटकर और इधर उधर की चीज

मुतफ़र्रिक़—(अ) फुटकर, भिन्न भिन्न तरह तरह की, भाँति भाँति की अस्तव्यस्त बिखरी हुई

मुतफ़र्रिज—(अ) क्रीड़ा स्थल, सैर सपाटे की जगह

मुतबख़्ख़ी—(अ) रसोइया, बावर्ची

मुतबद्दल—(अ) बदला हुआ, परिवर्तित

मुतबन्ना—(अ) दत्तक पुत्र, गोद लिया हुआ लड़का

मुतबर्रक—(अ) बरकत वाला, शुभ, मुबारक, पवित्र, स्वर्गीय, देव दूत सम्बन्धी

मुतमन्नी—(अ) तमन्ना या इच्छा रखने वाला

मुतमय्यन—(अ) शांत, सन्तुष्ट, तृप्त, निश्चिन्त, सुखी

मुतमव्वल—(अ) धनी, सम्पन्न, अमीर

मुतमाव्विज—(अ) लहरें मारनेवाला तरंगायित

मुतमिन—(अ) सुखी, शान्त, तृप्त, सन्तुष्ट, निश्चिन्त

मुतरजिम—(अ) अनुवादक, तरजुमा करने वाला

मुतरद्दिद—(अ) फ़िक्रमन्द, चिन्तित, जिसके मन में तरद्दुद हो

मुतरन्नम—(अ) गीत, गाया हुआ, गाया गया

मुतरन्निम—(अ) गायक, गानेवाला, गवैया

मुतरादिफ़—(अ) पर्यायवाची, समानार्थक, एकार्थक

मुतरिब—गायक, गवैया, संगीत

जानने वाला

मुतरिबी—(अ) संगीत, गाना बजाना, गीत-वाद्य

मुतरिबा—(अ) गायिका, गानेवाली, डोमनी

मुतलक़—(अ) लेशमात्र, थोड़ा भी, तनक भी, स्वतन्त्र, मुक्त, निरा, निपट, बिल्कुल

मुतलक़-उल्-इनान—(अ) जिसकी लगाम छूटी हुई हो, परम स्वतन्त्र, अबाध, एकछत्र शासक

मुतलव्विन—(अ) परिवर्तनशील, अस्थिर, एकसा न रहने वाला, थोड़ी थोड़ी देर में बदलनेवाला

मुतलब्बिस—(अ) लिबास पहने हुए, वस्त्र धारण किए हुए

मुतलातिम—(अ) लहरों का आपस में टकराना, तमाचा या थप्पड़ मारना

मुतलाशी—(अ) अन्वेषक, खोजनेवाला, तलाश करनेवाला, परेशान

मुतल्ला—(अ) जिसपर सोने का मुलम्मा किया गया हो

मुतल्लिक़—(अ) जिसे तलाक़ दी गई हो

मुतल्लिक़ा—(अ) वह स्त्री जिसे तलाक़ दी गई हो

मुतवक्क़िफ़—(अ) विलम्ब करनेवाला

मुतवक्किल—(अ) ईश्वर विश्वासी, परमात्मा पर भरोसा रखनेवाला, भाग्यवादी, सन्तोषी

मुतवक्क़ै—(अ) तवक़्क़ै या आशा रखनेवाला, आशावान, लिप्सु लालायित

मुतवज्जह—(अ) तवज्जह या ध्यान रखनेवाला, सावधान, सतर्क

मुतवत्तिन—(अ) निवासी, रहने वाला

मुतवफ़्फ़ी—(अ) स्वर्गीय, दिवंगत, परलोकवासी, मृत, मरा हुआ

मुतवर्रा—(अ) पवित्राचार, पवित्र, विशुद्ध, पाक

मुतवल्लिद—(अ) पैदा होने वाला जन्म लेने वाला, जात

मुतवल्ली—(अ) किसी धार्मिक संस्था की व्यवस्था करने वाला, धर्मादाय की रक़म का संरक्षक, मित्रता रखने वाला, काम पर रहनेवाला

मुतवस्सित—(अ) औसत दर्जे का,

मध्यम श्रेणी का, सामान्य, साधारण, बीच का, मामूली

मुतबस्सिम—(अ) मुस्कराने वाला, विकसित होने वाला, खिलनेवाला

मुतवह्हम—(अ) संशयात्मा, वहम या सन्देह करने वाला

मुतवाजह—(अ) आदर-सत्कार करने वाला, विनम्र, विनयी, सहिष्णु सकोचशील

मुतवातिर—(अ) लगातार, अव्याहत अविराम

मुतशक्की—(अ) शक या सन्देह करने वाला

मुतशाबह—(अ) आकार प्रकार में मिलता हुआ, समान आकृति वाला, एक सी सूरत का, मिलता जुलता, जिसके अर्थ में सन्देह हो

मुतशाबहात—(अ) कुरान की वह आयतें जिनके अर्थ गूढ़ हैं

मुतशायर—(अ) जो शायर न होते हुए भी अपने आपको शायर जतावे, कविम्मन्य, स्वयभू कवि

मुतसद्दी—(अ) आगे का काम करने वाला, पेशकार, लेखक, मुंशी

मुतसव्वर—(अ) तसव्वुर किया गया, मान लिया गया, कल्पना किया गया, खयाल किया गया

मुतसर्रिफ—अपव्ययी, फिजूल खर्च, खर्चीला

मुतसावी—(अ) समान, बराबर.

मुतहक्कक—(अ) तहक़ीक़ किया गया, जाचा गया, ठीक, दुरुस्त

मुतहक्किक—(अ) तहक़ीक़ या जाच करने वाला, परखने वाला

मुतहम्मिल—(अ) सहिष्णु, सहन शील, कठिनाइयों या कष्टों को सह सकने वाला

मुतहर्रिक—(अ) गति देने वाला, चलाने वाला, सचालक

मुतहय्यर—(अ) हैरत या अचम्भे में पड़ा हुआ, विस्मित, चकित

मुताअ—(अ) वह व्यक्ति जिसकी अधीनता स्वीकार की जाय, सरदार, मुखिया

मुताखिर—(अ) पीछे आने वाला, पीछे रहा हुआ, पहलों के अनन्तर शेष रहा हुआ, आजकल का, मौजूदा आदमी

मुताखिरीन—(अ) "मुताखिर" का

बहुवचन, देखो "मुतआखिरीन"
मुताजिरत—(अ) परस्पर व्यापार करना
मुतादी—(अ) पहुचाने वाला
मुताविक—(अ) अनुसार, माफिक
मुताविकत—(अ) समता, सादृश्य, अनुकूलता
मुताम्मिल—(अ) ताम्मुल या सन्तोष रखने वाला, सन्तोषी, बहुत ध्यान या चिन्तन करन वाला
मुतालवा—(अ) तलब करना, मांगना, प्राप्तव्य, पावना, वह धन जो किसी से मिलना शेष हो
मुताला—(अ) अध्ययन, पढ़ना, स्वाध्याय
मुताल्लिक—(अ) देखो "मुतअल्लिक"
मुतास्सिफ—(अ) देखो मुतअस्सिफ" पश्चात्ताप करन वाला
मुतास्सिब—(अ) देखो 'मुतअस्सिब' धार्मिक पक्षपाती
मुतास्सिर—(अ) देखो 'मुतअस्सिर' प्रभावित
मुताह—(अ) शीया मुसल्मानों में होने वाला एक प्रकार का अस्थायी विवाह
मुताही—(अ) देखो "मुतआही"
मुतीअ—(अ) अनुयायी, अनुगामी, आज्ञाकारी, अधीन, दास, सेवक
मुत्तकी—(अ) सदाचारी, दुष्कर्मों से बचने वाला, परहेजगार
मुत्तफिक—(अ) जिनमें परस्पर इत्तफाक हो, सहमत, एकमत, मिला हुआ
मुत्तला—(अ) जिसे इत्तला या सूचना दी गई हो, सूचित, सावधान, सचेत, आगाह
मुत्तासिल—(अ) सम्बद्ध, साथ मिला हुआ, निकट, समीप, पास, मिलाहुआ, समीप या बगल म रहनेवाला
मुत्तहद—(अ) एक म मिलाए हुए, मिलाकर एक किये हुए, सयुक्त,
मुत्तहम—(अ) जिस पर तोहमत लगाई गई हो, जिस पर दोषारोपण किया गया हो, अभियुक्त
मुत्सद्दी—(अ) देखो "मुतसद्दी"
मुदक्किक(अ) सूक्ष्म काम करनेवाला, तार्किक
मुदब्बर—(अ) पाला पोसा गया, तदबीर किया गया

मुदब्बिर—(अ) युक्ति या उपाय बताने वाला, मन्त्री, परामर्शदाता सलाहकार, नेता, पथ प्रदर्शक, उपाय सोचनेवाला

मुदम्मिग़—(अ) दुरभिमानी, दम्भी, घमण्डी, बहुत दिमाग रखने वाला

मुदक्कि़क—(अ) बात की तह तक पहुँचन वाला, कुशाग्रबुद्धि, समझदार, जागरूक

मुदरिका—(अ) समझने की शक्ति, विचार-शक्ति, विवेचक-बुद्धि

मुदर्रस—(अ) शिक्षार्थी, विद्यार्थी, पढ़नेवाला

मुदर्रिस—(अ) शिक्षक, पढ़ानेवाला, पाठक, अध्यापक

मुदर्रिसी—(अ) अध्यापकी, पढ़ाने का पेशा, मुदर्रिस का पद

मुदल्लल—(अ) जो दलीलों से सिद्ध हो चुका हो, युक्ति-युक्त, तर्क-सिद्ध

मुदल्लिल—(अ) दलील या युक्ति द्वारा किसी बात को सिद्ध करने वाला, तार्किक

मुदव्वर—(अ) गोल

मुदाख़िलत—(अ) दख़ल देना, हस्तक्षेप, प्रवेश

मुदाफ़अत—(अ) आत्मरक्षा, रक्षा या दूर करने की क्रिया

मुदाम—(अ) सदैव, निरंतर, लगातार, सदा, हमेशा, बराबर

मुदामत—(अ) आदत, हमेशगी, सर्वदा का

मुदारा—(अ) रिआयत करना, सधि करना, आदर-सत्कार

मुदारात—(अ) "मुदारा" का बहुवचन

मुदीर—(अ) हाल, गति देने वाला

मुद्दआ—(अ) अभिप्राय, उद्देश्य

मुद्दई—(अ) दावा करने वाला, वादी

मुद्दत—(अ) अवधि, मियाद, समय, बहुत दिन, अरसा

मुद्दते इद्दत—(अ) तलाक़ देने के बाद की वह अवधि जिसमें मुसलमान स्त्रियां दूसरा विवाह नहीं कर सकतीं

मुद्दाअलेह—(अ) जिसपर दावा किया गया हो, प्रतिवादी

मुद्दैया—(अ) दावा करने वाली स्त्री

मुनअकि़द—(अ) अधिवेशन, बैठक,

सम्पन्न होना, कार्यरूप में आना, बद्ध, सघटित होना, एकत्र होना

मुनअकिस (अ) जिसका अक्स पड़ा हो, जिसकी छाया पडी हो

मुनइम—(अ) दाता, दानी, उदार

मुनकज़ी—(अ) गत, निगत, बीता हुआ, गुज़रा हुआ

मुनकता—(अ) समाप्त किया हुआ, निबटाया हुआ, चुकता किया हुआ, नाटा हुआ, चुकाया हुआ, अलग किया हुआ

मुनक्कबत—(अ) प्रशस्ति, वन्दना

मुनकशिफ—(अ) खुला हुआ, उद्घटित, प्रकट (रहस्य आदि)

मुनकसिम—(अ) तक़सीम किया हुआ, विभक्त, विभाजित, बांटा हुआ

मुनकसिर—(अ) नम्र, विनीत, जिसमें इन्कसार हो, सकोचशील

मुनकसिरुल मिजाज़—(अ) विनम्र स्वभाव का

मुनकिर—(अ) इनकार करने वाला, बात पलट जाने वाला, न मानने वाला, नास्तिक

मुनक्कश—(अ) नक्काशी किया हुआ, चित्रित, जिसमें बेल-बूटे बनाएगए हों

मुनक्क़ा—(अ) द्राक्षा, बड़ी किश मिश, दाख

मुनजमिद—(अ) सर्दी के कारण जमा हुआ (घी, पानी आदि)

मुनज्जिम—(अ) नजूमी, ज्योतिषी

मुनज्जिस—(अ) अपवित्र करने वाला

मुनफअत—(अ) नफा, फायदा, लाभ

मुनफइल—(अ) लज्जित, शर्मिन्दा

मुनफसला—(अ) जिसका फैसला या निर्णय हुआ हो

मुनफी—(अ) नष्ट किया गया, मिटाया या बरबाद किया गया

मुनब्बत—(अ) जिसम उभरे हुए बेल बूटे बने हों, नक्काशीदार

मुनब्बतकारी—(मि) उभरे हुए बेल बूटे बनाने का काम, नक्क़ाशी, खुदाई

मुनव्वर—(अ) प्रकाशमान, चमकीला, चमकदार प्रकाशित

मुन्शी—(अ) लेखक, लेख या निबन्ध लिखने वाला, फ़ारसी लिपि के सुन्दर अक्षर लिखने वाला, मुहर्रिर, लिखा-पढ़ी करनेवाला

मुनग़शी—(अ) मादक, नशा करने वाली, नशीली

मुनसरिम—(अ) अदालत का प्रधान मुंशी, इन्तज़ाम या व्यवस्था रखने वाला, व्यवस्थापक, प्रबन्धक, प्रतिनिधि

मुनसलिक—(अ) सम्बन्ध, साथ बाँधा गया, पिरोया गया, गुथा गया, सम्मिलित

मुनसिफ़—इन्साफ़ या न्याय करने वाला

मुनसिफ़ी—(अ) न्याय, इन्साफ़, मुन्सिफ़ के बैठने या काम करने की जगह, मुन्सिफ़ का पद या काम

मुनहदिम—(अ) गिराया अथवा नष्ट किया हुआ, तोड़ा फोड़ा हुआ, ढाया गया, खंडहर

मुनहनी—(अ) टेढ़ा, झुका हुआ, वृद्ध, दुबला-पतला

मुनहरिफ़—(अ) फिरा हुआ, विमुख, प्रतिकूल, विरोधी, वक्र, टेढ़ा

मुनहसर—(अ) आश्रित, निर्भर, अधीन

मुनाक़िद—(अ) देखो "मुनअक़िद"

मुनाक़िब—(अ) प्रशंसाएँ, 'मुनक़बत' का बहुवचन

मुनाज़अत—(अ) झगड़ा, बखेड़ा

मुनाज़रा—(अ) विवाद, बहस, विचार, विमर्श, शास्त्रार्थ, शंका-समाधान

मुनाज़रात—(अ) "मुनाज़रा" का बहुवचन

मुनाजा—मगदाल, बर्गेडिया

मुनाजात—(अ) पुकार, प्रार्थना, दुहाई, विलाप, ईश्वर प्रार्थना, स्तोत्र

मुनादिम—(अ) नाशवान, नश्वर

मुनादी—(अ) घोषणा, ढिंढोरा, डुग्गी, यह सूचना जो ढोल पीट-पीट कर सर्वसाधारण को सुनाई जाय

मुनाफ़ा—(अ) लाभ, फायदा

मुनाफ़िक़—(अ) नफ़ाक़ या द्वेष रखने वाला

मुनाफ़िर—(अ) नफ़रत या घृणा करने वाला

मुनाफ़िरत—(अ) घृणा, घिन, नफ़रत

मुनाफ़ी—(अ) नष्ट या बरबाद, करने

वाला, विरोधी, निरर्थक करने वाला

मुनासिब—(अ) उचित, वाजिब, ठीक

मुनासिबत–(अ) उपयुक्तता, औचित्य सम्बन्ध, लगाव

मुनासिर—(अ) मित्रता, सहायता

मुनीब—(अ) लेखा जोखा रखने वाला, बहीखाता लिखने वाला, मुनीम, स्वामी, मालिक, ईश्वर भक्त

मुनीबी—(अ) मुनीब का काम या पद

मुनीम—(अ) देखो "मुनीब"

मुनीर—(अ) प्रकाश देनेवाला, प्रकाशक, प्रकाशित

मुन्तकिल—(अ) स्थानान्तरित, एक जगह से हटाकर दूसरी जगह रक्खा हुआ

मुन्तकी—(अ) चुना हुआ, लोकप्रिय

मुन्तखब—(अ) चुना हुआ, निर्वाचित, पसन्द किया हुआ, छांटा हुआ

मुन्तजिम—(अ) प्रबन्धक, व्यवस्थापक, इन्तजाम करनेवाला

मुन्तशिर—(अ) अस्तव्यस्त, इधर उधर फैला हुआ, बिखरा हुआ, परेशान

मुन्तही—(अ) इन्तहा को पहुचा हुआ, चरमसीमा तक पहुचा हुआ, पूर्ण ज्ञाता, दक्ष

मुन्दरज—(अ) दर्ज किया या लिखा गया, प्रविष्ट किया गया, सम्मिलित किया गया, अन्तर्गत

मुन्दरिस—(अ) पुराना, फटा, बर्ता हुआ, घिसा हुआ

मुन्शी—(अ) देखो "मुंशी" साहित्यकार, मौलिक लेखक

मुफरद—(अ) अकेला, एकाकी, निःसंग असहाय

मुफर्रह—(अ) आनन्द-दायक, स्वादिष्ट, सुगंधित, स्वादु और बलवर्धक औषधि आदि द्रव्य व जो हृदय को बल देनेवाली

मुफलिस—(अ) निर्धन, कंगाल, दरिद्री

मुफलिसी—(अ) निर्धनता, कंगाली दरिद्रता

मुफसदा—(अ) फिसाद, झगड़ा, बखेड़ा, दंगा

मुफसिद—(अ) फिसादी, झगड़ालू, बखेड़िया, उपद्रवी, दगाबाज
मुफस्सिर—(अ) भाष्यकार, व्याख्याता, तफसीर या विवरण बताने वाला
मुफस्सिल—(अ) विस्तृत, ब्योरेवार, तफ़सीलवार, सविस्तर, स्पष्ट, खुला हुआ, नगर के आसपास का स्थान
मुफ़ाखरत—(अ) फ़ख्र या गर्व करना, अभिमान करना, शेखी
मुफाखिर—(अ) फख़्र अर्थात् गर्व करनेवाला, अभिमानी, शेखी खोर
मुफ़ाजात—(अ) अचानक, सहसा, यकायक
मुफ़ारकत—(अ) फ़र्क, अन्तर, भिन्नता, वियोग, बिछोह, जुदाई
मुफरिक—(अ) फ़र्क या भेद करने वाला, अन्तर डालने वाला, बिछोह कराने वाला
मुफ़ीज—फैज पहुचाने वाला, लाभ दायक, गुणदायक, उपकारक
मुफीद—(अ) लाभदायक, फ़ायदे मन्द
मुफ्त—(अ) बिना दामों का, जिसमें बाला, कुछ मूल्य न लगे, सेंत का
मुफ़्तरी—(अ) झूठा अभियोग लगाने दोषारोपण करने वाला, धूर्त
मुफ्तिर—(अ) रोज़ा इफ्तारने या खोलने वाला, पारण करनेवाला
मुफ्ती—(अ) फ़तवा या धार्मिक व्यवस्था देनेवाला, मुसल्मानों का धार्मिक न्याय कर्ता
मुफ्तूल—(अ) जिसमें ऐंठा या बल दिये गए हों, बटा हुआ
मुबतदी—(अ) किसी काम की इब्तदा करने वाला, नौसिखुआ, नया सीखतर, आरम्भ करने वाला
मुबतला—(अ) किसी काम या विपत्ति में फँसा हुआ, ग्रस्त, लगा हुआ
मुबतासिम—(अ) मुस्कराने वाला, खिलने वाला, हसने वाला
मुबद्दल—(अ) परिवर्तित, बदला हुआ, बदला गया
मुबर्रा—(अ) अपवित्र या दूषित पदार्थों से अलग रक्खा हुआ, पृथक् किया गया, पवित्र,

विशुद्ध, निर्दोष, अमनिया, साफ, बरी, निरपराध

मुबर्रात—(अ) " मुबरा " का बहुवचन

मुबर्रिद—(अ) ठंडा करनेवाला, ठंडक पहुंचाने वाला

मुबर्रिदात—(अ) "मुबर्रिद" का बहुवचन

मुबलिग़—(अ) नक़द रुपया, धन राशि, धन की रक़म पहुंचने का स्थान, ठिकाना

मुबल्लग—(अ) पहुंचाया गया

मुबल्लिग—(अ) पहुंचाने वाला

मुबश्शिर—(अ) शुभ समाचार लाने वाला, खुशखबरी देने वाला, हर्ष संवाद सुनाने वाला

मुबस्सिर—(अ) जिसे दिखाई देता हो, अंधे का उलटा सूझता

मुबहम—(अ) अस्पष्ट, संदिग्ध

मुबादला—(अ) विनिमय, बदला

मुबादिर—(अ) किसी काम में जल्दी करने वाला, आगे चल जाने वाला

मुबादा—(फ) कहीं ऐसा नहो, ऐसा न हो कि

मुबादी—(अ) प्रकट करने वाला, प्रकाशित करने वाला, आरम्भ, मूल

मुबारक—(अ) बरकत करने वाला, शुभ, मंगलदायक

मुबारकबाद—(अ) बधाई, साधुवाद

मुबारकबादी—(अ) बधाई, मंगल-गीत

मुबारकी—(अ) बधाई

मुबारिज़—(अ) लड़ने वाला, योद्धा, सिपाही, सैनिक

मुबारिज़त—(अ) लड़ाई, युद्ध, संग्राम

मुबालगा—(अ) अतिशयोक्ति, अत्युक्ति, बहुत बढ़ाकर कही हुई बात, किसी काम में घोर परिश्रम करना

मुबालात—(अ) भय, चिन्ता, सन्देह

मुबाशरत—(अ) किसी काम में घुसना, मैथुन, संभोग, प्रसंग, विषय

मुबाशिर—(अ) किसी काम को अपनी इच्छा से करने वाला,

मैथुन करने वाला, विषयी.
मुबाह—(अ) वैध, विधि सम्मत, जिसके करने की आज्ञा हो
मुबाहिसा—(अ) बहस, विचार, शास्त्रार्थ
मुबाही—(अ) अभिमानी, प्रतिष्ठित
मुबाहीन—(अ) गर्व करने वाला, अभिमानी
मुब्दि—(अ) प्रकट करने वाला प्रारम्भ करने वाला, उत्पादक
मुबीन—(अ) बयान करने वाला, वर्णन करने वाला, कहने वाला
मुबैयन—(अ) कथित, वर्णित, बयान किया गया
मुबैयना—(अ) कहा जाने वाला, कथित
मुब्तदा—(अ) व्याकरण में उद्देश्य, या कर्ता
मुब्तदी—(अ) देखो "मुबतदी"
मुब्तला—(अ) देखो "मुबतला"
मुब्तसिम—(अ) देखो "मुबतसिम"
मुमकिन—(अ) सम्भव, जो होसके, होसकने लायक
मुमकिन-उल्-वजूद—(अ) जिसके अस्तित्व की संभावना हो
मुमकिनात—(अ) "मुमकिन" का बहुवचन, सम्भावनाएँ, होसकने योग्य बात
मुमताज़—(अ) प्रतिष्ठित, गौरव शाली, माननीय, विशिष्ट
मुमल्कत—(अ) राज्य, सल्तनत, "ममल्कत" देश
ममलूका—(अ) अधिकार में आया हुआ, अधिकृत, जिस पर कब्ज़ा हो
मुमसिक—(अ) मना करने वाला, रोकनेवाला, कम खर्च करनेवाला, कंजूस, वीर्य को स्तम्भन करने वाला
मुमानअत—(अ) निषेध, मनाही, वर्जन
मुमालिक—(अ) "मुमलकत" का बहुवचन, अनेक देश या राज्य
मुमासलत—(अ) सादृश्य, समानता
मुमिद—(अ) इमदाद करने वाला, सहायक
मुम्बा—(अ) स्रोत, उद्गम-स्थान, सोता
मुम्तहन—(अ) परीक्षार्थी, जिसका इम्तहान लिया जाय, परीक्षा देने वाला

मुम्तहिन—(अ) परीक्षा लेने वाला, परीक्षक

मुरक्कब—(अ) कई वस्तुओं के मेल से बना हुआ पदार्थ, मिश्रित, मिला हुआ, लिखने की स्याही

मुरक्का—(अ) चित्रावली, वह पुस्तक जिसमें लेखन कला और चित्रकारी के नमूने संगृहीत हों, अल्बम, फकीरों की गुदड़ी

मुरगाबी—(मि) जल-कुक्कुट, मुर्ग की जाति का जलाशय में रहने वाला पक्षी

मुरगी—(अ) मुर्ग की मादा

मुरतिद—(अ) जो इस्लाम के विरुद्ध हो, काफिर

मुरत्तब—(अ) जो तरतीब से रखा गया हो, व्यवस्थित, क्रमबद्ध

मुरत्तिब—(फ) क्रमबद्ध करनेवाला, व्यवस्थापक, प्रबन्धक

मुरदन—(फ) मृत्यु, मरण, मरना

मुरदनी—(फ) मृत की अन्त्येष्टि के लिए शव के साथ जाना, मरने के समय चेहरे पर छा जाने वाला विकार

मुरदा—(फ) मृत, मरा हुआ, निष्प्राण जो मर गया हो, जिसमें कुछ भी दम न हो, मुरझाया हुआ, शव, लाश प्रेमी

मुरदार—(फ) मृत, मरा हुआ, शव, लाश, अपवित्र, अस्पृश्य, एक प्रकार की गाली

मुरफ्फ़-उल् हाल—(फ) सम्पन्न, धनी

मुरफ्फ़—(फ़) खाता पीता, सम्पन्न, धनवान, खुशहाल

मुरब्बा—(अ) चार कोण का जिसकी लम्बाई चौड़ाई बराबर हो, वर्ग, चीनी या गुड़ के योग से बनाया हुआ मीठा अचार, चीनी की चाशनी में डाला हुआ मेवा या फलों का पाक, उर्दू की एक कविता जिसमें चार-चार चरण होते हैं

मुरब्बी—(अ) पालन पोषण करने वाला, संरक्षक, शिक्षादीक्षा दिलाने वाला

मुरव्वज—(अ) रिवाज में आया हुआ, प्रचलित, चलन में आया हुआ

मुरव्वत—(अ) मेल, प्रेम, शील,

परमात्मा, ईश्वर

मुलाकात—(अ) भेंट, परस्पर मिलना जुलना, मेल मिलाप

मुलाकाती—(अ) मित्र, परिचित, मिलनेवाला, मिलापी, मुलाक़ात सम्बन्धी

मुलाकी—(अ) मिलनेवाला

मुलाजिम—(अ) नौकर, सेवक

मुलाजिमत—नौकरी, चाकरी, सेवा

मुलाजिमान—(अ) मुलजिम का बहुवचन

मुलायम—(अ) मृदु, कोमल, नरम, सुकुमार, नाजुक, हल्का, धीमा

मुलायमत—(अ) मृदुता, कोमलता, नरमी सुकुमारता, हलकापन, धीमापन

मुलाहज़ा—(अ) देखना, निरीक्षण करना, रिआयत, सकोच, लिहाज

मुलूक—(अ) "मुल्क" का या "मालिक" का बहुवचन

मुलूल—(अ) दुखी, रजीदा

मुलैयन—(अ) मुलायम करने वाला, ढीला करनेवाला, (आंतों के मल को) कोष्ठ बद्धता नाशक, दस्तावर, रेचक, पाखाना लानेवाला

मुल्क—(अ) देश

मुल्की—(अ) मुल्क का, मुल्क सम्बन्धी, देशी

मुल्के अदम—(अ) परलोक

मुल्तजा—(अ) शरण स्थान, जिससे इल्तजा या प्रार्थना करें

मुल्तजी—(अ) शरण चाहनेवाला, शरणार्थी, इल्तजा या प्रार्थना करनेवाला

मुल्तवी—(अ) स्थगित, कुछ समय के लिए रोक दिया गया

मुल्तमिस—(अ) प्रार्थी, इल्तमास, या प्रार्थना करनेवाला

मुल्ला—(अ) प्रकाण्ड पण्डित, उद्भट विद्वान्

मुवक्किल—(अ) मुवक्किल, (अ) अपना अदालती काम वकील द्वारा करानेवाला, जो किसी को अपना वकील बनावे

मुवख़िर—(अ) पिछला, अन्तिम आखिरवाला, राशि

मुवज्जह—(अ) जिसकी वजह मौजूद हो, तर्क-सगत, ठीक, उचित

मुवर्रिख़—(अ) तवारीख या इतिहास

लिखनेवाला, इतिहास लेखक

मुवरिखा—(अ) लिखित, लिखा हुआ, जिसपर तिथि या तारीख डाली गई हो

मुवहिद—(अ) आस्तिक, ईश्वरवादी, एक ईश्वर को माननेवाला

मुवाखज़ा—कारण पूछना, जवाब तलब करना, कैफियत मांगना, नुक सानी, क्षतिपूर्ति

मुवाख़ात—(अ) भाइचारे का बर्ताव, समता, बराबरी

मुवात—(अ) "मौत" का बहुवचन

मुवाफिक—(अ) देखो "मुआफ़िक़" अनुकूल, अनुसार

मुवाफिकत—(अ) मेलजोल, अनु कूलता, संग, मित्रता

मुवाली—(अ) सहायक, सहयोगी, प्रेमी, सखा

मुवैयद—(अ) समर्थक, ताईद या समर्थन करने वाला

मुशाकिल—(अ) कठिन, दुष्कर, विपत्ति, मुसीबत

मुशज्जर—(अ) जिस पर चित्रकारी हो रही हो, बेल-बूटेदार

मुशफिक़—(अ) दयालु, कृपालु, मित्र, प्रेमी

मुशफिकाना—(अ) मित्र का-सा, प्रेमी के ढंग का (व्यवहार आदि)

मुशब्बह—(अ) जिसके साथ तुलना की जाय, जिससे तशबीह या उपमा दी जाय, समान, तुल्य उपमान

मुशरिक—(अ) वह व्यक्ति जो परमा त्मा के अतिरिक्त और देवी-देवताओं की भी पूजा करता हो, शरीक या सम्मिलित करनेवाला

मुशरिफ—(अ) प्रधान, नेता, ऊँचा, ऊँचा होने वाला

मुशर्रफ—(अ) माननीय, प्रतिष्ठित, जिसे उच्च पद दिया गया हो, जिसे प्रधानता दी गई हो

मुशर्रह—(अ) व्याख्या या टीका युक्त, जिसका विस्तृत वर्णन किया गया हो, जिसकी खोल-खोल कर व्याख्या की गई हो

मुशारेह—(अ) टीकाकार, भाष्य करने वाला, व्याख्या करने वाला

मुशाकिल—(अ) उर्दू के एक छन्द का नाम, समान रूप

मुशाफह—(अ) आमने-सामने होकर

मुसत्तह (अ)—समतल, जिसकी सतह बराबर की हुई हो

मुसद्दक़—(अ) जिसकी तस्दीक़ होगई हो, परीक्षित, प्रमाणित

मुसद्दी—(अ) देखो "मुतसद्दी"

मुसद्दस—(अ) एक प्रकार का छन्द जिसमें छह चरण होते हैं, वह वस्तु जिसमें छह कोने हों, षट्कोण, वह पदार्थ जिसके छह अंग हों, षडङ्ग

मुसद्दिक़—(अ) सिदक़ा लेने वाला, बलिहार होने वाला, विश्वास करने वाला

मुसन्नफ़—(अ) रचित, बनाया हुआ, लिखा हुआ, लिखित (पुस्तकादि)

मुसन्नफ़ा—(अ) देखो "मुसन्नफ़"

मुसन्नफ़ात—(अ) "मुसन्नफ़" का बहुवचन

मुसन्ना—(अ) प्रतिलिपि, दुबारा लिखा गया, नकल किया गया, रसीद या चैक का वह भाग जो पुस्तक में लगा रहता है, कृत्रिम, नकली

मुसन्निफ़—(अ) ग्रन्थकार, पुस्तक प्रणेता, लेखक, रचयिता

मुसफ़्फ़ा—(अ) स्वच्छ, निर्मल, साफ किया हुआ, संशोधित

मुसफ़्फ़ी—(अ) साफ करनेवाला, संशोधक

मुसम्मन—(अ) अठ पहलू, अठकोना, वह कविता जिसमें आठ चरण हों

मुसम्मम—(अ) दृढ़, पक्का, निश्चित

मुसम्मा—(अ) नामधारी, नामी, नामक, नामवाला, जिसका नाम रक्खा गया हो

मुसम्मात—(अ) यह नाम स्त्रियों के नाम के पहले लगाया जाता है

मुसम्मी—(अ) नामक, नामवाला

मुसरिफ़—(अ) ज्यादा खर्च करने वाला, व्यय या अधिक व्यय करनेवाला, फिजूल खर्च

मुसर्रत—(अ) प्रसन्नता, खुशी आनन्द, हर्ष

मुसलमान—(अ) इस्लाम धर्म का मानने वाला, मुहम्मद साहब का अनुयायी, मुहम्मदी

मुसलमानी—(अ) मुसल्मान सम्बन्धी, मुसल्मान का, मुसल्मानोंकी एक प्रथा जिसमें लड़कों

की मूत्रेंद्रिय के अग्रभाग का चमड़ा काट दिया जाता है, सुन्नत

मुसल्मीन—(अ) मुसलिम का बहु वचन, मुसलमान लोग

मुसलसल—(अ) क्रमबद्ध, शृंखला बद्ध, सिलसिलेवार, लगातार, अनवरत

मुसलह—(अ) इसलाह देनेवाला, संशोधन करनेवाला, परामर्श देनेवाला, सुधारक, संशोधक, मारक

मुसलिम—(अ) मुसलमान

मुसलेह—(अ) देखो "मुसलह"

मुसल्लत—(अ) शासक, शासित

मुसल्लम—(अ) तसलीम या स्वीकार किया हुआ, निर्विवाद, माना हुआ, कुल, पूरा सम्पूर्ण, समग्र, साबुत, समूचा

मुसल्लस—(अ) त्रिकोण, त्रिभुज, वह कविता जिसमें तीन चरण हों

मुसल्लसी—(अ) तिकोना

मुसल्लह—(अ) सन्नद्ध, शस्त्रास्त्रों से सुसज्जित, हथियारबन्द

मुसल्ला—(अ) वह कपड़ा या चटाई जिसे बिछाकर नमाज़ पढ़ते हैं, नमाज़ पढ़ने का स्थान

मुसल्लिम—(अ) देखो "मुसल्लम"

मुसल्लिस—(अ) देखो "मुसल्लस"

मुसल्ली—(अ) नमाज़ पढ़ने वाला

मुसव्वर—(अ) चित्रित, चीता, हुआ, बनाया हुआ, अंकित या चित्रित

मुसव्विर—(अ) चित्रकार, चित्र बनाने वाला

मुसव्विरी—(अ) चित्रकारी, चित्र कला, तसवीर बनाने का काम.

मुसहफ़—(अ) कुरान शरीफ, पुस्तक के पृष्ठ, छोटी छोटी पुस्तकों अथवा छोटे-छोटे विषयों का संग्रह

मुसहिल—(अ) रेचक, दस्तावर, दस्त लानेवाली दवा

मुसाअदत—(अ) मित्रता, सहायता, मदद

मुसाइद—(अ) मित्र, सहायक

मुसाफ़त—(अ) दूरी, अन्तर, फ़ासला परिश्रम

मुसाफ़ा—(अ) किसी मित्र मिलापी से भेंट होने के समय हाथ से

हाथ मिलाना
मुसाफ़ात—(अ) मित्रता, प्रीति, दोस्ती
मुसाफ़िर—(अ) सफर या यात्रा करनेवाला, यात्री, पथिक
मुसाफ़िरख़ाना—(मि) मुसाफ़िरों के ठहरने की जगह, पड़ाव, सराय
मुसाफ़िरत—(अ) यात्रा, सफर, परदेश, विदेश, मुसाफिरी
मुसाफ़िराना—(अ) मुसाफिरों का-सा यात्रियों का, मुसाफ़िर सम्बन्धी
मुसाफ़िरी—(अ) देखो "मुसाफिरत"
मुसाब—(अ) संकटग्रस्त, विपन्न, दुखी
मुसाबत—(अ) संकट, विपद्, दुःख
मुसालमत—(अ) मित्रता, संधि, प्रेम, मेल
मुसावत—(अ) सादृश्य, समता, बराबरी, लापरवाई, निश्चिंतता, रोजमर्रा की साधारण बातें या घटनाएँ
मुसावा—(अ) सदृश, समान
मुसावात—(अ) बराबरी, समानता, सामान्य घटनाएँ, समीकरण
मुसावी—(अ) बराबर, तुल्य, समान, सदृश
मुसाहिब—(अ) साथ बैठनेवाले, सहचर (धनिकों या राजाओं के)
मुसाहिबत—(अ) पास बैठना, साथ रहना, मुसाहिब का काम सग, साथ
मुसाहिबी—(अ) देखो "मुसाहिबत"
मुसाहिम—(अ) साझी, हिस्सेदार, भागी
मुसाहिमत—(अ) साझा, हिस्सा, भाग
मुसिन—(अ) अधिक सिन या उम्र वाला, अधिक वय का, वयोवृद्ध, बूढ़ा, बड़ी अवस्था का
मुसिर—(अ) उतारू, तुला हुआ
मुसिह—(अ) सही या ठीक करनेवाला संशोधक, भूल सुधारनेवाला
मुसीबत—(अ) आपत्ति, संकट, कष्ट, दुःख, विपद्, तकलीफ
मुसैकल—(अ) चमकाया गया, तेज़ किया गया, पालिश किया गया, शान पर चढ़ाया गया, धार रक्खा हुआ
मुसैहिह—(अ) देखो 'मुसिह'
मुस्कर—मुस्किर (अ) मादक, नशीली

चीज़, नशा पैदा करने वाली

मुस्करात—मुस्किरात (अ) "मुस्कर" या "मुस्किर" का बहुवचन, भाग, गांजा, चरस, अफ़ीम, आदि

मुस्किन—(अ) तस्कीन देने वाली, शान्तिदायक, सान्त्वनाप्रद

मुस्त—(अ) विकल, विह्वल, दुखी, शोकाकुल

मुस्तअद—(अ) मुस्तैद, सन्नद्ध, कटिबद्ध

मुस्तअफी—(अ) इस्तीफा देने वाला, त्याग पत्र देने वाला

मुस्तअमल—(अ) काम में या अमल में लाया हुआ, इस्तैमाल किया हुआ, प्रचलित

मुस्तआर—(अ) उधार लिया हुआ, मांगा हुआ

मुस्तक़बिल—(अ) भविष्यत् काल, आने वाला समय

मुस्तकिल—(अ) स्थायी, दृढ़, पक्का, दृढ़तापूर्वक, स्थापित

मुस्तकिल मिजाज़—(अ) स्थिरमना, दृढ़ चित्त, दृढ़ निश्चयी

मुस्तक़ीम—(अ) सीधा, ऋजु, सरल, सीधा खड़ा हुआ

मुस्तग़नी—(अ) मनमौजी, लापरवा, सन्तुष्ट, पूर्णकाम, स्वच्छन्द, स्वतन्त्र, स्वाधीन, धनिक, सम्पन्न

मुस्तगफिर—(अ) इस्तगफार करने अर्थात् दया की भीख मागने वाला, त्राण चाहने वाला, क्षमा प्रार्थी

मुस्तगरक—(अ) ग़र्क या लीन हो जाने वाला, लीन, निमग्न, डूबा हुआ, पूर्ण मनोयोग से किसी कार्य को करने वाला

मुस्तगासी—(अ) इस्तगासा अर्थात् न्याय के लिए प्रार्थना करने वाला, दावा करने वाला, फरियादी

मुस्तगीस—(अ) न्याय चाहने वाला, फ़रियादी, मुस्तगासी

मुस्तज़ाद—(अ) बढ़ाया हुआ, जोड़ा हुआ, एक उर्दू छन्द जिसके प्रत्येक चरण के पीछे कुछ और पद जुड़ा रहता है

मुस्तज़ाब—(अ) स्वीकृत, क़बूल की हुई, मानी हुई

मुस्ततील—(अ) समकोण आयत,

यह समकोण चतुर्भुज जिसकी लम्बाई अधिक और चौड़ाई कम हो
मुस्तदई—(अ) इस्तदुआ, अर्थात प्रार्थना करनेवाला, प्रार्थी
मुस्तदीर—(अ) गोलाकार, गोल
मुस्तनद—(अ) प्रमाण-रूप माना जानेवाला, जो सनद समझा जाय, जिसे कोई सनद या प्रमाण पत्र मिला हो
मुस्तफा—(अ) साफ, दुर्गुणों से रहित, महानुभाव, श्रेष्ठ, विशुद्ध आचरण युक्त, मानवीय दोषों से रहित, टर्की के बादशाह की उपाधि, वह मनुष्य जिसमें कोई दुर्गुण न हो
मुस्तफीज़—(अ) फैज़ या लाभ की आशा रखने वाला, लाभ उठाने या चाहने वाल, हित चाहने वाला, उपकार की इच्छा रखने वाला
मुस्तफीद—(अ) फायदा या लाभ चाहने वाला, लाभान्वित
मुस्तरद—(अ) रद या वापस किया किया हुआ, फेरा हुआ, लौटाया हुआ, दुहराया हुआ
मुस्तवी—(अ) समतल, जिसकी सतह एकसी हो
मुस्तसना—(अ) अलग, पृथक्, जुदा, अपवाद रूप, विशिष्ट, विशेष रूप से अलग किया हुआ
मुस्तहक़—(अ) अधिकारी, पात्र, हक़दार.
मुस्तहकम—(अ) सुदृढ, मज़बूत, पक्का, उचित, वाजिब, ठीक
मुस्ताजिर—(अ) जिसने इजारा अर्थात् ठेका लिया हो, ठेकदार किसान, खेतिहर, कृषक, पट्टेदार
मुस्ताजिरी—(अ) ठेकदारी, पट्टेदारी ठेके या पट्टेपर लिया हुआ खेत
मुस्तैद—(अ) 'देखो मुस्तअद' सन्नद्ध, उद्यत, तैयार, तत्पर, चालाक
मुस्तैफी—(अ) "देखो मुस्तअफी"
मुस्तैमिल—(अ) "देखो मुस्तअमल"
मुस्तैजिब—(अ) जिस पर सज़ा वाजिब हो, दण्डनीय, दण्ड्य, जिसपर कोई बात वाजिब हो,

उपयुक्त, पात्र

मुस्तौफी—(अ) पूरा प्राप्तव्य, एक साथ चुकता लेनेवाला, आय व्यय की जांच करने वाला

मुस्वत—(अ) प्रमाणित किया हुआ, जिसका सुबूत हो चुका हो, लिखा हुआ, लिखित, सिद्ध, गणित में धन या जोड़

मुहकम—(अ) पक्का, दृढ, मज़बूत, पुख्ता

मुहकमा—(अ) देखो " महकमा " विभाग

मुहक्कक—(अ) परीक्षित, अनुभूत, आज़मूदा, जो जाच करने पर ठीक प्रमाणित हुआ हो, जांचा हुआ, सही, बिल्कुल ठीक, एक प्रकार की सुदर लिपि

मुहक्कर—(अ) अधम, तुच्छ, नाचीज़ घृणास्पद

मुहक्किक़—(अ) हक़ीक़त या वास्त विकता की खोज करने वाला, सत्य का अन्वेषण करने वाला, सचाई की खोज या जाँच करने वाला

मुहज्ज़ब—(अ) निर्दोष, पवित्र, शिष्ट, सभ्य

मुहतमल—(अ) अनुमान किया गया, सम्भावित, हो सकने योग्य, अस्पष्ट, सन्दिग्ध

मुहतरफ़—(अ) समान व्यवसाय-वाला, हमपेशा, एक जैसा रोजगार करनेवाले

मुहतरम—(अ) प्रतिष्ठित, गौरवान्वित, पूज्य, मान्य

मुहतशिम—(अ) सम्पत्ति शाली, एश्वर्यवान्, जिसके पास बहुतसा धन और नौकर चाकर हों

मुहतसिब—(अ) निरीक्षक, वह कर्मचारी जो लोगों के आचरण आदि की जाच के लिए नियत किया गया हो

मुहताज—(अ) दीन, दरिद्र, ग़रीब, जिसके पास कुछ न हो, जिसे किसी बात की चाहना या अपेक्षा हो

मुहताज खाना—(अ) अनाथालय, गरीबों या मुहताजों के रहने की जगह

मुहताजी—(अ) दीनता, दरिद्रता, ग़रीबी, मुहताजपन

मुहतासगी—(अ) मुहताजी
मुहतात—(अ) सावधान, संयमी
मुहद्दिस—(अ) हदीस, (मुसलमानों का धर्म ग्रंथ) का जाननेवाला, धर्मज्ञ, धर्माचार रक्षावाला, आविष्कारक
मुहनदी—(अ) उपदेश, उपदेश करने वाला, हिदायत करने वाला
मुहन्दिस—(अ) हिन्दसा अर्थात् गणितशास्त्र का जाननेवाला, गणितज्ञ
मुहफिज—(अ) रक्षक, निरीक्षक, हिफाजत करनेवाला
मुहफिजत—(अ) रक्षक, निरीक्षण, हिफाजत का भाव या क्रिया
मुहब्बत—(अ) प्रेम, प्यार, मित्रता, दोस्ती.
मुहब्बत आमेज—(नि) प्रेमपूर्ण, प्यार से भरे हुए
मुहमिल—(अ) संदिग्ध, निरर्थक, व्यर्थ, छोड़ा हुआ
मुहमिला—(अ) रिक्त, रीता, खाली उर्दू के वे अक्षर जिन पर नुकते नहीं लगाए जाते, एक अलंकार जिसमें बिना नुक्ते वाले अक्षर प्रयुक्त किये जाते हैं
मुहम्मद—(अ) अत्यधिक प्रशंसित, इस्लाम मत के प्रवर्तक का नाम मुसलमानों के सुप्रसिद्ध पैगम्बर
मुहर—(फ) एक सोने का सिक्का, छाप, ठप्पा
मुहरकन—(फ) मुहर खोदने वाला, ठप्पा तैयार करनेवाला
मुहरा—(फ) सामुख्य, प्रतियोगिता, मुकाबला, मोहरा, खेल की गोटि, बाजी, कौड़ी, घोंघा, माला का दाना
मुहर्रफ—(अ) अदल बदल किया हुआ, बिगाड़ा हुआ
मुहर्रम—(अ) शोक, मातम, निषिद्ध, मुसलमानी वर्ष का पहला महीना, इसी महीने में हसन व हुसैन की मृत्यु हुई थी, जिन के शोक में मुसल्मान लोग प्रतिवर्ष इस महीने में शोक मनाते और ताजिये निकालते हैं
मुहर्रर—(अ) लिखा गया, स्वतन्त्र किया गया
मुहर्रिक—(अ) गति देने वाला,

हरकत करने वाला, हिलाने वाला, आन्दोलन करने वाला, हलचल मचाने वाला, नेता, नायक, प्रधान, अग्रणी, संचालक

मुहर्रिर—(अ) लेखक, लिखनेवाला, स्वतन्त्र करनेवाला

मुहर्रिरा—(अ) लिखित, लिखा हुआ, तहरीर किया हुआ

मुहर्रिर—(अ) मुहर्रिरका काम या पद

मुहलत—(अ) अवकाश, छुट्टी, फ़ुरसत, अवधि

मुहलिक—(अ) हलाक करने वाला, घातक, मार डालने वाला

मुहल्ला—(अ) देखो "महल्ला"

मुहल्लात—(अ) "मुहल्ला" का बहुवचन "महल्लात"

मुहसनीन—(अ) " मुहसिन " (एहसान या उपकार करने वाला) का बहुवचन

मुहसिन—(अ) एहसान करने वाला, उपकारक

मुहाकमा—(अ) लड़ाइ झगड़ों का निणय करना

मुहाजरत—(अ) अलग होना, पृथक् होना, हिजरत करना, एक स्थान छोड़कर दूसरी जगह बसने के लिए जाना

मुहाजात—(अ) मुक़ाबला, साम्मुख्य, आमने-सामने होना, प्रतियोगिता

मुहाजिर—(अ) हिजरत करने वाला, एक स्थान छोड़कर दूसरी जगह जा बसने वाला

मुहाजिरीन—(अ) "मुहाजिर" का बहुवचन

मुहाज—(अ) सामना, सामने का भाग, मुक़ाबला

महाजी—(अ) सामना करने वाला, मुक़ाबले में आने वाला

मुहादसा—(अ) परस्पर वार्तालाप करना

मुहाफ़ज़त—(अ) रक्षा हिफ़ाज़त

मुहाफ़ा—(अ) एक प्रकार की डोली या पालकी जो स्त्रियों की सवारी में काम आती है

मुहाफ़िज़—(अ) संरक्षक, रक्षा करने वाला हिफ़ाज़त करने वाला

मुहाफ़िज ख़ाना—(मि) वह मकान जिसमें किसी अदालत या कार्या-

रूप से कागज़-पत्र सुरक्षित रहते हों

मुहाफ़िज़ दफ़्तर—(अ) दफ़्तर (कागज़ों के ढेर) का संरक्षक, किसी कार्यालय या न्यायालय के कागज़पत्र सुरक्षित रखने वाला कर्मचारी

मुहाबा—(अ) सहायता, मदद, प्रेम, मुरव्वत, रिआयत-छोड़देना

मुहार—(अ) ऊँट की नकेल, "महार"

मुहारबा—(अ) युद्ध, संग्राम, लड़ाई झगड़ा

मुहारिब—(अ) योद्धा, सैनिक, लड़ने वाला

मुहाल—(अ) देखो "महाल" असम्भव, जो हो न सके

मुहालात—(अ) "मुहाल" का बहुवचन

मुहावरा—(अ) किसी भाषा का वह वाक्य जो अपने प्रधान (अभिधेय) अर्थ से भिन्न किसी लाक्षणिक अथवा व्यंग्य अर्थ के लिए व्यवहृत होता हो, तथा अन्य भाषा में किये गए उसके अनुवाद में वह चमत्कार न आ सके अभ्यास, आदत, बोलचाल, रोज़मर्रा

मुहावरात—(अ) "मुहावरा" का बहुवचन,

मुहासबा—(अ) हिसाब, लेखा, पूछ-ताछ

मुहासरा—(अ) घेरा, शत्रु की सेना आदि को चारों ओर से अपनी सेना द्वारा घेरना, घिराव

मुहासिब—(अ) हिसाब जानने वाला, गणितज्ञ, हिसाब रखने वाला, आयव्यय लिखनेवाला, मुनीम, हिसाब जाँचनेवाला, आयव्यय के लेखे का परीक्षण करनेवाला

मुहासिर—(अ) घेरने वाला, मुहासरा डालनेवाला

मुहासिल—(अ) कर अथवा लगान आदि से वसूल हुआ धन जो हासिल हुआ हो

मुहिब—(अ) प्रेम करनेवाला, प्रेमी, मित्र, "मुहिब्ब".

मुहिम—(अ) दुस्तर कार्य, कठिन समस्या, कठिन काम, आक्रमण, चढ़ाई, अभियान, लड़ाई,

संग्राम

मुहिम्मा—(अ) आवश्यक और दुस्तर कार्य, दुख में डालने वाली, कष्ट देनेवाली

मुहीत—(अ) घेरा, घिराव, घेरने वाला, भूमिवृत्त, समुद्र जो चारों ओर से पृथ्वी को घेरे हुए हो

मुहीब—(अ) भयानक, डरावना

मुहैया—(अ) तैयार, मौजूद, एकत्र

मू—(फ) बाल, केश, रोम

मूए—(फ) बाल, केश, रोम

मूचीना—(फ) बाल उखाड़ने की चिमटी, मोचना

मूजिद—(अ) आविष्कारक, इजाद, या आविष्कार करने वाला

मूजिब—(अ) कारण, हेतु, सबब

मूजिबात—(अ) "मूजिब" का बहु वचन, बहुत से कारण

मूज़ी—(अ) दुखदायी, पीड़क, कष्ट देनेवाला, ईज़ा 'क्लेश' पहुचाने वाला

मूतराश—(अ) बाल मूड़ने का औज़ार, उस्तरा

मूनिस—(अ) मित्र, प्रेमी, सहायक

मू-ब-मू—(अ) बाल-बाल में, रोम रोम में, प्रत्येक बाल में, हर बाल में

मूबाफ—(फ) बालों में बांधने का डोरा या फीता

मूरिद—(फ) स्रोत, आश्रय-स्थान

मूरिस—(अ) पुरखा, बाप-दादे पूवज

मूश—(फ) चूहा, मूषक

मूशखिरमा—(फ़) गिलहरी

मूशख़ोर—(अ) चील या गीध

मूशिगाफ़—(मि०) बहुत अधिक तर्ककरना, बालकी खाल निकालना

मूसा—(अ) एक प्रसिद्ध पैग़म्बर का नाम, बाल मूँड़ने का उस्तरा

मूसी—(अ) वसीअत करने वाला

मूसीकार—(अ) एक कल्पित पक्षी जो बहुत अच्छा गाने वाला माना जाता है, एक प्रकार की बासुरी

मूसीकी—(अ) गान विद्या, सगीत वाला

मेअराज—(अ) मुहम्मद साहब का खुदा से मिलने सातवें आसमान पर जाना और वहां से वापस आना,

करनेवाला, "मुआसिर"

मौतदिल—(अ) देखो "मुतदिल" सामान्य, साधारण

मौतबर—(अ) विश्वसनीय, विश्वास योग्य, विश्वासपात्र

मौतमिद—(अ) मन्त्री, [illegible]

मौतरिज़—(अ) देखो "मुअतरिज़"

मौतरिफ़—(अ) देखो "मुअतरिफ़"

मौताद—(फ) देखो "मुअताद"

मौदूत—(अ) प्रतिष्ठित

मौरूसी—(अ) पैतृक, परम्परागत, बाप दादों से विरासत में मिला हुआ

मौलवी—(अ) अरबी फ़ारसी आदि का विद्वान, इस्लाम धर्म का आचार्य

मौला—(अ) स्वामी, ईश्वर, मालिक, मित्र, सहायक

मौलाना—(अ) प्रकाण्ड पण्डित, बहुत बड़ा विद्वान्, मौलवी

मौलिद—(अ) उत्पन्न होने की जगह, जन्मस्थान

मौलूद—(अ) जन्म समय, हाल का पैदा हुआ बालक, नवजात शिशु, मुहम्मद साहब का जन्मोत्सव

मौसम—(अ) ऋतु, उपयुक्त समय, उचित अवसर, "मौसिम"

मौसमी—(अ) ऋतु सम्बन्धी, मौसम का "मौसिमी",

मौसूफ़—(अ) उक्त, उल्लिखित, कथित, वर्णित, जिसका ज़िक्र या वर्णन किया गया हो

मौसूम—(अ) नामक, नामका, नामवाला, नामधारी

मौसूल—(अ) मिला, प्राप्त हुआ, सम्बद्ध

मौहूम—(अ) कल्पित, मनगढ़न्त

म्यान—(फ) मध्य, बीच, कमर, तलवार का कोष

म्याना—(फ) मझला, बीच का, न बड़ा न छोटा

य

यक—(फ) एक

यकक़लम—(मि) बिल्कुल, तमाम, एक ओर से सब, एकदम, एकसाथ, एकबार में, एक दफ़ा में

यक ज़बाँ—(फ) सत्यवादी, सच्चा, एक ही बात कहने वाला, बात का सच्चा

यकजहत—(फ) सहमत, एकमत

यकजा—(फ) एक जगह, इकट्ठा, एकत्र

यकजाई—(फ) एक ही जगह रहनेवाला, एक स्थानपर मिले हुए, एकत्र

यकतन—(फ) एक व्यक्ति, अकेला, एकाकी

यकता—(फ) अनुपम, बेमिसाल, जिसके समान दूसरा न हो, बेजोड़

यकताई–(फ) अनुपमता, अनोखापन, यकता होने का भाव

यकतार—(फ) थोड़ा, अल्प

यकदस्त—(फ) एकसा, एकसमान

यकदिगर—(फ) एक दूसरे को, परस्पर

यकदिला—(फ) वीर, बहादुर

यक न शुद दो शुद—(फ) एक तो था ही दूसरा और हो गया, एक नहीं दो

यक नयक—(फ़) अचानक, सहसा, एक बारगी

यक बारगी—(फ़) देखो 'यक बयक'

यक मुश्त—(फ) एक ही बार में, एक साथ

यक मश्तखाक–(फ) तुच्छ, नाचीज़, एक मुट्ठी भर धूल

यक रंग—(फ) एक रंगा, भीतर बाहर से एकसा, विशुद्ध, अन्तःकरण का, निष्कपट

यकरू—(फ) सच्चा मित्र

यकलख्त—(फ) देखो "यक क़लम"

यकशंबा—(फ) रविवार, इतवार

यकसर—(फ) सिर से पैर तक, समस्त, कुल, बिल्कुल, नितान्त

यक सरह—(फ) तमाम, समस्त

यकसाँ—(फ) समान, तुल्य, एकसा, एकही प्रकार का

यकसू—(फ) एक जगह, एक ओर, स्थिर, ठहरा हुआ

यकायक—(फ) सहसा, अचानक, एक बारगी, अकस्मात

यकीन—(फ) विश्वास, भरोसा, मृत्यु, मरना

यकीनन—(फ) निश्चित रूप से, निश्चय, अवश्य

यक़ीनी—(फ) अवश्यम्भावी, ध्रुव, अटल, बिल्कुल निश्चित

यके—(फ) एक

यकुम—(फ) पहला, प्रथम

यक्का—(फ) एकाकी, अकेला, एक से अधिक न रखा जाय, एक प्रसिद्ध सवारी जिसमें एक घोड़ा जोता जाता है, अनुपम, बेजोड़

यक्का ताज—(फ) जो अकेला ही शत्रुओं का सामना करने को तैयार हो, महारथी

यक्कुम—(फ) पहला, प्रथम, यकुम

यख—(फ) बरफ, पाला, हिम, अत्यन्त ठंडा, बरफ के समान शीतल

यखदान—(फ) भांति भांति की मिठाइयाँ अथवा भोजन सामग्री रखने का पात्र

यखनी—(फ) पकाए हुए मांस का रसा, शोरबा, फिर के लिए रक्खा हुआ भोजन

यखशी—(तु०) शुभ, भद्र

यगमा—(फ) तुर्किस्तान का एक प्रान्त जहाँ के निवासी बड़े सुन्दर होते हैं, लूट, डाका

यगमाई—(फ) लुटेरा, डाकू

यगा—(फ) अकेले

यगानत—(फ) एकता, मेलजोल, एका, सम्बन्ध, आपसदारी, रिश्ता, अनोखापन, अनुपमता

यगानगी—(फ) देखो "यगानत"

यगाना—(फ) अनन्य, यकता, अपना, निकट सम्बन्धी, यगाना, या दुगाना का उल्टा, अनुपम, अद्भुत, बेजोड़

यज़दान—(फ) परमात्मा का एक नाम या विशेषण

यज़दान परस्त—(फ) परमात्मा का उपासक, ईश्वर-पूजक, आस्तिक

यज़दान परस्ती—(फ) ईश्वर पूजा, परमात्मा की उपासना, आस्तिकता

यज़दानी—(फ) ईश्वरीय, ईश्वर का, ईश्वर-सम्बन्धी अग्नि की पूजा करने वाला, पारसी

यज़ीद—(फ) एक प्रसिद्ध व्यक्ति जिसने करबला में हज़रत इमाम हुसैन को मरवाया था

यज़्द—(फ) देखो "यज़द"

यतीम—(अ) अनाथ, वह बालक जिसके मा बाप मर गए हों

यतीम खाना—(मि) वह जगह जहाँ यतीम बालक रहते हों,

अनाथालय

यतीमी—(अ) अनाथावस्था, यतीम होने की हालत

यद—(अ) हाथ, कर, हस्त

यदे तूला—बहुत लम्बा हाथ, आजानु बाहु, दक्षता, प्रवीणता

यदे बैजा—(अ) हज़रत मूसा का वह हाथ जो आग में जलकर सफेद चमकदार हो गया था यानी ईश्वरीय प्रकाश आगया था, चमकदार और गोरा चिट्टा हाथ

यम—(फ) नदी, दरिया

यमन—(अ) अरब देश का इस नाम से प्रसिद्ध प्रान्त

यमानी—(अ) यमन का निवासी, यमन सम्बन्धी, यमन की भाषा या अन्य कोई वस्तु

यमान—(अ) यमन देश का, यमन सम्बन्धी, यमनी

यमानी—(अ) देखो यमनी

यमीन—(अ) दक्षिण हस्त, दाहिना हाथ, दाहिना, दायाँ, शक्ति, बल, शपथ, सौगन्द

यमीन-व-यसार—(अ) दाहिना और बायाँ

यरक़ान—(अ) कामला या पीलिया नामक रोग

यरगमाल—(फ) कोई वादा या शर्त पूरी करने के लिए दी गई एक प्रकार की ज़मानत, इसमें किसी आदमी या वस्तु को उस व्यक्ति के पास जिसके लिए कुछ देना है या जिससे कुछ वादा किया है उस समय तक के लिए रख दिया जाता है जब तक देना चुकाया जाय या वादा पूरा किया जाय वह व्यक्ति या वस्तु जो इस तरह ज़मानत में रखी जाय

यलगर—(तु०) आक्रमण, हमला, धावा, चढ़ाई

यल्दा—(फ) अंधेरा और लम्बी रात,

यशब—(फ) एक प्रकार का मूल्यवान हरे रंग का पत्थर

यशम—(फ) देखो "यशब"

यसार—(अ) बांया हाथ, बाँई ओर, ऐश्वर्य, सम्पन्नता, मन्दभाग, अभागा

यहूद—(अ) एक देश का नाम

जहाँ पर हजरत ईसा पैदा हुए थे, "यहूदी" का बहुवचन

यहूदा—(अ) हजरत यूसुफ के एक भाई का नाम

यहूदी—(अ) यहूद देश का रहने वाला, यहूद जाति का

या—(अ) अथवा, या, हे, (जैसे—या खुदा—हे परमात्मा)

यों—(हि) यहाँ का संक्षिप्त रूप

याअल्ला—(अ) हे परमेश्वर

याकूत—(अ) एक रत्न विशेष जो लाल रंग का होता है लाल नामक रत्न, इससे प्रेमिका के होठों की उपमा दी जाती है

याकूत ग्याम—(मि) प्रेम-पात्र या प्रेमिका के होंठ

याकूत जिगरी—(मि) लाल रंग का याकूत

याकूत रवा—(मि) लाल रंग की मदिरा, प्रेमी के आँसू

याकूती—याकूत या लाल सम्बन्धी, एक अत्यन्त पौष्टिक दवा

याकूब—(अ) एक पैगम्बर का नाम

यागा—(तु) रोगन, स्नेह

यागी—(तु) वैरी, शत्रु

याजूज—(अ) उपद्रवी, झगड़ालू, शैतान, शरारती, इस नाम से प्रसिद्ध एक दुष्ट व्यक्ति जो लोगों को सताया करता था उत्तरी ध्रुव के निवासी

याजूज व माजूज—(अ) उक्त नामों से प्रसिद्ध दो भाई जो बड़े दुष्ट थे लोगों को अकारण सताया करते थे

याद—(फ) स्मरण, स्मरण शक्ति, स्मृति, स्मरण करने की क्रिया

याद आवरी—(फ़) स्मरण होना, याद आना, किसी को याद करके उससे मिलना और कुशल पूछना

यादगार—(फ़) स्मृति चिह्न, यादगारी (फ) " यादगार "

यादगारे जमाना—(फ) वह काम या वस्तु जो लोगों को बहुत समय तक याद रहे, चिर स्मरणीय

याददाश्त—(फ) स्मृति, स्मरण शक्ति, याद रखने के लिए लिखी हुई कोई बात अथवा की हुई कोई क्रिया

याद दिहानी–(फ) स्मरण कराना याद दिलाना

याद दिही—(फ) स्मरण करना, याद रखना

याद फरामोश—(फ) एक प्रकार का खेल जिसम एक आदमी दूसरे को कोइ चीज़ देता है उस समय लेने वाला बोलता है "याद है" अगर लेने वाला "याद है" कहना भूल जाता है तो देने वाला कहता है "फरामोश'

याद बख़ैर—(मि) यह वाक्य नि सम्बन्धी या प्रिय की याद करत समय बोला जाता है, "जिसका हम स्मरण करते हैं वह सकुशल रहे"

यादबूद—(फ) स्मरण, स्मृति

यानी—(अ) अर्थात्, भाव यह कि

याफ़्त—(फ) आय, आमद, लाभ, पाना

याफ्तनी—(फ) मिलन वाली, प्राप्त होने वाली, प्राप्तव्य, प्राप्य धन

याब—(फ) पाने वाला, प्राप्त करने वाला, मालूम करने वाला प्राप्त करना, जैसे यौगिक शब्दों के पीछे, जैसे दस्तयाब, कामयाब आदि

या बिन्दा—(फ) पाने वाला

याबी—(फ) पाना, पाने की क्रिया, जैसे-कामयाबी, फतहयाबी

याबू—(तु) घोड़ा, टट्टू

याम यामा—(फ) डाक का घोड़ा

यार—(फ) मित्र, सहायक, साथी, प्रिय, प्रेमी या प्रेमिका, उपपति, जार

यारनामा—(फ) शुभ कार्य

यार फरोश—(फ) मित्र की प्रशंसा करने वाला, चापलूस, खुशामदी

यार फरोशी—(फ़) मित्र की प्रशंसा करना, चापलूसी, खुशामद

या रब—(अ) हे परमेश्वर, अरे राम ! की भांति शोक या आश्चर्य में भी इसका प्रयोग होता है

यार बाज़—(फ) मित्र मिलापिया में अधिकांश समय बिताने वाला, पुंश्चली या दुश्चरित्रा स्त्री

यार बाश—(फ) अपना अधिकांश समय यार दोस्तों में बिताने वाला, मिलनसार, कामुक

यार बाशी—(फ) यार की तरह उठना बैठना, मिलनसारी, कामुकता

यार मार —(मि) किसी के साथ विश्वासघात करने वाला, मित्र का बुरा करने वाला

यारा—(फ) बल, शक्ति, सामर्थ्य, साहस

याराई—(फ) उपाय, प्रतीकार, सहायता, इलाज

यारान—(फ) यार का "बहुवचन"

याराना—(फ) मित्रों का-सा मित्र की भांति, प्रेम, दोस्ती, मित्रता, स्नेह

यारिश—(फ) विचार, इरादा, हस्तक्षेप

यारी—(फ) मित्रता, सहायता, प्रेम, स्त्री पुरुष का अनुचित प्रेम

यारी गर—(फ) सहायक, मित्र, मददगार

यारे गार—(मि) अनन्य मित्र, अभिन्न मित्र सच्चा दोस्त, दुख-सुख सब में सहायता देने वाला, गार या क़ब्र में भी साथ देने वाला

यारे जानी—(फ) दिली दोस्त, प्राण प्यारा, परम प्रिय

याल —(तु) गर्दन या गर्दन पर के बाल, शेर या घोड़े की गर्दन के बाल, केसर, अयाल

यावर— (फ) सहायक, मददगार

यावरी —(फ) सहायता, मदद

यावा— (फ) बेहूदा, बेहूदा, बेसिर पैर की (बात)

यावागो—(फ) बेहूदी या ऊटपटांग बातें करनेवाला, बेहूदा बकवाद करनेवाला, बकवादी

यावागोई—(फा) बेहूदा बकना, निरर्थक या ऊटपटांग बातें करना

यास—(अ) निराश, हताश

यासम—(अ) चमेली का फूल,
यासमन—(फ) चमेली

यासमीन—(फ) देखो "यासमन"

यासम यास—(अ) चमेली का फूल

यासा—(तु०) शोक, वध, हत्या, नाश, लूटखसोट

याह—(अ) हे परमेश्वर, एक जाति का कबूतर जिसका शब्द "याहू" के समान होता है

युमन—(अ) सौभाग्य, खुश क़िस्मती, सफलता

यूग—(फ) बैलों के कधों पर रक्खा जानेवाला जूआ, युग

यूज़—(तु०) सौ, शत, चीतानामक हिंसक जतु

यूज़ा—(फ) पेड़ का तना, पीढ

यूनस—(इब्रानी) यम्भा, स्तम्भ, एक पैगम्बर का नाम

यूनान—(मू०) एक देश विशेष

यूनुस—(अ) देखो "यूनस"

यूरिश—(तु) आक्रमण, धावा, चढाइ, दौड़ ले जाना

यूलची—(तु) माग म बैठकर भीख माँगनेवाला

यूस—(अ) निराश, हताश

यूसुफ—(इ०) एक प्रसिद्ध पैगम्बर

यूहा—(अ) एक कल्पित साँप जिसके सम्बन्ध म प्रसिद्ध है कि जब यह हज़ार वष का हो जाता है तो उसम इच्छानुरूप रूप धारण करने की शक्ति आजाती है

येलाक़—(तु) वह स्थान जहां गर्मियों म भी ठडक रहती है, ग्रीष्म निवास

योम—(अ) दिन, दिवस, रोज

यौम—(अ) देखो "योम"

योमुल हिसाब—(अ) क़यामत का दिन, मुसल्मानों के मतानुसार सृष्टि का वह अतिम दिन जिस रोज़ प्रत्येक प्राणी से उसके शुभाशुभ कर्मों का हिसाब मांगा जायगा

यौमिया—(अ) नैत्यिक, नित्य का, प्रतिदिन का, दैनिक पारिश्रामिक, रोजाना की मज़दूरी, नित्य, रोज़, प्रतिदिन

र

रग—(फ) किसी दृश्यमान पदार्थ के आकार प्रकार से भिन्न वह गुण जो केवल आखों से ही जाना जा सकता है वर्ण, वह पदार्थ जो कोइ वस्तु रगने म काम आवे ढग, शैली, प्रकार, चेष्टा, कान्ति, शोभा, सौन्दर्य, यौवन, महत्त्व, धाक, आनन्द, उत्सव, क्रीड़ा, कौतुक, मौज, प्रमोद, हृदयोल्लास, मन उमग, अवस्था, दशा, ताश के चार प्रकारों में से प्रकार

रग उडना

होना, शोभा जाती रहना

रग चूना—यौवन का पूर्ण उभार होना

रग जमना—प्रभाव या असर पड़ना, धाक बैठना

रग जमाना—प्रभाव डालना

रग टपकना—"रग चूना"

रग निखरना—चेहरे या शरीर का साफ और चमकदार होना

रग बदलना—हृदय या अवस्था का पलट जाना

रग बाधना—रग जमाना

रग म भग पडना—आनन्द मे विघ्न पड़ जाना

रग आमेज—(फ) चित्रकार, चितेरा, रगों द्वारा चित्र या बेलबूटे बनाने वाला

रगत—(मि) आनन्द, मज़ा, रग का भाव, अवस्था, दशा

रग ढग—(मि) लक्षण, दशा, हालत, व्यवहार वर्ताव, तौर-तरीक

रग वसत—(फ़) पक्का रग

रगरलियाँ (मि) "रगरली" का बहु वचन, अनेक प्रकार के आमोद प्रमोद, आनन्द, मौज, खेल-तमाशे

रगरली—(मि) आमोद प्रमोद, आनन्द मौज, खेल तमाशा

रगरेज—(फ़) कपड़ा रगने वाला, कपड़ा रगने का काम करने वाला

रगरेली—(मि) "देखो रगरली"

रगसाज—(फ) रग बनाने वाला, लोहा लकड़ा आदि की चीजों पर रग चढ़ानेवाला

रँगाई—(हि) रगने का काम, रगना, रगने की मज़दूरी

रगारग—(फ) रंग बिरगा, अनेक रगों का

रगीन—(फ) रगा हुआ, रगदार, चमत्कारपूर्ण, विलासी, आनन्द प्रिय, आमोद प्रिय

रँगीला—(हि) रसिक, मौजी, आमोद, प्रिय, प्रेमी, सुन्दर

रज—(फ) दुख, कष्ट, शोक, खेद

रजा—(फ) कष्ट, दुख, प्राय यौगिकों के अन्त में—जैसे कदमरंजा फरमाएगे अर्थात् अपने पैरों का कष्ट देंगे

रजिश—(फ) वैर, शत्रुता, मन मुटाव

रजीदगी—(फ) दु ख, कष्ट, अप्रसन्नता
रजीदा—(फ) दु खित, शोकाकुल, उदास, अप्रसन्न
रजीदा खातिर—(मि) जिसका मन अप्रसन्न या दुखी होगया हो
रजूर—(फ) बीमार, दुखी, पीडित
रअद—(अ) बादलों का गड़गडाना मेघ-गर्जना
रअना—(अ) अत्यंत सुन्दर, बनाव श्रृंगार करके रहनेवाला, एक फूल विशेष जो बाहर से पीला व अन्दर से लाल होता है, ऐना दो रुखा
रअनाइ—(अ) सुन्दरता, सौन्दर्य, बनाव व श्रृंगार, दोरुखापन
रअब—(अ) भय, डर, आतंक
रअय्यत-(अ) प्रजा, रिआया, रैयत
रअशा-(अ) रोग विशेष जिसमें हाथ पैर कांपने लगते हैं, कम्प वात, कम्पन, कांपना, थरथराना
रईस—(अ) अमीर, धनी, ऐश्वर्य वान, प्रतिष्ठित नागरिक, सरदार, बड़ा आदमी जिसके पास रियासत हो
रइसी—(अ) रईसों काला, रईसपन रईस का भाव
रऊनत—(अ) अभिमान, घमण्ड, दुष्टता, त्रुटि
रऊसा—(अ) "रईस" का बहुवचन
रकअत—(अ) प्रसिद्धि, ख्याति, झुकाव, टेढ़ापन, नमाज का आधा चौथाई या तिहाई भाग
रकबा—(अ) भूमिभाग, भूमि आदि का क्षेत्रफल, नदीतट की भूमि
रकम—(अ) नकदी, धन, दौलत, आभूषण, गहना, लिखना, लिखने की क्रिया, प्रकार, भांति छाप, मोहर, अक्षरों पर बिन्दी लगाना, धूर्त, चालाक, मक्कार
रकमवार—(मि) ब्योरेवार, विवरण युक्त
रकमी—(अ) लिखित, लिखा हुआ, छाप या मोहर लगाया हुआ, चिह्नित
रकान—(?) तरकीब, युक्ति, ढंग, तरीका, विधि, वश में रखने की तरकीब,
रकाब—(अ) घोड़े की जीन में अगल-बगल लटकने वाले पायदान, जिनमें सवार पैर रखलेता है

पिया हो, दूध भाइ
रज़ील (अ) अधम, नीच, निकृष्ट, कमीना, नीच जाति का
रज़ीलत—(अ) नीचता, अधमता, निकृष्टता
रज़ीला—(अ) नीच स्त्री, अधमा, पतिता
रजूम—(अ) पत्थर मारने वाला
रज़्ज़ाक़—(अ) पालक, पोषक, विश्व भर, रिज़्क़ अथात् भोजन देने वाला, ईश्वर का एक विशेषण
रज़्ज़ाक़ी—(अ) पालन पोषण करना, रिज़्क़ देना
रज़्म—(फ) देखो 'रज़म'
रज़्मगाह—(फ) देखो 'रज़मगाह'
रज़्मिया—(फ) युद्ध सम्बन्धी लड़ाइ का
रतल—(अ) एक तोल, तोलने का एक बाट जो आध सेर के बराबर होता है शराब का प्याला
रतूबत—(अ) नमी, तरी, सील्न
रत्ब—(अ) सूखा, खुश्क, खराब, बुरा
रत्ब वयाबिस—(अ) भला-बुरा, अच्छा और खराब सब
रद्द—(अ) तोड़ फोड़, या काट छाँट कर बेकार किया हुआ, वापस लेलेना न मानना, व्यर्थ कर देना, खराब निकम्मा
रदीफ़—(अ) अन्त्यानुप्रास, अन्तिम तुक, घोड़े पर किसी सवार के पीछे बैठने वाला
रदीफ़वार—(मि) अक्षरों और मात्राओं के क्रम से लगाया हुआ
रद्द—(अ) देखो "रद" के वमन, छर्दि
रद्दबदल—(मि) अदल-बदल, फेर फार, परिवर्तन
रद्दी—(अ) निकम्मा, निरर्थक, बेकार
रन्दा—(फ) लकड़ी छील कर चिकनी करने का औज़ार, लकड़ी छीलना, लेभागना, चुराना
रफ़अ—(अ) हटाना, दूर करना, एक ओर करना, ऊंचा करना
रफ़ रफ़—(अ) वह सवारी जिसपर चढ़कर मुहम्मद साहब खुदा से मिलने गये
रफ़ा—(अ) हटाना, दूर करना, एक ओर करना, निवृत्त, शान्त निवारित, ऊँचाई, अलग रहना, छोड़ना, परित्याग

रफाअत—(अ) उच्चता, ऊचाई उच्च पद

रफाक़त—(अ) रफीक, अर्थात्, मित्र या साथी होने का भाव, मित्रता, मैत्री, मैल-जोल, सग साथ, निष्ठा

रफादफा—(अ) निवृत्त, शान्त, दूर करना

रफाह—(अ) आराम, सुख सुविधा, हित, परोपकार, दूसरों की भलाई

रफाहत—(अ) भलाइ, हित, सुख, आराम

रफाहियत—(अ) देखो "रफाहत"

रफाहेआम—(अ) सब साधारण की भलाइ का काम, लोकोपकार का कार्य

रफिक़—(अ) नम्रता, कृपा

रफ्रिअ—(अ) सज्जन, प्रतिष्ठित, माननीय, उच्च पदार्थ, ऊँची आवाज़

रफीक़—(अ) मित्र, प्रेमी, साथी, सगी, सहायक, हितू

रफ़ीक़—(अ) चमकना

रफू—(अ) फटे-कटे कपड़े के छेद को सुइ द्वारा तागे भरकर ठीक करना

रफूगर—(मि) रफू करनेवाला

रफूचक्कर—(मि) गायब, चपत

रफ्त—(फ) गया हुआ, गत, जाना, गमन

रफ्तगी—(फ) जाना, गमन

रफ्तनी—(फ) नियात, माल का बाहर जाना, जाने की क्रिया या भाव जाना

रफ्तन व गुजश्त—(फ) जिसकी ओर कुछ ध्यान न दिया जाय, गया-बीता

रफ्तार—(फ) चाल, गति

रफ्तार व गुफ्तार—(फ) चाल-ढाल और बात चीत

रफ्ता-रफ्ता—(फ) शनै शनै धीरे धीरे, क्रम क्रम से

रब—(अ) पालन पोषण करने वाला, विश्वम्भर, ईश्वर

रबना—(अ) हे मेरे परमेश्वर

रबाब—(अ) सारगी के ढग का एक बाजा

रबाबी—(अ) रबाब बजानेवाला

रबी—(अ) वह फसल जो वसन्त में

गति आदि देखने का यन्त्र, बाँट, हिस्सा, भाग, अश

रसदगाह—(फ) वेधशाला, नक्षत्रों की गति देखने का स्थान या साधन

रसद रसानी—(फ) रसद पहुंचाना, रसद ले जाना

रसन—(फ) रस्सी, डोरा

रसन बाज़—(फ) नट, बाज़ीगर

रसाँ—(फ) पहुँचाने वाला

रसा—(फ)पहुँचाने वाला, ऊंचा होने वाला, दूर जाने वाला

रसाइल—(अ) "रिसाला" का बहु वचन, मासिक पत्रिकाएँ या बहुतसी छोटी-छोटी पुस्तकें

रसाई—(फ) पहुंच, पहुँचाने का भाव

रसालत—(अ) सन्देश पहुँचाना, पयाम्बरी

रसीद—(फ) प्राप्ति-स्वीकार, पहुँच! किसी वस्तु की पहुँच के प्रमाण में लिखा हुआ पुर्जा या पत्र, मेवा का पकना, परिपाक

रसीदगी—(फ) पहुँच, पहुँचने का भाव, मुधलेना

रसीदा—(फ) परिपक्व, पहुंचा हुआ, प्राप्त, प्रौढ़

रसीदी—(फ) रसीद का, रसीद सम्बन्धी

रसील—(अ) सन्देश-वाहक, साथी

रसीला—(अ) सन्देश, पत्र,

रसूख—(अ) मेल-जोल, सम्बन्ध, प्रभाव, विश्वास, दृढ़ता, धैर्य, अध्यवसाय

रसूम—(अ) "रसम" का बहुवचन प्रथाएँ, रीतियां, लोकाचार, नेग, दस्तूर

रसूल—(अ) सन्देश वाहक, सन्देश लेकर भेजा हुआ व्यक्ति, दूत, ईश्वरीय सन्देश लाने वाला पैगम्बर, मार्ग-दर्शक, मुहम्मद साहब की उपाधि

रस्ता—(फ) "रास्ता" का संक्षिप्त रूप, मार्ग, पथ

रस्म—(अ) रीति, रिवाज, लोकाचार, परिपाटी, दस्तूर, मेल जोल, वेतन, तनखाह

रस्मियात—(अ) रीति रिवाज की बातें

रस्मी—(अ) रस्म सम्बन्धी, साधारण, सामान्य

रस्मुलखत—(अ) लेखनविधि
रस्मोराह—(मि) मेलजोल
रह—(फ) "राह" का संक्षिप्त रूप, मार्ग, रास्ता, पथ, फायदा, कानून
रहगुजर—(फ) सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता, सड़क, कारण
रहजन—(फ) चोर, लुटेरा, वह जो मार्ग में यात्रियों को लूटता हो, बटमार
रहन—(अ) रेहन, गिरवी रखना, बेचना
रहनुमा—(फ) मार्ग दिखानेवाला, पथ प्रदर्शक
रहबर—(फ) नेता, अगुआ, पथ प्रदर्शक, रहनुमा, मार्ग दिखाने वाला
रहम—(अ) दया, कृपा, अनुग्रह करुणा, क्षमा, बख्शना, देना, स्त्रियों का गर्भाशय, बच्चादानी
रहमत—(अ) दया, मेहरबानी, देन, वर्षा, वृष्टि
रहमदिल—(मि) दयालु, कृपालु, नरम, स्वभाव का, दयार्द्र चित्त
रहमान—(अ) दयालु, दाता, ईश्वर का एक विशेषण
रहरवा—(फ) पथिक, यात्री, मुसाफिर
रहरौ—(मि) यात्री, बटोही, मुसाफिर
रहल—(अ) पुस्तक रखने के लिए लकड़ी का बना विशेष प्रकार का पीढ़ा, मंजिल, प्रस्थान करना, सामान
रहलत—(अ) कूच, प्रस्थान
रहवार—(फ) अच्छा घोड़ा जो सुन्दर चाल से चले
रहाइश—(हि) रहने का स्थान, रहने का ढंग
रही—(फ) दास, गुलाम, सेवक
रहीम—(अ) रहम या दया करने वाला, दयालु कृपालु, ईश्वर का एक विशेषण
रा—(फ) लिए, यौगिक के अन्त में, जैसे—खुदारा
राइज—(अ) प्रचलित, जारी, जिसका रिवाज या चलन हो, रायज
राइ—(अ) संरक्षक, शासक
राकिम—(अ) लिखनेवाला, लेखक
राकिस—(अ) नर्तक, नाचने वाला, नक्षत्र विशेष
रागिब—(अ) प्रवृत्त, आकर्षित, झुका

हुआ, चित्त रखनेवाला, ध्यान देनेवाला

राज़—(फ़) रहस्य, भेद, गुप्त बात

राज़दाँ—(फ) रहस्य वित्, भेद जानने वाला

राज़दार—(फ़) रहस्य या भेद की बात जाननेवाला, राज़दाँ, साथी, सगी, रहस्यवित्

राज़दारी—(फ) भेद या रहस्य जानना, राज़ ज़ाहिर न होने देना

राज़ व नियाज—(फ) प्रेमी और प्रेमिका के पारस्परिक नखरे और चोचले

राज़िक़—(अ) रिज़्क़ अर्थात् नित्य का भोजन देनेवाला, जीविका लगाने वाला, विश्वम्भर

राज़ियाना—(फ) सौंफ, शतपुष्पा

राज़ी—(अ) प्रसन्न, बात मानने को तयार, सम्मत, खुश, सुखी, स्वस्थ, चंगा, नीरोग, सहमति, अनुकूलता, रज़ामन्दी

राज़ी नामा—(फ) वह लेख जिसके द्वारा वादी प्रतिवादी दोनों मेल करलें

राज़े उलफ़त—(फ) प्रेम का र[illegible]

राज़े ज़मीं—(फ) वनस्पती फूल-पत्ते

राज़े दिल—(फ) हृदय का भेद

राज़े निहाँ—(फ) गुप्त रहस्य, [illegible] भेद

रातबा—(अ) नित्य प्रति का खा[illegible] और नियत भोजन (विशेष घोड़े आदि का)

रातिब—(अ) रोज़ाना की बधी खुराक, रातबा

रातिबा—(अ) वेतन, वृत्ति, आ[illegible] विका

रान—(फ) जांघ, जंघा

रानाइ—(अ) देखो "रअना[illegible]

रानी—(फ) चलाना, चलाने का [illegible] (यौगिकों के अन्त में, [illegible] जहाज़ रानी)

राफ़ा—(अ) हटानेवाला, दूर क[illegible] वाल, मिटानेवाला, निवृत्त क[illegible] वाल, उठाने वाला ऊपर क[illegible] वाला

राफ़िज़ी—(अ) वह सेना जो अप[illegible] सेना-नायक का साथ छोड़[illegible] सुन्नी मुसल्मान इस शब्द [illegible]

प्रयोग शिया मुसलमानों के लिये करते हैं, क्योंकि शियाओंके एक दलने अपने सरदार 'जैद' का साथ छोड़ दिया था

रावता—(अ) रक्त-जन्य, मेल जोल, रिश्तेदारी, सबध

राम—(फ) दास, सेवक, गुलाम, आज्ञाकारी, अधीन

रामिश—(फ) आनन्द, सगीत, गवैया

राय—(फ) सम्मति, सलाह, मत, समझ, बुद्धि

रायाँ—(फ) व्यर्थ, निरथक, निष्फल

रायाँ ख्वाह—(फ) मुफ्तखोर, सत खाने वाला

रायज—(अ) देखो "राइज"

रायज-उल-वक्त—(नि) वतमान काल में प्रचलित

रायज़न—(फ) सम्मति-दाता, आलोचना या मीमासा करने वाला, बुद्धिमान, समझदार

रायज़नी—(फ) किसी के सम्बन्ध म अपनी सम्मति प्रकट करना, आलोचना करना

रायश—(अ) रिश्वत लेने देने में दलाली करनेवाला, रिश्वत का बिचौलिया

रावी—(अ) कहानी लेखक, कथा वाचक, रवायत करने वाला, कोई बात कह सुनाने वाला

राश—(फ) अन्न का ढेर, राशी

राशा—(अ) देखो "रअशा"

राशिद—(अ) धम पथ पर चलने वाला, धार्मिक

राशी—(अ) रिश्वत लेने वाला, घूम खोर, [वस्तुत राशी का अथ रिश्वत देनेवाला है, रिश्वत लेन वाला, "मुतशी" कहाता है]

रास—(अ) ऊचा, उचाइ, ऊपरी-भाग, सिरा, सवारी में जुते हुए बैल या घोड़े को नियत्रण में रखने के लिए उसकी नाथ या लगाम म बँधी हुई लम्बी रस्सी, बाग, पशुओं की सख्या सूचक शब्द, अन्तरीप, राहुनामक ग्रह, रास्ता, अनुकूल

रासिख—(अ) दृढ, पक्का, नौसादर व गन्धक क योग से तयार की गई ताम्र भस्म

रासौ—(फ) नेवला, नौल

रास्त—(फ) सच्चा, सीधा, ठीक, सही, दुरुस्त, उचित, अनुकूल, दाहिना, संगीत का एक स्वर रास्ता

रास्त आना—(मि) अनुकूल रहना, विरोध त्यागना

रास्तगो—(फ़) सत्य बात कहनेवाला, उचित बात कहनेवाला

रास्तबाज़—(फ) सच्चा, ईमानदार

रास्ता—(फ) मार्ग, पथ, युक्ति, उपाय, तरकीब

रास्ती—(फ) सच्चाई, शान्ति

राह—(फ़) रास्ता, पथ, मार्ग, क़ायदा, क़ानून, रीति रिवाज, प्रथा, ढंग, तरीक़ा, चालचलन, मेल जोल, सम्बन्ध, प्रतीक्षा, इन्तज़ार

राहखर्च—(फ) मार्ग-व्यय, रास्ते में होनेवाला खर्च

राहगीर—(फ) पथिक, यात्री, मुसाफ़िर, मार्ग चलनेवाला, राही

राहगुज़र—(फ) देखो "रहगुज़र"

राहज़न—(फ) देखो "रहज़न"

राहज़नी—(फ) लूट-खसोट, बटमारी

राहत—(अ) आराम, सुख, चैन, हथेली

राहतेजान—(मि) मन या प्राणों को प्रसन्न करनेवाली वस्तु, हृदया ह्लादक

राहदार—(फ) वह कर्मचारी जो किसी मार्ग की देखरेख अथवा उधर से आने-जाने वाले व्यक्तियों या सामान पर कर वसूल करने को नियत हो

राहदारी—(फ) वह कर जो किसी मार्ग में आने जाने वालों से वसूल किया जाय चुंगी, महसूल, मेल मिलाप, मार्ग की रक्षा

राहनुमा—(फ) देखो "रहनुमा"

राहबर—(फ) देखो "रहबर"

राहविश—(फ) चाल चलन, रंग ढंग, तौर-तरीक़ा

राही—(फ) यात्री, पथिक, बटोही, राहगीर

राह व रब्त—(मि) मेल जोल, रब्त ज़ब्त, राह रस्म

राह व रस्म—(मि) मेल जोल

राहिन—(अ) गिरवी रखनेवाला, रहन करनेवाला, बेचने वाला,

राहिब—(अ) संसार-त्यागी, विरक्त,

एकान्तवासी

राहिम—(अ) रहम करने वाला, दयालु, रहीम

राहिला—(अ) यात्रियों का समुदाय, काफिला

राही—(फ) पथिक, मुसाफिर, यात्री

राहेरास्त—(फ) सीधा मार्ग, सच्चा रास्ता, धर्म और न्यायोचित मार्ग

रिआयत—(अ) नर्मी, पक्षपात, विचार, ध्यान, न्यूनता, कमी, दयापूर्ण व्यवहार

रिआयती—(अ) जिसमें कुछ रिआयत रक्खी गयी हो, रिआयत सम्बन्धी, जिसमें कुछ कमी या सुविधा की गई हो

रिआया—(अ) प्रजा, रयत

रिकाब—(अ) देखो "रकाब"

रिकाबी—(अ) देखो "रकाबी"

रिक्कत—(अ) आनन्दातिरेक के कारण आवेश में आजाना, सदर्द, रोना धोना, रुदन, कोमलता, दया, अनुकम्पा

रिजक—(अ) नित्य का भोजन, जीविका, रोज़ी

रिजवाँ—(अ) मुसलमानों का एक देव दूत जो फिरदौस नामक स्वर्ग का दरोगा है

रिजवी—(अ) प्रसन्नता, रजामन्दी, सहमति

रिज़ाला—(अ) नीच, दुष्ट, पाजी, तुच्छ, कमीना

रिज़्क़—(अ) देखो, "रिज़क"

रिन्द—(फ) सिद्ध पुरुष, पहुँचा हुआ महात्मा, स्वच्छन्द, मनमौजी, धार्मिक नियमों या बन्धनों को न मानने वाला, मस्त, मतवाला

रिन्दा—(फ) बेढगा, बेहूदा, बाहियात, शरारती

रिन्दाना—(फ) रिन्दों का सा, रिन्दों के ढग का, रिन्दों से सम्बन्ध रखने वाला

रिन्दी—(फ) रिन्दपन, धूर्तता, लुच्चपना

रिफअत—(अ) महत्व, गौरव, बड़प्पन, उन्नत अवस्था की प्राप्ति, उच्चता

रिफाक़—(अ) "रफीक़" का बहु वचन

रिफाक़त—(अ) देखो "रफाक़त"

रिफाह—(अ) देखो "रफाह"

रिफ्ज़—(अ) अधार्मिकता, धर्मद्रोह
रियह—(अ) फफड़ा, फुफ्फुस
रिया—(अ) ढोंग, पाखण्ड, धूर्तता, छल, कपट, धोखा दिखावट, बनावट
रियाई—(अ) ढोंगी, पाखण्डी, धूर्त, छली, कपटी, धोखेबाज़
रियाकार—(मि) धोखेबाज़, धूर्त, मक्कार
रियाज़—(अ) "रौज़ा (बाग)" का बहुवचन, वाटिकाएँ, बाग बगीचे
रियाज़त—(अ) परिश्रम, मेहनत, तपस्या, कष्ट सहन, सहिष्णुता, अभ्यास
रियाज़त कश—(मि) परिश्रमी, सहिष्णु, तपस्वी
रियाज़ती—(अ) रियाज़त करने वाला, परिश्रमी, कष्ट सहिष्णु
रियाज़ी—(अ) गणित, ज्योतिष, संगीत आदि विद्याएँ
रियाज़ी दाँ—(मि) रियाजी का जानकार
रियासत—(अ) राज्य, ज़मींदारी, अमीरी, अमलदारी
रियाह—(अ) "रीह" "शरीर के भीतर की वायु" का बहुवचन
रिवाज—(अ) देखो "रवाज"
रिशवत—(अ) घूस, उत्कोच
रिशाद—(अ) सन्मार्ग पर आना, उपदेश प्राप्त करना, राह, हाथी मेदा
रिश्ता—(फ) नाता, सम्बन्ध
रिश्तेदार—(फ) नातेदार, सम्बन्धी
रिश्तेदारी—(फ) नाता, सम्बन्ध, रिश्ता
रिश्वत—(अ) घूस, उत्कोच
रिश्वत खोर—(मि) घूस खाने वाला, घूसखोर
रिश्वतसतानी—(मि) घूस खाना, रिश्वत लेना
रिसालत—(अ) रसूल या दूत होने का भाव, दौत्य, पैगम्बरी, एल्चीगीरी
रिसालत पनाह—(मि) मुहम्मद साहब का एक नाम
रिसालदार—(फ) घुड़सवार सेना का एक अफ़सर
रिसाला—(अ) छोटी पुस्तक, पुस्तिका, चिट्ठी-पत्री, अश्वारोही

सेना

रिहल—(अ) देखो "रहल"

रिहलत—(अ) मृत्यु, मौत, परलोक यात्रा, यात्रा, रवानगी, कूच, प्रस्थान

रिहा—(फ) मुक्त, छुटकारा प्राप्त

रिहाइ—(फ) मुक्ति, छुटकारा

रिहाइश—(फ) देखो "रहाइश"

रीम—(फ) पीब, मवाद

रीश—(फ) दाढ़ी, ठोड़ी पर के बाल

रीशकाजी—(फ) शराब छानने का कपड़ा, रुई की डाट जो बोतल में लगाई जाय

रीशखन्द—(फ) हास्य का एक प्रकार, मुस्कराना, परिहास, हँसी, ठट्ठा, मज़ाक

रीह—(अ) वायु, प्राणियों के शरीर के अन्दर की वायु, अपान वायु पाद

रुअनत—(अ) देखो "रऊनत"

रुआनी—(अ) हृदय और बुद्धि सम्बन्धी, अन्तःकरण से सम्बन्ध रखनेवाली, आध्यात्मिक

रुक्न—(अ) खम्भा, स्तम्भ, आधार, मुख्य अंग, शक्ति, बल

रुकबा—(अ) घुटना, घोंटू

रुकूअ—(अ) नमाज पढ़ते समय घुटनों पर हाथ रख के झुकना, नमन, नवना

रुक्का—(अ) चिट्ठी पत्री, पर्चा, पुर्जा, चिथड़ा, थगली, पैबन्द, रुक्का

रुक्न—(अ) देखो "रुक्ना"

रुख—(फ) चेहरा, मुँह, मुख, दृष्टि कोण, मन का झुकाव, हृदय का भाव, चेष्टा, कृपादृष्टि, ओर, तरफ, सामना, सामने का भाग

रुखसत—(अ) अवकाश, छुट्टी, काम से छुटकारा, विदा, विदाइ, कूच, प्रस्थान, रवानगी, चल पड़ना

रुखसताना—(फ) रुखसत या विदा के समय दिया जाने वाला धन, विदाइ

रुखसती—(अ) विदा लेने या करने की क्रिया, विदाइ, (विशेषकर लड़की या दुलहिन की)

रुखसार—(फ) गाल, कपोल

रुखसारा—(फ) देखो "रुखसार" कपोल या गाल का ऊपरी भाग

रुखाम—(फ) संगमरमर

रुखे गुलफाम—(फ) गुलाब के फूल सा सुन्दर चेहरा
रुजहान—(अ) झुकाव, प्रवृत्ति, रुचि
रुजू—(अ) प्रवृत्त, झुका हुआ, लगा हुआ आकृष्ट, लौटना, वापस आना, अनुरक्ति, प्रवृत्ति, अभियोग की बड़ी अदालत में दुबारा सुनवाई, पुनर्विचार
रुजूलियत—(अ) पुरुत्व, विषय या सम्भोग की शक्ति
रुतबा—(अ) पद, दर्जा, ओहदा, प्रतिष्ठा, मान
रुतूबत—(अ) देखो "रतूबत"
रुफ़क़ा—(अ) 'रफ़ीक़' का बहुवचन, मित्र-मण्डली
रुफात—(अ) टूटा हुआ, छिन्न भिन्न, जो टुकड़े टुकड़े हो गया हो
रफूर—(अ) देखो "रफ़ू"
रुब—(अ) घन सत्व, औटाकर गाढ़ा किया हुआ रस
रुबा—(अ) आकर्षक, खींचने वाला, चुराने वाला, यौगिकों के अन्त में (जैसे—दिलरुबा) चौथाई, चतुर्थांश
रुबाअ—(अ) चतुर्थांश, चौथाई
रुबाई—(अ) चार चरणों का एक छन्द, जिसमें पहला, दूसरा और चौथा चरण सम तुकान्त हो
रुमूज़—(अ) देखो "रमूज़"
रुसवा—(फ) अपमानित, बदनाम,
रुसवाई—(अ) अपमान, निरादर, अप्रतिष्ठा, बदनामी, कलंक
रुसूख़—(अ) पहुंच, मेलजोल, विश्वास, दृढ़ता, मज़बूती, धैर्य, अध्यवसाय
रुसूम—(अ) देखो "रसूम"
रुस्त—(फ) वृक्षादि वनस्पतियों का उगना
रुस्तनी—(फ) उगनेवाला, उगाहुआ, उद्भिज, घास पात आदि वनस्पति
रुस्तम—(फ) एक प्रसिद्ध पहलवान का नाम, बड़ा बहादुर, प्रसिद्ध वीर
रुस्तमी—(फ) रुस्तमपना, बहादुरी, वीरता, बल प्रयोग, धींगा धींगी, ज़बरदस्ती
रू—(फ) मुँह, मुख, चेहरा, आकृति, रुख, कारण, हेतु, सबब, आशा, भरोसा, अग्रभाग, आगे का हिस्सा, ऊपरी भाग, तल,

सतह
रूअ-(अ) बुद्धि, हृदय, अन्तःकरण,
रूइदगी—(फ़) वनस्पति
रूए—(फ) देखो "रू"
रूएदाद—(फ) वर्णन, हाल, वृत्तान्त समाचार, दशा, ब्योरा, अदालत की कार्यवाही
रूकश—(फ) सामने आने वाला, सम्मुख होनेवाला
रूगरदा—(फ) फिरा हुआ, पीठे को उलटा हुआ, मुंह मोड़ हुए
रूदबार—(फ) बड़ा और चौड़ा जल, डमरूमध्य, जलपूर्ण देश, बड़ी झील
रूदाद—(फ) देखो "रूएदाद"
रूनुमाई—(फ) मुंहदिखरानी, मुंह दिखाई, मुँह देखने या दिखाने की रस्म, मुँह दिखाई
रूपोश—(फ) छिपा हुआ, भागा हुआ, फरार, जिसने अपना मुँह छिपा लिया हो
रूबकार—(फ) सामना, सामने उपस्थित करने का भाव, अदालत की आज्ञा, आज्ञापत्र
रूबकारी—(फ) अभियोग की सुनवाई, मुकद्दमे की पेशी
रूबराह—(फ) तैयार, प्रस्तुत, ठीक किया हुआ
रूबरू—(फ) सम्मुख, सामने
रूबा—(फ) लोमड़ी, "रूबाह"
रूबाबाजी—(फ) धूर्तता, चालाकी, मक्कारी
रूम—(फ) एक देश का नाम, टर्की, तुर्की
रूमाल—(फ) वह छोटा चौकोर कपड़ा जो मुंह पोंछने के काम आता है, चौकोना शाल या दुपट्टा
रूमी—(फ) रूम देश का, रूम देश सम्बन्धी, रूम देश निवासी
रूमी मस्तगी—(फ) एक औषध विशेष
रूरिआयत—(मि) पक्षपात, तरफदारी, मुँहदेखी
रूशनास—(फ) प्रसिद्ध, प्रतिष्ठित, परिचित, जान-पहचान का, परिचय, मुलाकात
रूसफ़ेद—(फ) इज्जतदार, मानी, प्रतिष्ठित, निर्दोष
रूसियाह—(फ) काले मुँह का,

अपराधी, पापी, अपमानित, ज़लील

रूह—(अ) आत्मा, जीवात्मा, जान, सार, सत्व, खुशबू, इत्र का एक प्रकार, प्रसन्नता, खुशी, शीतल वायु

रूह आशना—(फ) आत्मज्ञानी

रूह अफज़ा—(अ) हृदयाह्लादक, चित्त को प्रसन्न करनेवाला

रूहानियात—(अ) आत्माएं, भूत प्रेत

रूहानी—(अ) आत्मिक, रूह या आत्मा सम्बन्धी

रूहरवाँ—(फ) मुख्य सचालक

रेख़्ता—(फ) चूने के योग से बनी हुई इमारत दीवार आदि, बिना प्रयत्न या इच्छा के अनायास मुख से निकला हुआ, टपका हुआ, गिरा हुआ, आरम्भिक उर्दू भाषा, दिल्ली की ठेठ उर्दू, अस्तव्यस्त, इधर उधर बिखरा हुआ

रेख़्तागर—(फ) साँचे में ढालकर बरतन बनाने वाला

रेख़्ता दम—(फ) वह तलवार या छुरी जिसकी धार पत्थर आदि कड़ी चीज पर गिरकर झड़ गई हो

रेख़्ता पा—(फ) तेज़ चलने वाला सुन्दर घोड़ा

रेखती—(फ) स्त्रियों की बोली में रची हुई कविता

रेग—(फ) बालू, रेत

रेगज़ार—(फ) मरु प्रदेश, बालू का मैदान

रेगमाही—(फ) गोह या स्थल गोधा की जाति का एक जीव जो प्रायः रेगिस्तान में होता है। शकनकूर

रेगिस्तान—(फ) बालू का मैदान, मरुभूमि

रेगरवाँ—(फ) उड़ने वाला रेत, आँधी आदि के कारण उड़ने वाली बालू

रेज़—(फ) गिरनेवाला, बहाने वाला, पक्षियों का कलरव, गिराना, बहाना

रेज़गारी—(फ) दुअन्नी, चवन्नी आदि छोटे सिक्के

रेज़गी—(फ) देखो "रेज़गारी"

रेज़ा—(फ) अत्यन्त छोटा टुकड़ा, सूक्ष्म खण्ड, कण, अणु, अल्प, नग, थान

रेज़ाकारी—(फ) बारीक काम करना

रेंजिश—(फ) प्रतिश्याय, जुकाम, सर्दी नजला, डालना, गिराना

रेब—(अ) सन्देह, शक

रेवन्द —(फ) एक विरेचक दवा, रेवन्द चीनी

रेश—(फ) घाव, ज़ख्म

रेशम—(फ) 'अबरेशम' का संक्षिप्त रूप, एक अत्यन्त बारीक दृढ़ मुलायम और चमकदार तन्तु, जिसे एक प्रकार के कीड़े तैयार करते हैं

रेशमी—(फ) रेशम का, रेशम से बना हुआ

रेशा—(फ) वृक्षों की अत्यन्त सूक्ष्म जड़ें, पौधों की छाल आदि कूट कर निकाले गए बारीक तन्तु, सूक्ष्म तन्तु, झोंतरें

रेशादार—(फ) जिसमें छोटे छोटे तन्तु या झोंतरे हों

रेहन—(फ) देखो "रहन" बन्धक, गिरवी

रेहनदार—(मि) वह महाजन जिसके पास ज़ेवर या जायदाद गिरवी रक्खी गई हो

रेहननामा—(मि) वह कागज़ जिस पर रहन रक्खी गई वस्तु के सम्बन्ध की बात आदि लिखी गई हों

रेहान—(अ) एक प्रकार की सुगन्धित घास, तुलसी की जाति का एक जंगली पौधा जिसके फूल पत्ते सुगन्धित होते हैं, एक प्रकार की अरबी लिखने की प्रणाली

रैना—(अ) देखो "र अ ना" वह स्त्री जो हर वक्त बनाव, शृंगार किये रहे, अपनी सुन्दरता देख कर प्रसन्न होने वाली, रूप गर्विता, सुशोभित, चतुर, चालाक, एक पुष्प जो भीतर से लाल और बाहर से पीला होता है

रैनाई—(अ) शोभा, सुन्दरता

रैयत—(अ) प्रजा, रिआया

रो—(फ) उगने वाला

रोग़न—(फ) स्नेह, चिकनाई, तेल, पालिश, वार्निश, वह पतला लेप

जिसे किसी चीज़ पर लगा देने से उस चीज़ में चमक आजाय, मिट्टीके बरतनों पर चमक लाने के लिए लगाया जाने वाला मसाला

रोगनी—(फ) रोगन किया हुआ

रोगने काज—(फ) काज़, (राज हंस) नामक पक्षी की चरबी

रोगने ज़र्द—(फ़) घृत, घी

रोगने तल्ख—(फ़) कडुआ तेल, सरसों का तेल

रोगने सियाह—(फ) तेल

रोज़—(फ) दिन, दिवस, नित्य, प्रतिदिन, मृत्यु का दिन, एक दिन की मज़दूरी

रोज़ अफज़ूँ-(फ) नियत बढ़नेवाला

रोजाए जावेद—(फ) स्वर्ग, बहिश्त

रोज़गार—(फ) जीविकोपार्जन के लिए किया जाने वाला काम, व्यापार, व्यवसाय, पेशा, धंधा, कारबार, तिजारत, काल, युग, ज़माना, अवकाश

रोज़गारी-(फ़) व्यापारी, व्यवसायी

रोज़न —(मि) छिद्र, सूराख, छेद, झरोखा

रोज़नामचा—(फ) वह रजिस्टर जिसमें नित्य का आय व्यय अथवा किया हुआ काम लिखा जाता है

रोज़ व रोज़—(फ) नित्य, प्रतिदिन, हररोज़, बोलचाल, चलती बोली, नित्य के व्यवहार में आने वाली भाषा

रोज़ा—(फ़) व्रत, उपवास, वह उपवास जो मुसलमान लोग रमज़ान के महीने में करते हैं, बाग वाटिका, किसी राजा, महात्मा या बड़े आदमी की क़ब्र पर बनाई हुई इमारत, मक़बरा

रोज़ा खुलाई—(फ) रोज़ा खोलना, रोजा इफ्तारना, पारणा करना दिनभर उपवास रखने के पश्चात् सन्ध्या समय कुछ खाकर उपवास तोड़ना

रोज़ा खोर—(फ) जो रोज़ा न रखता हो

रोज़ादार—(फ) जो रोजा रखता हो, उपवास करने वाला

रोज़ाना—(फ) नित्य, प्रतिदिन

रोज़ी—(अ) जीविका, जीवन, निर्वाह

का अवलम्ब, नित्य का भोजन, रिज़क़

रोज़ीना—(फ) एक दिन की मज़दूरी, मासिक वेतन, दैनिक, प्रतिदिन का

रोज़ीनादार—(फ) दैनिक मजदूरी पाने वाला वह जिसे मासिक वृत्ति मिलती हो

रोज़ीरसाँ—(फ) जीविका की व्यवस्था करने वाला, रोज़ी पहुचाने वाला, रिज़क़ देने वाला, विश्वम्भर, ईश्वर.

रोज़े जज़ा—(मि) क़यामत का दिन, सृष्टि का वह अन्तिम दिन जिस रोज जीवों को उनके शुभाशुभ कर्मों का फल मिलेगा

रोज़ेदाद—(फ) देखो "रोज़े जज़ा"

रोज़े रौशन—(फ) दिन का समय, प्रातःकाल, सवेरा

रोज़े शुमार—(फ़) देखो 'रोज़ जज़ा'

रोज़े सियह—(फ) काले दिन, विपत्ति या दुर्भाग्य के दिन

रोब—(अ) आतंक, धाक, दबदबा, प्रभाव

रोबदार—(मि) प्रभावशाली, जिसकी धाक हो, रोब दाब वाला

रोया—(अ) स्वप्न, सपना

रोशन—(फ) प्रकाशमान, प्रकाशित, चमकदार, चमकता हुआ, जलता हुआ, प्रकट, प्रसिद्ध

रोशन क़यास—(फ) बुद्धिमान

रोशन चौकी—(मि) शहनाई या नफीरी बजाने वालों की मण्डली

रोशन ज़मीर—(मि) प्रत्युत्पन्नमति, विमल विवेक वाला, बुद्धिमान, समझदार

रोशनदान—(फ) वह खिड़की जिसमे से प्रकाश आने की व्यवस्था हो, गवाक्ष, झरोखा, मोखा

रोशन दिमाग—(फ) जिसका दिमाग खूब तेज हो, ऊँचे दिमाग़ वाला, विचारशील, खुले दिमाग का, सुधनी, नस्य

रोशनाई—(फ) लिखने की स्याही, मसि, प्रकाश, रोशनी, उजाला

रोशनी—(फ) उजाला, प्रकाश, दीया, दीपक, ज्ञान का प्रकाश, दीपक का उजाला

रोसिख़—(अ) मजबूत, दृढ़, पक्का

रौ—(फ़) चलने वाला (यौगिकों में

अन्त में, जैसे पेश रौ, आगे चलने वाला

रौग़न—(फ) देखो "रोग़न"

रौज़न—(फ) छिद्र, छेद, सूराख, झरोखा, छोटी खिड़की

रौज़ा—(अ) उद्यान, वाटिका, बाग, किसी बादशाह, महात्मा या बड़े आदमी का मक़बरा

रौज़ा ख्वाँ—(मि) किसी के रौज़ा पर प्रतिदिन, दुआ पढ़ने वाला, मरसिया पढ़ने वाला

रौज़ै रिज़वाँ—(अ) स्वर्ग की वाटिका, नन्दन वन

रौद—(फ) नदी, नाला, बहता पानी, एक बाजा, कमान का रौदा, धनुष की प्रत्यंचा

रौनक़—(अ) शोभा, सुहावनापन, ढंग, सजावट, चमक-दमक, कांति, दीप्ति, आभा, आनन्द, प्रफुल्लता, विकास, रूप, वर्ण और आकृति

रौनक़अफ़ज़ा—(मि) शोभा बढ़ाने वाला

रौनक़ अफ़रोज़—(मि) किसी स्थान पर पहुंच कर वहां की शोभा बढ़ाने वाला

रौनक़दार—(मि) सुशोभित, सुन्दर, सजा हुआ

रौशन—(फ) देखो "रोशन" (रौशन के यौगिकों के लिए भी रोशन के यौगिक देखो)

ल

लंग—(फ) लंगड़ा, लुंज, सफ़र में पड़ाव डालना

लंगर—(फ) वह जगह जहां कंगालों के लिए रोटियां बाँटी जाती हों, लोहे का एक बड़ा कांटा जिसे पानी में डालकर उसके सहारे जहाज़ या नाव को एक स्थान पर खड़ा रख सकते हैं, लटकने और हिलने वाली चीज़, लोहे की भारी ज़ंजीर या भारी रस्सा, पहलवानों का लंगोट

लंगरी—(फ) लंगर सम्बन्धी, एक बहुत बड़ी परात

लअन तअन—(अ) गालियां और अपशब्द, ताने और व्यंग

लअब—(अ) खेल

लईन—(अ) जिसे लानत दी जाय, धिक्कार, शापित

लऊक़—(अ) वह दवा जो चाटकर खाई जाय, अवलेह, चटनी

लक़ब—(अ) अल्ल, उपाधि, उपनाम, खिताब

लक़लक़—(अ) अत्यन्त, क्षीणकाय, बहुत दुबला पतला, सारस नामक पक्षी

लक़लक़ा—(अ) उच्च आकांक्षा, सारस की बोली, साँप के बार बार जीभ लपलपाने की क्रिया, प्रभाव, आतंक, दबदबा, झक झोरना, जोर से हिलाना

लक़वा—(अ) एक प्रकार का वात रोग, पक्षाघात, फालिज

लक़ा—(अ) मुख, चेहरा, आकृति, शक्ल, एक जाति का कबूतर जिसकी पूछ हर समय नाचते हुए मोर की पूछ के समान रहती है तथा जिसके पैरों पर भी छोटे-छोटे पर होते हैं

लक़ व दक़—(अ) जिसमें बहुत चमक-दमक हो, आडम्बरपूर्ण, जिसमें खूब शान-शौकत या दिखावट हो, ऊजड़, उजाड़, सुनसान

लक्का—(अ) एक प्रकार का खूबसूरत कबूतर, लक़ा

लखलखा—(फ़) कुछ सुगन्धित वस्तुओं के योग से तैयार कीगई सुंघनी, जिसको सूघने से मूर्च्छा दूर होजाती है

लख्त—(फ) टुकड़ा, खंड, भाग

लख्ते जिगर—(फ) हृदय या कलेजे का टुकड़ा, हृत्खण्ड, सन्तति, औलाद, बेटा-बेटी

लख्ते दिल—(फ) देखो 'लख्तेजिगर'

लग़शा—(फ) रपटीली चीज़, फिस लन वाली जगह

लग़ज़ाँ—(फ) फिसलता हुआ

लग़ज़िश—(फ) फिसलना, रपटना, भूल, त्रुटि, च्युति, जुबान का लड़खड़ाना

लगन—(फ़) तांबे की एक प्रकार की बड़ी थाली, अथवा परात

लग़व—(अ) झूठ, मिथ्या, व्यर्थ, निरर्थक, बेहूदा बकना, कुत्ते का भौंकना

लगाम—(फ़) लोहे का विशेष प्रकार का आँकड़ा जो घोड़े को नियन्त्रण में रखने के लिए उसके मुह में

लगाया जाता है
लग़ायत—(अ) तक, पर्यन्त अन्त तक, लिए हुए, सहित, साथ में
लग़ो—(अ) "देखो लग्व"
लग़्वियात—(अ) व्यर्थ या वाहियात बातें
लजाजत—(अ) लड़ाई, झगड़ा, अत्युक्ति
लज़ीज़—(अ) स्वादिष्ट, ज़ायकेदार मजेदार, बढ़िया स्वादवाला
लजूम—(अ) लाज़िम या आवश्यक होना अनिवार्य
लज़्ज़त—(अ) स्वाद, ज़ायक़ा, आनन्द
लत—(फ़) टेव, आदत, मारना, पीटना, लात, पैर.
लताफ़त—(अ) सूक्ष्मता, कोमलता, पवित्रता, बढ़ियापन, उत्तमता, स्वाद, ज़ायक़ा
लतीफ़—(अ) पवित्र, मृदुल, सूक्ष्म, उत्तम, कोमल, स्वादु, स्वादिष्ट, ज़ायकेदार, बढ़िया मजेदार
लतीफ़ा—(अ) चुटकुला, छोटी किन्तु चोजभरी कहानी या बात
लतीफ़ागो—(मि) लतीफ़ा या चुटकुला सुनाने वाला
लत्ता—(अ) कपड़ा, कपड़े का टुकड़ा
लन्तरानी—(अ) बहुतबढ़ बढ़ कर बातें मारना, अनाप शनाप बकना, डींग, शेखी, आत्मश्लाघा
लफ़ंगा—(फ़) बदमाश, लुच्चा, दुश्चरित्र, लफ़ंगा
लफ़ीफ़—(अ) मिश्र, लपेटी हुई वस्तु
लफ़्ज़—(अ) शब्द
लफ़्ज़ ब लफ़्ज़—शब्दशः, एक भी शब्द छोड़े बिना
लफ़्ज़ी—(अ) केवल शब्द से सम्बन्ध रखनेवाला, शाब्दिक
लफ्फ—(अ) लोटना
लफ्फ़ाज़—(अ) बढ़कर बातें मारने वाला, बहुत बातें मारने वाला
लफ्फ़ाज़ी—बहुत बढ़कर बातें मारना, डींग हांकना, बकवाद करना
लब—(फ़) ओष्ठ, होंठ, लार, लाला थूक, किनारा, तट, पार्श्व, पास
लबक़—(अ) बुद्धिमत्ता, चातुर्य, योग्यता
लबबन्द—(फ) जोकुछ कह न सके, जिसके ओठ बन्द हों
लबरेज़—(फ़) मुंह तक भरा हुआ, लबालब, मुंहा मुंह, छलकता

हुआ, भरपूर

लब व लहजा—(फ) बोलने का प्रकार, बात चीत करने का ढग

लबादा—(फ) ढीला-ढाला और मोटा पहनने का कपड़ा जो बरसात से बचने के लिए सब कपड़ों के उपर पहन लिया जाता है

लबालब—(फ) मुँह तक भरा हुआ, किनारे तक भरा हुआ

लबूस—(फ़) पोशाक, कपडे (पहनने के)

लबेगोर—(फ) मरणासन्न, मृत्यु के समीप पहुँचा हुआ, कब्र के नज़दीक़ पहुँचा हुआ, जिसके मरने में अधिक देर न हो

लबे दरिया—(फ) नदी तट, नदी का किनारा

लबेशीरीं—(फ) मधुर होठ

लमहा—(अ) क्षण, पल, निमेष, बहुत थोड़ा समय

लम्स—(अ) छोटा, कामना, विषय

लरजना—(फ़) काँपना, थरथराना

लरज़ाँ—(फ) काँपता हुआ

लरज़ा—(फ) काँपने की क्रिया, काँपना, थरथराना, कम्पन, कम्प भूचाल, भूकम्प, भूडोल

लरज़िश—(फ़) देखो "लरज़ा"

लवाज़िम—(अ) साथ में रहने वाली आवश्यक सामग्री "लाज़िम" का बहुवचन

लवाहक़—(अ) साथ रहने वाले लोग, साथ रहनेवाला सामान, सम्बन्धी, रिश्तेदार, भाईबन्धु.

लश्कर—(फ) सेना, फ़ौज

लश्कर कश—(फ़) सेनापति

लश्कर कशी—(फ) चढाई, आक्रमण, हमला, धावा, सेना एकत्र करना, सैन्य-संग्रह, फौज के ठहरने या रहने की जगह, सेना का पड़ाव

लश्कर गाह—(फ) लश्कर के ठहरने या रहने की जगह, छावनी

लश्करी—(फ) सैनिक, सिपाही, योद्धा, लश्कर से सम्बन्ध रखने वाला

लश्करी बोली—वह बोली जिसम विभिन्न बोलियों के शब्द मिले हों, उर्दू ज़बान, खिचड़ी भाषा, जहाज़ के मल्लाहियों की बोली

लसानियत—(अ) भाषा शास्त्र

लस्सान—(अ) ललित भाषी, वाक्पटु, अच्छा वक्ता

लस्सानियत—(अ) वाक्पटुता, वाणी का लालित्य

लहजा—(अ) ध्वनि, आवाज़, स्वर, बोलने म स्वर का उतार चढ़ाव, बोलने का ढंग

लहज़ा—(अ) निमेष, क्षण, पल, बहुत थोड़ा समय, कन आँखियों से देखना, बहुत थोड़ी देर देखना

लहद—(अ) क़ब्र, गार, शव गाड़ने का गढ़ा

लहन—(अ) गाना, मधुर स्वर, स्वर, आवाज़

लहफ—(अ) खेद, शोक, पश्चात्ताप

लहब—(अ) आग की लपट, या चिनगारी प्यासा तृषार्त

लहम—(अ) मांस, गोश्त

लहमा—(अ) मांस का टुकड़ा

लहिया—(अ) दाढ़ी

लहीम—(अ) मांसल, मोटा, स्थूल

ला—(अ) नहीं, बिना, अभाव, प्राय शब्दों के आदि में आता है जैसे—लाइलाज आदि

लाइम—(अ) निन्दा करने वाला

लाइमौत—(अ) अविनाशी, अमर

लाइलाज—(अ) जिसका कोई इलाज या उपाय न हो, जिसका कुछ प्रतिकार न हो सके

लाइल्म—(अ) जिसे ज्ञान या जान कारी न हो, अज्ञ, अनजान

लाइल्मी—(अ) अनजान पन, अज्ञ ता, अज्ञान

लामज़हबी—(अ) जो किसी मत या धर्म को न माने

लाक—(फ) लकड़ी का प्याला

लाकपुश्त—(फ) कछुआ, कच्छप

लाकलाम—(अ) निस्सन्देह, निर्वि वाद, ठीक, निश्चित, ध्रुव, जिसमें कुछ कहने-सुनने की गुंजाइश बाक़ी न रही हो

लाख—(फ) स्थान, जगह, (प्राय यौगिकों के अन्त में, जैसे—'देव लाख' आदि)

लाखन्दाँ—(फ) प्रेम पात्र या प्रेमिका के दोनों ओट

लाखिराज—(अ) जिसपर कर न लगता हो, लगान या माल गुज़ारी से मुक्त, कर रहित भूमि,

माफ़ी ज़मीन

लाग़र—(फ) दुबला-पतला, क्षीण काय, कृश

लाग़री—(फ़) कृशता, क्षीणता, दुबलापन

लाचार—(अ) विवश, निरुपाय, असमर्थ, असहाय, दीन, दुखी, जिसका कुछ चारा या वश न चले

लाचारी—(अ) विवशता, असमर्थता, दीनावस्था, बेबसी

लाज़बान—(मि) जो कुछ बोल न सके, मूक

लाजवर्द—(अ) नीले रग का एक बहुमूल्य पत्थर, नीलम, राजवर्तक, नीला रग, शोक के कपडे

लाजवर्दी—(फ) लाजवर्द का सा, आसमानी, नीला

लाजवर्दी नक़ाब—(अ) मातम या शोक के कपडे

लाजवर्दी बिसात—(अ) आकाश, आसमान

लाजवाब—(अ) अनुपम, बेजोड़, अद्भुत, निरुत्तर, जिसका जवाब न हो, उत्तर न देसके

लाज़वाल—(अ) जिसका ज़वाल अर्थात नाश या ह्रास न हो, अविनाशी, शाश्वत, सदा एकसा रहने वाला

लाज़वाली—(अ) अविनाशी, शाश्वत

लाज़िम—(अ) ज़रूरी अनिवार्य

लाज़िमा—(अ) साथ में आवश्यक सामान

लाज़िमी—(अ) आवश्यक, अनिवार्य, ज़रूरी

ला ताइल—(अ) निरर्थक, निष्फल, बेकार

ला तादाद—(अ) अनगिनत, असंख्य, बेशुमार, जिनकी तादाद या गणना न होसके

ला दवा—(अ) जिसकी कोई दवा न हो, असाध्य (रोग)

ला दावा—(अ) जिसका कुछ दावा न रहा हो, जिसने किसी चीज़ पर से अपना स्वत्व या अधिकार हटा लिया हो, वह पत्र या लेख जिसके द्वारा किसी चीज पर से अपना दावा हटा लिया जाय

लानत—(अ) धिक्कार, फटकार.

लाफ—(फ़) शेखी बघारना, डींग

हांकना, बढ बढ़कर बातें मारना

लाफज़नी–(फ) शेखी मारना, आत्म श्लाघा

लाफ व गिज़ाफ—(फ) गाली गलौज, दुर्वचन, दुर्वाक्य, अपशब्द

लाबद—(अ) अनिवार्य, आवश्यक, ज़रूरी

लाबद्दी—(अ) देखो "लाबद"

लाबा—(फ) गुल्ली डंडा का खेल

लाबुद- (अ) अनिवार्य, ज़रूरी, आवश्यक, निश्चित

लाबुदी—(अ) आवश्यकता, निश्चय, ज़रूरत

लाम—(फ़) ज़ुल्फ, अल्क, एक प्रकार की फकीरों की टोपी, उर्दू वर्णमाला का एक अक्षर, देह

लामकाफ़—(फ़) गाली-गलौज, तू तू, दुर्वाक्य

लामज़हब—(अ) जो किसी धर्म को न मानता हो

ला मानी—(फ) व्यर्थ, निरर्थक, निष्फल

ला मुहाल—(अ) विवश, अनिवार्य, निरुपाय, अवश्य

लायक़—(अ) योग्य, पात्र, उपयुक्त, क़ाबिल

लायक़मन्द—(अ) योग्य, क़ाबिल, अच्छे गुणोंवाला

लायज़ाल—(अ) शाश्वत, अविनश्वर, स्थायी

लायमौत—(अ) मृत्युञ्जय, अमर, जो कभी न मरे

ला रेब—(अ) निस्स देह, बेशक

लाल—(फ) एक रत्न विशेष, लाल रंग का बहुमूल्य और चमकदार पत्थर, माणिक, लाल रंग, एक छोटी चिड़िया जो बहुत मधुर बोलती है

लालज़ार—(फ़) अरुण, प्रात कालीन प्रकाश

लाल बेग—(फ़) भंगियों के एक पीर का नाम

लालबेगिया—(फ़) लालबेग का अनुयायी

लाला—(फ़) पोस्त का फूल, एक प्रकार का लाल रंग का प्रसिद्ध फूल, गुल लाला, सेवक, दास, धर्मपरायण, प्रकाशित

लाला फ़ाम—(फ़) रक्तवर्ण, लाल

रंग का

लाला रुख—(फ) जिसका चेहरा लाल फूल के समान हो

लाले—(मि) अभिलाषा, लालच

लाबाली—(अ) उपेक्षा, लापरवाही, अविचार

लाव लश्कर-(फ) सेना और उसका सामान

लावल्द—(अ) जिसके कोई सन्तान न हो, निपूता, नि सन्तान

लावारिस-(अ) जिसका कोई वारिस यानी उत्तराधिकारी न हो

लावारिसी—(अ) वह धन या जायदाद जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो

लाश-(तु) लोथ, शव, मृत का देह

लाशक—(अ) निस्सन्देह, अवश्य

लाशा—(फ़) देखो "लाश" निर्बल, कमज़ोर, गधा

लासलकी—(अ) बेतार का तार, रेडियो

लासानी—(अ) अनुपम, बेमिसाल

लाहक़—(अ) पीछे पड़नेवाला, सम्बद्ध, मिला हुआ, निभर, आश्रित

लाहल—(अ) जिसका कुछ समाधान न हो, जो गुत्थी सुलझ न सके, जो हल न हो सके

ला हासिल—(अ) जिसमें कुछ लाभ या प्राप्ति न हो, व्यर्थ, निरथक, अनावश्यक

लाहिक़—(अ) रिश्तेदार, सम्बन्धी, आश्रित

लाहौल—(अ) यह "लाहौल वलाक़ वत इल्ला व इलाह" का संक्षिप्त रूप है, ईश्वर के सिवा कोई शक्तिशाली नहीं है, (इसका उपयोग किसी के प्रति घृणा अथवा तिरस्कार प्रकट करने के लिए किया जाता है, भूत प्रेतादि दुष्ट आत्माओं को भगाने के लिए भी इसका प्रयोग करते हैं), शक्ति हीन, निबल

लिफ़ाफ़ा—(अ) कागज की वह थैली जिसमें पत्र रख कर भेजते हैं, खोल, आवरण, कफन, ऊपरी दिखावट, वाह्याडम्बर, ऐसी चीज़ जो बहुत जल्दी खराब हो जाय

लिफ़ाफ़िया—(अ) केवल ऊपरी आडम्बर रखनेवाला, दिखावटी

तड़क भड़क वाला

लिबास—(अ) पहनने के कपड़े, पोशाक, वेश भूषा

लिबासात—(फ़) चापलूस, खुशामदी, "लिबास" का बहुवचन

लिबासी—(अ) नक़ली, बनावटी, वास्तविक रूप छिपाने के लिए जिस पर कोई आवरण डाला गया हो

लियाक़त—(अ) योग्यता, क़ाबिलीयत, विज्ञता, जानकारी, किसी काम के लायक़ होने का भाव, किसी बात का अच्छा ज्ञान

लिल्लाह—(अ) ईश्वर के लिए, खुदा या अल्लाह के नाम पर

लिसान—(अ) साहित्य, कोष, भाषा वाणी, बोली, ज़ुबान, जीभ, जिह्वा

लिसान उल ग़ैब—(अ) अज्ञात वाणी, आकाशवाणी

लिहाज़—(अ) विचार, ध्यान, ख़याल, दयाभाव, कृपा दृष्टि, संकोच, शील-मुरव्वत, मुलाहज़ा, पक्षपात, सम्मान या मर्यादा का विचार, लाज, शील

लिहाज़ा—(अ) अतएव अतः, एतदर्थ, इस कारण से

लिहाफ़—(अ) ओढ़ने का जिसमें रुई भरी हो,

लीमू—(अ) नीबू

लुंगी—(फ़) तहमद, लंगो

लुआब—(अ) हर चीज़ जिसमें गाढ़ापन और लस, थूक, लार

लुआबदार—(मि) जिसमें चिपकाहट हो, चिपकद चिपचा, लसदार

लुकनत—(अ) हकलाना, कर बोलना, हकलापन

लुक़्मा—(अ) ग्रास, गस्सा कवल

लुक़मान—(अ) एक प्रसिद्ध और दार्शनिक, एक हकीम

लुग़त—(अ) शब्द, भाषा, व जिसका अर्थ प्रसिद्ध शब्दकोश, अभिधान

लुग़ात—(अ) लुग़त का बहु बहुत से शब्द, शब्दों और

अर्थों का संग्रह, कोश, अभिधान
लुग़ज़—(अ) पहेली, समस्या
लुग़वी—(अ) लुग़ात अर्थात् शब्द से सम्बन्ध रखनेवाला, शब्द सम्बन्धी, शाब्दिक, शब्द से प्रकट होने वाला (अर्थ आदि)
लुग़वीमानी—(अ) शब्दार्थ
लुच्च—(फ) दुष्ट, दुश्चरित्र
लुच्चन—(फ) दुष्टा, दुश्चरित्रा, बाज़ारू औरत
लुच्चा—(फ) देखो "लुच्च"
लुत्फ़—(अ) आनन्द, स्वाद, मज़ा, ज़ायक़ा, रोचकता, उत्तमता, विशेषता, खूबी, मृदुता, दयालुता, कृपा, दया, सूक्ष्मदर्शिता
लुत्फ़ी—(अ) दत्तक, गोद लिया हुआ
लुब—(अ) सार, साराश, मींगगिरी, आत्मा, तत्व
लुबाब—(अ) सार वस्तु, तत्वभाग, साराश, तात्पर्य
लुबूब—(अ) "लुब" का बहु वचन, एक प्रकार का माजून या अवलेह
लुब्बे लुबाब—(अ) सार, सारांश, तत्व, भाव
लुर—(फ) मूर्ख, बेवकूफ
लूत—(अ) दुर्व्यसन, अप्राकृतिक व्यभिचार, गुदा-मैथुन, इग़लाम
लूती—(अ) अस्वाभाविक रूप से मैथुन करने वाला, इग़लामबाज़
लूट—(फ) निर्लज्ज, बेहया, बेशर्म
लूलू—(अ) बड़ा और चमकदार मोती, मूर्ख, बेवकूफ़, पागल, बच्चों को डराने के लिए एक कल्पित जीव का नाम, हौआ, जूजू
लेकिन—(फ) परन्तु, पर
लेज़म—(फ) एक प्रकार की कमान जिसमें रोदा की जगह लोहे की ज़ंजीर और बजने वाली झांझें लगी होती हैं, यह व्यायाम करने के काम आती है
लैतोलाल—(अ) टालटूल, बहाना करने वाला, शिथिल, ढिलड़पन, आजकल करना
लैतोलाली—(अ) टालटूल शिथिलता, ढिलड़पन, बहाना, आजकल करना
लैमून—(अ) नीबू, लीमू
लैला—(अ) रात (फ) मजनू की

प्रेमिका, क़ैस की प्रेयसी का नाम

लैलो निहार—(अ) रात दिन

लोबान—(अ) एक प्रकार का गोंद जिसको आग पर जलाने से सुगंध आती है, गूगल, यह दवा के काम भी आता है

लोबिया—(फ़) रमास, एक प्रकार की फली जिसका शाक बनाते हैं

लौज—(अ) बादाम, एक प्रकार की मिठाई

लौज़ियात—(अ) बादाम का हलुआ

लौन—(अ) रंग, वर्ण, लावण्य, सौंदर्य

लौस—(फ़) स्पृहा, चाहना, खुशामद, मिलावट, मेल, सम्बन्ध, सम्पर्क

लौह—(अ) तख्ता, लकड़ी की तख़्ती जो लिखने के काम आती है, पत्थर की पटिया अथवा स्लेट, पुस्तक का मुखपृष्ठ, बिजली, नक्षत्र, सितारा

व

वइल्ला—(अ) वरना, नहीं तो

वईद—(अ) धमकी, बुरा भला कहना, झिड़की

वक़अत—(अ) प्रतिष्ठा, मान, शान, विश्वास, महत्त्व, मूल्य, उच्चता, ऊंचाई, बल, शक्ति

वक़फ़ा—(अ) थोड़ी देर ठहर जाना

वक़फ़ियत—(अ) जानकारी, जान पहचान, ज्ञान, परिचय

वक़ार—(अ) वैभव, ठाटबाट, महत्त्व, बड़प्पन, उत्तम स्वभाव, भार, बोझ

वकल—(अ) किसी से अपना काम कराना

वक़ाया—(अ) "वक़ीया" का बहु वचन, घटनाएँ या उनके समाचार

वक़ाया निगार—(मि) संवाददाता, समाचार लिखने या भेजनेवाला

वक़ार—(अ) देखो "वक़र" स्थिर-चित्तता, विचारों की स्थिरता

वकालत—(अ) वकील का काम, दूसरे का प्रतिनिधि बनकर उसके अनुकूल बातचीत करना, अभियोग में किसी पक्ष की ओर से वाद विवाद करना

वकालतन्—(अ) वकील द्वारा, वकील के मारफ़त, असालतन् के विरुद्ध

वकालतनामा—(मि) वह अधिकार पत्र जिसके द्वारा कोई अपने अभियोग की कार्यवाही का भार वकील को सौंपता है

वकाहत—(अ) उद्ण्डता, निर्लज्जता

वक़ीअ—(अ) उच्च, ऊँचा

वकील—(अ) दूसरे का पक्ष समथन करने वाला, अदालत में वादी अथवा प्रतिवादी की ओर से अभियोग की पुष्टि करने वाला, जिसने वकालत की परीक्षा पास की हो, राजदूत, एलची, प्रतिनिधि, दूत

वकीलार—(अ) नवीन गृह प्रवेश का प्रीतिभोज, नया मकान बनाने या उसमें रहने की दावत

वक़अ—(अ) घटित होना, प्रकट होना, घटना, दुघटना, पक्षी का नीचे उतरना

वक़आ—(अ) घटित होना, वाक़ा होना, घटना, वाक़ा

वकूफ—(अ) ज्ञान, जानकारी, समझ बुद्धि, शऊर, सावधानी

वकूल—(अ) जो अपना काम वकील द्वारा करावे, मवक्किल

वक्त—(अ) समय, अवसर, अवकाश, फुरसत

वक्तन् फ़वक्तन्—(अ) यदा-कदा, जबतब, कभी कभी, समय-समय पर, बीच बीच में

वक़्फ़—(अ) दान, समर्पण, धर्मार्थ, दान की हुई सम्पत्ति, किसी के वास्ते कोई चीज़ छोड़ देना, परिचय प्राप्त करना, सावधान होना

वक़्फ़ नामा—(मि) दान पत्र, वह पत्र जिसमें किसी सम्पत्ति के दान करने की प्रतिज्ञा और शर्तें लिखी हों

वक़्फ़ा—(अ) स्थिरता, स्थायित्व, ठहराव, थोड़ी देर ठहरना, "वक़्फ़ा"

वक़्फ़ी—(अ) वक्फ़ किया हुआ, दान किया हुआ

वखवख—(अ) वाह वाह, क्या खूब, बहुत अच्छा

वग़द—(अ) निकृष्ट, अधम, अयोग्य

वगर—(फ़) अगर, और, यदि

वगरना—(फ) अन्यथा, नहीं तो, वरना

वग़ा—(अ) उपद्रव, लड़ाई, युद्ध, कोलाहल

वग़ैरह—(अ) आदि-आदि, इत्यादि

वजअ—(अ) दुःख, दर्द

वज़अ—(अ) रचना, क्रमबद्ध करना, बनाना

वज़न—(अ) भार, बोझ, तौल, तौलने का बाट, गौरव, मान मर्यादा, वृत्त [कविता में]

वज़नदार—(फ़) भारी, बोझिल, महत्त्वपूर्ण

वज़नी—(फ़) बोझदार, भारी

वजह—(अ) कारण, हेतु, ढंग, सूरत, आमद अथवा आय का साधन

वजह तसमिया—(अ) नाम रखने का कारण

वजा—(अ) भय, डर, पीड़ा, दर्द, टीस

वज़ा—(अ) बनावट, रचना, ढंग, प्रकार, दशा, अवस्था, सजधज, प्रणाली, रीति, मुद्रा, क्रम, निनहा, गिराना, प्रसव

वज़ाअत—(अ) अधमता, नीचता

वज़ादार—(मि) अच्छी बनावट वाला, खूब सजधज का, सिद्धान्तों या प्रतिज्ञाओं का पालन करने वाला

वज़ादारी—(मि०) सजधज, सुन्दर बनावट, प्रतिज्ञा का पालन करना

वज़ायफ़—(अ) "वज़ीफ़ा" का बहु वचन

वज़ारत—(अ) वज़ीर [मन्त्री] का पद या काम, मन्त्रित्व, वज़ीर का कार्यालय

वजाहत—(अ) सुन्दरता, तेजस्विता, प्रकाश, चेहरे का आकर्षण या प्रभाव

वज़ाहत—(फ़) विस्तार, फैलाव, सुन्दरता, स्पष्टता

वजिर—(अ) डरनेवाला, भीरु, डरपोक

वज़ीअ—(अ) कमीना, नीच, अयोग्य, अधम

वज़ीफ़ा—(अ) छात्रवृत्ति, वह आर्थिक सहायता जो विद्वानों, विद्यार्थियों या त्यागियों को दी जाय, मुसलमानों का जप या स्तोत्र-पाठ

वजीमा—(अ) मृत्यु की दावत

वज़ीर—(अ) मन्त्री, सचिव, अमात्य, जो बोझ उठाने में सहायक हो, शतरंज का एक मोहरा

वज़ीरी—(अ) देखो "वज़ारत", घोड़ों की एक जाति

वज़ीरे आज़म—(अ) प्रधान मन्त्री, मुख्यामात्य

वजीह—(अ) सुन्दर, तेजस्वी

वजू—(अ) नमाज पढ़ने के पूर्व पाक होने के लिए हाथ-पांव और मुँह धोना

वजूद—(अ) अस्तित्व, सत्ता, मौजूदगी, प्रकट होना, सामने आना, कार्य सिद्धि, सफल मनोरथता, ठहराव, शरीर, देह

वजूह—(अ) "वजह" का बहुवचन, बहुत-से कारण

वजूहात—(अ) "वजह" का बहुवचन

वज्द—(अ) भावावेश, तल्लीनता, वह तन्मयता जो अध्यात्म या भक्ति सम्बन्धी उपदेश सुनकर उत्पन्न होती है, आपे को भूल जाना, बेख़ुदी, दुखित और चिंतित होने की अवस्था

वतन—(अ) जन्म भूमि, रहने की जगह

वतनी—(अ) अपने वतन का रहने वाला, अपनी जन्म भूमि का निवासी, देश भाई, अपने देश का, स्वदेशी

वतर—(अ) कमान का चिल्ला, बाजे के तार

वतीरा—(अ) तौर-तरीक़ा, रंगढंग

वदीयत—(अ) अमानत, धरोहर

वन—(अ) चिरोंजी नामक मेवा, तुल्य, समान

वन्द—(फ़) वाला, स्वामी (यौगिकों के अन्त में जैसे—खुदावन्द)

वफ़्द—(अ) प्रतिनिधि-मण्डल, शिष्ट मण्डल

वफ़ा—(अ) प्रतिज्ञा-पालन, वचन पूराकरना, मित्रता निभाना, वादा पूरा करना, बात निभाना, मुरव्वत पूरीकरना, पूर्णता, निबाह, सुशीलता

वफ़ात—(अ) मृत्यु, मौत, मरण

वफ़ादत—प्रतिनिधि बनकर बादशाह

पुत्र, वैध सन्तान
वल्दियत—(अ) जनक या पिता का परिचय, बाप का नाम
वल्लाह—(अ) परमात्मा की सौगन्द
वल्लाह आलम—(अ) परमात्मा सर्वान्तर्यामी है, ईश्वर जानता है, ईश्वर जाने मैं नहीं जानता
वल्लाह बिल्लाह—(अ) देखो 'वल्लाह'
वश—(फ) समान, तुल्य, (प्राय शब्दों के अन्त में प्रयुक्त होता है, जैसे "परीवश")
वसअ—(अ) विस्तार, चौड़ाई, व्यापकता, फैलाव, प्रसार, शक्ति, सामर्थ्य गुंजाइश, सेमपर, रकबा
वसअत—(अ) देखो "वसत"
वसला—(अ) काग़ज़ या कपड़े का टुकड़ा
वसली—(अ) दुहरा या मोटा काग़ज़ जिसपर सुन्दर अक्षर लिखने का अभ्यास किया जाय, इससे किताबों की जिल्द बनाने के काम आता है
वसवसा—(अ) शक, सन्देह, आगा-पीछा, डर, आनाकानी, आगा पीछा
वसवास—(अ) देखो "वसवसा"
वसवासी—(अ) भ्रमात्मा, शक्की, बात बात में सन्देह करनेवाला, बहुत आगा पीछा सोचनेवाला
वसाइल—(अ) वसीला (साधन) का बहुवचन
वसातत—(अ) सम्बन्धित होना, सम्पर्क पड़ना, मध्यस्थता, वसीला
वसामत—(अ) विशेषता, सुन्दरता
वसायल—(अ) देखो "वसायल".
वसिख—(अ) मलिन, गन्दा, मैला
वसी—(अ) वह जिसके नाम से कोई वसीअत की गई हो
वसीअ—(अ) विस्तृत, लम्बा चौड़ा, प्रशस्त
वसीअत—(अ) वह लेख जिसमें कोई व्यक्ति यह लिखजाता है कि मेरे मरने के बाद मेरी सम्पत्ति का विभाजन या व्यवस्था इस इस प्रकार हो
वसीअतनामा—(फ़ि) वह पत्र जिसमें वसीअत का ब्योरा लिखा गया हो, इच्छा पत्र
वसीक—(अ) दृढ़, पक्का

वसीक़ा—(अ) दस्तावेज़, वह धन जो इस प्रयोजन से सरकारी खज़ाने में जमा किया जाय कि उसके व्याज से जमा करने वाले के सम्बन्धियों को सहायता मिला करे उक्त प्रकार जमा किये धन का व्याज, उक्त व्याज में से दी जाने वाली सहायता

वसीक़ादार—(मि) जिसे वसीक़ा मिलता हो

वसीम—(अ) सुन्दर, मनोरम

वसीयत—(अ) देखो "वसीअत"

वसीयतनामा—(मि) देखो 'वसीअत नामा'

वसीला—(अ) साधन, ज़रिआ, द्वार, सम्बन्ध, आश्रय, सहाय्य

वसूक़—(अ) दृढ़ता, पक्कापन, विश्वास, भरोसा, ऐतबार, अध्यवसाय

वसूल—(अ) प्राप्त हुआ, प्राप्त, जो मिल गया हो, प्राप्ति, पहुँचना

वसूलबाक़ी—(अ) जो प्राप्त हो चुका और जो प्राप्त होने को शेष रहा कुल धन, प्राप्त और प्राप्य धन

वसूली—(अ) प्राप्ति, वसूल होना या प्राप्त होना, वसूल होने की क्रिया, वह धन जो वसूल होने को शेष हो, उगाही

वसोसा—(अ) वहम, सन्देह, बुराई, बुरी बात जो दिल में बैठ गई हो

वस्क़—(अ) दृढ विश्वास, शक्ति, ताकत

वस्त—(अ) मध्य, बीच का भाग, बीच

वस्ती—(अ) बीच वाला, मध्य वाला

वस्फ़—(अ) गुण, विशेषता, खूबी, प्रशंसा

वस्फ़ी—(अ) वह व्योरा जिसमें किसी के गुणों का वर्णन किया गया हो, जिसमें गुण बतलाए गए हों

वस्मा—(अ) नील के पत्तों या मेंहदी का खिज़ाब जो प्राय मुसलमान लोग बालों में लगाते हैं, रुपहले या सुनहले रंग से छापा हुआ कपड़ा, उबटन

वस्ल—(अ) मुलाक़ात, सम्मिलन, दो वस्तुओं या व्यक्तियों का मिलना, मिलन, मेल, संयोग, मिलाप, प्रेमिका या प्रेम पात्र से मिलना, मृत्यु

वस्लत—(अ) देखो "वस्ल"
वस्ली—(अ) देखो "वस्ली"
वस्साफ—(अ) बहुत तारीफ करने वाला, अत्यन्त प्रशंसक, किसी के बहुत ज्यादा वस्फ अर्थात् गुण बतलाने वाला
वस्सी—(अ) जिसके लिए वसीअत की गई हो
वह्दत—(अ) एक होने का भाव, एकत्व, अकेला पन, एक, एकाकी अकेला
वह्दत-उल्-वजूद—(अ) दृश्यमान, सम्पूर्ण विश्व का रचयिता एक परमात्मा है समस्त विश्व को परमात्मा-स्वरूप में देखना पर मात्मा का विराट स्वरूप
वह्दान—(अ) "वाहिद (एक)" का बहु वचन
वह्दानियत—(अ) अद्वैतवाद, एके श्वरवाद, एकत्व, अनुपमता,
वह्ब—(अ) उदारता, औदार्य, देना, बख्शना
वह्बी—(अ) दिया हुआ, प्रदत्त, ईश्वर-दत्त
वह्म-(अ) सन्देह, आशंका, मिथ्या धारणा, भ्रम
वह्मा—(अ) प्रसवकाल की पीड़ा
वह्मी—(अ) वहमात्मा, वहम करने वाला, सन्देह करने वाला
वह्शा—(अ) जंगली जानवर
वह्शत—(अ) जंगलीपन, पशुता, भीषणता, भय, डर, पागलपन
वह्शत अंगेज़—(फ़ि) भयानक, विकट, भीषण, डरावना
वह्शतज़दा—(फ़ि) भयभीत, बहुत डरा या घबराया हुआ, जिस पर, वहशत सवार हो, पागल, सिड़ी
वह्शतनाक—(फ़ि) भीषण, भयानक, डरावना, वहशत अंगेज़
वह्शियाना—(अ) वहशियों जैसा, पशुओं या पागलों की तरह
वह्शी—(अ) जंगली, घबराया या डरा हुआ
वहाब—(अ) बहुत देनेवाला, महा दानी, महादाता, बहुत क्षमा करने वाला, परमात्मा, विश्वम्भर
वहाबी—(अ) मुसल्मानों का एक सम्प्रदाय जो अब्दुल वहाब नज्दी ने चलाया था, इस सम्प्रदाय के अनुयायी

वही—(अ) ईश्वरीय सन्देश, खुदा की वह आज्ञा जो उसके किसी पैगम्बर के पास पहुचे

वहीद–(अ) अनुपम, वेजोड़ निराला, अकेला एकाकी

वा—(फ) खुला या फैला हुआ

वाइज—(अ) उपदेशक, शिक्षक, वाज़ करनेवाला, धर्मोपदेश देने वाला, अच्छी बातें बतानेवाला, धर्मोपदेशक

वाइद—(अ) वादा करनेवाला

वाई—(अ) सरक्षक, निरीक्षक, याद रखनेवाला फरियाद करनेवाला

वाकअ—(अ) घटना, वाक़ा, स्थित, खड़ा

वाक़ुआत—(अ) "वाक़अ" का बहुवचन, घटनाएँ

वाकई—(अ) यथार्थ, वस्तुत , सच-मुच, यथाथ में, वास्तव में

वाकफ़ीयत—(अ) जान पहचान, जानकारी, परिचय, ज्ञान

वाक़्या—(अ) घटना, वृत्तान्त, समाचार

वाक़्या नवीस—(मि) सवाददाता, घटनाओं का हाल लिखने वाला

वाका—(अ) देखो "वाक़अ"

वाक़िफ—(अ) जानकार, परिचित, जाननेवाला

वाक़िफ़कार—(मि) अनुभवी, ज्ञान कार, सब बातों की जानकारी रखने वाला

वाक़ियात—(अ) "वाक़या" का बहुवचन

वाख्वास्त—(फ) मांगना, हिसाब लेना

वागुज़ाश्त—(फ) छोड़ना, छुड़ाना, पीछे छोड़ देना

वाज़—(फ़) प्रकट, स्पष्ट, खुला हुआ (अ) धर्मोपदेश, शिक्षा, नसी हत, उपदेश, कथा

वाज़ा—(अ) प्रकट, स्पष्ट, ज्ञात, विदित, व्यौरेवार, विस्तृत, ज़ाहिर, खुला हुआ, बनानेवाला, वज़अ करनेवाला, (जैसे वाज़ा क़ानून = कानून बनानेवाला)

वाजिद—(अ) पानेवाला

वाजिब—(अ) उचित, मुनासिब, ठीक, योग्य, पात्र, जो अपने अस्तित्व के लिए दूसरे पर निर्भर न हो

वाजिब उत्तस्लीम - (अ) तस्लीम करने अर्थात् मानने योग्य

वाजिब-उत्ताज़ीर—(अ) ताज़ीर अर्थात् दण्ड के योग्य

वाजिब-उल-अर्ज़-(अ) अर्ज़ अर्थात् निवेदन करने योग्य

वाजिब-उल् अदा—(अ) वह धन जो अदा करने अर्थात् चुकाने योग्य हो, दातव्य, देय

वाजिब उल् इज़हार—(अ) ज़ाहिर अर्थात् प्रकट करने योग्य, प्रकाश्य

वाजिब-उल्-रहम-(अ) रहम अर्थात् दया करने योग्य, दयनीय

वाजिब उल् वजूद—(अ) अपना अस्तित्व स्वयं रखने योग्य, स्वयम्, अपनी सत्ता के लिए किसी पर निर्भर न रहनेवाला, परमात्मा

वाजिबात-(अ) आवश्यक कार्यक्रम, नैतिक कर्तव्य, वे रक़में जो वसूल होने को शेष हों

वाजिबी—(फ़) उचित, मुनासिब, युक्ति युक्त, ठीक, आवश्यक, ज़रूरी

वाजे—(अ) देखो "वाज़"

वातनिअत—(अ) रहस्यवाद, छाया वाद

वादा—(अ) वचन, प्रतिज्ञा, इक़रार

वादा करना—प्रतिज्ञा करना, वचन देना

वादाखिलाफ़ी—(मि) प्रतिज्ञा के अनुसार कार्य न करना, कथन के विरुद्ध करना

वादी—(अ) पहाड़ की घाटी, पहाड़ के पास की भूमि, तराई, नाली, नीची और दलदाँ ज़मीन, उपत्यका, जंगल, वन, मुक़दमा, मुआमला

वान-(फ़) वाला, (यौ० के अन्त में, जैसे फ़ीलवान आदि) समान, तुल्य

वापस-(फ़) लौटा हुआ, फिरा हुआ

वापसी—(फ) लौटाया हुआ, फेरा हुआ, लौटना, प्रत्यावर्तन, वापस होने से सम्बन्ध रखनेवाला

वापसीन—(फ़) अंतिम, आखरी, (यौगिकों के अंत में, जैसे—दमे वापसीं = अंतिम श्वासें)

वाक़िफ़-(अ) वक़्फ़ देनेवाला, सौंपनेवाला.

वाफ़िर–(अ) अत्यधिक, बहुत ज़्यादा
वाफ़ी—(अ) यथेष्ट, पूरा, सच्चा
वा बस्तगान—(फ) "वाबस्ता" का बहुवचन, सगे-सम्बन्धी, कुटुम्बी, रिश्तेदार, सम्बद्ध, बंधे हुए, लगे हुए
वाबस्ता—(फ) सम्बद्ध, लगा हुआ, बंधा हुआ, सम्बन्धी, रिश्तेदार, कुटुम्बी, सगा
वाम—(फ) ऋण, कर्ज़, उधार
वामाँदगान—(फ) पीछे रहे हुए, बचेहुए, अवशिष्ट
वा माँदगी—(फ़) पीछे रहना, बच जाना, शिथिलता, थकावट
वामाँदा—(फ) अवशिष्ट, शेष रहा हुआ, अवशिष्ट, उच्छिष्ट, थक कर पीछे रहा हुआ
वामिक़—(अ) मित्र, दोस्त, प्रेमी, चाहनेवाला
वाय—(फ़) कष्ट, दुःख, चिंता, दौर्भाग्य
वार—(फ) तुल्य, समान, सदृश, वाला, के अनुसार (ये शब्द प्राय यौगिकों के साथ में होते हैं जैसे—नम्रवार, उम्मेदवार, मजनू वार इत्यादि), ढंग; प्रकार, आक्रमण
वारदात—(अ) घटना, दुर्घटना, दंगा, फ़साद, मारपीट, भयंकर काण्ड
वारफ़्तगी—(फ) भटकना, रास्ता भूलना, पथभ्रष्ट होना, जामे में न रहना, आपे से बाहर होजाना, तल्लीनता
वारफ़्ता—(फ) भटका हुआ, तल्लीन, आपे से बाहर
वारस्तगी—(फ) स्वतन्त्रता, मुक्ति; छुटकारा, निश्चिन्तता, स्वेच्छाचार.
वारस्ता—(फ) स्वतन्त्र, मुक्त, निश्चिन्त, स्वेच्छाचारी
वारस्ता मिजाज़—(फ) स्वतन्त्र विचारों वाला
वारिद—(अ) संदेश वाहक, आनेवाला, आगन्तुक, मेहमान, अतिथि, दूत, पत्रवाहक, बसना रहना
वारिस (अ) उत्तराधिकारी
वारिसी–(अ) उत्तराधिकारित्व, उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति, तरका

वाला—(फ) महान्, उच्च, प्रतिष्ठित, महानुभाव, बुज़ुर्ग, रेशमी वस्त्र
वाला क़द्र—(फ) माननीय, आदरणीय, उच्च पदासीन
वालाजाह—(फ़) प्रतिष्ठित, उच्च पदारूढ़
वालिद—(अ) बाप, पिता, जनक
वालिदा—(अ) मा, माता, जननी
वालिदे माजिद—(अ) पूज्य पिताजी
वालिदैन—(अ) माता पिता, मां बाप
वाली—(अ) मित्र, सहायक, मददगार, शासक, स्वामी, राजा, बादशाह, संरक्षक
वाली वारिस—(अ) रक्षक और सहायक
वा वैला—(अ) विलाप पुकार, रोना धोना, विलाप, दुहाई, हल्ला-गुल्ला, शोरगुल
वाशुद—(फ़) प्रफुल्लता, प्रसन्नता
वासा—(अ) फैलनेवाला, व्यापक, विस्तृत होने वाला, परमात्मा का विराट् रूप
वासिक़—(अ) पक्का, दृढ़
वासित—(अ) मध्य भाग, मध्यस्थ, बिचौलिया
वासिफ़—(अ) प्रशंसक, तारीफ़ करनेवाला
वासिल—(अ) मिलनेवाला, मुलाक़ात करनेवाला, प्राप्तव्य, वसूल होने वाला, पहुँचा हुआ, मिला हुआ, संयोगी
वासिलबाक़ी—(अ) प्राप्त और प्राप्तव्य, वसूल हुआ और वसूल होने को शेष रहा धन
वासिल बाक़ी नवीस—(मि) वह कर्मचारी जो प्राप्त हुए और प्राप्तव्य लगान मालगुज़ारी आदि का लेखा रखता है वसूल और बाकी का हिसाब रखने वाला
वासोख्त—(फ़) ईर्ष्या करना, जलना, गुस्सा, जलाल, रोष, वह कविता जो प्रेमिका अथवा प्रेम-पात्र की ज्यादतियों आदि व्यवहारों से अप्रसन्न होकर उसकी निन्दा में लिखी जाय
वासोख्ता—(फ़) देखो "वासोख्त"
वासोख्तगी—(फ़) मनस्ताप, दिल की जलन, दिल जले की आह, मन की कुढ़न

वासोज़—(फ) जलन, कुढ़न, ज्वाला, आवेश

वास्ता—(अ) सम्बन्ध, सरोकार, मित्रता, दोस्ती, लगाव, ताल्लुक, सम्भोग

वास्ते—(अ) निमित्त, लिए, हेतु, सबब, कारण

वाह्–(फ) खूब, उत्तम, बहुत अच्छा धन्य आश्चर्य, प्रशंसा और घृणा, तीनों भावों के व्यक्त करने में इसका प्रयोग होता है

वाहिद—(अ) एक, अकेला, एकाकी (परमात्मा से प्रयोजन है) बख्शने वाला, क्षमा करने वाला

वाहिद शाहिद–(अ) ईश्वर साक्षी है

वाहिब—(अ) उदार, दाता, दानी

वाहिमा—(अ) विचार शक्ति, कल्पना शक्ति, वह शक्ति जिस से सूक्ष्म बातों का ज्ञान होता है

वाहियात—(अ) बुरा, बेढंगा, व्यर्थ, निरर्थक, बेकार

वाही—(अ) बेकार, सुस्त, निकम्मा, निरुद्यम, मूर्ख, आवारा

वाही-तबाही–(अ) आवारा, निरर्थक, बेहूदा, अंड-बंड, ऊट-पटांग, गाली-गलौज

विक़ार—(अ) देखो " वक़ार " महान, बड़ा, सुख चैन

विज़र—(अ) भारी बोझ, उत्तरदायित्व वह बोझ जिसे कमर पर उठाया जाय, पुश्तारा

विज़ारत—(अ) देखो "वज़ारत"

विदा—(अ) रुखसत, प्रस्थान, चल देना, रवाना होना, कहीं से चलने की अनुमति

विदाई—(अ) विदा सम्बन्धी रस्म या क्रिया, विदा

विरद—(अ) गुलाब का फूल, पनघट, नित्य का काम, दैनिक कृत्य, कुरान आदि का पाठ, सन्ध्या, स्वाध्याय आदि

विरसा–(अ) "वारिस" का बहुवचन, उत्तराधिकारी लोग

विरासत—(अ) देखो "वरासत" उत्तराधिकार

विर्दी—(अ) देखो "विरद"

विला—(अ) स्वतन्त्र, मित्र, बिना

विलादत—(अ) देखो "विलादत" बच्चाजनना

विलायत—(अ) देश, मुल्क, पराया-

देश, दूसरा देश, दूर का देश, शासन, शासक, मित्र

विलायती—(अ) विलायतका, दूसरे देश का, विदेशी

विसत—(अ) मझोला, बीच का, न बहुत बड़ा न ठिगना, न बहुत मोटा न पतला मध्यम

विसवास—(अ) वहम, संदेह, बुरी-बात जो दिल में बैठजाय, देखो "विसवास".

विसाल—(अ) मिलना, मुलाक़ात, सम्मिलन, संयोग, प्रेमी प्रमिका का मिलना, मृत्यु

वीरान—(फ़) उजड़ा हुआ, उजाड़, निर्जन, बीहड़, बस्ती का उलटा, श्रीहीन

वीराना—(फ़) उजाड़, जंगल, जहाँ बस्ती न हो

वीरानी—(फ़) उजाड़पन, बीहड़पन

वुकला-(अ) "वकील" का बहुवचन

वुज़रा-(अ) "वज़ीर" का बहुवचन

वुज़ू—(अ) देखो "वुज़ू"

वुजूद—(अ) देखो "वजूद"

वुरूद—(अ) देखो "दरूद"

वुसूल—(अ) देखो "वसूल"

श

शअबान—(अ) अरबी वर्ष का आठवाँ चान्द्रमास

शआर—(अ) आदत, अभ्यास, तौर तरीक़, रंग-ढंग

शअरी-(अ) एक दैदीप्यमान नक्षत्र

शऊर—(अ) ज्ञान, योग्यता, जान कारी, काम करने का ढंग, बुद्धि, शिष्टाचार

शऊरदार—(मि) शऊरवाला, जिसे शऊर हो

शक—(अ) सन्देह, संशय, शंका

शकर—(फ) खांड, चीनी, बूरा

शकर कन्द—(मि) एक प्रसिद्ध कन्द

शकर खोर—(फ़) सदा अच्छी चीजें खानेवाला, मिष्ठ भोजी, एक पक्षी विशेष

शकरखोरा-(फ़) देखो "शकरखोर"

शकरतरी-(फ) चीनी, शक्कर, खांड,

शकर पा—(फ) टगडा

शकर पारा- फ इस नाम से प्रसिद्ध एक पकवान या मिठाई, एक फल विशेष जो नींबू से कुछ बड़ा होता है

शकर रंजी—(फ़) मनोमालिन्य, अनबन, मित्रों में हल्की बात

मन-मुटाव, शकर रंगी

शकरलब—(फ) मधुरभाषी, प्रिय अथवा मिष्ट भाषण करने वाला, मिठ बोला

शकराना—(फ) चीनी मिला हुआ भात

शकरी—(फ) फाल्से की जात का फल विशेष

शकल—(अ) मुख की बनावट, मुख, चेहरा, रूप, आकृति, मुखाकृति, भाव, चेष्टा, ढाँचा, आकार, गढ़त, बनावट, उपाय, तरकीब, ढंग, ढब, रास्ता

शक़ा—(अ) अभागा, मन्दभाग्य, बदकिस्मत

शक़ाक—(अ) वैर, विरोध

शक़ावत—(अ) दुर्भाग्य, मन्दभाग्य, बदकिस्मत

शकिस्ता—(फ) टूटा फूटा, जीर्ण शीर्ण, पुराना

शकिस्ता नाखुन—(फ) असमर्थ, निर्बल

शकिस्ता रंग—(फ) म्लान, मुरझाया हुआ, उदास

शक़ीक़—(अ) आधा, तिहाई

शक़ीक़ा—(फ) कनपटी, आधा सीसी का दर्द

शकील—(अ) रूपवान, सुन्दर

शकीला—रूपवती, सुन्दरी

शकूक—(अ) शक (सन्देह) का बहुवचन

शकोह—(फ) आतंक, दबदबा, रौबदाब, महत्त्व

शक़्क़—(अ) बीच से फटा हुआ

शक्कर—(फ) देखो "शकर"

शक्काल—(अ) बहुरूपिया, भाँति-भाँति के रूप बनाने वाला

शक्की—(अ) शक या सन्देह करने वाला, संशयालु

शक्ल—(अ) देखो "शकल"

शख़—(फ) कड़ा, कठोर, कड़ी ज़मीन, पहाड़, शाख

शख़्स—(अ) शरीर, व्यक्ति, मानव देह, बदन

शख़्सियत—(अ) व्यक्तित्व

शख़्सी—(अ) वैयक्तिक, व्यक्तिगत, व्यक्ति सम्बन्धी

शग़ल—(अ) काम धन्धा, व्यापार, व्यवसाय, मनोविनोद, मन-बहलाव

शग़ाल—(अ) शृगाल, गीदड़, सियार

शगुन—(मि) शकुन, किसी काम के प्रारम्भ करते समय दिखाई देनेवाले शुभाशुभ चिह्न जिनसे उस कार्य की सफलता या असफलता का अनुमान किया जाता है

शगुफ़्तगी—(फ) प्रफुल्लता, खिलने का भाव, विकास

शगुफ़्ता—(फ़) प्रफुल्ल, खिला हुआ, विकसित

शगुफ़्ता रू—(फ़) प्रसन्न वदन, हँसमुख

शगून—(फ) देखो "शगुन"

शगूनिया—(मि) शकुन बताने वाला, शकुन विचारने वाला, ज्योतिषी, रम्माल आदि

शगूफ़ा—(फ़) कली, बिना खिला हुआ फूल, फूल, पुष्प, कोई अद्भुत रहस्य, कोई नयी और विलक्षण घटना

शग़ल—(अ) देखो "शग़ल"

शजर—(अ) वृक्ष, पेड़, दरख़्त

शजरा—(अ) वंश-वृक्ष, वंशावली का चित्र, पटवारी का एक कागज़ जिसमें सब खेतों का चित्र बना होता है, वृक्ष

शजरा व कुल्ला—(फ) पीरों का शजरा और टोपी जो मुरीदों को प्रसाद-रूप दी जाती है

शतरंज—(फ़) एक प्रसिद्ध खेल, जो चौंसठ खानों के नक्शे (बिसात) पर खेला जाता है एक प्रकार का फ़र्श

शतरंजी—(फ़) शतरंज खेलनेवाला, शतरंज खेलने की बिसात, वह बिछौना या दरी जो अनेक रंगों के सूतों से बनी हो

शत्ताह—(अ) उद्दण्ड, निर्लज्ज, धृष्ट, ढीठ

शदीद—(अ) गहरी, भारी, कठोर, सख्त, बड़ी, दृढ़, पक्का, मज़बूत, कठिन, मुश्किल, गम्भीर,

शद—(अ) दृढ़ता, सख्ती, मज़बूती, कठोरता, सख्ती

शद व मद—(अ) धूमधाम, ठाट बाट

शद्दा—(फ) झण्डा, ध्वजा, वह ध्वजा जो मुहर्रम में ताज़ियों पर बांध

निकलता है, चढ़ाइ, आक्रमण
शद्दाद—(अ) मिस्र देश के एक बादशाह का नाम जो ईश्वर को नहीं मानता था और अपने आपको ईश्वर कहता था
शनाख्त—(फ) पहचान, जाच
शनास—(फ) पहचाननेवाला, परखनेवाला, (प्राय यौगिकों को अन्त में, जैसे—मर्दुम शनास)
शनीअ—(अ) दुष्ट, बुरा
शनीआ—(अ) बुरीबात, बुरा काम
शफ़क़—(अ) बहुत सुन्दर, वह लालिमा जो प्रात-साय सूर्योदय और सूर्यास्त के समय आकाश में फैल जाती है
शफ़क़त—(अ) प्रेम, दया, कृपा, मेहरबानी
शफत—(अ) ओष्ठ, होठ, ओठ
शफा—(अ) आरोग्य, स्वास्थ्य, तदुरुस्ती
शफाअत—(अ) इच्छा करना, कामना, सिफारिश करना, किसी दूसरे के लिये चाहना करना
शफाखाना—(मि) चिकित्सालय
शफी—(अ) सिफ़ारिश करनेवाला, दूसरे के लिये लाभ पहुचाने के लिये प्रयत्न करनेवाला, बीच में पड़कर दूसरे का अपराध क्षमा करानेवाला
शफीक़—(अ) शफ़क़त करनेवाला, प्रेमी, मित्र, दयालु
शफूक़ा—(फ़) कोइ नयी और विलक्षण घटना
शफ्तल—(अ) पाजी, वाहियता, दुष्ट
शफ्तालू—(फ) एक फल विशेष, सताल्‌
शफ्फफ—(अ) स्वच्छ, निर्मल, पारदर्शी
शफ्फाफ—(अ) देखो "शफ्फफ"
शब—(फ़) रात, रात्रि
शब आहँग—(फ) बुल्-बुल, एक सितारा
शब कोर—(फ) रात्यध, जिसे रात में दिखाई न दे, रतौंधी का रोगी
शब खेज़—(फ) रात-भर जागने वाला
शबखूँ—(फ़) रात के समय शत्रु पर आक्रमण
शब ख्वाबी—(फ) रात का सोना,

रात्रि को सोते समय पहनने के कपड़े

शबगर्द—(फ़) रात में घूमने वाला, निशाच चौकीदार

शबगीर—(फ़) बुल-बुल नामक पक्षी, रात्रि के समय चहकने या गाने वाला पक्षी प्रातःकाल, प्रभात, तड़का, प्रभात समय ईश्वर प्रार्थना के लिए उठने वाला

शब गूँ—(फ़) रात के-से रंग का अँधेरा काला

शब चिराग—(फ) एक मणि विशेष जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि यह रात्रि में दीपक की भांति चमकता और प्रकाश देता है

शबदीज़—(फ) मुश्की रंग का घोड़ा

शबनम—(फ़) ओस, एक प्रकार का बहुत बारीक कपड़ा

शबनमी—(फ) मसहरी, मच्छरदानी

शबपोश—(फ़) रात को पहनने के कपड़े

शब बरात—(फ) मुसल्मानों का एक त्यौहार, मुसल्मानों का विश्वास है कि इस दिन रात्रि को देवदूत आदमियों की रोज़ी बांटते और उम्र का हिसाब करते हैं

शब बाश—(फ) रात्रि को ठहर कर विश्राम करनेवाला.

शब बेदार—(फ़) देखो "शबखेज़"

शबरंग—(फ) रात्रि के-से अर्थात् काले रंग का घोड़ा

शबाना—(फ) रात्रि के समय रात में

शबाना रोज़—(फ) रातदिन

शबाब—(अ) यौवन, जवानी, युवावस्था, जोबन, सौन्दर्य, प्रारम्भ

शबारोज़—(फ़) देखो "शबाना रोज़"

शबाहत—(अ) आकृति, सूरत, रूप

शबिस्ताँ—(फ) रात को रहने का स्थान, शयनागार, शयन-कक्ष

शबीअ—(अ) बड़ा बुद्धिमान

शबीह—(अ) चित्र, मूर्ति, प्रतिकृति, तुल्य, सदृश, प्रतिमा

शबीना—(फ़) रातका बचा हुआ, रात का, रात्रि सम्बन्धी, बासी, वह रात जो जागकर काटी जाय

शबीह—(अ) तसवीर, प्रतिमा

शबेक़द्र—(नि) रमज़ान महीने की सत्ताईस की तारीख की रात (मुसल्मानों का विश्वास है कि

इस रात को आसमान की खिड़की खुलती है जिसमें से झाक कर अल्लाह मियां देखते हैं कि कौन कौन मेरी इबादत करता है)

शबेजफ़ाफ़—(फ) सुहागरात, वह रात जिसमें नव दम्पती का प्रथम मिलन होता है

शबे तरा—(फ) अंधेरी रात

शबे तारीक़—(फ़) अंधेरी रात

शबे बरात—(फ) देखो "शबबरात"

शबे माह—(फ) चाँदनी रात

शबे माहताब—(फ़) देखो "शबे माह" मनहूस रात

शबे यल्दा—(फ) अँधेरी और मनहूस रात

शबे हिज्र—(फ़) वियोग की रात

शब्न—(अ) यौवन, आग जलाना, ऊँचाई, युद्ध

शब्नीर—(फ) सुन्दर, भला, नेक

शब्बो—(फ) एक प्रकार का फूल जिसकी गन्ध रात में फैलती है, रजनी गन्धा, गुलशब्बो

शम—(फ) गोदना, शरीर में रंग और सुई द्वारा छेद छेद कर बनाए गए बेल-बूटे

शमअ—(अ) मोमबत्ती, दीपक

शमला—(अ) एक विशेष प्रकार की पगडी, पगडी या साफे का कामदार पल्ला, चिल्ला

शमशाद—(फ) एक वृक्ष विशेष जिससे प्रेमिका या प्रेमपात्र के क़द की उपमा दी जाती है

शम शेर—(फ़) तलवार, खाड़ा

शमशेरज़न—(फ़) तलवार चलाने वाला

शमा—(अ) देखो "शमअ"

शमादान—(मि) वह जिसमें मोम बत्ती लगाकर जलाते हैं, दीवट, दीपक रखने का आधार

शमामा—(अ) सुगन्ध, इत्र, सूँघने की वस्तु

शमायल—(अ) "शयल (आदत)" का बहुवचन बायां हाथ सूरतें

शमारू—(मि) तेजस्वी, जिसका चेहरा दीपक की भांति तेजो युक्त हो

शमीदा—(फ़) व्यथित, व्याकुल, बे होश

शमीम—(अ) सुगन्ध, सुगन्धित वायु,

घपना
शमीमा—(अ) मह वस्तु जो सूँघी जाय.
शमीर—(अ) द्रुतगामी, तेज़ चलने वाला
शम्बा—(फ़) शनिवार
शम्मा—(अ) बहुत हल्की सुगन्ध, भीनी खुशबू, थोड़ा, किञ्चित, लेशमात्र, तनक, रत्तक, मात्र
शम्माम—(अ) सूर्य की पूजा करने वाला, सूर्योपासक
शम्स—(अ) सूर्य, सूरज
शम्सा—(अ) कलाबत्तू आदि का वह फुंदना जो माला के सुमेरु पर लगा होता है
शम्सी—(अ) सूर्य सम्बन्धी, सूर्य का, सूर्य के सम्पर्क से तैयार किया या पकाया गया, सौर
शयातीन—(अ) "शैतान" का बहु वचन
शर—(अ) बुराई, दुष्टता, शरारत
शरअ—(अ) मुसल्मानों का धर्म शास्त्र, धर्म, दीन, मज़हब, कुरान की आज्ञा, दस्तूर, तौर, ढंग, तरीक़ा, मार्ग, रह, समान की शैरी
शरअन्—(अ) शरअ के अनुसार, धार्मिक दृष्टि से उचित, इस्लाम मज़हब के अनुसार.
शरअ मुहम्मदी—(अ) इस्लाम मज़हब के नियम या क़ानून, कुरान की आज्ञा
शरई—(अ) इस्लाम मज़हब के नियमानुकूल, धार्मिक दृष्टि से वैध
शरकत—(अ) साझा
शरफ़—(अ) बड़प्पन, गौरव, सौभाग्य, उत्तमता
शरफ़याब—(नि) प्रतिष्ठित, मान्य, महत्त्वप्राप्त, बड़प्पन या सौभाग्य प्राप्त करने वाला
शरबत—(अ) मीठा और तरल पदार्थ, रस, शक्कर मिला हुआ पानी, चीनी और फलों के योग से बनाया हुआ पेय पदार्थ
शरबती—(फ़) शरबत वाला, एक प्रकार का रंग जो शरबत के रंग जैसा होता है, रसदार जिसमें रस भरा हो, नीबू की जाति का एक फल, एक प्रकार का बढ़िया कपड़ा

शरम—(फ) लज्जा, हया, शील, लिहाज़, सकोच, प्रतिष्ठा
शरमगाह—(फ़) स्त्री की जननेंद्रिय, योनि
शरमनाक—(फ़) लज्जाजनक, लज्जा शील
शरमसार—(फ) लज्जाशील, बहुत लज्जित, शरमिन्दा
शरम हुजूरी–(फ) किसी के सम्मुख होने के कारण उत्पन्न हुई लज्जा, मुह देखे की लाज
शरमाना–(फ) लज्जित होना, सकोच करना, शरमिन्दा करना, लजाना, लज्जित करना
शरमा शरमी–(फ) लज्जावश, सकोच के कारण, शर्म के मारे
शरमिन्दगी—(फ) लज्जित होने का भाव, लज्जा
शरमिन्दा—(फ़) लज्जित, लजाया हुआ
शरमीला—(मि) लज्जालु, लज्जाशील, बहुत जल्द शरमा जाने वाला (स्त्री-शरमीली)
शरर—(अ) आग की चिनगारी
शरह—(अ) व्याख्या, भाष्य, टीका, भाव, दर.
शरहबन्दी—(मि) दर या भाव का नियत होना, दर अथवा भाव की निश्चित सूची
शराकत—(अ) साझा, हिस्सेदारी
शराकतनामा—(मि) वह पत्र जिसमें साझे की शर्तें लिखी गई हों
शराफ़त–(अ) भलमनसाहत, सौजन्य, सज्जनता, शरीफ होने का भाव
शराब—(अ) मदिरा, मद्य
शराबखाना—(मि) वह स्थान जहां शराब बिकती हो, मदिरालय
शराबख्वार–(मि) शराब पीनेवाला, शराबी
शराब गुज़िश्ता—(फ) उतरी हुई या बीती हुई शराब जिसमें मादकता कम रह गई हो
शराब ज़दगी—(फ) मादकता
शराबी–(अ) शराब पीनेवाला, मद्यप
शराबे तुहूर—(अ) वह शराब जो पुण्यात्माओं को मरने के पश्चात् बहिश्त में प्राप्त होती है
शराबे शीराज़—(अ) एक प्रकार की अंगूर की लाल शराब
शराबोर—( ) पानी आदि से बिल-

कुछ भीगा हुआ, तरबतर, लथपथ

शरायत—(अ) "शर्त" का बहुवचन

शरार—(अ) अग्नि स्फुलिंग, चिनगारियाँ

शरारत—(अ) पाजीपन, दुष्टता, उद्दण्डता, शैतानी

शरारतन—(अ) शरारत से, दुष्टता से

शरारा—(अ) देखो "शरार"

शरीअत—(अ) मुसलमानों का धर्मशास्त्र, इस्लाम धर्म की दृष्टि से वैध मार्ग, मनुष्यों के लिए बनाए गए ईश्वरीय नियम, पनघट

शरीक—(अ) साझी, साथी, हिस्सेदार, सम्मिलित, मिला हुआ, सहायक

शरीफ—(अ) सज्जन, भला, शिष्ट, सभ्य, कुलीन

शरीयत—(अ) देखो 'शरीअत'.

शरीर—(अ) बुरा, दुष्ट, नटखट, समुद्र या नदी का तट

शर्क—(अ) सूर्योदय, पूर्व दिशा, पूरब

शर्की—(अ) पूर्वी, पूरब का

शर्त—(अ) पण, दाँव, प्रतिज्ञा, किसी काम के पूरा होने के लिए आवश्यक प्रतिबन्ध

शर्तिया—(अ) शर्त के साथ, शर्त बदकर, अवश्य, निश्चयही, दृढ़ता पूर्वक, बिल्कुल ठीक

शर्ती—(अ) जिसमें कुछ शर्त हो, शर्त का, शर्त सम्बन्धी

शर्फ़—(अ) देखो "शरफ़"

शर्म—(फ) देखो "शरम" (शर्म के यौगिकों के लिए 'शरम' के यौगिक देखो)

शलगम—(फ़) देखो "शलजम"

शलजम—(फ) गाजर की जाति का एक कन्द विशेष जो शाक आदि बनाने के काम आता है

शलफ—(फ़) व्यभिचारिणी, रंडी.

शलवार—(फ़) एक प्रकार का ढीला ढाला पाजामा, जो पंजाब और पेशावर की तरफ अधिक पहना जाता है, पाजामा के नीचे पहनने का जाँघिया

शलीता—(देश) एक प्रकार का मोटा कपड़ा, टाट आदि मोटे कपड़े का बना बड़ा थैला जिसमें रुपए,

छोलदारी आदि तह करके रखे जाते हैं

शल्का—(फ) आधी बाहों की फतुही
शल्ल—(अ) शिथिल, सुन्न
शलक़–(तु) तोपों या बन्दूकों की बाढ
शल्लक उड़ाना = गप्प मारना
शनारत—(अ) वैर, शत्रुता
शव्वाल—(अ) अरबी वर्ष का दसवां महीना
शश—(फ) छह
शश जहत—(मि) पूरब, पच्छिम, उत्तर, दक्खिन, ऊपर और नीचे यह छहों दिशाएँ, सम्पूर्ण विश्व
शश दर—(फ) देखो " शशजहत " जुआ खेलने का पासा जिसमें छह पहल होते हैं, वह मकान जिसमें छह द्वार हों, वह स्थान जहा से निकलना कठिन हो भौंचक्का, हक्का-बक्का
शश दाँग—(फ) समस्त, सम्पूर्ण, कुल, पूरा
शश मही—(फ) छमाही, छह महीने में होने वाला
शशोपञ्ज—(फ) असमञ्जस, सोच विचार, धुकुर पुकुर, जुआ या जुआ खेलने का पासा

शस्त—(फ) लक्ष्य, निशाना, वह वस्तु जिसपर गोली, तीर, आदि का निशाना लगाया जाय, अंगुश्त, अंगूठा, सितार बजाने की मिजराब, वह हड्डी या बालों की अंगूठी जिसे तीर चलाने वाले अंगूठे में पहनते हैं। दूरबीन की भाति का एक यन्त्र जिसे भूमि नापने वाले सीधे देखने के काम में लाते हैं
शह—(फ) "शाह" का सक्षिप्त रूप, बादशाह, किसी को गुप्त रूप से उत्तेजित करने या उभारने की क्रिया अथवा भाव, वर, दूल्हा, शतरंज के खेल में एक चाल, किश्त
शहज़ादा—(फ) महाराजकुमार, बादशाह का लड़का
शहज़ोर—(फ) बलवान, बलिष्ट
शहतीर—(फ) लकड़ी का बहुत बड़ा और लम्बा लट्ठा जो मकानों की छत पाटने में काम आता है
शहतूत—(फ़) एक वृक्ष विशेष

जिसपर छोटे-छोटे पत्तियों के आकार के खट्टे मीठे फल लगते हैं इस नाम से प्रसिद्ध फल

शहद—(अ) मधु, मधुमक्खियों द्वारा सग्रह किया गया मीठा और गाढ़ा फूलों का रस

शहद लगाकर चाटना—किसी निरर्थक वस्तु को व्यर्थ अपनाये रहना

शहदा—(अ) "शहीद" का बहुवचन

शहना—(अ) सरदार, निरीक्षक, कोतवाल, चौकीदार, कर वसूल करने वाला

शहनाई—(फ) नफीरी, रौशन चौकी

शहंशाह—(फ) सम्राट, बड़ा बादशाह वह राजा जिस की अधीनता में छोटे-छोटे अनेक राजा हों

शहबाज—(फ़) एक प्रकार का बाज़ पक्षी, बड़ा बाज़

शह बाला—(फ) वह छोटा लड़का जो विवाह के समय दूल्हे के साथ घोड़ेपर बैठता है

शहम—(अ) स्थूलता, मोटापा, मेद, चर्बी, फलों का गूदा भाग, मग़ज़

शहमात—(फ़) शतरंज के खेल में एक प्रकार की बाज़ी या हार

शहर—(फ) नगर, पुर, मनुष्यों की बहुत बड़ी बस्ती, अरब का मदीना नामक नगर

शहर आरायश—(फ़) नगर की सजावट, वह व्यक्ति जो शहर के हाकिम की आज्ञा बिना शहर से बाहर न जासके

शहर ताश—(फ़) पड़ोसी, एक ही नगर के निवासी

शहर पनाह—(फ़) वह दीवार जो नगर की रक्षा के लिए उसके चारों ओर बनाई जाय, नगर कोट, नगर की चहार दीवारी

शहरबन्द—(फ़) क़िला, क़ैदी, क़ैदखाना

शहरयार—(फ) राजा, बादशाह, नगर निवासियों की रक्षा और सहायता करने वाला

शहरिआत—(अ) नागरिक भाग

शहरियत—(फ) नागरिकता, शहरीपन

शहरी—(फ) शहर का रहने वाला, शहर में रहने वाला, शहर का

शहरे खामोशी—(फ़) कब्र और मौन रहने का स्थान नगर अर्थात्

क़ब्रिस्तान, मुर्दों का शहर, श्मशान, मरघट

शहला—(अ) एक प्रकार का नरगिस का फूल जिससे आखों की उपमा दीजाती है, काली और भूरी आंखों वाली स्त्री

शहवत—(अ) इच्छा, कामना, सम्भोगेच्छा, स्त्रीप्रसग की कामना, कामवासना

शहवत अंगेज़—(मि) कामोत्तेजक, कामवासना बढानेवाला, कामोद्दीपक

शहवत परस्त—(मि) भोगविलासी, विषयी, कामुक

शहसवारी—(फ) अश्वारोहण कला

शहादत—(अ) साक्ष्य, गवाही, प्रमाण, बलिदान होना, शहीद होना

शहाना—(फ) शाहों का सा, शाही, राजसी, बहुत बढिया, एक प्रकार का राग

शहाब—(फ) एक प्रकार का गहरा लाल रंग

शहामत—(अ) मोटापा, स्थौल्य, वीरता, महत्त्व, बड़प्पन

शहीद—(अ) साक्षी, बलिदान होनेवाला, धर्म या परोपकार के लिये प्राण देने वाला निहत, जिसकी धर्म के नाम पर हत्या की गइ हो

शहीदेनाज़—(मि) प्यारा मृतक, ऐसा बलिदान जिस पर गर्व किया जा सके

शहीम—(अ) मोटा, स्थूल

शहीर—(अ) प्रसिद्ध, ख्यात

शाअर—(अ) ज्ञाता, कवि

शाइक़—(अ) मुग्ध, प्रेमी, शौक़ीन, शायक़

शाइस्तगी—(फ) योग्यता, शिष्टता, सभ्यता, भलमनसी

शाइस्ता—(फ) सभ्य, शिष्ट, विनीत, विनम्र, योग्य, श्रेष्ठ

शाक़—(अ) असह्य, दूभर, कठिन, मुश्किल, कष्टप्रद, दुख देनेवाला

शाक़िर—(अ) शुक्र अर्थात् कृतज्ञता प्रकट करने वाला, कृतज्ञ, उपकार माननवाला, धन्यवाद देनेवाला

शाकी—(अ) शिकायत करनेवाला, फरियाद करनेवाला, अपना दुख

जिसपर छोटे-छोटे पत्तियों के आकार के खट्टे मीठे फल लगते हैं इस नाम से प्रसिद्ध फल

शहद—(अ) मधु, मधुमक्खियों द्वारा संग्रह किया गया मीठा और गाढ़ा फूलों का रस

शहद लगाकर चाटना–किसी निरर्थक वस्तु को व्यर्थ अपनाये रहना

शहदा—(अ) "शहीद" का बहुवचन

शहना—(अ) संरक्षक, निरीक्षक, कोतवाल, चौकीदार, कर वसूल करने वाला

शहनाई—(फ) नफीरी, रौशन चौकी

शहंशाह—(फ) सम्राट, बड़ा बादशाह वह राजा जिस की अधीनता में छोटे-छोटे अनेक राजा हों

शहबाज—(फ) एक प्रकार का बाज पक्षी, बड़ा बाज

शह बाला—(फ) वह छोटा लड़का जो विवाह के समय दूल्हे के साथ घोड़ेपर बैठता है

शहम—(अ) स्थूलता, मोटापा, मेद, चर्बी, फलों का गूदा मींग, मगज

शहमात—(फ) शतरंज के खेल में एक प्रकार की बाजी या हार

शहर—(फ) नगर, पुर, मनुष्यों की बहुत बड़ी बस्ती, अरब का मदीना नामक नगर

शहर आरायश—(फ) नगर की सजावट, वह व्यक्ति जो शहर के हाकिम की आज्ञा बिना शहर से बाहर न जासके

शहर ताश—(फ) पड़ोसी, एक ही नगर के निवासी

शहर पनाह—(फ) वह दीवार जो नगर की रक्षा के लिए उसके चारों ओर बनाई जाय, नगर कोट, नगर की चहार दीवारी

शहरबन्द—(फ) किला, कैदी, कैदखाना

शहरयार—(फ) राजा, बादशाह, नगर-निवासियों की रक्षा और सहायता करने वाला

शहरिआत—(अ) नागरिक शास्त्र

शहरियत–(फ) नागरिकता, शहरीपन

शहरी—(फ) शहर सम्बन्धी, शहर में रहने वाला, शहर का

शहरे खामोशी—(फ) शांत और मौन रहने वालों का नगर अर्थात्

क़ब्रिस्तान, मुर्दों का शहर, श्मशान, मरघट

शहला—(अ) एक प्रकार का नरगिस का फूल जिससे आखों की उपमा दीजाती है, काली और भूरी आंखों वाली स्त्री

शहवत—(अ) इच्छा, कामना, सम्भोगेच्छा, स्त्रीप्रसग की कामना, कामवासना

शहवत अंगेज़—(मि) कामोत्तेजक, कामवासना बढानेवाला, कामोद्दीपक

शहवत परस्त—(मि) भोगविलासी, विषयी, कामुक

शहसवारी—(फ़) अश्वारोहण कला

शहादत—(अ) साक्ष्य, गवाही, प्रमाण, बलिदान होना, शहीद होना

शहाना—(फ) शाहों का सा, शाही, राजसी, बहुत बढ़िया, एक प्रकार का राग

शहाब—(फ़) एक प्रकार का गहरा लाल रग

शहामत—(अ) मोटापा, स्थौल्य, वीरता, महत्त्व, बड़प्पन

शहीद—(अ) साक्षी, बलिदान होनेवाला, धर्म या परोपकार के लिये प्राण देने वाला निहत, जिसकी धर्म के नाम पर हत्या की गई हो

शहीदेनाज़—(मि) प्यारा मृतक, ऐसा बलिदान जिस पर गर्व किया जा सके

शहीम—(अ) मोटा, स्थूल

शहीर—(अ) प्रसिद्ध, ख्यात

शाअर—(अ) ज्ञाता, कवि

शाइक़—(अ) मुग्ध, प्रेमी, शौक़ीन, शायक़

शाइस्तगी—(फ) योग्यता, शिष्टता, सभ्यता, भलमनसी

शाइस्ता—(फ़) सभ्य, शिष्ट, विनीत, विनम्र, योग्य, श्रेष्ठ

शाक़—(अ) असह्य, दूभर, कठिन, मुश्किल, कष्टप्रद, दुख देनेवाला

शाकिर—(अ) शुक्र अर्थात् कृतज्ञता प्रकट करने वाला, कृतज्ञ, उपकार माननेवाला, धन्यवाद देनेवाला

शाकी—(अ) शिकायत करनेवाला, फरियाद करनेवाला, अपना दुख

सुनानेवाला, चुगली करनेवाला, चुगलखोर

शाकूल—(फ) एक डोरी में लटका हुआ विशेष प्रकार का लट्टू जो दीवार बनानेवाले दीवार की सीध मापने में काम में लाते हैं

शाक़्क़ा—(अ) मुश्किल, कठिन, कठोर

शाख़—(फ) डाली, टहनी, शाखा, खंड, टुकड़े, फाँक, शराब का प्याला, सुराही, किसी वस्तु के भेद या प्रकार, शरीर के साथ पैर आदि अंग, शृंग, सींग, संतान, अद्भुत या विलक्षण बात, किसी नहर आदि में से निकले हुए उसके छोटे छोटे भाग, एक प्रकार का पकवान

शाख़चा—(फ) छोटी टहनी, छोटी शाखा

शाख़दार—(फ) दुरभिमानी, घमंडी

शाख़ साना—(फ) शक, सन्देह, अभियोग, लड़ाई, झगड़ा, हुज्जत, ढोंग, ढकोसला, कलंक

शाख़ सार—(फ) जहां बहुत से घने वृक्ष हों, बाग़, वाटिका, वृक्ष, शाखा, डाल, टहनी

शाख़े आहू—(फ) दौज का चन्द्रमा, हिरन के सींग, कमान, धनुष

शाख़े ग़ज़ाल—(फ) देखो "शाख़े आहू"

शाख़े गुल—(फ) फूल की पँखड़ी, प्रेमपात्र, प्रेमिका

शाख़े ज़ाफ़रान—(मि) विचित्र, अद्भुत, अनोखा

शागिर्द—(फ) शिष्य, चेला, सेवक, टहलुआ, नौकर

शागिर्द पेशा—(मि) दफ्तर में काम करनेवाला, अहलकार, राजाओं के नौकर चाकरों के रहने का मकान

शागिर्दी—(फ) शिष्यता, चेलापन सेवा

शागिल—(अ) किसी काम में संलग्न, सदा ईश्वर का चिन्तन करने वाला

शाज़—(अ) अलग, निराला, अनुपम, असामान्य अद्भुत, अनोखा, अकेला, एकाकी, नियम विरुद्ध, कम

शाज़ व नादिर—(अ) कभी कभी,

य । करना

शातिन—(अ) धूर्त, कुकर्मी,

शातिर—(अ) धूर्त, चोर, चालाक, पत्र वाहक, दूत, चञ्चल, चतुर, निर्भय, वीर, शतरंज का खिलाडी

शाद—(फ) प्रसन्न, हर्षित, सुखी, पूर्ण, भरा हुआ

शाद काम—(फ) प्रसन्न, सफल, नाम विशेष

शाद ख्वाह—(फ) सम्पन्न, प्रसन्न

शाद बाश-(फ) प्रसन्न रहो, शाबाश

शादमान—(फ) प्रसन्न, आनन्दित, खुश

शादाँ शादान—(फ़) प्रसन्न, उत्तम, उचित, वाजिब, उपयुक्त, योग्य

शादाब —(फ) हरा भरा

शादिन—(अ) हिरन का बच्चा, हिरनौटा

शादियाना—(फ) आनद मगल के समय बजने वाले बाजे, मगल-वाद्य, बधाई, मुबारिकबादी, वह भेट जो जमींदार के घर कोई खुशी का काम होने के समय किसान लोग देते हैं

शादी—(फ) खुशी, आनन्दोत्सव, विवाह

शादी मर्ग—(फ) वह मृत्यु जो अत्यधि॰ प्रसन्नता के कारण हुई हो, वह जो आनन्दातिरेक के कारण मर गया हो

शादोनादिर—(फ) यदाकदा, कभी-कभी, बहुत कम

शान —(अ) ठाट-बाट, तड़क भड़क, सजावट, टसक शेखी, प्रतिष्ठा, मान, इज्जत, भव्यता, विशालता करामात, विभूति, शक्ति

शानदार—(मि) ठाट बाट का, तड़क-भड़कदार, विशाल, भव्य

शान शौकत–(अ) ठाट बाट, सजावट, तड़क भड़क

शाना—(फ़) कंघा, बाहुमूल, कधा, कघी, केश काढ़ने का साधन

शानाकारी—(फ) धूर्तता, चापलूसी

शानाबी—(फ) फल देखने वाला, शकुन बताने वाला

शानी—(अ) वैरी, शत्रु

शापुर—(फ) एक बादशाह का नाम, इस नाम का एक प्रसिद्ध पहल-

वान, एक चित्रकार जो शीरीं और खुसरो के मध्य संदेश वाहक का काम करता था

शाफअ—(अ) सिफारिश करने वाला

शाफई—(अ) सुन्नी सम्प्रदाय के चार इमामों में से एक का नाम

शाफा—(अ) दवा की बत्ती जो घाव में या गुदा में लगाई जाय

शाफी—(अ) आरोग्य प्रदान करने वाला, शफा देने वाला, साफ, पूरा, साधा, ठीक

शाब—(अ) चौबीस से ४० वर्ष तक की आयु वाला पुरुष, जवान, युवक

शाखा—(अ) शाख, टुकड़ा, विभाग

शाबान—(अ) अरबी वर्ष का आठवां महीना

शाबाश—(फ) 'शादबाश' का संक्षिप्त, प्रसन्न रहो, खुश रहो, वाहवाह, साधुवाद, हर्ष या प्रसन्नतासूचक ध्वनि

शाबाशी—(फ) प्रशंसा, वाहवाही

शाम—(फ) सायकाल, सन्ध्या, सूर्यास्त का समय, अन्त समय एक देश का नाम

शामत—(अ) संकट, विपत्ति, दुर्भाग्य, दुरवस्था, दुर्दशा

शामतजदा-(मि) विपत्तिग्रस्त, आफत का मारा

शामती—(अ) देखो "शामतजदा"

शामते एमाल—(अ) कुकृत्यों का बुरा फल

शामशेर—(फ) शमशेर, तलवार

शामियाना—(फ) चँदोवा, वह तम्बू जो बल्लियों के सहारे छत की तरह चौरस ताना जाता है

शामिल—(अ) सम्मिलित, मिला हुआ

शामिलहाल—(अ) प्रत्येक अवस्था में साथ रहनेवाला, साथ मिल कर रहनेवाला

शामिलात—(अ) "शामिल" का बहुवचन, साझा, हिस्सेदारी

शामी—(अ) शाम देश निवासी, शाम देश की कोई वस्तु या भाषा, शाम देश सम्बन्धी

शामे गरीबाँ—(फ) विदेशियों अथवा यात्रियों की वह सन्ध्या जो, उन्हें निर्जन और भयानक स्थानों बितानी पड़े, 'शामे गरीबी'

भी बोला जाता है

शाम्मा—(अ) घ्राण शक्ति, सूँघने की ताक़त

शायक़—(अ) मुग्ध, प्रेमी, शौक़ीन, इश्तियाक़ रखनेवाला

शायद—(फ) कदाचित, स्यात, सम्भव है

शायर—(अ) कवि, उर्दू या फारसी की कविता लिखनेवाला

शायरा—(अ) स्त्री कवि कवयित्री

शायरी—(अ) कविता, काव्य रचना

शायाँ—(फ) अनुरूप, उपयुक्त, अभीष्ट, योग्य, लायक, उचित

शाया—(फ) प्रकाशित, प्रकट, प्रसिद्ध, ज़ाहिर, छपा हुआ

शार—(फ) शहर, नगर, ऊँचे मकान, साड़ी

शारअ—(अ) बड़ा मार्ग, सन्मार्ग, राजपथ, प्रारम्भ करनेवाला, शुरू करनेवाला, धर्मोपदेशक, धमश

शारअ आम—(अ) आम सड़क, वह सड़क जिसपर सब कोई चल सके

शारक—(फ) सारिका, मैना नामक पक्षी

शारमार—(फ) एक प्रकार का बड़ा साप

शारह—(अ) भाष्यकार, शरह या टीका लिखने वाला

शारिक़—(अ) प्रकाशित, चमकीला, सूर्य

शारिग—(तु) पगडी

शारिस्तान—(फ) शहर, बड़ा नगर जहाँ बहुत से ऊँचे ऊँचे मकान हों

शाल—(फ) बढ़िया ऊनी चादर, दुशाला

शाल दोज़—(फ़) शाल या दुशाले पर बेलबूटे काढ़नेवाला

शाल बाफ—(फ) एक प्रकार का लाल रेशमी कपड़ा, शाल दुशाले बनानेवाला

शाली—(फ़) शाल का

शाश—(फ) मूत्र, पेशाब

शाशदान—(फ) मूत्र-पात्र, पेशाब का बरतन

शाह—(फ) बादशाह, स्वामी, मालिक, मुसल्मान फकीरों की उपाधि, मूल, जड़, महान्, बड़ा, दूल्हा, वर (नौशाह)

शाहची—(फ) सूर्य

शाहज़ादा—(फ) महाराजकुमार, बादशाह का बेटा

शाहज़ादी—(फ) महाराज कुमारी, बादशाह की बेटी

शाहतरा—(फ) एक प्रकार का साग जो दवा के काम में आता है

शाह दरिया-(फ) एक कल्पित भूत

शाहनामा—(फ) एक प्रसिद्ध ग्रंथ जिसमें फारस के बादशाहों का इतिहास है, बादशाहों का इतिहास

शाहनशाह—(फ) सम्राट्, बादशाहों का बादशाह, वह राजा जिसके अधीन अनेक छोटे-छोटे राजा हों

शाहनशाही—(फ) शहनशाह या सम्राट् का पद

शाह परहना—(फ) स्त्रियों का एक कल्पित भूत

शाह बलूत—(मि) माजू की तरह का एक वृक्ष, चीना सुपारी

शाह बाज़—(फ) देखो "शहबाज़"

शाह बाला—(फ) देखो "शहबाला"

शाह बेत-(फ) वे पंक्तियां जो गज़ल या क़सीदे भर में सर्वोत्कृष्ट हों

शाह राह—(फ) प्रशस्त पथ, सार्वजनिक मार्ग, राजपथ

शाह लश्कर—(फ) सेनापति

शाह वार—(फ) बादशाहों के योग्य, राजोचित

शाहाना—(फ) राजाओं द्वारा, राजाओं के योग्य, राजकीय, बादशाही, बहुत बढ़िया, वे कपड़े जो वर को विवाह के समय पहनाये जाते हैं संगीत म एक राग

शाहिद—(अ) उपस्थित, साक्षी, गवाह (फ़) बहुत सुन्दर

शाहिदबाज़—(मि) सौंदर्योपासक, हुस्न परस्त, पापी, अपराधी

शाहिदी—(अ) शहादत, गवाही

शाहिदे ग़ैब—(फ) परोक्ष साक्षी, परमात्मा

शाही—(फ) शासन, राज्य, देखो "शाहाना"

शाहीन—(फ) तराज़ू का कांटा, एक शिकारी पक्षी, सफेद रंग का बाज़

शाहे मग़रिब—(फ़) चन्द्रमा

शि —(फ़) घृणा या तिरस्कार सूचक शब्द

शिंगरफ—(फ) ईंगुर, सिंदूर

शिआर—(अ) अंदर या नीचे पहनने का कपड़ा, पोशाक, रंग-ढंग, तौर तरीका, आदत, अभ्यास

शिकंज—(फ) चुटकी

शिकंजा—(फ) किसी चीज़ को कस कर पकड़ने का यंत्र, दबाने या निचोड़ने का यन्त्र, जिल्दसाज़ों का एक औज़ार जिसमें किताबों को कसकर दबाते हैं

शिक़—(अ) अर्ध भाग, आधा हिस्सा, ओर, तरफ

शिकन—(फ़) तोड़ने वाला, जैसे "दंदाँ शिकन", सिकुड़न, सलवट

शिकनी—(फ़) तोड़ना, भंग करना, जैसे—"अहद शिकनी" प्रतिज्ञा तोड़ना या भंग करना

शिकम—(फ) पेट, उदर

शिकम परवर—(फ) पेट पालने वाला, अपनाही पेट भरनेवाला, पेटू, स्वार्थी

शिकमपुरी—(फ) पेट पूर्ति, पेट भरना

शिकम बन्दा—(फ) पेटू, पेट का दास, बहुत खानेवाला, लालची, पेटार्थी

शिकम सेर—(फ) जिसका पेट भली भांति भर गया हो

शिकमी—(फ) पेट सम्बन्धी, पेटका, भीतरी, अन्तरंग, पैदाइशी, जन्म सम्बन्धी

शिकमी काश्तकार—(फ) वह किसान जिसने दूसरे किसान से जोतने बोने के लिये खेत ले रक्खा हो

शिकरा—(फ) बाज़ की जाति का एक शिकारी पक्षी

शिकवा—(अ) शिकायत, गिला, उलाहना

शिकवागुज़ार—(फ) शिकायत करने वाला

शिकस्त—(फ़) पराजय, हार, टूट-फूट

शिकस्तगी—(फ) टूटना, टूटने की क्रिया

शिकस्त फाश—(फ) बुरा हार, गहरी पराजय

शिकस्ता—(फ) टूटा फूटा, जीर्ण,

छिन भिन्न, बुरी हालत में, एक प्रकार की लिखावट जिसमें टूटे फूटे अक्षर बनाए गए हों घसीट लिखाई

शिकायत—(अ) उलाहना, गिला, उपालम्भ, बुराई, चुगली, रोग, बीमारी

शिकार—(फ़) आखेट, मृगया, जंगली पशुपक्षियों को मारने का काम अथवा खेल, मारा हुआ पशु पक्षी, भक्ष्य, आहार, मांस, कोई ऐसा आदमी जिससे बहुत माल मिलने की सम्भावना हो, आसामी

शिकार होना—किसी के द्वारा मारा जाना, किसी के फंदे में फँसना या वश में होना

शिकारगाह—(फ) शिकार खेलने का स्थान

शिकार बन्द—(फ) घोड़े के जीन में पीछे की तरफ लगाया हुआ एक तसमा जो शिकार या कोई और चीज़ बांधने के काम में लाया जाता है

शिकारी—(फ़) शिकार खेलने वाला, शिकार करने में सहायता देने या काम आनेवाला

शिकूफा—(फ) देखो "शिगूफा" वमन, कै

शिकेब—(फ) सहिष्णुता, सहन शीलता, धैर्य

शिकेबॉ—(फ) धीर, सहिष्णु, सहन शील, सन्तोषी, सब्र करनेवाला

शिकेबाई—(फ) देखो "शिकेब"

शिकोह—देखो "शकोह"

शिक्ष—(अ) टुकड़ा, खंड, अर्ध भाग, मित्र, भाई, कड़ाई, कठोरता

शिगाफ—(फ) चीरा, नश्तर, छेद, दरार, दर्ज़

शिगाल—(फ) देखो "शृगाल"

शिगुफ्त—(अ) कलियों का खिलना

शिगुफ्ता—(अ) देखो "शगुफ्ता" प्रेमी, मत्त, मतवाला, आशिक़

शिजरा—(अ) देखो "शजरा"

शिताब—(फ़) शीघ्र, जल्दी

शिताबकार—(फ) जल्दबाज़, शीघ्रता से काम करनेवाला

शिताबी—(फ़) शीघ्रता, जल्दी

शिद्दत—(अ) कठिनाई, कठिनता, कष्ट, अधिकता, सख्ती, उग्रता,

तेज़ी, कठोरता, बल प्रयोग, ज़बरदस्ती

शिनाअ—(फ) तैरना, संतरण, तैरने वाला

शिनाख्त—(फ) देखो "शनाख्त"

शिनास—(फ) देखो "शनास"

शिनासा—(फ) पहचानने वाला

शिनासाई—(फ) जान पहचान, परिचय

शिफा—(अ) देखो "शफा"

शिफाअत—(अ) देखो "शफाअत"

शिबली—(अ) एक वली का नाम

शिमाल—(अ) उत्तर, उत्तरदिशा

शिया—(अ) देखो "शीआ"

शिरक—(अ) ईश्वर के नाम के साथ किसी और का भी नाम शामिल करना जो अनुचित है

शिरकत—(अ) साझा, सहयोग, शराकत

शिरयान–(अ) शरीर की छोटी नस, नाड़ी, रग

शिराकत—(अ) देखो "शरारत",

शिर्क—(अ) देखो "शिरक"

शिलंग—(फ) उछलना, कूदना, छलांग, डग, कदम

शिलाँग—(देश) दूर-दूर टाँके मार कर की जानेवाली मोटी सिलाई

शिस्त—(फ़) देखो "शस्त"

शिहना—( ) देखो "शहना"

शिहाब–(अ) आग की लपट, उल्कापात, आकाश से टूटने वाला तारा,

शीअ–(अ) मुसलमानों का एक दल जिसने हज़रत अली और उनके नाती बेटों का सदा साथ दिया, शीआ दल के अनुयायी मुसलमान, सहायक, मददगार

शीन—(अ) अरबी वर्ण माला का तेरहवा तथा उर्दू लिपि का अठारहवा वर्ण

शीन क़ाफ दुरुस्त होना = अरबी या फारसी के शब्दों का ठीक ठीक उच्चारण करना या होना

शीर—(फ) दूध, दुग्ध, क्षीर

शीर खिश्त–(फ) एक विरेचक दवा

शीरगम—(फ) साधारण गरम, मन्दोष्ण, गुनगुना, कुनकुना

शीरनी–(फ) मिठाई, मिठास, मीठापन, शीरीनी

शीर बिरञ्ज—(फ) खीर, दूध में पकाए हुए चावल

शीरमाल—(फ) मैदा की बनी एक प्रकार की खमीरी रोटी

शीर व शकर—(फ) दूध और चीनी की तरह परस्पर मिले हुए

शीरा—(फ) पानी का सोता, रुधिर वाहिनी छोटी नाड़ी, शिरा पानी की धारा

शीराज़—(फ) फारस देश का एक प्रसिद्ध नगर

शीराजा—(फ) व्यवस्था, प्रबन्ध, पुस्तक की सिलाई में वह इधर उधर निकलता हुआ डोरा या फीता जो जिल्द बांधने में पुट्ठे के साथ चिपका दिया जाता है

शीराज़ी—(फ) शीराज़ नगर का, एक प्रकार का कबूतर

शीरीं—(फ) मीठा, मधुर, रुचिकर, प्रिय, प्यारा

शीरीनी—(फ) देखो "शीरनी"

शीशए जान—(फ) कोमल हृदय, मृदु स्वभाव

शीशए दिल—(फ) कायर, भीरु, डरपोक, हृदय रूपी दर्पण

शीशए साइत—(मि) पुरानी चाल की बालू घड़ी

शीशा—(फ) काँच, दर्पण, काच का बना हुआ झाड़, फानूस आदि सामान

शीशागर—(फ) काच या काच की वस्तुएँ बनाने वाला, शीशागर

शीशाबाज़—(फ) मक्कार, धूर्त, धोखेबाज़, बाज़ीगर, नट, मदारी

शीशी—(फ) काँच का बना एक प्रकार का पात्र जिसमें तेल दवा आदि रखते हैं

शुअबदा—(अ) बाज़ीगरी, जादूगरी

शुअबा—(अ) समूह, झुंड, शाखा, विभाग, नहर

शुअरा—(अ) "शायर (कवि)" का बहुवचन, कवि लोग

शुआअ—(अ) सूर्य की किरण, रविरश्मि

शुआर—(अ) देखो "शिआर"

शुकराना—(फ) शुक्रिया, धन्यवाद कृतज्ञता, किसी के द्वारा काम सिद्ध होजाने पर उसको धन्यवाद के रूप में दिया गया धन

शुकूर—(अ) अत्यधिक कृतज्ञता प्रकट करने वाला, इश्वर का एक नाम या विशेषण

शुक्का—(अ) वह पत्र जो बादशाह की ओर से किसी अमीर अथवा सरदार के लिए लिखा जाय

शुक्र—(अ) कृतज्ञता, धन्यवाद

शुक्रगुजार—(मि) कृतज्ञ, अहसान मानने वाला, आभारी, अनुगृहीत

शुगन—(फ) देखो " शगुन "

शुग्ल—(अ) देखो "शगल"

शुजाअ—(अ) वीरता, बहादुर

शुजाअत—(अ) वीरता, बहादुरी

शुतर—(अ) ऊट, उष्ट्र

शुतरी—(फ) ऊट के रग का, ऊट के बालों का बनाहुआ, ऊट की पीठ पर रखकर बजाया जाने वाला धौसा या नक्कारा

शुतुर—(फ) देखो "शुतर"

शुतुरकीना—(फ) द्वेषी, इर्ष्यालु, कुटिल, काले हृदयका, वह जिसके हृदय म सदा वैर भाव बना रहे

शुतुर ग़मज़ा—(फ) छल-कपट, चालाकी, धूर्तता, धोखा, अनुचित, नखरा

शुतुरगाव—(फ) जिराफ नामक पशु जो ऊट से मिलता जुलता होता है

शुतुर गुरबा—(फ) परस्पर विरोधी पदाथ

शुतुर दिल—(फ) भीरु, डरपोक, कायर

शुतुर नाल—(फ) छोटी तोप जो ऊट पर रखकर चलाइ जाती है

शुतुरपा—(फ) सूरजमुखी नामक फूल

शुतुरबान—(फ) ऊट वाला ऊँट हाकने वाला

शुतुर मुर्ग—(फ) एक प्रसिद्ध पक्षी जो ऊँट के बराबर ऊँचा होता है

शुद—(फ) गया, गुजरा, बीता, किसी काम का प्रारम्भ

शुदनी—(फ) होनहार, भवितव्य, होनेवाली बात, सम्भव, होने या हो सकने योग्य

शुदबुद—(फ) किसी बात का बहुत थोड़ा ज्ञान

शुफा—(अ) पड़ोस, पास, पास
शुबहा—(अ) शक, सन्देह, वहम, धोखा
शुबा—(अ) देखो "शुबहा"
शुमा—(अ) देखो 'शुबहा"
शुमार—(फ) संख्या, गिन्ती, गणना लेखा, हिसाब
शुमार कुनिन्दा—(फ) गणना करने वाला, गिननेवाला
शुमायल—(फ़) आदत, टेव, आकृति रूप, सूरत, नांवी हाथ वृक्ष की कोंपल, तरह, भांति
शुमारी—(फ़) गिन्ती, गणना, गिनना
शुमाल—(अ) उत्तर की दिशा
शुमाली—(अ) उत्तर दिशा का
शुमूल—(अ) पूरा, कुल, सब
शुरका—(अ) "शरीक़" का बहुवचन
शुरफा—(अ) शरीफ (सज्जन) का बहुवचन
शुरू—(अ) प्रारम्भ, उत्थान, वह जगह जहां से किसी वस्तु या बात का प्रारम्भ हो
शुर्ब—(अ) पीना
शुस्त-ओ शू—(फ) नहाना, धोना, किसी चीज़ को धोकर स्वच्छ और पवित्र करना
शुस्ता—(फ़) स्वच्छ, साफ, निर्मल, पवित्र, धोया हुआ, शुद्ध, परिष्कृत (जैसे—शुस्ता ज़ुबान)
शुहरत—(अ) प्रसिद्धि, ख्याति
शुहरा—(अ) प्रसिद्ध, ख्यात, मशहूर
शुहूद—(अ) समस्त विश्व को ईश्वर मय देखना, मन की वह अवस्था जिसमें मनुष्य को संसार की प्रत्येक वस्तु में परमात्मा दृष्टि गत हो
शूम—(अ) अशुभ, मनहूस, अभागा कंजूस
शेख़—(अ) बूढ़ा, वृद्ध, पचास वर्ष से अधिक आयु वाला, मुसलमानों के चार वर्गों में से एक, मुहम्मद साहब के घराने की उपाधि, मुसलमानों का धर्माचार्य
शेख उल् इस्लाम—(अ) अपने समय का इस्लाम का सबसे बड़ा धर्माधिकारी और अगुआ
शेख चिल्ली—(मि) एक प्रसिद्ध व्यक्ति का नाम जो अपने मूर्खता

पूर्ण कामों के लिये प्रसिद्ध है, बहुत बड़े बड़े मनसूबे बाधने वाला

शेखी—(अ) ऐंठ, अकड़, घमण्ड, गर्व, अहंकार, डींग, शान, आत्मश्लाघा

शेखी मारना—बहुत बढ़ बढ़ कर बातें करना, अपनी प्रशंसा की डींग हाँकना

शेफ्तगी—(फ़) आसक्ति, अनुरक्ति

शेफ्ता—(फ) आसक्त, अनुरक्त

शेब—(फ़) नशेब, (नीचा) का सक्षिप्त रूप

शेर—(फ) सिंह, बाघ, नाहर, बिल्ली की शक्ल का बहुत बड़ा जंगली हिंसक जन्तु, बहुत अधिक वीर और साहसी पुरुष

शेर—(अ) उर्दू की कविता के दो चरण, कविता, जानना

शेर आबी—(फ) पानी का शेर अर्थात् घड़ियाल

शेरख्वानी—(मि) कविता पढ़ना

शेरगोई—(मि) शेर या कविता पढ़ना

शेर दहाँ—(फ) जिसका मुँह शेर कासा हो, जिसके सिरों पर शेर के मुँह बने हों, जिसकी मुठिया शेर के मुँह के प्रकार की बनी हो, ऐसा मकान जो आगे से चौड़ा और पीछे की ओर सकरा हो

शेर पंजा—(फ) एक शस्त्र विशेष जो शेर के पंजे की शक्ल का होता है, बघ नखा

शेर बबर—(अ) अफ्रिका देश में पाया जाने वाला एक जाति का शेर जिसकी गर्दन पर बड़े-बड़े बाल होते हैं, केसरी

शेर मर्द—(फ) बहुत बड़ा बहादुर

शेवन—(फ़) क्रन्दन, कराहट, रोना, चिल्लाना, रो रो कर दुःख प्रकट करना

शेवा—(फ) ढंग, व्यवहार, प्रकार, तर्ज, तरीका, प्रणाली, दस्तूर, प्रथा

शै—(अ) चीज, पदार्थ, वस्तु, भूत-प्रेत

शैतनत—(अ) दुष्टता, शैतानी, शैतानपन

शैतान—(अ) दुष्ट, एक तामसी प्रकृति का देवता जो मनुष्यों को सन्मार्ग से बहका कर कुमार्ग में ले जाता

है, दुष्टस्वभाव के भूत प्रेतादि खुदा का दुश्मन
शैतान की आँत—किसी भी बहुत लम्बी वस्तु के लिए व्यंग्य में बोला जाता है
शैतानी–(अ) शैतान का काम, दुष्टता, शरारत, नीचता, पाजीपन, शैतान का, शैतान सम्बन्धी
शैदा—(फ़) मुग्ध, मोहित, मत्त, दीवाना, आसक्त, आशिक़
शैदाई—(फ) जो किसी पर आसक्त हो, मुग्ध, आशिक़
शोअरा—(अ) देखो 'शुअरा'
शोख़–(फ) चपल, चञ्चल, चालाक, ढीठ, धृष्ट, नटखट, गहरा और चमकदार रंग, माशूक़
शोख़ चश्म—(फ़) निर्लज्ज, बेहया, ढीट
शोख़ी—(फ) ढिठाई, धृष्टता, चञ्चलता, चपलता, नट-खट पन, रंग की गहराई और चमक
शोय—(फ) धुलाई, धोने की क्रिया
शोबदा—(अ) इन्द्रजाल, चमत्कार, जादू, धोखा
शोबदागर—(मि) जादूगर, ऐन्द्रजालिक
शोबदा बाज़—(फ) देखो 'शोबदागर'
शोबा—देखो "शुअबा"
शोर—(फ़) कोलाहल, चीख, पुकार, हल्ला गुल्ला, प्रसिद्धि, उन्माद, क्षार, नमक, खारा, क्षारयुक्त, ऊसर भूमि, रेह, शोरा
शोर पुश्त—(फ) झगड़ालू, उद्दण्ड
शोर बख़्त—अभागा, कमबख़्त
शोरबा—(फ) पानी में कोई चीज़ उबालकर बनाया हुआ रसा, जूस, यूष
शोरा—(फ) लौनी मिट्टी से तैयार किया हुआ एक क्षार
शोरा पुश्त–(फ) देखो "शोरपुश्त"
शोराबा—(फ) खारा पानी
शोरिश—(फ) झगड़ा, फसाद, हुल्लड़, शोर, गुल, हल-चल, खलबली
शोरीदा—(फ) व्याकुल, विह्वल, घबराया हुआ
शोरीदा सार—(फ) उन्मत्त, पागल, विक्षिप्त
शोला—(अ) आग की लपट, ज्वाला, प्रकाश

शोलाखू—(मि) उग्र स्वभाव वाला, गरम मिजाज वाला

शोलाजन—(मि) प्रकाशित, चमकता हुआ

शोलारू—(मि) रूप वान, सुन्दर, तेजस्वी

शोशा—(फ) किसी चीज़ की निकली हुई नोक, कोई अद्भुत बात

शोहदा-(फ) "शहीद" का बहुवचन गुण्डा, धूर्त, लम्पट, व्यभिचारी

शोहर ए आफ़ाक़-(मि) जगत प्रसिद्ध, विश्वविख्यात

शोहरत—(अ) देखो "शोहरत"

शोहरा—(अ) देखो "शोहर"

शौक़—(अ) रुचि, प्रेम, अनुराग, उत्साह, प्रवृत्ति, झुकाव, प्रसन्नता, उपभोग

शौकत—(अ) ठाट, शान, प्रभाव, आतंक, कांटा, बल, शक्ति

शौक़िया—(अ) शौक़ से, मनोरंजन के लिये, शौक़ से भरा हुआ, शौक़वाला

शौक़ीन—(अ) शौक़ करनेवाला, ठाट बाट से रहने वाला

शौक़ीनी-(अ) शौक़ीन होने का भाव

शौहर—(फ) स्त्री का पति, स्वामी, मालिक, खसम

शौहरा—(फ) वर के माथे पर बांधा जाने वाला सहरा

शौहर परस्त—(फ) पति पूजक, पतिव्रता

स

सग—(फ) पत्थर

सगचा—(फ) ओला, उपल

सगजान—(फ) जिसके प्राण कठिनाई से निकलें, जिसके मरने में बहुत समय लगे या कष्ट हो, निर्दय

संगतराश—(फ) जो पत्थर को काट-छांटकर उसमें से भांति भांति की चीजें बनाते हैं

सग तराशी-(फ) संगतराश का काम पत्थर को काट-छांटकर चीजें बनाना

सगदिल—(फ) जिस का दिल पत्थर जैसा हो, कठोर हृदय, निदय क्रूर

सगदिली—(फ) कठोर हृदयता, निर्दयता, क्रूरता

सग पुश्त—(फ) जिसकी पीठ पत्थर

जैसी कड़ी हो, कछुआ, कच्छप

सगअसरी—(मि) एक प्रकार का पत्थर, जो दवा के काम में आता है

सगगून—(फ) पथरीली जमीन

संग मरमर—(फ) एक सफेद चम कीला और मुलायम बढ़िया पत्थर

संग मूसा—(मि) एक काला चमक-दार मुलायम और बढ़िया पत्थर

सगरू—(फ़) निलज, वेश्या

संगरेज़ा—(फ़) कंकड़, रोड़ा

संगलाख—(फ) जहां पत्थर ही पत्थर हों, पथरीला या पहाड़ी स्थान

संगशोई—(फ) दाल या चावलों को पानी में डालकर नीचे बैठे हुए कंकड़ पत्थरों को बीनना

संगसाज़—(फ) लीथो की छपाई में पत्थर पर बने हुए अक्षरों की ग़लतियां ठीक करने वाला

संगसार—(फ़) अपराधी को कमर तक ज़मीन में गाड़कर पश्चात् पत्थर मार-मार के उसके प्राण लेना, (इस्लामी धर्मशास्त्र में व्यभिचारी के लिये इस दंड का विधान है)

संगसारी—(फ) देखो "संगसार"

संगिस्तान—(फ़) पहाड़, वह स्थान जहां पत्थर ही पत्थर हों

संगी—(फ) पत्थर का बना हुआ

संगी—(फ) भारी, गम्भीर, बोझल, पत्थर का बना हुआ, मज़बूत, टिकाऊ, एक नुकीला हथियार जो बन्दूक की नाल के सिरे पर लगाया जाता है

संगीन दस्त—(फ़) धीरे धीरे काम करनेवाला, दीर्घसूत्री

संगीन दिल—(फ़) कठोर हृदय

संगीनी—(फ) मज़बूती, पुख्ता, गुरुता, भारीपन

संगे असवद—(मि) काबे में रक्खा हुआ वह काला पत्थर जिसे मुसल्मान लोग परम पवित्र सम झते हैं और जो कोई हज करने जाता है वही उसे चूमता है

संगे आस्ताँ—(फ़) घर की देहली का पत्थर

संगे ख़ारा—(फ़) एक प्रकार का नीला पत्थर

संगेज़र—(फ़) कसौटी.

संगे तराज़ू—(फ) बाँट, बटखरे
संगेनसू—(फ) सफेद पत्थर
संगे मज़ार—(मि) कब्र पर लगा हुआ पत्थर, जिसपर मृत व्यक्ति का नाम तथा उसके जन्म मरण की तारीखें लिखी होती हैं
संगेमसाना—(मि) वह पत्थर जो मनुष्य के मूत्राशय में पैदा हो जाता है, मूत्राशय की पथरी
संगे माही—(फ) एक प्रकार का पत्थर जिसके लिए कहा जाता है कि वह मछली के सिर में से निकलता है
संगे मिक़नातीस—(मि) चुम्बक पत्थर.
संगे यशब—(फ) हरे रंग का एक पत्थर जिसके लिये कहा जाता है कि उसके टुकड़े गले म पहनने से हृदय रोग शान्त हो जाता है, हौलदिली
संगे राह—(फ़) राह का रोड़ा, विघ्न, बाधा
संगे लरज़ाँ—(फ़) एक प्रकार का लचीला पत्थर जो हिलाने से लचकता है
संगे लोह—(मि) देखो "संगे मज़ार"
संगे शजर—(मि) एक विशेष प्रकार का पथर जो समुद्र या नदियों में से निकलता है
संगे सिमाक़—(मि) एक प्रकार का सफेद पत्थर
संगे सीना—(फ) छाती पर का पत्थर, कोई अप्रिय बात या वस्तु
संगे सुरमा—(फ़) सुरमे की डली
संगे सुर्ख़—(फ) लाल रंग का पत्थर.
संगे सुलेमानी—(मि) एक प्रकार का दोरंगा पत्थर जिसके बने गुरियों की माला मुसल्मान फ़क़ीर पहनते हैं
सज—(फ) समझने वाला, जानने वाला, (यौगिक शब्दों के अन्त में, जैसे, सखुनसज आदि)
सजाफ़—(फ़) गोट, किनारी, हाशिया, वह पतली पट्टी जो लहँगा या लिहाफ़ के किनारे पर लगाई जाती है
सजीदगी—(फ़) गम्भीरता, धीरता,

भारी भरकम होना

सजीना—(फ) गम्भीर, भारी भरकम, नपा-तुला, ठीक, उपयुक्त, ठीक निशाना लगाने वाला,

सअद—(अ) शुभ, मंगलकारक, सौभाग्य, खुशकिस्मती, ग्रहों आदि का शुभ प्रभाव

सअब—(अ) विष, कठिन, कठोर.

सआदत-(अ) नेकी, भलाई, सौभाग्य

सआदतमन्द—(मि) आज्ञाकारी, सुयोग्य, भाग्यशाली, (प्राय पुत्रादि के लिये आता है)

सई-(अ) प्रयत्न, कोशिश, दौड़ धूप, परिश्रम, सिफारिश

सइद—(अ) भला, शुभ, भाग्यवान्

सइस—( ) देखो "साइस"

सइ सिफ़ारिश—(मि) प्रयत्न, दौड़ धूप

सऊद—(अ) भाग्यवान, शुभ, भला.

सऊबत—दिक़त, कठिनाई, संकट, आफ़त

सक़्ता—(अ) फिमल्ना, गिरपड़ना, एक प्रकार का मूर्छा रोग, मिरगी, स्तम्भित या चकित होने की अवस्था, कविता में यति अथवा यति भंग दोष

सक़नक़ूर—(तु) गोह की तरह का एक जीव जो प्राय रेतीली ज़मीन में रहता है, रेगमाही

सकना-(अ) "साकिन" का बहुवचन

सक़्फ़—(अ) मकान की छत

सक़्मूनिया—(यू) एक रेचक दवा

सक़र—(अ) नरक, जहन्नुम, दोज़ख

सक़लैन—(अ) मनुष्यों और भूतों के दो समुदाय

सक़ाल—(अ) पृथुल थिलथिली, मोटी (स्त्री)

सक़ालत-(अ) भारीपन, गरिष्ठपन भारी चेष्टा

सक़ित—(अ) अपूर्ण गर्भ, भ्रूण

सक़ीम (अ) रुग्ण, रोगी बीमार, दोषयुक्त, ऐबदार

सक़ील—(अ) भारी, बोझल, गरिष्ठ, देर में हज़म होनेवाला

सकून—(अ) देखो "सकूत"

सकून-(अ) मनकी शान्ति, ठहरना.

सकूनत—(अ) ठहरने की जगह, रहने को जगह, निवासस्थान

सक़्क़ा-(अ) भिश्ती, मशक में भरके पानी लाने वाला

सक़्क़ावा-(अ) पनी रखने की टकी, पानीका हौज

सक्क़—(अ) मकान की छत, छत पर बना हुआ कोटा

सक्त—(अ) शक्ति, बल

सख़ावत-(अ) दानशीलता, उदारता, कड़ाई, कठोरता

सख़ी—(अ) दाता, दानी, उदार

सख़ुन—(फ़) बात, कथन, उक्ति, वचन, कहावत, कविता, प्रतिज्ञा, वादा

सख़ुन चीन—(फ़) चुगलखोर, पिशुन

सख़ुन तकिया—(फ) वह वाक्य या वाक्यांश जिस का बात चीत से कोई सम्बंध न होने पर भी अभ्यास वश बहुत से लोग बार-बार प्रयोग करते हैं तकिया कलाम

सख़ुन दाँ—(फ) कवि, साहित्य का ज्ञाता, जो उक्तियों का भाव समझता हो, शायर

सख़ुन परवर—(फ) अपने वचन का पालन करने वाला बात का धनी

सख़ुन फ़हम—(फ़) बात चीत का मर्म समझने वाला, चतुर, बात को पहचानने वाला

सख़ुन रस-(फ) देखो सख़ुन फ़हम

सख़ुनवर—(फ) देखो "सख़ुन दाँ"

सख़ुन शिनास—(फ) बात को पहचानने वाला, बात की तह तक पहुचने वाला, बात का तत्व समझने वाला

सख़ुनसज—(फ) देखो "सख़ुनदाँ"

सख़ुन साज़—(फ) बातों को घड़कर सुन्दर ढंग से कहने वाला, सुवक्ता, बातें बनाने वाला, गप्पी, झूठा

सख़ून—(अ) जलता हुआ

सख़ूनत—(अ) गरम, उष्ण

सख़्त—(फ) कड़ा, कठोर, भारी, सगीन, मुश्किल, निदय, कठोर हृदय, बहुत अधिक

सख़्त जान—(फ) जिस के प्राण मुश्किल से निकलें, महाप्राण कष्ट सहिष्णु, कठोर हृदय, निर्दय, क्रूर

सख़्त दिल-(फ़) कठोर हृदय, निर्दय

सख़्त मीर—(फ़) देखो सख्त जान

सख़्ती—(फ़) कठोरता, कड़ाई,

दारदपट, कड़ा व्यवहार, दृढ़ता, तीमता, तेज़ी

सग—(फ़) कुत्ता, कुक्कुर, श्वा

सगजान—(फ़) लालची, लुब्धक

सग सार—(फ) कुत्ते की तरह, कुत्ते के समान

सारो—(फ़) निर्लज्जता, क्रूरता

सग़ब—(अ) भूखा प्यासा

सग़ीर—(अ) छोटा, लघु, अल्प कम

सग़ीर सिन—(अ) कम उम्र का, अल्प वयस्क

सग़ी सिनी—(अ) अल्प वयस्कता, नाबालिग़ी, कमसिनी.

सग़—(अ) छोटापन, लघुता, लघुत्व

सजन—(अ) कारागार, क़ैदख़ाना

सजफ़—(अ) परदा, रात का अँधेरा

सजल—(अ) पानी से भरा हुआ बड़ा डोल

सजा—(अ) पक्षियों का कलरव, कविता, छन्द, ऐसा वाक्य अथवा पद जिससे किसी व्यक्ति का नाम सूचित होता हो तथा उस नाम से भिन्न उसका और भी अर्थ होता हो

सज़ा—(फ) दण्ड, क़ैदख़ाने में रखने का दण्ड

सज़ाए क़त्ल—(मि) प्राणदण्ड, फाँसी या सूली की सज़ा

सज़ाए मौत—(मि) देखो "सज़ाए क़त्ल"

सज़ायाफ्ता—(फ़) जो सज़ा पा चुका हो, जो क़ैद भोग चुका हो

सज़ावार—(फ) दण्डनीय, सज़ा पाने लायक, सज़ा पाया हुआ

सज़ा वार—(फ) दण्डनीय, शुभ फल देने वाला, उचित, वाजिब, उपयुक्त

सज़ावुल—(तु) तहसीलदार, सरकारी रुपया वसूल करने वाला

सजीन—(अ) क़ैदी, बन्दी

सज्जाद—(अ) सिर झुकाने वाला, सिजदा करने वाला

सज्जादा—(अ) किसी महात्मा या फ़क़ीर की गद्दी, वह बिछावन, जिसे बिछाकर नमाज़ पढ़ते हैं, मुसल्ला, जानमाज़

सज्जादा नशीन—(मि) जो किसी पीर या फ़क़ीर की गद्दी पर बैठा हो

सतर—(अ) पंक्ति, लकीर, रेखा, अवली, आड़, ओट, परदा, मनुष्य की मूत्रेन्द्रिय, क्रुद्ध, कुपित टेढ़ा, वक्र

सतरदन—(फ) बन्ध्या, बाँझ स्त्री

सतरनज—(फ) दो-तीन प्रकार के अनाज एक में मिले हुए, सत नजा

सतह—(अ) तल, धरातल, किसी वस्तु का ऊपरी भाग, मकान का फर्श, वह विस्तर जिसमें केवल लम्बाई चौड़ाई हो

सतह—(मि) भूतल, मैदान

सताइश—(फ) प्रशंसा, तारीफ

सतून —(फ) स्तम्भ, खम्भा,

सतूर—(अ) "सतर" का बहुवचन

सत्त—(अ) पुरुष की गुप्तेन्द्रिय, आड़, ओट, परदा

सत्तार—(अ) बड़ा, छिपने वाला, खुदा का नाम

सद—(अ) सत, सौ, बाधा, आड़, रुकावट, दीवार, परदा, ओट

सदक़ा—(अ) निछावर, उतारा, दैगान, दान

सदपा—(मि) कान खजूरा नामक जन्तु

सदफ़—(अ) सीपी, शुक्ति, वह सीप जिसमें मोती निकलता है, शराब का छोटा प्याला, तीन तारे जो ध्रुव की ओर होते हैं

सदबर्ग—(फ़) गेंदा का फूल जिसमें सैकड़ों पंखड़िया हों

सदमा—(अ) कष्ट, दुख, चोट, वेदना, आघात, धक्का, रंज

सदर—(अ) प्रधान, सभापति, मुखिया, बड़ा, विशिष्ट, श्रेष्ठ, मुख्य, खास, प्रधान, मुखिया, अथवा सभापति के कार्य करने या रहने का स्थान, सम्मुख, सामने, अग्रभाग, छाती, वक्ष स्थल, आँगन, चौक, सहन

सदर आज़म—(अ) प्रधान मन्त्री, मुख्यामात्य

सदर आला—(अ) सबजज, छोटा जज

सदर जहान—(मि) एक कल्पित भूत या जिन जिसे औरतें पूजती हैं

सदर नशीं—(मि) प्रधान, सभापति

सदरनशीनी—(मि) प्रधानत्व, सभापतित्व

सदर सदूर—(अ) मुख्य न्यायाधीश

सदरा—(अ) एक पहनने का कपड़ा
सदरी—(अ) फतुही, कुर्ती
सदहा—(अ) सैकड़ों, बहुत से
सदा—(अ) आवाज़, गूंज, प्रतिध्वनि, शब्द, मांगने या पुकारने की आवाज़
सदाए गिरिया—(मि) कराहना, रोना पीटना
सदाकत—(अ) सचाई, मित्रता, गवाही
सदाद—(अ) कार्यवाही, घटना
सदारत—(अ) सभापतित्व, प्रधानत्व, अध्यक्षता
सदी—(अ) शताब्दी, सौ वर्ष का समय
सद्द—(अ) दीवार, रोक, रुकावट, बाधा, हद
सद्दे याजूज—(अ) सद्दे सिकंदर.
सद्दे सिकन्दर—(मि) चीन देश की प्रसिद्ध दीवार जो संसार के सात आश्चर्यों में से एक मानी जाती है कहते हैं इसे बादशाह सिकन्दर ने बनवाया था
सद्र—(अ) देखो "सदर"
सन—(अ) वर्ष, संवत्, साल
सनअ—(अ) सुन्दरता
सनअत—(अ) कलाकौशल, कारीगरी, शिल्प
सन जुलूस—(अ) राज्याभिषेक का संवत्
सनद—(अ) प्रमाण पत्र, प्रामाणिक बात, आज्ञा, प्रमाण, जिसपर विश्वास किया जा सके, विश्वसनीय, बड़ा तकिया, मसनद, गाव तकिया
सनदन—(अ) प्रमाण के रूप में
सनफ—(अ) भेद, प्रकार
सनबोसा—(फ) समोसा, तिरकोन, एक पकवान विशेष
सनम—(अ) प्रिय, प्यारा, प्रेमपात्र या प्रेमिका, मूर्ति, दुर्गन्ध
सनमकदा—(मि) प्रेमपात्र या प्रेमिका के रहने का स्थान, मन्दिर.
सनम खाना—(मि) देखो सनमकदा
सना—(अ) प्रकाश, प्रशंसा, स्तुति, तारीफ, ऊँचाई, सनाय नामक घास जो दस्तावर होती है।
सनाअत—(अ) कारीगरी, शिल्प, कलाकौशल.

सनागर—(मि) स्तुति करनेवाला, प्रशंसक

सनाया—(अ) कलाकौशल, कारीगरी, शिल्प

सनोवर —(अ) चिलगोज़ा का पेड़, चीड़ का दरख्त

सन्दल—(अ) चन्दन

सन्दली—(अ) संदल या चन्दन से बनाया हुआ, चन्दन का, चन्दन के से रंग का, (फ़) छोटी चौकी

सन्दूक़—(अ) बक्स, पेटी, लकड़ी का बना हुआ चौकोर पिटारा

सन्दूक़चा—(मि) छोटा संदूक़

संदूक़चो—(मि)छोटा सन्दूक़

सन्दूक़ी-(अ) सन्दूक के आकार का, सन्दूक की तरह का

सन्नाअ-(अ) महान् कलाकार, बहुत बड़ा कारीगर

सपाहत —(अ) यात्रा, सफ़र

सपिस्तॉ —(फ) हिसौड़ा नामक फल विशेष

सपुर्द —(फ) सौंपना, रक्षापूर्वक रखने के लिए देना।

सपुर्दगी-(फ) सौंपे जाने की क्रिया, रक्षापूर्वक रखने की ज़िम्मेदारी

सपेद—(फ) सफेद, श्वेत, उज्ज्वल, गोरा, चिट्टा कोरा, सादा, एक नदी, एक क़िले और एक भूत का नाम

सपेद बख़्त—(फ़) सौभाग्यशाली, जिसका भविष्य उज्ज्वल हो

सपेदा—(फ) उष:कालीन उजाला, प्रातःकाल का प्रकाश, एक प्रसिद्ध दवा

सफ़—(अ) पंक्ति, लाइन, क़तार, लम्बी शीतल पाटी

सफ आरा-(मि) युद्ध में व्यूह-रचना करने वाला, लड़ाई में सेना की पंक्तियां अथवा स्थान नियत करने वाला

सफ़जंग—(मि) युद्ध के लिए व्यूह रचना, सैनिकों की यथा स्थान नियुक्ति

सफ़दर—(अ) व्यूह का भेदन करने वाला, सैनिकों की पंक्ति को तोड़ने वाला

सफ़र—(अ) यात्रा, प्रस्थान, मार्ग चलने की अवस्था, एक प्रकार का उदर रोग, अवकाश, अरबी

वर्ष का दूसरा महीना

सफ़र नामा—(मि) यात्रा विवरण

सफरा—(अ) पित्त, शरीर में रहने वाले तीन दोषों में से एक (दूसरा)

सफरावी—(अ) पैत्तिक, पित्त सम्बन्धी

सफ़री—(फ़) यात्रा में काम आने वाला, यात्रासम्बन्धी, मार्गव्यय, पाथेय, एक फल विशेष, अमरूद

सफ़वी—(फ़) शाह सफ़ी नामक फ़क़ीर से चला हुआ वंश जो फ़ारस या ईरान का एक राज वंश कहा जाता है

सफ़ह—(अ) पुस्तक के पृष्ठ, किसी वस्तु का वह भाग जो ऊपर या सामने दिखाई पड़े, तल, विस्तार

सफ़ह ए हस्ती—(मि) भूतल

सफ़हा—(अ) देखो "सफ़ह"

सफ़ा—(अ) पवित्र, स्वच्छ, विशुद्ध, निर्मल, चमकदार, सफ़ह या सफ़हा

सफ़ाई—(अ) पवित्रता, स्वच्छता, विशुद्धता, निर्मलता, मन की मलिनता का दूर करना, कुटिलता या कपट भाव का हटाना, परस्पर के झगड़े का निपटारा, किसी पर लगाए गए दोषों का हटा लेना, कूड़ेकचरे को दूर करने की क्रिया

सफ़ाचट—(मि) एकदम साफ, बिल्कुल साफ

सफ़ाद—(अ) बेड़ी और जंजीर जिन से क़ैदी को बांधते हैं

सफ़ाया—(अ) पूरी तरह से सफ़ाई, कुछ भी शेष न रहना, सफ़नाश

सफ़ी—(अ) शुद्ध, पवित्र, स्वच्छ, साफ फारस के एक प्रसिद्ध फ़क़ीर का नाम जिससे वहां का 'सफ़वी' नामक राजवंश चला था

सफ़ीना—(अ) नाव, नौका, किश्ती, अदालती परवाना, इत्तला नामा, समन, वारंट, नोट बुक, वह काग़ज़ जिसमें याद रखने के लिये कोई बात लिखी गई हो

सफ़ीर—(अ) राजदूत, एलची, सन्देशवाहक, कबूतर आदि पालतू पक्षियों को बुलाने के

लिये मुहसे किया हुआ सीटी का सा शब्द, पक्षियों का कलरव

सफूफ—(अ) चूर्ण, चून, कोई भी सूखी पीसी हुई वस्तु

सफेद—(फ) सफेद, श्वेत, चिट्टा, धौला, कोरा, सादा

सफेदकार—(फ) शुभ काम करने वाला, भक्त

सफेद चश्म—(फ) निर्लज्ज, बेहया

सफेद चश्मी—(फ) निर्लज्जता

सफेद पोश—(फ़) साफ कपड़े पह नने वाला, शिष्ट या भद्र व्यक्ति, भलामानुस

सफेद बख्त—(अ) भाग्यवान, भाग्य शाली

सफेदा—(फ) जस्ते का फूल, जो दवा अथवा लोहा-लकड़ी रंगने के काम आता है, आम या खरबूजे की एक किस्म

सफेदी—(फ़) कलई, एक विशेष पत्थर की राख जो मकान आदि पोतने में काम आती है, चूना, धवलता, श्वेतिया, दीवार आदि पर क़लई या चूने की पुताई

सफे मातम—(मि) वह फ़र्श या चटाई जिसपर बैठकर मातम किया जाय

सफ्फा—(अ) साफ़, बरबाद, विनष्ट, सफाचट

सफ्फाक़—(अ) हत्याकारी क़ातिल, क्रूर, निर्दय

सबक—(अ) सोने चादी के सिक्के ढालना

सबक—(अ) पाठ, पुस्तक का उतना अंश, जितना एक बार में पढ़ा जाय, शिक्षा, उपदेश, किसी काम में किसी से आगे बढ़ जाना, शर्तिया बाज़ी लगाना

सबक़त—(अ) किसी काम में किसी से आगे बढ़जाना

सबत—(अ) घुघराले बाल

सबब—(अ) कारण, हेतु, वजह, साधन, द्वार, रस्सी

सबल—(अ) आंखों का एक रोग

सबहा—(अ) माला के दाने, गुरिया, मनके

सबा—(अ) प्रात काल चलने वाली पूर्वी हवा, सात, सप्त

सबात—(अ) स्थिरता, दृढ़ता, टिकाऊ-पन

सबासैयारा—(अ) सात सितारे, सप्तर्षि मण्डल
सबाह—(अ) प्रात काल, सवेरा, प्रभात,
सबाहत—(अ) सौन्दर्य, गोरापन, गोराई, पानी में तैरना
सबिया—(अ) लड़की, सवैया, छन्द
सबील—(अ) प्याऊ, प्रपा, वह पानी या शर्बत जो ईश्वर के नाम पर पिलाया जाय, उपाय, मार्ग, सड़क
सबीह—(अ) सुन्दर, गौर वर्ण, गोरा, खूबसूरत
सबू—(फ) घड़ा, मटका
सबूचा—(फ) घड़िया, मटकी
सबूत-(अ) प्रमाण, दृढ़ता, स्थिरता, टिकाऊपन, मज़बूती
सबूर—(अ) नष्ट होना, नष्ट करना, सब्र करने वाला
सबूरा—(अ) कपड़े आदि की बनाई हुई पुरुषेन्द्रिय के आकार की वस्तु जिससे कुछ स्त्रियां अपनी कामाग्नि बुझाती हैं
सबूरी-(अ) सन्तोष, धैर्य, सहिष्णुता
सबूस—(फ) भूसी, चोकर
सबूह—(अ) प्रात काल पीजाने वाली शराब
सबूही—(अ) सवेरे के वक्त शराब पीना
सब्ज़—(फ) हरा, हरित वर्ण का, कच्चे और डाल से तोड़े हुए वनस्पति या फल फूल शुभ, मंगल कारक, उत्तम, सांवला, मादक
सब्ज़ बाग दिखाना—(अ) किसी को झूठ-मूठ बड़ी बड़ी आशाएँ देना,
सब्ज़क—(फ) नीलकण्ठ नामक पक्षी
सब्ज़ क़दम—(मि) अशुभ मनहूस, अमंगल कारक, जिस का आना अशुभ समझा जाय
सब्ज़कार —(फ) उत्तम काम करने वाला
सब्ज़ चश्म-(फ) भूरी आंखों वाला
सब्ज़ ताऊस—(फ) आसमान
सब्ज़ पा—(फ) देखो "सब्ज़ क़दम"
सब्ज़ पोश—(फ) हरे रंग के कपड़े पहनने वाला
सब्ज़ बख्त—(फ) सौभाग्य शाली, भाग्यवान, किस्मतवर

सब्ज़ बख्ती—(फ) खुशकिस्मती, सौभाग्य

सब्ज़ा—(फ) हरियाली, पन्ना नामक रत्न, सफेद रग का घोड़ा, भाँग, विजया

सब्ज़ाने चमन—(फ) वृक्ष, वनस्पति

सब्ज़ा बेगाना—(फ) अपने आप उगनेवाली हरियाली, बिना बोये आने वाली वनस्पति

सब्ज़ी—(फ) हरियाली, साग भाजी, हरी तरकारी वनस्पति, भाग

सब्त—(अ) लिखावट, लेख, मोहर, छाप

सब्बाक़—(अ) आगे बढ़जाने वाला, सबक़त ले जानेवाला

सब्बाग़—(अ) रगरेज, कपड़े रगने वाला

सब्बार—(अ) परम सतोषी, अत्यत सब्र करने वाला

सब्बाह—(अ) तैरनेवाला

सब्र—(अ) सतोष, धैर्य, सहिष्णुता

सब्र पड़ना—(अ) किसी सताये हुए व्यक्ति के सन्तोष का सताने वाले को कुफल मिलना

सम—(अ) विष, ज़हर, सुई का नाका

समअ—(अ) सुनना, सुनने की शक्ति, कान

समअ ख़राशी—(मि) व्यर्थ की बकवाद करके दिमाग़ चाटना, कान खाना

समअत—(अ) सुनना

समद—(अ) श्रेष्ठ, बड़ा, उच्च, महान्, वैभव-सम्पन्न, निरीह, शाश्वत, स्थायी, ईश्वर

(फ) चमेली

समन—(अ) मूल्य, दाम, वह अदालती आज्ञा पत्र जिसमें किसी को अदालत में उपस्थित होने की आज्ञा होती है

समन अन्दाम—(फ) वह जिसका शरीर चमेली के फूल सदृश गोरा और कोमल हो, अत्यत रूपवान

समन्द—(फ) घोड़ा, बादामी रग का घोड़ा

समन्दर—(फ) समुद्र, दरिया, एक प्रकार का कल्पित चूहा जिसकी उत्पत्ति आग से हुई मानी जाती है

समर—(अ) फल, परिणाम, लाभ, पुत्र, सतान, धन, सम्पत्ति

समरा—(अ) परिणाम, लाभ, फल, बदला

समरात-(अ) "समर" का बहुवचन

समसान—(अ) तल्वार, चालाक

समसाम—(अ) नगी तल्वार, तेज तलवार

समा—(अ) आकाश

समाअ—(अ) सुनना, गीत आदि सुनना

समाअत—(अ) सुनवाई, सुनना, सुनने की क्रिया

समाई—(अ) श्रुत, सुना हुआ, दूसरों का कहा हुआ

समाक़—(अ) एक प्रकार का पत्थर

समाजत—(अ) लज्जा, दारनिन्दगी, विनय, चापलूसी, लल्लोचप्पो, खुशामद

समावी—(अ) ऊपर से आया हुआ, दैवी, आकाश से उतरा हुआ

समीअ—(अ) सुननेवाला, सुनवाने वाला, ईश्वर का एक नाम

समीर—(अ) वह कार्य या प्रयत्न जिसका परिणाम निकल आया हो, सफल, फलदार

समुन्दर—(फ) देखो "समन्दर"

समूम—(अ) गरम हवा, लू, विषाक्त वायु

समूर—(अ) लोमड़ी की जाति का एक जीव जिसकी बड़े बड़े बालों वाली खाल को वस्त्र बनाने या गले में लपेटने के काम लाते हैं

सम्त—(अ) सीध, दिशा, ओर, तरफ़

सम्त-उल-रास—(अ) उन्नति चरम सीमा, शीर्ष बिन्दु

सम्बुल—(अ) एक सुगंधित वनस्पति जिसके पतले पतले रेशे बाल जैसे होते है, बालछड़, जटामाँसी, गेहूं जौ की बाल, माशूक़ की जुल्फ़ें.

सम्म—(अ) विष, ज़हर, न सुनना, बहरापन

सम्माअ—(अ) बड़ा सुननेवाला, चायुस.

सम्मे क़ातिल—(अ) घातक विष, हलाहल

सर—(फ़) सिर, शीश, चिन्ता, विचार, वश, शक्ति, परास्त,

किया हुआ, दमन किया हुआ, जीता हुआ, प्रारम्भ, शुरू, सामने, ऊपर, खेल में चला जानेवाला ताश का पत्ता

सर पर कफ़न बाँधना } = मरने के
सर हथेली पर लेना } लिए उद्यत रहना

सर अजाम—(फ़) सामग्री, सामान, व्यवस्था, प्रबन्ध, कार्य की समाप्ति, परिणाम

सर अन्दाज़—(फ़) घमण्डी, अभिमानी

सर आमद—(फ) श्रेष्ठ, अच्छा, बड़ा, पूर्ण, पूरा, पूरा करने वाला, समाप्त करनेवाला

सरक़ए बिलजब्र—(फ) डाका, जबरदस्ती छीनना

सरक़त—(अ) चोरी

सर कदगी—(फ) अध्यक्षता

सरकश—(फ़) उच्छृंखल, उद्दण्ड, विद्रोही, बागी

सरकशी—(फ़) उच्छृंखलता, उद्दण्डता, विद्रोह, सिर उठाना

सरका—(अ) चोरी

सरकार—(फ़) शासक, व्यवस्थापक, मालिक, प्रभु शासन, सत्ता, राज्य-संस्था, रियासत

सरकारी—(फ) राजकीय, शासन सम्बन्धी, राज्य का, मालिक या सरकार का

सर कोबी—(फ) दण्ड देना, सर-कुचलना

सरखत—(मि) मकान का किरायानामा, वह दस्तावेज़ जिस पर मकान दुकान आदि किराये पर दिये लिये जाने की शर्तें लिखी जाती हैं, परवाना, आज्ञा पत्र ऋण लेने और चुकाने का ब्योरा.

सरखुद—(फ़) स्वतन्त्र, स्वच्छन्द.

सर खुश—(फ़) सब प्रकार सुखी, सर्व सुखी जिसपर शराब का हल्का-सा नशा चढ़ा हो.

सर खुशी—(फ़) सर्व सम्पन्नता सर्वानन्द, शराब का हल्का नशा, सरूर.

सर खेल—(फ़) अमीर, सरदार, कुटुम्ब या जाति का मुखिया, सरगना

सरग़ाना—(फ़) जाति या कुटुम्ब का मुखिया, नेता, सरदार,

प्रधान

सर गरदाँ—(फ) व्याकुल, व्यथित, घबराया हुआ, स्तम्भित, बलिहार, निछावर

सरगरम—(फ) उत्साहपूर्ण, आवेश पूर्ण तत्पर, मस्त

सरगरोह—(फ) जाति या समूह का मुखिया, प्रधान, नेता

सर गर्दा—(फ) जाति का मुखिया

सरगश्तगी—(फ) विकलता, घबराहट, भ्रान्ति, भटकना

सरगश्ता—(फ) भ्रान्त, भटका हुआ, व्यथित, व्याकुल, दुर्दशा ग्रस्त

सरगिराँ—(फ) अप्रसन्न, नाराज़, क्रुद्ध, घमंडी, जिसका सिर नशे आदि के कारण भारी हो

सरगुज़श्त—(फ) वह वृत्तान्त जो अपने ऊपर गुज़री, आप बीती घटना, आत्म चरित्र, हाल, जीवन चरित्र

सरगोशी—(फ) कान में बात करना, कानाफूसी, पीठ पीछे किसी की शिकायत करना, चुगली या निन्दा करना

सर चश्मा—(फ) स्रोत, सोता, नदी आदि का उद्गम स्थान

सरज़द—(फ) अचानक किसी काम का होना, अकस्मात किसी घटना का घटित होना, प्रकट, ज़ाहिर, घृत

सरज़दा—(फ) अचानक, अज्ञान, अनजान,

सर ज़निश—(फ) धिक्कार, भत्सना, लानत

सर ज़नी—(फ) उद्योग, प्रयत्न, कोशिश

सरजमीना—(फ) देश, मुल्क, भूमि, ज़मीन

सरज़ोर—(फ) प्रबल, शक्तिशाली, बलवान, ताकतवर, ज़बरदस्त, विद्रोही, उद्दण्ड, दुष्ट, नटखट.

सरताज—(फ) परम पूज्य, सर्वश्रेष्ठ, महा माननीय, सर्वोपरि सर्वोत्कृष्ट

सरतान—(अ) केकड़ा, कर्क, एक जल जन्तु जिसकी शक्ल बिना पूँछ के बिच्छू की सी होती है ज्योतिष में कर्क राशि, एक प्रकार का फोड़ा जो बहुत बड़ा होता है और बड़ी कठिनाई से अच्छा होता है

सर ता पा—(फ) सिर से पैर तक, एडी से चोटी तक, सर्वाङ्ग सम्पूर्ण आदि से अन्त तक
सरतान—(फ़) विद्रोही, बागी, उद्दण्ड
सरताबी—(फ) विद्रोह, बगावत, उद्दण्डता
सरदर्दी—(फ) कष्ट, परिश्रम, प्रयत्न, उद्योग, कोशिश
सरद्वाल—(फ़) घोडे के मुह पर पहनाने का साज़ जिसमें लगाम लगी रहती है, तुकता, मोहरी
सरदा—(फ़) खरबूज़े की जाति का एक बहुत बढ़िया फल
सरदाब—(फ़) ठडा पानी, तहखर, तहखाना, जो गर्मियों में रहने के वास्ते ज़मीन के अन्दर बनाया जाता है
सरदाबा—(फ़) ठडे जल से स्नान, ठडा पानी रखने का स्थान, तहखह, तहखाना
सरदार—(फ) अमीर, रईस, श्रेष्ठ व्यक्ति, मुखिया, अगुआ, नायक, नेता
सरदारी—(फ) सरदार का पद, भाव या काय
सरदी—(फ) देखो "सर्दी"
सरनविश्त—(फ) विधाता के अक, विधि का लिखा, भाग्य का लेखा, भाग्य
सरनाम—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात
सरनामा—(फ़) पत्र में लिखी जाने वाली प्रशस्ति, पत्र या लिफाफे पर लिखा हुआ पता
सरनिगूँ—(फ) औंधे मुँह, जिसका मुँह नीचे की ओर हो, जिसने सिर झुका लिया हो, लज्जित, शरमिन्दा
सरपच—(मि) पचों में प्रधान, प्रधान पच
सरपरस्त—(फ़) सरक्षक, अभिभावक
सरपरस्ती—(फ़) सरक्षकता, अभिभावकत्व
सरपोश—(फ़) ढक्कन, ढकना, आवरण
सरफराज़—(फ) प्रतिष्ठित, माननीय, जिसके साथ प्रथम समागम हो वह वेश्या
सरफराज़ी—(फ़) अभिमान, घमण्ड
सरफा—(फ) देखो "सफा"

सरफ़ नहव—(फ़) व्याकरण शास्त्र
सर-ब मुहर—(फ़) कुल, तमाम, पूरा, जिस पर मुहर लगी हो, मुँह बन्द
सरबराह—(फ़) व्यवस्थापक, प्रबन्धक, कारिन्दा, मज़दूरों का मुखिया
सरबराहकार—(फ) किसी काम की व्यवस्था करने वाला, कारिन्दा, पारखुन
सरबराही—(फ)प्रबन्ध, व्यवस्था बन्दोबस्त, सरबराह का नाम या पद
सर-ब-सर—(फ) पूर्ण, बिल्कुल, एक सिरे से, सरासर
सरबस्ता—(फ़) गुप्त, छिपा हुआ
सरबाज़—(फ़) बहादुर, निर्भीक, निर्भय, जानपर खेलने वाला, वीर सैनिक
सरबाज़ी—(फ़) बहादुरी, वीरता, निर्भयता
सर बुलन्द—(फ़) माननीय, प्रतिष्ठित, भाग्यवान
सरमग़जन—(फ़) माथा पच्ची, सर ———, ——— प्रारम्भ, चिन्ता, चिन्ह
सरमद—(अ) अनादि, अनन्त, शाश्वत, मिला हुआ, सम्बद्ध, परमात्मा, परमात्मा के प्रेम में मग्न, मस्त
सरमदी—(अ) शाश्वत, सदैव रहने वाली
सरमस्त—(फ) मदमत्त, नशेमें चूर
सरमा—(फ) जाड़ा, शीतकाल
सरमाई—(फ) शीतकाल का, शीतकाल सम्बन्धी, जाड़ों में पहनने के कपड़े, अङ्गरखा, रज़ाई आदि
सरमा ए गुल—(फ़) गुलाबी या हलका जाड़ा
सरमाया—(फ) पूंजी, असल या मूलधन, धन सम्पत्ति
सरमुख—(हि) सामने, सम्मुख
सरयत—(फ़) सम्पन्नता, वैभव, धन सम्पत्ति
सरवर—(फ) सरदार, मुखिया, राजा, सवारी
सरवरी—(फ) सरदारी, मुखियापन
सरवरे क़ायनात—(हि) संसार या विश्व भर का मुखिया, परमात्मा, मुहम्मद साहब की एक उपाधि

सरशार—(फ) ओत प्रोत, लबालब, ऊपरतक या मुँह तक भरा हुआ, नशे में धुत्त, मदमत्त

सरसब्ज़—(फ़) हरा भरा, लहलहाता हुआ, प्रसन्न, सन्तुष्ट, फूला फला, सफलमनोरथ

सरसर—(अ) तेज़ चलने वाली हवा, आँधी

सरसरी—(फ) जल्दी में, मोटे तौर पर, विशेष ध्यान पूर्वक नहीं, शीघ्रता या फुर्ती में, हड़बड़ी में

सरसाम—(फ) सन्निपात नामक रोग, एक दिमागी बीमारी, प्रलाप

सरह्—(अ) विशुद्ध वस्तु, सार पदार्थ

सरहग—(फ) मल्ल, पहलवान, सेनापति, कोटपाल, सिपाही, प्यादा, चोबदार, हरावल, सेना

सरहतन्—(अ) स्पष्ट रूप से, खुल्लम खुल्ला

सरहद—(मि) सीमा, हद

सरहर्फ़ी—(फ़) साहित्य में 'छेकानु प्रास'.

सरहल्क़ा—(फ़) हाकिम, अध्यक्ष, कुछ गाँवों का मुखिया, हल्के का अफ़सर

सरा—(फ़) मकान, घर, यात्रियों के ठहरने का स्थान, मुसाफ़िर खाना, ज़मीन के नीचे या भीतरी भाग की मिट्टी.

सराइयत—(अ) तासीर, गुण, प्रभाव

सराई—(फ) गाना, वर्णन करना, प्राय यौगिकों के अन्त में, जैसे, मदह सराई=गुण-गान

सराचा—(फ) बड़ा तम्बू, खांचा

सरात—(अ) सरल मार्ग, सीधी सड़क, दोज़ख में बना हुआ एक पुल जिसे पार करके मुसलमान बहिश्त में पहुँच जायेंगे

सरा परदा—(फ) डेरा, तम्बू, बादशाही डेरा या दरबार, वह क़नात जो डेरे के चारों तरफ़ पर्दे के लिए खड़ी की जाती है

सरापा—(फ़) अथ से इति तक, शिर से पैर तक, आदि से अन्त तक, कुल, पूरा, समाप्त, सब, नखशिख अर्थात् वह कविता जिसमें शिर से पैर तक के सब अंगों का वर्णन होता है

सरापा नाज़—(फ) मूर्तिमान गर्व, घमण्ड की प्रतिमा, अभिमान की मूर्ति

सराफ़—(अ) सोने चाँदी का व्यापार करने वाला, वह दुकानदार जो बड़े सिक्कों को बदले छोटे और छोटों के बदले बड़े सिक्के देता है, सिक्के परखने वाला

सराफ़त—(अ) अशरफी, रुपया आदि का परखना, खरे-खोटे सिक्कों की जाँच करना

सराफ़ा—(अ) वह बाज़ार जिस में अधिकांश सराफों की दुकानें हों, रुपये पैसे या सोना चाँदी के लेन-देन का काम, बैंक, कोठी

सराफ़ी—(अ) सराफ़ का काम या व्यापार, मुड़िया महाजनी लिपि जिसमें प्राय बही खाते लिखे जाते हैं.

सराफ़ील—(अ) देखो "इसराफ़ील"

सराब—(अ) भ्रान्ति, धोखा, छल, मृगमरीचिका

सराय—(अ) देखो "सरा"

सरायचा—(फ़) छोटा मकान, छोटी सराय

सरायत—(दे०) प्रभाव, असर, घुसना, प्रविष्ट होना, दाखिल होना

सरासर—(फ) प्रत्यक्ष, आँखों सामने, बिल्कुल, नितान्त, पूर्णरूप से, एक सिरे से दूसरे सिरे तक

सरासरी—(फ) देखो "सरसरी"

सरासीमा—(फ़) व्यथित, विकल, परेशान, चकित, स्तम्भित, भौंचक्का

सराहत—(अ) भाष्य, टीका, व्याख्या, विशुद्धता, स्पष्टता

सरिश्त—(फ) गुण, प्रकृति, स्वभाव, मिला हुआ, मिश्रित

सरिश्ता—(फ) विभाग, महकमा, कार्यालय, दफ्तर, सम्बन्ध, मेलजोल, व्यवहार, नौकर, कर्मचारी

सरिश्तेदार—(फ) किसी विभाग का कर्मचारी, किसी महकमे में काम करने वाला अदालत का वह कर्मचारी जो देशी भाषाओं में मुकदमों की मिसलें रखता है

सरिश्तेदारी—(फ) सरिश्तेदार का

काम या पद, सरिश्तेदार का कार्यालय

सरीअ—(अ) शीघ्रता करने वाला, क्षिप्रकारी, उर्दू के एक छन्द का नाम

सरीर—(अ) वह ध्वन्यात्मक शब्द जो खोलने या बन्द करते समय किवाड़ों से अथवा लिखते समय क़लम से निकलता है, राजसिंहासन

सरीर आरा—(मि) राजसिंहासन की शोभा बढ़ाने वाला, सिंहासनासीन

सरीह—(अ) प्रकट, प्रकाश, स्पष्ट

सरीहन्—(अ) प्रकट रूप से, प्रत्यक्ष आखों सामने, सरासर स्पष्ट रूप से, साफ साफ

सरूर—(फ़) हल्का नशा, आनन्द, प्रसन्नता

सरे तनहा—(फ) अकेला, एकाकी

सरे तसलीमखम—(अ) सिर झुकाना, नत मस्तक होना

सरेदफ्तर—(फ) कार्यालयाध्यक्ष, दफ्तर का अफसर.

सरेदस्त—(फ) सम्प्रति, इस समय, तुरन्त, फिलहाल

सरे नविश्त—(फ) भाग्य का लिखा, कर्म रेख

सरेनौ—(फ) नए सिरे से, बिल्कुल प्रारम्भ से

सरेबाम—(मि) अटारी के ऊपर

सरे मूँ—(फ) अत्यन्त थोड़ा, बहुत सूक्ष्म, बालकी नोंक के बराबर, ज़रासा

सरेराह—(मि) मार्ग में, रास्ते में

सरेरिश्ता—(फ) देखो 'सरिश्ता'

सरेश—(फ) सरेस एक लसदार पदार्थ जो पशुओं के चमड़े या हड्डियों पकाकर निकाला जाता है

सरेशाम—(फ) सायंकाल से ही, सन्ध्या से ही

सरेस—(फ) देखो "सरेश"

सरेसाल—(फ) वर्ष का प्रारम्भ, साल की शुरू

सरे सिजदा—(फ) नमाज़ की मोहर जिस पर सिजदा करते हैं

सरो—(फ) सव नामक सीधा और सुन्दर पेड़ जो बागीचों में शोभा के लिये लगाया जाता है

सरो आज़ाद—(फ़) सरो या सर्व के

वृक्ष का एक भेद जिस पर कभी फल नहीं आते

सरोक़द—(सि) सरो के वृक्ष के समान सुन्दर आकार और क़द वाला (प्रायः प्रेमिका के लिये व्यवहृत होता है)

सरो क़ामत—(सि) देखो 'सरोक़द'

सरोकार—(फ) सम्बन्ध, लगाव, आपस के व्यवहार का सम्बन्ध

सरो चिराग़ाँ—(फ) काँच का बना एक प्रकार का झाड़ जिसमें बहुत सी बत्तियाँ जलाई जाती हैं

सरोद—(फ) राग, गीत, गाना, संगीत, गाना बजाना, एक प्रकार का बाजा

सरापा—(फ) सिर से पैर तक, सिर से पैर तक के सम्पूर्ण [illegible]

सरो सामान—(फ) आवश्यक सामान, सामग्री, ज़रूरी असबाब

सरकशी—(फ़) घमण्ड, उद्दण्डता, उच्छृंखलता, नाफ़रमानी, विद्रोह

सर्द—(फ़) ठंडा, शीतल, सुस्त, ढीला, धीमा, मन्द, उदास, नामर्द

सर्दो गर्म—(फ़) कड़ी गर्मी, बर्दाश्त करने वाला

सर्द मिज़ाज—(फ़) उदास, जिसका मन मुरझाया हुआ हो, कठोर हृदय

सर्द मेहर—(फ़) उदासीन, कठोर हृदय, निर्दय

सर्द मेहरी—(फ़) उदासीनता, निर्दयता

सर्दी—(फ़) शीत, शीतलता, ठंडक, जाड़ा, ज़ुकाम या नज़ला नामक रोग, प्रतिश्याय

सर्फ़—(अ) सिक्कों का बदलना, व्यय, ख़र्च, सोना-चाँदी गलाने की घरिया, व्याकरण शास्त्र, अपव्यय, फ़िज़ूल ख़र्च, अधिक ख़र्च

सर्फ़ा—(अ) व्यय, ख़र्च, मितव्यय, कम ख़र्च, आधिक्य, वृद्धि, बढ़ती

सराफ़—(अ) देखो 'सर्राफ़'

सर्व—(फ) देखो 'सरो'

सल्जम—(फ) देखो 'शलजम या शलगम'

सल्तनत—(अ) शासन, राज्य, बादशाहत, साम्राज्य, सुभीता, आराम, प्रबन्ध, इन्तज़ाम, व्यवस्था

सल्फ़—(अ) विगत, बीता हुआ, गुज़रा हुआ, प्राचीन, पुराने समय के लोग, पुरखा, नीरस, स्वादहीन, गप्प मारने वाला

सल्फ़ा—(अ) पूर्वज, पुरखा, पुराने लोग, गुज़रे हुए लोग

सल्ब—(अ) सूली पर चढना

सल्म–(अ) सलाम, प्रणाम, शान्ति, किसी वस्तु के तैयार होने से पहले ही उसका मूल्य दे देना जिससे तैयार होने पर वह अवश्य मिल जायगी यह निश्चय हो जाय, बयाना, पेशगी

सल्वात–(अ) शुभ कामनाएं, शुभा काक्षाएँ, कुवचन, अपशब्द, गालिया, सलाम, प्रणाम

सलसल बोल—(अ) बहुमूत्र या मधुमेह नाम रोग

सला—(अ) आवाहन, आमन्त्रण, निमन्त्रण, बुलावा

सलातीन–(अ) 'सुल्तान (बादशाह)' का बहुवचन

सलावत—(अ) आतंक, दृढता, मज़बूती

सलाम—(अ) प्रणाम, नमस्कार, नमस्ते, बन्दगी, दुआ करना, खुदा और एक पेड़ का नाम

सलाम अलैकुम—(अ) प्रणाम, सलाम, बन्दगी

सलामत—(अ) कुशल पूर्वक, सुरक्षित, सब प्रकार की आपत्तियों से बचा हुआ, जीवित और स्वस्थ, मौजूद, बरक़रार, क़ायम

सलामत—(मि) सीधे-सादे ढग से रहना, कम खर्च करना, सादा या मध्यम चाल चलना

सलामत रौ–(मि) सादा चाल चलने वाला, सादे ढग से रहनेवाला, मितव्ययी, कम खर्च

सलामती–(अ) कुशल, क्षेम, सुरक्षा, जीवन और स्वास्थ्य, बचाव, अवस्थिति, मौजूदगी, एक प्रकार का मोटा कपड़ा

सलामी—(अ) सलाम या प्रणाम करना, सैनिकों का प्रणाम करने का प्रकार, वह बन्दूकों या तोपों की बाढ़ जो किसी बड़े आदमी के आगमन पर उसके सम्मानार्थ दागी जाती है।

सलामी उतारना—किसी प्रतिष्ठित

व्यक्ति के आगमन पर उसके सम्मानार्थ बन्दूक या तोपें छोड़ना

सलासत—(अ) सरलता, सुगमता, सुविधा, सहूलियत, सलीस, (सीधा या सरल) होने का भाव, समतल होने का भाव, कोमलता, मृदुता

सलासिल—(अ) 'सिलसिला' का बहुवचन, लोह-शृंखला, जंजीर, बेड़ियाँ

सलासी—(अ) त्रिकोण, तीन कोनों का

सलाह—(अ) सम्मति, परामर्श, विचार, राय, मनसूबा, मशवरा, परस्पर प्रेम करना, धर्म और न्यायानुकूल आचरण, नेकी, भलाई, उपकार, अच्छाई

सलाहकार—(फ़ा) परामर्श या सम्मति देने वाला, न्याय पर चलने वाला, नीति और धर्मानुकूल आचरण करने वाला

सलाहियत—(अ) योग्यता, अच्छाई, भलाई, समझदारी, मृदुता, मुलायमियत, संदेश, समाचार।

सलीक़—(अ) सरल, सुगम, सीधा

सलीक़ा—(अ) शऊर, तमीज़, काम करने का सुन्दर ढंग, स्वच्छता, सभ्यता, चाल चलन, बर्ताव, गुण, हुनर

सलीक़ामन्द—(फ़ा) शऊरदार, तमीज़दार, सभ्य, हुनरमन्द

सलीब—(अ) सूली, उस सूली का चिन्ह जिस पर चढ़ाकर हज़रत ईसा प्राण लिए गए थे

सलीबी—(अ) ईसा के अनुयायी, ईसाई, अँगरेज

सलीम—(अ) ठीक, सरल, सीधा, सादा, शुद्ध हृदय का, साफ़ दिल वाला, स्वस्थ, शान्त, सहिष्णु, गम्भीर, सहनशील

सलीम उत्तबा—(अ) शान्त हृदय, धीर और गम्भीर, बुद्धिमान शान्त, संतोषी

सलीस—(अ) सरल, सुगम, सुगम्य, बरेगार और बेलाग की (भाषा)

सलूक—(अ) बर्ताव, हित, नेकी, उपकार, आचरण, व्यवहार, बरताव, सम्मान, शिष्टाचार

सल्ख—(अ) शुक्ल पक्ष की दोज, खाल खींचना

सल्ब—(अ) अपराध करना, हानि करना, नष्ट, बरबाद

सल्ले अला—(अ) मुसलमानों के एक मन्त्र का प्रारम्भिक शब्द, इसका भाव है—"हम अपने पैगम्बर साहब की प्रशंसा करते हैं क्यों कि संसार की सभी उत्तमताएँ उन्हीं की दया से प्राप्त होती हैं" किसी उत्तम वस्तु को देखकर प्राय इसका उच्चारण करते हैं

सवाद—(अ) समझ, बुद्धि, स्याही, कालोंच, कालिमा, शहर के आसपास के स्थान

सवानह—(अ) "सानह (घटना)" का बहुवचन, घटनाएँ

सवानह उमरी—(अ) जीवन की घटनाएँ, जीवन चरित्र, जीवनी

सवानह निगार—(मि) विवरण या घटनाएँ लिखनेवाला, सवाददाता

सवाब—(अ) शुभ कर्मों का फल, पुण्य, सचाइ, उत्तमता, भलाई, ठीक, दुरस्त

सवाब अन्देश—(मि) अच्छी या भलाई की बात सोचने वाला, पुण्य का काम करनेवाला, परोपकारी

सवाबिक—(अ) उपसग जो शब्दों के प्रारम्भ में लगाया जाता है.

सवाबित—(अ) आकाश के वे नक्षत्रादि जो एक ही स्थान पर स्थित रहते हैं

सवार—(फ) जो किसी चीज़ पर चढा हुआ या बैठा हुआ हो, घोड़े पर चढा हुआ, अश्वारोही घुड़सवार, फौज़ का घुड़सवार सिपाही ।

सवारी—(फ़) किसी चीज़ पर चढ़ना या बैठना, वह चीज़ जिस पर कहीं जाने के लिये चढ़ा या बैठा जाय । वाहन सवार होने वाला, जुलूस ।

सवाल—(अ) प्रश्न, पूछना, जो पूछा जाय, माग, निवेदन, प्रार्थना, दरख्वास्त, गणित का प्रश्न जो हल करने के लिए दिया जाय ।

सवालात—(अ) 'सवाल" का बहु

दमन।

सहन—(अ) मकान के भीतर का चौक या आँगन, मकान के सामने का मैदान, बड़ा थाल एक प्रकार का बढ़िया रेशमी, कपड़ा

सहनक—(अ) छोटा आँगन, छोटा सहन, छोटा थाल अर्थात् तश्तरी, रकाबी, मुहम्मद साहब की लड़की बीबी फातिमा के नाम का फ़ातिहा जिसमें सती-साध्वी सुहागिन स्त्रियों को भोजन कराया जाता है।

सहनची—(फ) दालान के अगल बगल वाली छोटी कोठरी

सहनदार—(फ़ि) वह मकान जिसमें आँगन हो

सहब—(अ) मित्र, संगी साथी

सहबा—(अ) एक प्रकार की अंगूरी शराब

सहम—(अ) तीर, अंश, भाग, कड़ी (जंजीर की)

सहम—(फ़) भय, डर, खौफ़.

सहमगीन—(फ़) भयानक, डरावना

सहमनाक—भयकर, डरावना

सहर—(अ) प्रातःकाल, तड़का, (पिछली रात, भोर, सवेरा) जागरण, जागृति

सहर खेज—(फ़ि) सवेरे उठकर सोते हुओं की चीज उठा लेजाने वाला, उचक्का, चोर

सहरगही—(फ़ि) उपवास करने के दिन बहुत तड़के ही उठकर जो भोजन किया जाय, सहरी

सहरा—(अ) मरु भूमि, रेगिस्तान, वन, जंगल, मैदान, खाली जगह

सहराई—(अ) सहरा का, मरुदेशिका, रेगिस्तानी, जंगली, वन्य

सहरी—(अ) प्रातःकाल का, प्रात भक्ष्य भी वह खाना जो रमज़ान के दिनों में बहुत तड़के ही खाया जाता है

सहल—(अ) सरल, सहज, आसान

सहल अगार—आलसी, काम चोर

सहव—(अ) भूल चूक, असावधानी

सहवन—(अ) भूल से, असावधानी में

सहव क़लम—(अ) भूल से कुछ का कुछ लिखा जाना, लेखक की भूल

सहव कातिब—(अ) वह भूल जो नकल करने वाले की असावधानी

घानी से रह जाय, नक़ल या प्रतिलिपि करने वाले की भूल

सहव बयानी—(फ़) वह भूल जो बयान करने वाले की असाव घानी से रह जाय

सहाब—(अ) साहब का बहुवचन, मित्र, साथी

सहाबत—(अ) मित्रता, सग, साथ

सहाबा—(अ) मित्र, सगी, साथी, दोस्त, मुहम्मद साहब, घनिष्ट, मित्र

सहाबी—(अ) मुहम्मद साहब के घनिष्ट मित्र तथा उनके वशज

सहाम—(अ) देखो सहम

सहायफ़—(अ) "सहीफा" (ग्र थ पुस्तक) का बहुवचन

सही—(अ) ठीक, सीधा, ऋजु, शुद्ध, ठीक, सत्य, प्रामाणिक, यथार्थ, दस्तख़त, हस्ताक्षर

सहीफ़ा—(अ) पुस्तक, पृष्ठ, पेज

सही सलामत—(अ) नीरोग, स्वस्थ, भलाचगा, जिसमें कोइ दोष या कमी न आइ हो

सहीह—(अ) ठीक, पवित्र, निर्दोष

सहूलत—(अ) आसानी, सुविधा, अदन, क़ायदा

सहूलियत—(अ) देखो "सहूलत"

सहो—(अ) देखो "सहव" (सहव के यौगिकों के लिये देखो सहव के यौगिक)

सहून-(अ) भूल से, असावधानी से

सा—(फ) सदृश, मानिन्द, समान, जैसा

साअत—(अ) घड़ी, मुहूर्त, पल, लमहा, शुभ लग्न.

साअते सगीन—(फ) अशुम घड़ी, कुमुहूर्त

साइक़ा—(अ) बादल में से गिरने-वाली बिजली, वज्रपात, मृत्यु, अभिशाप

साइत—देखो "साअत"

साइद—बाहु, बाँह, भुजा, कलाइ

साइब—(अ) ठीक, यथोचित, पहुँचने वाला

साइबान—(फ) छज्जा, छप्पर

साइल—(अ) प्रार्थी, मागने वाला, भिक्षुक

साइलवकफ—(फ़) वह भिखारी जिसके पास भीख मांगने का ठीकरा भी न हो, करपात्री

साइस—(अ) सरक्षक, देखभाल रखने वाला, घोड़े की देख रेख करनेवाला, साईस

साई—(अ) प्रयत्नशील, उद्योगी, वह धन जो खरीद फरोख्त की बात पक्की करने के लिए पहली दिया दिया जाय, बयाना, (किसी नौकर की नियुक्ति पक्की करने के लिए भी साई दी जाती है

साईस—(फ) घोड़ों की देख रेख करने वाला नौकर

साक़—(अ) घुटने के नीचे का भाग, पिंडली

साक़त—(अ) देखो "साक़ित"

साक़ा—(अ) सेना का पिछला भाग, चन्दावल, "हरावल" का उल्टा

साकित—(अ) चुप, मौन, स्थिर, अचल, गतिहीन, बेरफ्तार एक स्थान पर ठहरा हुआ

साक़ित—(अ) गिरने वाला, गिरा हुआ, पतित, निकम्मा, निरर्थक, रद्द, नष्ट होजाता

साकिन—(अ) ठहरा हुआ, अचल, निश्चल, एक स्थान पर रहने वाला, निवासी, अरबी लिपि में वे अक्षर जिनके साथ स्वर का संयोग न हो, हलन्त

साक़िन—(अ) वह बाज़ारू औरत जो लोगों को हुक्क़ा या भांग पिलाकर जीविका चलाती हो

साक़िय—(अ) पानी या रक्त बहानेवाला

साक़िब—(अ) प्रकाशमान, चमकता हुआ, चमत्कार, चमकीला

साक़ी—(अ) शराब या हुक्क़ा पिलाने वाला, प्रेमी या प्रेमिका के लिये भी प्रयुक्त होता है

साख़्त—(फ) बनाना, गढ़ना, बनावट, कृत्रिमता, मनगढ़न्त या कल्पित बात, घोड़े का ज़ेवर, ज़ीन वग़ैरा साज़सामान

साख़्ता—(अ) बनावटी, गढ़ा हुआ, कृत्रिम, उत्पन्न

साग़र—(फ) शराब पीने का प्याला, प्याला, कटोरा

साग़री—(अ) गुदा, मलत्याग की इन्द्रिय

साचक़—(तु) मुसलमानों में विवाह सम्बन्धी एक रस्म जिसमें विवाह से एक दिन पूर्व वर की ओर से वधू के घर मेंहदी,

तेल, फुलेल आदि वस्तुएँ भेजी जाती हैं

साज़—(फ) ठाट बाट या सजावट का सामान, साधन, सामग्री, उपकरण, लड़ाइ में काम आने वाले शस्त्रास्त्र, बाजा, वाद्य, मेल जोल, छल, छद्म, बनाने वाला, तैयार करने वाला, मरम्मत करने वाला

साज़ बाज़—(फ) मेल-जोल, संग, साथ, तैयारी, ठाट-बाट

साज़ सामान—(फ) उपकरण, सामग्री, असबाब, ठाटबाट

साजिद—(अ) सिजदा करने वाला, शिर झुकाने वाला, प्रणाम करने वाला

साजिन्दा—(फ) गाने-बजाने की मण्डली में बाजा बजाने वाला, समाजी

साज़िश-(फ) लगाव, मेल, षड्यन्त्र, किसी के विरुद्ध कोई काम करने में सहायक होना

साद—(अ) भला, भलाइ, सौभाग्य, एक बादशाह का नाम, सही या स्वीकृति का निशान, नेत्र, आंख

सादगी—(फ) सरलता, सीधापन, भोलापन, सादापन, जिसमें बनावट न हो ऐसा भाव या व्यवहार, निष्कपटता, स्वच्छता

सादा—(फ) सरल, जिसकी बनावट सीधी सादी हो, जिस पर कोइ अनावश्यक बनाव या टीप-टाप न हो, शुद्ध, स्वच्छ बिना मिलावट का, सीधा, सरल हृदय, अनजान, भोला, बिना दाढ़ी-मूछों वाला

सादाकार—(मि) सादा और बढ़िया काम बनाने वाला

सादात—(अ) "सैयद" का बहुवचन

सादातनअ—(मि) सरल प्रकृति, सीधा-सादा

सादा दिल—(फ) शुद्ध हृदय का, भोला, सीधा, अज्ञ, अनजान

सादापन—(मि) सादगी, सरलता

सादा—(फ) शुद्ध और सरल हृदय का, सरल स्वभाव वाला, भोला

सादारू—(फ) जिसके चेहरे पर दाढ़ी मूँछे न हों

अभिवादन, वन्दगी
साहबा—(अ) साहब का स्त्रीलिंग
साहबान—(अ) साहब का बहुवचन
साहबे आलम—(अ) दिल्ली के मुगल शाहज़ादों की उपाधि
साहबे खाना—(मि) घर का स्वामी, गृहस्वामी
साहिब—(अ) देखो "साहब"
साहिबा—(अ) साहिब का स्त्रीलिंग, भद्र महिला, सहेली, मालकिन
साहिबाना—(अ) साहबों का सा, साहबों की तरह का
साहिबी—(अ) ऐश्वर्य, प्रभुता, मालिकी, बड़ाई, साहबों का-सा, साहब पना, स्वामित्व
साहिर—(अ) जादूगर, ऐन्द्रजालिक
साहिरा—(अ) जादूगरनी
साहिल—(अ) तट, किनारा (नदी, समुद्र आदि का)
सिअसिआत—(अ) राजनीति
सिनाज़—(अ) देखो "सजाक़"
सिनाय—(फ़) एक धातु विशेष जिससे ताम्र का पात्रीन बनता है।
सिकंजबीन—(फ़) नींबू के रस या सिरके में चीनी मिलाकर तैयार किया गया शरबत
सिकन्दर—(फ़) एक प्रसिद्ध बादशाह का नाम
सिक़्ल—(अ) भारीपन, बोझ, गरिष्ठता, ज़मीन में गड़ा हुआ गुप्त
सिक़्लात—(अ) एक प्रकार का मुलायम और मोटा ऊनी कपड़ा, बनात
सिक़ा—(अ) चमड़े का बना हुआ पानी भरने का थैला, मशक, विश्वसनीय व्यक्ति, भरोसे का आदमी
सिर्गीन—(फ़) गाय, भैंस आदि का मल, गोबर, गोमय
सिकीनत—(अ) सुख, चैन, आराम
सिक्कए क़ल्ब—(अ) जाली सिक्का, नक़ली या जाली सिक्का
सिक्का—(अ) टकसाल में ठप्पे द्वारा ठोक कर तैयार किया गया निश्चित आकार प्रकार का धातु का टुकड़ा जिसपर तत्कालीन शासक का नाम, चिह्न या चित्र छपा हो और जो सरकार से चलन

देन का व्यवहार चलाने में काम आवे मुद्रा, मुहर, छाप, टप्पा, चिन्ह, मुद्रित, छपा हुआ, आतंक, प्रभाव, असर, माँग, बाज़ार, मुहल्ला, छुहारे का वृक्ष

सिक्का—(अ) विश्वास, ऐतबार, दृढ़ता, अपराध, विश्वसनीय

सिक्का रायज-उल्-वक़्त—(अ) वर्त्तमान समय का प्रचलित सिक्का

सिक्ल—(अ) देखो "सिक्ल"

सिग़ार—(अ) लघुता, छोटापन, छोटाई

सिग़र सिन—(अ) छोटी उम्र का, अल्पवयस्क, नाबालिग़, अल्पायु

सिग़ारत—(अ) लघुता, छोटाई, छोटापन

सिजदा—(अ) दण्डवत् प्रणाम, झुककर नमस्कार करना, माथा टेकना, ईश्वर की प्रार्थना करना

सिजदए शुक्र—(अ) परमात्मा को धन्यवाद देने के लिए माथा झुकाना

सिजदागाह—(मि) प्रणाम करने का स्थान, मिट्टी आदि की बनी हुई वह गोल चीज़ जिस पर शीया मुसलमान नमाज़ के वक्त माथा टेकते हैं

सिजदात—(अ) "सिजदा" का बहुवचन

सितम—(फ) अत्याचार, अन्याय, अनर्थ, ज़ुल्म

सितम ईजाद—(फ़) ज़ुल्म ढानेवाला, माशूक़

सितम कश—(फ) अत्याचार पीड़ित

सितमगर—(फ) अत्याचार करनेवाला, ज़ालिम, अन्यायी

सितमगार—(फ़) देखो "सितमगर"

सितमज़दा—(फ) अत्याचार पीड़ित, जिस पर सितम ढाया गया हो, ग्रस्त, मज़लूम

सितम ज़रीफ़—(मि) वह जो हँसी-हँसी में ही सितम ढा दे, हँसी हँसी में ही अत्याचार करनेवाला

सितम दीदा—(फ़) अत्याचार-पीड़ित

सितम शिआर—(मि) बराबर ज़ुल्म करनेवाला, लगातार अत्याचार-करनेवाला

सितम रसीदा—(फ़) अत्याचार

पीडित, जिस पर सितम किया गया हो
सितान—(फ़) चौसर, स्थान, जगह
सितार—(फ़) एक प्रसिद्ध बाजा
सितारा—(फ़) नक्षत्र, तारा, सितार नाम का बाजा, भाग्य, नसीब, प्रारब्ध, चांदी आदि के बने हुए छोटे-छोटे गोल और चमकदार टुकड़े जो कपड़ों आदि पर लगाने में काम आते हैं
सितारा शनास—(फ़) ग्रह-नक्षत्रों को पहचानने वाला, ज्योतिषी, नजूमी
सितारे हिन्द—(फ़) एक उपाधि जो सरकार की ओर से दी जाती है
सितून—(फ़) स्तम्भ, खम्भ, स्थूण
सिदक़—(अ) सत्य, सचाई
सिदफ़ा—(अ) देखो "सन्फ़ा"
सिदीक़—(अ) मित्र, प्रेमी, सहायक
सिद्दीक़—(अ) बड़ा सच्चा, परम सत्यनिष्ठ
सिन—(अ) आयु, अवस्था, वय, उम्र, दाँव
सिनफ़—(अ) शाखाएँ, भेद, विभाग
सिन बुलूग़त—(अ) बालिग़ होने की अवस्था, वयस्क होने की उम्र, यौवन, जवानी
सिन रसीदा—(फ़ि) वृद्ध, बूढ़ा, बुज़ुर्ग, वयोवृद्ध
सिन शऊर—(अ) देखो "सिन बुलूग़त"
सिनाअत—(अ) कारीगरी, शिल्प
सिनान—(फ़) तीर बरछी आदि की नोक
सिन्दान—(फ़) निहानी, अहरन, घन, हथौड़ा
सिन्नोवर—(अ) चिलगोजा
सिपर—(अ) ढाल, आड़, रक्षा करनेवाली वस्तु
सिपस्ताँ—(फ़) देखो "लिसोड़ा"
सिपह—(फ़) सेना, फ़ौज
सिपहगरी—(फ़) सैनिक का कार्य
सिपहर—(फ़) आकाश, गोला, गोल
सिपह सालार—(फ़) सेनापति, सेनानी
सिपा—(फ़) "सिपह का संक्षिप्त रूप
सिपारा—कुरान के तीस अध्यायों में से कोई एक अध्याय

सिपास—(फ) कृतज्ञता, धन्यवाद, प्रशंसा, अभिनन्दन

सिपास गुजारी—(फ) धन्यवाद देना, कृतज्ञता, प्रकाशन

सिपास नामा—(फ) वह पत्र जिसमें किसी की प्रशंसा की गई हो, अभिनन्दन पत्र

सिपाह—(फ) सेना, फ़ौज, सिपह

सिपाहगरी—(फ) सिपाही का काम सिपह गरी

सिपाहियाना—(फ) सिपाहियों के ढंग का, सिपाहियों का सा

सिपाही—(फ) सैनिक, वीर, फ़ौजी तिलंगा, पुलिस का कांस्टेबिल

सिपिस्ताँ—(फ़) देखो "सपिस्ताँ"

सिपुर्द—(फ) देखो "सपुर्द"

सिफ़त—(अ) गुण, विशेषता, लक्षण स्वभाव

सिफ़र—(अ) शून्य, बिन्दु, बिन्दी, खाली जगह, आकाश

सिफ़लगी—(अ) नीचता, अधमता, पाजीपन

सिफ़ला—(अ) नीच, अधम, अयोग्य, पाजी, कमीना

सिफली—(अ) घटिया, छोटे दर्जे का

सिफात—(अ) 'सिफ्त' का बहुवचन

सिफाती—(अ) गुण सम्बन्धी, प्रकृति या स्वभाव का, स्वाभाविक, प्राकृतिक

सिफारत—(अ) सफीर (दूत) का काय या पद, दौत्य, एल्चीपन, किसी बात का निर्णय कराने के लिए एक राज्य की ओर से दूसरे राज्य में भेजे जाने वाले राजदूत

सिफ़ारिश—(फ़) किसी की कार्य सिद्धि अथवा अपराध क्षमा कराने के लिए किसी से कहना सुनना, किसी का पक्ष समर्थन करना

सिफ़ारिशी—(फ़) जिसकी सिफारिश की गई हो जिससे सिफ़ारिश की गई हो सिफारिश का, सिफ़ारिश सम्बन्धी

सिफ्त—(अ) देखो "सिफ़त"

सिफ्ल—(फ़) मोटा, गफ़, दबीज, (कपड़ा)

सिबियान—(अ) लड़के, औलाद

सिब्त—(अ) वशज, औलाद, सतान

सिमाह—(अ) साहसी, वीर, बहादुर.

सिमाहत—(अ) साहस, वीरता,
सिम्त—(अ) ओर, दिशा, तरफ
सियह—(फ) "सियाह" का सक्षिप्त रूप
सियाक़—(अ) लिखने बोलने आदि का ढग, हिसाब, गणित
सियादत—(अ) बड़प्पन, नेतृत्व, शासन, हुकूमत, सरकारी मुसलमानों की चार मुख्य जातियों म से दूसरी, सैयदों की जाति
सियासत—(अ) शासन, राजनीति, देश की रक्षा और व्यवस्था, धमकी आदि देकर सचेत करना, तबीह, शिक्षा, आतक
सियासत दाँ—(मि) राजनीतिज्ञ
सियासियात-(अ) राजनीति शास्त्र
सियाह—(फ) काला, कृष्ण, अशुभ, अमगलकर, बुरा, खराब
सियाहकार—(फ़) पापी, कुकर्मी, काले काम करने वाला
सियाहत—(अ) यात्रा, सफ़र
सिरकगबीन-(फ़) सिरके का बनाया हुआ शरबत सिकजबीन
सिरका—(फ) ईख आदि के रस को सड़ा कर तैयार किया गया एक प्रकार का आसव
सिराज—(अ) सूर, दीपक, चिराग
सिरात—(अ) देखो "सिरात"
सिरिश्क—(फ) आसू, अश्रु
सिर्फ़—(अ) केवल, एक मात्र, अकेला, विशुद्ध, बिना मिलावट का, अमिश्रित
सिल—(अ) उरक्षत नामक रोग, क्षय, दिक़, यक्ष्मा
सिलफची—(फ) देखो "सिलफ़ची"
सिलफ़ची—(फ़) एक चौड़े मुह का बतन जो हाथ-मुह धोते समय काम आता है, चिलमची
सिलसिला—(अ) क्रम, तांता, तार, परम्परा, लड़ी, जज़ीर, श्रृखला, श्रेणी, पक्ति, क्रम, व्यवस्था, तरतीब
सिलसिलाबन्दी—(मि) क्रम बांधना, तांता जोड़ना
सिलसिले वार—(मि) क्रमश , तरतीबवार
सिलह—(अ) अस्त्र शस्त्र, हथियार, औज़ार
सिलह खाना—(मि) शस्त्रागार
सिलह पोश—(मि) हथियार बद,

शस्त्रधारी, शस्त्रास्त्रों से सन्नद्ध

सिला—(अ) उपहार, भेट, पुरस्कार, इनाम, पारितोषिक, प्रभाव, असर, शुभ कर्मों का फल

सिलात—(अ) 'सिला' का बहुवचन

सिलान—(अ) शोक के कपड़े

सिलाह—(अ) देखो 'सिलह'

सिलाह खान—(मि) देखो 'सिलह खाना'

सिलाह बन्द—(मि) हथियार बन्द, सशस्त्र

सिलाह साज़—(मि) अस्त्रशस्त्र या औज़ार बनाने वाला

सिलाहियत—(अ) भलमनसाहत, नेकी

सिलाही—(फ) हथियारबन्द सिपाही, सशस्त्र सैनिक

सिल्क—(अ) वह धागा जिसमें मोतियों की लड़ी पिरोही रहती है, मोतियों की लड़ी, हार, पंक्ति, सिलसिला

सिल्लाख—(अ) खाल खींचने वाला

सिवा—(अ) अतिरिक्त, अधिक, फ़ाल्तू, ज्यादा

सिवाय—(अ) देखो 'सिवा'

सिह—(फ) तीन

सिहर—(अ) जादू, टोना, इन्द्रजाल

सी—(फ) तीस

सीख—(फ) लोहे की पतली कील जिस पर लगाकर कबाब भूनते हैं, लोहे की लम्बी पतली छड़

सीखचा—(फ) लोहे की वह छोटी छड़ जिस पर कबाब लपेट कर भूनते हैं

सीग़ा—(अ) विभाग, महकमा, व्याकरण में कारक, पुरुष, लिंग और वचन, साचे में ढालना

सीगा गरदानना = किसी धातु के भिन्न भिन्न काल, पुरुष और वचनों के रूप बोलना

सीना—(फ) छाती, वक्षस्थल, स्त्रियों के स्तन

सीना कावी—(फ) घोर परिश्रम, कड़ी महनत

सीना कोबी—(फ) छाती कूटना, छाती पीट पीटकर शोक या मातम मनाना

सीना ज़न—(फ) वह आदमी जो मुहर्रमों में अपनी छाती कूटता है

सीना ज़नी—(फ़) सीनाज़न का काम, छाती कूटना
सीना ज़ोर—(फ़) ज़बरदस्त, अत्याचारी
सीना ज़ोरी—(फ़) ज़बरदस्ती, धींगा धींगी, अत्याचार
सीना बन्द—(फ़) घोड़े का तंग, स्त्रियों के पहनने की चोली, अँगिया
सीना सिपर—(फ़) सीना तानकर, छाती सामने करके, मुक़ाबले में, सम्मुख
सीपारा—(फ़) क़ुरान के तीस अध्यायों में से कोई एक अध्याय
सीम—(फ़) धन, सम्पत्ति, चाँदी, रुपया
सीमतन—(फ़) चाँदी के समान सफ़ेद रंग वाला (प्राय प्रेमिका के लिए आता है)
सीमाब—(फ़) पारा
सीमाबी—(फ़) एक जाति का कबूतर
सीमी—(फ़) चाँदी का रुपहली
सी मुर्ग़—(फ़) एक कल्पित पक्षी का नाम
सीर—(अ) "सीरत" का बहुवचन, आदतें, गुण, विशेषताएँ, इतिहास
सीरत—(अ) गुण, स्वभाव, आदत, विशेषता, प्रभाव
सुक़्ता—(अ) वह टुकड़ा जो किसी चीज़ में से टूटकर गिर जाय, बादल का टुकड़ा
सुक़्म—(अ) बीमारी, दुःख
सुक़रात—एक प्रसिद्ध तत्ववेत्ता का नाम
सुक़्म—(अ) बीमारी, रोग, दोष, दुःख
सुकूत—(अ) मौन, चुप रहना, ख़ामोशी, शान्ति
सुक़ूत—(अ) च्युत होना, गिरना, किसी शब्द का छन्द की लय में ठीक न बैठना
सुकून—(अ) ठहरना, आराम करना, स्थिरता, मनकी शांति
सुकूनत—(अ) देखो "सकूनत" रहना, निवास, आराम, शान्ति
सुफ़ूरा—(फ़) सकोरा, मिट्टी का प्याला,
सुफ़ान—(अ) नाव की पतवार

सुक्र—(अ) नशे की खुमारी
सुख़न—(फ़) बात, कविता, देखो "सखुन"
सुख़नची—(फ) चुग़लख़ोर, दोष दर्शक, पिशुन
सुख़न जेरलब—(फ) ओठों में बात करना, बहुत धीरे बोलना
सुग़रा—(अ) छोटी लड़की, कन्या, छोटी वस्तु
सुतून—(फ) देखो "सितून"
सुतूर —(अ) "सतर" का बहुवचन
सुदूर—"सद्र" का बहुवचन, प्रचलित होना
सुद्दा—(अ) चौसट, आंतों के भीतर मल की बनी हुई गांठें, नाक की एक बीमारी
सुनूफ़—(अ) "सिनफ़" का बहुवचन
सुन्नत—(अ) मुसलमानों में प्रचलित एक प्रथा जिसमें बालक की मूत्रेन्द्रिय का ऊपरी चमड़ा काट दिया जाता है खतना, मुसलमानी, प्रथा, रीति, रिवाज, वह काम जो मुहम्मद साहब ने किया हो
सुन्नी—(अ) मुसलमानों का एक फ़िरक़ा जो चारों खलीफाओं को प्रधान मानता है चार यारी
सुपारश—(फ) अनुरोध, सिफारिश
सुपारी—छालिया, पूगीफल
सुपास—(फ) प्रशंसा, धन्यवाद, कृतज्ञता "सिपास"
सुपुर्द—(फ) देखो "सपुर्द" सौंपना
सुपुर्दनी—(फ़) सौंपने योग्य, सौंपने लायक
सुपेद—(फ़) देखो "सफ़ेद"
सुपेदा—(फ़) देखो "सफेदा"
सुपेदी—(फ़) देखो "सफेदी"
सुफ़रा—(अ) वह पात्र जिसमें खाने की वस्तुएँ रक्खी जाय, दस्तरखान, गूटा
सुफारिश—(फ) अनुरोध, सिफारिश
सुफ़ूफ—(अ) सफ का बहुवचन, देखो "सफ़ूफ"
सुबक—(फ) देखो "सुबुक"
सुबह—प्रातःकाल, सबेरा, भोर, तड़का
सुबह काज़िब—(अ) अरुणोदय से कुछ पहले का समय, ब्राह्म मुहूर्त

सुबह खेज़—(फ़ि) बहुत तड़के उठनेवाला, वह चोर जो बहुत तड़के उठकर मुसाफिरों के जूते लोटे आदि चुरा ले जाय, उचक्का, उठाईगीरा

सुबह दम—(फ़ि) बड़े तड़के, बहुत सवेर

सुबह सादिक़—(अ) प्रभात काल, सूर्योदय से कुछ पहले का समय, उष:काल

सुबहा—(अ) जप करने की छोटी माला, सुमिरनी, तसबीह

सुबहान—(अ) पवित्र, स्वच्छ, ईश्वर अथवा आश्चर्य का द्योतक

सुबहान अल्ला—(अ) मैं पवित्रता पूर्वक ईश्वर को याद करता हूँ। (प्रायः हर्ष या आश्चर्य में प्रयुक्त)

सुबाइ—(अ) सात चरणों का एक छन्द, सात तार

सुबाना—(अ) प्रातःकाल, सबेरा, प्रभात

सुबुक—(फ़) हलका, सुन्दर, शाम, चतुर, चालाक, निरपेक्ष

सुबुक खेज़—(फ़) चालाक, तेज़ चलने वाला

सुबुक जौलाँ—(फ़) चालाक, तेज़ चलनेवाला (घोड़ा)

सुबुक तगीं—(फ़) चालाक, द्रुतगामी, एक बादशाह का नाम

सुबुक दस्त—(फ़) काम करने में जिसका हाथ बहुत हलका हो जल्दी काम करनेवाला, फुर्तीला, सिद्धहस्त

सुबुक दस्ती—(फ़) फुर्ती, हस्तलाघव

सुबुक दोश—(फ़) जिसके कंधे पर कोई भार न हो

सुबुक पा—(फ़) द्रुतगामी, तेज़ चलनेवाला, सुन्दर चाल चलने वाला

सुबुक बार—(अ) जिसके ऊपर अधिक भार न हो, जिसकी ज़रूरतें या ज़िम्मेदारियाँ भारी हो

सुबुक मग़ज़—(फ़) हल्के दिमाग का, खाली खोपड़ी वाला, निर्बुद्धि, मूर्ख

सुबुक रू—(फ़) सुन्दर और सुडौल चेहरेवाला

सुबुक रूह—(फ़) प्रसन्न वदन, हँसोड़, निरपेक्ष, निर्दोष, निरभिमान, चतुर, तीव्र गति,

पवित्रात्मा
सुबुक सर—(फ) ओछा, तुच्छ, नीच, अधम
सुबुकी—(फ) हल्कापन, ओछापन, तुच्छता, अप्रतिष्ठा, निर्लज्जता
सुबू—(फ) घड़ा, ठेला
सुबूत—(अ) वह जिसके द्वारा कोई बात सिद्ध हो, प्रमाण देखो "सबूत"
सुभान—(अ) देखो "सुबहान"
सुभ—(फ) घोडे का नख
सुमो बुकम—(अ) गूगे बहरे लोग
सुम्बा—(फ) लोहे का वह औजार जिसे ठोककर लोहे में सूराख करते हैं
सुम्बुल—(अ) देखो "सम्बुल"
सुम्बुला—(अ) गेहूँ जौ आदि की बाल, ज्योतिष में कन्या राशि
सुम्माक़—(अ) एक ओषधि विशेष
सुरअत—(अ) शीघ्रता, तेज़ी, फुर्ती
सुरख़ा—(फ) मद्य, शराब, लालरग का कबूतर, वह सफेद घोड़ा जिसकी पूछ लाल हो, कुछ भूरापन लिए हुए काले रग का घोड़ा
सुरख़ाब—(फ) एक प्रसिद्ध लाल रग का पक्षी, चक्रवाक, चकवा
सुरख़ाब का पर लगना = विलक्षणता या अनोखापन होना, विशेषता होना
सुरना—(फ) रौशन चौकी मे बजने वाली वह नफ़ीरी जो सिर्फ़ स्वर देती रहती है
सुरनाइ—(फ) सुरना बजाने वाला, नफीरी बजाने वाला
सुरफा—(फ) कास रोग, खासी
सुरमइ—(फ) एक प्रकार का गहरा नीला रग, सुरमे के रग का
सुरमए सुलेमानी—(फ) वह अजन जिसको आखों में आज लेने से ससार की गुप्त वस्तुएँ भी दीखने लगती हैं, सिद्धाञ्जन
सुरमगीं—(फ) वे आखें जिनमें सुरमा लगा हुआ हो
सुरमा—(फ) एक प्रसिद्ध खनिज पदार्थ जिसे खूब बारीक पीसकर आखों में लगाते हैं
सुराग—(तु) खोज, टोह, तलाश, अनुसधान, पता
सुराग रसाँ—(मि) खोज या पता

लगाने वाला
सुरागी—(उ) सुराग लगाने वाला
सुराह—(अ) वह शराब जिसमें पानी आदि कुछ मिला न हो, सार भाग, एक पुस्तक का नाम
सुराही—(अ) पानी या शराब का एक विशेष आकार का प्रसिद्ध पात्र
सुराहीदार—(फ़ि) सुराही के आकार का, गोल और लम्बा
सुरीन—(फ़) नितम्ब, चूतड़, पुट्ठा
सुरूर—(फ़) आनन्द, प्रसन्नता, हल्का नशा
सुरैया—(अ) ग्रमरा नामक तारों का पुंज, कृत्तिका का नक्षत्र, सुन्दरी
सरोद—(फ़) देखो 'सरोद'
सुरोश—(फ़) शुभ सन्देश लाने वाला देवदूत, हज़रत, जिबराइल का नाम
सुर्ख़—(फ़) लाल, रक्त वर्ण का, गहरा लाल रंग
सुर्ख़रू—(फ़) कान्तिमान, तेजस्वी, प्रतिष्ठित, जिसे किसी काम में सफलता प्राप्त करने से यश प्राप्त हुआ हो।
सुर्ख़रू—(फ़) किसी काम में सफल करने या करा देने का श्रेय
सुर्ख़ी—(फ़) लाली, लालिमा, अरुणता रक्तिमा, रुधिर, लहू, रक्त, लेख आदि का शीर्षक
सुर्रा—(अ) रुपये रखने की थैली, तोड़ा
सुल्तान—(अ) बादशाह, शासक, सम्राट्
सुल्ताना—(अ) सुल्तान की पत्नी, सम्राज्ञी
सुल्तानी—(अ) सुल्तान का, सुल्तान सम्बन्धी
सुल्फ़ा—(फ़) एक नशीला पदार्थ जो चिलम में तम्बाकू की तरह जलाकर पिया जाता है, वह तम्बाकू जो चिलम में बिना तवा रखे भरकर पिया जाय
सुलमुल बोल—(अ) देखो " सुलह कुल "
सुलह—(अ) सन्धि, मेल मिलाप, वह मेल जो किसी झगड़े के समाप्त होने पर हो
सुलह कुन—(अ) सब मित्र, सब से मेल-जोल रखने वाला

सुलह कुल—(अ) सब से मेल मिलाप रखने वाला, "सभी धर्मों का मुख्य लक्ष्य ईश्वर प्राप्ति है" इस सिद्धान्त का मानने वाला, उक्त सिद्धान्त को मानकर किसी भी सम्प्रदाय के अनुयायी से द्वेष भाव न रखने वाला

सुलह नामा—(मि) संधि पत्र, वह कागज़ जिस पर दो लड़नेवालों में समझौता हो जाने पर मेल-मिलाप की शर्तें लिखी जाती हैं

सुलक़—(अ) देखो "सल्क़"

सुलेमान—(अ) यहूदियों का एक प्रसिद्ध बादशाह एक प्रसिद्ध पहाड़ जो पंजाब और बिलोचिस्तान के बीच में है।

सुलेमानी—(अ) सुलेमान का, सुलेमान सम्बन्धी, वह घोड़ा जिसकी आँखें सफ़ेद हों, एक प्रकार का दुरंगा पत्थर

सुल्तान—(अ) देखो "सुल्तान"

सुल्ब—(अ) संतान, वंश, कुल, कुलीनता, रीढ़ की हड्डियां

सुस्त—(फ़) शिथिल, उदास, आलसी, चिन्तित, हतप्रभ, मंदगति, धीमा, ढीला

सुस्तराय-सुस्तरीश—(फ़) मूर्ख, पोंगा

सुस्ती—(फ) आलस्य, उदासीनता, ढिलाईपन

सुहबत—(अ) संगति, मित्रता, साथ

सुहराव—(अ) रुस्तम के बेटे का नाम

सुहेल—(अ) एक कल्पित नक्षत्र जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि वह यमन देश में दिखाई देता है तथा वह जब कभी उदित होता है सब जीव मर जाते हैं और सब प्राणियों के चमड़े सुगन्धित हो जाते हैं। नक्षत्र विशेष, सूर्य

सू—(अ) ओर, तरफ़, दिशा, विपत्ति, संकट, दोष, बुराई, खराबी, बुरा, खराब

सूएज़न—(अ) दुर्भाव, किसी के प्रति मनमें बुरा विचार रखना बदगुमानी

सूए मिज़ाजी—(अ) अस्वस्थता, बीमारी, रुग्णावस्था

सूए हज्मी—(अ) अपच, कोष्ठ-बद्धता, बदहज़मी

मत के रोज बजाकर कब्रों में सोते हुए सब मुर्दों को जगावेंगे

सूर—(फ) लाल रग, प्रसन्नता, आनन्द, खुशी, घोड़े या ऊँट का गहरा खाकी रग

सूरए इखलास—(अ) कुरान का एकसौ बारहवाँ अध्याय या सूरा

सूरए यासीन—(अ) कुरान का एक अध्याय जो उस वक्त पढ़ा जाता है जिस वक्त किसी को मरने में बहुत कष्ट हो रहा हो

सूरत—(अ) शक्ल, मूर्ति, चित्र, रूप, आकृति, कान्ति, शोभा, छवि, दशा, अवस्था, युक्ति, तरकीब, उपाय, ढग

सूरत परस्त—(मि) सौन्दर्योपासक, रूप की उपासना करने वाला, मूर्ति-पूजक

सूरत हराम—(मि) जो देखने में तो अच्छा लगे पर गुणों की दृष्टि से बिलकुल निकम्मा हो

सूरा—(अ) कुरान का अध्याय

सूराख—(फ़) छिद्र, छेद

सूरी—(फ़) लाल रग का फूल

सूस—(अ) दीमक, मुलैठी नामक जड़ी

सूसन—(फ) एक प्रकार का फूल

सूस मार—(फ) गोह, गोधा

से—(फ) तीन

सेब—(फ) एक बढिया प्रसिद्ध फल

सेबे जन खदाँ—(फ़) छोटी और सुन्दर आकार की ठोड़ी

सेर—(फ) जिसका पेट भरा हुआ हो, पूर्ण काम, जिसकी कामनाएँ पूर्ण होगई हों

सेर चश्म—(फ) जिसे कुछ देखने की अभिलाषा न रही हो, जो सब कुछ देख चुका हो, जिसकी आँखें तृप्त हो चुकी हों

सेर हासिल—(मि) उर्वरा भूमि, उपजाऊ, ज़रखेज़

सेराब—(फ) जिसमें खूब पानी सींचा गया हो, फूला-फला, हरा भरा

सेरी—(फ) तृप्ति, तुष्टि, इतमीनान, तसल्ली, सेर होने का भाव

सेहत—(फ़) तीन

सेहत—(अ) स्वास्थ्य, नैरोग्य, आरोग्य, तन्दुरुस्ती, पूछगछ, सशोधन, सही करना, भूलों

का बुखारना
सेहत खाना—(मि) शौचालय, पाखाना
सेहत नामा—(मि) शुद्धि-पत्र, आरोग्य-सूचक प्रमाण पत्र
सेहत बख्श—(मि) आरोग्य प्रद
सेह बरगा—(फ़) वह फूल जिसमें तीन पत्तियाँ हों
सेह मंजिला—(फ़) वह मकान जिसमें तीन मंजिलें हों, तिखण्डा, तिछता
सेह माही—(फ़) त्रमासिक, प्रति तीसरे महीने होनेवाला
सेहर—(अ) जादू, टोना, इन्द्रजाल
सेहर बयान—(मि) जिसके भाषणों में जादू का असर हो, जो बातों से जादू सा डाल दे
सेह शम्बा—(फ़) मंगलवार.
सैक़ल—(अ) हथियारों पर पानी चढ़ाना या धार धरना, चमकाना, शीशे पर कल्ई चढ़ाना
सैक़ल गर—(मि) हथियारों पर पानी चढ़ाने या धार रखने वाला, सिकलीगर.
सैद—(अ) कबूतरबाजों की एक प्रथा जिसमें एक कबूतरबाज़ दूसरे के कबूतरों को पकड़कर अपने यहाँ बन्द कर लेता है आखेट, शिकार, मृगया
सैदानी—(अ) सैयद जाति की स्त्री
सैदी—(अ) परस्पर सैद रखनेवाले कबूतरबाज़
सैफ़—(अ) तलवार
सैफ़ ज़नी—(मि) तलवार चलाना, खड्ग सचालन
सैफ़ ज़बाँ—(मि) जिसकी जीभ तलवार या कतरनी की तरह चलती हो, व्यर्थ बकवाद करने वाला, मुंहफट, जिसकी बातों में भारी असर हो
सैफ़ा—एक प्रकारका बड़ा चाकू
सैफ़ी—(अ) मुसलमानों में प्रचलित एक मंत्र जिसे पढ़कर नंगी तलवार की पीठ पर इस भावना से फूँक मारते हैं कि वह तलवार शत्रुओं का संहार कर देगी
सैयद—(अ) बड़ा, पदोन्नत, धार्मिक नेता, मुहम्मद साहब के नाती, हुसेन के वंशज, मुसलमानों के चार वर्गों में से दूसरा

सैयदज़ादा—(मि) सयद, हुसैन का वशज

सैयाद—(अ) शिकारी, शिकार खेलनेवाला, बहेलिया, अहेरा, प्रेमी या प्रेमिका (केवल साहित्य म)

सैयाफ–(अ) घातक, तलवार मारने वाला

सैयार—(अ) सैर करनेवाला, घुमक्कड

सैयारा—(अ) घूमनेवाला नक्षत्र, सितारा, कारवा

सैयाल—(अ) तरल, पतला, पानी की तरह बहनेवाला

सैयाह—(अ) यात्री, मुसाफिर, यात्रा करनेवाला

सैयाही—(अ) यात्रा, सफर

सैर–(अ) मनोरजन के लिए घूमना फिरना, मित्र मण्डली के साथ किसी मनोरम स्थान म जाकर खान पान, नाच रग आदि करना, आनन्द, मौज, बहार, खेल, तमाशा, तलवार

सैरगाह–(मि) सैर करने का स्थान, सुन्दर और दर्शनीय स्थान

सैराब—(फ) पानी म डूबा हुआ

सैल—(अ) पानी का बहाव, प्रवाह

सैलान—(फ) खून या पानी का बहना

सैलाब—(फ) बाढ, बढ़िया, जल प्लावन, पानी की अधिक बाढ

सैलाबची—(फ) देखो 'सिलाबची'

सैलाबी—(फ) तरी, सीलन, नमी, बाढ़, जल प्लावन, बढ़िया, नदी के आस पास की भूमि जो नदी की बाढ से सींची जाती है

सोख़्त–(फ) निकम्मा, सूजन, शोथ, दुःख, पीड़ा, रज, खेद, शोक

सोख़्तगी–(फ) जलन, दाह, शोथ, सूजन, कष्ट, रज, शोक

सोख़्तनी—(फ) जलने लायक, जलाने योग्य

सोख़्ता—(फ) बारूद के योग से तैयार किया हुआ सूत या कपड़ा या पलीता जिसमें चकमक पत्थर से आग जलाते है दग्ध, जला हुआ, दग्ध हृदय, एक प्रकार का कच्चा कागज जो स्याही सुखाने के काम म आता है

हजार—(फ) रास्ता, रग ढग, गति, चाल

हइयात—(अ) बनाया जाना, तैयार किया जाना, बनावट, आकृति, ज्योतिष

हक—(अ) छीलना, खुरचना

हक़—(अ) अधिकार, औचित्य, सच्चा, ठीक, ईश्वर का नाम, प्रतिज्ञा पालन, कोई काम करने या कराने का स्वत्व, किसी वस्तु को अपने क़ब्ज़े में रखने या काम में लाने आदि का अधिकार

हक़ उल्लाह—(अ) ठीक, सत्य, धर्मलगती

हक़तलफ़ी—(अ) अधिकार नष्ट करना, किसी को उसके अपने अधिकार से वञ्चित कर देना, किसी का हक़ मारा जाना, अन्याय

हक़्क़ताला—(अ) सर्वश्रेष्ठ, सत्य, ईश्वर

हक़दार—(अ) अधिकारी, जिसे किसी बात का स्वत्व प्राप्त हो

हक़ना—(अ) दस्त कराने के लिए गुदा में किसी स्निग्ध पदार्थ की बत्ती या पिचकारी लगाना, यन्त्रादि से गुदा में जल चढ़ाना, वस्तिकर्म

हक़ नाहक़—(अ) व्यर्थ, निरर्थक, अकारण

हक़नुमा—(मि) परमार्थ का मार्ग बतानेवाला, सच्चा मार्ग दिखानेवाला

हक़परस्त—(मि) ईश्वर को माननेवाला, आस्तिक, ईश्वर भक्त, सत्यनिष्ठ, सत्यप्रेमी, सत्य का पुजारी, सच्चा

हक़परस्ती—(मि) सत्यनिष्ठा, परमात्म भक्ति

हक्म—(अ) न्यायाधीश, न्याय करनेवाला

हक़रसी—(मि) न्याय, इन्साफ

हक़शफ़ा—(अ) वह अधिकार जो पड़ोसी होने के कारण प्राप्त हो, किसी ज़मीन जायदाद के औरों की अपेक्षा पहले खरीदने का अधिकार जो किसी को पड़ोसी होने के कारण प्राप्त होता है

हक़ शिनास—(मि) सचाई को पहचाननेवाला, सत्य मार्ग पर

न्यायवान, न्यायपरायण, गुणग्राहक, सत्यनिष्ठ, आस्तिक

हक़ारत—(अ) घृणा, बेइज्ज़ती, अपमान, अप्रतिष्ठा

हक़ीक़त—(अ) वास्तविकता, तथ्य, तत्व, सत्य, यथार्थ, असली बात, सत्य घटना

हक़ीक़तन—(अ) हक़ीक़त में, वास्तव में

हक़ीक़ी—(अ) सगा, असली, वास्तविक

हकीम—(अ) दार्शनिक, बुद्धिमान, विद्वान्, यूनानी प्रणाली से चिकित्सा करनेवाला

हकीमी—(अ) यूनानी चिकित्सा

हक़ीयत—(अ) हक़दार अर्थात् अधिकारी होने का भाव, हक़दारी

हक़ीर—(अ) घृणित, अप्रतिष्ठित, अपमानित, नीच, दुष्ट, क्षुद्र

हक़ूक़—(अ) 'हक़' का बहुवचन

हकूमत—(अ) प्रभुत्व, शासन, राजनैतिक अधिकार, राज-शासन

हक़्क़ा—(अ) सत्य है, ठीक है, ईश्वर की शपथ, परमेश्वर की सौगन्ध

हक्काक—(अ) नगों पर नाम आदि खोदनेवाला

हक़्क़ानियत—(अ) ईश्वर भक्ति, सत्य

हक़्क़ानी—(अ) ईश्वर भक्त

हक़्क़ियत—(अ) जायदाद, सम्पत्ति, जिसपर अपना हक़ हो

हक़्क़े तस्नीफ़—(नि) लेखक को अपनी लिखी हुई पुस्तक आदि पर प्राप्त अधिकार

हक़्क़े चहारुम—(नि) चौथाई भाग, प्राप्तव्य अंश

हज—(फ) मुसलमानों का अपने तीर्थ स्थान काबे के दर्शनार्थ मक्का की यात्रा करना

हज़—(अ) आनन्द, प्रसन्नता, भाग्य, सौभाग्य, लाभ, स्वाद, मज़ा

हज़न—(अ) दुःख, शोक

हज़फ़—(अ) हटाना, दूर करना, निवारण, अपसारण

हज़बनाक—( )

हज़म—(अ) पचा हुआ, बेईमानी से अपने अधिकार में किया हुआ, पचाना, पचना

हजर—(अ) पत्थर, प्रस्तर, ढेला

हज़र—(अ) निरपेक्ष भाव, भय की

बकवाद, किसी बात से बचना, किसी वस्तु विशेष को अपने व्यवहार में न लाना, परहेज़ करना

हज़रत—(अ) महात्माओं या बादशाहों की उपाधि, श्री महाराज, श्रीमान्, महोदय, समीपता, निकटता, नज़दीकी, दुष्ट, पाजी, बगड़ा (व्यंग म)

हजरात—(अ) "हज़रत" का बहु वचन

हजरे असवद—(अ) देखो 'संगे असवद'

हजल —(अ) चकोर नामक पक्षी

हज़ल—(अ) वेहूदा मज़ाक, भद्दा परिहास, गन्दा मज़ाक, भड़ौआ

हज़ा—(अ) यह

हजाब—(अ) लज्जा, परदा, ओट, शरम, लिहाज़

हजामत—(अ) बाल मूँड़ना, बाल बनाने का काम, बाल बनाने की मज़दूरी, शिर या दाढ़ी के बढ़े हुए बाल, हजाम का काम

हजामत बनाना = दाढ़ी या शिर के बाल मूँड़ना, किसी का धन अप हरण करना, मारना पीटना

हज़ार—(फ) सहस्र, दस सौ, हज़ार की संख्या (१,०००), बुलबुल

हज़ार आवाज—(फ़) बुलबुल नामक पक्षी

हज़ार चश्म—(फ) केकड़ा नामक जल-जन्तु, कर्कट

हज़ार चश्मा—(फ) एक प्रकार का फोड़ा जो प्राय कमर पर होता है तथा जिसम सैकड़ों सूराख हो जाते हैं, अदीढ़

हज़ार दास्ताँ—(फ) कहानियों की एक प्रसिद्ध पुस्तक, अच्छी अच्छी बातें या कहानिया कहने वाला, एक बढ़िया जाति की बुलबुल

हज़ार पा—हज़ार पाया—(फ) कानखजूरा, कानसलाइ

हज़ारहा—(फ) सहस्त्रों, हज़ारों, अनगिनती

हज़ारा—(फ) बड़ी जाति का गदे का फूल जिसमें बहुत-सी पंखड़िया होती हैं, सीमाप्रान्त म बसनेवाली मनुष्यों की एक जाति

उभरना, उफान, हृदय
हज्म—(अ) देखो "हज़म"
हतक—(अ) बेइज्ज़ती, हेटी
हतक इज्ज़त—(अ) अप्रतिष्ठा, निरादर, मानहानि
हत्ता—(अ) यहाँ तक कि
हत्तुल इमकान—(अ) यथासम्भव, जहाँ तक हो सके, यथासाध्य
हत्तुल मक़दूर—(अ) देखो हत्तुल इमकान
हद—(अ) सीमा, मर्यादा, किसी चीज़ की दूरी, विस्तार, उंचाई या गहराई की अधिक से अधिक पहुँच, पराकाष्ठा
हद न हिसाब नहीं = अनन्त, बहुत ज्यादा
हदफ—(अ) निशाना, मार, चोट, तीर आदि का लक्ष्य
हदबन्दी—(फि) हद बाँधना, सीमा निर्धारित करना
हदाया—(अ) "हदिया (एक विशेष उपहार)" का बहुवचन
हदासत—(अ) प्रारम्भ, नवयौवन, नवीनता
हदिया—(अ) मुसलमानों में उस्ताद को दिये गये वे पीले कपड़े जो कोई विद्यार्थी अपने कुरान पाठ की समाप्ति के उपलक्ष्य में भेंट करता है, भेंट, उपहार, कुरान की अध्ययन समाप्ति का उत्सव
हदीद—(अ) लोहा, तेज़ चीज़
हदीस—(अ) मुसलमानों का धर्म-ग्रन्थ, मुहम्मद साहब के वचन और कार्य कलाप, नवीन सूचनाएँ, नई वस्तु
हदीस खींचना—सौगन्ध खाना, शपथ लेना
हदूद—(अ) "हद" का बहुवचन
हद्द—(अ) सीमा, मर्यादा, पराकाष्ठा
हद्दाद—(अ) लुहार, लोहे की चीज़ या हथियार बनानेवाला
हनीफ—(अ) धर्म भीरु, सच्चे रास्ते पर चलनेवाला
हनोज़—(फ) इस समय तक, अभी तक, अब तक
हफनज़र—(फ) परमात्मा नज़र या कुदृष्टि से रक्षा करे, ईश्वर करे नज़र न लगे
हफीज़—(अ) रक्षक, निरीक्षक, ईश्वर का नाम

हफ्त—(फ़) सात, छ और एक

हफ्त अक्लीमर—(मि) सप्तद्वीप, समस्त संसार

हफ्तन—(मि) मुसलमानों के सातों बड़े इमाम

हफ्त कलम—(मि) अरबी लिपि की सात प्रकार की लेखन प्रणालियों का नाम

हफ्त ज़बान—(मि) सात भाषाएँ जाननेवाला, सप्त भाषज्ञ

हफ्त पैकर—(मि) सात नगर

हफ्तम—(फ़) सप्तम, सातवाँ

हफ्ता—(फ़) सप्ताह

हफ्ताद—(फ़) सत्तर, सात के दस गुने

हब—(अ) बीज, दाना, गोली

हबन्नक़—(अ) मूर्ख, बेवकूफ़

हबल—(अ) मक्के की एक प्राचीन प्रतिमा का नाम, गर्भ, हमल

हबश—(अ) हबशियों का देश

हबशी—(अ) हबश देश का निवासी, जङ्गली, असभ्य

हबा—(अ) परमाणु, अत्यन्त सूक्ष्म, तुच्छ, नाचीज़

हबीब—(अ) मित्र, प्रेमी, प्रिय, दोस्त, प्यारा

हबूब—(अ) "हब" का बहुवचन, वायु प्रवाह, हवा का चलना

हब्ब—(अ) गोली, दाना, बीज

हबूत—(अ) अवतरण, अवरोह, ऊपर से नीचे उतरना, निम्न भूमि, नीची ज़मीन, हानि, नुकसान, रोग-जन्य निर्बलता

हब्बा—(अ) अन्न का दाना, कण, रत्ती भर, लेशमात्र, ज़रा, अत्यन्त अल्प अंश

हब्शी—(अ) देखो "हबशी"

हब्स—(अ) बन्द, क़ैदखाना, बन्दी गृह, कारागार, उमस, वह घबराती गरमी जो हवा न चलने के कारण होती है

हब्सदम—(मि) प्राण वायु का निग्रह, प्राणायाम, श्वास या दमे का रोग

हब्सबेजा—(मि) किसी को बेफ़ायदे बन्द कर रखना, बेजा तौर पर क़ैद में डाल रखना

हम—(फ़) एक अव्यय जो कुछ शब्दों के आदि में लगकर "साथ देनेवाला" या 'साथी'

का अर्थ देता है, जैसे 'हमदर्द', परस्पर, आपस में भी

हम असर—(मि) समकालीन, सम-सामयिक

हम अहद—(मि) सम सामयिक, समकालीन

हम आगोश—(फ) आलिंगन किये हुए, गले से लगा हुआ

हम आवुर्द—(फ़) प्रतिपक्षी, प्रति द्वन्द्वी

हम आवाज़–(फ) साथ बोलनेवाला, स्वर में स्वर मिलानेवाला

हम आहंग —(फ) एक स्वर, जो बात एक कहे वही सब कहें

हम इनान—(मि) साथी, सगी

हम उम्र–(मि) समवयस्क, समान आयुवाला

हम क़दम—(मि) साथी, साथ चलनेवाला

हम कलाम—(मि) साथ में बात चीत या संभाषण करनेवाला, बात चीत करना

हम कलामी–(मि) सम्भाषण, बात-चीत

हमकासा—(फ़) एक ही थाली में साथ बैठकर खानेवाला, मित्र, सजातीय

हमक़ौम—(मि) सजातीय, अपनी क़ौम का

हमख़ाना–(फ) एक ही घर में साथ रहनेवाला, पड़ोसी, सहवासी, पत्नी, स्त्री

हमख़ु—(फ) समान स्वभाववाला

हमचश्म—(फ) बराबरी का दर्जा रखनेवाला

हमज़बान—(फ़) बोलने में साथ देनेवाला, समान भाषा भाषी, एक ही बोली बोलनेवाले

हमजलीस—(मि) प्रत्येक काम में साथ रहनेवाला, अनन्य मित्र, अति घनिष्ठ

हमजवार–(फ) पड़ोसी, आस पास रहनेवाला

हमजा–(अ) तरातेज नामक पौधा, शेर, सिंह, मुहम्मद साहब के चाचा का नाम

हमज़ात—(फ़) समान जातिवाला, सजातीय

हमज़ाद—(फ) वह जो साथ पैदा हुआ हो, जोड़ा

का पक्ष रखनेवाला

हमपुश्त—(फ) सहायक, मददगार

हमपेशा—(फ) समान व्यवसाय करनेवाला, एक ही पेशेवाला

हमप्याला—(फ) एक ही प्याले में पीनेवाला, घनिष्ठ मित्र

हमबिस्तर—(फ) एक ही बिछावन पर साथ सोनेवाला, सम्भोग करनेवाला

हमम—(अ) हिम्मत का बहुवचन

हम-मकतब—(मि) सहपाठी, सहाध्यायी

हम-मज़हब—(मि) सहधर्मी, एक ही मत का माननेवाला

हमरंग—(फ) एक से रंग रूपवाला

हमरह—(फ) सहयात्री, साथ मार्ग चलनेवाला

हमराज़—(फ) अन्तरंग मित्र, भेद या रहस्य जाननेवाला, इतना घनिष्ठ व्यक्ति जो गोपनीय बातों को भी जानता हो

हमराह—(फ) साथी, सहयात्री, साथ-साथ मार्ग चलनेवाला

हमराही—(फ) देखो "हमराह"

हमरिश्ता—(फ) जो नाते रिश्ते में बराबर हो, वह व्यक्ति जिसकी अपने रिश्तेदार से रिश्तेदारी हो, साथ नत्थी किया हुआ, एक ही धागे में पिरोया हुआ

हमल—(अ) गर्भ, भार, बोझ, ज्योतिष में मेषराशि

हमला—(अ) आक्रमण, धावा, चढ़ाई, चोट, प्रहार, वार

हमला आवर—(मि) आक्रमणकारी, चढ़ाई करनेवाला, आघात या प्रहार करनेवाला

हमवतन—(मि) स्वदेशी, अपने देश का रहनेवाला, अपने प्रान्त या नगर का निवासी

हमवार—(फ) एक-सा, चौरस, समतल, नित्य, सदा

हमवारा—(फ) सतत, निरंतर, लगातार, सदा, सदैव, हमेशा

हमशक्ल—(मि) एक सी शक्ल का, समान आकृतिवाला

हमशीर—(फ) सहोदर, सगा भाई, भाइ

हमशीरा—(फ) सहोदरा, सगी बहन

हमसंग—(फ) जो तौल या वज़न में ...

हमसदा—(फा) साथ मिलकर आवाज लगानेवाला

हमसफर—(फा) सहयात्री, साथ सफर करनेवाला

हमसफरा—(फा) एक ही दस्तर ख्वान पर साथ साथ खानेवाले

हमसफीर—(फा) एक-सी बोली बोलनेवाला (यह प्रायः मनुष्यों से भिन्न प्राणियों के लिए प्रयुक्त होता है), साथी, सगी

हमसबक—(फा) सहपाठी

हमसर—(फा) बराबर का, जोड़ का, ऊपर का

हमसरी—(फा) बराबरी, समता, तुल्ना

हमसाज—(फा) अनुकूल, मित्र

हमसायगी—(फा) पड़ोस, पड़ोसीपन

हमसाया—(फा) पड़ोसी

हमसिन—(फा) समवयस्क, एक ही उमर का

हमसोहबत—(फा) साथ उठने बैठनेवाला, मित्र, साथी

हमा—(फा) सब, कुल

हमागीर—(फा) सर्वव्यापी, सब तरफ

हमातन—(फा) सर्वांग, सिर से पैर तक, कुल

हमादाँ—(फा) सब कुछ जाननेवाला, सर्वज्ञ

हमामदस्ता—(फा) ओखली और मूसल

हमायल—(अ) गले में पहनने का कोई आभूषण, हमेल, हार, और कोई वस्तु जो गले में पहनी जाय माला, जनेऊ, तावीज, चमड़े आदि का परतला जिसमें तलवार आदि लटकाई जाती है, छोटा कुरान या गुटका जिसे लोग तावीज की तरह गले में लटकाते हैं

हमा शुमा—(फा) सब साधारण, सब कोई, हमा शुमा जैसे साधारण व्यक्ति

हमीद—(अ) प्रशंसित, प्रशंसनीय

हमीदा—(अ) प्रशंसित, प्रशंसनीय

हमेशगी—(फा) हमेशा रहने का भाव, सदा कायमी, नित्यता

हमेरा—(फा) मित्र, सखा

हमीयत—(अ) मान, प्रतिष्ठा, इज्जत, लाज, [illegible]

हम्द—(अ) प्रशंसा, ईश्वर स्तुति

हम्माम—(अ) स्नानागार, नहाने का स्थान
हम्मामी—(अ) स्नानागार में लोगों को स्नान करानेवाला
हम्माल—(अ) बोझ उठानेवाला, कुली, मजदूर, मोटिया
हया—(अ) लज्जा, शर्म
हयात—(अ) जीवन, जिन्दगी
हयातिआत—(अ) जीवन शास्त्र
हयादार–(मि) लज्जालु, लज्जाशील, शर्मदार
हयूला—(अ) किसी वस्तु का वास्तविक तत्त्व, अथवा प्रकृति ("हइयतेउहा" का संक्षिप्त रूप है)
हर—(फ) प्रति, प्रत्येक
हर आईना—(फ) अवश्य, निस्सन्देह, बेशक, प्रत्येक दशा में
हरक़—(अ) क्रोध से दाँत पीसना, मिसमिसाना, भीतर ही भीतर जलना, कुढना
हरकत–(अ) गति, चेष्टा, हिलना डुलना, क्रिया, नटखटपन
हरकात–(अ) "हरकत" का बहुवचन
हरकाते नफ़सानी–(फ) कामवासना सम्बन्धी कार्य
हरकारा—(फ) सन्देश वाहक, समाचार या चिट्ठी पत्री पहुँचानेवाला, डाकिया, चिट्ठीरसाँ, वह आदमी जो प्रत्येक काम कर सके
हरगाह—(फ) सर्वत्र, सब जगह, प्रत्येक अवस्था में, चूँकि, जब कि
हरगिज़—(फ) कदापि, कभी
हरचन्द—(फ) यथा शक्ति, यथासम्भव, बहुत कुछ, बहुतेरा, बार बार, यद्यपि, हालाँकि, अगरचे
हरज–(अ) हानि, नुक़सान, क्षति, बाधा, विघ्न, उपद्रव, अपराध
हरज़—(अ) वह रोग जो प्रेम या शोक के कारण हुआ हो
हरजा—(फ) प्रत्येक जगह, सर्वत्र, हानि, नुक़सान, क्षति
हरज़ा—(फ) बेहूदा, बेढगा, वाहियात, असभ्य, व्यर्थ, निरर्थक, ख़राब
हरजाई–(फ) जो प्रत्येक व्यक्ति से प्रेम करे, दुराचारिणी, पुंश्चली, मारा-मारा फिरनेवाला, आवारा,

अवैध, अशिष्ट, दूषित, अनुचित, बुरा, बेईमानी, अधम मुफ्त का, झटके का, व्यभिचार, दुराचार, स्त्री पुरुष का अनुचित सम्बन्ध, मुसलमानों में सूअर

(कोई काम) हराम कर देना = उसका करना दूभर या असम्भव कर देना

हराम कार—(मि) व्यभिचार करने वाला, व्यभिचारी

हराम खोर—(मि) आलसी, निकम्मा, मुफ्त का माल खाने वाला, बेइमानी या दुराचार द्वारा प्राप्त धन खाने वाला

हराम ज़ादा—(मि) जो दुराचार से पैदा हो, दोगला, वर्णसकर, नीच, पाजी, दुष्ट

हरामी—(अ) हरामज़ादा, व्यभिचार से उत्पन्न, पाजी, दुष्ट, चोर, लुटेरा, नीच, पापी

हरारत—(अ) ताप, गर्मी, ऊष्मा, हल्का ज्वर

हरारा—(अ) आवेश, जोश, तेज़ी, तीव्रता, नाचना, शोर-गुल

हरारत गरीज़ी—(अ) शरीर का स्वाभाविक ताप

हरारत गरीबी—(अ) शरीर का कृत्रिम ताप जो ज्वरादि के कारण बढ गया हो

हरावल—(तु) सेना का अग्रभाग, सेना की रक्षा के लिए उसके आगे-आगे चलनेवाली सिपाहियों की टुकड़ी

हरास—(फ) निराशा, नाउम्मेदी, भय, डर

हरीफ—(अ) शत्रु, वरी, विरोधी, प्रति द्वन्द्वी, धूर्त, चालाक, मक्कार, एकसा व्यवसाय करने वाला, हम पेशा

हरीम—(अ) घर के चारों तरफ की दीवार, पर्दा

हरीर—(अ) रेशम, रेशम का बना कपड़ा

हरीरा—(अ) एक प्रकार का पतला हलुआ जो प्रसूताओं को खिलाया जाता है

हरीरी—(अ) रेशमी, रेशम का बना

हरीस—(अ) लालची, लोलुप, लोभी लिप्सु, ईर्ष्यालु, ईर्ष्या करने-

शाखा, प्रति हड्डी, पेड़ू, मुण्ड

हरूफ़—(अ) "हरफ़" का बहुवचन

हर्ज—(अ) देखो "हरज"

हर्जाना—(अ, देखो "हरजाना"

हर्फ़—(अ) देखो "हरफ़"

हर्फ़ ब हर्फ़—(अ) अक्षरशः

हर्फ़े इस्तिसना—(अ) वह अक्षर जो शब्द या वाक्य में कोई विशेषता उत्पन्न करने के लिए जोड़ा जाय

हर्फ़े इज़ाफ़त—(अ) वह अक्षर जिससे एक शब्द का दूसरे शब्द से सम्बन्ध सूचित हो जैसे "हल्वाए-मग्ज़ी" में 'ए' हल्वा और मग्ज़ का सम्बन्ध प्रकट करता है अर्थात् 'मग्ज़ का हल्वा' ऐसा अर्थ द्योतन करता है

हर्फ़े नफ़ी—(अ) वह अक्षर या शब्द जिसका प्रयोग अस्वीकृति या इन्कार के लिए किया जाय

हर्फ़े निदा—(अ) वह अक्षर या शब्द जिसका प्रयोग किसी को बुलाने के लिए किया जाय, सम्बोधन

हरीफ़—(अ) धूर्त, चालाक

हल—(अ) समस्या का सुलझाना, स्पष्टीकरण, खोलना, तय करना, गणित में प्रश्न को निकालने की क्रिया, घुलना, अच्छे प्रकार मिल जाना

हल्क़—(अ) कण्ठ, गला, गले की नली

हल्क़ा—(अ) घेरा, अहाता, वृत्त, या परिधि, कुण्डल, कोई भी कुण्डलाकार चीज़, झुण्ड, दल, विशेष कर हाथियों का, कुछ लोगों का समूह

हलाकान—(अ) श्रान्त, शिथिल, परेशान, हैरान, घबराया, अधमरा

हलफ़—(अ) शपथ, सौगन्द, क़सम

हलफ़न—(अ) शपथपूर्वक

हल्वा—(अ) हलुआ, मोहन भोग, एक प्रसिद्ध भोग और उत्तम पकवान, बढ़िया और मुलायम चीज़

हल्वाई—(अ) मिठाई बनाने और बेचने वाला

हल्वाए मग्ज़ी—(फ़ि) वह हलुआ

जिसमें विशेष मात्रा में बादाम, पिस्ता आदि डाले गए हों

हल्वाए मर्ग—(फि) वह हलुआ या अन्य भोजन जो किसी के मरने पर लोगों को खिलाया जाय, फड़ी खिचड़ी, भत्ती (मुसलमानी)

हल्वाए मिक्राजी—(अ) वह हलुआ जिसमें बहुत बारीक कतरे हुए मेवे पड़े हों

हल्लान—(अ) भेड़ या बकरी का छोटा बच्चा, ऐसे छोटे बच्चे का मांस, दलाल का पारिश्रमिक, दलाली

हलाक-(अ) नष्ट, मारा हुआ, मृत, श्रान्त, शिथिल

हलाकत—(अ) नाश, मृत्यु, नष्ट करना, मारना

हलाकू—(तु) हलाक करने वाला, हत्यारा, अत्याचारी, एक बादशाह का नाम जिसने असंख्य निर्दोष मनुष्यों की हत्या की थी

हलाल-(अ) वैध, विहित, उचित, प्रचलित, जायज़, जिसके करने की शास्त्रों में आज्ञा हो, धर्म शास्त्रानुमोदित

हलाल करना = किसी पशु को मांस खाने के लिए मुसलमानी शरअ के अनुसार धीरे धीरे गला काट कर मारना

हलाल का = ईमानदारी और परिश्रम द्वारा उपार्जित

हलावत-(अ) माधुर्य, मिठास, स्वाद, सुख, चैन, आराम

हलाहल-(फ) बहुत ही घातक और तीक्ष्ण विष, अत्यंत कड़ुआ, कटु

हलीला—(अ) विवाहिता स्त्री

हलीम-(अ) सहिष्णु, संयमी, सहनशील, गम्भीर और कोमल स्वभाव वाला एक प्रकार का फारिस का भोजन, मोटा ऊँट

हलीमा—(अ) मुहम्मद साहब की दाई

हलुआ-(अ) देखो "हल्वा"

हलेला—(फ) हर्र हड़

हल्क—(अ) देखो "हल्क़"

हल्लाल—(अ) हल करने वाला, सुलझाने वाला, तेली

चञ्चल, चपल, एक प्रकार की आतिशबाज़ी, बहुत बारीक कतरा हुआ मेवा, व्यर्थ इधर उधर घूमने वाला, परेशानी

हवाइयाँ उड़ना = चेहरे का रंग फीका पड़जाना

हवा ख्वाह—(मि) भला चाहने वाला, शुभैषी, शुभ चिन्तक, मित्र

हवादार—(फ) जिसमें खूब हवा आती हो, खुला हुआ, मित्र, प्रेमी, चाहने वाला, आसक्त, इच्छुक, एक सवारी जिसे आदमी कंधे पर उठाकर ले चलते हैं

हवा दारी—(फ) शुभ चिन्तना, खैर ख्वाही

हवादिस—(अ) "हादसा" का बहुवचन, दुघटनाएँ, कष्ट

हवा परस्त—(मि) इन्द्रिय लोलुप, विषयी, विलासी, अशिष्ट, अयोग्य

हवा बाज़—(फ) वायुयान, वायुयान चालक

हवाल्त—(अ) सुपुर्द करना, सौंपना, हवाला करने का भाव

हवाला—(अ) सुपुर्द करना, सौंपना, उदाहरण, मिसाल, दृष्टान्त, प्रमाण, उद्धरण, जाल, फन्दा, रस्सी

हवालात—(अ) हाजत, नज़रबन्दी, पहरे या निगरानी में रक्खे जाने की क्रिया, अभियुक्त की वह साधारण कैद जो मुक़द्दमे का निर्णय होने के समय तक भागने से रोकने के लिए रक्खी जाती है वह मकान जिसमें ऐसे अभियुक्त को बन्द रक्खा जाय

हवालाती—(अ) हवालात में रक्खा जाने वाला, हवालात सम्बन्धी

हवाली—(अ) समीपवर्ती स्थान,

हवाली शहर—(मि) शहर के आस पास के स्थान

हवास—(अ) "हास्सा" का बहुवचन इन्द्रिय, पांच ज्ञानेन्द्रियों और पांच कर्मेन्द्रियाँ, होश

हवास खमसा ज़ाहिरी—(अ) पांच कर्मेन्द्रियाँ

हवास खमसा बातिनी—(अ) पांच ज्ञानेन्द्रियाँ

नरसिंहा बजाने पर कब्र में से सब मुर्दे उठ-उठकर खड़े हो जायगे और उनके शुभाशुभ कर्मो का हिसाब होगा

हश्रात—(अ) देखो "हशरात"

हश्शाश—(अ) प्रसन्न, खुश, आनन्दित, हसता हुआ

हश्शाशो बश्शाश (अ)—परम प्रसन्न, अत्यन्त खुश, प्रसन्न चित्त, हसता हुआ, प्रफुल्ल

हसद—(अ) इर्ष्या, डाह, जलन, रश्क

हसन—(अ) नेक, भला, सुन्दर, सुन्दरता, उत्तमता, भलाई, खूबी मुहम्मद साहब के बडे धेवते का नाम

हसब—(अ) ननिहाल, माता का वश, ननसाल का गोत्र

हसबो नसब—(अ) माता और पिता दोनों का वशानुक्रम, नाना और बाबा का खानदान

हसर—(अ) घेरना, घेरा डालना

हसरत—(अ) इच्छा, अभिलाषा, कामना, अरमान, लिप्सा, किसी वस्तु के न मिलने पर होने वाला क्लेश

हसीन—(फ) सुन्दर, रूपवान खूबसूरत

हसीब—(अ) हिसाब करने वाला, वयोवृद्ध

हसीर—(अ) चटाइ

हसूल—(अ) लाभ, फायदा, हासिल

हस्त—(फ) अस्तित्व, सत्ता, वतमान होने की अवस्था, जीवन, ज़िन्दगी

हस्त व ममात—(मि) जीवन और मृत्यु

हस्ती—(अ) सत्ता, अस्तित्व, वतमान होने की अवस्था, सम्पत्ति जीवन

हस्ब—(अ) अनुसार, सदृश, समान, अनुकूल, मुताबिक

हस्ब ख्वाह—(मि) इच्छानुसार, जैसा चाहे वैसा

हस्ब हाल—(अ) समयानुसार, समयानुकूल, समयोचित, उपयुक्त

हस्बुल अमर—(अ) आज्ञानुसार

हस्बे तौफीक—(अ) सामर्थ्यानुसार, श्रद्धानुरूप

और उचित उत्तर देने वाला, प्रत्युत्पन्नमति, जिसे मौक़े का जवाब चट पट सूझ जाय

हाजिर बाश—(मि) उपस्थित रहने वाला, मौजूद

हाजिरा-(अ) गांव, कस्बा, शहर

हाजिरात-(अ) भूत प्रेतों को बुला कर उनसे अपने प्रश्नों के उत्तर पूँछना

हाज़िरी—(अ) उपस्थिति, विद्यमानता, हाज़िर रहने का भाव, अँग्रेजों का मध्याह्न काल का भोजन

हाजिरीन-(अ) "हाज़िर" का बहु वचन

हाजी—(अ) हज करने वाला निन्दक, हिजो या निन्दा करने वाला, किसी की नक़ल बनाकर उसे हास्यास्पद बनाने वाला

हातिफ-(अ) पुकारने वाला, आवाज़ देने वाला, देव दूत, फ़रिश्ता, आकाश वाणी

हातिम-(अ) अरब का निवासी एक प्रसिद्ध परोपकारी और दानी दाता, उदार, परोपकारी

हातिम की क़ब्र पर लात मारना = कोई बड़ा भारी उपकार का काम करना

हादसा—(अ) दुर्घटना, घटना, वादात, कोई नई बात

हादिम-(अ) ढहाने वाला, गिराने वाला, तोड़ने फोड़ने वाला, ध्वंसक, विनष्ट करने वाला, नाशक

हादिस-(अ) नवीन, नया, नाशवान, नश्वर

हादिसा—(अ) देखो 'हादसा'

हादी—(अ) हिदायत करने वाला, शिक्षक, उपदेष्टा, सन्मार्ग, प्रदर्शक, नेता, मुखिया

हाफ़िज़—(अ) वह मुसल्मान जिसे कुरान हिफ्ज़ [कण्ठाग्र] हो, रक्षक

हाफ़िज़ा—(अ) स्मरण शक्ति, याद रखने की ताक़त

हाबील—(अ) हज़रत आदम के लड़के का नाम जिसे क़ाबील ने मार डाला था

हामिज-(अ) अपराधी, आंखों से संकेत करने वाला

हामिद—(अ) प्रशंसक, तारीफ करने वाला

हामिया-(अ) जातिसेवक, जातिकी सहायता करने वाला, जलता हुआ, उबलता हुआ, अत्यन्त गरम वस्तु

हामिल—(अ) बोझ उठाने वाला, भारवाहक, कोई चीज़ ले जाने वाला

हामिला—(अ) गर्भवती, गर्भिणी, गाभिन

हामी—(अ) हिमायत करने वाला, पक्ष करने वाला, हाँ करलेना, किसी काम को करना स्वीकार कर लेना, चलता हुआ, गरम

हामीकार-(मि) सहायक, हिमायती मददगार

हामूँ—(अ) जंगल, उजाड़, वीरान

हामूँ न वद—(मि) जंगल में घूमने वाला, उजाड़ या वीरान में मारा मारा फिरने वाला

हायब—(अ) अपराधी, पापी

हायल—(अ) बाधा डालने वाला, बाधक, विघ्नकरने वाला, अड़ लगाने वाला, आड़ करने वाला कठिन, कठोर, भीषण, भयानक

हाय हाय—(फ) शोक सूचक उद्गार

हार—(अ) क्षेत्र, पड़ी हुई भूमि, हरारत अर्थात् गरमी रखने वाला

हार—(फ) फूलों या मोतियों की माला, गले में पहनने का आभूषण, पराजय

हारिज—(अ) हरण करने वाला, विघ्न कारक, विघातक

हारूँ—(अ) हज़रत मूसा के बड़े भाई जो एक पैगम्बर थे, संदेश वाहक, दूत, हरकारा, रक्षक, संरक्षक, उद्दण्ड और बिगड़ैल घोड़ा, किसी समूह या सम्प्रदाय का सरदार, नवा, मुखिया, बग़दाद के एक खलीफा जिनका पूरा नाम 'हारूँ रशीद' था

हारूत—(अ) उन दो फरिश्तों में से एक जो औरत से प्रेम करने के कारण आसमान बाबुल के कुएं में उल्टे लटके हुए माने जाते

हैं। (दूसरे फरिश्ते का नाम मारूत है)
हारूत फन—(अ) जादूगर, ऐन्द्र जालिक
हारूनी-(अ) रक्षा, सरक्षा, निगह बानी, दुष्ट, उद्दण्ड
हाल—(अ) वतमान समय, भावा वेश, ईश्वर म तन्मयता, तल्ली नता, समाचार, वृत्तान्त, विवरण, व्यौरा, दशा, अवस्था, परिस्थिति, कथा, आख्यान, चरित्र, लोहे की पत्ती का घेरा जो पहिये के चारों ओर चढ़ाया जाता है, हिल्ना, कँपना
हालका = अभीका, थोड़े दिनों का
हाल में = अभी अभी, थोड़े दिन हुये तब
हालत—(अ) दशा, अवस्था, परिस्थिति
हालते नजा-(अ) मरते समय प्राण त्यागने की अवस्था
हालाँकि—(मि) यद्यपि, अगरचे
हाला—(अ) वह मण्डल या घेरा जो कभी कभी चन्द्रमा के चारों तरफ दिखाई पडता है मण्डल कुण्डल, पारस, जल्हरी
हाला—(फ) अभी, इसी समय
हालात-(अ) "हाल" का बहुवचन
हालिक—(अ) बाधक, घातक, हिंसक
हाली—(अ) आधुनिक, अभी का, शीघ्र, सम्प्रति, इसी समय, अभी, वह व्यक्ति जो आभूषणों से अल्कृत हो
हाले जार-(मि) प्रतिकूल परिस्थिति
हावन—(फ) ओखली, उलूखल, खरल
हावन दस्ता—(फ) उलूखल और मूसल, ओखली और घनकुटा
हाविया—(अ) दोजख का सबसे निचला भाग, सातवाँ नरक [मुसल्मानों का]
हावी—(अ) चारों ओर से घेरने वाला, सब भाँति वश मे रखने वाला, प्रवीण, दक्ष, चतुर
हाशा—(अ) कदापि, कभी, कभी नहीं, मगर, सिवाय
हाशिम—(अ) मुहम्मद साहब के परदादा का नाम
हाशिया-(अ) किनारा, गोट, पाड़,

मग़ज़ी, नौकर चाकर, किताब के हाशिया या किनोर पर का लेख

हाशिया का गवाह = वह गवाह जिस का नाम दस्तावेज़ के हाशिया पर लिखा हो, मौके का साक्षी,

हाशिया चढाना = किसी बात में मनोरंजन के लिए अपनी ओर से कुछ मिला देना

हासिद—(अ) डाह रखने वाला, ईर्ष्या करनेवाला, ईर्ष्यालु, अशुभ चिंतक

हासिल—(अ) प्राप्ति, फल, परिणाम, लाभ, नफा, उपलब्धि, पैदावार, उपज

हासिल कलाम—(अ) भाव यह कि, तात्पर्य यह कि, साराश यह कि

हासिल जर्ब—(अ) वह संख्या जो गुणा करने पर प्राप्त हो, गुणनफल

हासिल जमा—(अ) योग फल, जोड़, जमा, योग

हिकमत—(अ) चातुर, बुद्धिमत्ता, क्रिया कौशल, युक्ति, तदबीर, चिकित्सा शास्त्र, हकीम का काम या पेशा, हकीमाई, वैद्य तत्वज्ञान, ब्रह्मज्ञान, दर्शनशास्त्र

हिकमत अमली—(अ) नीति निपुणता, कूट नीति, चालाकी चतुराई

हिकमती–(अ) तत्वज्ञानी, दार्शनिक चतुर, चालाक

हिकमते मदनी—(अ) नागरिक शास्त्र, नगर व्यवस्था

हिकायत—(अ) बात, किस्सा कहानी

हिक़ारत—(अ) घृणा, अनादर अप्रतिष्ठा

हिजर–(अ) वियोग, बिछोह, जुदाई

हिजरत–(अ) वियुक्त होना, बिछुड़ना, जन्म भूमि से अलग होना, देश छोड़कर विदेश में जा बसना

हिजराँ—(अ) सम्बन्ध विच्छेद करना, वियोग, जुदाई

हिजराँ नसीब–(मि) जिसके भाग्य में सदा अपने प्रियजनों से अलग रहना बदा हो

हिजरी—(अ) इस्लाम धर्मी, मुहम्मद साहब की हिजरत का

तारीख से चलने वाला सन्
हिजाज—(अ) परस्पर प्रेम करना
हिजाब—(अ) लाज, शर्म, लिहाज, ओट, पर्दा
हिजाबत—(अ) परदा करना, दरबानी, दरबान का काम
हिज़ियान—(अ) बुखार की अधिक तेजी में प्रलाप करना, बड़बड़ाना
हिजो—(अ) निन्दा, अपमान
हिज्क़—(अ) बुद्धिमानी
हिज्जे—(अ) किसी शब्द के अक्षरों को उनकी मात्रा आदि बताते हुए अलग-अलग उच्चारण करना
हिज्र—(अ) देखो "हिजर"
हिदायत—(अ) शिक्षा, उपदेश, सन्मार्ग प्रदर्शन, सीधा रास्ता बतलाना, कर्तव्याकर्तव्य का उपदेश करना
हिदायत नामा—(मि) वह पत्र या पुस्तक जिसमें कर्तव्याकर्तव्य का विवेचन किया गया हो।
हिना—(अ) मेंहदी, मेंहदी नामक एक वृक्ष
हिनाई—(अ) मेंहदी का, मेंहदी का सा [लालरंग] जिसमें मेंहदी लगी हो
हिनाबन्दी—(मि) मुसल्मानों में विवाह से पहले की एक रस्म जिसमें वर की तरफ से बधू के घर मेंहदी आदि वस्तुएँ भेजी जाती हैं, मेंहदी
हिन्द—(फ) हिंदुओं का देश
हिन्दसा—(फ) अंक, अंकगणित, रेखागणित
हिन्दसा दाँ—(फ) अंक, या गणित शास्त्र का जानने वाला, गणितज्ञ
हिन्दी—(फ) हिंद या भारत का, भारतीय आदमी, भारतीय भाषा, भारत की कोई वस्तु
हिन्दुवाना—(फ) तरबूज
हिन्दू—(फ) हिन्द या भारत का निवासी, चोर, डाकू, लुटेरा, गुलाम
हिन्दोस्तान—(फ) भारतवर्ष, हिंदुओं के रहने का स्थान या देश
हिफाज़त—(अ) देख भाल, संरक्षण सुरक्षा, किसी वस्तु को उस ढंग से रखना जिसमें वह खराब या नष्ट न होने पावे
हिफ्ज़—(अ) कण्ठाग्र, मुखाग्र, ज़बानी

याद करना, रटना, स्मरण करना, घोखना, हिफ़ाजत, शिष्टाचार, लिहाज, मर्यादा

हिफ्जुल गैब—(अ) किसी की पीठ पीछे भलाई करना

हिफ्जे मरातिब—(अ) बड़ों की मर्यादा का ध्यान

हिफ्जे मातक़द्दुम—(अ) भविष्य काल के लिए पहले से किया गया बचाव

हिफ्ज़े सेहत—(फ़ा) स्वास्थ्य रक्षा

हिबा—(अ) दान, प्रदान, बख्शिश, पुरस्कार

हिबा नामा—(मि) दान पत्र, वह पत्र जिसमें किसी वस्तु के किसी को दान करने का उल्लेख हो

हिमयानी—(अ) एक पतली थैली जिस में रुपए भरकर कमर में बांधते हैं, तोड़ा, वासनी

हिमाक़त—(अ) नासमझी, मूर्खता, बेवकूफी

हिमायत—(अ) तरफदारी, ओर उठना, पक्ष करना, मदद, शरण, रक्षा

हिमायती—(अ) तरफ़ दारी करने वाला, पक्षपाती, ओर लेने वाला, रक्षक, मददगार, शरण देने वाला

हिम्मत—(अ) साहस, दृढ़ता, पराक्रम, बहादुरी, किसी काम के करने की मानसिक दृढ़ता

हिरफ़—(अ) पेशा करना, कसब कमाना

हिरफ़त—(अ) पेशा, कसब, हुनर, विद्या, गुण, कारीगरी, कला कौशल, धूर्तता

हिरफ़ा—(अ) कारीगरी, शिल्प, कला-कौशल

हिरम—(अ) निषिद्ध वस्तु या भाव, अवैध

हिरमा—(अ) वञ्चित, निराश, वञ्चित होना, निराशा, असफलता, दुःख

हिरमिज़ी—(अ) एक प्रकार की लाल मिट्टी जो प्रायः लकड़ी की चीज़ रँगने के काम आती है, हिरमिज़ी के से रंग का

हिरस—(अ) लालच, लिप्सा, तृष्णा, प्रेम

हिरास—(फ) भय, डर, निराशा

हिरासत—(अ) निगरानी, सुपुर्दगी, देख-भाल, पहरा, चौकी, नजर बंदी, क़ैद

हिरासाँ—(फ़) निराश, हताश, भय भीत, डरा हुआ, खेतों में हरिण आदि को डराने के लिए लकड़ी पूँस आदि से बनाया हुआ आदमी का पुतला, विजूका

हिर्ज़—(अ) शरण लेने का स्थान, रक्षा गृह, यन्त्र, तावीज

हिर्स—(अ) देखो 'हिरस'

हिलाल—(अ) नया चन्द्रमा, शुक्ल पक्ष की दौज या तीज का चन्द्रमा

हिलाली—(अ) हिलाल सम्बन्धी, हिलाल या द्वितीया के चन्द्रमा जैसा, एक प्रकार का तीर जिसका फल दौज के चन्द्रमा की शक्ल का होता है

हिल्म—(अ) सहिष्णुता, सहनशीलता, बरदाश्त, स्वभाव की कोमलता

हिस—(अ) इन्द्रियों द्वारा अनुभव करना, गति

हिसाब—(अ) गणित, गिनती, आय व्यय का लेखा, उचापत, उधार-खाता, भाव, दर, दशा, अवस्था, हाल, चाल, व्यवहार, व्यवस्था, नियम, कायदा, समझ, विचार, धारणा, रंग-ढंग, रहन सहन, तराक़ा

हिसाब चुकाना = लेना देना, ले देकर निबटाना

हिसाब देना = आय-व्यय का ब्यौरा बताना

हिसाब बैठना = ठीक ठीक व्यवस्था होना, उचित प्रबन्ध होना, अनुकूल सुभीता या सुझाव होना

हिसाब से = लिखे हुए ब्यौरे के अनुसार, परिमाण, क्रम या गिनती के अनुसार, संयम से, आय के अनुसार

टेढ़ा हिसाब = कठिन काम, अव्यवस्था, गड़बड़

बे हिसाब = अंधाधुंध, बहुत अधिक, बेजा

हिसाबी—(अ) गणितज्ञ, हिसाब जानने वाला, ठीक, उचित, कायदे का, हिसाब का

हिसार—(अ) नगर की चहार

दीवारी, शहर पनाह, परकोटा, किला, गढ़, कोट

हिस्स–(अ) अनुभूति, ज्ञान, सचेत होना, चेष्टा

हिस्सा—(अ) भाग, अंश, टुकड़ा, खंड, शाखा, बाँट, विभाग, अंग, अवयव

हिस्सा रसद–(मि) पाने वालों की गिनती के अनुसार भाग करने पर जितना बाँटमें आवे, अंश या भाग के अनुसार.

हिस्सा रसदी—(मि) देखो हिस्सा रसद

हिस्सेदार–(मि) भागी, साझी, जो किसी वस्तु में म अंश या भाग का अधिकारी हो

हिस्से मुश्तरक–(अ) वह आन्तरिक शक्ति जो इन्द्रियों द्वारा प्रकट की गई वस्तु का अनुभव करती है

हीज–(फ) हिजड़ा, नपुंसक, पस्त

हीन–(अ) समय, काल

हीन हयात–(अ) मृत्यु समय तक उम्र भर, आजन्म, सारी उम्र

हील—(अ) "हीला" [बहाना] का बहुवचन

हीलतन—(अ) हीलेसे, छल से, बहाने से

हीला–(अ) बहाना, निमित्त, द्वार, वसीला, मिस, मक्कारी, धूर्तता, छल छिद्र

हीलाबाज़—(मि) चालाक, धूर्त, मक्कार, बहाना करने वाला

हीला साज़–(मि) देखो 'हीलाबाज'

हुकना–(अ) देखो "हुक्ना"

हुकुम–(अ) देखो "हुक्म"

हुकमा—(अ) "हकीम" (विद्वान् आप्त) का बहुवचन

हुकूमत—(अ) देखो "हुकूमत

हुक्का—(अ) तमाकू का धुआँ पीने के लिए एक विशेष प्रकार का बना हुआ यन्त्र, फरशी, गुड़ गुड़ी, गड़गड़ा या दबाने रखने का डिब्बा

हुक्का बरदार—(मि) हुक्का लेकर साथ चलने या हुक्का भरनेवाला नौकर

हुक्काम–(अ) "हाकिम" अधिकारी, या शासक का बहुवचन.

हुक्म—(अ) आज्ञा, आदेश, इजा

जत, अनुमति, स्वीकृति, बड़ों का कथन, शिक्षा, विधि, नियम, अधिकार, खेलने के ताशों का एक रंग
हुक्म अन्दाज़—(मि) अचूक निशाना लगाने वाला
हुक्म नामा—(मि) आज्ञा पत्र, वह जिसमें कोई आज्ञा लिखी हो
हुक्म बरदार—(मि) हुक्म मानने वाला, आज्ञा पालक, आज्ञा पत्र मानने वाला
हुक्मराँ—(फ) शासक, आज्ञा देने वाला, राजा
हुक्म रानी–(मि) शासन, हुकूमत
हुक्मी—(अ) आज्ञाकारी, अचूक, ठीक काम करने वाला, हुक्म मानने वाला, सदा, हमेशा
हुज़न—(अ) देखो "हज़न"
हुजब–(अ) "हिजाब" का बहुवचन
हुजरा—(अ) कोठरी, छोटा कमरा, मस्जिद में की वह एकान्त कोठरी जिसमें बैठकर लोग खुदा की इबादत करते हैं, कोठी, भवन
हुजूम–(अ) भीड़, समुदाय, जन समूह, आक्रमण
हुज़ूर—(अ) देखो "हज़ूर"
हुज़ूर वाला–(अ) श्रीमान्, जनाब आली
हुज़ूरी—(अ) बादशाह का दरबार, सामीप्य, निकटता
हुज्जत–(अ) झगड़ा, विवाद, व्यर्थ का झगड़ा, ननुनच, वाद विवाद, तर्क, युक्ति
हुज्जती—(अ) झगड़ालू, विवाद करने वाला
हुज्र—(अ) व्यर्थ प्रलाप करना
हुद हुद—(अ) खुटबढ़ई नामक पक्षी, कठफोड़ा
हुदा—(अ) मोक्ष का मार्ग, सीधा रास्ता
हुदूद—(अ) " हद [सीमा] " का बहुवचन
हुदूद अरबा–(अ) चारों ओर की सीमाएँ, चौहद्दी
हुद्दा—(अ) देखो "हुदा"
हुनर–(फ) कलाकौशल, कारीगरी, करतब, गुण, चतुराई, युक्ति
हुनर मन्द–(फ) हुनर जाननेवाला कारीगर, गुणी, चतुर
हुनूद–(अ) "हिन्दू" का बहुवचन
हुब—(अ) इच्छा, चाह, उमंग,

उत्साह, प्रेम, प्रीति, दोस्ती, मित्रता

हुबल—(अ) मक्के में रक्खी हुई एक प्राचीन प्रतिमा जिसकी वहाँ इस्लाम मत का प्रचार होने से पहले पूजा की जाती थी

हुबला—(अ) गर्भिणी, गाभिन

हुबाब—(अ) पानी का बुल्बुला, बुदबुद, मिचना, काच का लट्टू जो सजावट के लिए छत आदि में लटकाया जाता है, एक प्रकार का आभूषण जो हाथ में पहना जाता है

हुबूब—(अ) "हब या हुब्ब" का बहुवचन गोलियाँ, अन्न व दाने

हुब्ब—(अ) देखो "हुब" प्रेम, प्रीति, उमंग, उत्साह

हुब्ब-उल-वतन—[अ] स्वदेश प्रेम

हुब्बे वतन—(अ) स्वदेश प्रेम

हुमक़—(अ) मूर्खता, नासमझी

हुमा—(फ़) एक कल्पित पक्षी जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि यह केवल हड्डियाँ खाता है और जिस किसी के ऊपर उसकी छाया पड़ जाती है वह धनवान और राजा तक हो जाता है

हुमायूँ—(फ) शुभ, मंगल कारक, मुबारक, सफल मनोरथ, एक बादशाह का नाम जो अकबर का पिता था

हुरक़त—(अ) जलन, दाह

हुरमत—(अ) इज्जत, आबरू, प्रतिष्ठा

हुर मुज़—(फ़) सौर मास या नवीन संक्रान्ति का प्रथम दिन, (इस रोज़ मुसल्मानों में नवीन वस्त्र पहनना या यात्रा करना शुभ माना जाता है)

हुरूफ़—(अ) देखो "हरूफ़"

हुर—(अ) स्वतन्त्र, स्वाधीन

हुरा—(अ) स्वतन्त्र या स्वाधीन स्त्री

हुर्रियत—(अ) स्वतन्त्रता, स्वाधीनता

हुलिया—(अ) रूपरंग, शक्लसूरत, शरीर और चेहरे की बनावट, वे बढ़िया-बढ़िया धन्याभूषण जो राजकर्मचारियों को राजदरबार

में पहनने के लिये राजा की ओर से दिये जाते हैं, खिलअत, गहना, आभूषण

हुलिया होना = सेना में नाम लिखा जाना

हुवैदा—(फ) प्रकट, स्पष्ट, ज़ाहिर

हुशियार—(फ) देखो "होशियार"

हुशियारी—(फ) देखो "होशियारी"

हुसूल—(अ) हासिल, उपलब्धि, प्राप्ति, लाभ, फ़ायदा

हुसैन—(अ) मुहम्मद साहब के छोटे धेवते का नाम, ये करबला के युद्ध म यज़ीद की आज्ञा से मारे गए थे, इन्हीं की यादगार म मुहरम मनाए जाते हैं

हुसैन बन्द—(मि)बिना नग जडी हुई चादी की दो अँगूठिया जो शीया मुसल्मान अपने बच्चों को पहनाते हैं

हुसैनी—(अ) हुसैन से सम्बन्ध रखनेवाला

हुस्न—(अ) भला, सुन्दर, रूप, सौन्दर्य भलाई, उत्तमता, विशेषता

हुस्न तलब—(अ) किसी चीज का ऐसे सुन्दर ढग से माँगना जिसमें माँगना प्रकट न हो

हुस्न दान—(मि) एक प्रकार का छोटा पानदान

हुस्न परस्त—(मि) सौन्दर्योपासक, रूप का पुजारी

हुस्ने मतला—(अ) ग़ज़ल में मतले (प्रथम शेर) के बाद का ऐसा शेर जिसके दोनों चरणों में अनुप्रास हों तथा जो मतले के ही समान हो

हुस्ने महफिल—(अ) एक प्रकार का हुक्का

हुस्ने माह अनवर—(अ) चमकते हुए चन्द्रमा की सुन्दरता

हुस्ने मुतलक़—(अ) स्वर्गीय सौन्दय, दिव्यरूप, दिव्यज्योति

हू—(अ) मय, ईश्वर अल्लाह का नाम जो किसी लेख या पुस्तक के प्रारम्भ में शुभ मानकर मगलाचरण के रूप में लिखा जाता है "अल्लाह हू" का सक्षिप्त रूप

हू का आलम = ऐसा सुनसान और

भयानक स्थान जहाँ कहीं कुछ भी न दिखाई दे

हूत —(अ) मछली, मत्स्य, (ज्योतिष में) मीन राशि

हूरा—(फ़) ठीक, सच्चा, दुरुस्त
बेहूरा = बे ठीक, नाहियात, भद्दा

हूर—(अ) अत्यन्त सुन्दर, वह गोरे रंग और सुन्दरी स्त्री जिसके सिर के बाल और आँखों की पुतलियाँ खूब काली हों, स्वर्गीय सुन्दरियाँ, बहिश्त में रहनेवाली परियाँ, अप्सराएं

हूराने खुल्द—(अ) बहिश्त की परियाँ, अप्सराएँ

हू हक़—(अ) ईश्वर का भजन, हल्ला-गुल्ला

हू बहू—"हूबहू"—(अ) ज्यों का त्यों, जैसे का तैसा, यथातथ्य

हेच—(फ़) तुच्छ, घृणित, निकम्मा, हीन, निरर्थक, बहुत थोड़ा, कुछ, कुछ

हेच कस—(फ़) निकम्मा, गिर पड़ा, अनाथ

हेच कारा—(फ़) देखो "हेच कस"

हेच मदाँ—(फ) अनभिज्ञ, अज्ञान, अनजान, जो कुछ न जानता हो

हेमा—(फ) जलाने की लकड़ी, ईंधन

हैकल—(अ) विशाल काय, बड़े डील डौल का, गले में पहनने का एक गहना, हमेल, तावीज़, यन्त्र, किसी महर्षि नाम पर बनाई गई मूर्ति, मन्दिर, शोभा

हैज़—(अ) स्त्रियों का मासिक धर्म

हैजा—(अ) युद्ध, संग्राम, समर, लड़ाई

हैज़ा—(अ) एक प्रसिद्ध बीमारी जिसमें रोगी को दस्त और कै होते हैं, विसूचिका

हैजान—(अ) आवेश, जोश, वेग, तेजी

हैजा—(अ) युद्ध, पर्गोसर, पागल, दराधी

हैज़ुम—(फ़) ईंधन, जलाने की सूखी लकड़ियाँ

हैदर—(अ) हज़रत अली का उपनाम, सिंह, शेर, बबर

हैफ—(अ) खेद, अफसोस, दु ख जुल्म, अत्याचार.

हैबत—(अ) भय, डर, रौब, आतंक, धाक

हैबत अंगेज़—(मि) डरावना, भयानक

हैबत ज़दा—(मि) भयभीत, डरा हुआ, जिस पर किसी का रौब बैठ गया हो

हैबत नाक—(मि) भीषण, भयानक, डरावना, भयंकर

हैयत—(अ) देखो "हइयत"

हैरत—(अ) आश्चर्य, अचम्भा

हैरान—(अ) आश्चर्य चकित, भौचक्का, स्तब्ध, स्तम्भित, कथित, परेशान

हैरानी—(अ) हैरान होने की क्रिया अथवा हैरान होने का भाव

हैवान—(अ) पशु, जानवर, जीव, जन्तु, प्राणी, मूर्ख, निर्बुद्धि

हैवान नातिक़—(अ) बोलने वाला हैवान (प्राणी) अर्थात् मनुष्य

हैवान मुतलक़—(अ) पूरा पशु, बिलकुल जानवर, निरा मूर्ख, बड़ा बेवकूफ

हैवानिआत—(अ) प्राणि शास्त्र

हैवानियत—(अ) पशुता, पशुत्व, जानवर पन, मूर्खता, बेवकूफी

हैवानात—(अ) "हैवान" का बहु वचन

हैवानी—(अ) पशुओं जैसा, हैवानों का सा, पशुता

हैस बैस—(अ) लड़ाई, झगड़ा, चिल्ल पुकार, तकरार, दंगा, फिसाद

हैसियत—(अ) योग्यता, प्रतिष्ठा, गौरव, सामर्थ्य, शक्ति, आर्थिक अवस्था, बिसात वित्त, धन, सम्पत्ति, जायदाद, दर्जा, श्रेणी

हैसियत उर्फी—(अ) बाहरी और बनी हुई प्रतिष्ठा, बाहर फैली हुई प्रतिष्ठा

हैहात—(अ) हाय, अफसोस, दूर हो आदि अर्थों में प्रयुक्त होनेवाला अव्यय

होश—(फ) बोध, ज्ञान, चेतना, चेत, स्मरण, सुध, याद, बुद्धि, समझ

होश उड़ना = भय या आशंका से ज्ञानशक्ति का नष्ट या विचलित

हो जाना, सुध-बुध जाती रहना, सिट्टी गुम होना

होश करना = सचेत या सावधान होना

होश की दवा करो = बुद्धि को ठिकाने रक्खो, सोच विचार से काम लो

होश जाते रहना = होश उड़ना

होश ठिकाने होना = बुद्धि ठिकाने होना, चित्त की अधीरता या विकलता का मिटना, भ्रान्ति या मोह दूर होना, दण्ड मिलने पर अपराध का पश्चात्ताप होना

होश दंग होना = आश्चर्य में पड़ जाना, चकित होना, भय आदि के कारण बुद्धि का स्तम्भित हो जाना

होश दिलाना = याद दिलाना, स्मरण कराना

होश व हवास = बुद्धि और ज्ञान शक्ति

होश सँभालना = सयाना होना, उम्र बढ़ने पर सब बातें समझने लगना

होश मन्द—(फ़) बुद्धिमान, समझदार

होश मन्दी—(फ़) बुद्धिमानी, समझदारी

होशियार—(फ़) चतुर, दक्ष, कुशल, निपुण, समझदार, बुद्धिमान, सचेत, सावधान, चालाक, धूर्त, जिसने होश सँभाला हो, सियाना, चौकस

होशियारी—(फ़) चतुराई, दक्षता, कुशलता, निपुणता, समझदारी, बुद्धिमत्ता, सावधानी, चालाकी, सयानापन, धूर्तता, चौकन्नापन

हौआ—(अ) देखो "हव्वा"

हौज़—(अ) पानी जमा करने का छोटा कुंड, चहबचा, तालाब, सरोवर

हौदज—(अ) हाथी के पीठ पर स्त्रियों के बैठने के लिए रक्खी जानेवाली अम्मारी, ऊँट की काठी, कजावा

हौदा—(अ) हाथी की पीठ पर सवारियों के बैठने की सुविधा के लिए कसा जाने वाला खटोला, हौदज, अम्मारी

हौल—(अ) भय, डर, विकलता, घबराहट

हौलगीर—(मि) भयभीत, डरा हुआ, विकल

हौल ज़दा—(मि) डरा हुआ, भीत घबराया हुआ

हौल दिल—(मि) हृदय की धड़कन का रोग

हौल दिला—(मि) डरपोक, कायर, भीरु

हौल नाक—(मि) भीषण, भयानक, भयकर, डरावना

हौवा—(अ) देखो "हव्वा"

हौसला—(अ) साहस, हिम्मत, उल्लास, अरमान, आकांक्षा, कामना, सामर्थ्य, शक्ति, समाइ, पक्षी का पेट

चंद्रोदय प्रेस, लश्कर